ग्वालियर जैन निर्देशिका

सम्पादक मण्डल

प्रधान सम्पादक
प्रो. नरेन्द्रलाल जैन
एम. कॉम साहित्यरत्न

सह सम्पादक
श्री कपूरचन्द बरैया
एम. ए., साहित्यरत्न

सदस्य
श्री रविन्द्र 'मालव'
डी. एम. ई., बी. ए., विशारद

श्री कैलाशचन्द पांगवाल
बी. कॉम., एल-एल. बी.

श्री नरेन्द्र कुमार सोनी
बी. ए., एल-एल. बी.

प्रबन्ध-संचालक
श्री केशरीमल पाटनी
एम. कॉम., आर. एम. पी.

GWALIOR JAIN DIRECTORY

प्रकाशक
वर्द्धमान दि. जैन नवयुवक संघ
डीडवाना ओली, ग्वालियर-१

मुद्रक
साधना प्रेस, ग्वालियर-१

वीर नि. संवत् २४९५
दिनांक १ जुलाई, १९६९

वर्द्धमान दिगम्बर जैन नवयुवक संघ
डीडवाना ओली, ग्वालियर-१

वर्तमान सदस्यों की सूची

पदाधिकारी:—

संरक्षक	:	श्री मानिकचन्द जैन	एम. ए., एल-एल. बी., सेल्स टेक्स काऊन्सलर
अध्यक्ष	:	प्रो. लालचन्द जैन	एम. कॉम., एल-एल बी., सा० रत्न, एम. बी ए.
उपाध्यक्ष	:	प्रो. एन. एल. जैन	एम. कॉम., साहित्य रत्न,
,,	:	श्री धर्मचन्द बाकलीवाल	बी. कॉम.
महामन्त्री	:	श्री केशरीमल पाटनी	एम. कॉम., आर. एम. पी.
सहमन्त्री	:	श्री कैलाशचन्द गंगवाल	बी. कॉम, एल-एल. बी, एडवोकेट
क्रीड़ामन्त्री	:	श्री चन्द्रमोहन पाटनी	एम. बी. बी. एस.
ललितमन्त्री	:	श्री रविन्द्र 'मालव'	डी. एम. ई., बी. ए., विशारद
पुस्तकालय एवं	:	श्री प्रमोदकुमार पाटनी व	
वाचनालय मंत्री	:	श्री कमलकिशोर गोधा डी० टी० टी०	
धार्मिक एवं प्रचार मन्त्री	:	श्री अजितकुमार बड़जात्या एम. ए.	
संयुक्त मन्त्री	:	श्री राजेन्द्रकुमार पांड्या	
कोषाध्यक्ष	:	श्री मोतीलाल बज. दानाओली	

कार्यकारिणी सदस्य:— सर्वश्री नरेन्द्रकुमार सोनी बी० ए०, एल-एल० बी०, प्रमोदकुमार बिन्दायका बी० ई०, कमलचन्द कासलीवाल, तेजकुमार गंगवाल एम० ए०, नरेन्द्रकुमार पाटोदी, अनिलकुमार गोधा, सुरेशचन्द जैन, ऋषभकुमार पापड़ीवाल बी० एस-सी०, कमलचन्द गंगवाल ।

साधारण सदस्य:— प्रो० शान्तिचन्द गिरधरवाल एम० कॉम०, सर्वश्री उत्तमचन्द गंगवाल, सुरेन्द्रकुमार जैन बी० ए०, धर्मकुमार गोधा एम० एस-सी०, होतीलाल जैन एम० कॉम०, निर्मलकुमार गिरधरवाल बी० ई०, सुरेशचन्द जैन, विजयकुमार पांड्या, अशोककुमार गंगवाल, पवनकुमार, राजकुमार पाटनी, बसन्तकुमार गंगवाल, देवेन्द्रकुमार भौंच, विनोदकुमार गंगवाल, नेमीचन्द जैन, अशोककुमार, नरेन्द्रकुमार पाटोदी, चन्द्रकुमार गंगवाल, राजेन्द्रकुमार गंगवाल, रतनचन्द जैन, कपूरचन्द जैन, कृष्णकुमार, कपूरचन्द तिलकनगर, आनन्दकुमार जैन, अशोककुमार; राजेन्द्रकुमार जैन, बालकिशन, देशभूषण जैन, धर्मचन्द जैन, विमलचन्द पाटनी, नरेन्द्रकुमार, विनोदकुमार बिन्दायका, पी० सी० जैन, सुरेशचन्द जैन, प्री० घनश्यामदास जैन, विजयकुमार अजमेरा, निर्मलकुमार, रिखबचन्द, नेमीचन्द, सुमेरचन्द, पी० के० जैन, प्राणनारायण जैन, रमेशचन्द, भागचन्द, नेमीचन्द बरैया, नेमीचन्द जेसवाल, सतीशकुमार पाटनी, सन्तोषकुमार सेठी, मानकचन्द, बसन्तकुमार पाटनी, जिनेशचन्द । • • •

शुभ-सन्देश

कार्यवाहक राष्ट्रपति—भारत सरकार, नई दिल्ली

"मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई कि आप वर्द्धमान दिगम्बर जैन नवयुवक संघ, ग्वालियर के तत्वावधान मे "जैन डायरेक्टरी ग्वालियर" प्रकाशित करने जा रहे हैं।

मैं आपके प्रयास की सफलता के लिये अपनी हार्दिक शुभकामनाएं भेजता हूँ।"

—वी० वी० गिरि

मन्त्री—श्री अ० भा० दिगम्बर जैन शास्त्री परिषद्, बड़ौत (मेरठ)

"आप जैन डायरेक्टरी बना रहे हैं, जानकर प्रसन्नता हुई। कार्य कांटों से भरा है। पग-पग पर कांटे बिछे हैं। असफलता के इच्छुक बाधा पहुचायेंगे, पर चिन्ता न करना, बढ़ते रहना। आपके साथ प्रभु भक्ति रहेगी।

वीर प्रभु से प्रार्थना है कि आप अपने इस शुभ कार्य मे सफलता प्राप्त करें।"

—बाबूलाल जैन जमादार

संचालक—साहित्य शोध विभाग, जयपुर

"यह जानकर प्रसन्नता हुई कि वर्द्धमान दिगम्बर जैन नवयुवक संघ ग्वालियर ने ग्वालियर जैन डाइरेक्टरी के प्रकाशन की एक योजना बनाई है। योजना अतीव सुन्दर है। मुझे सम्बन्धित कार्य में अपेक्षित सहयोग देने में प्रसन्नता होगी।

ग्वालियर जैन साहित्य एवं संस्कृति का केन्द्र रहा है यहां की विस्तृत जानकारी प्रकाशित होना आवश्यक है।'

—डॉ० कस्तूरचन्द कासलीवाल

इस्पात, खान और धातु—राज्य मन्त्री

"यह जानकर प्रसन्नता हुई कि आप "ग्वालियर जैन डायरेक्टरी" नामक पुस्तक का प्रकाशन करने जा रहे हैं। जिसमे ग्वालियर जिले की जैन गणना, मन्दिर एवं अन्य सम्बन्धित बातो का विवरण किया जावेगा।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि इस पुस्तक के माध्यम से समाज के हर वर्ग के लोगों को लाभ प्राप्त होगा। मैं आपके प्रयास की पूर्ण सफलता की कामना करता हू।"

—प्रकाशचन्द सेठी

ग्वालियर जैन निर्देशिका

विषय-सूची



• भूमिका

इस देश की आर्थिक सामाजिक एवं शैक्षणिक प्रगति इस बात पर आधारित है कि इसके निवासी कितने परिश्रमी, धार्मिक एवं गतिशील हैं। नागरिकों के समूह, जाति एव सम्प्रदायो में विभाजित होने के कारण उन्हें संगठित करने का एक मात्र उपाय यह है कि हम सीमित क्षेत्र की जनगणना करें एवं उस दिशा में उनकी समस्याओ को हल करने के प्रयत्न करें। आधुनिक युग मे सगठन ही शक्ति है। इसी उद्देश्य से श्री वर्द्धमान दिगम्बर जैन नवयुवक संघ ने ग्रेटर ग्वालियर की जैन जनगणना का कार्य सम्पन्न किया है।

ग्वालियर का जैन समाज उत्साही, महत्वाकांक्षी एवं प्रगतिशील है। योग्य एवं दूरदर्शी व्यक्तियों के नेतृत्व मे उसके नवयुवको ने पिछले २०-२५ वर्षों में अनेक सामाजिक व धार्मिक कार्य सम्पन्न किये है। समाज के सदस्यों की वैयक्तिक प्रगति के लिये जितना कार्य होना चाहिए उतना फिर भी पूरा नही किया जा सका है। शिक्षा, स्वास्थ्य, नैतिक, मानसिक आदि स्तर पर सगठन के माध्यम से जितना कार्य उन्नति के लिए किया जाय, समाज व देश दोनो उतने अधिक सुखी, समृद्ध व सन्तुष्ट होगा ऐसा मेरा विश्वास है।

ग्वालियर जैन समाज की जनगणना का यह सर्वप्रथम प्रथम प्रयास है इस कार्य मे जिन नवयुवकों व समाज के अन्य महानुभावो ने सहयोग दिया वे बधाई के पात्र है। रचनात्मक कार्य की दिशा में उनका यह कार्य आधार स्तम्भ की तरह कार्य करेगा। मुझे आशा है कि इस जानकारी के माध्यम से जैन समाज भविष्य मे शिक्षा, सामाजिक कुरीतियो के सुधार, आर्थिक उन्नति आदि का विस्तृत रूप से सर्वेक्षण कर सकेगा तथा अपने लक्ष्य तक पहुचने मे सफल होगा।

तथ्यो व आकड़ो के संग्रहण व सम्पादन मे प्रो० एन० एल० जैन, श्री केशरीमल पाटनी श्री कपूरचन्द बरैया, श्री मिश्रीलाल जी पाटनी, श्री नरेन्द्रकुमार सोनी, श्री कैलाशचन्द जैन, श्री धर्मचन्द बाकलीवाल, श्री रविन्द्र 'मालव', श्री प्रमोदकुमार पाटनी, श्री मोहनलाल अग्रवाल, श्री प्रमोदकुमार बिन्दायका श्री कमलकिशोर आदि ने जो योगदान दिया है वह सराहनीय हैं। समाज सेवा के क्षेत्र मे उनका यह सहयोग अन्य युवकों को व समाज को प्रेरणा देगा ऐसा मेरा विश्वास है।

१ जुलाई, १९६९

लालचन्द जैन
अध्यक्ष, वर्द्धमान दि० जैन नवयुवक सघ

संपादकीय



श्री वर्द्धमान दिगम्बर जैन नवयुवक संघ, ग्वालियर द्वारा जैन निर्देशिका का प्रकाशन कार्य इस बात का प्रमाण है कि यदि हम किसी कार्य को करना चाहते हैं और उसके प्रति हमारी सच्ची लगन है तो वह कार्य प्रारम्भ मे साधन न होते हुये भी सम्पन्न हो सकता है ।

व्यवसायिक, औद्योगिक, शैक्षणिक आदि कारणों से नगर के विभिन्न भागो और नई बस्तियों में समाज के व्यवसायी, दूकानदार, विद्यार्थी, नोकरी पेशा लोग बसते जा रहे हैं । यह आवश्यक है कि उनका संबंध समाज से रहे और समाज को भी उनके सम्बन्ध में पूरी-पूरी जानकारी रहे उन्हे समय समय पर होने वाले धार्मिक व सामाजिक उत्सवो से अवगत रखा जाय । समाज के मन्दिरों, धर्मशालाओं और अनेक बातो का इतिहास स्वयम् किसी भी नगर के स्थायी निवासियो को नहीं कहने पाता । इसलिए संग्रहित रूप मे उसकी उपलब्धि अपना महत्व रखती है ।

ग्वालियर जैन निर्देशिका का प्रमुख उद्देश्य सम्पूर्ण समाज का सगठन करना है जिसमे प्रत्ये   को आर्थिक, सामाजिक, शैक्षणिक और सांस्कृतिक प्रत्येक दिशा मे विकास करने का अवसर मिल सके इसमे समारोहों का सफलता पूर्वक आयोजन, खेलकूद का नियोजन, वाद विवाद प्रतियोगिताएं, विचार गोष्ठियां, बाहर से आमन्त्रित विद्वानो के भाषण और वैवाहिक सम्बन्धो के लिए समाज को आवश्यक जानकारी आदि ऐसे कार्य होगे जिससे समाज मे जागृति और नवचेतना का सचार हो सके ।

वृहत्तर ग्वालियर मे तीन उपनगर सम्मिलित हैं । (१) ग्वालियर (पुरानी बस्ती) (२) लश्कर और (३) मुरार । ग्वालियर : उत्तर पूर्व मे पहाड़ी के नीचे बसी हुई प्राचीन बस्ती है, यहां किले का प्रमुख द्वार है ।

लश्कर : ग्वालियर उपनगर से २ मील दूर दक्षिण दिशा में है । लश्कर उपनगर मराठा और विशेष रूप से सिंधिया शासको के कारण बसा है । महाराजा दौलतराव सिंधिया ने अपनी सेना के कैम्प के लिए इस स्थान को चुना था । धीरे-धीरे वह स्थान एक गाव से नगर और सिंधिया की राजधानी होने के कारण नगर से एक शहर बनगया ।

वृहत्तर ग्वालियर का तीसरा उपनगर मुरार है । यह ग्वालियर उपनगर से २ मील दूर पूर्व दिशा मे मुरार नदी के किनारे स्थित है । मुरार अंग्रेजों की सेना का स्थान (छावनी) था । सन १८४४ मे इसे अंग्रेजों

ने बसाया था सन १८८५ में अंग्रेजों ने झाँसी के किले के बदले में ग्वालियर दुर्ग और मुरार छावनी सिंधिया को सौंप दी।

ग्वालियर जैन निर्देशिका मे नगर के तीनों भागों मे स्थित दिगम्बर व श्वेताम्बर जैन समाज की जानकारी दी गई है। जिसे दो भागों मे बांटा गया है:—प्रथम भाग मे ग्वालियर के इतिहासिक विवरण मन्दिर, व स्थानक, धर्मशालायें, औषधालय, पुस्तकालय, धार्मिक शिक्षण संस्थाओं, नवयुवक संघो, समीप स्थित तीर्थ क्षेत्रों, धार्मिक महोत्सवों आदि का विवरण दिया गया है। निर्देशिका का द्वितिय भाग जनगणना से सम्बन्धित है। इस भाग में बाजारों के अनुसार जैन परिवारों के १४ वर्ष से व उससे अधिक आयु के सदस्यो के नाम, आयु, शिक्षा, प्रमुख से सम्बंध, वैवाहिक स्थिति व जीवकोपार्जन सम्बन्धित विवरण हैं। इस कार्य मे अत्यन्त उदार दृष्टिकोण रखा है। दिगम्बर, श्वेताम्बर (मन्दिर मार्गी, साधुमार्गी, तेरापन्थी) जैन समाज का विवरण अलग अलग दिया है। जिससे प्रत्येक वर्ग को समाज की पूर्ण जानकारी मिल सके।

दिगम्बर समाज की उपजातियों के अनुसार सूची दी गई है जिसमे परिवार के पूर्ण सदस्यो की संख्या भी दी है। छात्रावासो में रहने वाले विद्यार्थियों का पूर्ण विवरण, नाम, शैक्षणिक योग्यता, वैवाहिक स्थिति, स्थायी पता आदि दिया गया है। पेशेवार, शिक्षा, उम्र आदि के अनुसार वर्गीकरण करके संपूर्ण स्थिति को संक्षेप में बतलाने का भी प्रयत्न किया है।

ग्वालियर पिछले १५०० वर्षों से जैन संस्कृति और साहित्य का केन्द्र रहा है। १४ वी--१५ वी सदी मे जैन मुनी और आचार्यों के प्रभाव से तोमर वंशीय राजा डूगर सिंह, व कीर्ति सिंह के काल मे ग्वालियर के विशाल दुर्ग के चारो ओर विशाल और लघु कुल मिलाकर १५०० से भी अधिक जैन मूर्तियों का उत्खनन हुआ। इस तरह ग्वालियर का दुर्ग एक जैन तीर्थ के रूप मे परिवर्तित हो गया। इस अवधि मे ग्वालियर दुर्ग पर एक जैन विद्यापीठ चला करता था। महाकवि रईधू और अन्य आचार्यों ने इस अवधि मे विपुल मात्रा म जैन साहित्य की रचना की है।

ग्वालियर के आस पास का क्षेत्र जैन पुरातत्व के अवशेषों से भरा हुआ है। दुर्ग पर गूजरी महल मे स्थित म्यूजियम मे सैकड़ो प्राचीन दिगम्बर जैन मूर्तियां और अनेक शिलालेख हैं। किले के उरवाई गेट पर कुल मिलाकर ११३० मूर्तियां उत्खनित हैं। गोपाचल के बाहरी हिस्से मरीमाता के ऊपर ३०० मूर्तिया स्थित हैं। पनिहार, सिहोनियां, नरवर, श्योपुर, धुआ में जैन पुरातत्व के खंडहर सर्वत्र दृष्टिगोचर होते है।

ग्वालियर के अनेक मंदिरो मे अत्यन्त प्राचीन जिनबिम्ब प्रतिष्ठित है। वे संवत् १०२४ से १८८३ तक के हैं। जैन साहित्य और पुरातत्व के विस्तृत अध्ययन की आवश्यकता है। नगर के अधिकांश मन्दिर मे शास्त्रो का प्रचुर संग्रह है। ग्वालियर में यति जी (भट्टारकों) के मन्दिर का शास्त्र भण्डार प्राचीन हस्तलिखित ग्रन्थो से भरा हुआ है किन्तु अनेक वर्षों से काल कोठरी में बन्द है जिसके निकलवाने का प्रयत्न जैन समाज लश्कर को करना नितान्त आवश्यक है।

जनसंख्या के सम्बंध मे सबसे महत्व पूर्ण बात यह है कि वह सदैव बदलती रहती है। ये परिवर्तन जन्म, मृत्यु और प्रवास के कारण होते हैं। इसलिए हमारे द्वारा प्रदत्त जानकारी का केवल अल्पकालिक महत्व ही है। हमने समाज के सभी परिवारों के विवरण प्राप्त करने का प्रयत्न किया है फिर भी यह सम्भावना है कि कुछ परिवारों का विवरण रह गया हो हमने अत्यन्त उदार एवं विस्तृत दृष्टिकोण से अपने कार्य का सम्पादन किया है। नगर की जैन सभा के इतिहास मे किया गया यह प्रथम प्रयास है। मुद्रण और तथ्य सम्बंधी जो भी भूलें

और त्रुटियां हों उनकी ओर सूचित कर पाठक वृन्द हमें अनुगृहीत करें। सम्बन्धित सुझाव भविष्य में सुधार हेतु विनम्र भाव से आमन्त्रित हैं।

ग्वालियर जैन निर्देशिका के सम्बन्ध में संघ के सदस्यों ने बहुत श्रम किया है। यह बृहद कार्य उन्हीं के श्रम, लगन और सेवा का परिणाम है। यदि हम युवावर्ग को उचित मार्ग दर्शन दें तो उनके सहयोग से कोई भी कठिन कार्य सरलता पूर्वक किया जा सकता है। हमने इस कार्य में नवयुवकों की सुप्त-गुप्त शक्ति और योग्यता का उपयोग किया है जो इस कार्य के अभाव में आलस्य; गपशप या आनन्द-प्रमोद में ही समाप्त होती। निर्देशिका प्रकाशन में संघ के अध्यक्ष प्रो. लालचन्द जैन के मार्ग दर्शन और संघ के महामन्त्री श्री केशरीमल पाटनी की प्रेरणा व लगन का विशेष मूल्य है। श्री केशरीमल ने फोटो बनाने, प्रैस-कार्य सम्हालने, सम्बन्धित सामग्री एकत्रित करने में दिन रात अथक परिश्रम किया है और निर्देशिका की प्रत्येक आवश्यकता का यथोचित प्रबन्ध किया है। उनसे समाज को अनेक आशायें हैं। इस कार्य में नगर के सुप्रसिद्ध, धर्म प्रेमी वयोवृद्ध, सामाजिक कार्यकर्ता श्री मिश्रीलाल जी पाटनी के सहयोग को भुलाया नहीं जा सकता। आपने नगर के धार्मिक महोत्सव, आस पास के जैन तीर्थ, जनगणना, जातिवार सूची, आदि विवरण पर बहुत अधिक सामग्री दी और कार्य को आगे बढ़ाने में हर समय हर तरह की मदद देने में अग्रगण्य रहे हैं। मन्दिर मार्गी श्वेताम्बर जैन समाज की जनगणना कार्य, मन्दिरों का विवरण आदि प्राप्त कराने में श्री सूरजराज जी धारीवाल ने उल्लेख-नीय सहयोग दिया है।

डॉ. कस्तूरचन्द कासलीवाल, जयपुर जैन पुरातत्व अन्वेषक, श्री परमानन्द शास्त्री, देहली, व प. सत्येन्धर जी सेठी, उज्जैन व श्री बाबूलाल जी जमादार मेरठ, से महत्वपूर्ण सुझाव प्राप्त हुये हैं (जिन में से कुछ को अलग परिशिष्ट में प्रकाशित करेंगे) उनके प्रति हम आभारी हैं।

इस कार्य में आर्थिक सहयोग देने हेतु हम सभी विज्ञापन दाताओं के आभारी हैं। श्री सरदार सिंह जी चोरड़िया जनरल मेनेजर जे. सी. मिल्स, श्री हीरालाल जी श्रीमाल मैनेजर—ग्वालियर रेयन, इन्डो कॉपीयर, इन्दौर, कोठारी मन्स के सहयोग के लिये विशेष आभारी हैं। विज्ञापन प्राप्त करने के कार्य में श्री पारसकुमार गगवाल, नरेन्द्रकुमार सोनी, श्री धर्मचन्द बाकलीवाल, श्री कैलाशचन्द गगवाल आदि ने उल्लेखनीय योग दिया है। श्री दिगम्बर जैन बड़ा मन्दिर, डोंडवानाओली, नया मन्दिर, दानाओली, चम्पाबाग मन्दिर, दानाओली, बड़ा मन्दिर, मामा का बाजार, आदि मन्दिरों से आर्थिक सहयोग भी प्राप्त हुआ है।

अन्त में हम अपने उन बन्धुओं के प्रति हृदय से आभार प्रगट करते हैं जिन्होंने प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप में मूक सेवा भाव से सहयोग दिया है परन्तु जिनके नाम का उल्लेख नहीं हो पाया है।

—नरेन्द्रलाल जैन



ग्वालियर



अतीत की दृष्टि में

भारत के हृदय स्थल पर स्थित ग्वालियर नगर का इतिहास अत्यधिक प्राचीन एवं मननशील है। यहा के इतिहास के सबध मे पर्याप्त शोध न होने के कारण अनेक ऐतिहासिक तथ्य प्रकाश मे नही आ पाये है। ग्वालियर को ऐतिहासिक महत्व प्रदान करने वाला सबसे महत्वपूर्ण स्थल ग्वालियर का दुर्ग है।

"गोपाद्रि" "गोपागिरी" और "गोपाचल" शब्द यहां स्थित उस पहाडिया, जिस पर कि आज ग्वालियर दुर्ग स्थित है, के लिये प्रयुक्त किये गये हैं। वर्तमान नाम ग्वालियर भी इन्हीं प्राचीन नामों गोपालगिरी-गवालहरि-ग्वालियर से उत्पन्न हुआ है। "गोपार्गी खेट" से इसका मराठी नाम "ग्वालहेर" बना है।

ग्वालियर दुर्ग को भारतवर्ष के प्राचीनतम किलों मे सबसे उत्तम माना जाता है। जनरल कनिंघम के अनुसार यह विश्वास किया जाता है कि इसकी स्थापना ईसा से करीब ३०० वर्ष पूर्व हुई।

वैसे इस दुर्ग के संबंध में सर्व प्रथम ऐतिहासिक प्रमाण सूर्य कुण्ड पर स्थित हूण और मिहिर कुल के एक शिलालेख द्वारा प्राप्त होता है जिसका काल लग-

भग ५१५ ई० माना जाता है। इस नगर निर्माण के काल से ही शनैः शनैः जैन धर्मावलंबी इस नगर में आकर बसने लगे थे।

इस समय ग्वालियर पर तोरमन और उसके पुत्र मिहिर कुल का आधिपत्य था। इसका शासन काल बड़ा दुखदायी रहा। सन् ५३३ ई० में यशोवर्मन द्वारा पराजित किये जाने पर वह काश्मीर भाग गया, पर स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ। यशोवर्मन और उसके पुत्र नागवर्मन ने सन् ५५० ई० तक राज्य किया। इस प्रकार इन ८० वर्षों में राज्य की दशा बड़ी ही अस्थिर रही। इनके पश्चात हर्ष के सम्राट होने पर उसने ग्वालियर पर भी कब्जा कर अपने राज्य में मिला लिया। इसके राज्य में शान्ति रही यद्यपि वह स्वयं बौद्ध—मतावलम्बी था परन्तु वह धर्मान्ध नहीं था।

सन ६४८ मे हर्ष की मृत्यु के बाद कन्नौज के परिहार राजा भोजदेव ने भी कुछ समय के लिये इस दुर्ग पर अपना शासन स्थापित किया जिसका प्रमाण किले के बीच, सागर ताल पर स्थित सन् ८७५ तथा सन् ८७६ के चतुर्भुज मन्दिर के शिलालेखो से प्राप्त होता है। इनके शासन काल मे भी वज्रदान नामक जैन साधु द्वारा सन् ९७७ में वैशाख बदी पंचमी के दिन जैन मूर्ति स्थापित की गई।[1] इससे लगता है कि भोजदेव के काल में जैन धर्मावलंबियो की अच्छी दशा थी। इन्होंने १०वीं शताब्दी तक शासन किया। बसवी शताब्दी में पुनः वरजुमन कछवाहो के नेतृत्व मे राजपूतो ने इस क्षेत्र तथा दुर्ग पर अपना शासन स्थापित किया।

सास-बहू का मन्दिर:—

वर्तमान सास-बहू के मन्दिरों का भी निर्माण इसी काल में हुआ। ऐसा माना जाता है कि १०५ फुट लम्बा, ७५ फुट चौड़ा और १०० फुट ऊंचा यह मंदिर महीपाल नामक राजपूत शासक द्वारा नन्दीश्वर द्वीप अष्टानिका के व्रत के उपलक्ष में जिन मन्दिर के रूप में निर्मित करवाया गया। यही कारण है कि उसमें देव देवांगनाओं की नृत्य तथा अन्य मुद्राओं में मूर्तियां खुदी हैं। इसकी प्रतिष्ठा में पदमनाभ क्षुल्लक आदि ने भी भाग लिया था। यह लगभग सन १०३६ मे बनकर पूर्ण हुआ। इसके दरवाजों, छत और दीवारों की खुदाई दर्शनीय है। यह सास-बहू के मन्दिर के नाम से प्रसिद्ध है। वर्तमान मे कुछ इतिहासकारों ने इसका प्राचीन नाम सहस्त्रबाहु का मन्दिर बताते हुये इसे विष्णु मन्दिर भी कहा है।

ग्वालियर दुर्ग पर स्थित सास-बहू के मन्दिर के निकट अत्यन्त जीर्ण-शीर्ण अवस्था में स्थित ३५ फुट लम्बे तथा १५ फुट चौड़े खडहर कमरे के सबंध में सन १८४४ मे किये गये शोध कार्य के आधार पर जनरल कनिंघम ने इसे जैनियो के २३ वें तीर्थंकर पार्श्वनाथ का मन्दिर माना है तथा इसका निर्माण कार्य ११०८ ई० के लगभग सम्पन्न होना माना है। उसके पूर्ण सर्वेक्षण, आसपास किये गये खुदाई के कार्य और स्तम्भो के आधार पर उसका क्षेत्र पीछे ५० फुट और होना बताया है। उसके अनुसार यह मन्दिर लगभग ६६ फुट लम्बे तथा १५ फीट चौड़े क्षेत्र मे फैला था। इसके निर्माण का समय सन् ११०८ इस बात की साक्षी देता है कि यह मन्दिर कछवाहो के शासन काल में ही निर्मित किया गया।

उपलब्ध ज्ञान के आधार पर यह कहा जा सकता है कि जैन धर्मावलंबियो के परिवार मात्र निवास ही नहीं करते थे वरन यहा जैनियों के संघ भी सचालित थे जिनमें संघाधिपति, सघपति (सिंघई, सघवी) हुआ करते थे। इतना ही नहीं वे एक नियमित विद्यापीठ का भी सचालन करते थे। १५ वी शताब्दी में बनी मूर्तियो मे प्राप्त जानकारी से ये तथ्य और पुष्ट हो जाते हैं।

परिहार वंश:—

सन ११२२ ई० में परिहारों ने इस वंश के अंतिम राजा तेजकरण को निकाल दिया और स्वयं राजा बन

१. ग्वालियर का अतीत, पृष्ठ १४।

बैठे थे। परिहार वंश के कुल ७ राजाओं ने इस दुर्ग पर राज्य किया। इस बीच में एक बार सन ११९६ ई० में कुतुबुद्दीन ने ग्वालियर पर आक्रमण कर दुर्ग पर अपना अधिकार स्थापित किया, परन्तु उसके हाथों में यह दुर्ग अधिक समय तक न रह सका और १६ वर्ष बाद सन १२१२ में परिहारो ने पुनः दुर्ग को वापिस ले लिया और सन १२३२ तक अपने अधिकार में रखा। सन १२३२ मे अल्तमश ने तत्कालीन परिहार शासक सारंग देव पर आक्रमण किया और ११ मास तक दुर्ग को घेरे रहा। अन्त मे सारगदेव ने स्वय किले से निकलकर मुसलमानो से युद्ध किया। इस युद्ध मे राजा सारगदेव भी अपने पन्द्रह साथियो के साथ काम आये तब कही मुसलमान इस किले मे कदम रख सके। इस तरह सन १३९८ तक यह दुर्ग मुसलमानो के अधिकार मे रहा। उन्होने किले को राजकीय कैदखाने के रूप मे प्रयोग किया। ग्वालियर का यह क्षेत्र करीब १६६ वर्षों तक लूट खसोट और अत्याचार से आतंकित रहा।

तोमर वंश:—

तोमरवंशीय राजाओं ने कुल मिला कर १५० वर्ष ग्वालियर दुर्ग पर अपना अधिकार रखा। इनमे वीरसिंह, उद्धरणसिंह, वीरमदेव, गनपतिदेव, डूगरसिंह, कीर्तिसिंह, (किरणसिंह), कल्याणमल्ल मानसिंह और विक्रमादित्य राजा हुए। वीरसिंह ने सन १३७५ से सन् १४०१ तक और उसके पुत्र उद्धरणसिंह ने सन् १४०३ तक शासन किया। सन् १४०४ में सत्ता उद्धरणसिंह के पुत्र वीरमदेव के हाथ मे आई।

वीरमदेव बड़ा पराक्रमी था। इसके दरबार में कुशराज नाम का विश्वास पात्र महामन्त्री था। यह जैसवाल जैन कुल मे उत्पन्न हुआ था, इसके पिता का नाम जैनपाल और मां का नाम लोणा देवी था। यह राजनीति में बड़ा ही दक्ष और पराक्रमी था।[1] इसने भट्टारक विजय कीर्ति के उपदेश से ग्वालियर मे चन्द्र प्रभु का एक विशाल मन्दिर बनवाया था और भारी धूमधाम से उसका प्रतिष्ठोत्सव समारोह आयोजित किया। महामन्त्री कुशराज ने दरबार के ही एक अन्य कायस्थ विद्वान पद्मनाभ से भट्टारक गुणकीर्ति के आदेशानुसार "यशोधर चरित्र" (दया सुन्दर विधान) नामक काव्य की रचना करवाई। इसके शासनकाल की सन १४०३, १४११, १४१२ और सन १४२२ की लिखी हुई चार ग्रन्थलिपि प्रशस्तियां अभी भी उपलब्ध हैं। सन १४०३ में गोपाचल मे साहू बरदेव के चैत्यालय मे भट्टारक हेमकीर्ति के शिष्य मुनि धर्मचन्द्र ने माघ वदी दशमी के दिन "सम्यक्त्व कौमुदी" की प्रति आत्मपठनार्थ लिपिबद्ध की।[2] सन १४६८ मे आषाढ वदी २ शुक्रवार के दिन काष्ठा संघ, माथुरान्वय के आचार्य श्री भावसेन, सहस्र कीर्ति और भट्टा० गुणकीर्ति की आम्नाय मे साहू महदेव की पुत्री

१. वंशेऽभूज्जैसवाले विमलगुणमूलण: साधुरत्नं, साधु श्री जैनपालो भवदुदितयाम्नस्सुतो दानशील: । जैनेन्द्र: राधनसु प्रमुदित हृदय: सेवक: सद्गुरूणा, लोणाख्या सत्यशीला जनि विमलमति जैनपालस्य भार्या जात पटनन.याम्तयो: सकृतिनो: श्री हसराजोभवत, तेषामाद्यसमस्तनन्दनुज: सौराजनामाऽ जनि । रैराजोभवराजक: समजनि प्रख्यातकीर्तिमहा—साधुश्री कुशराजकस्तदनु च श्री क्षेमराजो लघु: ॥६॥ जात: श्री कुशराज एव सकलक्ष्मापाल चूडामणे:, श्रीमत्तोमर-वीरमस्य विदितो विश्वासपात्र महान् । मन्त्री मन्त्रविचक्षण: क्षणमय: क्षीणारिपक्ष: क्षणात् । क्षोणीमीक्षणरक्षणमति जैनेन्द्र पूजारत: ॥७॥

—यशोधर चरित प्रशस्ति

२. संवत् १४६० शाके १३२५ वर्षाब्दयोर्मध्ये विरोधी नाम संवत्सरे प्रवर्तन गोपाचल दुर्गस्थाने राजा वीरमदेव राज्य प्रवर्तमाने साहु बरदेव चैत्यालये भट्टा० श्री हेमकीर्तिदेव तत्शिष्य मुनि धर्मचन्द्रेण आत्मपठनार्थ पुस्तक लिखित माघ वदि १० भौमदिने।—तेरापंथी मन्दिर जयपुर, शास्त्र भण्डार

देवसिरि ने "पंचास्तिकाय" टीका प्रतिलिपि लिपिबद्ध कराई। जो इस समय कारंजा के शास्त्र भण्डार में उपलब्ध है।[1]

सन् १४१२ में आचार्य अमृतचन्द कृत प्रवचन सार्थी की तत्वदीपिका "टीका लिखी गई। सन् १४२२ में आषाढ़ सुदी ५ बुधवार के दिन मलोत्पुर के नेमिनाथ चैत्यालय में क्षीतुका स्त्री सरो ने अपने ज्ञानवर्णी कर्मों के क्षयार्थ "षट्कर्मोपदेश" की एक प्रति लिखकर जैन श्री की शिष्या विमलमति को पूजा विधान महोत्सव के साथ समर्पित की थी जिसे पंडित रामचन्द्र ने लिखा था। यह प्रति आमेर के भण्डार में सुरक्षित है।

वीरमदेव के पश्चात उसका पुत्र गणपति देव गद्दी पर बैठा। उसका राज्य काल अल्प रहा।

डूंगरसिंह:—सन् १४२४ में गणपतिदेव के पुत्र डूंगरसिंह तवर गद्दी पर आसीन हुए। यह तोमर वंश का सब से प्रतापी राजा था। इसके काल में राज्य में सभी प्रकार की सुख शांति थी। इससे निकटवर्ती राज्यों के शासको की ललचाई दृष्टि सदैव इसके राज्य पर लगी रहती थी और यदा कदा ग्वालियर पर आक्रमण होते रहते थे। राजा डूंगरसिंह ने सभी का डटकर मुकाबला किया और सभी मे विजयी रहे। नरवरगढ़ में स्थित विजय स्तम्भ (जैन स्तम्भ) अभी भी इसकी साक्षी दे रहा है।

परन्तु इन सब विजय—अभियानो मे व्यस्त रहते हुए भी डूंगरसिंह का ध्यान विद्वानों, धार्मिक समारोहों और निर्माणों की ओर भी गया। इन्होंने जैन धर्म के सिद्धांतों को अपने जीवन में अपनाया। जैन धर्म पर उनका मात्र अनुराग ही नहीं था किन्तु उस पर उनकी परम आस्था भी थी। वे जैन धर्म के प्रबल पोषक थे। जैन विद्वानों एवं सन्तों को बड़े ही आदर की दृष्टि से देखते थे। डूंगरसिंह के राज्य काल में ही ग्वालियर गढ़ की चट्टानों में जैन प्रतिमाओं के उत्खनन के कार्य का प्रारम्भ हुआ। सन् १४४० ई० के तीन शिलालेख इस बात के सूचक हैं कि इनके आश्रय में अनेक जैन धर्मावलंबियो ने दुर्ग के चारों ओर जैन प्रतिमाओं के खुदवाने का कार्य प्रारम्भ कर दिया। इन अभिलेखों में जैनाचार्य, देवसेन, यशकीर्ति, जय कीर्ति, आदि भट्टारकों का भी उल्लेख मिलता है। इस कार्य पर करोड़ों रुपये व्यय हुए तथा ३३ वर्ष का समय लगा। डूंगरसिंह अपने जीवन काल में इसे पूरा नहीं करा सके। तब उसके प्रिय पुत्र कीर्तिसिंह ने उसे पूरा कराया।

डूंगरसिंह के राज्य में ग्रंथ निर्माण और मूर्ति प्रतिष्ठा.—

मूर्ति निर्माण के अतिरिक्त राजा डूंगरसिंह के समय में ग्वालियर के जैन धर्मानुयायी श्रावकों ने ग्रंथ लेखन, मूर्ति निर्माण और प्रतिष्ठा का भी कार्य सम्पन्न कराया। सन् १४२९ में भट्टारक गुणकीर्ति के शिष्य भट्टा० यशकीर्ति ने आत्म पठनार्थ, "सुकुमाल चरित"[2] और कवि श्रीधर की संस्कृत, "भविष्य दत

१. संवत्सरेस्मिन विक्रमादित्य गताब्द १४६८ वर्षे आषाढ़ वदि २ शुक्र दिने श्री गोपाचले राजा वीरमेदेव विजय राज्य प्रवर्तमाने श्री काष्ठासंघे माथुरान्वये पुष्कर गणे आचार्य श्री भावसेनदेवा: तत्पट्टे श्री सहस्त्रकीर्ति देवा: तत्पट्टे भट्टारक श्री गुणकीर्तिदेवास्तेषा माम्नाये संघई महाराजवधू साधु भरदेव पुत्री देवसिरि तया इदं पंचास्तिकायसार ग्रंथ लिखापितम्।—कारंजा भण्डार जयपुर

२. संवत् १४८६ वर्षे अश्वणि वदि १३ सोमदिने गोपाचल दुर्गे राजा डूंगरसिंह देव विजय राज्य प्रवर्तमाने श्री काष्ठासंघे माथुरान्वये आचार्य श्री भावसेन देवास्तत्पट्टे श्री सहस्त्रकीर्ति देवास्तत्पट्टे श्री गुणकीर्ति देवास्तत्शिष्येण श्रीयश: कीर्तिदेवेन श्री निजज्ञानावरणी कर्म क्षयार्थं इदं सुकमाल चरितं लिखापितं। कीयस्थ थाजना पुत्र थलु लेखनीयं।—जयपुर भण्डार

पंचमी"[1] कथा की प्रतियां लिखवाई थीं। इसके अतिरिक्त उन्होंने हरिवंश पुराण, रात्रि भोजन कथा, रविवार व्रत कथा, चन्द्रनाथ चरित्र आदि २३ ग्रंथ भी लिखे थे।

सन १४३५ से पूर्व अग्रवाल वंशज साहू खेमसिंह के पुत्र साहू कमलसिंह ने ११ हाथ ऊंची आदिनाथ की एक विशाल मूर्ति का निर्माण कराया। इसके प्रतिष्ठोत्सव में राजा डूंगरसिंहजी ने शासन से पूरा सहयोग प्रदान किया।[2] संघवी कमलसिंह सन् १४२४ से सन् १४५३ ई० तक डूंगरसिंह के राज्य में वित्त एवम् गृह मन्त्री थे।

सन १४३५ में साहू कमलसिंह ने महा कवि रईधू जो पद्मावती पुरवाल हरीसिंह सिंघी के पुत्र थे से "सम्मत गुण निधान" नामक ग्रंथ की रचना करवाई जो भाद्रपाद मास के पूर्णिमा के दिन समाप्त हुई। इसके बाद कवि रईधू ने "नेमिनाथ" चरित्र", "पार्श्वनाथ चरित्र" तथा "बलभद्र चरित्र" "राम चरित" नामक ग्रन्थो की रचना की। सन १४३९ में रचे गये "सुकौशल चरित्र" नामक ग्रन्थों मे इन ग्रन्थो की रचना का उल्लेख किया गया है।

बलभद्र चरित्र में केवल हरिवंश पुराण (नेमिजिन चरिउ) के रचे जाने का भी उल्लेख मिलता है। हरिवंश पुराण में त्रिषष्ठिशलाका चरित महापुराण, मेघेश्वर चरित्र, यशोधर चरित्र, वृत्तसार और जीवंधर नामक ६ अन्य ग्रन्थों का भी उल्लेख किया गया है। ये सभी सन १४३९ पूर्व के रचे गये हैं। सम्मइजिन चरिउ प्रशस्ति में मेघश्वर चरित, त्रिषष्ठि महापुराण, सिद्धचक्रविधि, बलहद्द चरिउ, सुदर्शन चरित और धन्यकुमार चरित नामक ग्रन्थों का भी उल्लेख है। संभवतः ये सभी ग्रन्थ कवि रईधू ने सन १४३५ और सन १४३९ के काल मे लिखे हैं। इनमें एक और ग्रन्थ "आत्म संबोध काव्य" की २९ पत्रात्मक जीर्ण प्रति भी उपलब्ध हुई है।[3] जो सन १३९१ की लिखी हुई है। इससे प्रतीत होता है कि कविवर रईधू दीर्घ जीवी रहे होंगे। उपलब्ध ग्रंथों से उनका रचनाकाल सन १३९१ से सन १४६८ तक का उपलब्ध होता है।

सन १४४० (सं० १४९७) में "परमात्म प्रकाश" ग्रन्थ की सटीक प्रति की रचना की गई।[4] इसी वर्ष पांडु पुराण भी अपभ्रंश भाषा में लिखा गया। सन १४४९ में धनपाल की "भविष्यदत्त पंचमी कथा" तथा सन १४५३ में "समय सार" नामक ग्रंथों की प्रतिलिपि की गई।[5] उनके अतिरिक्त ज्ञानार्णय, चन्द्र प्रभु चरित्र, परिमाल कवि, आगरा में श्रीपाल चरित्र आदि लिखे। सन १४४० और सन १४५३ (सं० १४९७ और सं० १५१०) में प्रतिष्ठापित मूर्तियों के लेख उपलब्ध हैं।[6]

---

१. सम्वत् १४८६ वर्षे आषाढ़ वदि ९ गुरुदिने गोपाचल दुर्गे राजा डूंगरसीह राज्य प्रवर्तमाने श्री काष्ठासंघे माथुरान्ये पुष्करगणे आचार्य श्री सहस्रकीर्ति देवास्तत्पट्टे आचार्य गुणकीर्ति देवास्तच्छिष्य यशः कीर्ति देवास्तेन नियज्ञानावरणी कर्म क्षयार्थ इदं भविष्यदत्त पंचमी कथा लिखापितं।

—नया मन्दिर धर्मपुरा दिल्ली

२. जो देवाहिदेव तित्थंकरु, आइणाहु तित्थोय सुहकरु। तहु पडिमा दुग्गइ-णिण्णासणि, आमिच्छत्त-गिरिंद-सरासणि, ज पुणु भव्वह सुहगइ-सासणि, वामहिरो-सोय-दुहणासणि।

३. सम्वत १४४८ वर्ष फाल्गुण वदि १ गुरो दिने स्वावग लष्पण कम्मक्षय विनाशार्थलिखितं। आमेर भंडार जयपुर में अभी भी सुरक्षित है।

४. यह अभी भी जयपुर के ठोलियों के मन्दिर के शास्त्र भण्डार में सुरक्षित है।

५. यह अभी भी कारजा के शास्त्र भण्डार में सुरक्षित है।

६. देखो जनरल एशियाटिक सोसाइटी, भाग ३१, पृ० ४२३ गोपाचल दुर्गे तोमरवंशे राजा श्री गणपति देवास्त पुत्रों महाराजाधिराज श्री डूंगरसिंह राज्ये (प्रतिष्ठितं) चौरासी मथुरा की मूलनायक मूर्ति का लेख।

टोडरमल जी, दौलजी कासलीवाल भी उनके काल में ही मारवाड़ से ग्वालियर आये थे। उस समय तोमर व कछवाय जैन मत पालते थे। उन्होंने पहाड़ी पर गुफा व जैन मन्दिरों के निर्माण भी कराया।

तोमर वंशी राजा डूंगरसिंह:—

यह जैन धर्म से बड़ा प्रभावित था। तत्कालीन भट्टा० गुणकीर्ति के प्रति इनके हृदय में असीम श्रद्धा थी। उनके उपदेशामृत से इसने जैन धर्म स्वीकार किया। इस काल में गुणकीर्ति उनके शिष्यों तथा प्रशिष्यों का भी जैन धर्म एवं जैन संस्कृति के प्रचार एवं प्रसार में सर्वाधिक योगदान रहा। इसके काल में अनेकों मन्दिरों व मूर्तियों का निर्माण हुआ तथा प्रतिष्ठायें करवाई गई। इसके काल में प्रजा सुखी तथा समृद्धि थी। डूंगरसिंह ने कुल ३० वर्ष तक ग्वालियर पर शासन किया।

कीर्तिसिंह:—

डूंगरसिंह की मृत्यु के पश्चात् उनका पुत्र कीर्तिसिंह सन १४२४ में गद्दी पर बैठा। यह अपने पिता के समान ही गुणज्ञ, बलवान और राजनीति में चतुर था।[१]

यह जैन धर्म में अत्यधिक आस्था रखने के कारण, अपने पिता द्वारा अधूरे छोड़े गये मूर्तियों के उत्खनन के कार्य को पूरा कराया। इसके काल में अनेकों नई मूर्तियां प्रतिष्ठित हुई। जिनमें अंकित लेखों में कीर्तिसिंह का उल्लेख मिलता है। उदाहरणार्थ—बाबा (एक पत्थर) की बावड़ी के दाहिनी ओर बनी पार्श्वनाथ की मूर्ति पर लिखे अभिलेख में महाराजा कीर्तिसिंह का विवरण दिया है। इस खड्गासन मूर्ति के निकट ही नौ अन्य मूर्तियां भी खुदी है जिनमें कुछ पद्मासन भी हैं। इनके मुख मुसलमानों के शासन काल में खंडित कर दिये गये हैं।

इन मूर्तियों का निर्माण मूर्ति कला के क्षेत्र में इस प्रदेश के कारीगरों का अभिनव प्रयास था जिसके अन्तर्गत ३३ वर्ष के थोड़े समय में ही दुर्ग की ये बेडौल और मूक चट्टाने विशालता, वीतरागिता, शान्ति, एवं तपस्या की भाव व्यंजना से मुखरित हो उठी। गढ़ के चारों ओर खुदी हुई इन सैकड़ों विशाल मूर्तियों को देखकर ऐसा प्रतीत होता है कि इन मूर्तियों के निर्माणकर्त्ता अपनी श्रद्धा और भक्ति के अनुकूल विशाल प्रतिमाओं का निर्माण करना अथवा कराना चाहते होंगे। अत: इससे प्रेरित होकर उत्कीर्णकों ने निर्माणक की निर्मल भावनाओं को साकार रूप प्रदान करने के उद्देश्य से उस विशालता में सौन्दर्य का और समावेश कर, कला की अपूर्व कृतियों का निर्माण किया। इन सारी प्रतिमाओं को ५ समूहों में विभाजित किया जा सकता है।

(१) उरवाई समूह.—उरवाई द्वार पर कुल २२ जैन मूर्तियां है। इनमें से ६ मूर्तियों पर सम्वत १४९७ (सन १४४० ई०) से स० १५१० (सन १४५३ ई०) के अभिलेख खुदे है। इनमें २० नम्बर की आदिनाथ की मूर्ति सबसे विशाल है। बाबर ने अपने 'बाबरनामा' में इसकी ऊंचाई २० गज अनुमान की थी। परन्तु वास्तव में यह ५७ फुट ऊंची है। इसकी चरण चौकी पर सम्वत् १४९७ लिखा है। वर्तमान में इसके नीचे का कुछ भाग मिट्टी में दब गया है। यह चरणों के पास ९ फुट चोड़ी है। यहीं २२ नम्बर की नेमिनाथ की पद्मासन मूर्ति है। जो ३० फुट ऊंची है। इतनी विशाल मूर्ति शायद ही भारत में अन्यत्र कहीं हो।

(२) दक्षिण पश्चिम समूह.—यह संबा ताल के नीचे उरवाई द्वार की बाहर की शिला पर है। इसमें ५ मूर्तियां है। १ नम्बर के प्रतिमा समूह में एकस्त्री, पुरुष तथा बालक की मूर्तियां हैं। २ नम्बर में एक ८ फुट लम्बी लेटी हुई स्त्री की प्रतिमा है। प्रारम्भ में लोग इसे बुद्ध की मूर्तियां समझते रहे, परन्तु विशेष शोध करने के पश्चात इतिहासकार इसी निष्कर्ष पर पहुँचे कि ये मूर्तियां त्रिशला माता तथा महावीर की मूर्ति हैं।

---

१. समय सार लिपि प्र० सेनगण भंडार, कारंजा।

(३) उत्तर पश्चिम समूह:—इसमे आदिनाथ की एक महत्वपूर्ण मूर्ति बनी है जिस पर सं० १५२७ का अभिलेख अंकित है।

(४) उत्तर पूर्व समूह:—इसमें भी छोटी-छोटी मूर्तियां है। उन पर भी कोई लेख न होने से ऐतिहासिक दृष्टि से अधिक महत्व नहीं रखती हैं।

(५) दक्षिण पूर्व समूह:—इस समूह की मूर्तियां कला की दृष्टि से अत्याधिक महत्वपूर्ण हैं। ये मूर्तियां फूलबाग के दरवाजे से निकलते ही लगभग आधे मील के क्षेत्र में खुदी हुई दिखाई देती हैं। अन्य मूर्तियों की अपेक्षा कुछ बाद मे बनने के कारण ये अभ्यस्त हाथो द्वारा निर्मित हुई है। अत: इनमे कला का रूप निखर उठा है।

इस समूह में लगभग २० प्रतिमायें २० से ३० फुट तक की ऊंचाई की और लगभग इतनी ही ८ से १५ फुट की ऊंचाई लिये हुए है। इनमे आदिनाथ, नेमिनाथ, पद्मप्रभु, चन्द्रप्रभु सम्भवनाथ, कुन्थनाथ, और महावीर भगवान की मूर्तियां हैं। इनमे कुछ मूर्तियो पर सम्वत १५२५ से १५३० तक के अभिलेख खुदे हुये है।

इनके अतिरिक्त तेली की लाट के पास तथा गूजरी महल संग्रहालय मे रखी प्रतिमाये भी इनकी समकालीन प्रतीत होती है। इससे प्रतीत होता है कि उपरोक्त समूहों के अतिरिक्त अन्य प्रतिमाओ का भी निर्माण हुआ था।

ग्रन्थ निर्माण व मूर्ति प्रतिष्ठायें :—

कीर्तिसिंह के शासन काल मे ही कुशा साहू जो जैसवाल वंशज् ने गोपाचल पहाडी के बाहरी तरफ कुछ गुफाओं मे मूर्तियां खुदवाई, तथा मन्दिर बनवाकर प्रतिष्ठायें करवाई जिसमें लाखों रूपये व्यय हुये। अग्रवाल वंशज् गोयल गोत्री खल्हा नामक धर्म प्रेमी एवम आगम् मर्मज्ञ सज्जन ने भी गोपाचल के बाहरी ओर गुफा-मन्दिर बनवाकर आचार्य महीचन्द जी महाराज द्वारा प्रतिष्ठा करवाई। सन १४५८ में बावडी की ओर गोलालारे वंशज कुमुदचन्द ने पार्श्वनाथ की मूर्ति की प्रतिष्ठा भट्टारक सिंहकीर्ति के सहयोग से करवाई।

सन १४६८ मे ग्वालियर के जैसवाल कुल भूषण उल्हा साहू के जेष्ठ पुत्र साहू पदमसिंह ने अपने चंचल लक्ष्मी का उपयोग करने के लिये २४ जिनालयों का निर्माण करवाया तथा १ लाख ग्रन्थ लिखवाकर भेंट किये।[1] इनके राज्य काल मे जैन साहित्य रचना का भी कार्य हुआ। कविवर रईधू ने इनके राज्य काल मे "सम्यक्त्व-कौमुदी" तथा "श्रावकाचार" की रचना की।

उपरोक्त मन्दिरो मे से कुछेक समाप्त हो गये हैं और कुछ का जीर्णोद्धार होकर नये मन्दिर बन गये हैं जो अभी भी ग्वालियर मे अपने परिवर्तित रूप मे स्थित हैं। साहित्य मे अधिकतर भाग नष्ट हो गया है बहुत कम ही शेष है।

सन १४६४ मे "ज्ञानार्णव" नामक ग्रन्थ की एक प्रतिलिपि, लिपिबद्ध की गई।[2] भट्टा० गुणभद्र ने भी ग्वालियर निवासी जैन श्रावको की प्रेरणा से अनेकों कथाओ की रचना की।

कल्याणमल :—

कीर्तिसिंह की मृत्यु के पश्चात उनके पुत्र कल्याणमल (मल्लसिंह) ने शासन की बागडोर सभाली इन्होंने सन् १४२४ से सन् १४२९ तक ही शासन किया। संभवत: अपने शासन काल के ७ वर्षों मे इन्होंने कीर्तिसिंह के कार्यो को 'जो अधूरे थे' पूर्ण किया।

१. विज्जुल चंचलु लच्छीसहाउ, आलोइविहुउ जिणधम्मभाउ। जिणगयु लिहावउ लक्खु एकु, सावय लक्खा हारीति रिक्खु। मुणि भोजन भुंजाविय सहासु, चउवीस जिणालउ किउ सुभासु—

—जैन ग्रन्थ प्रशस्ति सं० पृ. १४४ बाराबंकी शास्त्र भण्डार।

२. यह ग्रन्थ जैन सिद्धान्त भवन आरा में उपलब्ध है।

इनका काल बहुत शान्ति पूर्वक बीता। इनके काल का सं० १५५२ का केवल एक ही मूर्तिलेख उपलब्ध है।[1]

मानसिंह :—

सन १४८६ ई० में कल्याणमल की मृत्यु के पश्चात उनका पुत्र मानसिंह गद्दी पर बैठा। यह राजा बड़ा प्रतापी, संगीत प्रिय और कला प्रिय था। और अपने पूर्वजों द्वारा संरक्षित एवं सम्बन्धित राज्य को स्वतन्त्र रखने में समर्थ रहा।[2]

इसके काल में यहां एक संगीत विद्यालय भी था। सुप्रसिद्ध गायक तानसेन ने इसी विद्यालय में संगीत शिक्षा ली थी। इसके द्वारा बनवाया गया महल मान मन्दिर (चित्र महल) भारतीय स्थापत्य कला का अद्भुत नमूना है। इसके अतिरिक्त इसने मृग नैनी गूजरी के लिये गूजरी महल बनवाया। ध्रुपद गीतों का आविष्कार भी सर्व प्रथम महाराजा मानसिंह द्वारा ही हुआ। इन्होंने "मान कुतुहल" के नाम से एक संगीत ग्रंथ की रचना की।

महाराजा डूंगरसिंह एवं कीर्तिसिंह का राज्य काल:—

सन १५०१ मे चैत्र सुदी १० सोमवार के दिन काष्ठासंघ नन्दिगच्छ विद्यागण के भट्टारक सोमकीर्ति और भट्टा० विजयकीर्ति के शिष्य ब्रह्मकाला द्वारा गोपाचल दुर्ग में आत्म पठनार्थ अमर कीर्ति के "षठकर्मोपदेश" की प्रति लिखवाऐ जाने का उल्लेख मिलता है।[3] इसके अतिरिक्त सन १५१२ मे गोपाचल में श्रावक श्रीमल के पुत्र चतरू ने ४४ पद्यों के "नेमीश्वर गीत" की रचना की। इसमें जैनियों के २३ वें तीर्थंकर नेमिनाथ का जीवन परिचय अंकित है।[4]

विक्रमादित्य :—

उधर सिकंदर लोदी की मृत्यु के पश्चात इब्राहीम लोदी ने शासन संभालते ही अपने पूर्वजो की महत्वांकाक्षा को साकार करने के उद्देश्य से ग्वालियर दुर्ग पर पुनः आक्रमण कर दिया। इसी बीच सन १५११ ई० में महाराणा मानसिंह की मृत्यु हो गई और तलवारों की छाया मे उनके पुत्र विक्रमादित्य गद्दी पर बैठे। उनके नेतृत्व में राजपूत जी तोड़कर लड़े पर अपने से अनुपात मे कई गुनी अधिक लोदियों की सेना पर विजय न पा सके और लोदियो के सेनापति हुमायूं से संधि करना पड़ी। वे अब शमशाबाद के एक जागीदार मात्र रह गये और उन्हें लोदियों की ओर से पानीपत मे बाबर के विरुद्ध युद्ध करने भेजा गया। इस बीच तवर वंश के एक दूसरे तेजस्वी राजकुमार रामसिंह तोमर ने ग्वालियर दुर्ग पर आक्रमण कर किले के अफगान अधिकारी तातार खां को परास्त कर दुर्ग पर अपने झंडे गाड़ दिये, परन्तु तातार खां दुर्ग मे ही छिपा रहा और जैसे ही बाबर दिल्ली का सम्राट बना तातार खां ने उसे गुप्त संदेश भेजकर उससे सहायता प्राप्त की और मोहम्मद गौस साहब की कृपा से ख्वाजा रहीम और शेख गोरन के नेतृत्व में विशाल सेना ने दुर्ग पर आक्रमण कर उसे अपने आधिपत्य मे

---

३. जैन लेख संग्रह पूर्णचन्द्र नाहर भाग २।

४. एक सोवनकी लंका जिसि, तो वरू राउ सबल बरवीर। भुयबल आयु जु साहस धीर, मानसिंह जग जानिये। ताके राज सुखी सब लोग, राज समान करहिं दिनभोग। जैन धर्म बहुविधि चलें, श्रावगदिन जु करेंषट कर्म।—नेमीश्वर गीत

१. अर्थ नृपति विक्रमादित्य सम्वत १५५८ वर्षे चैत्र सुदी १० सोमवासरे अश्लेषा नक्षेत्रे गोपाचल गढ़ दुर्गे महाराजाधिराज श्री मानसिंह राज्ये प्रवर्त्तमाने श्री काष्ठासंघे नदिगच्छे विद्यागणे भट्टा० श्री सोमकीर्ति देवारतत्पट्टे भट्टा० श्री विजय सेन देवारतत शिष्य ब्रह्मकाला ६ षटकर्मोपदेशशास्त्र लिखाप्ये आत्म पठनार्थ।—प्रशस्ति सं० आमेर पृ० १७३

२. यह ग्रन्थ अभी भी आमेर भंडार में सुरक्षित है।

"संवत पद्रह से बो गनें, गुनहत्तरि ताउपर भने। भादों बदि पंचमीवार, स्येम नषितु रेवती सार॥"

ले लिया और राजा रार्मसिंह तोमर मेवाड़ की ओर भाग गये। इस प्रकार सन १५५६ में दुर्ग पुनः मुगलों के हाथ में चला गया। उधर विक्रमादित्य पानीपत युद्ध में वीरगति पा गये और इसके साथ ही तोमर वंश का सूर्य भी सदा के लिये अस्त हो गया। इसके साथ-साथ ही धार्मिक, साहित्यिक एवं कलात्मक गतिविधियां समाप्त हो गई। विक्रमादित्य का परिवार अब हुमायूं के आधीन हो गया। उसकी सदभावना पाने के उद्देश्य से उन्होंने तंवरों द्वारा माडू के सुल्तानों पर प्राप्त विजय की निशानी रत्नो का सरताज (कोहिनूर) नामक विश्व प्रसिद्ध हीरा, हुमायूं को भेंट कर दिया।

मुगलों के काल में ग्वालियर दुर्ग-बनाम बन्दीगृह:–

मुगलो का पूर्ण अधिकार हो जाने के बाद जब बादशाह बाबर स्वयं ग्वालियर आया तब इस दुर्ग का अवलोकन करते समय सन १५२७ मे उसकी कुदृष्टि दुर्ग पर स्थित जैन मूर्तियो पर भी पड़ी। कहा जाता है कि एक रात्रि को वह और उसके सैनिक इतने विशाल आकार की दिगम्बर मूर्तियो को देखकर चकित एव भयभीत हो गये। उसके क्रोध की सीमा न रही, वह जैन धर्म से इतना क्रुद्ध हुआ कि अगले दिन ही उसने अपनी सेना को दुर्ग पर स्थित सभी मूर्तियो को समूल रूप से नष्ट कर देने का आदेश दे दिया परन्तु यह कोई आसान कार्य नही था अतः मुगल सैनिक प्रतिमाओ को समूल रूप से तो नष्ट न कर सके उन्हे खण्डित कर गये। इस प्रकार कुशल कारीगरो की ३३ वर्षों के कठिन परिश्रम से बनी मूर्तियों के सौन्दर्य को कुछ ही दिवसों मे नष्ट कर दिया गया। क्रूर बाबर ने इस कृत्य को अपनी आत्म कथा (बाबरनामा) मे बड़े गौरव के साथ उल्लेख किया है। इस प्रकार यदि सच पूछा जाये तो इस सारी घटना मे जैन ही उसके सर्वाधिक कोप भाजन रहे। इस थोड़े काल मे, उसने दुर्ग पर स्थित इन मूर्तियो को ध्वस्त करने के अतिरिक्त नगरो मे स्थित मन्दिरो को भी ध्वस किया जहां उनको यह संभव न दिखा वहां मूर्तियों और वेदियों को ही नष्ट कर अपनी सन्तुष्टि कर ली।

शेरशाह सूरी:--

परन्तु बाबर भी अधिक काल तक इस दुर्ग का उपयोग न कर सका और सन १५४० में यह दुर्ग मुगलों के हाथ से निकलकर शेरशाह सूरी के हाथों में आ गया। उसने इसे राजधानी के रूप में प्रयोग किया और यहां से वह शेष राज्य पर शासन करता रहा। सन १५५९ ई० में अकबर ने सूरी वंश को हरा कर ग्वालियर को अपने अधिकार मे ले लिया।

इसके बाद लगभग २०० वर्षों तक ग्वालियर पर मुगलों का ही अधिकार रहा। इस कार्यकाल मे दुर्ग का प्रयोग केवल बंदी गृह के रूप में ही किया गया। मुगल शासको द्वारा अनेकों ऐसे शहजादे, जागीरदार, बड़े सरदार तथा अन्य महत्वपूर्ण व्यक्ति जिन्हें जनता के समक्ष मृत्यु दण्ड देना अहितकर प्रतीत होता था, इस दुर्ग में लाये जाते थे तथा उन्हे यहा धातो मन्द जहर दे दिया जाता था या ऐसी यातनायें दी जाती थी जिनसे पीड़ित होकर स्वयं प्राणान्त कर लेते थे।

मोहम्मद गोस का मकबरा:—

लगभग इसी काल के बारे मे प्रचलित किंवदन्ती के अनुसार यह कहा जाता है कि मोहम्मद गोस साहब नामक फकीर की मृत्यु के बाद अकबर ने ग्वालियर दुर्ग मे उनकी सहायता का उपकार चुकाने हेतु उनकी स्मृति को चिरस्थाई बनाने के उद्देश्य से उनका भव्य स्मारक बनवाने की इच्छा प्रकट की। चूंकि यह अल्पकाल मे संभव नहीं था अतः उनके शव को वर्तमान ग्वालियर नगर में स्थित पूर्व निर्मित एक कलात्मक भव्य भवन मे ही दफना दिया गया। कहा जाता है कि इससे पूर्व इसमे भी एक जैन मंदिर स्थित था जिसकी वेदी और मूर्तिया बाबर के सैनिकों द्वारा नष्ट कर दी गई थी। इसकी बनावट से भी ऐसा प्रतीत होता है कि यह प्रारम्भ में जैन मन्दिर ही रहा होगा।

जहांगीर:—

अकबर की मृत्यु के बाद जब जहांगीर दिल्ली के तख्त पर बैठा तब यह दुर्ग उसके अधिकार में आ गया। उसने लिखा है कि तख्त पर बैठने के अवसर पर उसने मुगल साम्राज्य के समस्त कैदियो को बन्दी गृह से मुक्त करने की आज्ञा दी। उस समय ग्वालियर दुर्ग से ७ हजार कैदी छोड़े गये।

परन्तु बाद में बादशाह जहांगीर ने भी इस दुर्ग को बन्दीगृह के रूप में ही प्रयोग किया। इसके अतिरिक्त जहांगीर ने अन्य सरदारों को भी यहां बन्दी बनाकर रखा था। सिक्खों के छठवें गुरू श्री हरगोविन्द सिंह जी भी इसी दुर्ग में बन्दी बनाकर रखे गये थे। इसके बाद बादशाह बीमार पड़ा तो कुछ लोगो ने यह सलाह दी कि गुरू हरगोविन्द सिंह को छोड दो परन्तु गुरू जी ने कहा कि पहिले मेरे साथियों को रिहा किया जावे। जहांगीर की बीमारी बढ़ती ही गई। अंत मे विवश होकर उसने गुरूजी की बात मान ली। इस दौरान जो भी सिक्ख लोग गुरूजी के दर्शन करने को यहां आते थे वे दरवाजे पर ही माथे को टेक कर चले जाते थे। गुरू जी की मुक्ति पर जिन लोगों ने भी गुरू का दामन पकडा वे सब रिहा कर दिये गये। इस कारण ग्वालियर किला सिक्खों का भी तीर्थ स्थल बन गया।

जहांगीर के शासन काल मे एक बार भट्टारक ब्रज भूषण के शिष्य पदमावती पुरवाल वंशीय, टापू निवासी श्री ब्रह्मगुलाल जी मुनि होने के बाद भ्रमण करते हुये ग्वालियर भी पधारे। मुनि के साथ-साथ वे उच्च कोटि के कवि भी थे। सन १६१८ ई० मे उन्होंने यहां पर "त्रेपन क्रिया" नामक ग्रन्थ की रचना की। इसमें श्रावकों की त्रेपन क्रियाओं का सरल व सुन्दर भाषा में वर्णन किया गया है।

जहांगीर के बाद औरंगजेब उसका उत्तराधिकारी बना। उसने भी इस दुर्ग को बन्दीगृह के रूप में प्रयोग किया। अपने भाई, पुत्र और नातियों को इसी दुर्ग मे कैद रखा। इस प्रकार दो शताब्दियो के इस काल मे ग्वालियर दुर्ग बन्दी घर के रूप में ही प्रयुक्त होता रहा। नगर, क्षेत्र तथा उसके विकास के ऊपर कोई ध्यान नहीं दिया गया और बादशाह के द्वारा नियुक्त नुमायन्दे ही राज्य की देखभाल करते रहें। इस काल में शासकों द्वारा धार्मिक स्वतन्त्रता का खुल कर हनन किया गया।

फिर भी जैन धर्मावलबियों की गतिविधियां पूर्णत: समाप्त न की जा सकी। यदा कदा अवसर प्राप्त होने पर जैन धर्मावलबी अपनी धार्मिक गतिविधियों को सचालित करते रहे। मंदिर निर्माण, मूर्ति उत्खनन, प्रतिष्ठा-महोत्सव आदि कार्य यथा-विधि चालू रहे।

मराठों का उत्कर्ष—महादजी सिंधिया:—

१८ वी शताब्दि के उत्तरार्द्ध के प्रारम्भ से ही मराठे लोग अत्याधिक शक्तिशाली हो उठे और दिल्ली तक हमले करने लगे। बाजीराव पेशवा ने राणोजी सिन्धिया को, मालवा राज्य की कमान सौंप दी। उन्होंने उत्तर भारत मे राज्य विस्तार करने का अभियान प्रारम्भ कर दिया और ग्वालियर को इसका केन्द्र बनाया। राणोजी की मृत्यु के पश्चात उनके पुत्र जयप्पा और माधोजी ने उनका कार्यभार सम्भाला। इसी बीच सन १७६१ मे पानीपत मे युद्ध विभीषिका प्रज्वलित हो उठी और भारत भर में विभिन्न पक्षों के वीरों की तलवारें खिंच गई। माधव जी इसमे घायल हो गये। इस बीच भरतपुर के जाटों ने लोकेन्द्रसिंह के चाचा के नेतृत्व मे दुर्ग पर अधिकार कर लिया। उधर उत्तर भारत का और भी तमाम भाग मराठो के हाथ से निकल चुका था। पर शीघ्र ही पानीपत से लौटकर मराठा वीरों ने महादजी के नेतृत्व मे पुन: उत्तर भारत मे विजय अभियान प्रारंभ कर दिया और ग्वालियर दुर्ग को अपने अधिकार मे ले लिया। इन्होने इसे फौजी केन्द्र के रूप मे प्रयोग करने के उद्देश्य से ग्वालियर दुर्ग के दक्षिण मे १ लाख सैनिकों को बड़ी फौजी छावनी का कैम्प लगाया और इसे लश्कर नाम दिया।

युद्ध के इस वातावरण के मध्य भी धार्मिक गतिविधियां यदाकदा संचालित होती रहीं। सन १७६८ के लगभग लश्कर क्षेत्र में श्री दिगम्बर जैन बड़ा मन्दिर, पुरानी सहेली और श्री दिगम्बर जैन २० पंथी मन्दिर चम्पाबाग का निर्माण कार्य संपन्न हुआ। इन दिनों ग्वालियर में महादजी का ही अधिकार था। उन्होंने उज्जैन को अपनी राजधानी के रूप में प्रयोग किया। यह बड़े प्रतापी शासक थे इनका सारा जीवन युद्धों में बीता।

अंग्रेजों का आक्रमण:—

वारेन हैस्टिंग्ज ने ३ अगस्त सन १७६० को आधी रात के समय किले की पश्चिमी दीवार से चढ़कर उसने अपनी फौजों को दुर्ग मे प्रविष्ट करा दिया। दुर्ग का यह भाग अभी भी 'फिरंगी-पहाड़ी' के नाम से प्रसिद्ध है। इस प्रकार दुर्ग अंग्रेजो के हाथ मे चला गया। १३ अक्टूबर सन १७८१ को पुन एक संधि से यह दुर्ग राणा लोकेन्द्रसिंह को मिला।

लगभग इसी काल में ग्वालियर नगर में "जती जी के मन्दिर" के नाम से कहे जाने वाले जैन मन्दिर का निर्माण कार्य सम्पन्न हुआ।

सन १७८३ में सिन्धिया शासकों ने अंग्रेजो की मदद प्राप्त कर एक पहरेदार की सहायता से इस दुर्ग मे पुनः प्रवेश किया। राणा को मालूम पड़ते ही उसने गुलामी से बचने के लिये आत्म-हत्या कर ली। इस बीच महादजी ने लश्कर नामक फौजी छावनी के पास मोरली पर कचहरी स्थापित की। वे दक्षिण के राज्य को भी इसी राज्य मे मिलाकर एक बड़ा हिन्दू राज्य स्थापित करना चाहते थे। इसी बीच १२ फरवरी सन १७९४ ई० को पूना से २ कोस दूर स्थित वानोड़ी नामक ग्राम में इनका देहान्त हो गया।

दौलतराव:—

महादजी के कोई पुत्र न था अतः इनकी मृत्यु के पश्चात तुकोजी राव के १४ वर्षीय पुत्र आनंद राव इनके उत्तराधिकारी बनाये गये और उनका नाम दौलत राव रखा गया। कार्य भार सम्हालने के एक वर्ष बाद ही इन्हें निजाम से युद्ध करना पड़ा जिसमें ये विजयी हुये और इन्हें करोड़ो रुपयों की सम्पत्ति का लाभ हुआ। इसके बाद ये अन्य राजाओं के सहयोग से कार्य चलाते रहे। किन्तु इन्हीं दिनों उत्तर भारत में फिर से अशांति फैल गई। अतः महाराजा दौलतराव पूना से उत्तर भारत की ओर आये। रास्ते में इन्होंने इन्दौर के होल्कर राजा को परास्त कर उनके राज्य को खूब लूटा। परन्तु अंत में आपको अंग्रेजों से युद्ध करना पड़ा। इस लड़ाई मे दक्षिण भारत मे स्थित अहमदनगर और अलीगढ़ (अलीगढ़) के बड़े बड़े किले इनके हाथ से निकल गये। इधर उधर भारत में भी लार्ड लेक ने धावा बोल दिया। जिसमें दिल्ली, अलीगढ़, मथुरा और आगरा के इलाके इनके हाथ से जाते रहे। सन १८०२ में ग्वालियर दुर्ग भी इनके हाथ से चला गया। इनके अधिकांश सैनिक युद्ध में काम आ चुके थे। कोई रास्ता न देखकर इन्हें सन १८०५ मे मजबूरी मे अंग्रेजों से सन्धि करनी पड़ी जिसमे इन्हे ग्वालियर और आसपास का क्षेत्र वापिस कर दिया गया। सन १८१२ मे इन्होंने अपने पिताजी द्वारा स्थापित फौजी कैम्प वाले मैदान लश्कर पर पुन. छावनी डाली। सन १८१२ मे यहां नगर बसा कर इसी को ग्वालियर राज्य की राजधानी बनाया तथा इसका नाम लश्कर ही रखा।

कहा जाता है कि इसी फौजी छावनी में एक जैन ओवरसियर भी कार्य करते थे। जब मुरार में छावनी स्थापित की गई तो वे वहा रहने लगे। इनकी मां बड़ी धार्मिक प्रवृत्ति की थी तथा नित्यप्रति दर्शन करने के पश्चात ही अन्न ग्रहण करती थी। पुत्र ने अपनी मा की सुविधा की दृष्टि से मुरार मे एक कमरे के अन्दर मूर्ति प्रतिष्ठा कराकर मन्दिर की स्थापना की, जो आज अपने बड़े रूप में बना हुआ है। लश्कर मे कसेरा ओली मे स्थित राजा जी का चैत्यालय भी इसी काल का बना हुआ है।

जनकोजीराव:—

इस प्रकार इस काल में महाराजा दौलत राव अंग्रेजों के सहयोग से राज्य कार्य चलाते रहे सन १८२७ में इनका स्वर्गवास हो गया। इनके पश्चात उनकी पत्नी ने एक ११ वर्षीय नाबालिग लड़के को गोद लिया और उसका नाम जनकोजीराव रखा। इनके युवा होने तक महारानी ने ही राज्य संचालन का कार्य किया। युवा होने पर उन्होंने स्वयं शासन भार संभाल लिया। दिनांक ७ फरवरी १८४३ ई० को अल्पायु में ही इनका स्वर्गवास हो गया।

नया बाजार लश्कर में स्थित दिगम्बर जैन मंदिर, ग्वालियर नगर मे स्थित गोकुलचन्द्र का मंदिर इन्हीं के काल मे निर्मित हुये थे।

जयाजीराव:—

महाराज जनकोजीराव की मृत्यु होने पर महारानी ताराबाई ने उनका पुत्र न होने के कारण एक ८ वर्षीय बालक को गोद लिया। उसका नाम जयाजी राव सिंधिया रखा गया। महाराजा की नाबालिगी मे ६ वर्ष तक राज्य का सारा प्रबन्ध कौंसिल ने किया।

इस कौंसिल के शासन काल में भी लश्कर दानाओली मे जैसवालों के मन्दिर का निर्माण कार्य सपन्न हुआ।

सन १८५४ मे महाराज के बालिग होने पर वे स्वयं अंग्रेजो के मार्ग दर्शन मे कार्य करने लगे। ३ वर्ष पश्चात ही सन १८५७ में भारत के राष्ट्र भक्त वीरो द्वारा स्वतन्त्रता संग्राम छेड़ दिया गया। महाराजा अंग्रेजो के परम भक्त थे। २८ मई को स्वतन्त्रता प्रेमी सैनिकों ने विद्रोह कर दिया। उधर महाराज अंग्रेजो की सुरक्षा का प्रबंध करने में जी जान लगाकर जुट गये। परन्तु समूह एक शक्ति होता है। १४ जून १८५७ की रात्रि को कन्टिन्जेन्ट फौज ने भी राष्ट्र प्रेमियो के समर्थन मे विद्रोह कर दिया। अनेकों अंग्रेज अफसर मौत के घाट उतार दिये गये। महाराजा ने अपनी भक्ति का परिचय देते हुए शेष सभी जीवित अंग्रेज पुरुषों को, महिलाओं व बच्चों सहित आगरा पहुँचा दिया। दिनांक २८ मई सन १८५८ ई० को नाना पेशवा, तात्या टोपे और महारानी लक्ष्मीबाई के नेतृत्व में स्वतन्त्र वीरों की सेना राष्ट्र द्रोहियों को रोंदती हुई ग्वालियर की छाती पर चढ़ आई और १ जून से भयकर रूप में युद्ध शुरू हो गया। ग्वालियर के सारे राष्ट्र प्रेमी स्वतन्त्र वीरो ने उनका साथ दिया जिससे भयभीत होकर जयाजीराव युद्ध स्थल से पीठ दिखाकर भाग खड़े हुये और अंग्रेजों की शरण मे आगरा जा पहुंचे। इधर स्वतन्त्र वीरो ने सभी शासकीय केन्द्रो पर कब्जा कर लिया और ग्वालियर पर अपने झडे गाड दिये। गोरखी मे स्थित शासकीय खजाने को लूट लिया गया। वीर पुत्रों का सरक्षण पा ग्वालियर की भूमि निहाल हो उठी। परन्तु दूसरी ओर सर फिहूरोज ने वीरो से अनुपात में कई गुनी सेना लाकर उन्हें चारों ओर से घेर लिया। दिनांक १८ जून को भयकर युद्ध हुआ। जिसमे अनेको वीरो सहित वीरांगना लक्ष्मीबाई भी शहीद हुई। अवसर पाकर अंग्रेज पुनः सत्तारूढ़ हो गये। शांति स्थापित होने पर महाराजा जयाजीराव सिंधिया भी ग्वालियर वापिस लौट आये। ग्वालियर आने के पश्चात उन्होंने स्वतन्त्र प्रेमी निवासियो को दंड देने का अभियान चालू किया। बाद मे महाराजा जयाजीराव सिन्धिया के इन भक्ति पूर्ण कृत्यो से प्रसन्न होकर दिनांक ३० नवम्बर सन ५८ को आगरा मे एक समारोह आयोजित कर गवर्नर जनरल लार्ड कैनिंग ने पुराने ग्वालियर राज्य मे तीन लाख रुपये का राज्य और शामिल कर उन्हें पुनः औपचारिक रूप मे राज्य भार सौंपते हुये अंग्रेजो की भक्ति के लिये उनकी भूरि-भूरि प्रशंसा की और साथ ही महाराजा की ओर बकाया लाखों रुपये की रकम भी छोड़ दी। और उन्हें अनेकों पदवियों से विभूषित कर ब्रिटिश सेना का आनरेरी जनरल नियुक्त किया। परन्तु दुर्ग पर अभी भी अंग्रेजों का ही आधिपत्य रहा सन १८८६ में अंग्रेजों ने झांसी के दुर्ग को

लेकर बदले में ग्वालियर दुर्ग और मुरार छावनी सिंधिया को दे दी।

इनके काल में अशांति पूर्ण वातावरण होते हुए भी अनेकों मन्दिरों आदि के निर्माण–कार्य संपन्न हुये। सन १८६४ के लगभग रामकुई पर नसियां जी के मन्दिर की स्थापना हुई और दानाओली में भी नया मंदिर जी का निर्माण कार्य आरम्भ हुआ और लगभग १ वर्ष बाद ही लश्करी बाजार स्थित मन्दिर का निर्माण हुआ। ग्वालियर बच्चाराम मोहल्ला में स्थित मन्दिर भी इसी काल का बना हुआ है। सन १८७८ में मामा के बाजार में एक जैन मन्दिर का निर्माण कार्य संपन्न कराया गया।

सन १८८५ के लगभग महाराजा को जलोधर रोग हो गया जिसकी पीड़ा में दिनांक २० जून १८८६ के दिन उनका प्राणांत हो गया।

माधोराव:—

इनकी मृत्यु के समय इनके पुत्र माधोराव केवल १० वर्ष के थे। परन्तु परम्परा के अनुसार पिता की मृत्यु के पश्चात उनका ही राज्याभिषेक कर दिया गया। अवयस्कता के काल में अंग्रेजों द्वारा नियुक्त एक कौंसिल द्वारा सरदारों और अधिकारियों के सहयोग से राज्य कार्य का संचालन किया गया। सन १८८८ में मामा के बाजार में, एक और जैन मन्दिर का निर्माण कराया गया।

दिनांक १५ दिसम्बर १८९४ के दिन इस क्षेत्र के गवर्नर जनरल ने एक समारोह में ३० हजार वर्ग मील में फैले ३२ लाख की आबादी और १॥ करोड़ की आय वाले तत्कालीन ग्वालियर के शासन का कार्य भार माधव राव सिंधिया को सौंप दिया। अंग्रेजों का संरक्षण होने के कारण, ये सारे शासन काल में युद्ध आदि के भय से निश्चिन्त रहे। अतः प्रजा के लाभ के कार्यों में अपना काफी समय दिया। इनके काल में क्षेत्र के सर्वांगीण विकास की ओर काफी ध्यान दिया गया। आपने सभी धर्मों को प्रगति का समुचित अवसर दिया। वे स्वयं सभी धर्मों के विशेष उत्सवों में भाग लेते थे।

इनके शासन काल में अनेकों जैन मन्दिरों का निर्माण कार्य शुरू हुआ। सन १९०३ में मामा के बाजार में एक और जैन मन्दिर का निर्माण कराया गया। जो बड़ा मन्दिर मामा के बाजार के नाम से जाना जाता है। इनके अतिरिक्त इनके काल में भूमि का बंदोबस्त और सर्वेक्षण हुआ। सन १९१२ में प्रशासन सुधार के हेतु पंचायतों का गठन किया गया। इन्होंने सड़कों के निर्माण कार्य में भी रुचि ली। सिंचाई के साधन बढ़ाये। हर्सी बांध का निर्माण-कार्य इन्होंने ही प्रारम्भ करवाया। सन १९२५ में इनका स्वर्गवास हो गया, और महाराजा जीवाजी राव सिंधिया ने राज्य भार सम्हाला। इस अवसर पर ग्वालियर के जैन संगठन के रूप में कार्यरत संस्था ग्वालियर स्टेट दिगम्बर जैन ऐसोसियेशन द्वारा उनका अभिनन्दन करते हुये मानपत्र भेंट किया गया। इनके काल में राष्ट्रीय आन्दोलन प्रबल होता गया, लोक तान्त्रिक सरकार की मांग बढ़ती गई। सन १९३९ में लोकतान्त्रिक सत्ता की स्थापना हेतु प्रजासभा, राज्यसभा नामक विधान सभायें स्थापित की गईं।

स्वतंत्रता काल:—

१५ अगस्त सन १९४७ को भारत वर्ष स्वतन्त्र हुआ। भारत सरकार के गृहमन्त्री के रूप में आसीन सरदार वल्लभ भाई पटेल ने देशी रियासतों को भारतीय गणतंत्र में विलीन करने की दिशा में अत्यन्त दृढ़ता से काम लिया। २८ मई १९४८ को महाराजा जीवाजीराव सिंधिया ने राज्य विलय करने के प्रपत्र पर हस्ताक्षर किये और ग्वालियर रियासत मध्यभारत राज्य में विलय हो गई। स्वतन्त्र भारत के स्वच्छन्द वातावरण में भारतीय संविधान के अनुसार भारत को धर्मनिरपेक्ष प्रजातान्त्रिक गणराज्य घोषित किया गया। इस कारण जन साधारण में राष्ट्रीय एवं सामाजिक चेतना का उदय हुआ। और इन क्षेत्रों की धार्मिक गतिविधियों में तीव्रता आई। जैन धर्मावलम्बी इस

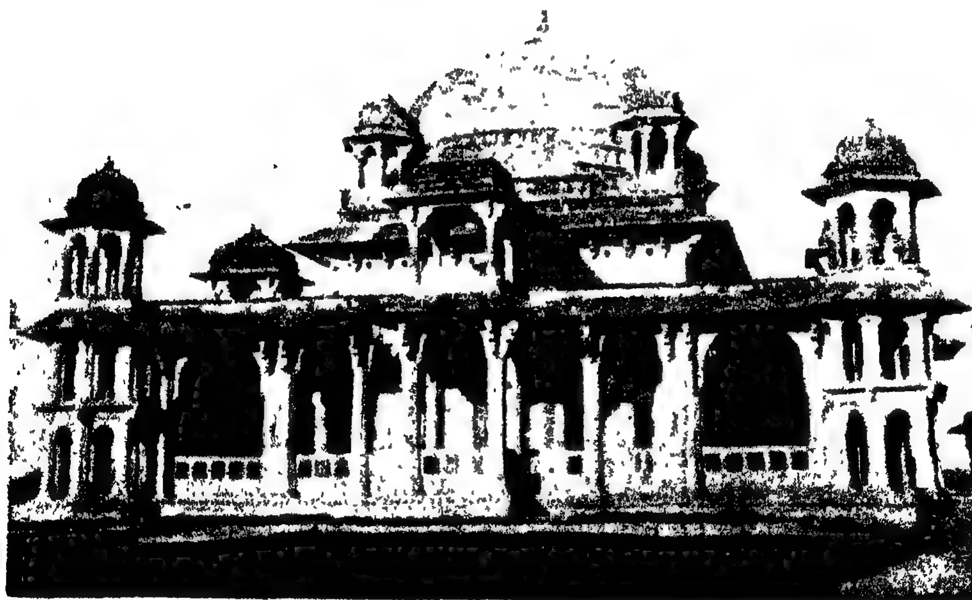
क्षेत्र में कभी किसी से पीछे नहीं रहे। अनेकों जैन अनुयाइयों ने अपने क्षेत्र की जनता का कुशल प्रतिनिधित्व किया। इस प्रकार अनेकों जैन धर्मावलम्बियों ने मंत्रीयों, सचिवों, विधायकों और अनेक उच्च पदों पर रह कर क्षेत्र की बिना किसी भेद-भाव के अमूल्य सेवा की।

सन १९५३ में इस नगर की पुण्य भूमि पर आचार्य श्री देशभूषण जी महाराज की प्रेरणा से सेठ राजाराम जी जैसवाल (मे. हरलाल मूलचन्द जी) ने मेला ग्राऊन्ड पर विशाल जैन-पंच-कल्याणक महोत्सव का आयोजन करवाया, जिसमें नगर के अतिरिक्त विभिन्न प्रदेशों के जैन लोग सम्मिलित हुये।

१ नवम्बर सन १९५६ को पुराने मध्यप्रदेश, मध्यभारत, विन्ध्य प्रदेश एवं भोपाल राज्य को मिला कर नये मध्यप्रदेश का गठन हुआ। जुलाई सन १९६१ में अकस्मात महाराजा जीवाजी राव सिंधिया का निधन हो गया। उसी राज्य वंश की राजमाता विजयाराजे सिंधिया का मध्य प्रदेश की राज्यनीति में इस समय भी महत्व पूर्ण (संविद-नेत्री के रूप में) योग है।

इस तरह ग्वालियर का अतीत अत्यन्त गौरव शाली रहा है। हम भविष्य के प्रति भी आशावान हैं और मंगल कामना रखते हैं कि यह वीर भूमि सदैव धर्म प्रेरणा का केन्द्र बनी रहे।

—रवीन्द्र 'मालव'



मोहम्मद गोस का मकबरा
(जिसके संबंध में यह कहा जाता है कि यह पहिले एक जैन मंदिर था जिसे बाबर के शासन काल में नष्ट किया गया)

बृहत्तर ग्वालियर में स्थित दिगम्बर जैन मंदिर

नगर के विभिन्न मोहल्लों में स्थित जैन परिवारों की सुविधानुसार लश्कर, ग्वालियर और मुरार में ३५ दिगम्बर जैन मन्दिर, और ६ श्वेताम्बर जैन मन्दिर हैं। ग्वालियर, जैन पुरातत्व और संस्कृति का गढ़ है। अनेक मन्दिर अपनी विशालता और उत्कृष्ठ स्थापत्य कला के कारण सहसा आकर्षण के केन्द्र हैं। इनमें प्राचीन मनोज्ञ जिनबिम्ब विराजमान हैं। मन्दिरों के सरस्वती भण्डार प्राचीन शास्त्रों से भरे हुए हैं। प्रत्येक जैनी का यह कर्तव्य है कि वह प्रतिदिन देव दर्शन शास्त्र स्वाध्याय कर आत्म शुद्ध करे।

दिगम्बर जैन मन्दिर, लश्करः—

१. श्री दि० जैन तेरापन्थी पंचायती बड़ा मन्दिर, पुरानी-सहेली, डोंडवाला ओली
२ श्री दि० जैन चम्पाबाग बीसपन्थी पंचायती मन्दिर, दाना ओली
३. श्री दि० जैन जैसवाल मन्दिर, दाना ओली
४. श्री दि० जैन नया मन्दिर, खंडेलवाल पंचायती नई-सहेली, दाना ओली
५. श्री दि० जैन नागोरा का मन्दिर, दाना ओली
६. श्री दि० जैन तेरापन्थी मन्दिर, भाऊ का बाजार
७. श्री दि० जैन बीसपन्थी मन्दिर, जनकगंज
८. श्री दि० जैन जैसवाल मन्दिर, छप्री बाजार
९. श्री दि० जैन मन्दिर, बावड़ी बाजार
१०. श्री दि० जैन ते० म०, चितेराओली, माधवगंज
११. श्री दि० जैन बी० म०, चितेराओली, माधवगंज
१२. श्री दि० जैन चैत्यालय, मामा का बाजार
१३. श्री दि० जैन बरैया प० म० मामा का बाजार
१४. श्री दि० जैन बरैया पंचायती बड़ा मदिर, मामा का बाजार
१५ श्री दि० जैन बरैया पंचायती मंदिर, गुड़ी-गुड़ा का नाका
१६. श्री दि० जैन बीसपन्थी मन्दिर, नया बाजार
१७ श्री पार्श्वनाथ दि० जैन तेरा० मं० दौलतगंज
१८. श्री दि० जैन बीसपन्थी मन्दिर, दौलत गंज
१९. श्री दि० जैन चैत्यालय कसेरा ओली
२०. श्री दि० जैन तेरापन्थी मन्दिर, फालका बाजार
२१. श्री दि० जैन बीसपन्थी मन्दिर, जयेन्द्र गंज
२२. श्री दि० जैन चैत्यालय, शिन्दे की छावनी
२३ श्री दि० जैन बीस० नसियाजी मं०, रामकुई

दिगम्बर जैन मन्दिर, ग्वालियरः—

२४. श्री दि० जैन गोकुलचन्दजी मन्दिर, लोहा मण्डी
२५. श्री दि० जैन चैत्यालय, कोटा वाला मोहल्ला
२६. श्री दि० जैन चैत्यालय, बच्चाराम मोहल्ला
२७. श्री दि० जैन वासपूज्य पचायती मन्दिर
२८. श्री दि० जैन यती जी का मन्दिर
२९. श्री दि० जैन मानकरामजी की बगीची, मन्दिर
३०. श्री दि० जैन मुनीमजी का मं०, लखेरा गली
३१. श्री दि० जैन चैत्यालय, बासमण्डी

दिगम्बर जैन मन्दिर, मुरारः—

३२. श्री दि० जैन मंदिर गुलाबचन्द की बगीची, ठाठीपुर
३३. श्री दि० जैन चैत्यालय, दीना नाथ की बगीची
३४. श्री दि० जैन पचायती मन्दिर, जैन सदर
३५. श्री दि० जैन ब्रह्मचारी चैत्यालय, ठण्डी सड़क

लश्कर में स्थित दि० जैन मन्दिर:—

(१) **श्री दि० जैन तेरापन्थी, पंचायती पुरानी सहेली- बड़ा मंदिर, चौकवाला ओली** :— सन १७६८ में [redacted], [redacted] समाज के उत्साही एवं दानशील व्यक्तियों के प्रयत्न से, इस अत्यन्त भव्य एवं कलात्मक विशाल मन्दिर का निर्माण कार्य सम्पन्न हुआ है। यहां ४१ पाषाण, ६ मूंगा, ७१ धातु, ६ स्फटिक मणी व १ चांदी की प्रतिमायें प्रतिष्ठित हैं। पीतल के तीन विशाल मेरू व २ मानस्तम्भों की बनावट अत्यन्त आकर्षक एवं दर्शनीय है। यहां के सरस्वती भण्डार में १०० हस्तलिखित और ३०० मुद्रित शास्त्र विद्यमान हैं। इस मन्दिर द्वारा एक जैन पाठशाला संचालित की जाती है जिसके सुयोग्य अध्यापक श्री लाला भईया जी हैं। मन्दिर के अन्तर्गत दो धर्मशालायें तेरापंथी धर्मशाला, नई सड़क व नवनिर्मित पार्श्वनाथ धर्मशाला, चौकवाला ओली, जैन मंदिर भाऊ का बाजार, सोनागिर तलहटी के नं. १, २ व ६ मन्दिर, तेरापंथी धर्मशाला, सोनागिर की व्यवस्था सम्मिलित है। इस मंदिर के खम्भों, दीवारों व छतों पर पच्चीकारी व सोने का काम है उनपर बने दृश्य प्राचीन, आकर्षक व कलात्मक है। मंदिर सम्बन्धित कार्य की व्यवस्था मंदिर कमेटी द्वारा की जाती है जिसके अध्यक्ष श्री मानिक चन्द जी पांड्या, मंत्री श्री उत्तमचंद जी गंगवाल व कोषाध्यक्ष श्री रतनचंद जी गिरधरवाल हैं।

(२) **श्री दि० जैन बीसपंथी मन्दिर चम्पाबाग, दानाओली:**— इस भव्य एवं विशाल मन्दिर की स्थापना सन १७६८ में हुई। यहां दीवारों व छतों पर अत्यन्त आकर्षक कलात्मक जड़ाऊ काम है, जो दर्शनीय है। मंदिर में २२६ जिनबिम्ब, १२५ हस्तलिखित और १५० मुद्रित शास्त्र ग्रंथ हैं। इस मन्दिर के अन्तर्गत श्री दि० जैन मंदिर, इन्दरगंज, श्री दि० जैन मन्दिर नसिया जी, बीस पंथी कोठी सोनागिर, बीस पंथी चम्पाबाग धर्मशाला एवं मन्दिर में संचालित जैन पाठशाला की व्यवस्था, सम्मिलित है। मन्दिर प्रबन्ध समिति के वर्तमान अध्यक्ष श्री मान सेठ बुधमलजी गंगवाल, मंत्री श्री केशरीमल जी गोधा व कोषाध्यक्ष श्री पारस कुमार गंगवाल हैं।

(३) **श्री दि० जैन जैसवाल पंचायती मन्दिर, दाना ओली:**— दानाओली में सड़क के किनारे दूसरी मंजिल पर स्थित उक्त मंदिर की स्थापना सन १८४८ में हुई। यहां मेरू सहित तीन वेदियों पर ११ धातु और २० पाषाण के जिनबिम्ब प्रतिष्ठित हैं। मन्दिर के शास्त्र भण्डार में १२५ शास्त्र व धार्मिक पुस्तकें हैं। प्रतिवर्ष क्वार सुदी चतुर्थी के दिन गोपाचल दुर्ग स्थित एक पत्थर की बावड़ी पर जहाँ तोमर राजाओं के समय में उत्खनित अनेकों विशाल जैन मूर्तियां हैं, एक मेला आयोजित किया जाता है। इसके अतिरिक्त प्रतिवर्ष कार्तिक शुक्ला सप्तमी के दिन यहां से रथ-यात्रा निकाली जाती है। इस मन्दिर की पंचायत के अन्तर्गत नवनिर्मित जैसवाल पंचायती धर्मशाला, दाना ओली की व्यवस्था सम्मिलित है। जिसके अध्यक्ष श्री मोहनलालजी, मंत्री श्री मुन्नीलाल जी व कोषाध्यक्ष श्री बब्लूलालजी जैन घी वाले हैं।

(४) **श्री दि० जैन खण्डेलवाल पंचायती, नया मन्दिर, दानाओली:**— नया मंदिर, दानाओली का निर्माण सन १८६६ में श्री पन्नालाल जी गंगवाल व श्री रत्नीलाल जी पाटनी द्वारा हुआ। अत्यन्त भव्य एवं विशाल मंदिर की पांच वेदियों पर २० पाषाण, २५ धातु, २ स्फटिक मणी, १ पन्ना, ३ पुखराज के जिनबिम्ब प्रतिष्ठित है। यहां श्री आदिनाथ भगवान की श्वेत पाषाण की मूर्ति वि. सं. १५६ की व श्री चन्द्रा प्रभु भगवान की मूर्ति वि. सं. १६८ की प्रशस्ति की है। प्राचीन जिन बिम्बों के अतिरिक्त ताड़ पत्र पर लिखे हुए 'सन्दूर-प्रकरण-ग्रन्थ', तत्वार्थ सूत्र, आदिनाथ स्तोत्र, णमोकार मन्त्र, एकचावल पर लिखे हुये ३५ अक्षरी णमोकार मन्त्र, पंच परमेष्ठी देखने योग्य प्राचीन वस्तुऐं संग्रहीत हैं। यहां सरस्वती-भण्डार में ६२५ हस्तलिखित, २०० मुद्रित शास्त्र ग्रन्थ व ५०० धार्मिक पुस्तकें हैं। धार्मिक सामाजिक कार्य हेतु बर्तन,

विद्यालय भी उपलब्ध है। मन्दिर के क्षेत्र में एक धर्मशाला है जिसका उपयोग वर्द्धमान विद्यालय के अतिरिक्त त्यागी व्रतियों को ठहराने, व अन्य धार्मिक-सामाजिक कार्यक्रमों के लिये होता है। व्यवस्था कार्य निर्वाचित कार्य कारिणी द्वारा किया जाता है जिसके अध्यक्ष श्री मिश्रीलाल जी पाटनी, मन्त्री श्री रूपचंदजी पाटनी व कोषाध्यक्ष श्री मनोहरलाल जी पांड्या हैं।

(५) श्री दि० जैन बीसपंथी नागार्रा जी मंदिर, दानाओली:—दानाओली के प्रारम्भ में आकर्षक कलात्मक खुदाई से सुशोभित गेट के अन्दर द्वितीय मंजिल पर स्थित तीन वेदियो में २५ धातु और ८ पाषाण के जिनबिम्ब प्रतिष्ठित हैं। इस मन्दिर की व्यवस्था जयपुरवाल पंचायत-कमेटी द्वारा की जाती है जिसके मुख्य कार्यकर्ता श्री गुलाबचन्द जी पसारी, व श्री मूलचन्द जी नेके वाले है।

(६) श्री दि० जैन तेरापंथी, मंदिर, भाऊ का बाजार:—भाऊ के बाजार मे द्वितीय मंजिल पर स्थित मंदिर की स्थापना सन १८६६ में की गई। यहा दो वेदियो पर ८ पाषाण व ८ धातु की मूर्तिया प्रतिष्ठित है। इनके अतिरिक्त दो पीतल के आकर्षक मेरू-स्तम्भ है। बड़ा मंदिर, पुरानी-सहेली-कमेटी द्वारा इस मन्दिर की व्यवस्था संचालित की जाती है। मंदिर की सामान्य व्यवस्था श्री मथुरा दास जी नरपत्या करते हैं।

(७) श्री दि० जैन बीसपंथी मंदिर, जनकगंज—श्री प्यारेलाल जी टोंग्या द्वारा इस मंदिर का निर्माण कार्य सन १९१७ में स्थापित कर सन १९३७ मे सम्पन्न किया गया। द्वितीय मंजिल पर स्थित इस मन्दिर में ८ पाषण, २ धातु के जिनबिम्ब व २५ शास्त्र विद्यमान हैं। मन्दिर जी का प्रबन्ध संचालन बीसपंथी चम्पाबाग मन्दिर कमेटी द्वारा किया जाता है। वर्तमान में व्यवस्था कार्य श्री रूपचंद जी टोंग्या करते हैं।

(८) श्री दि० जैन जैसवाल पंचायती मन्दिर, छत्री बाजार:—छत्री बाजार में द्वितीय मंजिल पर स्थित मंदिर की स्थापना सन १८६५ में हुई। यहाँ २५ धातु, २ पाषाण के जिनबिम्ब और २० शास्त्र विद्यमान हैं। मंदिर की प्रबन्ध-व्यवस्था श्री प्यारेलाल जी जैसवाल काटे वाले करते हैं।

(९) श्री दि० जैन मंदिर, बावड़ी बाजार:—द्वितीय मंजिल पर स्थित बावड़ी बाजार के मन्दिर में सुनहरी आकर्षक जड़ाऊ वेदी पर ३ पाषाण, ७ धातु व १ पन्ना के जिनबिम्ब प्रतिष्ठित हैं। मन्दिर का प्रबन्ध संचालन श्री नन्नेलाल जी प्यारेलाल जी करते है।

(१०) श्री दि० जैन तेरापंथी मंदिर, चितेरा ओली, माधवगंज:—चितेरा ओली, माधवगंज मे स्थित विशाल मंदिर का निर्माण कार्य सन १८४० में सम्पन्न हुआ। समोसरण सहित पांच वेदियो व भोंहरा मे २६ पाषाण ३० धातु, १ स्फटिक मणी व १ मूगा के जिनबिम्ब प्रतिष्ठित है। जिसमे से २ विशाल प्राचीन मूर्ति शोजना ग्राम व एक मूर्ति पनिहार ग्राम से लाकर विराजमान की गई है। यहा के सरस्वती भण्डार में १५० शास्त्र ग्रंथ व पुस्तकालय में ३०० धार्मिक पुस्तकें हैं। मंदिर द्वारा धार्मिक पाठशाला, पुस्तकालय, वाचनालय व नवनिर्मित धर्मशाला संचालित है। धर्मशाला मन्दिर क्षेत्र मे स्थित है। सम्बन्धित व्यवस्था कार्य श्री सुगनचन्द जी पाटनी, श्री नानूलाल जी चोधरी व कपूरचन्द जी पाटनी द्वारा किया जाता है।

(११) श्री दि० जैन बीसपंथी मंदिर, चितेरा ओली, माधवगंज:—चितेराओली, माधवगंज स्थित बीसपंथी आमनाय के इस मंदिर मे द्वितीय मंजिल पर तीन वेदियो मे ५५ जिनबिम्ब, जिनमें ३९ पाषाण व १६ धातु के है प्रतिष्ठित है। स्वाध्याय हेतु कुछ शास्त्र भी उपलब्ध है। यहाँ की व्यवस्था श्री लक्ष्मी चन्द जी बोहरा द्वारा की जाती है।

(१२) श्री दि० जैन चैत्यालय, नाका का बाजार:—सन १८८८ में इस चैत्यालय का निर्माण श्री जसराज जी गनपत लाल जी बरैया ने करवाया था। यहा ६ धातु के जिनबिम्ब व १२ जैन शास्त्र विद्यमान हैं। इसकी प्रबन्ध व्यवस्था बरैया पंचायत

द्वारा की जाती है वर्तमान में कार्य संचालन श्री बाबूलाल जी द्वारा किया जाता है।

(१३) श्री दि० जैन बरैया पंचायती मन्दिर, मामा का बाजार:—सन १८७८ में इस मंदिर का निर्माण कार्य श्री कल्लूराम जी प्यारेलाल जी द्वारा सम्पन्न हुआ था। तेरापंथी आमनाय के इस मंदिर मे ६ पाषाण व १२ धातु के जिनबिम्ब प्रतिष्ठित हैं। यहां से प्रतिवर्ष मगसर बदी एकम् के दिन रथयात्रा महोत्सव आयोजित किया जाता है। इसकी प्रबन्ध व्यवस्था बरैया पचायत द्वारा की जाती है, जिसके अध्यक्ष श्री मोहनलाल जी, मंत्री प्रो. रामचरणलालजी व कोषाध्यक्ष प. भगवती प्रसाद जी हैं।

(१४) श्री दि० जैन पचायती बड़ा मन्दिर, मामा का बाजार:—तेरापंथी आमनाय के इस मंदिर का निर्माण सन १६०३ मे हुआ। मन्दिर जी मे ७ पाषाण व, १३ धातु के जिनबिम्ब प्रतिष्ठित है। यहा सरस्वती भण्डार में ४ हस्तलिखित व १६ मुद्रित शास्त्र विद्यमान हैं। मन्दिर क्षेत्र में स्थित श्री ऋषभ नाथ धर्मशाला की व्यवस्था भी उक्त मन्दिर की प्रबंध समिति द्वारा की जाती है जिसके अध्यक्ष श्री बालचद्र जी, मन्त्री श्री शोभाराम जी व कोषाध्यक्ष श्री देवचद जी बरैया है।

(१५) श्री दि० जैन बरैया पचायती मन्दिर, गुड़ी-गुड़ा का नाका:—नगर के अंतिम छोर पर स्थित उक्त मन्दिर का निर्माण समीप स्थित कुछ जैन परिवारो की सुविधार्थ हुआ। यहा धातु निर्मित ३ जिनबिम्ब प्रतिष्ठित हैं। मन्दिर व्यवस्था बरैया पचायत द्वारा की जाती है।

(१६) श्री दि० जैन बीसपंथी मन्दिर, नया बाजार:—तृतीय मंजिल पर स्थित नया बाजार के इस मंदिर का निर्माण कार्य सन १८४३ में सम्पन्न हुआ। यहाँ दो मुख्य वेदियों पर ११ पाषाण व ८ धातु के जिनबिम्ब प्रतिष्ठित हैं। सरस्वती भण्डार में २५ हस्तलिखित व १५ मुद्रित शास्त्र विद्यमान हैं। मन्दिर व्यवस्था के अन्तंगत संचालित, संगीत कला शिक्षण विद्यालय भी है। वर्तमान व्यवस्था कार्य श्री हुकमचन्द जी बाकलीवाल, श्री रूपचन्द जी पाटनी और श्री कम्मनलाल जी द्वारा अत्यन्त लगन से किया जा रहा है।

(१७) श्री पार्श्वनाथ दि० जैन तेरापंथी मन्दिर, दौलतगंज:—नगर का सर्व प्रथम यह मन्दिर ग्वालियर स्टेट की स्थापना के साथ ही साथ निर्मित हुआ। इस मन्दिर मे १० पाषाण व १६ धातु के जिनबिम्ब प्रतिष्ठित है। यहा के सरस्वती भण्डार मे २५० शास्त्र विद्यमान हैं। वर्तमान मे इस मंदिर की आकर्षक आधुनिक व्यवस्था का मानिकचन्द जी पाटनी करते हैं।

(१८) श्री दि० जैन बीसपंथी मन्दिर दौलतगंज:—द्वितीय मंजिल पर स्थित उक्त मंदिर में १२ पाषाण व ५ धातु के जिनबिम्ब प्रतिष्ठित हैं। इस मन्दिर में एक जैन पाठशाला चलाई जाती है मन्दिर व पाठशाला से सम्बन्धित कार्य की देख-रेख श्री विमलचद जी बाकलीवाल व श्री बाबूलाल जी टोंग्या करते हैं।

(१९) श्री दि० जैन राजाजी वाला चैत्यालय, कसेरा ओली:—बारादारी के पास कसेरा ओली मे तृतीय मन्जिल पर स्थित उक्त चैत्यालय का निर्माण कार्य सन १८२० मे श्री सालिगराम सवाईराम जी द्वारा सम्पन्न हुआ था। यहां १ पाषाण व ७ धातु के जिनबिम्ब प्रतिष्ठित हैं। सरस्वती भण्डार में ४४ हस्तलिखित शास्त्र व प्राचीन हस्तकला निर्मित चित्र हैं। वर्तमान में उसी परिवार के मुखिया श्री अमोलकचन्द जी राजा इसकी व्यवस्था करते हैं।

(२०) श्री दि० जैन तेरापंथी मन्दिर, फालका बाजार:—पुलिस चौकी के समीप फालके बाजार में स्थित तेरापंथी आमनाय के इस मन्दिर में ७ पाषाण ५ धातु के जिनबिम्ब व ५ शास्त्र ग्रन्थ विद्यमान हैं। नया मन्दिर दानाओली की प्रबन्ध कमेटी द्वारा इस मन्दिर की व्यवस्था की जाती है। वर्तमान में इसकी

देख-रेख का कार्य अत्यन्त लगन व त्याग के साथ श्री बाबूलाल जी हुकमचन्द जी कासला करते हैं।

(२१) श्री दि० जैन बीसपंथी मन्दिर, जयेन्द्र गंज:—स्वर्गीय श्री माधवराव सिंधिया स्टेचू के सामने द्वितीय मंजिल पर स्थित जैन मंदिर में २ पाषाण और ८ धातु के जिनबिम्ब प्रतिष्ठित हैं। मंदिर की प्रबंध व्यवस्था चम्पाबाग बीसपंथी मन्दिर कमेटी द्वारा की जाती हैं।

(२२) श्री दि० जैन चैत्यालय शिन्दे की छावनी—सन १९२५ में श्री सुआलाल जी पाटनी द्वारा इस चैत्यालय की स्थापना निजी धर्म ध्यान व स्वाध्याय हेतु की गई थी। इस बाजार मे स्थित लगभग १०० जैन परिवारों के लिये समीप वर्तीय उक्त एकमात्र जिनालय होने से सभी यही धर्मध्यान करने आते हैं। यहा १ पाषाण व दो धातु के जिनबिम्ब प्रतिष्ठित हैं। इस चैत्यालय की व्यवस्था वर्तमान में श्री प्रकाशचन्द जी पाटनी करते हैं।

(२३) श्री दि० जैन बीसपंथी नसियां जी मंदिर, गेंडेवाली सड़क, रामकुई—सन १८६४ मे रामकुई पर स्थित नसिया जी के विशाल क्षेत्र मे उक्त मन्दिर की स्थापना हुई। यहा ६ पाषाण २ धातु के जिनबिम्ब प्रतिष्ठित हैं। मन्दिर के पास ही कुछ कमरे, बगीचा व विशाल मैदान है। इस स्थान को आकर्षक, भव्य व दर्शनीय बनाने हेतु श्री १००८ शांतीनाथ भगवान की २२ फुट ऊंची प्राचीन प्रतिमा सन १९४३ मे श्रीमान बुधमलजी अगवाल ने बरई ग्राम से लाकर प्रतिष्ठित कराई। नसिया जी मन्दिर द्वारा कुंवार सुदी छट के दिन वार्षिक मेला आयोजित किया जाता है। इस मन्दिर व नसियां की व्यवस्था श्री दि० जैन बीसपंथी चम्पाबाग मन्दिर कमेटी द्वारा की जाती है।

ग्वालियर में स्थित दि० जैन मंदिर:—

(२४) श्री गोकुलचन्द जी जैसवाल पंचायती मन्दिर, लोहामण्डी—लोहामंडी ग्वालियर में स्थित जैसवाल पचायती मन्दिर का निर्माण सन १८४३ में स्वर्गीय श्री लाला गोकुलचन्द जी ने करवाया। इस मन्दिर में छह वेदियों पर ५० पाषाण व १५ धातु के जिनबिम्ब प्रतिष्ठित हैं। यहां के सरस्वती भण्डार में १५० शास्त्र ग्रंथ हैं। संस्थापक श्री गोकुलचन्द जी के नाम से एक जैन धर्मशाला लोहामण्डी ग्वालियर में स्थित है इसका प्रबंध कार्य मन्दिर कमेटी द्वारा किया जाता है कमेटी के वर्तमान अध्यक्ष श्री बाबूलाल जी कोठरीवाले, मन्त्री श्री सूरजचन्द जी व कोषाध्यक्ष श्री पन्नालाल जी हैं।

(२५) श्री दि० जैन चैत्यालय, कोटा वाला मोहल्ला:—सन १८४३ में श्री पन्नालाल जी अग्रवाल द्वारा इस चैत्यालय की स्थापना की गई। यहां पांच धातु के जिनबिम्ब प्रतिष्ठित हैं। वर्तमान मे व्यवस्था श्री पन्नालाल जी 'धर्मवीर' द्वारा की जाती है।

(२६) श्री दि० जैन चैत्यालय, अच्छाराम, मोहल्ला:—श्री अच्छाराम लोहिया द्वारा सन १८६८ मे इस चैत्यालय की स्थापना की गई वर्तमान में यहां की व्यवस्था श्री प्रभूदयाल जी लोहिया करते हैं।

(२७) श्री दि० जैन वासपूज्य पंचायती मंदिर.—अस्त व्यस्त २२ चैत्यालयो को सम्मिलित करते हुऐ उन्हे एक ही स्थान पर व्यवस्थित रूप देने हेतु इस मन्दिर की स्थापना की गई। यहा मूलनायक श्री वासपूज्य भगवान की प्रतिमा सम्वत् १५३७ में प्रतिष्ठित किये जाने का लेख है। इसके अतिरिक्त मन्दिर मे अनेक प्राचीन प्रतिमायें प्रतिष्ठित हैं। यहा के शास्त्र भण्डार में लगभग १०० शास्त्र हैं। इस मन्दिर द्वारा प्रतिवर्ष कुंवार सुदी दोज के दिन रथयात्रा आयोजित की जाती है। कुंवार बदी अमावस के दिन ग्वालियर दुर्ग पर प्राचीन उत्खनित विशाल मूर्तियों के सामने भरने वाले मेले मे इस मन्दिर द्वारा भजन-कीर्तन के साथ रथ में विराजमान कर श्रीजी ले जाये जाते है। अषाढ़ सुदी अष्टमी से प्रारम्भ होने वाले अष्टानका पर्व में प्रतिवर्ष यहा सिद्धचक्र विधान का आयोजन किया जाता है और श्री बाहुबलि स्वामी का मस्तकाभिषेक होता है। इस मन्दिर मे महावीर जयन्ती के दिन, महोत्सव भी मनाया जाता है।

समीप स्थित नानकराम जी की बगीची की व्यवस्था इस मन्दिर के ट्रस्ट द्वारा की जाती है। मन्दिर प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष श्री ऋषभदास जी, मन्त्री श्री हुकमचन्द जी व कोषाध्यक्ष श्री अजितकुमार जी हैं।

(२८) श्री दिगम्बर जैन जतीजी का मन्दिर, चौक बाजार:—मन्दिर पर लगे शिलान्यास के अनुसार, चौक बाजार में स्थित जती जी के मन्दिर का निर्माण कार्य सम्वत् १८५१ (सन १७६४) माघ बदी दसवीं के दिन सम्पन्न हुआ था। यह मन्दिर भट्टारक जी के नाम से जाना जाता है। यहां अनेक प्राचीन मूर्तियों के अतिरिक्त, विशाल यक्ष-यक्षणी की मूर्तियां प्रतिष्ठित हैं। इस मन्दिर के सरस्वती भण्डार में रईधू कवि, भट्टारकों आचार्यों व विद्वानों द्वारा रचित, सैकड़ों प्राचीन हस्तलिखित ग्रन्थ हैं। इस पुराने मन्दिर के अन्दर दो भोहरें भी स्थित हैं।

(२९) श्री दिगम्बर जैन मन्दिर, नानकराम बगीची—बगीचे में स्थित मन्दिर में अत्यन्त आकर्षक चमकीली मूर्ति के अतिरिक्त एक धातु व पाषाण की मूर्ति भी प्रतिष्ठित है। इस मन्दिर की व्यवस्था श्री दि० जैन वासपूज्य पचायती मन्दिर द्वारा की जाती है।

(३०) मुनीम जी का चैत्यालय, सभेरा गली—सन् १९२५ में इस चैत्यालय की स्थापना हुई। यहां मूलनायक श्री पार्श्वनाथ स्वामी की प्रतिमा के अतिरिक्त २ धातु की मूर्तियां प्रतिष्ठित हैं। मन्दिर के सचालक श्री रामजीदास लक्ष्मणदास जी हैं। व्यवस्था का कार्य श्री दर्शनलाल जी सभालते हैं।

(३१) श्री दिगम्बर जैन चैत्यालय, घासमण्डी:—द्वितीय मन्जिल पर स्थित, इस चैत्यालय का निर्माण श्री तोताराम जी किशोरीलाल जी ने सन् १९५३ में कराया। भवन निर्माण के समय मूलनायक मूर्ति का नींव में प्राप्त होना ही चैत्यालय स्थापित करने का कारण मात्र बना। वर्तमान में व्यवस्था कार्य, इन्ही के परिवार के सदस्यों द्वारा किया जाता है।

मुरार स्थित दिगम्बर जैन मन्दिर:—

(३२) श्री दिगम्बर जैन मन्दिर, गुलाबचन्द जी की बगीची:—ठाटीपुर-मुरार मार्ग पर सड़क की बायी ओर स्थित बगीची में सेठ हजारीमल जी गुलाबचन्द जी दोसी ने सन् १९०५ में इस मन्दिर की स्थापना की यहां ५ धातु व २ पाषाण के जिन बिम्ब प्रतिष्ठित हैं। यहां के जैन बन्धुओं को यह मन्दिर सबसे निकट पड़ता है। वर्तमान में इसकी व्यवस्था श्री नमिशीलाल जी करते हैं।

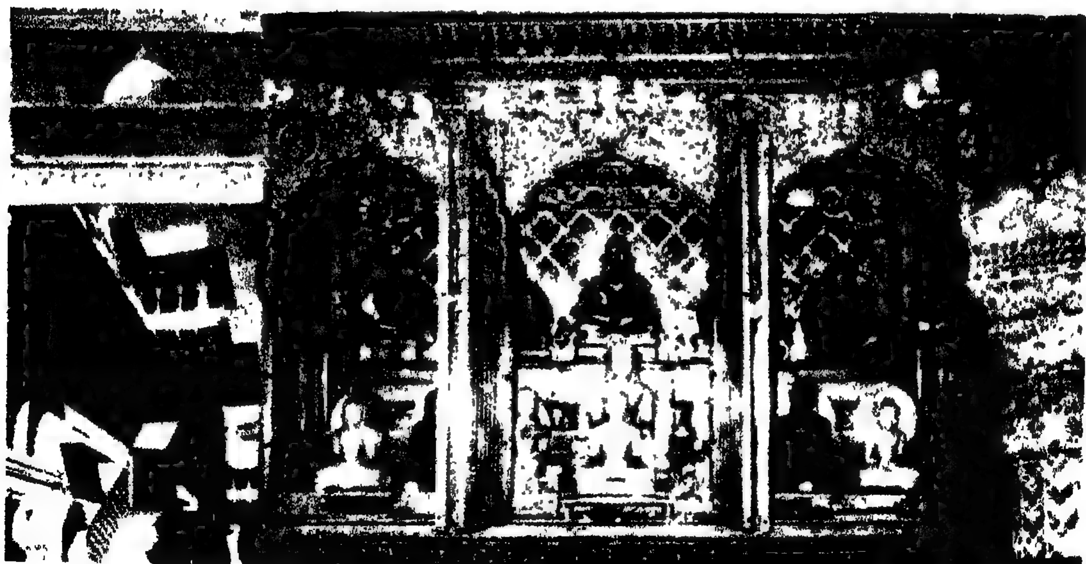
(३३) श्री दिगम्बर जैन चैत्यालय दीनानाथ जी की बगीची—लश्कर, ठाटीपुर, मुरार मार्ग पर नदी के दाहिनी ओर श्री दीनानाथ जी की बगीची के मध्य उक्त चैत्यालय सन् १९६४ में स्थापित किया गया था। इस चैत्यालय में नोगेरा ग्राम से मूलनायक प्रतिमा को लाकर विराजमान किया गया। इसकी व्यवस्था श्री दीनानाथ जी ठेकेदार द्वारा की जाती है।

(३४) श्री दिगम्बर जैन पचायती मन्दिर, जैन मन्दिर, मुरार:—लगभग १५० वर्ष पूर्व जबकि मुरार में अंग्रेजों ने अपनी फौजी छावनी स्थापित की थी, उसी साल में इस मन्दिर का निर्माण कार्य प्रारम्भ हुआ। मूलनायक १००८ श्री सुपार्श्वनाथ भगवान की प्रतिमा के अतिरिक्त यहां ११ पाषाण व ५३ धातु की प्रतिमायें प्रतिष्ठित है। यहां के सरस्वती भण्डार में ३०० हस्तलिखित व २०० मुद्रित शास्त्र ग्रन्थ उपलब्ध है। प्रतिवर्ष कुआंर सुदी छठ के दिन इस मन्दिर द्वारा रथ यात्रा निकाली जाती है, जिसके कलशाभिषेक नवमी के दिन मन्दिर जी में वापस श्री जी विराजमान कर, किये जाते हैं। इन्हीं दिनों कार्यकारिणी समिति का पुनर्गठन होता है। सन १९४८ में १०५ क्षुल्लक श्री गणेश प्रसाद जी वर्णी के आगमन पर, यहां धार्मिक शिक्षा हेतु एक पाठशाला स्थापित की गई, जो आज माध्यमिक स्कूल के रूप में चल रही है। मंदिर की व्यवस्था कमेटी के अध्यक्ष श्री कपूरचन्द जी, मन्त्री श्री कन्हैयालाल जी व कोषाध्यक्ष श्री रतनलाल जी जैसवाल है।

(३५) श्री दिगम्बर जैन चैत्यालय ठंडी सड़क मुकर्जी नगर, मुरार:—सड़क के किनारे मकान में स्थित इस चैत्यालय की स्थापना सन् १९६६ में ब्रह्मचारी श्री रामचरण जी गिठोरे वालों ने की है। इसकी व्यवस्था वे स्वयं करते हैं।



श्री दिगम्बर जैन तेरापन्थी पंचायती, बड़ा मन्दिर, डीडवाना ओली, लश्कर



श्री दिगम्बर जैन बीसपन्थी, चम्पाबाग पंचायती मन्दिर, दाना ओली, लश्कर



नया
मन्दिर
दानाओली
लश्कर



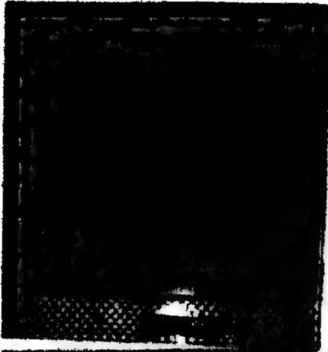
जैसवाल मन्दिर, दाना ओली, लश्कर



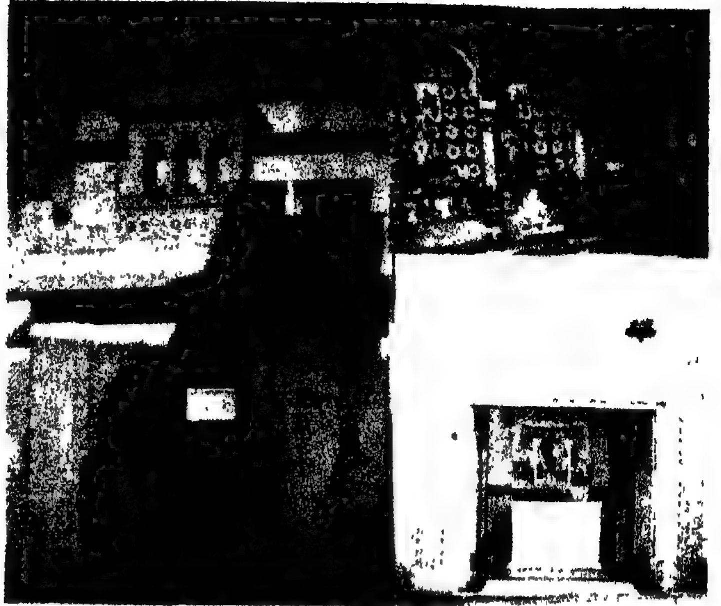
श्री दिगम्बर जैन नया मन्दिर, दाना ओली, लश्कर

छायाकार—के० एम० पाटनी, रूपचन्द पाटनी

१

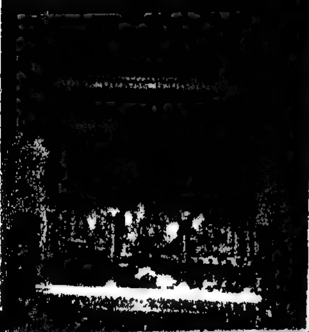


बड़ा मन्दिर छोटा मन्दिर



श्री दिगम्बर जैन बरैया पंचायती मन्दिर, मामा का बाजार, लश्कर

२



३



४



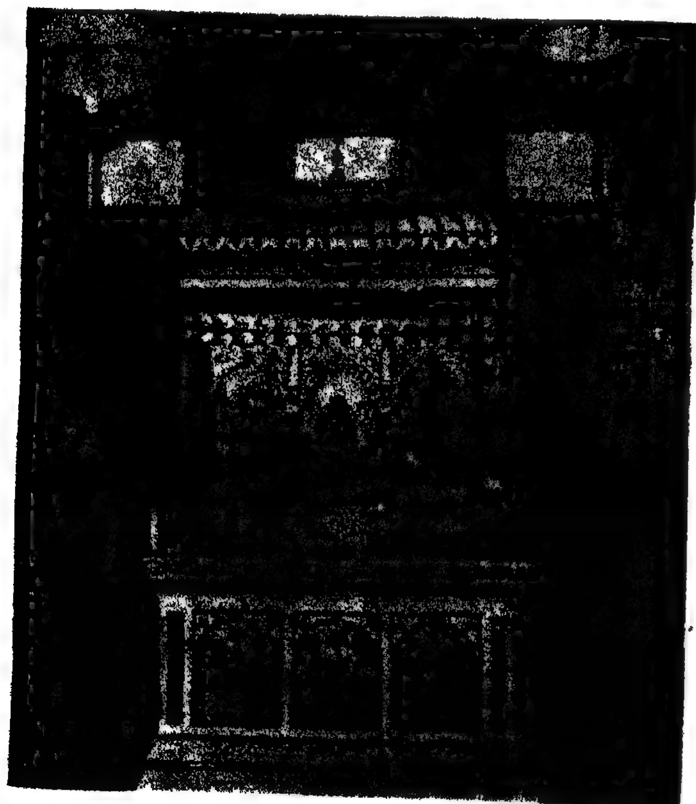
१. श्री दिगम्बर जैन बीसपन्थी मन्दिर, माधवगंज, चितेरा ओली, लश्कर

२ श्री दिगम्बर जैन मन्दिर, मावड़ी बाजार, लश्कर

३. श्री दिगम्बर जैन बीसपन्थी मन्दिर, जनकगंज, लश्कर

४. श्री दिगम्बर जैन नागोरा का मन्दिर, दानाओली, लश्कर





श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन तेरापन्थी
मन्दिर, दौलतगंज लश्कर

(यहां चिंतामणि संकटहरण श्री १००८ पार्श्वनाथ भगवान की अतिशयवान मनोज्ञ दर्शन की प्रतिमा प्रतिष्ठित है ।)

छायाकार—
के० एम० पाटनी, मानिकचन्द पाटनी

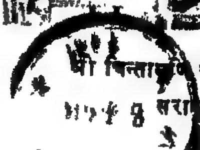




श्री दिगम्बर जैन बीसपन्थी मन्दिर, नसिया जी रामकुई, लश्कर



श्री शान्तिनाथ श्वेताम्बर जैन मन्दिर,
कटोघाटी–दालाबाड़ी, लश्कर



श्री चिन्तामणि पार्श्वनाथ श्वेताम्बर जैन मन्दिर
सराफा बाजार, लश्कर

छायाकार—के० एम०, पाटनी



ग्वालियर दुर्ग, एक पत्थर की बावड़ी (गोपाचल पर्वत) की विशाल प्राचीन मूर्तियाँ





ग्वालियर दुर्ग के उरवाई द्वार पर स्थित प्राचीन जैन मूर्तियाँ



श्री मनहर देव

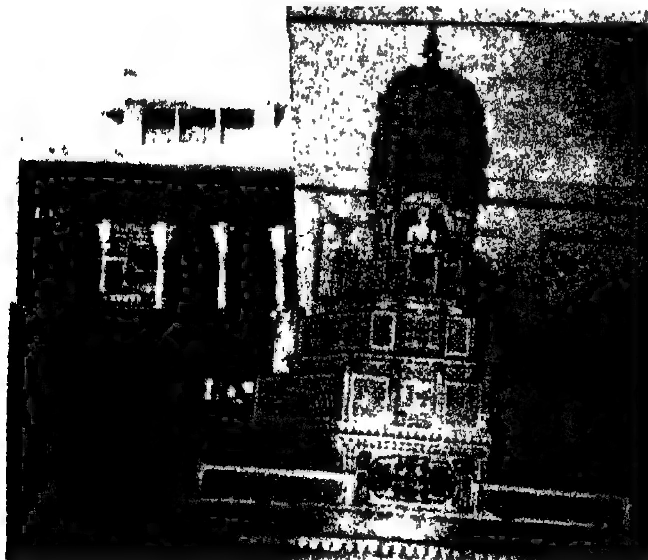
श्री शान्तिनाथ भगवान की उक्त ११वीं शताब्दी मे निर्मित विशाल मूर्ति को चैत्र ग्राम मे जनवरी १९६९ में लाकर सोनागिर मे विराजमान किया गया है।

श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र सोनागिर के नयनाभिराम दृश्य

श्री गोकुलचन्द जी का मन्दिर   श्री वासपूज्य पं० मन्दिर   श्री यती जी का मन्दिर, ग्वालियर



श्री दिगम्बर जैन मन्दिर, ग्वालियर



श्री दिगम्बर जैन पंचायती
मन्दिर, मुरार

जैन श्वेताम्बर मन्दिर, दादाबाड़ी व स्थानक

ग्वालियर में श्वेताम्बर आमनाय के धर्मपालक बहुत समय से हैं। श्वेताम्बर साहित्य मे ग्वालियर नगर का संदर्भ है। श्वेताम्बर "प्रंथ प्रभावक चरित" में "तथा गोप्यगिरौ लेप्यमय दिम्बयुंत नृप., श्री वीर मदिरं तत्र श्योविश्रांति हस्तकाम" पक्तियां हैं जिनका अर्थ है कि गोपाचल पर्वत पर भगवान महावीर स्वामी की लेप्य पूर्ण तेईस हाथ ऊची मूर्ति थी। विक्रम की १२ वीं सदी में श्री वाददेव सूरि ने श्री गगाधर द्विज को शास्त्रार्थ मे पराजित किया था।

श्योपुर के किले में १४ वीं सदी की प्राचीन श्वेताम्बर जैन मूर्तियां पाई गई हैं। अनेक मूर्तिया खड़हरों में परिणित हो गई हैं। श्योपुर के श्वेताम्बर जैन मन्दिर से १४ वीं सदी की निर्मित मूर्तियां श्री सूरजराज धारीवाल ने संवत् २००० मे श्री मनमोहन पार्श्वनाथ श्वेताम्बर जैन मंदिर, सराफा बाजार में स्थापित की हैं। दिगम्बर समाज की तरह ग्वालियर में श्वेताम्बर समाज ने भी धर्म कार्यों में सदैव विशेष रुचि ली है। यहां श्वेताम्बर त्यागी गणों में १२५ वर्ष पूर्व हुए श्री जिनदत्त सूरि और श्री जिन कुशल सूरि का विशेष महत्व है। श्वेताम्बर समाज मुख्य रूप से दो वर्गों में विभक्त है (१) श्वेताम्बर मूर्ति पूजक संघ और (२) श्वेताम्बर साधू मार्गी संघ।

(१) मूर्ति पूजक संघ :—मूर्ति पूजक संघ दर्शन स्वाध्याय भजन, पूजन, हेतु मन्दिरों का निर्माण कर, उनमे मूर्तिया स्थापित करते हैं।

(२) श्वेताम्बर साधुमार्गी संघ :—(अ) श्वेताम्बर स्थानक वासी संघ :—इस वर्ग के जैन बंधु अपने साधु, मुनियों और त्यागियों पर परम श्रद्धा रखते हैं। इनके भजन, पूजन व अध्यात्मिक चर्चा के स्थान "स्थानक" कहलाते हैं। इन स्थानकों में साधुगण ठहरा करते हैं और उपदेश दिया करते हैं। इन स्थानों में शास्त्र भंडार भी होते हैं। अनुयायी गण प्रतिदिन स्तुति, जप, साधना यहीं करते हैं।

(ब) श्वेताम्बर तेरापन्थी—ये लोग भी शास्त्र स्वाध्याय और त्यागी व्रतियों की सेवा मे विश्वास रखते हैं।

वृहत्तर ग्वालियर में श्वेताम्बर मूर्ति पूजक संघ के ६ मंदिर निम्नलिखित हैं:—

१ श्री चिन्तामणि पार्श्वनाथ श्वे० जैन बड़ा मंदिर, सराफा बाजार, लश्कर।

२. श्री मनमोहन पार्श्वनाथ श्वे० जैन मन्दिर, सराफा बाजार, लश्कर।

३. श्री शांतिनाथ श्वे० जैन मंदिर, कटोघाटी ओवाओगंज, लश्कर।

४. श्री पार्श्वनाथ श्वे० जैन मन्दिर, चिक सन्तर, मुरार।

५. श्री पार्श्वनाथ श्वे० जैन मन्दिर, घास मन्डी, ग्वालियर।

६. श्री श्वे० जैन मंदिर (माधवचन्द्र यति जी द्वारा स्थापित) घास मन्डी ग्वालियर।

इन मन्दिरों का विवरण निम्नलिखित है:—

१. श्री चिन्तामणि पार्श्वनाथ श्वे० जैन मन्दिर, सराफा बाजार, लश्कर:—

सराफा बाजार में स्थित, उक्त श्वेताम्बर मन्दिर की प्रतिष्ठा, माघ सुदी दसमी संवत १८९३ (सन १८३६) में जैन श्वेताम्बर मूर्ति पूजक संघ द्वारा की गई। इस मन्दिर की मुख्य वेदी पर ५ पाषाण की मूर्तियां प्रतिष्ठित हैं। मंदिर की प्रदक्षिणा में चौबीसी विराजमान है। वेदी के किनारों पर चक्रेश्वरीदेवी विराजमान है। मन्दिर की दीवारों पर चारों ओर चित्रांकण है जिसमे रत्न-जड़ित सुन्दर मीनाकारी भी दिखलाई गई है। माता के स्वप्न, समवशरण आदि के भाव भी खुदे हुए हैं। मन्दिर के फर्श पर भी पच्चीकारी है।

मंदिर के समीप ही एक धर्मशाला व उपाश्रय है। उपाश्रय का निर्माण सन् १९६६ से हुआ है। उपाश्रय साधु साध्वियों के ठहरने व उनके आवश्यक के प्रबंध का स्थान होता है। उपाश्रयों में आम्बिल कार्य भी सम्पन्न होते हैं। विवाह आदि अवसरों के लिये बर्तन आदि भी उपलब्ध किये जाते हैं। जनवरी १९६१ से इसमें जैन धर्म की शिक्षा हेतु, एक धार्मिक पाठशाला भी प्रारम्भ की गई है। माघ सुदी १० के दिन मंदिर की स्थापना का दिन मनाया जाता है। पर्यूषण के पश्चात भादों सुदी ५ को क्षमा-याचना पर्व मनाया जाता है। मूर्तिपूजक संघ के लश्कर, ग्वालियर और मुरार के सभी मंदिरों, दादाबाड़ियों और उपाश्रयों की व्यवस्था इस मंदिर द्वारा ही की जाती है। व्यवस्था समिति के अध्यक्ष श्री घीसूलाल जी पारख और मंत्री श्री बुधराज जी धारीवाल है।

२. श्री मनमोहन जैन श्वेता० मंदिर, सराफा बाजार, लश्कर:—यह मन्दिर उक्त बड़े मंदिर में ही स्थित है। इसे छोटा मन्दिर भी कहते हैं। इस मन्दिर की प्रतिष्ठा श्री सूरजराज धारीवाल ने सम्वत् २००० में करवाई। इस मन्दिर में स्थापित कुल मूर्तियां २४ हैं जिनमे ९ पाषाण और १५ धातु की हैं। पाषाण की ९ मूर्तियों में से ५ मूर्तियां श्री धारीवाल जी द्वारा श्योपुर के श्वेताम्बर मन्दिर से लाई गई थी ये मूर्तियां १४ वी सदी की हैं जो श्योपुर के किले में मिली थीं। मन्दिर की व्यवस्था बड़े मन्दिर की व्यवस्था समिति द्वारा ही की जाती है।

३. श्री शांतिनाथ जैन श्वे० मंदिर, दादाबाड़ी कटोघाटी, ओवाओगंज, लश्कर:—यह मन्दिर दादाबाड़ी में स्थित है। इस मन्दिर की स्थापना श्री नथमल जी द्वारा सम्वत् १९३३ मे करवाई गई थी। इस मन्दिर मे ३ पाषाण और ५ धातु के जिनबिम्ब प्रतिष्ठित हैं। मुख्य वेदी के दोनो ओर दो वेदियां हैं जिन्हें स्व० सुश्री रतनबाई ने सम्वत् १९९७ मे बनवाया था। इन वेदियों मे स्थापित मूर्तियां श्री सूरजराज धारीवाल और श्री सुगनचन्द कोठारी द्वारा श्योपुर से लाई गई थी। मन्दिर की व्यवस्था मूर्तिपूजक संघ द्वारा ही की जाती है।

४. श्री पार्श्वनाथ श्वेता० जैन मन्दिर, चिक संतर, मुरार:—इस शिखरयुक्त मन्दिर की स्थापना सम्वत् १९२७ में की गई। इस मन्दिर में १ पाषाण और ३ धातु के जिनबिम्ब प्रतिष्ठित हैं। इस मन्दिर की व्यवस्था जैन श्वेताम्बर मूर्ति पूजक संघ, लश्कर द्वारा की जाती है।

५. श्री पार्श्वनाथ श्वेता० मन्दिर, घासमंडी, ग्वालियर:—श्वेताम्बर मूर्ति पूजक संघ की व्यवस्था के

अन्तर्गत आने वाले इस मन्दिर में, १ पाषाण ३ धातु के जिनबिम्ब प्रतिष्ठित थे, परन्तु सन् १९६८ में इस मंदिर के अत्यन्त प्राचीन मनोज्ञ पीतल के जिन-बिम्ब, मूर्ति चोर, आततायियों द्वारा चुरा लिये गये हैं। इनके स्थान पर अब पाषाण की मूर्तियाँ स्थापित कर दी गई हैं। मन्दिर की प्रबन्ध व्यवस्था मूर्ति पूजक संघ, लश्कर द्वारा की जाती है।

६. श्री जैन श्वेता० मन्दिर दाल बाजार मंडी, ग्वालियर:— यह मन्दिर श्री पार्श्वनाथ श्वेता० मन्दिर के निकट ही है। यह माधवचन्द्र यती जी द्वारा बनवाये गये घर "वैराश्रय" में स्थित है। इसे यती जी का मन्दिर कहते हैं। इस मन्दिर में ३ मूर्तियां प्रतिष्ठित हैं। व्यवस्था कार्य यति परिवार के सदस्यगण ही करते हैं।

दादाबाड़ियां:—

हर नगर मे जहाँ श्वेताम्बर मूर्ति पूजक संघ के अनुयायी होते हैं वहाँ मन्दिरो के अतिरिक्त कुछ अन्य धार्मिक स्थल भी स्थापित कर लिये जाते हैं। दादाबाड़ी वह स्थान होता है जहा पूज्य पुरुषों के चरण स्थापित रहते है। इनमे ठहरने की व्यवस्था रहती है। समय-समय पर धार्मिक कार्यक्रमो का आयोजन होता रहता है। लश्कर मे दो और मुरार मे एक दादाबाड़ी है जिनका संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है:—

(१) दादाबाड़ी कटी घाटी, जीवाजीगंज लश्कर:— इस दादाबाड़ी के आंगन मे एक विशाल बगीचा है जिसमे अनेक तिवारे है। नल और बिजली की व्यवस्था है। यहां बर्तन, बिछायत आदि का भी प्रबंध है। इस दादाबाड़ी मे श्री शांतिनाथ स्वामी का मंदिर है। श्री जिनदत्त सूरि और श्री कुशल सूरि जी के चरण प्रारम्भ मे ही प्रतिष्ठित किये गये, बाद में श्री कुशल सूरि जी की प्रतिमा प्रतिष्ठित की गई। प्रत्येक सोमवार और पूर्णिमा को संघ के सभी व्यक्ति दर्शन, भजन-भावनाओं हेतु यहा आते है। यहा श्री रामचन्द्र सूरि की छतरी भी है। यहाँ प्रतिवर्ष शरदोत्सव आयोजित किया जाता है, स्वामी वात्सल्य का आयोजन भी यहां किया जाता है जिसमें सामूहिक भोज होता है।

(२) दादाबाड़ी, सागरताल, लश्कर:—इस दादाबाड़ी में श्री जिनदत्त सूरि के चरण प्रतिष्ठित है। यहा कुंवार बदी १० को प्रतिवर्ष मेला होता है।

(३) दादाबाड़ी, मुरार:—यहां श्री जिनदत्त कुशल सूरि के चरण प्रतिष्ठित हैं।

स्थानक:—

साधु मार्गी संघ के यहा दो स्थानक हैं। पहिला स्थानक रियांवालों का बाड़ा, सराफा बाजार, लश्कर में स्थित है। इसे स्थापित हुए करीब ५०-६० वर्ष हो गये हैं। स्थानक "साधन स्थल" है जहा साधु-गण ठहरा करते हैं और धर्मोपदेश दिया करते हैं। यहाँ शास्त्र ग्रन्थ उपलब्ध रहते हैं। साधु मार्गी बन्धु यहां धर्म चर्चा करते हैं। दूसरा स्थानक मुरार में बस स्टैंड के पास, कपड़ा बाजार मे स्थित हैं। इन स्थानकों की व्यवस्था समिति के अध्यक्ष श्री सूरजमल सचेती और मन्त्री श्री दीपचन्द्र जी मूथा करते हैं।

श्वेताम्बर तेरापन्थी :—

आचार्य श्री भिक्षु के सिद्धान्तों पर चलने वाले तेरापन्थी श्वे० जैन, स्थानकवासियों की तरह ही साधु, मुनि व त्यागियोंपर अटूट श्रद्धा रखते हैं। क्रांतदर्शी आचार्य भिक्षु की परंपरा में नवम् आचार्य श्री तुलसी हैं।

बृहत्तर ग्वालियर में प्रतिवर्ष आयोजित



जैन धार्मिक महोत्सव

नगर में स्थित व बाहर से आये हुए दिगम्बर व श्वेताम्बर जैन बंधुओ के सूचनार्थ, यहा होने वाले धार्मिक उत्सवों का विवरण प्रकाशित किया जा रहा है। यह जानकारी बाहर से आये हुए व्यवसायी, निजी व सरकारी सेवा में लगे हुए व्यक्तियो व विद्याध्यन करने आये हुए बाहर के विद्यार्थियों को लाभ दायक सिद्ध होगी। प्रत्येक जैन धर्मावलम्बी को निम्नलिखित कार्यक्रमों में यथा समय सम्मिलित होना चाहिये।

(१) नव-सम्वत्—चैत्र सुदी एकम् को श्री दिगम्बर जैन बीसपन्थी चम्पाबाग मन्दिर, दानाओली मे प्रतिवर्ष नव वर्ष के अवसर पर प्रातः काल श्रीजी के कलशाभिषेक, सामूहिक उत्सव के रूप मे किये जाते हैं।

(२) महावीर जयन्ती महोत्सव:—बृहत्तर ग्वालियर के दिगम्बर व श्वेताम्बर जैन समाज की प्रतिनिधि एकमात्र सस्था 'श्री महावीर जयन्ती महोत्सव समिति' द्वारा प्रतिवर्ष चैत्र सुदी त्रियोदशी को पूरे दिन सम्बन्धित कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं। इसके अतिरिक्त धार्मिक, सांस्कृतिक, खेल-कूद, महिला—सम्मेलन, कवि सम्मेलन, जैन मेला व गोष्ठियां एक हफ्ते पूर्व से प्रारम्भ की जाकर महावीर जयन्ती के दिन समाप्त की जाती है। कार्यक्रम की विस्तृत सूचना स्थानीय समाचार पत्रों व प्रत्येक जैन मन्दिर में भेज दी जाती है। त्रियोदशी के दिन निम्नलिखित कार्यक्रम होते हैं:—

(अ) प्रभात-फेरी व झंडा अभिवादन:—प्रतिवर्ष महावीर जयन्ती के अवसर पर प्रात: ६ बजे श्री ऋषभनाथ धर्मशाला, मामा के बाजार से सामूहिक प्रभात फेरी प्रारम्भ होकर माधवगंज, जयाजी चौक, दौलतगंज, पाटनकर बाजार, दाल बाजार, सराफा बाजार, दानाओली होती हुई चम्पाबाग मैदान, नई सड़क पर मुख्य अतिथि द्वारा करीब ८॥ बजे झन्डा अभिवादन व व्याख्यान के बाद विसर्जित होती है।

(ब) कलशाभिषेक:—झण्डा अभिवादन के पश्चात् श्री दि० जैन बीसपन्थी मन्दिर चम्पाबाग मे श्रीजी के कलशाभिषेक किये जाते हैं।

(स) भाषण, कविता पाठ व गोष्ठी:—इसी दिन दोपहर २ बजे से ४ बजे तक चम्पाबाग मैदान, नई सड़क पर एक सभा महावीर जयन्ती समिति द्वारा की जाती है जिसमे त्यागी व विद्वानो के व्याख्यान आदि होते हैं।

(द) आम सभा:—रात्रि ७ बजे गोरखी—प्रांगण जयाजी चौक में एक आम सभा महावीर जयन्ती के दिन जयन्ती समिति द्वारा आयोजित की जाती है जिसमें अध्यक्ष व मुख्य विद्वानों को बाहर से आमन्त्रित किया जाता है। स्थानीय एवं बाहर से पधारे हुऐ विद्वानों के, एकत्रित विशाल जन समुदाय में भाषण होते हैं।

(३) कलशाभिषेक:—ज्येष्ठ सुदी चतुर्दशी के दिन १००८ श्री शान्तिनाथ भगवान के कलशाभिषेक श्री दि० जैन बीसपन्थी नसिया जी रामकुई पर सामूहिक रूप में किये जाते हैं।

(४) जिनवाणी पूजन:—ज्येष्ठ सुदी पंचमी (श्रुत-पंचमी) के दिन श्री दि० जैन नया मन्दिर दानाओली मे समस्त शास्त्र ग्रन्थ निकाले जाकर जिनवाणी पूजन होती है। यह पूजन अन्य कई जैन मन्दिरों मे भी की जाती है।

(५) श्री नन्दीश्वर-विधान व श्री सिद्धचक्र-विधान पूजन:—असाढ सुदी अष्टमी से पूर्णमासी तक प्रत्येक दिगम्बर जैन मन्दिर में प्रतिदिन की पूजा के अतिरिक्त श्री नन्दीश्वर विधान व श्री सिद्धचक्र विधान पूजन होता है। किसी-किसी मन्दिर में मडल जी मांडकर विशेष महोत्सव भी मनाया जाता है।

(६) श्री पार्श्वनाथ निर्वाण महोत्सव:—श्रावण सप्तमी (मोहर साते) के दिन श्री दि० जैन बीसपन्थी चम्पाबाग मन्दिर, दानाओली में श्री पार्श्वनाथ निर्वाण महोत्सव मनाया जाता है। इस दिन बालिकायें उपवास रखती हैं।

(७) श्री सप्त ऋषि पूजन:—श्रावन सुदी पूर्णमासी रक्षा बंधन के दिन अनेक मन्दिरों में श्री सप्त ऋषि पूजन होती है तथा मुनि श्री विष्णुकुमार की कथायें पढ़ी जाती हैं। सोलह-कारण-व्रत का प्रारम्भ भी इसी दिन से होता है।

(८) जैन श्वेताम्बर पर्यूषण पर्व:—भादों बदी बारस से भादों सुदी चौथ तक श्वेताम्बर जैन समाज में पर्यूषण पर्व मनाया जाता है। पंचमी को क्षमा-याचना व भादों सुदी छठ को स्वामी वात्सल्य (स्वामी-विच्छल) दादावाड़ी, कटी घाटी जीवाजीगंज पर आयोजित किया जाता है।

(९) सम्वत्सरी:—तेरापन्थी—साधुमार्गी—श्वेताम्बर जैन-समाज में प्रतिवर्ष भादों सुदी पंचमी के दिन संवत-श्री के अवसर पर उपवास, धार्मिक प्रवचन, शास्त्र स्वाध्याय आदि किये जाते हैं।

(१०) लब्धि—विधान व्रत—भाद्रपद सुदी एकम के दिन लब्धि-विधान व्रत किया जाता है।

(११) चौबीसी—व्रत:—भाद्र सुदी तीज के दिन चौबीसी व्रत किया जाता है।

(१२) दिगम्बर जैन पर्यूषण (दश-लक्षण) पर्व:—भाद्र सुदी पंचमी से चतुर्दशी तक प्रत्येक जैन मन्दिर में पूजन-पाठ शास्त्र स्वाध्याय के साथ सानन्द पर्यूषण पर्व मनाया जाता है। इन दस दिनों में दस धर्म, याने उत्तम क्षमा, मार्दव, आर्जव, सत्य, शौच, संयम, तप, त्याग, आकिंचन और ब्रह्मचर्य विषय पर सुबह पूजा पाठ करके संबंधित धर्म पर चर्चा की जाती है। अनेक मन्दिरो में विशाल रूप में रात्रि को शास्त्र सभा आयोजित की जाती है, जिसमे शास्त्र स्वाध्याय, धार्मिक चर्चा, कीर्तन, भजन के अतिरिक्त बाहर से आमन्त्रित किये गये विद्वानों के भाषण होते हैं।

(१३) पुष्पांजलि व्रत समाप्ति कलशाभिषेक:—भाद्र सुदी नवमी के दिन श्री दि० जैन चम्पाबाग बीसपन्थी मन्दिर दानाओली में रात्रि को पुष्पांजलि व्रत समाप्ति के कलशाभिषेक होते हैं। बैंड-बाजे के साथ काफी संख्या मे स्त्री-पुरुष कलश भरने आते हैं।

(१४) सुगन्ध-दशमी (धूप दशमी):—प्रत्येक दि० जैन मन्दिर मे दश लक्षण विधान का मण्डल भादों सुदी दसमी के दिन मांड़ा जाता है। इसी दिन समस्त दि० जैन व्यक्ति नगर में स्थित सभी दि० जैन मंदिरों पर धूप खेनें जाते हैं। इस अवसर पर प्रत्येक मन्दिर की चहल-पहल, सजावट नयनाभिराम होती है। प्राय: महिलायें इस दिन सुगन्ध-दशमी का व्रत रखती हैं।

(१५) अनन्त-चतुर्दशी:—प्रत्येक दि० जैन मंदिर में भाद्र सुदी चतुर्दशी के दिन पूजन विधान समाप्त कर सायंकाल ५-३० बजे से ८-३० बजे तक क्रम से कलशाभिषेक होते हैं। इसी दिन सभी स्त्री, पुरुष व बच्चे उपवास रखते हैं।

(१६) रत्नत्रय मंडल:—भाद्र सुदी पूर्णमासी के दिन श्री दि० जैन नया मन्दिर दानाओली, बड़ा मंदिर, डीकवाना ओली आदि में रत्नत्रय-मन्डल मांड़ा जाता

है। दोपहर १ बजे से ५ बजे तक सामूहिक पूजन की जाकर कलशाभिषेक किये जाते हैं।

(१७) सोलह कारण व्रत समाप्ति--कलशाभिषेक व क्षमावाणी पर्व:—आश्विन वदी एकम् के दिन प्रत्येक दि० जैन मन्दिर में सायंकाल ५-३० बजे से ८-३० बजे तक सोलह कारण व्रत समाप्ति कलशाभिषेक किये जाते हैं। तदुपरान्त श्री दि० जैन मन्दिर, डीडवाना ओली व श्री दि० जैन चम्पाबाग मन्दिर, दानाओली से सामूहिक रूप में जैन बन्धु शहर के जैन व्यक्तियो से क्षमा-याचना करने निकलते हैं। अनेक संस्थाएँ क्षमावाणी पर्व को अगले दिनो मे भी मनाती रहती है।

(१८) उरवाई गेट (किले का) वार्षिक मेला:—यह मेला ग्वालियर किले के उरवाई गेट के नीचे कुवार वदी दोज के दिन भरता है। ग्वालियर पंचायत की ओर से भजन-पूजन किये जाकर कलशाभिषेक सायंकाल ५ बजे किये जाते हैं।

(१९) एक पत्थर की बावड़ी का वार्षिक मेला:—कुंवार वदी चौथ के दिन श्री दि० जैन जैसवाल मन्दिर, दानाओली से भजन, पूजन के साथ श्रीजी, एक पत्थर की बावड़ी पर ले जाये जाते हैं। यहा ६०० वर्ष पूर्व की अनेक विशाल मूर्तिया हैं। यहा आये हुए जैन बन्धुओं द्वारा सामूहिक भजन-पूजन के बाद कलशाभिषेक किये जाते हैं।

(२०) ग्वालियर मेला—कुवार वदी छठमी के दिन घास मण्डी, ग्वालियर स्थित श्री गोकुलचन्द जी के मन्दिर मे मडल जी माडा जाकर, अति उत्साह के साथ भजन-पूजन होता है और सायकाल विशाल जन-समुदाय के बीच श्रीजी के कलशाभिषेक किये जाकर ग्वालियर का मेला सम्पन्न होता है।

(२१) श्री चुन्नीलाल जी की बगीची का मेला:-आश्विन वदी दशमी के दिन बिरलानगर स्टेशन के पीछे स्थित श्री चुन्नीलाल जी की बगीची मे यह वार्षिक मेला आयोजित किया जाता है। सायकाल कलशाभिषेक किये जाकर यहा सामूहिक गोठ का आती है। इस मेले का प्रबन्ध श्री दि० जैन बीसपन्थी मन्दिर, चम्पाबाग की कार्यकारिणी कमेटी करती है।

(२२) ग्वालियर किले का जैन वार्षिक मेला: -आश्विन वदी अमावस के दिन श्री वासपूज्य मन्दिर ग्वालियर से जलेब प्रारम्भ की जाकर श्रीजी को ग्वालियर किले पर चित्र मे दिखाई गई विशाल जैन प्राचीन मूर्तियों के सामने विराजमान किया जाता है। यहा उपस्थित जैन बन्धु सामूहिक भजन, नृत्य करते हैं और बाद मे कलशाभिषेक किये जाते हैं। इस मेले के अवसर पर बड़ी संख्या मे अजैन व्यक्ति भी किले पर पहुँचते है। अनेक जैन नवयुवक मडल, व्यवस्था सम्बन्धी कार्य मे प्रशंसनीय सहयोग देते हैं।



[ग्वालियर किले की विशाल प्राचीन जैन मूर्तियाँ]

(२३) नसियां जी का मेला—रामकुई, लश्कर स्थित नसियां जी में प्रतिवर्ष आश्विन सुदी दशमी के दिन वार्षिक मेला आयोजित किया जाकर

भजन नृत्य के साथ श्रीजी के कलशाभिषेक किये जाते हैं।

(२४) शरद महोत्सव:—आश्विन सुदी पूर्णमासी के दिन श्री दि० जैन बीसपन्थी चम्पाबाग मन्दिर में रात्रि को कलशाभिषेक किये जाकर शरद महोत्सव मनाया जाता है।

(२५) श्री महावीर स्वामी निर्वाण महोत्सव:—

कार्तिक बदी अमावस के दिन प्रत्येक दि० जैन मन्दिर में भगवान महावीर स्वामी का निर्वाण महोत्सव सामूहिक लड्डू चढ़ा कर मनाया जाता है। कुछ विशेष मंदिरों का लड्डू चढ़ाने का समय इस प्रकार है:—

१. चम्पाबाग बीसपन्थी, मन्दिर—प्रातः साढ़े पांचबजे।

२. तेरापन्थी मन्दिर, माधवगंज—प्रातःसवा आठ बजे।

३. तेरापंथी मन्दिर, दौलतगंज—प्रातः साढ़े आठ बजे।

४. बड़ा मंदिर, डीडवाना ओली—प्रातः नौ बजे।

५. नया मन्दिर, दानाओली—प्रातः साढ़े नौ बजे।

(२६) श्री दि० जैन रथ यात्रा मुरार:-कार्तिक सुदी छठमी के दिन श्री दि० जैन मन्दिर, मुरार से रथ यात्रा निकाली जाती है। यह मुरार के विभिन्न बाजारों से होती हुई चिक सन्तर मुरार स्थित धर्मशाला में कलशाभिषेक किये जाकर सम्पन्न होती है। यहां श्रीजी तीन दिन तक विराजमान रहते हैं। इस अवधि में भजन, पूजन, शास्त्र-वाचन, नृत्य आदि होते हैं।

(२७) जैसवाल पंचायती रथयात्रा लश्कर:—कार्तिक सुदी सप्तमी के दिन श्री दि० जैन जैसवाल पंचायती मन्दिर दानाओली से रथयात्रा निकाली जाती है, जो लश्कर के प्रमुख बाजारों से होती हुई वापिस मन्दिर जी में आती है यहां कलशाभिषेक होते हैं।

(२८) सामूहिक दिगम्बर जैन रथयात्रा:—नगर के समाज सेवी व्यक्तियों ने समाज में एकता की भावना जागृत करने के उद्देश्य से, वर्षों से निकाली जा रही तीन पृथक-पृथक रथ यात्राओं को एक वृहत रथयात्रा में परिवर्तित करके २६ जनवरी १९६९ को विशाल रथयात्रा निकाली, जिसमें तीन दिन तक विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित कर धर्म प्रभावना की गई। इसके पूर्व आश्विन सुदी त्रियोदशी को श्री दि० जैन नया मन्दिर, दानाओली, कार्तिक सुदी दौज को श्री दि० जैन बीसपंथी चम्पाबाग दानाओली, मगसर माह में श्री दि० जैन बड़ा मन्दिर डीडवाना ओली द्वारा अलग अलग रथयात्रा निकाली जाती थी। सामूहिक रथयात्रा प्रतिवर्ष आयोजित करने के लिये एक 'श्री दिगम्बर जैन वृहत रथयात्रा महोत्सव समिति' गठित की गई है जिसके अध्यक्ष श्री मानिकचन्द्र गंगवाल, मन्त्री श्री मिश्रीलाल जी पाटनी व कोषाध्यक्ष श्री मोतीलाल जी पान्ड्या हैं।

(२९) श्री गुरुवर्य पं० गोपालदास जी बरैया जयन्ती महोत्सव:—स्याद्वाद वारिधि, वादिगज केशरी, न्याय वाचस्पति गुरुवर्य प० गोपालदास जी बरैया के नाम से सभी परिचित हैं। आप अनेक विद्वानों के जन्मदाता व सामाजिक क्रांति के सूत्रधार थे। आपने समाज को पुरानी रूढ़ियों से मुक्त करने के अनेक प्रयास किये। जैन शिक्षा के प्रसार व प्रचार में आपका योग भुलाया नहीं जा सकता। आगरा नगर में चैत्र कृष्ण १२ वि.स. १९२३ में आपका जन्म हुआ था। ऐसी महान आत्मा के प्रति अपनी हार्दिक श्रद्धाञ्जलि व्यक्त करने हेतु जैन समाज प्रतिवर्ष चैत्र शुक्ला एकम् (गुड़ी पड़वा) के दिन महावीर धर्मशाला, नई सड़क लश्कर में व्याख्यान, भजन आदि का आयोजन करती है। जैन सिद्धान्तदर्पण जैन धर्म प्रवेशिका, जैन भूगोल, सुशीला (उपन्यास) आपकी प्रमुख रचनायें हैं।

—मिश्रीलाल पाटनी

नगर स्थित जैन धर्मशालायें

नगर के जैन, अजैन व्यक्तियों के सामाजिक धार्मिक कार्यों को सम्पन्न करने हेतु वृहत्तर-ग्वालियर में १२ दिगम्बर व १ श्वेताम्बर जैन धर्मशालायें स्थित हैं। इनमें से लश्कर में १०, ग्वालियर मे २, व मुरार मे १ धर्मशाला है।

१. श्री दि० जैन तेरापंथी, पुरानी सहेली, धर्म-शाला, नई सड़क, लश्कर।

२. श्री दि० जैन बीसपंथी चम्पाबाग धर्मशाला, नई सड़क, लश्कर।

३. श्री महावीर धर्मशाला, नई सड़क, लश्कर।

४. श्री पार्श्वनाथ धर्मशाला, पुरानी सहेली डीडवाना ओली, लश्कर।

५. श्री जैसवाल पंचायती धर्मशाला, नवकासा १, दानाओली, लश्कर।

६. श्री दि० जैन तेरापंथी नई सहेली, धर्मशाला, दानाओली, लश्कर।

७. श्री दि० जैन बरैया पंचायती धर्मशाला, दानाओली, लश्कर।

८. श्री दि० जैन पार्श्वनाथ धर्मशाला, चितेरा-ओली, लश्कर।

९. श्री ऋषभनाथ धर्मशाला, मामा का बाजार, लश्कर।

१०. श्री जैन श्वेताम्बर धर्मशाला, सराफा बाजार लश्कर।

११. श्री गोकुलचन्द जी धर्मशाला, लोहा मन्डी, ग्वालियर।

१२. श्री दि० जैन वासपूज्य धर्मशाला, पसारी-ओली, ग्वालियर।

१३. श्री दि० जैन पंचायती धर्मशाला, चिक सन्तर, मुरार।

उक्त धर्मशालाओं का संक्षिप्त विवरण निम्न प्रकार है:—

१. श्री दिगम्बर जैन तेरापन्थी, पुरानी सहेली धर्मशाला, नई सड़क, लश्कर:—नई सड़क फिलिमस्तान टॉकीज के सामने १२५ वर्ष पूर्व श्री रोड़मल जी फतेहलाल जी ने उक्त धर्मशाला का निर्माण कराया। इस धर्मशाला के विस्तृत आंगन मे फूल, पौधों और हरि-याली से परिपूर्ण आकर्षक सजा हुआ बगीचा लगा है। यहा ४ कमरे, ६ बरामदे, २ हाल तथा ५ अलमारियां हैं। विद्युत, नल, कुआ, रसोईघर, स्नान घर आदि की समुचित व्यवस्था होने से अधिकाश वैवाहिक, धार्मिक व सामाजिक कार्यों मे इसका उपयोग किया जाता है। धर्मशाला की प्रबन्ध व्यवस्था, पुरानी सहेली, डीडवाना ओली स्थित दि० जैन बड़ा मन्दिर पंचायत द्वारा की जाती है।

२. श्री बीसपन्थी चम्पाबाग धर्मशाला, नई सड़क:- श्री दि० जैन बीसपन्थी मन्दिर, चम्पाबाग के अन्तर्गत नई सड़क पर, विशाल मैदान के रूप में यह धर्मशाला स्थित है। वर्तमान मे इस धर्मशाला का उपयोग धार्मिक, सामाजिक व सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करने हेतु किया जाता है। विस्तृत मैदान होने के कारण यहा नाटक, जीमन व बड़े पैमाने पर किये जाने वाले समा-रोह सुविधापूर्वक सम्पन्न हो जाते हैं। इसके सामने ही

एक धर्मशाला और है जिसके एक भाग में अग्रंला फेक्ट्री व कुछ भाग में जैन छात्रावास स्थित है। इस छात्रावास के कमरे श्री चांदमलजी फूलचन्द जी द्वारा बनवाये गये थे। शेष भाग में कभी-कभी जीमन व सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं। उक्त दोनों धर्मशालाओं की व्यवस्था चम्पाबाग-मंदिर कमेटी द्वारा की जाती है। इस धर्मशाला में यात्रियों को ठहरने की दृष्टि से स्थान नहीं है।

३. श्री महावीर धर्मशाला, नई सड़क, लश्कर:—नगर के मध्य, पूर्ण सुसज्जित विशाल महावीर धर्मशाला का निर्माण कार्य सन् १९३३ में श्री गणेशी-लाल जी फूलचन्द जी द्वारा सम्पन्न किया गया। इसमें ५५ कमरे, २ हाल, १ चौक, भोजनालय, शौचालय, स्नान घर, कुआ, हेन्डपम्प आदि हैं। इस धर्मशाला में यथा स्थान, नल व विद्युत की व्यवस्था है। यात्रियों की सुविधा की दृष्टि से स्थाई मैनेजर व नौकर उपलब्ध हैं। उचित व्यवस्था व अधिक सुसज्जित पृथक कमरे होने से यहा एक ही समय मे दो-दो बारातो का ठह-रना सम्भव हो जाता है। धार्मिक, सामाजिक, सांस्कृतिक सभी प्रकार के अवसरों पर इसका यथा सम्भव प्रयोग जैन व अजैन समाज द्वारा किया जाता है। इसकी व्यवस्था श्री बुधमल जी गंगवाल करते हैं। सन् १९६४ मे उक्त फर्म द्वारा एक ट्रस्ट का निर्माण किया गया है जिसका मुख्य उद्देश्य महावीर धर्मशाला की व्यवस्था करना है।

४. श्री पार्श्वनाथ धर्मशाला, बड़ा मन्दिर, चीक-मचन्द जैन मार्ग, (डीडवाना ओली), लश्कर:—बड़ा मन्दिर डीडवाना ओली के समीप स्थित पार्श्वनाथ धर्मशाला का निर्माण ५ वर्ष पूर्व श्री कस्तूरचन्द जी सोनी के आर्थिक सहयोग एव प्रयत्नों से हुआ। इसमे १ हॉल ५ कमरे, व कई अलमारियां हैं। यात्रियों, त्यागी गणों के ठहरने व छोटे धार्मिक व सामाजिक कार्यों के लिये यह धर्मशाला सुविधाजनक है। इसकी व्यवस्था श्री कस्तूरचन्द सोनी व बड़ा मन्दिर पचायत द्वारा की जाती है। धर्मशाला के एक भाग में श्री वर्द्धमान दिग-म्बर जैन नवयुवक सघ द्वारा संचालित श्री वर्द्धमान पुस्तकालय एवं वाचनालय स्थित है।

५. श्री दि० जैन जैसवाल पचायती धर्मशाला, नक्काशा १, दानाओली:—जैसवाल जैन पचायती मदिर दानाओली के अन्तर्गत इस धर्मशाला का निर्माण कार्य सन् १९६६ में प्रारम्भ हुआ। इस कार्य हेतु एक छोटी सी जगह खरीदी गई किन्तु कुछ समय बाद ही दाना-ओली नक्कासा न. १ में विशाल स्थान पर उक्त धर्मशाला का निर्माण कार्य किया गया। वर्तमान में इसकी एक मन्जिल बनकर पूर्ण हो चुकी है जिसमे ३ हॉल व ८ कमरे हैं। उक्त धर्मशाला का उपयोग धार्मिक, सामा-जिक कार्यों हेतु किया जाता है। व्यवस्था कार्य जैसवाल पचायत द्वारा होता है। इसमें बर्तन, बिछायत आदि की भी व्यवस्था है। जैसवाल पचायत के वर्तमान अध्यक्ष श्री मोहनलाल जी, मन्त्री श्री मुन्नीलाल जी, व कोषाध्यक्ष श्री गप्पूलाल जी घी वाले हैं।

६. श्री दि० जैन तेरापंथी, नई सड़क, नया मंदिर धर्मशाला, दानाओली, लश्कर—सन् १९१८ में श्री सदासुख जी महाचन्द जी गंगवाल ने तेरापन्थी-नया मन्दिर-क्षेत्र मे इस धर्मशाला का निर्माण करवाया। इसमें ७ कमरे व २ हॉल हैं। वर्तमान में इसका अगला भाग श्री वर्द्ध-मान माध्यमिक विद्यालय व शेष भाग धार्मिक, सामा-जिक कार्यों और त्यागी गणों के निवास हेतु उपयोग में लाया जाता है। इस धर्मशाला में यात्रियों को ठहरने की व्यवस्था नहीं है। धर्मशाला की व्यवस्था नया मन्दिर कमेटी द्वारा की जाती है।

७. श्री दि० जैन बरैया पंचायती धर्मशाला, दानाओली, लश्कर:—उक्त धर्मशाला जैन भवन' दानाओली के नाम से विख्यात है। इसकी स्थापना बरैया पचायत द्वारा सन् १९६६ में की गई थी वर्तमान में इसका निर्माण कार्य अधूरा है जिसे शीघ्र ही सम्पूर्ण किया जा रहा है। धर्मशाला की व्य-वस्था बरैया पचायत कमेटी द्वारा की जाती है जिसके अध्यक्ष श्री मोहनलाल जी, मन्त्री प्रो० रामचरणलाल जी और कोषाध्यक्ष श्री नेमीचन्द जी है।

(८) श्री दि० जैन पार्श्वनाथ धर्मशाला, चितेरा ओली, माधवगंज:—श्री दि० जैन तेरापन्थी मन्दिर, माधवगंज क्षेत्र में स्थित पार्श्वनाथ धर्मशाला का निर्माण, मन्दिर जी द्वारा सन् १९६६ मे हुआ। इसमे १ चौक, १ हॉल, ४ कमरों, नल, बिजली, के अतिरिक्त पखे, आदि की भी सुविधाएँ हैं। यह धर्मशाला मन्दिर से लगी हुई है। इसका उपयोग धार्मिक कार्यों, सामाजिक कार्यों व अन्य समाज के कार्यों में सुविधाजनक सिद्ध होता है। यहां फर्श, बर्तन, टाट-पट्टियां, विवाह के लिये चौरी, समवशरण, व जैन पद्धति से विवाह के लिये पंडित का भी प्रबंध है। धर्मशाला की व्यवस्था श्री दि. जैन तेरापन्थी मन्दिर, माधवगंज द्वारा की जाती है। प्रबन्ध कार्य श्री मुन्शीलाल जी व कपूरचन्द जी द्वारा किया जाता है।

(९) श्री ऋषभनाथ धर्मशाला, मामा का बाजार, लश्कर:—मामा के बाजार मे स्थित श्री ऋषभनाथ जैन धर्मशाला, समीप स्थित जैन परिवारों के धार्मिक व सामाजिक कार्यों मे बहुत अधिक सुविधाजनक सिद्ध हुई है। इसमे एक चौक व कई तिवारे हैं। प्रतिवर्ष महावीर जयन्ती के दिन समस्त दिगम्बर व श्वेताम्बर जैन समाज की ओर से आयोजित की जाने वाली भगवान महावीर की प्रभात फेरी का प्रारम्भ इसी धर्मशाला से किया जाता है। इस धर्मशाला की व्यवस्था श्री दि० जैन पचायती बड़ा मन्दिर, मामा के बाजार की प्रबन्ध समिति द्वारा की जाती है।

(१०) श्वेताम्बर जैन धर्मशाला, सराफा बाजार, लश्कर:—श्वेताम्बर जैन मन्दिर, सराफा बाजार के निकट ही यह विशाल धर्मशाला स्थित है। इसका उपयोग धार्मिक, सामाजिक कार्यों को सम्पन्न करने व यात्रियों को ठहराने हेतु किया जाता है। सम्बन्धित कार्यों के लिये बर्तन बिछायत आदि भी यहाँ उपलब्ध हैं। धर्मशाला की व्यवस्था मूर्ति पूजक संघ द्वारा की जाती है।

(११) श्री गोकुलचन्द जी जैन धर्मशाला, लोहामन्डी, ग्वालियर:—लोहामन्डी (ग्वालियर) में स्थित गोकुलचन्द जी धर्मशाला का कार्य, गोकुलचन्द जी जैन मन्दिर प्रबन्ध कमेटी द्वारा संचालित है। इसका उपयोग सामाजिक व धार्मिक कार्यों के अलावा यात्रियों के निवास के लिये भी किया जाता है।

(१२) श्री दि० जैन वासपूज्य पंचायती धर्मशाला, जैन भवन, ग्वालियर:—पसारी ओली (ग्वालियर) में श्री वासपूज्य जैन मन्दिर से लगे हुए जैन भवन को धर्मशाला के रूप मे निर्मित किया जा रहा है जिसका निर्माण कार्य चालू है। इसकी व्यवस्था श्री वासपूज्य जैन मन्दिर पचायत द्वारा की जाती है।

(१३) श्री दि० जैन पंचायती धर्मशाला, चिक सत्तर, मुरार—विशाल चौक व अनेक आधुनिक कमरों से सुसज्जित चिक सत्तर मुरार मे जैन-धर्मशाला स्थित है, जिसका प्रयोग धार्मिक व सामाजिक कार्यों मे होता है। त्यागी व्रतियों के ठहरने के लिये मुरार क्षेत्र में यह उत्तम स्थान है। इसके एक हिस्से में जैन मिडिल स्कूल भी चलाया जाता है। वर्तमान में इसकी व्यवस्था श्री ओलाराम प्रेमराज जी करते हैं।

निर्भयता आध्यात्मिकता की सबसे पहली आवश्यकता है।
Fearless-ness is the first requisite of Spirituality.

—महात्मा गांधी

धार्मिक - पाठशालाएँ

लश्कर नगर मे ६ धार्मिक पाठशालायें विभिन्न मोहल्लो मे चलाई जा रही हैं। पाठशालाओं का उद्देश्य जैन बालक बालिकाओं में धार्मिक संस्कार डालना है। धार्मिक शिक्षा बच्चों को बड़े होने पर अन्य सभी धर्मों का तुलनात्मक दृष्टि से अध्ययन करने मे मदद देती है। उनके विचारों और दृष्टि-कोणों को एकांगी नही बल्कि, विस्तृत और उदार बनाती है।

धार्मिक संस्कार से रहित बच्चे अपने आने वाले जीवन मे नैतिकता, उदारता, सदव्यवहार आदि गुणों को अपना आधार नही बना सकेंगे। जब बच्चों को धर्म का ज्ञान नहीं होता है तो वे शास्त्र सभा, धार्मिक आयोजन तथा सामाजिक कार्यक्रमों से दूर भागने लगते हैं। दर्शन, पूजन, जाप से भी जी चुराने लगते हैं। धार्मिक शिक्षा अनैतिक और कुमार्गी होने से बचाती हैं। आज के वैज्ञानिक युग के संसार में अनेकों आकर्षण मौजूद हैं और दिनोदिन बढ़ते जा रहे हैं ऐसी स्थिति मे माँ बाप की सेवा, भाई बहिनो से प्रेम-पूर्ण व्यवहार,अपने पड़ौसियों से हिलमिल कर अच्छा सम्मान-पूर्ण जीवन व्यतीत करने का पाठ सिखलाने वाली सस्थायें 'धार्मिक-पाठशालायें' ही हैं। कुछ लोग धार्मिक शिक्षा ग्रहण न करना और धार्मिक आचरणों पर न चलने को ही प्रगतिशीलता का लक्षण मान बैठे हैं। जब हमारे नवयुवक विदेश मे उच्च शिक्षा हेतु जाते हैं तब भी उन देशों के व्यक्ति उनसे जैन धर्म पर विशेष जानकारी मांगते हैं और गिरजाघरों में उनके भाषणों का आयोजन करते हैं। हमारे देश में ही अनेक व्यक्ति समय-समय पर जैन धर्म पर प्रश्न पूछते हैं ऐसी स्थिति मे धर्म का ज्ञान न होना उपहास का कारण ही बनता है। नगर की धार्मिक-शिक्षण संस्थाओं की संक्षिप्त जानकारी निम्न लिखित है :—

१. बड़ा मन्दिर जैन पाठशाला, डीडवाना ओली:—

लगभग ५० वर्ष पूर्व तत्कालीन बड़ा मन्दिर कमेटी द्वारा धार्मिक शिक्षा देने हेतु जैन पाठशाला की स्थापना की गई। सन् १९३८ से इस पाठशाला के एक मात्र अध्यापक पं. लाला भईया मुख्य अध्यापक के स्थान पर नियुक्त हैं। पाठशाला की व्यवस्था वर्तमान प्रबन्ध कमेटी श्री दि० जैन तेरापन्थी पुरानी सहेली द्वारा की जाती है। इस पाठशाला में प्रतिदिन करीब २५ बालक उपस्थित होते हैं।

२. श्री दि० जैन पाठशाला, दानाओली :—

चम्पाबाग मन्दिर मे स्थित जैन पाठशाला की स्थापना, मन्दिर पंचायत द्वारा सन १९३८ में हुई। धार्मिक शिक्षा देकर बच्चों मे धार्मिक भावनाओं की नीव डालते रहना ही इसका एक मात्र उद्देश्य है। पाठशाला की व्यवस्था मन्दिर कमेटी द्वारा की जाती है। इस पाठशाला मे प्रतिदिन ३० छात्र धार्मिक शिक्षा ग्रहण करने हेतु उपस्थित होते हैं।

३. श्री दि. जैन पाठशाला, चिलेरा ओली, माधवगंज—

तेरापन्थी मन्दिर माधवगंज में स्थित जैन पाठशाला की स्थापना सन १९२८ में मंदिर प्रबंधकों द्वारा की गई। इस पाठशाला में प्रतिदिन ३० छात्र छात्राए उपस्थित होती हैं। वर्तमान में इस पाठशाला के छात्रों को व्यवस्थित ढंग से प्रथम बालबोध से लेकर छहढाला रत्न करण्ड-श्रावकाचार तक की धार्मिक शिक्षा प्रदान की जाती है। प्रति वर्ष बम्बई व सोलापुर बोर्ड द्वारा लिखित व मौखिक परीक्षायें होती हैं। सुबह और दोपहर दोनो समय पाठशाला में पंडित मोहनलाल जी द्वारा बच्चो को धार्मिक शिक्षा दी जाती है पाठशाला की व्यवस्था मन्दिर जी के अन्तर्गत प्रबंधक समिति द्वारा की जाती है जिसके अध्यक्ष श्री सुगनचन्द जी पाटनी, मन्त्री श्री चुन्नीलाल जी हैं।

४. श्री दि. जैन पार्श्वनाथ पाठशाला, दौलतगंज:—

बीसपन्थी मन्दिर दौलतगंज में स्थित जैन पाठशाला की व्यवस्था मन्दिर के प्रबन्धको द्वारा की जाती है। यहां प. लाला भइया द्वारा बच्चों को धार्मिक शिक्षा दी जाकर धार्मिक संस्कारों को जाग्रत किया जाता है। इस पाठशाला मे २५ बालक-बालिकायें धार्मिक शिक्षा प्राप्त करने हेतु उपस्थित होते हैं, जो अत्यंत प्रशसनीय है।

५. श्री दिगम्बर जैन बन्धु सभा, शिशु पाठशाला, नया बाजार:—

श्री दि. जैन बन्धु सभा,नया बाजार द्वारा संचालित उक्त पाठशाला की स्थापना २५ दिसम्बर १९६७ को मन्दिर के निचले भाग में स्थित कमरों में हुई। लगभग ८० बालक बालिकायें को यहां योग्य अध्यापक श्री स्वरूप चन्द जैन धार्मिक शिक्षा प्रदान करते हैं। पाठशाला की व्यवस्था जैन बन्धु सभा के निर्वाचित पदाधिकारियो द्वारा की जाती है। वर्तमान अध्यक्ष श्री बुधमल जी गगवाल, मन्त्री श्री झम्मनलाल जी और कोषाध्यक्ष श्री रूपचन्द जी पाटनी हैं।

६. श्री श्वे० जैन पाठशाला सराफा बाजार, लश्कर—

यह पाठशाला जैन श्वेता० पार्श्वनाथ मन्दिर, सराफा बाजार, लश्कर मे स्थित है। यह जनवरी सन १९६९ मे प्रारंभ की गई है। श्वेता० समाज द्वारा चलाई जाने वाली यह एक मात्र पाठशाला है। यह नथमल पारख ट्रस्ट द्वारा चलाई जाती है। वर्तमान मे इसके अध्यापक श्री रामस्वरूप जी त्रिपाठी हैं।

केवल सत्य रहेगा, शेष सब काल के गाल मे चला जायगा।

Truth alone will survive and all the rest will be swept away before (enduse) the tide of time.

सभी धर्मों मे धर्मान्धता है। प्रकाश के साथ छाया होती ही है।

Humbug there Indoubtedly is about all religions, where there is light, there is also shadow

—महात्मा गांधी

नगर की जैन शिक्षण संस्थाएँ

ग्वालियर में शिक्षण संस्थाओं के स्थापित करने और चलाने में समाज ने विशेष रुचि नहीं ली। लश्कर व मुरार में एक-एक मिडिल स्कूल समाज द्वारा चलाया जा रहा है जिसे अधिक प्रगति और रुचि का लक्षण नहीं माना जा सकता है। ग्वालियर लश्कर और मुरार की समाज के शिक्षा प्रेमी सज्जनो का कर्तव्य है कि वे समाज के दानप्रेमी सज्जनो को उक्त शिक्षण संस्थाओं की स्थापना की सलाह दें और उपयोगिता से परिचित करायें। समाज के बच्चों में भारतीय संस्कार बनाये रखने के लिये कान्वेंट स्कूल की तरह शिक्षण संस्था स्थापित करना चाहिये। लश्कर में एक जैन हाई स्कूल, एक जैन कालेज स्थापित किये जाने की काफी गुंजाइश है। इसके अतिरिक्त एक जैन शोध संस्थान के स्थापित किए जाने की भी आवश्यकता है। बनारस विश्वविद्यालय की तरह ग्वालियर विश्वविद्यालय में जैन दर्शन के अध्ययन हेतु एक जैन सीट की स्थापना का भी प्रयत्न करना चाहिए।

श्री महावीर दि० जैन माध्यमिक मिडिल स्कूल, चिक सन्तर, मुरार

चिक सन्तर, मुरार में स्थित जैन मिडिल स्कूल का संचालन जैन मन्दिर पंचायत कमेटी द्वारा किया जाता है। शासकीय मान्यता प्राप्त मिडिल स्कूल में सामान्य शिक्षा के साथ साथ धार्मिक शिक्षा भी दी जाती है। इसमें लगभग ५०० विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण करते हैं। स्वर्गीय १०५ क्षुल्लक श्री गणेश प्रसाद जी वर्णी की प्रेरणा से सन १९४८ में उनके चतुर्मास के के अवसर पर इस स्कूल की स्थापना की गई थी जिसका विस्तृत रूप सामने है। उक्त स्कूल, जैन पंचायती धर्मशाला, चिक सन्तर, मुरार में चलाया जाता है।

श्री वर्द्धमान माध्यमिक विद्यालय, दाना ओली, लश्कर

बालक ही समाज की धुरी है, यदि बालकों के व्यक्तित्व का निर्माण सही दिशा में नहीं हुआ तो हो सकता

है हमारे वर्तमान समाज का ढांचा ही चरमरा जाय। हमें प्रसन्नता है कि इसकी पीड़ा सर्व प्रथम लश्कर समाज के प्रसिद्ध सर्राफ सर्व श्री गुलाबचन्द रेशमचन्द शाह ने अनुभव की और अपनी गाढ़ी कमाई से ५००० रुपये दान देकर उक्त विद्यालय का श्री गणेश किया।

यह विद्यालय दि. जैन नया मन्दिर कमेटी द्वारा प्रदत्त एक विशाल भवन में स्थित है। इसकी स्थापना सन १९६१ में हुई। लश्कर जैन समाज के सहयोग से इसकी व्यवस्था वर्द्धमान शिक्षा समिति द्वारा उचित ढग से की जाती है। कक्षा आठ तक की शिक्षा यहां पर उपलब्ध हैं और लगभग २५० छात्र-छात्राएँ विभिन्न कक्षाओं मे अध्ययन करते हैं।

इसके अतिरिक्त छोटे छोटे बालको के हेतु एक नर्सरी विभाग है जिसमें मान्टेसरी पद्धति से बच्चो को पढ़ाया जाता है। प्राथमिक विभाग में ४ अध्यापिकाएँ तथा माध्यमिक विभाग में ५ आध्यापिकाएँ कार्यरत है। यह विद्यालय निकट भविष्य मे जैन हाईस्कूल मे परिणत होने जा रहा है।

इस समय विद्यालय शासन द्वारा मान्यता प्राप्त है तथा शासकीय अनुदान के रूप मे ७००० रु. की धनराशि उसे प्रतिवर्ष प्राप्त होती रहती है। इसके अतिरिक्त केन्द्रीय समाज कल्याण बोर्ड, न्यू देहली, से नर्सरी विभाग को ७५० रु० की वार्षिक राशि भी मिलती है बालकों के स्वस्थ विकास के लिए आंतरिक एवं बाह्य क्रीडाएँ, पर्यटन एव मनोरंजन के कार्यक्रम आयोजित होते रहते हैं। विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेनेवाले विजेता छात्र एवं छात्राओं को समय-समय पर पुरस्कृत भी किया जाता है।

बालक का सर्वांगीण विकास कैसे हो वह समाज और देश का सुयोग्य नागरिक कैसे बने। इसके लिये यह आवश्यक है कि उसके समाने प्रारंभ से ही शारीरिक, मानसिक और नैतिक आदर्शों का उच्चतम मान स्थापित किया जाय। यहां के कार्यकर्ताओं का यह विश्वास है कि चारित्र के धरातल को उंचा किये बिना मनुष्य की सही उन्नति और समाज मे उसके समायोजन की प्रक्रिया और उसके स्वरूप नहीं निखरते। इसी लक्ष्य की प्राप्ति हेतु प्रारंभ से यह विद्यालय सतत जागरूक रहा है और शिक्षा के क्षेत्र मे विषम परिस्थितियों से संघर्ष करने के बावजूद आज वह प्रगति के पथ पर अग्रसर है। संचालन समिति के पदाधिकारी निम्न प्रकार है :—

संरक्षक श्री रेशम चन्द शाह, अध्यक्ष श्री मानिक चन्द गंगवाल, उपाध्यक्ष श्री हुकमचन्द अजमेरा, मन्त्री श्री कमलचन्द काशलीवाल, कोषाध्यक्ष श्री शान्तीचन्द पाटोदी।

—*कपूरचन्द बरैया*

किसी भी धर्म को उसके उत्कृष्टतम पक्ष से परखना चाहिये।
A religion has to be Judged by its best specimens.
नैतिकता के बिना कोई धर्म नहीं जी सकता।
No religion can exist without morality.
वासनापूर्ण हृदय को शुद्ध करने को प्रार्थना अचूक दवा है।
Prayer is an unfailing means of clearing the heart of passions.

—महात्मा गांधी

नगर के जैन - छात्रावास

ग्वालियर शिक्षा का प्रमुख केन्द्र है। यहां प्रतिवर्ष सहस्त्रों की तादाद में छात्र विविध महाविद्यालयो मे विद्याध्ययन करने आते हैं जिनमें आस-पास के अनेक जैन छात्र सम्मिलित होते हैं किन्तु उनके निवास की कोई समुचित व्यवस्था नही थी। स्थानीय समाज के बुद्धिजीवी वर्ग ने निवास की समस्या को सुलझाने के लिए चम्पाबाग धर्मशाला में एक हिस्सा देकर उसकी तत्कालीन व्यवस्था करदी। जैन छात्रावास की नींव पड़ने का यह प्रथम कदम था।

सन् १९५० में समाज के प्रबुद्ध शिक्षाविद प्रो. खासीराम जी जैन के नेतृत्व मे "श्री वीर शिक्षा समिति" का गठन किया। इस समिति ने अपने कार्यकाल में अच्छी प्रगति की, अनेक मेधावी छात्रो का सहयोग पा करके उसने कई वार्षिक अधिवेशनो का आयोजन किया जिसके फलस्वरूप वह समाज के व्यक्तियों का ध्यान एक ऐसे अभाव की ओर खींच सकी जो आगे चलकर छात्रावास के उपयुक्त वातावरण को बनाने मे अनुकूल सिद्ध हुई।

समय के चक्र से नगर मे अनेक शिक्षण संस्थाओ का उदय हुआ पर स्थान की सीमितता के कारण उपरोक्त छात्रावास कुछ अपूर्ण प्रतीत हुआ। इस कारण समिति ने सर्व प्रथम छात्रावास हेतु एक नवीन सुविधा सम्पन्न भवन के निमार्ण कार्य का संकल्प लिया। उसके अनेक विधिवत् प्रयत्न हुये। तत्पश्चात २३ अक्टूबर १९५६ को कटोराताल स्थान के निकट २२ हजार वर्गफुट भूमि शासन से छात्रावास निर्माण करने हेतु प्राप्त हुई। समिति को श्रद्धेय १०५ क्षुल्लक श्री गणेश प्रसाद जी वर्णी तथा श्रद्धेय १०८ मुनि श्री देशभूषण महाराज के आशीर्वाद प्राप्त हुये हैं।

वर्तमान में छात्रावास के अन्तर्गत २० कमरे, एक रसोई घर, १० स्नानागार तथा छह शौचालय है जिनमे लगभग ६८००० रुपये व्यय हो चुके हैं। ४४ कमरे, पुस्तकालय, शास्त्र भण्डार, स्वाध्याय भवन, एक बड़ा हाल, वार्डन क्वाटर, कामन रूम और क्रीडा स्थान का निर्माण कार्य होना शेष है जो दातारो के सहयोग की अपेक्षा करता है।

इस समय संस्था के आधीन दो छात्रावास चल रहे हैं। पहला छात्रावास नई सड़क चम्पाबाग धर्मशाला मे स्थित है जिसमे २६ विद्यार्थियों के रहने का प्रबन्ध है। दूसरा नया छात्रावास है जो कटोराताल राजपायगा रोड लश्कर पर स्थित है, जिसमे ४० विद्यार्थी रह रहे हैं। सन १९६७ मे प्रो. खासीरामजी के दान से छात्रावास मे भोजनालय के भवन का निर्माण करवाया गया है जिसका संचालन छात्र परस्पर सहयोग के आधार पर करते हैं। छात्रावास के लड़को मे धार्मिक प्रवृति डालने हेतु धार्मिक शिक्षा की व्यवस्था की जाना अत्यन्त आवश्यक है।

छात्रावास का अतीत वास्तव में बड़ा उज्वल रहा है। यहां से निकले छात्र शासन के उच्च स्थानो पर पदासीन है, कई स्वतन्त्र व्यवसायी है और कई धार्मिक और सामाजिक सेवा में रत हैं। भविष्य में समाज को इनसे अनेक आशायें हैं। वीर शिक्षा समिति के पदाधिकारी निम्नलिखित है:—अध्यक्ष-श्री श्यामलाल पाण्डवीय, मन्त्री-श्री निर्मल कुमारजी एडवोकेट, कोषाध्यक्ष-श्री मुन्नीलालजी, अधीक्षक—प्रो. एन. एल. जैन व प्रचार मन्त्री श्री रूपचन्द जी पाटनी।

—कपूरचन्द बरैया

जैन औषधालय

श्रावण शुक्ला त्रियोदशी सम्वत् १९८९ को इस औषधालय की स्थापना नया मन्दिर धर्मशाला मे हुई। स्व. श्री छगन लाल जी पांड्या स्व. श्री गुलाब चन्द जी गोधा, श्री मिश्रीलाल जी पाटनी आदि की प्रेरणा व इनके मासिक दान की स्वीकृति से औषधालय का प्रारम्भ हुआ। वर्तमान में यह औषधालय दानाओली चम्पाबाग के मन्दिर द्वारा ३ रु. माहवार पर दी गई उत्तम जगह पर स्थित है। वृहत्तर ग्वालियर की जैन समाज द्वारा चलाये गये इस एक मात्र औषधालय मे आयुर्वेदिक पद्धति से चिकित्सा की जाती है। औषधालय की आर्थिक आवश्यकतायें समाज के व्यक्तियों द्वारा दिए गये मासिक, वार्षिक चन्दे व दान की राशि से पूरी की जाती है। यहा प्रारम्भ मे दवा का वितरण मुफ्त किया जाता था किन्तु कुछ वर्षों से १० पैसा प्रतिरोगी लेना चालू किया है जिससे रोगीगण दवा का दुरुपयोग न कर सकें।

३६ वर्ष की अवधि में इस औषधालय मे विभिन्न अवैतनिक और वैतनिक योग्य वैद्यों ने छह लाख रोगियों को औषधि प्रदान कर रोगमुक्त करने का श्रेय जैन समाज, ग्वालियर को दिया है। इस औषधालय द्वारा सभी वर्ग के व्यक्तियो की भेदभाव रहित सेवा की जाती रही है। इस एक मात्र जैन औषधालय को पूर्ण विकसित करने के लिये समस्त जैन समाज का आर्थिक सहयोग नितान्त आवश्यक है।

सन १९६० से १९६८ तक श्री मिश्रीलाल जी पाटनी ने मन्त्री पद पर रहकर औषधालय का योग्यता पूर्वक संचालन किया है। वर्तमान में औषधालय के अध्यक्ष सेठ बुद्धमल जी गंगवाल व मन्त्री श्री मानिकचन्द जी बोहरा है।

—मिश्रीलाल पाटनी

नगर स्थित पुस्तकालय एवं वाचनालय

वृहत्तर ग्वालियर मे ५ दिगम्बर व २ श्वेताम्बर जैन पुस्तकालय एवम् वाचनालय हैं जिनका संक्षिप्त विवरण निम्न प्रकार है :—

श्री वर्द्धमान पुस्तकालय एवं वाचनालय
डीडवाना ओली, लश्कर

वर्द्धमान दिगम्बर जैन नवयुवक संघ द्वारा संचालित उक्त पुस्तकालय एवं वाचनालय की स्थापना पार्श्वनाथ धर्मशाला, डीडवाना, ओली लश्कर में २० नवम्बर सन' १९६७ को प्रो. शान्तीचन्द जी गिरधरवाल के प्रयत्नो से हुई। व्यवस्थित व विशाल रूप मे पुस्तकालय को चलाने हेतु पुस्तक संग्रह अभियान चलाकर नवयुवकों ने समाज से सैकड़ों विभिन्न विषयों की पुस्तकें एकत्रित की हैं। इसके अतिरिक्त सैकड़ों नई पुस्तकें खरीदकर भी पुस्तकालय को उपयोगी बनाया गया है।

पुस्तकालय के साथ ही वाचनालय भी स्थापित किया गया है जिसमें धार्मिक, सामाजिक, राजनैतिक, दैनिक, पाक्षिक, मासिक पत्र पत्रिकायें मगाई जाती है। यहां धार्मिक, सामाजिक जासूसी बाल-शिक्षाप्रद, साहित्यिक, अंग्रेजी आदि विभिन्न विषयों पर २००० पुस्तकें है। जैन अजैन सभी व्यक्ति इस पुस्तकालय व वाचनालय से लाभान्वित होते हैं।

इसके अतिरिक्त यहां पुस्त-कोष(Book-Bank) की व्यवस्था है, जिसके द्वारा छात्रों को वर्ष-काल में अध्ययन के लिये पाठ्यक्रम की पुस्तकें दी जाती हैं। पुस्तकालय एवं वाचनालय का संचालन वर्द्धमान दि. जैन नवयुवक संघ द्वारा निर्वाचित पुस्तकालय मन्त्री

श्री प्रमोदकुमार पाटनी व कमलकिशोर गोधा द्वारा किया जाता है।

यदि पर्याप्त धन और पुस्तके दान में मिलती रहें तो यह नगर के प्रमुख पुस्तकालयों की श्रेणी में आ सकता है। इस हेतु समाज का सहयोग अपेक्षित है।



२. जैन वीर वाचनालय चम्पाबाग, दानाओली, लश्कर:—

श्री वीरेन्द्र कुमार जी गंगवाल द्वारा सन १९६८ में चम्पाबाग मन्दिर के नीचे के कमरे मे एक वाचनालय स्थापित किया गया। यहा दैनिक पत्र व पत्रिकायें नियमित रूप से मंगाई जाती हैं। यहाँ शीघ्र ही व्यवस्थित रूप से पुस्तकालय चलाये जाने की आशा है। वर्तमान में संचालन कार्य, जैन वीर सेवा संघ, चम्पाबाग द्वारा किया जाता है।

३. श्री जिनेन्द्र पुस्तकालय एवं वाचनालय, जैन भवन, दानाओली, लश्कर:-

बरैया पचायती धर्मशाला जैन भवन, दानाओली मे स्थित पुस्तकालय व वाचनालय का स्थापना सन् १९६७ मे बरैया दि. जैन नवयुवक सघ द्वारा की गई। यहाँ लगभग २०० धार्मिक व सामाजिक पुस्तकें उपलब्ध हैं। वाचनालय मे दैनिक पत्र-पत्रिकाओं की समुचित व्यवस्था है। संचालन कार्य श्री दि. जैन बरैया नवयुवक संघ की कार्य समिति द्वारा किया जाता है।

४. श्री पार्श्वनाथ पुस्तकालय, चितेरा ओली, माधव गंज, लश्कर:-

श्री दि. जैन तेरापन्थी मन्दिर, माधवगज मे सन १९५८ में श्री पार्श्वनाथ पुस्तकालय एव वाचनालय की स्थापना की गई। वर्तमान में ३५० धार्मिक पुस्तकें व १०० शास्त्र यहा उपलब्ध हैं। दैनिक पत्रों की भी समुचित व्यवस्था है। इसका प्रबन्ध कार्य मन्दिर पंचायत द्वारा किया जाता है।

५. स्थानकवासी श्वेताम्बर जैन पुस्तकालय, सराफा बाजार, लश्कर:-

वृहत्तर ग्वालियर वर्द्धमान स्थानक वासी जैन युवक सघ द्वारा उक्त पुस्तकालय संचालित किया जाता है। इस पुस्तकालय में ३०० पुस्तकें हैं।

६. श्री जैन पुस्तकालय, माधव गंज, लश्कर:-

अणुव्रत-युवक-मण्डल द्वारा सचालित साधुमार्गी तेरापन्थी श्वेताम्बर जैनसमाज का यह पुस्तकालय, सरावगी सदन, माधवगज में स्थित है। इसमे ५०० धार्मिक पुस्तकें उपलब्ध है।

७. श्री वीर पुस्तकालय, जैन मन्दिर सन्तर, मुरार:-

स्वर्गीय १०५ क्षुल्लक श्री गणेशप्रसाद जी वर्णी की प्रेरणा से मुरार जैन पचायत द्वारा २५ वर्ष पूर्व वीर पुस्तकालय की स्थापना की गई। इस पुस्तकालय मे लगभग १००० धार्मिक एव सामाजिक पुस्तकों का सग्रह है। पुस्तकालय की व्यवस्था माध्यमिक पाठशाला, कमेटी द्वारा की जाती है।

सांस्कृतिक-संस्थायें

१. श्री दि. जैन ड्रामाक्लब, नया बाजार, लश्कर:-

बच्चों में ललितकला में रुचि जाग्रत करने के उद्देश्य से नया बाजार जैन मन्दिर में श्री रूपचन्द जी पाटनी व श्री झम्मनलाल जी के विशेष प्रयत्नों द्वारा इस ड्रामा क्लब को स्थापित किया गया। धार्मिक उत्सवों के अवसर पर छोटे बालक व बालिकायें इस क्लब के अन्तर्गत नाटक, भजन आदि प्रस्तुत करते हैं। इसकी व्यवस्था जैन-बन्धु-सभा द्वारा की जाती है।

२. महावीर नाट्य कला मन्दिर, लोहामण्डी, ग्वालियर

सन १९६१ में श्री दि. जैन महावीर सेवा-दल द्वारा इस नाट्य कला मन्दिर की स्थापना की गई। लोहामन्डी, ग्वालियर में श्री गोकुलचन्द जी के मन्दिर में स्थित नाटक समिति के संस्थापक श्री निर्मल कुमारजी हैं। इसका प्रबन्ध संचालन श्री ज्ञानचन्द जी व श्री सूबचन्द जी बढ़ारी द्वारा किया जाता है।

३. संगीत कला विद्यालय, नया बाजार, लश्कर:-

श्री दि. जैन मन्दिर नयाबाजार, लश्कर में स्थित संगीत शिक्षण संस्था के संचालक श्री झम्मनलाल जी व श्री रूपचन्द जी पाटनी हैं। यहां प्रत्येक अष्टमी व चतुर्दशी के दिन नियमित रूप से बच्चों को संगीत की शिक्षा दी जाती है। संगीत कला विद्यालय का संचालन जैन बन्धु सभा, नया बाजार द्वारा किया जाता है।

४. संगीत कला मण्डल, ग्वालियर:-

धर्मवीर श्री पन्नालाल जी ने सन १९६४ में इस मंडल की स्थापना वासपूज्य पंचायती मन्दिर में की। इसका प्रमुख उद्देश्य धार्मिक कार्यक्रम के अन्तर्गत होने वाले गायन भजन नृत्य आदि में भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाना है। इसकी व्यवस्था समिति के अध्यक्ष श्री हरीशचन्द जी, मन्त्री श्री प्रभुदयाल जी व कोषाध्यक्ष श्री अजित कुमारजी हैं।

प्राचीन-वस्तु-संग्रहालय

प्राचीन जैन साहित्य व हस्तकला वस्तु संग्रहालय:—

प्राचीन जैन साहित्य, चित्र व सिक्कों के संग्रह का श्रेय श्री मिश्रीलाल जी पाटनी को है जिसकी प्रेरणा उन्हें जैन मिशन, अलीगंज, एटा द्वारा प्रदर्शनी लगाने के आग्रह से प्राप्त हुई है। समय-समय पर पाटनी जी ने दिल्ली अलीगंज, आगरा, भोपाल, कानपुर, लखनऊ, गोहाटी (आसाम) आरोन, सोनागिर, उज्जैन आदि विभिन्न स्थानों पर प्रदर्शनी आयोजित कर प्राचीन वस्तुओं से लोगों को अवगत कराया है। इससे प्रभावित होकर अनेक व्यक्तियों और संस्थाओं ने आपको मान-पत्र भी भेंट किये हैं। यह संग्रहालय पाटनी निवास, डीडवाना ओली, लश्कर में पाटनी जी के निवास स्थान पर ही स्थित है।

जैन धार्मिक व सामाजिक ट्रस्ट

नगर में धार्मिक व सामाजिक कार्यों को सम्पन्न करने की दृष्टि से अनेक ट्रस्ट स्थापित हैं जिनका संक्षिप्त विवरण निम्न प्रकार है:—

१. श्री गणेशीलाल फूलचन्द जी गंगवाल ट्रस्ट, लश्कर:-

स्वर्गीय सेठ गणेशीलाल जी फूलचन्द जी द्वारा श्री महावीर धर्मशाला, नई सड़क की व्यवस्था की जाती है। सन १९६४ मे पृथक से व्यवस्था रखने हेतु उक्त ट्रस्ट की स्थापना की गई। इसका एक मात्र उद्देश्य धर्मशाला से सम्बन्धित कार्यों मे आर्थिक मदद करना है। वर्तमान में इसके ट्रस्टी श्री बुधमल जी गंगवाल हैं।

२. स्व० श्री कस्तूरचन्दजी गंगवाल धर्मार्थ ट्रस्ट, लश्कर:—

सन १९६७ मे स्वर्गीय श्री कस्तूरचन्द जी गंगवाल ने पचास हजार रुपये की राशि से इस ट्रस्ट की स्थापना की। इसका मुख्य उद्देश्य धार्मिक व सामाजिक कार्यों मे आर्थिक सहयोग देना है जिसकी व्यवस्था ब्याज की रकम द्वारा की जाती है। श्री मानिकचन्द जी पाण्डया श्री मानिकचन्द जी गंगवाल, श्री चिरोंजीलाल जी गोधा, श्री कन्हैयालाल जी पाटनी व श्री चिरोंजीलालजी भरतपुर वाले इस ट्रस्ट के ट्रस्टी है और उन्हे ही ट्रस्ट की राशि को सबंधित कार्यों पर व्यय करने का अधिकार है।

३. श्री कस्तूरचन्द जी सोनी धार्मिक एवं सामाजिक ट्रस्ट, लश्कर

सन १९६७ मे श्री कस्तूर चन्द जी सोनी ने बीस हजार रुपये की राशि को बैंक मे जमा कर एक ट्रस्ट स्थापित किया। ब्याज की राशि को धार्मिक एवं सामाजिक कार्यों मे व्यय करने का अधिकार निम्न पाच व्यक्तियों को है:—१. श्री केशरीमल जी गंगवाल २. श्री हुकमचन्द जी अजमेरा ३. श्री रेशमचन्द जी शाह ४. श्री निरंजन लाल जी गंगवाल ५. श्री नेमीचन्द जी बाकलीवाल। इस ट्रस्ट का मुख्य उद्देश्य गरीबों की सहायता करना, मन्दिरों के जीर्णोद्धारा में सहायता देना व अन्य सामाजिक व धार्मिक कार्यों में आर्थिक मदद करना है।

४. स्व० श्री केशरीमल जी पहाड़िया ट्रस्ट, दौलतगंज, लश्कर

स्वर्गीय श्री केशरीमल जी पहाड़िया ने उक्त ट्रस्ट को सन १९६६ में स्थापित किया। पहाड़िया जी बड़े धर्मात्मा व भजन प्रेमी थे। इसी कारण ट्रस्ट का उद्देश्य गायन स्कूल खोलना, भजनों की पुस्तकें प्रकाशित करना व धार्मिक सामाजिक कार्यों में सहयोग देना है। इसके ट्रस्टी श्री मानिकचन्द जी पान्डया, श्री मानिक चन्द जी पाटनी, श्री मानिक चन्द जी भौंच श्री मानिक चन्द जी गंगवाल, श्री कमलचन्द जी गंगवाल, व श्री हुकम चन्द जी अजमेरा हैं।

५. श्री दि. जैन वासपूज्य पंचायती मन्दिर ट्रस्ट, ग्वालियर

सन १९६८ में श्री दिगम्बर जैन वासपूज्य पंचयती मन्दिर की व्यवस्था हेतु इस ट्रस्ट की स्थापना ग्वालियर उपनगर मे की गई। मन्दिर सम्बन्धित आर्थिक व्यवस्था इस ट्रस्ट द्वारा की जाती है। इसके अध्यक्ष श्री ऋषभदास जी, मन्त्री-श्री हरीशचन्द जी व कोषाध्यक्ष श्री अजित कुमार जी हैं।

श्वेताम्बर जैन ट्रस्ट

६. श्री नथमल जी पारख ट्रस्ट, लश्कर:—

धार्मिक शिक्षण संस्था चलाने हेतु इस ट्रस्ट की स्थापना सेठ नथमल जी पारख द्वारा की गई। पचीस हजार रूपये की राशि का ब्याज व ट्रस्ट की जायदाद के किराये से धार्मिक शिक्षा हेतु आयोजित की गई पाठशाला की आर्थिक व्यवस्था इसी ट्रस्ट द्वारा कीजातीहै। श्री चौसूलालजीपारख, श्रीतेजमलजी हर्षावत् श्री हीराचन्द जी कोठारी, श्री बुधराज जी पारीवाल व चांदमल जी सिंघी इस ट्रस्ट के ट्रस्टी हैं।

७. श्री राजमल जी कावड़िया ट्रस्ट, सराफा बाजार:—

दशलक्षण पर्व में आयोजित किये जाने वाले स्वामी वात्सल्य उत्सव की आर्थिक व्यवस्था मात्र करना इस ट्रस्ट का मुख्य उद्देश्य है। सम्बन्धित व्यय टोपी बाजार में स्थित मकान सम्पत्ति के किराये से पूर्ण किया जाता है। इस ट्रस्ट के ट्रस्टी श्री तेजमल जी हर्षावत् व श्री कुशलचन्द जी मूथा हैं।

नगर में स्थित सामाजिक व धार्मिक संघ

नवयुवक ही समाज की चेतना और भविष्य के आधार स्तम्भ होते हैं। उनकी ही चेतना, योग्यता और विचार धारा पर कल के समाज का निर्माण होता है। इस नगर के नवयुवक वर्ग ने इस सम्बन्ध मे बहुत कुछ सोचा है। समाज की पुरानी पीढ़ी के लोगो का भी यह कर्तव्य है कि वे समाज के समाजिक व धार्मिक कार्यों के संचालन के भार को नवयुवकों को सौंपें और उन्हें इस कार्य में दक्ष बनावें। सामाजिक सेवा का काम काटों से भरे हुऐ रास्ते के समान होता है। समय, पैसा, आराम आदि का त्याग करने के अतिरिक्त ईमानदारी, सच्चाई और सेवा एक आदर्श रूप समाज के सामने रखना पड़ता है।

समाज के सामने आज अनेक समस्यायें हैं। समाज का नवयुवक वर्ग शिक्षा की ओर अग्रसर हो रहा है। ऐसी स्थिति मे नवयुवको में धार्मिक संस्कार बनाये रखने को इनके संगठन और भी आवश्यक हैं। समाज मे आज भी दहेज प्रथा, मृत्यु भोज, बे-मेल विवाह आदि की समस्यायें व्याप्त हैं। बृहत्तर ग्वालियर में उपयुक्त कुरीतियों को दूर करने व नवयुवकों के आध्यात्मिक बौद्धिक, नैतिक, शारीरिक विकास करने के उद्देश्य से ६ दिगम्बर जैन और ३ श्वेताम्बर जैन संघ हैं सबो के नाम निम्नलिखित हैं:—

(१) श्री वर्द्धमान दिगम्बर जैन नवयुवक संघ, डीडवाना ओली, लश्कर

(२) श्री दिगम्बर जैन वीर सेवा संघ, दानाओली लश्कर

(३) श्री जैसवाल दि० जैन नवयुवक मंडल, दाना ओली

(४) श्री बरैया दि० जैन नवयुवक संघ, दानाओली

(५) श्री दि० जैन बरैया बाल समाज स्वयम् सेवक दल, मामा का बाजार

(६) श्री दि० जैन बन्धु सभा, नया बाजार, लश्कर

(७) श्री दि० जैन जैसवाल वीर सेवा दल, शिंदे की छावनी लश्कर

(८) बृहत्तर ग्वालियर वर्द्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, सराफा बाजार, लश्कर

(९) प्रगतिशील जैन नवयुवक संघ, सराफा बाजार, लश्कर

(१०) अणुव्रत युवक मंडल; सरावगी सदन चिटनिस की गोठ, माधव गंज, लश्कर

(११) श्री दि० जैन महावीर सेवा दल, गोकुलचन्द जी का मन्दिर, ग्वालियर

(१२) श्री दि० जैन वीर विद्यार्थी संघ, मुरार

इनकी संक्षिप्त जानकारी निम्नप्रकार है:—

१. श्री वर्द्धमान दिगम्बर जैन नवयुवक संघ, डीडवाना ओली, लश्कर

२ अक्टूबर सन १९६६ को उत्साही नवयुवकों की प्रेरणा से इस संघ की स्थापना हुई। इसमे नगर के जैन समाज के प्रत्येक व्यक्ति को सदस्य बनाने हेतु आमन्त्रित किया गया। समाज को नई रोशनी में नये ढ़ग से गठित करते हुये नवयुवकों का मानसिक, आध्यात्मिक, शारीरिक व बौद्धिक विकास करना इस संघ का प्रधान उद्देश्य है। वर्तमान में संघ द्वारा पुस्तकालय एवं वाचनालय, पुस्त-कोष, स्पोर्टस क्लब आदि संचालित किये जा रहे हैं। ग्वालियर जैन निर्देशिका का प्रकाशन इसी संस्था के सुप्रयत्नों का परिणाम है। जो इस संघ के साहस, लगन और समाज सेवा का प्रतीक है। इस समय संस्था में ७०' कर्मठ सदस्य हैं।

जिनमें से अधिकांश डॉक्टर इन्जीनियर, प्रोफेसर, वकील व उच्च शिक्षित व्यक्ति हैं। वर्ष में अनेक बार सभायें गोष्ठियाँ व सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये जाकर इस संघ द्वारा नवयुवकों में धार्मिक प्रवृत्ति जागृत करते हुए सामाजिक समस्याओं को हल किया जाता है। संघ का प्रधान कार्यालय पार्श्वनाथ धर्मशाला, डोंडवाना ओली लश्कर में है। वर्तमान में संघ के अध्यक्ष प्रो० लालचन्द जी, मन्त्री श्री केशरीमल जी पाटनी व कोषाध्यक्ष श्री मोतीलाल जी जैन हैं। अन्य पदाधिकारियों का नाम व सस्थागत विवरण "प्रकाशकीय परिचय," में दिया गया है।

२. श्री दि. जैन वीर सेवा संघ, दाना ओली:-

सन १६५७ मे सामाजिक व धार्मिक कार्यों में सहयोग प्रदान करने हेतु इस सेवा संघ की स्थापना दाना ओली के उत्साही नवयुवको द्वारा की गई। इसके द्वारा धार्मिक उत्सव मेलो आदि मे स्वय-सेवक के रूप में सहयोग दिया जाता रहा है। इसकी व्यवस्था संचालन समिति के अध्यक्ष श्री पारसकुमार गंगवाल, मन्त्री श्री कैलाशचन्द वैद व कोषाध्यक्ष श्री बाबूलाल जी लुहाड़िया हैं।

३. श्री जैसवाल दि. जैन नवयुवक मंडल, दानाओली:-

सामाजिक और धार्मिक कार्यों में मदद करने, समाज मे एकता स्थापित कर, युवको मे सामाजिक व धार्मिक रुचि उत्पन्न करने के उद्देश्य से जैसवाल समाज के समाजसेवी नवयुवकों ने सन १६६७ मे एक नवयुवक मण्डल की स्थापना की। मण्डल द्वारा धार्मिक मेलों व अन्य सामाजिक कार्यों में स्वयम्—सेवक, साईकिल स्टेन्ड, प्याऊ आदि की व्यवस्था की जाती है। वर्तमान मे मंडल के २५ कर्मठ सदस्य हैं। मंडल की कार्यकारिणी कमेटी के अध्यक्ष श्री पदमचन्द जी, उपाध्यक्ष श्री हरिशचन्द जी, मन्त्री श्री पारस दास जी व कोषाध्यक्ष श्री लालचन्द जी हैं।

४. श्री बरैया दि. जैन नवयुवक संघ, दाना ओली:—

सन १६६७ में बरैया जैन समाज के नवयुवकों ने क्षमावाणी पर्व के शुभ अवसर पर इस संघ की स्थापना की जिसका मुख्य उद्देश्य समाज के सभी वर्गों की सेवा करना है। नवयुवकों के बौद्धिक विकास हेतु संघ ने पुस्तकालय, वाचनालय व खेल कूद की व्यवस्था की है। संघ का कार्यालय एवं पुस्तकालय जैन भवन, दाना ओली मे स्थित है। संघ की व्यवस्था समिति के अध्यक्ष श्री सुगनचन्द जी, मन्त्री श्री भूपेन्द्र कुमार जी व कोषाध्यक्ष श्री नेमीचन्द जी हैं।

५. श्री दि. जैन बरैया बाल समाज स्वयं सेवक दल माधा का बाजार

बरैया बाल समाज के इस स्वयं सेवक दल की स्थापना सन १६२८ मे हुई। स्वयं सेवक दल में ड्रेसेस सहित ३२ स्वय सेवक हैं जो विभिन्न धार्मिक कार्यों के अवसर पर व्यवस्था कार्य करते हैं इनकी सेवाए अत्यत सहायक सिद्ध होती हैं। इस दल द्वारा सामाजिक व धार्मिक कार्यों के लिये सामान भी प्रदान किया जाता है। वर्तमान मे इसकी व्यवस्था निम्न पदाधिकारियो द्वारा की जा रही हैं:- अध्यक्ष श्री बालचन्द जी, मन्त्री श्री प्रकाशचन्द जी, कोषाध्यक्ष श्री सूरज मल जी, केप्टिन श्री गयाप्रसाद जी व अमोलक चन्द जी।

६. श्री दि जैन बन्धु सभा, नया बाजारः-

नया बाजार के जैन उत्साही व्यक्तियों ने बन्धु सभा के नाम से एक सगठन स्थापित किया जिसका मुख्य उद्देश्य बाजार विशेष मे धार्मिक उत्सव व आवश्यक सामाजिक कार्यों मे मदद करना है। सभा द्वारा दिसम्बर सन १६६७ मे एक जैन पाठशाला, जैन मन्दिर नया बाजार मे प्रारम्भ की गई है। बन्धु सभा का सचालन सदस्यों द्वारा निर्वाचित कमेटी करती है। वर्तमान में इसके अध्यक्ष श्री बुधमल जी गंगवाल, मन्त्री श्री झम्मनलाल जी कोषाध्यक्ष व संयोजक श्री रूपचन्द जी पाटनी हैं।

७. श्री दि. जैन जैसवाल वीर सेवा दल, शिन्दे की छावनी, लश्करः-

धार्मिक कार्यों की व्यवस्था में अधिकतम सहयोग देने हेतु वीर सेवा दल की स्थापना की गई। इस सेवा

दल द्वारा विभिन्न धार्मिक महोत्सवों व मेलों पर स्वंय-सेवक दल के रूप में व्यवस्था की जाकर प्रशसनीय कार्य किया जाता रहा है।

८. बृहत्तर ग्वालियर वर्द्धमान स्थानक वासी जैन श्रावक संघ, सराफा बाजार, लश्कर:-

यह श्वेताम्बर स्थानक वासी जैन श्रावकों की प्रतिनिधि संस्था है। इसका मुख्य कार्यालय सराफा बाजार, लश्कर में व उपकार्यालय बिरला नगर और मुरार में हैं। इस श्रावक सघ के अध्यक्ष श्री दीपचन्दजी मेहता और मन्त्री श्री सूरज मल जी सचेती हैं।

९. प्रगतिशील जैन नवयुवक संघ, सराफा बाजार, लश्कर:-

श्वेताम्बर जैन समाज के कुछ नवयुवको ने सन १९६६ में इस नवयुवक सघ की स्थापना की जिसका मुख्य उद्देश्य आध्यात्मिक, बौद्धिक, नैतिक व शारीरिक विकास के साथ साथ धार्मिक कार्यक्रमों मे अधिकतम सहयोग देना हैं। वर्तमान में इस सस्था की गतिविधियाँ कुछ रुक सी गई हैं। सघ के अध्यक्ष श्री देवेन्द्र जी सिंघी मन्त्री श्री रामचन्द्र जी हैं।

१०. अणुव्रत युवक मंडल, तेरापंथी भवन, खिटकीस की गोठ, माधव गंज, लश्कर.-

इस मंडल की स्थापना सितम्बर सन १९६६ मे साध्वी श्री मोहनाकुमारी जी की प्रेरणा से हुई। सब धर्मो के प्रति आदर भाव रखना, मद्यपान, धूम्रपान हिंसात्मक, प्रवृत्तियों को रोकना मंडल के मुख्य उद्देश्य हैं। मंडल जैन समाज के युवकों को संगठित कर उन्हें ईमानदारी सदाचारी व आध्यात्मिक बनाने की प्रेरणा देता है। वर्तमान में इसके अध्यक्ष, रामचन्द्र चोड़ावत, मन्त्री श्री सन्तोष कुमार और कोषाध्यक्ष श्री प्रेमचन्द जैन हैं।

११. श्री दि. जैन महावीर सेवा दल, गोकुलचन्द जी का मन्दिर, ग्वालियर:-

यह सेवा दल नगर की जैन समाज के पुराने सेवा दलो में से है। श्री प्रभूदयाल जी के प्रयत्नों द्वारा सन १९३८ में इसकी स्थापना की गई थी। समाज सेवी संस्था के रूप में यह दल धार्मिक कार्यों की मदद में सदैव आगे रहा है। गोकुलचन्द जी के मन्दिर में ही इसका कार्यालय स्थित है। इसकी व्यवस्था समिति के अध्यक्ष श्री निर्मल कुमार जी, मन्त्री श्री खूबचन्द जी बढ़ारी, कोषाध्यक्ष श्री महावीर प्रसाद जी नायक है।

१२. श्री दि. जैन वीर विद्यार्थी संघ, मुरार:—

सन १९६२ में धार्मिक सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करने हेतु उक्त सघ की स्थापना की गई। वर्तमान मे इस संघ की सदस्य सख्या १०० के लगभग है। इसकी व्यवस्था सदस्यों द्वारा निर्वाचित पदाधिकारियो द्वारा की जाती है। सघ के अध्यक्ष श्री रमेशचन्द जी, मन्त्री श्री सुरेशचन्द जी व कोषाध्यक्ष श्री दिनेश कुमार जी है।

- अहिंसा की पुस्तक मे हार के लिये कोई स्थान नहीं है।
  Defeat has no place in the dictionary of Non-Violence.
- अहिंसा एक सूत्र मे बाधने वाली शक्ति है। वह अनेकता मे एकता ले आती है।
  Ahimsa is Unifying force. It discovers unity in diversity.
- पूर्ण अहिंसा के बिना कोई भी लोकतन्त्र पूर्ण नहीं हो सकता।
  No perfect democracy is possible without perfect Non-Violence.
- जिस अर्थ व्यवस्था में नैतिक मूल्य नहीं वह सच्ची नहीं है।

भारतवर्षीय संस्थाओं की शाखाऐं

कुछ भारत वर्षीय स्तर के संगठनो की शाखायें इस नगर मे भी हैं। ऐसी संस्थाओ का संक्षिप्त विवरण निम्न लिखित है:—

१. मध्यप्रदेश दिगम्बर जैन तीर्थ रक्षा समिति, लश्कर:—इस समिति को ग्वालियर शाखा का कार्यालय पाटनी निवास, डीडवाना ओली, लश्कर मे है। प्रधान कार्यालय इन्दौर मे है। तीर्थ-क्षेत्रो की रक्षा करना, मूर्तियों की सुरक्षा सम्बन्धी आवश्यक कार्यवाही करना इस समिति का मुख्य उद्देश्य है। ग्वालियर के समीपवर्ती क्षेत्रों से चुराई गई जैन मूर्तियों से सम्बन्धित मामले इसी समिति के प्रयत्नों से अदालत मे चलाये जा रहे हैं। इस कार्य मे सम्पूर्ण जैन समाज का सहयोग अत्यन्त आवश्यक है। वर्तमान में समिति के अध्यक्ष श्री बुधमल जी गंगवाल, मन्त्री श्री मिश्रीलाल जी पाटनी व कोषाध्यक्ष श्री प्रेमचन्द जी हैं।

२. अखिल विश्व जैन मिशन (अलीगंज), लश्कर—अखिल विश्व जैन मिशन की ग्वालियर शाखा का कार्यालय पाटनी निवास, डीडवाना ओली, लश्कर में है। प्रधान कार्यालय अलीगंज (एटा) मे है। जैन साहित्य और जैन सिद्धान्तों का देश-विदेश में प्रचार व प्रसार करना इस मिशन का मुख्य उद्देश्य है। सम्बन्धित क्षेत्रीय कार्य हेतु मिशन शाखा की व्यवस्था निम्न पदाधिकारियों द्वारा की जाती है:—अध्यक्ष प्रो० लालचन्द जी, संयोजक श्री मिश्रीलाल जी पाटनी।

३. जैन श्वेताम्बर तेरापन्थी महासभा, लश्कर:—इस महासभा का प्रधान कार्यालय, ३ पोर्चुगीज, चर्च स्ट्रीट, कलकत्ता-१ में है और ग्वालियर शाखा सरावगी सदन, माधवगंज मे है। जिसके व्यवस्थापक श्री कमला प्रसाद जी सरावगी हैं इस महासभा के द्वारा समय-समय पर सभायें व्याख्यान व गोष्ठियां आयोजित की जाती हैं।

४. अणुव्रत समिति, लश्कर:—इस समिति का प्रधान कार्यालय देहली मे है। ग्वालियर शाखा का कार्यालय सरावगी सदन माधवगंज लश्कर में है। श्वेताम्बर तेरापन्थी आमनाय के २०५ वर्ष पूर्व हुए आचार्य श्री भिक्षु जी की परम्परा पर चलने वाले नवम् आचार्य श्री तुलसी जी हैं। आपने ही अणुव्रत आन्दोलन का बल दिया है। मनुष्य की नैतिक मूल्यों में आस्था बनाये रखने, आध्यात्मिक व चारित्रिक उत्थान हेतु आचार्य श्री तुलसी व उनके संघ के ६०० साधु, साध्वियां इस अणुव्रत आन्दोलन को सम्पूर्ण देश में व्यापक प्रचार व प्रसार करने में लगे हुए हैं। लश्कर शाखा के अन्तर्गत समय-समय पर गोष्ठियां, प्रवचनों तथा सार्वजनिक भाषणों का आयोजन किया जाता है।

ग्वालियर के समीपवर्तीय तीर्थ स्थल

ग्वालियर के आस पास के तीर्थ क्षेत्रों में सोनागिर, पनिहार, सिहोंनिया, और मनहुरदेव है। सोनागिर के अलावा शेष तीर्थ क्षेत्रो की जानकारी केवल आस-पास व स्थानीय जैन समाज तक ही सीमित है। इनका संक्षिप्त विवरण निम्नप्रकार है:—

१. श्री दि० जैन सिद्धक्षेत्र सोनागिर

णंगाणंगकुमारो कोड़ी मुणिवरा सहिया।
सुवण्णगिरि-सिहरे णिव्वाणगया णमो तेसिम्॥
'निर्वाणकांड'

उक्त गाथा से स्पष्ट है कि सोनागिर पर्वत से अंग और अनंगकुमार तथा ५॥ करोड मुनिराज मोक्ष पधारे। इस कारण दिगम्बर जैनों मे यह पर्वत परम पुनीत सिद्धक्षेत्र के रूप में विख्यात है। इस क्षेत्र का प्राचीन नाम 'स्वर्णगिरि' या 'श्रमणगिरि' है जो सार्थक है। पुरातन काल से ही यह पहाडी जैन श्रमणो या मुनियो की साधना-स्थली रही, जहा कठोर तपस्या करके उन्होंने आत्मा को पवित्र किया; उन्ही की स्मृति स्वरूप होलिका पर्व के पश्चात् चैत्र प्रतिपदा से पञ्चमी तक विविध कार्यक्रमों के साथ एक विशाल मेला यहा प्रतिवर्ष लगता है जिसमें विभिन्न नगरो के व्यक्ति सोत्साह भाग लेकर दर्शनो का लाभ उठाते हैं।

यह क्षेत्र जिला दतिया (मध्यप्रदेश) मे स्थित है। दतिया से छह मील दूर और ग्वालियर से ४० मील दूर देहली-बम्बई लाइन पर सोनागिर स्टेशन है। स्टेशन से तीन मील दूर एक मनोरम पहाड़ी पर मन्दिरो की क्रमबद्ध शृंखला दृष्टिगोचर होता है। रेलयात्रियों को मन्दिरों की भव्यता और अनेकता के सहज दर्शन लुभाये बिना नही रहते। धवल मन्दिरो पर भुवन भास्कर की सहस्त्र-रश्मिया शिखरों को स्वर्णिम आभा प्रदान करती है। लश्कर से प्रतिदिन सोनागिर को को मोटरें आती है।

पर्वत पर शिखरबद्ध ७७ नयनाभिराम जिन-मन्दिर है जिनकी वन्दना को जाने के लिये पक्के मार्ग बने हुए हैं। ये विविध कालीन वास्तु और शिल्प कला के प्रतीक हैं। मन्दिरों के अन्दर वीतराग निर्ग्रन्थ पद्मासन व खड्गासन प्रतिमाएँ, स्थित हैं। ये अधिकाश प्रतिमाएँ प्राचीन भी हैं, सम्भवत: १३ वीं सदी की प्रतीत होती है। मन्दिर-निर्माण की विविध शैलिया भी यहाँ दर्शनीय है। गोलाकार तीन कटनियो मे सुसज्जित पिसनहारी (चक्की) का मन्दिर, अष्ट पंखुड़ियों से युक्त मुकुलित कमल तीन प्रदक्षिणाओ सहित मेरू एव मन्दिरो के अन्दर भौंहरें कला के अद्भुत नमूने हैं। ५७ नम्बर पर मूलनायक श्री चंद्रप्रभु का विशाल मन्दिर है जिसमे १२ फुट ऊंची खड्गासन प्रतिमा है जो पहाड़ मे से ही उकरी हुई है। एक शिलालेख से पता चलता है कि यह सम्वत् ३३५ की है। अनेक भक्तगण यहा चँवर, छत्र चढाकर बहुविध मनौतिया मनाते है तथा दीप धूप, फल से उनकी वन्दना-अर्चना करते हैं। इस मन्दिर का जीर्णोद्धार मथुरा के सेठ लक्ष्मीचन्द्र जी द्वारा करवाया गया था। मन्दिर के सामने ही एक भव्य कलात्मक समोसरण-मन्दिर सुशोभित है। पास ही गगनचुम्बी मानस्तम्भ स्थित है जो अपनी मोहकता के लिये प्रसिद्ध है। श्री बाहुबलि स्वामी की दिव्य मूर्ति भी यही शोभा पा रही है।

स्थान-स्थान पर अनेक चरण-पादुकाऐं, छत्री, चबूतरे और समाधि के स्थान हैं। एक शिला में नारियल के आकार का एक कुंड बनाया गया है जिसे 'नरियल कुंड' कहा जाता है। पास ही एक 'बजनी शिला' भी है जिसे बजाने से धातु जैसा स्वर ध्वनित होता है। यहां से चारों ओर दृष्टि डालने पर प्रकृति की अद्भुत छटा दिखाई देती है।

पहाड़ी से नीचे तलहटी में १८ विशालकाय जिन-मन्दिर हैं जिनमें धातु पाषाण की अति उत्तम मूर्तियां सुशोभित हैं, १५ सुव्यवस्थित धर्मशालाऐं हैं जो जैनों के विभिन्न वर्गों के आधिपत्य में हैं। किन्तु यात्रियों के ठहरने के लिये कहीं कोई प्रतिबन्ध नहीं है। कमेटी की ओर से जनता के लिये सर्व सुविधाऐं उपलब्ध हैं। श्री १०५ भट्टारक चन्द्रभूषण महाराज की गादी यहीं पर है।

पहाड़ी को चारों ओर घेरे हुए एक परिक्रमा-स्थल है जो उसकी सीमा-रेखा है। इसके चार कूंटों पर चार छत्रियां हैं जिनमें चरण चिन्ह अंकित हैं। दृश्य उस समय बड़ा सुहावना लगता है जब बच्चे, पुरुष और महिलायें भक्ति-भाव से गीत गाते हुए इस मार्ग से चलते हैं। मेले के दिनों मे रात्रि मे विद्युत की जगमगाहट क्षेत्र की शोभा को द्विगुणित कर देती है। सर्वत्र धार्मिक वातावरण छाया रहता है।

कमेटी की ओर से एक जैन पुरातत्व संग्रहालय भी है जिसमें भंग-मग्न मूर्तियां एवं शिलालेखों का संग्रह है। 'सरस्वती-भंडार' में प्राचीन हस्तलिखित ग्रन्थ और लगभग दो हजार छपी हुई पुस्तकें हैं जिनसे स्वाध्याय-प्रेमी लाभान्वित होते हैं। यह कमेटी की सतत जागरूकता का ही परिणाम है जो यह क्षेत्र दिनों-दिन विकासोन्मुख है।

वर्तमान में क्षेत्र कमेटी के अध्यक्ष सेठ छदामीलाल जी फिरोजाबाद, मन्त्री बाबू मानिकचन्द जी जैन अग्रवाल, एडवोकेट और कोषाध्यक्ष श्री पन्नालाल जी अग्रवाल 'धर्मवीर' ग्वालियर हैं। ये सभी अनेक वर्षों से क्षेत्र की उन्नति में प्रयत्नशील है। यदि जैनों में परस्पर प्रेम, भ्रातृभाव और सहनशीलता की भावना रही तो इसमें कोई सन्देह नहीं कि क्षेत्र निरंतर प्रगति करता रहेगा।

श्री अतिशयक्षेत्र मनहरदेव

लश्कर (ग्वालियर) से २५ मील दूर डबरा के निकट एक करहैया नामक ग्राम है, जहां से उत्तर की ओर करीब ५ मील की दूरी पर चैत्य ग्राम मे यह क्षेत्र स्थित है। प्रकृति का शांत और मुग्ध वातावरण यहां सर्वत्र व्याप्त है। पर्वत की शृंखलाओं से टकराती हुई मंद-सुगंध समीर मार्ग की थकावट को दूर कर दर्शक के हृदय को आनंद से परितृप्त कर देती है। यहां निर्जन वन की एक छोटी-सी पहाड़ी पर सेठ पाड़ासाह द्वारा स्थापित सं० ११८४ की भगवान श्री शान्तिनाथ की ३॥ फुट चौड़ी और १४ फुट ऊंची एक खड्गासन मूर्ति है जो अत्यन्त भव्य और चित्ताकर्षक है। इस मूर्ति को करहैया निवासी स्वर्गीय पं० लेखराज जी ने 'बरैया विलास' मे श्री ऋषभनाथ नामांकित किया है किन्तु जैन समाज में उसकी प्रसिद्धि अभी भी श्री शान्तिनाथ के नाम से है इसलिये हमने प्रचलित नाम लिख देना ही उचित समझा है। अतिशय रमणीयता के कारण ही यह मूर्ति जनता के मनको हर लेने वाले देव याने 'मनहरदेव' के नाम से प्रसिद्ध है। इसके अतिरिक्त भ० चन्द्रप्रभु और श्री नेमिनाथ की दो विशाल मूर्तियां और हैं किन्तु आततायियों द्वारा उनका शिरोच्छेदन और हस्तविच्छेद किया जा चुका है। छोटी-छोटी अनेक मूर्तियां तो यहां खण्डहरों में बिखरी पड़ी हैं जो अतीत के गौरव को अपने अंचल में समेटे हुये हैं। सन् १९६७ में इस स्थान की १९ भव्य मूर्तियों के सिर मूर्ति चोरों ने कटवा दिये।

आस-पास जैनियों की बस्ती न होने के कारण यह क्षेत्र अभी तक उपेक्षित दशा में ही रहा। केवल करहैया ग्राम के थोड़े से जैन ही इस क्षेत्र की जिस तिस प्रकार रक्षा करते रहे। किन्तु कुछ समय से यहां भय और आतंक का ऐसा वातावरण छा गया कि ये लोग भी अब क्षेत्र की सुरक्षा करने में अपने आपको असमर्थ समझने लगे। फलतः इस सांगोपांग मूर्ति को

उन्होंने वहां से हटवाकर सोनागिर में माघ शुक्ला त्रयोदशी सं० २०२५ (३० जनवरी सन १९६९) को भट्टारक श्री चन्द्रभूषण जी की कोठी मे विधिवत स्थापित करवा दी है। इस तरह मूर्ति की सुरक्षा तो हो गई किन्तु मूलनायक प्रतिमा के अभाव में क्षेत्र वीरान हो गया।

यदि आज जैन समाज चाहे तो शेष दोनों मूर्तियों की रक्षा व्यवस्था करके क्षेत्र को कायम रख सकती है लेकिन यह बात अभी भविष्य के गर्भ मे निहित है।

क्षेत्र के मन्त्री सेठ श्री नाथूराम जैन डबरा और उपमन्त्री श्री मुन्नालाल जैन करहैया हैं।

श्री दि. जैन अतिशयक्षेत्र सिहोनिया (म.प्र.)

ग्वालियर से सिहोनिया क्षेत्र तक पहुँचने के लिये मुरैना मार्ग से जाना होता है। मुरेना से १९ मील दूर उत्तर की ओर यह क्षेत्र स्थित है। यह स्थल विस्तार से फैला हुआ है तथा जैन और हिन्दू संस्कृति का केन्द्र रहा है। पहिले यह नगर राजधानी था। सिहोनिया अत्यन्त रमणीय और प्राचीन क्षेत्र है। यहा पर खड्‌गासन मुद्रा मे श्री शान्तिनाथ तीर्थंकर की १६ फीट ऊंची प्रतिमा है, जो बड़ी भव्य और चित्ताकर्षक है। इनके दोनों ओर आजू-बाजू श्री चन्द्रप्रभु की ८-८ फीट ऊंची प्रतिमाएँ विराजमान हैं जिनके दर्शन करते ही हृदय गदगद हो जाता है और वहा से हटने का मन नही होता। भवाताप से तप्त भव्य प्राणियो को आज भी ये प्रतिमाऐ शान्ति का सन्देश देती हुई नजर आती है।

मूर्ति के उद्धार की घटना भी यहा दिलचस्पी से कही जाती है। अम्बाह निवासी ब्र० गुमानीलाल जी को एक टीले सहित इस मूर्ति का स्वप्न मे दर्शन हुआ। उन्होने जगह-जगह इसका जिक्र किया, पश्चात उस स्थान पर खुदाई कराई जहाँ यह मूर्ति दिखाई पड़ी और वहीं पर उसको स्थापित कराई।

एक-दो चमत्कारिक घटना भी इस क्षेत्र के साथ जुड़ी हुई है। कहते हैं क्षेत्र का प्रथम मेला श्री मोतीराम कुंजलाल करारी वालो ने बड़ी धूमधाम से कराया जिसमें लगभग २० हजार जन समुदाय एकत्रित हुआ। उन्होंने सबको प्रीतिभोज दिया किन्तु जल की विकट समस्या सामने आई। ग्राम के निकट जो नदी बहती थी- उससे गाडियों में कोठियों द्वारा जल लाया गया फिर भी विलम्ब होने के कारण जनता की पूर्ति न हो सकी। बड़ी परेशानी हुई। अन्त में ब्र० गुमानी लाल जी ने मूर्ति के समक्ष आकर प्रार्थना की 'हे प्रभु! पानी की बहुत कमी है, इस समय क्षेत्र की लाज रखना आपके हाथ है।' भक्ति से हृदय भर गया। तत्काल ही निकट की एक कुइया मे स्वयमेव पानी आ गया, तब किरमिच के परोहो द्वारा जल निकालकर उपस्थित जनता को सन्तुष्ट किया। इस घटना की सर्वत्र चर्चा हुई और सब लोग आश्चर्य चकित रह गये।

वहा की ग्रामवासी जनता श्री शान्तिनाथ भगवान को चेतनाथ बाबा के नाम से पूजती है। यहां तक कि जब कोई मनुष्य अथवा पशु बीमार पड़ जाता है तो लोग बोलारी बोलते हैं जिसके फलस्वरूप उसको तत्क्षण आराम हो जाता है।

जिन सज्जनों ने जैनबद्री मूलबद्री के दर्शन किये हैं उनका कहना है कि यह मूर्ति श्री १००८ बाहुबलि स्वामी सरीखी है, सिर्फ ऊचाई मे कम है। इनकी प्राचीनता वहा के शिलालेख मे उत्कीर्ण अस्पष्ट संवत् १४१ से प्रकट होती है। इतनी प्राचीन होने पर भी ऐसी मालूम पड़ती है मानो अभी स्थापित की गई है। क्षेत्र के चारो तरफ प्रचुर मात्रा मे जैन अभ्युदय भूगर्भ मे छिपा पड़ा है जिसको प्रकाश में लाने की बड़ी आवश्यकता है।

मन्दिर के चारो ओर परकोटा खिचा हुआ है। स्थान-स्थान पर कोठे और तिवारे बने हैं जिनमें यात्रियो को ठहरने के लिये सर्व सुविधाएँ उपलब्ध हैं। मार्ग मे जाते हुए एक उत्तुंग मानस्तम्भ भी दृष्टिगोचर होता है जिसे वहाँ की आम जनता भीम लाट के नाम से पुकारती है। किन्तु उसमें कोई प्रतिमा नहीं। सरकार द्वारा प्रदत्त पास ही पर्याप्त भूमि लगी है जिसमें काश्तकारी होती है। सिहोनिया कमेटी क्षेत्र की उन्नति मे तत्परता से कार्य कर रही है।

यहा से ३ मील दूर १० वीं शताब्दी का कछवाहा राजा कीर्तिराज का बनवाया हुआ 'ककनमठ' नामक शिव मंदिर है जिसकी मूर्ति कला अत्यन्त भव्य है। जनश्रुति है कि यह मंदिर कनकावती रानी की आज्ञा से बना था। इसमें पत्थर की बड़ी लटकती हुई परियां आज भी सजीव-सी दिखलाई पड़ती है। 'ककनमठ' के निकट ही राजा सूर्यपाल का निवासगृह था। कुष्ट रोग निवारण होने पर ग्वालियर दुर्ग मे 'सूर्यकुण्ड' इन्होंने ही बनवाया था जो आज भी विद्यमान है।

ग्राम के निकट नदी बहती है। पास ही हनुमान जी की मूर्ति सुशोभित है जो एक ही पत्थर से बनी हुई जाली की नक्कासी से चित्रित है। ऐसी महिमावंत मूर्ति समूचे भारत मे अन्यत्र दुर्लभ है। क्षेत्र की प्रबन्ध कमेटी के निम्न पदाधिकारी हैं.—

अध्यक्ष — श्री मोहनलाल जैन, लश्कर।

मन्त्री:—श्री महीपाल जैन 'साहुला' मुरेना।

कोषाध्यक्ष —श्री लच्छीराम जैन।

श्री दिग. जैन अतिशय क्षेत्र बरई (पनिहार)

आगरा-बम्बई रोड पर ग्वालियर से १४ मील दूर पनिहार नामक ग्राम है। यह स्थान मुख्य सड़क से आधा मील दूर है। पनिहार, ग्वालियर, शिवपुरी छोटी रेलवे लाइन पर स्टेशन भी है। पनिहार से १ मील दूर बरई नामक ग्राम है। पनिहार और बरई के बीच एक सुन्दर मनोरम पहाडी है, जिस पर ५ विशाल खड्गासन प्राचीन जिन-बिम्ब प्रतिष्ठित हैं।

इनमे से तीन जिनबिम्ब आठ-आठ फुट ऊंचाई के हैं तथा दो मूर्तियां छै, छै, फुट ऊंचाई की हैं। इन मूर्तियो की स्थापना के काल का तो सही अनुमान लगा नहीं सकते, परन्तु ऐसा प्रतीत होता है कि जिन दिनो ग्वालियर मे तोमर वंशीय डोंगरसिंह का राज्य था, ग्वालियर के किले के चारो ओर मूर्ति निर्माण और उत्खनन कार्य चल रहा था, सम्भवत: उसी काल मे सन १४२४ (सं० १४८१) मे इस पहाड़ी पर मनोज्ञ जिनबिम्बों की स्थापना की गई।

पनिहार में एक प्राचीन शिखर बद्ध जैन मन्दिर और एक भौंहरा भी है। मुख्य सड़क से पनिहार जाते समय ही रास्ते मे भौंहरा मिलता है। इस भौंहरे मे चंदेरी की प्रसिद्ध चौबीसी के समान ही चौबीसी प्रतिष्ठित है। मूर्तियां अत्यन्त मनोज्ञ एवं रंग बिरंगी हैं जो पद्मासन रूप में परम भव्यता लिये हुए हैं। इन २४ मूर्तियों में से दो मूर्तियां सुरक्षा की दृष्टि से प्यारेलाल जी का मन्दिर मामा का बाजार मे लाकर विराजमान कर दी गई हैं। धर्म प्रेमी स्वर्गीय श्री गप्पूलाल जी बाकलीवाल ने अत्यन्त श्रद्धा के साथ इस भौंहरे का जीर्णोद्धार करवाया जो अनुकरणीय है।

बरई ग्राम मे भी जैन मन्दिर है। बरई के आस-पास के जगल प्रचुर जैन पुरातत्व से भरे पडे है। जगह-जगह जैन मूर्तियो के भग्नावशेष दृष्टिगोचर होते है। नसियाँ जी रामकुई, लश्कर मे श्री शान्तिनाथ भगवान की २० फुट ऊंची खड्गासन मूर्ति की सुरक्षा की दृष्टि से बरई के जगलों से ही लाकर श्री बुधमल जी गंगवाल ने प्रतिष्ठित कराई है।

ये जिनबिम्ब जो सैकड़ो वर्षों से सुरक्षित थे और मानवीय संस्कृति की उदारता, कला के परम प्रतीक थे; आज घोर असुरक्षा के मध्य हैं। इस क्षेत्र के आस-पास नाम मात्र और केवल गिनती के जैनी रह गये है। बढ़ती हुई असुरक्षा और घटते हुये जीविकोपार्जन के साधनो ने उन्हे अपनी परम पूज्य तीर्थ भूमि छोडना पड़ा है। इससे यह क्षेत्र मूर्ति चोरों की क्रीडा का केन्द्र बन गया। अगस्त सन १९६६ को मूर्ति चोर इस स्थान की दो बडी मूर्ति का सिर अधकटा छोड गये, जिससे सम्पूर्ण समाज बहुत दु:खी है और इस प्रकार दुष्कर्म करने वालो को कडा दण्ड दिलाने हेतु प्रयत्नशील है किन्तु शासनिक सत्ता इस ओर सुप्त है। समाज को मूर्ति-सुरक्षा हेतु निरन्तर जागरूक रहना आवश्यक है।

कपूरचन्द्र बरैया

• • •

भारतीय जनगणना में जैन

एक निश्चित स्थान पर रहने वाले समस्त मनुष्यों की एक निश्चित तिथि या तारीख को गिनती करना और उनकी उम्र, पेशे, आय, लिंग आदि सम्बन्धित जानकारी प्राप्त करने को समष्टि रूप से जनगणना कहते हैं। जनगणना से किसी देश की जन-शक्ति, जन संख्या की वृद्धि और उस वृद्धि की दर आदि के सम्बन्ध मे जानकारी प्राप्त की जाती है। जनसख्या सम्बन्धी आकड़े, व्यवसायिक एव औद्योगिक विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, गृह निर्माण, मानव-कल्याण आदि योजनाओं के प्रारम्भ करने को तो आवश्यक है ही, परन्तु समाज की कुरीतियों को दूर करने, वैवाहिक आयु के निर्धारण, बाल-विवाह एवं वृद्ध-विवाह को रोकने, निर्धनता, पारिवारिक कलह, समाज की युवा पीढ़ी की समस्याओं को समझने और उनपर विचार करने के लिये भी अति आवश्यक हैं। हम कहा हैं और कितने हैं इसकी जानकारी हमें अपने समाज सुधार एव सगठन के कार्य मे भी विशेष सहायक सिद्ध होती है।

भारत में जनगणना का उल्लेखनीय प्रयास सन् १८७२ से प्रारम्भ हुआ। तब से प्रति दस वर्ष के बाद देश मे जनगणना की जाती है। धार्मिक आधार पर जनगणना का प्रारम्भ सन् १९३१ मे अंग्रेजी-शासन ने प्रारम्भ करवाया। इस प्रकार की सूचना को सन् १९५१ मे हुई स्वतन्त्र भारत की प्रथम जनगणना में महत्व नही दिया गया। पंचवर्षीय योजनाओं के हेतु अन्य अनेक तरह के आंकड़ों की आवश्यकता थी इसलिये सामाजिक व आर्थिक आंकड़ों पर अधिक जोर दिया गया।

जैन, भारतीय संघ के अभिन्न अंग हैं। इस देश की मिट्टी के कण-कण में उनका इतिहास छिपा है। धर्म के आधार पर वे कट्टर पंथी नहीं हैं। जैन धार्मिक सहिष्णुता के प्रतीक हैं। गुजरात, उत्तर-प्रदेश, दिल्ली आदि प्रदेशों मे अनेक ऐसे जैन परिवार हैं जिनमे बगैर किसी बाधा के वैष्णव-परिवारो मे शादी सम्बन्ध होते हैं। वर-वधू अपने इच्छित धर्म को मानते हुए परस्पर एक दूसरे के धर्मों के प्रति आदर भाव रखते, हुए अपना पारिवारिक जीवन व्यतीत करते हैं। जैनियो ने अपनी धार्मिक उदारता को सामान्य जीवन से सदैव व्यक्त किया है। राष्ट्रीय स्वतन्त्रता आदोलन और अन्य राजनैतिक एव आर्थिक क्षेत्रो मे जैनों ने महत्वपूर्ण योग दिया है। जैन आज दुनिया के अनेक देशो मे हैं। व्यवसाय हेतु जैन दक्षिण अफ्रिका, मारीसस, बर्मा, लंका, पाकिस्तान आदि देशों में बसे हुए हैं। उच्च शिक्षा हेतु ब्रिटेन. अमेरिका, जर्मनी, कनाडा, आदि देशों में गये हुए अनेक बन्धु ऊंची नौकरियों के कारण वहीं बस गये हैं। जैन अपने धार्मिक संस्कारों के कारण अधिक जागरूक रहते हैं। साम्प्रदायिकता उनके धार्मिक विचारों का आधार नही होती। भारत में जैन अनेक वर्गों और उपवर्गो में बटे हुए हैं। उनमें अनेक सामाजिक कुरीतिया जैसे परदा प्रथा, दहेज प्रथा, रात्रि भोजन, अशिक्षा और स्वार्थ, भौतिकवादी वृत्तियां जैसे संग्रहण वृत्ति, परस्पर कलह, खाओ, पिओ और मौज उड़ाओ जैसे दुर्गुण भी बढ़ रहे हैं। समाज अनेक जातियों और उप-जातियों में बट गया है।

जैन समाज अपने सामान्य श्रावक धर्म गुणों से जैसे दया भाव, प्रतिदिन मन्दिर जाना, व्रत-उपवास पानी छानकर पीना, रात्रि भोजन त्याग, प्याज, लेहसन, आटे, शहद आदि के त्याग से जाना जाता है। जैनियों के उत्सव बड़ी धूम-धाम से मनाये जाते हैं। जैन मुनियों

के विचरण एवं विहार से अन्य लोग जैन त्यागियों से परिचित होते है। परन्तु आज की व्यवस्था में सरकारी और गैर सरकारी नौकरी एक बड़ा उद्योग बन गया है। ग्रामीण क्षेत्रों के जैन शहरी क्षेत्रों में आ रहे हैं। नौकरी पेशे ने जैनियों को विकेन्द्रित करके उनके धार्मिक संस्कारो को शून्य जैसा कर दिया है। हमारा युवा विद्यार्थी वर्ग, बी० ए०, एम० ए०, एम० कॉम आदि उच्च परीक्षाएं पास कर वकील, डाक्टर, इन्जीनियर, प्रोफेसर बन रहे हैं परन्तु अनेकान्त, स्यादवाद जैसे जैन धर्म के सर्व व्यापी सिद्धान्तों को भी नहीं जानते। उनकी स्थिति ऐसी ही हैं कि जी रहे हैं केवल अपने लिये।

जैन समाज में अधिकांश लोग गरीब है, वे मध्यम वर्ग के हैं, और उनकी अपनी आर्थिक, पारिवारिक और सामाजिक समस्याएँ है जिस ओर समाज के नेता कभी विचार भी नही करने पाते। कुछ परिवारो की समृद्धि ने सम्पूर्ण समाज को दूसरे वर्गों की दृष्टि में समृद्ध बना दिया है। ऐसे मध्यवर्गीय परिवारों की स्थिति बडी सकट में है। सामान्य समाज तो समझता है कि जैनी धनवान होते हैं इसलिये उन्हें मदद का प्रश्न नहीं उठता और दूसरी ओर जिन धन्य श्रीमानो के कारण उन्हे ऐसा समझा जाता है, वे उनकी उल्लेखनीय मदद भी नही करते। मैसूर, महाराष्ट्र और तामिलनाडु में जैन बहुत गरीब हैं। मैसूर में तो कई जिलो मे वे पिछडी हुई जातियों की सूची मे हैं।

जैन समाज मे स्त्रियों की दशा अधिक अच्छी नहीं कही जा सकती है। कुछ पढ़ी लिखी महिलाओं को छोड़कर अन्य महिलाओं का सामान्य-ज्ञान बहुत सीमित होता है। समाज में आज भी परदा-प्रथा का चलन है। दहेज प्रथा ने तो महिलाओं की स्थिति को और भी दयनीय कर दिया है। हमारे अधिकांश पढ़े-लिखे नवयुवक और उनके माँ बाप शादी के मामलों में अत्यन्त लालची दिखलाई दे रहे हैं। दहेज प्रथा अस्वस्थ, असहिष्णु एवम् अमानवीय समाज का प्रतीक है। यह सभी को ज्ञात है कि जैन धर्म महिलाओं की धर्मनिष्ठा और श्रद्धा पर ही टिका हुआ है। महिलाओं को शिक्षित करना जहां पहली समस्या है वहां उन्हें धर्म निष्ट रखना दूसरी समस्या कही जा सकती है।

सन् १९६६ में लगाये गये अनुमान के अनुसार देश की जन संख्या ५० करोड़ से ऊपर है सन् १९६१ की जनगणना के अनुसार देश की जन संख्या ४३ करोड़ ९२ लाख थी इस जनगणना के अनुसार देश के प्रमुख देश के छः धर्मों के पालन कर्ता की जनसंख्या इस प्रकार थी:—

१. जैन	२० लाख
२. हिन्दू	३१ करोड़ ६५ लाख
३. मुसलमान ,	४ करोड़ ६५ लाख
४. ईसाई	१ करोड़ ७ लाख
५ सिख	७८ लाख
६. बौद्ध	३२ लाख

उपर्युक्त तालिका से यह स्पष्ट है कि जैन बहुत अल्प संख्या में हैं और सच्चे अर्थों में वे अल्प संख्यक हैं। मुसलमान इस देश का दूसरे नम्बर का बहु संख्यक वर्ग है परन्तु यह अत्यन्त दुर्भाग्य है कि उसमें अल्प सख्यक वर्ग माना जाता है।

सन् १९६१ की जनगणना में हिन्दुओं को छोड़कर शेष सभी धर्मावलम्बियों की सख्या में वृद्धि हुई है हिन्दुओं की सख्या के घटने का कारण महाराष्ट्र में हरिजनों द्वारा बड़ी संख्या में बौद्ध धर्म का अंगीकार किया जाना है। मुसलमानों की जन सख्या में वृद्धि का कारण पाकिस्तानियों द्वारा आसाम मे की घुसपैठ व परिवार नियोजन की अवहेलना है।

१९६१ की जनगणना के अनुसार भारतीय संघ के विभिन्न प्रदेशों मे जैनियों की संख्या इस प्रकार थी:—

१. आंध्र प्रदेश	९,०१२
२ आसाम	९,४६८
३. बिहार	१७,५९८
४. गुजरात	४ ०९,७५४
५. मध्यप्रदेश	२,४७,९२७
६. मद्रास	२८,३५०

७.	केरल	२,६६७
८.	महाराष्ट्र	४,८५,६७२
९.	मैसूर	१,७४,३६६
१०.	उड़ीसा	२,२६५
११.	पंजाब+हरियाणा	४६,७५४
१२.	राजस्थान	४,०६,४१७
१३.	पश्चिमी बगाल	१,२२,१०८
१४.	उत्तर प्रदेश	१,५५,५१५
१५.	जम्मू और काश्मीर	१,४२७
१६.	नागालैण्ड	२६३

केन्द्र प्रशासित क्षेत्र

देहली	२६,२६६
मणिपुर	२६,६४०
गोवा-दमन-ड्यू	६८
हिमाचल प्रदेश	६५
अंडमान निकोबार	३

ग्वालियर में जैनियों की संख्या

सन १९६१ की जनगणना अनुसार ग्वालियर जिले की गिर्द पिछोर और भांडेर तहसीलो मे कुल जनसख्या ६॥ लाख है जिसमे कुल जैन ६,४७५ हैं जिनमें ३,४०६ पुरुष और ३०६९ महिलायें हैं। कुल संख्या में से ५,५१२ शहरी क्षेत्र मे और शेष ९६३ ग्रामीण क्षेत्रो में बसते हैं। जैन कुल संख्या के केवल ·७३% हैं जब कि जिले में अन्य धर्मावलम्बियों मे ९२.३२% हिन्दू ७.५८% मुस्लिम हैं।

सन् १९६१ में श्री वर्द्धमान दिगम्बर जैन नवयुवक संघ द्वारा लश्कर, ग्वालियर और मुरार की गई जैन जनगणनानुसार जैनियों की संख्या केवल वृहत्तर ग्वालियर मे ही ७५७६ है।

देश में आगामी जनगणना सन् १९७१ मे होना है। प्रत्येक बन्धु को सचेत होकर अपने वर्ग, सरनेम आदि स्थान पर 'जैन' ही लिखवाना चाहिये तथा कर्मचारियो को पूर्ण और स्पष्ट जानकारी देना चाहिये। इस तरह दिगम्बर, श्वेताम्बर तेरापंथी, बीसपंथी, स्थानक वासी, समैया, खण्डेलवाल जैसवाल, बरैया, परवार, गोलापूर्व अग्रवाल आदि के स्थान पर 'जैन' शब्द को ही जनगणना पत्रक मे भरवाना चाहिए। ऐसा करने का उद्देश्य किसी भी तरह की संकुचित भावना के उद्देश्य नही बल्कि सही संख्या ज्ञात हो सकने के उद्देश्य से किया जाना चाहिये।

जैनियो की जनगणना के सम्बध मे अखिल भारतीय दि० जैन शास्त्री परिषद के मत्री श्री बाबूलाल जैन जमादार, १३९८ हाथी खाना, बड़ौत (मेरठ) पिछले ५ वर्षो से कार्य कर रहे हैं। उनके अनुसार भारत मे जैन धर्मावलम्बी कम से कम एक करोड़ हैं। उन्होने ५० लाख तक की गणना कर ली है उनके इस कार्य मे योग देने के लिए भी जनगणना के समय प्रत्येक बन्धु को सजग रहना चाहिए।

समाज के नवयुवक को रुचि पूर्वक नगरीय और जिला स्तर पर अपनी जनगणना करना चाहिए। इस संबध मे नगरीय स्तर पर इन्दौर जैन-जन संख्या पुस्तिका तथा दिल्ली जैन डायरेक्टरी में किया गया कार्य प्रशसनीय है।

प्रो० एन० एल० जैन
आनन्द-भवन
फालके का बाजार, लश्कर

दशलक्षण पर्व के दिनों में
मध्यप्रदेश सरकार द्वारा जैनों की दी गई सुविधा

मध्यप्रदेश सरकार द्वारा दिगम्बर व श्वेताम्बर जैन सरकारी कर्मचारियों को धर्म पालन हेतु दी जाने वाली सुविधाएं :—

अनेक जैन बन्धुओं को दशलक्षण पर्व मे दर्शन, पूजन, व्रत-उपवास, धर्म-ध्यान, शास्त्र-पठन एवं श्रवण मे अनेक कठिनाइयां होती है। परन्तु वे इस विषय मे जानकारी प्राप्त करने का प्रयत्न ही नही करते हैं कि उस सम्बन्ध मे उन्हें कुछ अनुकूल सुविधाएँ उपलब्ध है। इनमे सबसे महत्व पूर्ण सुविधा यह है कि श्वेताम्बर जैन सरकारी कर्मचारी दशलक्षण पर्व के दिनो मे प्रतिवर्ष भादो बदी १२ से भादो सुदी ५ तक और दिगम्बर जैन सरकारी कर्मचारी भादो सुदी ५ से भादो सुदी १५ तक अपने कार्यालयो मे १२ बजे तक पहुच सकते हैं। इस सुविधा का उपयोग सभी सरकारी कर्मचारियो डाक्टर, प्रोफेसर, जज, लेक्चरार, शिक्षक, क्लर्क सभी बधुओं को धर्म लाभ हेतु करना चाहिये। यह परिपत्र आज भी पूर्ण रूप से क्रियाशील है जिसकी पुष्टि मध्य-प्रदेश सरकार जनरल एडमिनिस्ट्रेशन डिपार्टमेंट ने अपने मेमोरेंडम न० ५४०८—६६४६—१ (३) Dated the 27th Aug. 1967 मे की है।

सामान्य प्रशासन विभाग के मेमो० न० 3425—973/1 (IV)14-8-63 के पत्र की मूल रूप इस प्रकार है:-

GOVERNMENT OF MADHYA PRADESH,
GENERAL ADMINISTRATION DEPARTMENT,

Memo No. 3425-973-I (IV) Dated, Bhopal the 23rd Srvn 1885 14th August 1963.

To

All Departments of Government,
The President Board of Revenue M. P. Gwalior,
All Commissioners of Divisions,
All Heads of Departments, and
All Collectors of Madhya Pradesh.

Subject:—Grant of concession to Jain employees under Govt. to attend office late in the month of Bhadra Pad every year for the religious observances.

In partial modification of General Administration Deptt's Momo. No. 5408-6694-I (III) dated 27th Aug., 1957, read with further clarification issued vide G. A. D. Memo No. 1306-1428 I (IV) '62, dated the 12th March '63' Government are pleased to grant permission as given below to officials by 12 Noon in the month of Bhadra Pad every year to enable them to perform certain religious observances:—

A	Shwetambar Jains	Bhadra Badi 12 to Bhadra Suda 5
B	Digambar Jains	Bhadra Suda 5 to Bhadra Suda 15

This concession however be sujbect to the conditions that state of work permits and the officials undertake to keep the work to date.

By order and in the name of the
Governor of Madhya Pradesh.
Sd/- S. N Rao
Under Secretary to Government.
Madhya Pradesh,
General Administration Department.

केंद्रीय सरकार द्वारा सरकारी जैन कर्मचारियों को सर्दी के दिनों में सूर्यास्त के पूर्व भोजन करने हेतु दी जाने वाली सुविधाएँ

इस सुविधा के अनुसार जैन कर्मचारी ठंड के दिनो में नवम्बर, दिसम्बर और जनवरी के महिनों में जब दिन छोटे होते हैं और सूर्य प्रकाश दफ्तर से घर पहुंचते-पहुंचते समाप्त होने लगता है तो दिन में ही भोजन करने वाले कर्मचारियो को बड़ी असुविधा होती है। इसलिये जैनियो को इन दिनों में दफ्तरो से आधा घटा पहिले आने की सुविधा है। अतः सर्विस कर रहे जैन व्यक्तियो को चाहिये कि उनका लाभ उठाकर धर्म सेवन करें।

CONCESSION IN TIME FOR JAIN COMMUNITY

"The Govt. of India, Ministry of Home Affairs have decided that members belonging to the Jain community, may, on their request, be allowed to leave office half an hour earlier than the usual closing time during the months of November, December and January in order to enable them to reach home in time to take their meds before sunset subject to the condition that they come to office half an hour earlier in the morning"

(Government of India, Ministry of Home Affairs, office memorandum No. 65-10/47- Public (B), dated the 9th December 1947 received under Auditor General's endorsement No. 58-NGE/480-47 dated the 10th January 1948)

(Paragraph—2 under Note—"Manual of office Procedure'—A. G. M. P. Gwalior) 1961.

सम्प्रदाय वार सूची

खण्डेलवाल जैन समाज, लश्कर

निर्देशिका क्रम	प्रमुख का नाम	सदस्य संख्या	क्रम	प्रमुख का नाम	सदस्य संख्या	क्रम	प्रमुख का नाम	सदस्य संख्या
कम्पू रोड लश्कर:—			**दानाओली:—**			२५९	श्री त्रिलोकचन्द	२०
१६	श्री राजेन्द्रकुमार	२	२०४	श्री गुलाबचन्द	८	२६०	श्री सुरेन्द्रकुमार	६
माधवगंज:—			२०५	श्री कस्तूरचन्द	२	२६१	श्री मोतीलाल	२
२१	श्री महेशचन्द	३	२०६	श्री मोतीलाल	६	२६३	श्री मोतीलाल	३
२३	श्री मूलचन्द	७	२०७	श्री महेन्द्रकुमार	१२	२६६	श्री गोपीचन्द	७
७३	श्री रतनचन्द	७	२०८	श्री नारायणदास	१०	२६७	श्री विमलकुमार	१०
७७	श्री सुगनचन्द	१२	२१२	श्री देवेन्द्रकुमार	२	२६८	श्री सागरचन्द	२८
७८	श्री लखमीचन्द	२	२१३	,, चेतनमल	२	२६९	श्री मानिकचन्द	१०
७९	श्री हुकमचन्द	१०	२१४	श्रीमती कोकाबाई	१	२७५	,, उत्तमचन्द	६
८०	श्री कोशलचन्द	८	२१९	,, शिखरचन्द	४	२७८	श्री हीरालाल	९
८१	श्री पूनमचन्द	५	२२०	,, तेजनारायण	६	२७९	,, जगमोहन	२
८२	श्री नाथूलाल	७	२२२	,, मनोहरलाल	४	२८०	श्री कपूरचन्द	१०
८३	श्री पन्नालाल	३	२२६	,, फूलचन्द	२	२८१	श्रीमती रत्नोबाई	१
९२	श्री प्यारेलाल	८	२२७	,, कन्हैयालाल	६	२८४	श्री शीतल प्रसाद	५
९३	श्री फूलचन्द	२२	२३१	श्री मोतीलाल	११	२८५	,, नेमीचन्द	९
९७	श्री बिन्दूलाल	९	२३२	,, बाबूलाल	९	२८६	,, गुलाबचन्द	२
९८	श्री पन्नालाल	८	२३४	,, गोपीलाल	९	२९०	, मानकचन्द	४
९९	श्री बाबूलाल	३	२३५	श्री मानकचन्द	५	२९२	,, कस्तूरचन्द	५
१०८	श्री मिलापचन्द	१०	२३६	श्री मोतीलाल	३	२९३	, लखमीचन्द	१
४६९	,, पन्नालाल	५	२४२	श्री सन्तलाल	१४	२९४	,, सौभाग्यमल	१७
चिटनीस की गोठ:—			२४८	श्री बसन्तलाल	९	२९५	,, केशरीमल	९
			२५०	श्री चांदमल	४	२९७	,, सुगनचन्द	११
१३१	श्री मिलापचन्द	१०	२५१	श्री मानिकचन्द	८	३०४	, प्रकाशचन्द	६
१३२	श्री गुलाबचन्द	१	२५२	श्री पूरनचन्द	५	३०७	,, सोभागमल	५
जनकगंज:—			२५३	श्री सुमेरचन्द	७	३०८	प्रो. लालचन्द	९
१५९	श्री रमेशचन्द	२		श्री हस्तीमल	३	३०९	श्री फूलचन्द	६
१८८	श्री धूरंचन्द	११		,, चांदमल	३	३१०	,, चिरोंजीलाल	६
१९५	श्री यादवचंद	२		,, कमलचन्द	२	३११	,, मोतीलाल	५
२००	श्री मथुरादास	४	२५८	श्री ज्ञानचन्द	७	३१२	,, सौभाग्यमल	६

३२१ ,, सुरेन्द्रकुमार ७
३२२ ,, रामूलाल १
३४० ,, भँवरलाल २
३४१ ,, धीयमल ४
३४२ ,, चिरंजीलाल १०
३४३ ,, शान्तीचन्द्र ३
३५६ ,, पारसमल ४
३६१ ,, ज्ञानचन्द ३
३६२ ,, कल्याणमल १०

गहत का ताजिया:—

३६७ श्री मिश्रीलाल ३
३६८ ,, सूरजमल ५
३६९ ,, शान्तीचन्द ५
३७१ ,, भानुकुमार ३
३७५ ,, कपूरचन्द ५
३७६ श्रीमती चिरोंजीबाई १
३७७ श्री उत्तमचन्द १
३८८ ,, सौभाग्यमल ६
३८९ ,, कपूरचन्द ३

ढोंडवालामोली:—

३९१ श्री विमलचन्द १८
३९४ ,, मोतीलाल २
३९५ ,, जयकुमार ६
४०४ ,, रूपचन्द १०

कसेरापोली:—

४०७ श्री फतेहचन्द ९
४०८ ,, प्रकाशचन्द ३
४०९ श्रीमती कस्तूरीबाई १
४१० श्री शान्तीचन्द ९
४११ प्रो० शान्तीचन्द १०
४१८ श्री कन्हैयालाल ४
४१९ ,, इन्दरचन्द ७
४२० ,, फूलचन्द १
४२१ श्रीमती अंगूरीदेवी ३
४२३ श्रीमती केशरबाई १

४२४ श्री दीपचन्द ९
४२५ ,, अमोलकचन्द ८
४२६ ,, कन्हैयालाल २
४२७ ,, मदनलाल २
४२८ ,, भीषमचन्द ४

मनीराम का बाड़ा:—

४३२ ,, मदनलाल २
४३३ ,, कैलाशचन्द ९
४३४ ,, उम्मेदीलाल २८
४३५ ,, चिरोंजीलाल ५
४३६ ,, गेंदालाल १
४४५ ,, मोतीलाल ५
४४६ ,, गनेशीलाल १

सराफा बाजार:—

४६६ ,, मानकचन्द ४
४७० ,, पवनकुमार ७
४७१ श्रीमती गुलाबदेवी १
४७७ ,, विमलचन्द वैद्य ९
७११ ,, भंवरलाल ३
७१२ ,, रिखबचन्द्र ७
७१५ ,, तेजकुमार ९
७१६ ,, सोभागमल ६
४७८ ,, प्रकाशचन्द १५
४७९ श्री मानिकचन्द ११
४८० ,, निरन्जनलाल ७
४८१ ,, गुलाबचन्द ९
४८२ श्रीमती सरस्वतीबाई १
४८३ श्री सूरजमल १
४८५ ,, भजनलाल २
४९२ ,, गुलाबचन्द ६

नई सड़क:—

५०३ श्री बुद्धमल गगवाल १२
५०४ ,, सरदारमल ६
५०५ ,, गुलाबचन्द १
श्रीमती मोहरी १
५११ ,, अशोककुमार १

दौलतगंज:—

५२१ श्री राजेन्द्रकुमार ७
५२२ श्रीमती लौजाबाई १
५२३ श्री धर्मचन्द १९
श्रीमती गुलाबचन्द १
५२४ श्री ताराचन्द ५
५२५ ,, मुन्नालाल ७
५२६ ,, राजमल १२
५२७ ,, मदनलाल ६
५३२ ,, मांगीलाल ९
५३३ ,, बाबूलाल ७
५३४ ,, फूलचन्द १०
५३५ ,, बाबूलाल ५
५३६ ,, बाबूलाल ९
७२२ ,, सन्तोषकुमार ७
५३९ ,, मदनलाल ४

नया बाजार:—

५४८ ,, हुकमचन्द ८
५४९ ,, रूपचन्द ७
५५० ,, गोपालदास ४
५५४ ,, हुकमचन्द ३
५७१ ,, उत्तमचन्द ७

शिन्दे की छावनी:—

६६९ ,, जगदीश १
६७० ,, सुमतकुमार ७
६७१ ,, प्रकाशचन्द ८
६७२ ,, देवेन्द्रकुमार ६
६७३ ,, कमलचन्द ५
६७४ ,, सुरेन्द्रकुमार ९

ग्वालियर:—

७९२ ,, राजेन्द्रकुमार ७

मुरार:—

८५५ ,, केशरीमल १७
९३६ ,, गनेशीलाल १८

● ● ●

बरैया जैन समाज, लश्कर

गुड़ी-गुड़ा का नाका :—

१ श्री बद्रीप्रसाद ५
२ ,, बद्रीप्रसाद १०
३ ,, चुन्नीलाल ४
४ ,, गुलाबचन्द ८

कम्पू रोड

१३ ,, प्रभूदयाल ३

सिकन्दर कम्पू

१८ ,, सांवलदास ७
१९ ,, प्यारेलाल १
२० ,, चोखेलाल ४

हेमसिंह की परेड़

२४ ,, देवीलाल ६
२५ ,, बाबूलाल १०
२६ ,, राजमलाल ७
२७ ,, बाबूलाल ६
२८ ,, शोभाराम ७

मामा का बाजार

३० ,, हरविलास ४
३१ विसनस्वरूप ५
३२ ,, दीनदयाल ८
३३ ,, सन्तोषीलाल ७
३४ ,, रमेशचन्द २
३५ ,, राधेश्याम ४
३६ ,, भगवानलाल ६
३७ ,, धर्मप्रसाद ६
३८ ,, नेकसीराम १
३९ ,, भानुकुमार ६
४० ,, रत्तीराम ५
४१ ,, ज्ञानचन्द ३
४२ श्री गयाप्रसाद ५
४३ ,, गंगाराम ११
४४ ,, परमानन्द २
४५ ,, रामसनेहीलाल ४
४६ ,, रामकिशन ६
४७ ,, मन्नालाल ७
४८ ,, अमरचन्द ७
४९ ,, रामचरणलाल ७
५० ,, स्वरूपचन्द १०
५१ ,, हरविलास ५
५२ ,, चेतराम २०
५४ ,, देवचन्द १२
५५ ,, मदनलाल ४
५६ ,, बालचन्द ५
५७ ,, पतराम १२
५८ ,, देवीलाल ९
५९ ,, असरफीलाल ५
६० ,, रामस्वरूप ३
६१ ,, बाबूलाल ७
६२ ,, बाबूलाल ३
६२ ,, देवचन्द १४
६३ ,, लालचन्द ५
६४ ,, मट्टूलाल २
६५ ,, मुन्नालाल ४
६६ ,, प्रेमकुमार ३

माधवगंज

६८ ,, शीतलप्रसाद ६
७४ ,, मोहनलाल ४
७५ ,, भगवतीप्रसाद ६
७६ ,, बाबूलाल २
८४ ,, उत्तमचन्द ३
८५ ,, मांगीलाल ७
८९ ,, केदारनाथ ९
९० ,, इन्द्रसेन २
९१ ,, बाबूलाल ९
९४ ,, मक्खनलाल ६
९५ ,, छोटेलाल ४
१०० श्रीमती रुक्मोबाई २
१०१ श्री बलराम ७
१०९ ,, नत्थूलाल २
११० ,, फूलचन्द ७
१११ ,, बाबूलाल ११
११२ ,, छम्मनलाल ४
११५ ,, सम्पतलाल ७
११६ ,, बदामीलाल ६

कमाठीपुरा माधवगंज

११८ ,, कपूरचन्द २
१२१ ,, कमलचन्द २
१२२ ,, धर्मचन्द ५
१२३ ,, शंकरलाल ७
१२४ ,, द्वारकाप्रसाद ६

बापू डण्डी की गोठ

१२५ ,, उत्तमचन्द ३
१२६ ,, जगन्नाथप्रसाद ७
१२७ ,, पन्नालाल ७
१२८ ,, छोटेलाल ८
१२९ ,, रघुनाथप्रसाद १

चिटनीश गोठ

१३६ ,, मूलचन्द ६
१३७ ,, फतेहचन्द

बालाबाई का बाजार

१४३ ,, चिरोंजीलाल २
१४४ ,, भीकाराम ७
१४६ ,, चिरोंजीलाल ६
१५४ ,, पंचमलाल १

खासगी बाजार

१६० ,, सुमहूरीलाल ६
१६१ ,, भगवानलाल ३

डोलीबुआ का पुल

१६४ ,, बाबूलाल ८
१६६ ,, फूलचन्द ५

छत्री बाजार

१६७ ,, रामदयाल १
१६८ ,, नेमीचन्द २
१६९ ,, नेमीचन्द ७
१७० ,, मुरारीलाल ४
१७१ ,, पदमचन्द ३
१७३ ,, महावीरप्रसाद ४
१८१ ,, चोखेलाल ५

जनकगंज

१८३ ,, चिरोंजीलाल ३
१८४ ,, चन्द्रसेन १६
१८५ ,, रतनलाल २
१८७ ,, रतनलाल १
श्री मांगीलाल २
,, भीमीराम ८
,, चिन्टूराम १
,, शान्तीलाल ५
,, बालचन्द ३

भाऊ का बाजार

१९१ ,, सुरेन्द्रकुमार ७
१९७ ,, श्रीमती सोनाबाई ३
१९८ ,, श्री गुलाबचन्द्र १
१९९ ,, मटट्रूलाल ७

दानाओली

२१० ,, ताराचन्द १०
२४१ ,, फूलचन्द ५
२६५ ,, पूरनचन्द ६
२७० ,, गोपीलाल ३
२८२ ,, नेमीचन्द ७
२९६ ,, नेमीचन्द ८
३०० ,, रामदयाल ६
३०१ ,, अमरचन्द ७
३०२ श्रीमती सरस्वतीबाई १
३०३ श्री नत्थीलाल ५
३१३ ,, महावीरप्रसाद ३
३१४ ,, नेमीचन्द ४
३१५ ,, रमेशचन्द ८
३१७ ,, मुन्नालाल ११
३१८ ,, बसन्तकुमार २
३१९ ,, पूरनचन्द ७
३२० ,, रामजीत ७
३३० ,, सुगनचन्द ५
३३७ ,, किशनलाल ८
३३८ ,, जोहरीलाल ५
३४४ ,, हजारीलाल १
३४५ ,, मोहनलाल ५
३४७ ,, ताराचन्द १
३४८ ,, बिहारीलाल ५
३५१ ,, मक्खनलाल ४
३६३ ,, नाथूलाल २
३६४ ,, फूलचन्द ६
३६५ ,, मुरारीलाल ११

गस्त का ताजिया

३७३ ,, भगवानदास ६
३७४ ,, हीरालाल ८
३७८ ,, भरोसीलाल ३
३७९ ,, रामचन्द ७
३८० ,, लक्ष्मूराम ४
३८१ ,, फूलचन्द ४
३८२ श्रीमती बेटीबाई १
३८३ श्री रामसिंह ६
३८४ ,, रतनलाल ६
३८५ ,, ख्यालीराम २
३९० ,, बाबूलाल ३
४०० ,, लक्ष्मूराम ३
४०१ ,, कुन्दीलाल ५

कसेरा ओली

४१२ श्रीमती लीलोबाई २
४१४ श्री कपूरचन्द ५
४१५ ,, गुलाबचन्द ६
४१६ श्रीमती सुमित्रादेवी १
४२२ श्री भजनलाल १०
श्री लालाराम ४
४२६ श्री प्रेमचन्द २
४३१ ,, लालमन ५

मनीराम का बाड़ा

४३७ श्री भागीरथप्रसाद ६
४३८ श्री महेशचन्द ३
४३९ श्री सन्तोषीलाल ५
४४० श्री खेरातीलाल १
४४८ प० लक्ष्मूराम १
४४९ श्री चन्द्रसेन ७
४५० श्री बुन्दीमल १०
४५२ श्री मुन्नालाल ३
गुलाबचन्द ७

घोसी बाड़ा

४५४ श्री रामचरनलाल ९
४५५ श्री पूरनचन्द ३
४५६ श्री सुगनचन्द ५
४५७ श्री बेनीलाल २
४५८ श्री मगलचन्द ७

पारख जी का बाड़ा

४६७ श्री प्रतापचन्द २
४६८ श्री हीरालाल ४
४६९ श्री पन्नालाल ८
७१० श्री कासीराम ७
७१३ श्री प्रेमचन्द १

दौलतगंज

५१७ श्री धर्मचन्द ६
५२८ श्री भरोसीलाल ७
५२९ श्री सालिगराम ३
५३७ श्री मक्खनलाल ६
५४२ श्री श्यामलाल ५
श्री हेमराज १०

नयाबाजार

५५६ श्री रामचरनलाल ४
५६२ श्री मक्खनलाल १
५६५ श्री चम्पालाल ७

दाल बाजार

,, द्वारकाप्रसाद ३
,, गुलाबचन्द ३
,, ताराचन्द ५

इन्दरगंज

५९७ श्री हजारीलाल १०
५९८ श्री महाचन्द १०
५९९ श्री बाबूलाल १२
६०० श्री प्यारेलाल १७
६०७ श्री रामश्याम ४
६०९ श्री ज्ञानचन्द ६
६१३ श्री सुमनचन्द ११
६१४ श्री विमीचन्द ५
६१५ श्री सुन्दरलाल ३
६१६ श्री द्वारकाप्रसाद ४

जिसीनाला हाईकोर्ट

६२४ श्रीमती चम्पाबाई १
६२५ श्री सूरजमल १७
६२६ श्री बाबूलाल १०
६२७ श्री कामताप्रसाद ६
६२८ श्री कैलाशचन्द ४
६२९ श्री रोशनलाल ४
६३० श्री लालचन्द ३
६३१ श्री मुकन्दीलाल ३
६३२ श्री शिवकुमार २
६३३ श्री मोहनलाल १७

शिंदे की छावनी

६५१ श्री शकरलाल ६
६५२ श्री केशरीमल ७
६५३ श्रीमती अंगूरीबाई ३
६५५ श्री दर्शनलाल ६
६५६ श्री बाबूलाल ६
६५७ श्रीमती जमनाबाई १
६५८ श्री चिरोंजीलाल १५
६५९ श्री जनसुन्दरलाल १०
६६० श्री नवलकिशोर ५
६६१ श्री कासीराम ६
६६२ श्री आलीराम ६
६६३ श्री जनपतलाल ८
६६४ श्री हरलाल ७
६८६ श्री भगवानलाल ७
६९० श्री ओमचन्द ३
,, मुरारीलाल ६
,, मुन्नीलाल ६
,, बालचन्द १
,, प्रकाशचन्द ६
,, देवेन्द्रकुमार ६
,, दीपचन्द ६

फालका बाजार

६९६ श्री प्रकाशचन्द ६
६९७ श्री हजारीलाल ३

माधवगंज

७१८ श्री बुद्धामल ४
७१९ श्री पंचमलाल ५
७२० केशरीमल ५
७२१ श्रीमती पुनियाबाई १
,, नरबदीबाई १
श्रीमती बिन्नोबाई १

ग्वालियर

७८२ श्री मोतीलाल १
७८३ श्री दुर्गाप्रसाद ११

कृपया शासकीय जनगणना (१९७१) में अपने नाम के आगे सिर्फ "जैन" ही लिखवाईयेगा। खन्डेलवाल, ओसवाल, बरैया, अग्रवाल आदि लिखवाने से जैनों की वास्तविक जनसंख्या ज्ञात नही हो सकती इससे उनका प्रतिशत अन्य जातियों से बहुत ही कम निकलता है।

जैसवाल जैन समाज

तिलक नगर लश्कर:—

६	श्री विजयकुमार	४
७	श्री जिनेन्द्रकुमार	८
८	श्री वीरेन्द्रकुमार	५
९	श्री रमेशचन्द	३

माधव गंज

२९	श्री चांदमल	६
६७	श्री मुन्नीलाल	७
८६	श्री लक्ष्मीनारायण	५
८७	श्री नेमीचन्द	११
१०३	श्री राजाराम	६
१०४	श्री रामचरनलाल	५
११३	श्री गुलाबचन्द	८
१३०	,, प्रेमचन्द	८
१६५	श्री सतेन्द्रनाथ	३

छत्री बाजार

१७४	श्री प्यारेलाल	११
१७५	श्री सुगनचन्द	४
१८०	श्री नेमीचन्द	२

जनकगंज

१८६	श्री श्रीचन्द	८

दानाओली

२१५	श्री राजकुमार	७
२१६	श्रीमती ओछीबाई	१
२१७	श्री श्यामलाल	१
२१८	नेमीचन्द	७
२२१	डा० बाबूलाल	६
२२८	श्री रामचरण	८
२२९	श्री मुन्नालाल	५
२३०	श्री नत्थीलाल	६
२३३	,, फूलचन्द	१
२३७	श्री रामस्वरूप	४
२३९	श्री बद्रीप्रसाद	९
२४०	श्री लक्ष्मणदास	६
२४५	श्री रामस्वरूप	७
२४६	श्री हुकमचन्द	११
२४९	श्री मांगीलाल	८
२५४	श्री श्रीपत	१५
२५५	श्री रामदयाल	६
२५६	श्री खेमचन्द	१
२५७	,, नेमीचन्द	६
२६४	श्री स्वरूपचन्द	५
२७१	श्री लक्ष्मीनारायण	६
२७२	श्री गप्पूलाल घी वाले	११
२७३	श्री नेमीचन्द	७
२७४	श्री श्रवणलाल	५
२८३	श्री पूरनचन्द	३
२९८	श्री प्रेमचन्द	४
३०६	श्री तोताराम	२
३२३	श्री मोतीलाल	१०
३२४	श्री शिखरचन्द	५
३२५	श्री गिरधारीलाल	८
३२६	श्री बाबूलाल	९
३२७	श्री पंचाराम	२४
३२८	श्री राजकुमार	२
३३२	श्री छोटेलाल	६
३३३	श्री ज्ञानचन्द	४
३३६	श्री महेशचन्द	२५
३३९	,, सुनहरीलाल	७
३४६	,, मंगलचन्द	१०
३५०	,, पूरनचन्द	३
३५२	,, सुरेशकुमार	६
३५३	,, रामचरणलाल	२
३५४	,, मांगीलाल	२

गस्त का ताजिया

३८६	,, बलभद्रप्रसाद	३
४०२	,, छोटेलाल	२

मोची ओली

४०६	,, लक्ष्मीचन्द	१९

कसेरा ओली

४३०	श्री कैलाशचन्द	२

मनीराम का बाड़ा

४४३	,, नत्थीलाल	६
४४४	,, वीरेन्द्रकुमार	२
४४७	,, ज्ञानचन्द	२
४५३	,, लालचन्द	८

घोसी बाड़ा

४५९	,, श्यामलाल	३
४६०	,, शंकरलाल	८
४६१	,, फूलचन्द	८
४६२	,, छोटेलाल	३
४६३	,, मानिकलाल	४

दौलतगंज

५१२ „ सुरेन्द्रकुमार २
५१३ „ भगवानदास ६
५१४ „ सीताराम ८
५३० „ जमनादास ६
५३१ „ दाताराम ५
५४० „ रोशनलाल १४
५४१ „ मूलचन्द ६

नया बाजार

५७४ „ पवनकुमार १
५७५ „ प्रयागनारायण १
५७६ „ महेशचन्द १
५७९ „ डा० ज्ञानप्रकाश ४

इन्दर गंज

६०३ „ कस्तोमल १२
६०४ „ भागचन्द ५
६०५ „ भोगीराम ९
६०६ „ जवाहरमल ४
६१२ „ कैलाशचन्द १
६२० „ दुर्गेशकुमार ५

जिन्सी नाला

६३४ „ प्रो० अमरचन्द ५

शिन्दे की छावनी

६३९ श्री ग्यासीलाल ३
६४० „ राजेन्द्रप्रसाद ३
६४१ „ गोविन्दीलाल १०
६४२ „ बाबूलाल ५
६४३ „ नरेशचन्द ६
६४४ „ बंगालीबाबू ७
६४४ „ शंकरलाल ११
६४५ „ छोटेलाल ९
६४८ „ गोपीलाल ९
६४९ „ चिरोंजीलाल ११
६५० „ पोथीराम २
६६८ „ राजाराम ५
६७५ „ करणसिंह ११
६७९ „ ग्यासीलाल ९
६८३ „ रामनाथ ५
६८४ „ रामप्रसाद ४
„ राधेलाल ७

स्टेशन रोड़

६८६ „ गनपतलाल १७
६८७ „ जवाहरलाल ९

पाटनकर बाजार

६९३ „ हरीशचन्द ६
७०१ पं० त्रिलोकचन्द ६
७०२ श्री रवीन्द्रमालव ३
७०३ „ फूलचन्द १५

जरी पटका

७०५ „ मोहनलाल १२
७०६ „ बाबूलाल ४
७०७ „ ग्यासीराम ८

कमलसिंह का बाग

७०९ डा० जवाहरलाल ११

सराफा बाजार

७१४ „ वीरेन्द्रकुमार ५
७१७ „ पारसमल मंत्री ४

छत्री बाजार

६८५ „ नेमीचन्द ५

ग्वालियर

मोहल्ला लश्कारराम

७२४ „ गोपीचन्द ६
७२५ „ नत्थीलाल ३
७२६ „ बलवन्तराम ४

लोहा मन्डी

७२९ „ शंकरलाल ७
७३० „ लज्जाराम १०
७३१ „ ग्यासीराम ३
७३२ „ नन्दकिशोर ४
७३३ „ जीवाराम ८
७३४ „ श्रीचन्द ११
७३५ „ प्यारेलाल १
७३६ „ नेमीचन्द ९
७३७ „ हरीशचन्द ८
७३९ „ मंगलचन्द ११
७३९ „ मूलचन्द ९
७४० „ झींगुरीमल १०
७४१ „ सुखलाल ७
७४२ „ नेमीचन्द ६
७४३ „ हजारीलाल ३
७४४ „ आनन्दीलाल १०
७४५ „ ओछेलाल १
७४६ „ नन्दकिशोर ८
७४७ „ तुलसीराम ३
७५३ „ भजनलाल ७
७५४ „ रामचन्द्र ५
७५५ „ हीरालाल ८

कोटा वाला मोहल्ला

७५६ „ बिहारीलाल १०
७५९ „ मलहरीलाल २

गंज

७६१ „ चोखेलाल ८
७६२ „ भोगीराम ८
७६३ „ फूलचन्द ७
७६४ „ चन्दनलाल ६
७६५ „ ज्ञानचन्द ७
७६६ „ मूलचन्द ३
७६७ „ अयुध्याप्रसाद ६
७७१ „ सुरेन्द्रकुमार ४

ग्वालियर

७९३	श्री	किशनलाल	५
७९४	"	बल्देवप्रसाद	१०
७९५	"	गेंदालाल	१
७९६	"	रामबाबू	६
७९७	"	सुनहरीलाल	४
७९८	"	उग्रसेन	४
८०४	"	नन्हेलाल	३
८०५	"	कन्छमलाल	९
८०६	"	हरदयाल	१४
८१६	"	प्रभुदयाल	११

ठाठीपुर कालोनी मुरार

८१९	श्री	जगदीशचन्द	४
८२०	"	चन्द्रशेखर जैन	४
८२५	"	आर. एस. जैन	५
८२६	"	नत्थीलाल	६

सदर बाजार:—

८२८	श्री	गोकलचन्द	७
८२९	"	कालीचरन	७
८३०	"	बिहारीलाल	८
८३१	"	मदनमलाल	७
८३२	"	गुलजारीलाल	९

चिक सन्तर

८३३	श्री	सीताराम	१९
८३४	"	दुलेराम	२
८३५	"	ज्ञानचन्द	६
८३६	"	प्रेमचन्द	३
८३७	"	दाताराम	७
८३८	"	बन्शीधर	७
८३९	"	राजाराम	९
८४०	"	प्यारेलाल	९
८४१	"	कन्हैयालाल	४
८४२	"	मुरलीधर	८
८४३	"	बालमुकुन्द	१२
८४४	"	कल्लूमल	८
८४५	श्री	जगन्नाथप्रसाद	२१
८४६	"	शोभाराम	६
८४७	"	सुमतचन्द	४
८४८	"	बाबूलाल	७
८४९		किशोरीलाल	१२
८५०	"	छोतरमल	३
८५१		शकरलाल	७
८५२	"	हजारीलाल	७
८५३	"	खेमचन्द	१०
८५४	"	मुरलीधर	१८

सत्यनारायण सन्तर मुरार

८५९	श्री	धनीराम	२३
८६०	"	गुल्जारीलाल	१५
८६१	"	मनोहरलाल	११
८६२	"	मूलचन्द	८
८६३	"	प्रेमचन्द	४
८६४	"	गिरिराजचन्द	८
८६५	"	अमीरचन्द	९

गंगामाई सन्तर

८६७	श्री	बाबूलाल	५
८६८	"	बाबूलाल	९
८६९	"	गप्पूलाल	१४
८७०	"	भगवानदास	७
८७१	"	पुरुषोत्तमदास	६
८७२	"	ज्वालाप्रसाद	४
८७३	"	मांगीलाल	२
८७४	"	विनोदकुमार	४
८७५	"	धनीराम	७
८७६	"	हंसराज	५
८७७	"	बदनलाल	१०
८७८	"	दीनानाथ	८
८७९	"	नरेन्द्रकुमार	१०
८८०		श्रीमती ग्यासीबाई	१
८८१	श्री	बारेलाल	८
८८२	"	गनेशराम	१३
८८३	"	मनोहरलाल	१६
८८४	श्री	लालपति	९
८८५	"	भजनलाल	७
८८६	"	गुलाबचन्द	५
८८७	"	रतनलाल	६
८८८	"	गिरधारीलाल	३
८८९	"	विमलचन्द	६
८९०	"	श्रीलाल	२०
८९१	"	दीनानाथ	५
८९२	"	शकरलाल	७
८९३	"	बिधीचन्द	६
८९४	"	मोनपाल	८
८९५	"	घनश्यामदास	६
८९६	"	रामकिशन	६
८९७	"	गोपीचन्द	६
८९८	"	दुर्गाप्रसाद	७
८९९	"	किशनस्वरूप	४
९००	"	टिल्ले भगवान	२
९०१	"	मुन्नीलाल	५
९०२	"	मुन्नीलाल	९

शम्भूमल की बगीची

९०६		श्रीमती राजावेटी	१
९०७	,,	अनेकाबाई	१
९०८	श्री	चेतराम	१
९०९	,,	मुन्नीलाल	११
९१०	,,	कपूरचन्द	१४
९११	,,	हजारीलाल	४
९१२	,,	श्रीलाल	७
९१३	,,	दीपचन्द	१
९१४	,,	ज्ञानचन्द	७
९१५	,,	खूबचन्द	१२
९१६	,,	ओछेलाल	८
९१७	,,	मातादीन	११
९१८	,,	फूलचन्द	२०
९१९	,,	नत्थीलाल	९
९२०	,,	भजनलाल	१०

ठण्डी सड़क, मुरार

६२१ ,, कैलाशचन्द १५
६२२ ,, मदनलाल ४
६२३ ,, गोकुलचन्द ३
६२४ ,, कैलाशचन्द २
६२५ ,, हरलाल ८
६२६ श्रीमती रमकोबाई २
६२६ श्री शान्तिलाल ६

घास मण्डी

६३१ , श्यामलाल ८
६३२ ,, हरीशचन्द ८
६३३ ,, बालाराम ८
६३५ ,, छोटेलाल ११

अनाज मन्डी

६३७ ,, कालीचरण १४

सिंहपुर रोड

६३८ ,, लक्ष्मीराम २६
६३६ ,, कन्हैयालाल ८

बजाज खाना

६४० ,, श्यामलाल १०
६४१ ,, रामचरन १०
६४२ ,, कैलाशचन्द २
६४३ ,, महावीरप्रसाद २

कोतवाली सन्तर

६४४ ,, मोतीलाल ५
६४५ ,, श्यामलाल ११

नदी सन्तर

६४६ ,, कुन्जलाल ७

सौदागर सन्तर

६४८ ,, किशोरीलाल ८

सुवामापुरी

६४६ ,, मथुरीमल ५
६५० ,, बिहारीराम ६
६५१ ,, गणेशराम ४
६५२ ,, रतनलाल ६

नया सन्तर

६५४ ,, प्रेमचन्द ८
६५५ , गेंदालाल ८

खुला सन्तर

६५६ ,, मंगलचन्द ८
६५७ ,, बुद्धचन्द ८

रिसाला बाजार

६५८ ,, रतनचन्द १
६५६ ,, प्राणनारायण १

सत्यनारायण सन्तर

,, गिरनारीलाल ३

अग्रवाल

गुड़ी-गुड़ा का नाका:—

५ लक्ष्मीनारायण २

माधवगंज, लश्कर

७१ श्री भगवानदास २
७२ श्री रामस्वरूप ३
१०६ श्री चुन्नीलाल ८
१३५ श्री कन्हैयालाल १२
१३६ श्री नेमीचन्द ६
१४५ श्री महेन्द्रकुमार १०
१५० श्री सीताराम ७
१६२ श्री पूनमचन्द ५
१६३ श्री कपूरचन्द १०

जनकगंज

१६१ श्री नेमीचन्द १०
१६२ श्री रिखबचन्द ७

दानाओली

२८७ श्री कोशलकिशोर दीवान ६
२८८ डा० जे० के० दीवान ६
२८६ श्री कैलाशबाबू २
२६१ श्री मानकराम २
२६६ श्री बाबूलाल ६
३१६ श्री शान्तीलाल ४
३५७ श्री लक्ष्मीचन्द १२
३५८ श्री गोपीलाल ६
३५६ प्रो० काशीराम २
३६० श्री प्रकाशचन्द ८
३६६ श्री प्रेमचन्द ६

गस्त का ताजिया

३७० श्री जगन्नाथप्रसाद ६
३७२ श्री विनोदकुमार ३
३८७ श्री कृष्णकुमार १

डोडवाना ओली

३६२ श्री रघुवीरश्याम ६
३६३ श्री नेमीचन्द १०
३६६ श्री कन्हैयालाल १२
३६७ श्री हुकमचन्द ८
३६८ श्री हीरालाल ८
३६६ श्री रामबाबू १२

सराफा बाजार

४७३ श्री अजुध्याप्रसाद १[illegible]
४७४ श्री शकरलाल १[illegible]
४७६ श्री गुलाबचन्द ५
४८४ श्री रामचरनलाल २
४८६ श्री बाबूलाल १[illegible]
४८७ श्री तोताराम १३
४८८ श्री रमेशचन्द १६
४८६ श्री गुलाबचन्द १६
४६० श्री गनेशराम १६
४६१ श्री आशाराम ६

नई सड़क

४९८ श्री श्यामलाल ७
५०० श्री आनन्दकुमार १

दौलतगंज

५१५ श्री आनन्दकुमार ५
५१६ श्री रामचन्द्र १०
५२० श्री सूरजनारायण ३
५३८ श्री लखपतलाल १३
५४३ श्री मुरारीलाल १

नया बाजार

५४४ डॉ० ओ. एस दीवान १४
५५५ श्री जिनेश्वरप्रसाद ७
५७२ श्री नरेन्द्रकुमार ३

डुग्वर गंज

६१० श्री जैनेन्द्रकुमार १
६११ श्री कृष्णकुमार १
६२१ श्री शंकरलाल ७
,, मूलचन्द ओमप्रकाश ६

शिंदे की छावनी

६३८ श्री बनारसीदास १९

पाटनकर बाजार

६६१ श्री कन्हैयालाल ७
६६२ श्री ओमप्रकाश ५
६६६ श्री बाबूलाल काशला ६

नया बाजार

,, मनोहरलाल ४

लोहिया बाजार

,, गिरराजकिशोर ८
,, सीताराम सराफा ६
,, श्रीराम ,, ५
,, प्रभुमहावीरप्रसाद ६

ग्वालियर :—

चौक बाजार :—

७२७ ,, रामजीदास ४

लोहा मंडी :—

७२७ ,, अरविन्दकुमार १०
७४८ ,, मोतीलाल ८

कोटा वाला मोहल्ला

७५७ ,, फूलचन्द १८
७५८ ,, पन्नालाल ११

गंज :—

७६० ,, किशोरीलाल ८
७६८ ,, रामअवतार ७
७७० श्रीमती चिन्जोबाई १

फोर्ट रोड :—

७७१ श्री हरप्रसाद ६
७७२ ,, नोनकरण १०
७७३ ,, नोनकरण १०
७७४ , विधीचन्द्र ४
७७५ ,, बाबूलाल ६

चौक बाजार

७७६ ,, पन्नालाल ६
७७७ ,, नारायणदास ११
७७८ ,, सुन्दरलाल ६
७७९ ,, रामजीदास २०

पंसारी ओली :—

७८० ,, हरीशचन्द ११
७८१ ,, राजाराम १२
७८६ ,, राजाराम ८

सोडा का कुआ :—

७८४ ,, कैलाशनाथ ८
७८७ ,, मानेराम ८
७८८ ,, सुन्दरलाल ४
७८९ ,, वासुदेव ५
७९० ,, भूपेन्द्रकुमार ३
७९९ ,, छोटेलाल १०
८०० श्री प्रेमचन्द ५
८०१ श्री हुकमचन्द ३
८०२ श्री डालचन्द ३
८०३ श्री मोतीलाल ६

छोटा बाजार :—

८०७ श्री सीताराम ६
८०८ श्री बाबूलाल ६
८०९ श्री किशनलाल २२

घास मण्डी :—

८१० श्री कन्हैयालाल ११
८११ तोताराम ४
८१२ श्री किशोरीलाल ८
८१३ श्री प्यारीलाल ११

तामेश्वर महादेव :—

८१४ श्री रामजीदास ६
८१५ श्री दर्शनलाल १६

ठाठीपुर कॉलोनी, मुरार

८२१ श्री वी० एस० जैन ८
८२२ श्री एस० एल० गोयल ८
८२७ श्री एस० एम० गोयल ६

जैन मंदिर संतर, मुरार

८६६ श्री कैलाशचन्द २०

शम्भूमल की बगीची :—

९०५ श्री सुरेन्द्रकुमार ५

कोतवाली संतर :—

९४७ श्री रतनलाल ८
९४७ श्री मानिकचन्द ५
९५३ श्री जिनेन्द्रकुमार ८

परवार

कम्पू रोड, लश्कर

१० श्री सरदारमल २
११ ,, उत्तमचन्द ७
१२ ,, कालुराम ७
१५ ,, देवेन्द्रकुमार ४
२२ ,, डा० आर० के० जैन २

मामा का बाजार

५३ ,, प्रकाशचन्द ३
६३ ,, मोतीलाल ६

माधवगंज

६६ ,, प्रसन्नकुमार ६
८८ ,, मनोहरलाल ६
६६ ,, मदनलाल ६
१०२ ,, सुमतप्रसाद ७
११७ ,, पन्नालाल १४
११६ ,, कल्याणदास ९
१२० ,, कन्हैयालाल ४
१४० ,, छैलबिहारीलाल ४
१४२ ,, दयाचन्द ७

लाला का बाजार

१५६ ,, बुद्धामल ६
२०२ ,, हरेन्द्रकुमार १

दानाम्रोली

२११ ,, जयदेव ६
२३८ ,, महेन्द्रकुमार ८
२४३ ,, विजयकुमार ६
२४४ ,, कपूरचन्द ११
३३१ ,, रामबाबू २
३४६ कमलकुमार ११

नई सड़क

४६३ ,, मूलचन्द १२
४६६ ,, पी० सी० जैन ३

नयाबाजार

५४६ ,, डा० प्रकाशचन्द्र ७
५४७ ,, प्रेमचन्द १२
५५१ ,, मोतीलाल १०
५५७ ,, राजकुमार २
५५६ ,, लक्ष्मीचन्द ६
५५६ ,, कुन्दनलाल ४
५६० ,, वीरेन्द्रकुमार ६
५६६ ,, बाबूलाल १६
५६६ ,, कपूरचन्द ८
५७७ ,, नरेन्द्रकुमार १
५७८ ,, चम्पालाल १

इन्दरगंज

५६४ ,, नेमीचन्द ७
५६५ ,, चम्पालाल १०
५६६ ,, हुकमचन्द ८
६०१ श्री निर्मलकुमार २
६०८ श्री गट्टूलाल ६

शिंदे की छावनी

६५४ श्री छोटेलाल ४

पाटनकर बाजार

६६४ प्रो० बाबूलाल ४
६६५ श्री सूरजमल १

फालका बाजार

६६८ प्रो. नरेन्द्रलाल ७
७०६ डा० जवाहरलाल ११

जनकगंज

डा० शीतलचन्द ७

लोहा मन्डी, ग्वालियर

७४६ श्री मोतीलाल ८
७५० श्री कस्तूरचन्द ७
७५१ श्री बाबूलाल १३
७५२ श्री देवीराम १०

लोढ़ा का कुआ :—

७८५ श्री बृजलाल २

ठाठीपुर, मुरार:—

८२३ श्री गणेशप्रसाद ६

घासमंडी

६३० श्री कच्छेदीलाल १०
६३४ श्री दशरथलाल ८

गोलालारे

चिटनीश की गोठ

१७ डा० देवचन्द, कम्पूरोड ६
१३८ श्री वृन्दावनलाल ७

जनकगंज

१८२ श्री राजेन्द्रकुमार ५
१६० श्री उग्रसेन २
१९३ श्री लक्ष्मीनारायण ५
१६४ श्री शीतलचन्द ६
२०१ श्री मागीराम ५

कसेरा म्रोली

४१७ श्री हंसराज ५
४४१ श्री सुगनचन्द ८
४४२ श्री बिहारीलाल ६

घोसी बाड़ा

४६४ श्री जयकुमार ५
४६५ श्री छोटेलाल ४

नई सड़क

४६५ श्री शान्तीलाल १
४६७ श्री सुगनचन्द ५
५०१ श्री महावीरप्रसाद २
५०६ श्री पन्नालाल ६

नया बाजार

५६३ श्री इन्द्रसेन ७
५६४ श्री कुशलचन्द २
५६७ श्री देवेन्द्रकुमार ३
५७० श्री मानिकचन्द ७

शिन्दे की छावनी

६१८ श्री जगराम ४
६६५ श्री मुरारीलाल ६
६६६ श्री मुन्नीलाल ६

दाल बाजार :—

श्री ज्ञानचन्द ६
श्री सुगनचन्द १०
श्री नेमीचन्द ५

ठाठीपुर कालोनी, मुरार

८२४ श्री पी० सी० जैन ३

चिक संतर, मुरार:—

८५६ श्री मुन्नालाल ७
८५७ श्रीमती लाडोबाई २

गंगामाई संतर

६०३ श्री ज्ञानचन्द ८
६२७ श्री मागचन्द ८

पल्लीवाल

१७६ श्री दुर्गाप्रसाद,छत्रीबाजार १
४०५ ,, प्रेमचन्द, मोचीओली ७
४१३ ,, छोटेलाल,कसैराओली ६
४७२ ,, परसराम, सराफा ५

लोहिया बाजार

५८१ ,, वेणीराम १३
५८२ ,, बंसीधर ५
५८३ ,, दामोदरदास ६
५८४ ,, मिश्रीलाल ११
५८५ ,, कन्हैयालाल १२
५८६ ,, गंगाराम ५
५८७ ,, लालाराम ६
५८८ ,, कुशलचन्द ६
५८९ ,, भरोसीलाल ५
५९० ,, हरीबाबू ३
५९१ ,, राजकुमार ६
५९२ ,, रतनलाल १६
५९३ ,, बाबूलाल ८
१४५ प्रो० घनश्यामदास १०

शिंदे की छावनी

६७६ श्री यतीन्द्रकुमार ५

मुरार

८५८ श्री मोतीलाल १०
९०४ श्री हरगोविन्द ६

खरौआ

माधवगंज :—

७० श्री कुन्नालाल २०
१४१ ,, केशरीचन्द २
१४७ ,, मुन्नालाल ७
१४८ ,, बाबूलाल ८
१४९ ,, मिश्राजीलाल २
१५१ ,, महेन्द्रकुमार ६
१५२ ,, बाबूलाल ८
१५३ ,, विनोदकुमार ६
१५५ ,, भानुकुमार ७

दानाओली :—

२४७ ,, जयचन्द ११
४५१ ,, कुन्जारीलाल ८
५०७ ,, गुलजारीलाल ८
५०८ ,, सतीशचन्द ३

नया बाजार

५५३ श्री निर्मल कुमार ६
५८० " राम स्वरूप २५
६२३ " नरेन्द्र कुमार ४

शिन्दे की छावनी

६६७ श्री गुलाब चन्द ७
६८८ " रामसहायनाकाचन्द्रवदनी ४

श्री कृष्ण धर्मशाला

श्री जवाहरलाल ७
" पन्नालाल ३

लम्हेचू

दानाओली लश्कर:—

२०३ श्री जिनेश्वर दास ३
" प्रकाश चन्द ६
२७६ " राधा मोहन ३
५०६ " मन्नीलाल १०

नया बाजार

५४५ श्री भरमन लाल ६
६७३ " प्रेमचन्द ८
श्री नरेन्द्र किशोर ३
" बुद्धसेन ६
" वीरेन्द्र कुमार ३

शिन्दे की छावनी

६३६ श्री गुलाब चन्द ७
६३७ " बाबूलाल ११
६७७ " कपूर चन्द ६
६८० " छोटेलाल ७
६८१ " श्रीचन्द ७
६८२ " स्वदेशीलाल ६

७०० " मनीराम ५
" फूलचन्द, चावड़ी बाजार ३
" मुन्नालाल, कटीघाटी ५

गोल सिंघारे

छत्री बाजार लश्कर:—

१७२ श्री बाबूलाल ५
१७६ " बाँकेलाल ६
१७७ " हुजारी लाल ३
१७९ " नारायण प्रसाद २

दाना ओली

२२३ " चन्द्र सेन ५
२६२ " जलधारी ४
३२९ " सुगनचन्द ६

नई सड़क

४९४ श्री छदामी लाल ५
५१० " बाबूलाल ८

इंदर गंज

६१६ श्री भिखारीलाल २७
६१७ " प्रकाश चन्द ८

फालका बाजार

७०४ श्री बुद्धिसेन १०
७०८ श्री कुन्दीलाल १२

पद्मावती परवाल

१४ श्री काश्मीरी लाल, कम्पू ५

माधव गंज

१०७ " श्यामलाल ३
११४ " चम्पालाल १३
१३३ " हरविलास ५
१३४ " किशन स्वरूप ४

दानाओली

२२४ " श्रीमती राजमणि बाई १
२२५ श्री महेश कुमार ४
४९९ " निर्मल कुमार ४
५१८ " दया प्रकाश, दौलतगंज ३
५१९ " सत्यप्रकाश " ४

नया बाजार

५५२ " मोतीलाल १३
५६१ " सोमबाबू ३
६३५ " गोपनलाल ७

शिन्दे की छावनी

६४६ " वीरेन्द्र कुमार ६
६४७ " प्रकाश चन्द ५

बुढ़ेलवाल

दानाओली लश्कर

३३५ श्री पारस दास ३

२०२ " मुरारीलाल ११

हूमड़

२७७ श्री उग्रसेन दानाओली ४
३०५ " विमलचन्द " ४

बघेरवाल

इन्दर गंज, लश्कर

६२२ श्री गुलाब चन्द ६

गोलापूर्व

इन्दर गंज, लश्कर

६०२ श्री नन्दन चन्देलिया ५

गंगेलवाल

३३४ श्री सुरेश बाबू दानाओली ३

श्रीमाल

सराफा बाजार, लश्कर

४७५ श्री फिरोजी लाल ५

एक दृष्टि में:—

नगर की दिगम्बर जैन समाज

नं०	सम्प्रदाय	लश्कर परिवार/जन संख्या		ग्वालियर परिवार/ जन संख्या		मुरार परिवार/जन संख्या		कुल योग परिवार/जनसंख्या	
१	जैसवाल	१२०	७६५	४५	२९०	१२२	९३१	२८७	१९८६
२	बरैया	२४२	१३३४	२	१४	—	—	२४४	१३४८
३	खण्डेलवाल	१७१	१०७३	१	७	२	३५	१७४	१११५
४	अग्रवाल	६५	४९३	३९	३४०	८	६८	११२	९०१
५	परवाल	४८	३१६	५	४०	३	२४	५६	३८०
६	गोलालारे	२६	१४०	—	—	५	२८	३१	१६८
७	पल्लीवाल	१९	१४८	—	—	२	१९	२१	१६७
८	करौआ	२१	१५७	—	—	—	—	२१	१५७
९	लम्हेंचू	१८	११४	—	—		—	१८	११४
१०	गोलसिंघारे	१३	१०२	—	—	—	—	१३	१०२
११	पद्मावती परवाल	१५	८०	—	—	—	—	१५	८०
१२	बुढेलवाल	२	१४	—	—	—	—	२	१४
१३	हूमड़	२	८	—	—		—	२	८
१४	बघेरवाल	१	६	—	—	—	—	१	६
१५	गोलापूरब	१	५	—	—	—	—	१	५
१६	श्रीमाल	१	५	—	—	—	—	१	५
१७	गंगेलवाल	१	३	—	—	—	—	१	३
१८	विभिन्न छात्रावासों में स्थित दिगम्बर जैन छात्र							—	८४
	दिगम्बर जैन समाज	७६६	४७६३	९२	६९१	१४२	११०५	१०००	६६४३
	श्वेताम्बर जैन समाज	१४०	८९१	—	—	८	४२	१४८	९३३
	नगर के कुल जैन	९०६	५६५४	९२	६९१	१५०	११४७	११४८	७५७६

व्यवसायिक विवरण

सोने–चांदी के जैन व्यवसायी

सराफा बाजार लश्कर

मे०—आनन्दीलाल राजमल जैन सर्राफ
" गुलाबचन्द रेशमचन्द सर्राफ
" गुलाबचन्द नेमीचन्द "
" कजोडी मल मूलचन्द पाटनी "
प्रो सुगनचन्द पाटनी "
" आसकरन भवरलाल "
" भैरोंदान चौथूलाल "
" हमीरमल छगनमल "
" लखमी चन्द गुलाब चन्द "
" पन्नालाल दीप चन्द "
" प्रताप मल पूरन चन्द "
" कुन्नामल कन्हैयालाल "
" गोपीलाल लखमी चन्द "
" गन्नामल पन्नालाल "
" अजुध्या प्रसाद भोगीराम "
" रिखब दास मोतीराम "
" मोती लाल बाबू लाल "
" नन्ने मल प्यारेलाल "
" कैलाश चन्द अग्रवाल "
" मोतीलाल लखमीचन्द "
" प्रेम चन्द खेम चन्द "
" बागमल फतेह चन्द "
" सुन्दर लाल छगन लाल "
" लक्ष्मन दास अजित कुमार "
" गुलाब चन्द सीताराम "
" छोटे भईया नेमीचन्द "
" इन्दर चन्द नाथूलाल "

मे. नाथूलाल रामजीदास सर्राफ
" नेपाल सिंह सर्राफ, नया सराफा "
" भूप किशोर मोहन लाल, मुरार
" चम्पालाल अयोध्या प्रसाद, ग्वालियर
" तोताराम किशोरीलाल "
" गुलाबचन्द किशोरीलाल "
" छटेराम गुलाबचन्द "
" मदनलाल रामजीदास "
" नोनकरन चाँदीराम "

जैन वस्त्र व्यवसायी

थोक वस्त्र व्यवसायी, नया बाजार

मे. गणेशीलाल फूल चन्द
" अभिनन्दन कुमार सुरेन्द्र कुमार
" भईयालाल प्रेमचन्द
" पन्नालाल बिरधारीलाल
" सोनेलाल कुन्दनलाल
" प्रेमचन्द सतीश कुमार
" कुशलचन्द कैलाशचन्द
" लखमी चन्द राजकुमार
" जैन क्लोथ स्टोर्स, दरी फैक्ट्री

थोक व फेरीवाले वस्त्र व्यवसायी, सराफा बाजार

मे० जिनेन्द्र वस्त्र भण्डार
मे० उदयचन्द बागमल बापना
मे. बापना क्लोथ स्टोर्स
" गंगाराम तोताराम
" तोताराम कन्हैयालाल
" खेम्पुरी रिटेल शॉप
" बरैया स्टोर्स
" पारस एन्ड सन्स

,, पारस वदर्श
,, देहली साड़ी भण्डार
,, कोठारी सन्स
,, केलिकलाय रिटेल शॉप
,, ग्वालियर गोटा फेक्ट्री
,, गुलाब चन्द श्री राम
,, हैण्डलूम दरी भण्डार

होरीज वस्त्र व्यवसायी, बड़ी मण्डी

मे. नेमीचन्द भागचन्द
,, अरुण कुमार देवेन्द्र कुमार
,, जैन कटपीस एम्पोरियम
,, पदम चन्द पवन कुमार
मे. ताराचन्द बाबूलाल
,, नरथी लाल अशोक कुमार
,, लालचन्द महेशचन्द
,, मूलचन्द कैलाश चन्द
,, एस. के जैन एण्ड क.
,, राजकुमार क्लोथ स्टोर्स
,, रावलमल कमल कुमार
,, ताराचन्द प्रवीण कुमार

थोक व होरीज वस्त्र व्यवसायी, माधव गंज

मे. दुरगादत्त कुन्दनमल
,, पन्नालाल सीताराम
,, लक्ष्मीचन्द पन्नालाल
,, बाबूलाल शान्तिकुमार
,, गंगाधर इन्दरचन्द
,, इन्दरचन्द जगदीशप्रसाद
,, गोपीलाल ओमप्रकाश
,, फैन्सी क्लोथ स्टोर्स
,, चिरोंजीलाल क्लोथ स्टोर्स
,, कमलाप्रसाद ओमप्रकाश
,, गोरीशंकर ओमप्रकाश
,, मुन्नीलाल महेन्द्रकुमार
,, जयहिन्द स्टोर्स
,, छगनलाल कन्हैयालाल
,, नेमीचन्द भंवरलाल
,, चम्पालाल अशोककुमार
,, भैवरचन्द पवनकुमार
,, जयचन्द निहालचन्द

किराना व गल्ला व्यवसायी

भगवानदास जोहरी लाल, इन्दर गंज
हरीदास प्रकाश चन्द "
अशोक कुमार मुकेश कुमार "
मोतीराम राजचन्द इन्दर गंज
हीराचन्द छोटेलाल "
ज्ञान चन्द जय कुमार दाल बाजार
श्यामलाल सुगनचन्द इन्दर गंज
बाबूलाल मिजाजी लाल "
मायाचन्द कन्हैराम फालका बाजार
फूल चन्द ज्ञान चन्द "
ओमप्रकाश मूलचन्द
चम्पालाल गुना वाले
छम्मन लाल शीतल प्रसाद, दाना ओली
भोलाराज प्रेमराज लश्कर व मुरार
ओछेलाल बिहारीलाल, गंज, मुरार
छच्चूमल नेमीचन्द "
ज्ञानचन्द पदम चन्द "
जिमीलाल गुल्झारीलाल "
ग्यासी लाल ओछेलाल "
आलम चन्द रामकिशन "
रतन लाल अनूप चन्द "
लल्लीराम नन्द राम "
मनराम सगुन चन्द "
उदयराज शंकर लाल "
मोतीलाल नेमीचन्द "
तुलाराम चतुर्भुज "
हीरालाल मनोहर लाल "
कल्याण दास भीलाराम "
हजारी मल गुलाब चन्द "
प्रेमराज जैन एण्ड सन्स "

लोहे के व्यवसायी:—

मे० चन्दर लाल गप्पूलाल, डोडवाना ओली
मे० फूलचन्द हीराचन्द, लोहिया बाजार
,, प्रकाश आयरन स्टोर्स "
" बन्शीधर विमल चन्द "
" भोला नाथ सन्तोष कुमार "
" महावीर आयरन स्टोर्स "
" पी. सी. कोठारी एन्ड कम्पनी "
" प्रकाश आयरन इन्डस्ट्रीज "
" माखन लाल जैन "
" कन्हैयालाल किस्तूर चन्द "
" जैन आयरन स्टोर्स "
" सुभाष चन्द नरेन्द्र कुमार "
" विजय आयरन स्टोर्स "
" कुशल चन्द कैलाश चन्द "

इण्डस्ट्रीज व लघु उद्योग

मे. जियाजीराव कॉटन मिल्स लि. बिरला नगर
जनरल मेनेजर-श्री एस. एम चोरडिया
" दि. ग्वालियर रेयन सिल्क मैन्यु० एन्ड वीविंग
मेनेजर-श्री हीरालाल श्रीमाल
" सेन्ट्रल इण्डिया मशीनरी मैन्यु. कम्पनी
मेनेजर के. एल. चोरड़िया
,, गंगवाल इन्डस्ट्रीज, नई सडक
, नवमालव ट्रेडर्स, मुरार
,, ग्लोब मोटर पार्टस् इन्डस्ट्रीज
श्री ज्ञानचन्द जैन
,, गंगवाल टिन एण्ड टिन प्रिंटिंग वर्क्स
मेनेजर–श्री देवेन्द्र कुमार सोधा
,, केशरीमल गंगवाल, ग्वालियर-१
,, गंगवाल रोलिंग एण्ड मेटल वर्क्स
डा० वीरेन्द्र कुमार गंगवाल
,, भावना केमिकल एण्ड परफ्यूरी ,,
,, अग्रवाल केमिकल्स सराफा बाजार
,, रोज प्रोडक्ट्स दाना ओली
,, एसोसिएटेड टाइल्स एण्ड सीमेंट इन्डस्ट्रीज
" श्यामलाल पाडवीय मुरार
" श्री रविन्द्र मालव
,, वारीवाल बूट कम्पनी, सराफा बाजार
,, जैन मैन्यु० फैक्चरिंग क. सराफा बाजार
,, जैन केमीकल्स कम्पनी, कसेरा ओली
,, सेठी कनर इन्डस्ट्रीज, दौलत गंज ,
,, हरीशचन्द, जैन सोप वर्क्स, नया बाजार
,, ग्वालियर अम्ब्रेला फेक्ट्री, नई सड़क

ओटोमोबाईल्स डीलर

एपको पिस्टन हाऊस, जयेन्द्र गंज, लश्कर
जैन ओटोमोबाईल्स इन्जीनियर्स (वर्क शॉप)
जैन मोटर्स, जयेन्द्र गंज, लश्कर
ग्वालियर मोटर हॉऊस "
इण्डिया ओटोपिस्टन मैन्यु० "
दिनेश ओटोमोबाईल्स पाटनकर बाजार
टोडरमल सिफारिस मल "
ग्लोब पिस्टन मैन्यु० लोहिया बाजार
रतीलाल वेचर दास सराफा बाजार

जैन पेट्रोल पम्प—

अग्रवाल ओटोमोबाईल्स, पाटनकर बाजार
जैन ब्रदर्स जीवाजी गंज
टोडर मल सिफारिस मल, धर्म मण्डल रोड
रतीलाल वेचर दास स्टेशन रोड़
अमोलक चन्द जैन ए बी. रोड़

नगर के प्रमुख जैन न्यायाधीश व अभिभाषक

श्री गंगवाल—मजिस्ट्रेट
श्री देवेन्द्र कुमार जैन, सिविलजज
" मानिकचन्द S T. काऊन्सलर,
" मनोहर मल, सराफा बजार लश्कर
" रतनलाल "
" कैलाशचन्द "
" राजेन्द्रकुमार "
" रामजीत, दाना ओली लश्कर
" ज्ञानचन्द "
" आनन्द स्वरूप दौलत गंज
" बाबूलाल चौधरी "
" अनूपचन्द "

" ओम प्रकाश	दौलतगंज	" रिद्धकरन पाटनी	नयाबाजार
" देवेन्द्र कुमार,	लोहिया बाजार	" बुद्धसेन	"
" जिनेश्वर प्रसाद दीवान,	नया बाजार	" शान्तिलाल	"
" हुकम चन्द अजमेरा	"	" शंकर दयाल,	दाल बाजार
" निर्मल कुमार,	"	" नेमी चन्द,	छत्री बाजार
" राजकुमार,	"	" ऋषभदास,	ग्वालियर
" नरेन्द्र कुमार	"	" रामजी दास	"
" मानिक चन्द	"	" रघुवर दयाल पांडवीय,	मुरार

नगर के प्रमुख जैन डॉक्टर

डॉ० बाबूलाल जैन	M. B. B. S. M. S.	सर्जीकल डॉक्टर, जे. ए. हास्पीटल व व्याख्याता
,, राधेलाल जैन	M. B. B. S.	जैन क्लिनिक, सदर बाजार, मुरार
,, छोटेलाल जैन	M. B. B. S.	जैन क्लिनिक, दानाओली, लश्कर
,, जुगलकिशोर दीवान	B. Sc., M. B. B. S.	मेडीकल आफीसर, माधव डिस्पेन्सरी
,, विजयकुमार दीवान	M. B. B. S.	सी० एम० ओ०, माधव डिस्पेन्सरी
,, शांतिकुमार दीवान	M. B. B. S.	डाक्टर, ठाठीपुर कॉलोनी, डिस्पेन्सरी
,, प्रकाशचन्द जैन	M. B. B. S. M. D.	मेडीकल डिपो० जे० ए० हॉस्पीटल
,, वीरेन्द्रकुमार जैन	M.B.B.S.D.T.C.D.	असि० सिविल सर्जन, जे० ए० हॉस्पीटल
,, आर० के० जैन	M. B. B. S.	आर० एम० ए०, जे० ए० हॉस्पीटल
,, डी० सी० जैन	M.B.B.S. M. L. O	डाक्टर—जे० ए० हॉस्पीटल
,, जवाहरलाल जैन	M. B. B. S.	डाक्टर—प्रेमनगर, क्षेत्रपती कॉलोनी
,, केप्टिन ओ. एस० दीवान	M. B. B. S. I. M. S.	ईश्वरी प्रसाद सर्जिकल एन्ड मेडीकल होम, लश्कर
,, अजितप्रसाद दीवान	M. B. B. S.T.D.D.	मेडीकल इन्चार्ज सिविल फोर्ट व सिन्धिया स्कूल
,, विमलेश कुमार दीवान	M. B. B. S.	रेजीडेन्ट पेथोलिस्ट, जी० आर० कॉलेज व हास्पीटल
,, नाभिराजा दीवान	M.B.B.S.D.L.O.E.	डा० एम० एस० अमृतसर कालेज
,, देवचन्द गोलालारे	M. B. B. S	मेडीकल ऑफीसर जे० ए० हास्पीटल
,, यशवन्तकुमार	M. B. B. S.	डिमोन्स्ट्रेटर जी० आर० मेडीकल कॉलेज
,, सन्तोष कोचर	M. B. B. S.	कमलाराजा, पीडीओटिक डिस्पेन्सरी
,, उत्तमचन्द परवार	M. B. B. S.	डाक्टर जे० सी० मिल्स अस्पताल
,, श्रीमती प्रेमलता	M. B. B. S.	डाक्टर—सरकारी अस्पताल, डबरा
,, सीतलचन्द सागर	B. A. M. S.	व्याख्याता शासकीय आयुर्वेदिक कॉलेज
,, गुलाबचन्द जैन	B. A. M. S.	फार्मेसिस्ट शासकीय आयुर्वेदिक कॉलेज
,, प्रसन्नकुमार जैन	B. A. M. S.	डिमो० इन० पैथोलीजी ,, ,,
,, जे. पी० जैन	A. M. B. S.	रिसर्च असिस्टेंट ,, ,,
" सतीशकुमार बरौआ	B. A. M. S.	शासकीय आयुर्वेदिक कालेज
" मिश्रीलाल	आयुर्वेदाचार्य	,, ,,
" प्रकाशचन्द जैन	A. L. M. S.	प्रकाश क्लीनिक, इन्दर गंज

महा विद्यालयों में जैन व्याख्याता

श्री निर्मल कुमार—माधव इन्जी. कॉलेज
श्री प्रमोद कुमार ,, ,,
,, मेहता ,, ,,
,, जी. पी. जैन—शासकीय विज्ञान महाविद्यालय
,, रामचरण लाल ,, ,,
,, घनश्याम दास- ,, ,,
प्रो. लालचन्द—एम. एल. बी कॉलेज
,, शान्ति चन्द, डिग्री कॉलेज, शहडोल
श्री नरेन्द्र लाल, एम० एल० बी० कॉलेज
" ऋषभदास " विधिविभाग
" बाबूलाल— कृषि महाविद्यालय
" पारस मल अग्री " ,,
" चन्द्रकान्त " ,,
" राजेन्द्र कुमार नालावटी, के० आर० जी कॉलेज

प्रमुख जैन विद्वान व वक्ता

पं. पन्नालाल जी, ग्वालियर
प. सागर चन्द जी बड़जात्या, दानाओली
प्रो लालचन्द जी जैन, दानाओली
प. लच्छूराम जी बरैया ज्योतिषमार्तण्ड
श्री कपूरचन्द जी बरैया, कसेरा ओली
प. भगवती प्रसाद जी, माधव गंज
प्रो घासीराम जी, ५२३ वापर नगर, मेरठ
श्री श्यामलाल जी पाण्डवीय, मुरार
श्री मानिकचन्द जी गंगवाल, सराफा बाजार
श्री मिश्रीलाल जी पाटनी, डोंडवानाओली
श्री बुद्धमल जी गंगवाल, नई सड़क
श्री कपूरचन्द पाटनी, तिथिदर्पण निर्माता
श्री तेजमल जी हर्षावत
श्री सरदारसिंह जी चोरड़िया
डा० वीरेन्द्रकुमार जी गंगवाल
मा० हरदयाल, बिरलानगर

जैन गायनाचार्य एवं कविगण

श्री फूलचन्द जी काला, दानाओली
" प्यारेलाल जी बरैया, इन्दर गंज
श्री खैरातीलाल जी, आल्हा गायक
" रूपचन्द जी पाटनी, नया बाजार
" झम्मनलाल जी, हुजरात पुल
" बसन्त कुमार बड़जात्या, दाना ओली
" कन्हैयालाल जी, कटारिया
" नेमीचन्द बरैया, डबरा वाले

स्वर्गीय जैन विद्वान

पं. लाला लखमी चन्द जी गिरधरवाल
प. गोपीलाल जी गोधा, दानाओली
श्री कन्हैयालाल जी गंगवाल, सराफा बाजार
श्री गप्पूलाल जी बाकलीवाल ,,
श्री प्यारे लाल जी बरैया, मामा का बाजार

बैंकों में कार्य करने वाले जैन व्यक्ति

बैंक ऑफ बड़ौदा लि., पाटनकर बाजार

श्री भवर लाल शाह—एकाउन्टेन्ट

स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया, जीवाजी चौक

श्री नेमीचन्द पांडवीय—एकाउन्टेन्ट
श्री वीरेन्द्र कुमार अग्रवाल
,, पदम चन्द जैन, खजान्ची
,, देवेन्द्र कुमार जैन ,,
,, सुभाष चन्द जैन ,,

बैंक ऑफ इण्डिया, दाल बाजार

श्री नेमी चन्द भण्डारी खजान्ची

सेन्ट्रल बैंक ऑफ इण्डिया लि., जयेन्द्र गंज

श्री सूरजमल पांड्या एकाउन्टेन्ट
,, पूरन चन्द बरैया खजान्ची

यूनाईटेड कमर्शियल, बैंक लि.

श्री नेमीचन्द पल्लीवाल, नया बाजार
,, कमल चन्द कासलीवाल ,,
,, सुमत चन्द जैन ,,
, गोपीचन्द पाटनी, प्रमुख खजान्ची, सराफा
,, महेन्द्र कुमार पारख सराफा बाजार
,, सुरेश कुमार बरैया ,,
,, प्रकाश चन्द, खजान्ची ,,

,, मुरारी लाल एकाउन्टेन्ट ,,
,, जगदीश पाटनी, खजान्ची ,,

के. बी. बैंक लि० जयाजी चौक

श्री बसन्त कुमार बड़जात्या,
,, नेमीचन्द जैन ,,

के० बी० बैंक लि० जयेन्द्र गंज ब्रान्च

,, बस्तीमल जैन—एजेन्ट
,, केशरीमल पाटनी, प्रमुख खजान्ची
,, नेमीचन्द्र जैन
,, नेमीचन्द बोहरा, गोडाऊन कीपर

को—ऑपरेटिव बैंक

श्री शीतल प्रसाद जैन, आफीसर, डीडवाना ओली
,, कैलाश चन्द बरैया मुरार
,, बाबूलाल बरैया ,,
,, रामस्वरूप जैन मुरार
,, नेमीचन्द परवार—भूविकास बैंक
,, रमेश चन्द कासलीवाल ,,

ए. जी. आफिस (महालेखा कार) में कार्य करने वाले जैन व्यक्ति

अधीक्षक गण:—

सर्व श्री ताराचन्द, फालका बाजार, के. एम महाजन, सुमेरचन्द, दाना ओली, के. सी. जैन, नई सड़क, पी एन. जैन नई सड़क, ओमप्रकाश, लोहामन्डी, ग्वालियर, सुरेन्द्र प्रसाद, जवाहर नगर, फतेहलाल, माधव गंज, जी. पी. जैन, के. सी. जैन, कपूरचन्द, डि. ए. सिचाई विभाग।

एस. जी. सी (सिलेक्सन ग्रेड लिपिक)

सर्व श्री चन्द्रशेखर मंदगांवकर, मुरार, विमलचन्द दोषी, दाना ओली, प्रभाष चन्द, नया बाजार, सोभागमल, बी. के. जैसवाल। कपूरचन्द जैन, कसराओली

उच्च श्रेणी लिपिक:—

सर्व श्री सत्येन्द्र कुमार, दाना ओली, जगदीशचन्द ठाठीपुर, मुरार, होतीलाल, माधवगंज, महेशचन्द, केदार नाथ सिंघल' वीरेन्द्र कुमार, शिन्दे की छावनी, रमेशचन्द श्री माल, नया बाजार, श्रवण कुमार, नाका गुड़ा-गुड़ी, ओमचन्द, नाका चन्दवदनी, अनन्त कुमार, शिन्दे की छावनी, विजेन्द्र बहादुर, जिन्सी नाला, किशोरीलाल, ग्वालियर, हरीशचन्द्र, दानाओली, राधेलाल शिन्दे की छावनी, राजकुमार, दाना ओली, सत्येन्द्र-नाथ, ग्वालियर, रमेशचन्द, मुरार, गणेशीलाल, ग्वालियर, हरिशचन्द शिन्दे की छावनी, बी. के. जैन तिलक नगर राधेश्याम, ठाठीपुर, मुरार, विजय कुमार, तिलक नगर, पदम चन्द, गणेश कालोनी, यादव चन्द, जीवाजी गज, अजित कुमार, दाना ओली, देवेन्द्र कुमार दाना ओली, देवेन्द्र कुमार, दया प्रकाश, जय कुमार, जिनेन्द्र कुमार के. सी जैन, कमल कुमार कन्हैयालाल, कोमल चन्द, कान्ति चन्द, एम. बी जैन, महेशचन्द, मदनलाल, नेमीचन्द, पदमचन्द, पारसदास, राजेन्द्र-कुमार, राजेन्द्र कुमार, राजेश कुमार, सुरेन्द्र कुमार, सत्येन्द्र कुमार, सुरेन्द्र कुमार, सुरेन्द्र कुमार

निम्न श्रेणी लिपिक—

सर्व श्री बाबूलाल, दाना ओली, पदमचन्द, दौलत गज, प्रेम चन्द, ग्वालियर, जयदेव, दाना ओली, विमल चन्द, दानाओली, एम. के. जैन।

एक पत्थर की बावड़ी या बाबा बावड़ी

ग्वालियर समाज का बड़ा सौभाग्य है कि यहाँ पर 'बाबा बावड़ी' के नाम से एक ऐसा प्रसिद्ध स्थान है जिसके अवलोकन करते ही दर्शक एक बार तो अपने आपको भूल जाता है। जैन समाज जहाँ इन विशालकाय मूर्तियों को देखकर हर्ष विभोर होती है वहाँ जैनेतर जनता पर इनकी भव्य शिल्पकला का अद्भुत प्रभाव पड़े बिना नहीं रहता। भा० इतिहास और पुरातत्त्व की प्रचुर सामग्री यहाँ बिखरी पड़ी है, इसी कारण यह स्थान पुरातत्त्व विभाग द्वारा सरक्षित घोषित कर दिया गया है।

फूलबाग गेट के पास खेड़ापति कॉलोनी की ओर जाते हुये मार्ग मे ही यह स्थान मिलता है। किले के नीचे और जमीन से कुछ ही ऊँचाई पर मध्य में पहाड़ की कर्कस चट्टानों को काटकर कुशल शिल्पियों द्वारा अनेक पद्मासन व खड्गासन मूर्तियाँ उत्कीर्ण की गई हैं जिन्हें देखकर सड़क पर चलता हुआ यात्री भी आश्चर्य में डूब जाता है। ये मूर्तियाँ चाहे कला की दृष्टि से देखी जायें या धार्मिक दृष्टि से, दोनों में बेजोड़ है। यत्र तत्र प्राप्त शिलालेखों से विदित होता है कि इनका निर्माण तोमरवंशी राजा डूंगरसिंह और उसके पुत्र कीर्तिसिंह के राज्यकाल में हुआ जिनका समय वि० सं० १४८१ से १५३६ तक पाया जाता है। ये दोनो ही राजे वास्तव में शिल्पकला के अनन्य प्रेमी थे जिसका प्रत्यक्ष प्रमाण इन मूर्तियों द्वारा उपलब्ध होता है। एक शिलालेख में उन्हें 'हिन्दू सुरत्राण' लिखा है जिससे यह स्पष्ट होता है कि जहां वे जैन धर्म के प्रति श्रद्धालु थे वहां वे अन्य धर्मियों के प्रति भी उतने ही सहिष्णु थे।

संक्षेप में हम कह सकते हैं कि इन राजाओं के राज्य में जैन धर्म खूब फला-फूला, पर्वत का कोई ऐसा स्थान (मूर्तियां बनने का) नहीं छूटा जहां उत्खनन कार्य न चला हो। अधिकांश मूर्तियां १५ वी शताब्दि की बनी हैं तथा जिनकी प्रतिष्ठा-विधि उस समय के प्रसिद्ध विद्वान महाकवि पं० रइधू द्वारा सम्पन्न हुई हैं, जैसा कि एक प्रशस्ति-पत्र से मालूम होता है।

"श प्रभाकराः। भट्टारक श्री शुभचंद्र देवाः
प्रतिष्ठाचार्य पंडित रैधूकुल पादसेवाः।"

खेद का विषय है कि मुसलिम काल में इन सब मूर्तियों के मुख प्रायः खण्डित कर दिये गये, कितनी ही मूर्तियों को गारा-मिट्टी से चिनवा दिया। इस तरह वर्षों की साधना के फलस्वरूप यहाँ की संस्कृति को विधर्मियों ने नष्ट-भ्रष्ट करने का पूरा प्रयत्न किया किन्तु यह एक महान अतिशय की बात समझना चाहिये कि उन सब खण्डित मूर्तियों के बीच सुपार्श्वनाथ तीर्थंकर की ३५ फुट ऊंची व ३० फुट चौड़ी एक मूर्ति अक्षुण्ण रह गई। पद्मासन मुद्रा मे स्थित इतनी ऊंची और विशाल आकारवाली प्रतिमा समूचे भारत मे अन्यत्र दुर्लभ है। यों तो इस मूर्ति के आस-पास भ० आदिनाथ की दो मूर्तियां और भ० नेमिनाथ की एक प्रतिमा उतनी ही विशाल पद्मासन मुद्रा मे और भी पाई जाती हैं किन्तु उनका शिरोच्छेदन होने से वे जनता में अवहेलना का पात्र बन गई हैं।

पर्वत के कोने भाग में एक ही पत्थर की खुदी हुई बावड़ी है जो करीब २० फुट लम्बी चौड़ी और इतनी ही गहरी है, जिसमें बारहों महिने मिष्ठ और ठण्डा जल भरा रहता है। ऐसा प्रतीत होता है कि किसी भीतरी स्रोत से इसमें बराबर पानी आता है और निर्मल झरने के रूप में बाहर बहता रहता है। क्षेत्र पर स्थित समस्त मूर्तियों की पूजा-प्रक्षाल के लिये यह बावड़ी निर्मित की

गई हो तो आश्चर्य की बात नही, क्योंकि यहा जितनी मूर्तियां गुफाओं में पाई गई हैं उन सबमे यथास्थान सोपान बने हुये हैं जिन पर चढ़कर भक्तगण मूर्ति प्रक्षाल किया करते थे। अतिशय रमणीय और चमत्कारिक होने से यह पूरा क्षेत्र इसीलिये जनता मे 'एक पत्थर की बावड़ी' से प्रसिद्ध कर दिया जान पड़ता है।

बावड़ी के बगल में दाहिनी ओर ६ विशाल खड़गासन मूर्तियाँ हैं जिन पर सं० १५२५ अंकित हैं। प्रत्येक मूर्ति के ऊपर कलापूर्ण चंदोवा बना है तथा आजू-बाजू हाथी अपने सूंड में भरे हुये कलश जिनबिम्बो पर ढोरते हुए दर्शाये गये हैं। आगे चलने पर ८ खड़गासन मूर्तियां और मिलती हैं जो सम्भवतः २० से ३० फुट की ऊंची हैं किन्तु खण्डित होने से उपेक्षित दशा मे पड़ी हैं। इसके अतिरिक्त चट्टान को काटकर एक मन्दिर का रूप दिया है जिसमे ६ खड़गासन मूर्तियां स्थित है। आगे एक सुन्दर गुफा बनी है। जिसमे २४ तीर्थंकरों सहित इतनी प्रतिमाएँ खुदी हैं जिनका कुल योग १२५ आता है। थोड़ी दूर चलकर एक ऐसा सुरम्य स्थान दिखाई देता है जो केवल ध्यानाध्ययन के लिये बना प्रतीत होता है। अंत म एक बड़ी गुफा मिलती है जिसमे आदि तीर्थंकर की करीब ३५ फुट ऊंची और १० फुट चौड़ी वृहदाकार कायोत्सर्ग मूर्ति विद्यमान है, यह पर्वत के आभ्यन्तर हिस्से मे इस कदर उकेरी गई है मानो आज ही बनी है। ऊपर तक पहुंचने के लिये मार्ग दिया गया है जिस पर चढकर उसे पास से देखने का मौका मिलता है किन्तु दर्शक उस समय बड़ा निराश होकर लौटता है जब वह मूर्ति को बिना चेहरे का पाता है। ऊपरी दरवाजा बड़े कलात्मक ढंग से चित्रित किया है, जिसके पास ही एक चैत्यालय बना है जिसमें छोटी-छोटी ७२ मूर्तियां टंकित हैं। आस-पास ३ खड़गासन और एक पद्मासन मूर्ति है और नीचे पहुँचने पर २ खड़गासन मूर्ति शोभती हैं। हवा और रोशनी के लिये सामने ही रोशनदान बना है लेकिन कोई व्यवस्था न होने से उलूक और चमगादड़ों ने उसमे रहने के लिये अड्डे बना लिये हैं। बरसात के दिनो मे चरणों तक पानी भर जाता है जिससे दुर्गंध भी आने लगती है।

इस तरह १ या १॥ फर्लांग के मध्य फैला हुआ यह क्षेत्र छोटी-बड़ी मूर्तियो से सर्वत्र व्याप्त है। मूर्तियां बड़ी भव्य, आकर्षक और वैराग्योत्पादक हैं जिनमें शंख चक्र, नदी, पद्म आदि चिन्ह अंकित है। चारो ओर प्रकृति का खुला क्षेत्र है, हरे-भरे सघन वृक्ष और उन पर पक्षियों की मद मद चहचहाहट मन को मोहनेवाली है। नगर का दृश्य भी यहा से सुहावना लगता है।

परन्तु क्षेत्र की कला जितनी विशाल और महान है उतनी ही शोचनीय भी। इस समय उसकी कोई उचित व्यवस्था न होने से उसके एक-एक खण्ड टूटने और बिखरने लगे हैं। जगह-जगह कूड़े-ककर के ढेर दिखाई देते हैं, गुफाओं के द्वार खुले होने से अवांछित तत्वो का बेधड़क प्रवेश है। समाज की उपेक्षा के कारण ही निस्संदेह आज उसकी यह दशा है। यद्यपि मुरार चातुर्मास के अवसर पर पूज्य वर्णीजी ने यहां की कुछ मूर्तियों का जीर्णोद्वार करवा दिया था किन्तु उनके चले जाने के बाद हालत ज्यों की त्यों है।

प्रतिवर्ष क्षेत्र पर आसोज बदि ४ को मेला भरता है। इस दिन स्थानीय जैसवाल जैन समाज द्वारा श्रीजी का विमान लाया जाता है और दिन भर की धूम-धाम के पश्चात् वापिस हो जाता है। समाज के प्रत्येक व्यक्ति से नम्र निवेदन है कि वह ग्वालियर आते समय इस सुरम्य स्थल को देखना कदापि न भूलें।

—कपूरचन्द बरैया

समीपवर्तीय प्राचीन जैन अवशेष



ग्वालियर नगर प्राचीन जैन साहित्य एवं संस्कृति का केन्द्र रहा है। इसके आस-पास अनेक क्षेत्रों में प्राचीन जैन मूर्तियों का भण्डार है। यही कारण है कि यहां मूर्ति चोर (आतताई लोग) अपने दुष्कर्मों में सफल हो जाते हैं। सुरक्षा की दृष्टि से पूज्यनीय सम्भव मूर्तियों को यथा समय नगर के जैन मन्दिरों में लाकर प्रतिष्ठित किया जाता रहा है जिनका संक्षिप्त विवरण निम्न प्रकार है.—

(१) सोजना ग्राम से दो विशाल पद्मासन मूर्ति श्री दिगम्बर जैन तेरापन्थी मन्दिर माधवगंज मे लाकर ३५ वर्ष पूर्व विराजमान की गई है। जिनको चित्र में नं० १ व ३ पर दर्शाया है।

(२) पनिहार ग्राम से पद्मासन मूर्ति को ३२ वर्ष पूर्व बरैया पंचायती मन्दिर, मामा के बाजार मे प्रतिष्ठित किया गया।

(३) बरई ग्राम से १००८ श्री शांतीनाथ भगवान की २२ फुट ऊंची विशाल प्रतिमा को सन् १९४३ मे लाकर नसिया जी, रामकुई पर श्री बुद्धमल जी द्वारा स्थापित किया गया।

(४) धुआं ग्राम से सन् १९६५ में श्री दिगम्बर जैन तेरापन्थी मन्दिर माधवगंज में दो विशाल प्राचीन प्रतिमायें लाकर प्रतिष्ठित कराई गई जिनमें से एक चित्र में नं० ४ पर दर्शाई गई है।

मूर्तियों की सुरक्षा करने, प्राचीन कला व संस्कृति को बनाये रखने के लिये प्रत्येक व्यक्ति का यह कर्तव्य है कि वह इस ओर जागरूक रह कर हर सम्भव प्रयास करे।

* * *

दिगम्बर जैन-समाज लश्कर

(१४ वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों का विवरण)

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	नाका गुड़ी-गुड़ा :—					
१—	श्री बद्री प्रसाद बरैया	४६	मुखिया	११ वी	वि.	दुकान परचूनी
	श्रीमती पुनियाबाई	४२	पत्नी		वि.	
	श्री नत्थीलाल	१५	पुत्र		अवि.	
२—	श्री बद्री प्रसाद बरैया	६०	मुखिया		विधुर	दुकान परचूनी
	श्री मेवाराम	५२	भाई		विधुर	"
	श्री किशनलाल	४५	भाई		वि.	सर्विस, अग्रवाल केमीकल्स, सराफा
	श्रीमती गिन्नीबाई	४०	भाईवधू		वि.	
	श्री जवाहरलाल	१५	भतीजा		अवि.	
	श्री रामचरनलाल	३५	भाई		वि.	सर्विस नया बाजार
	श्रीमती कपूरीबाई	२८	भाईवधू		वि.	
	श्रीमती मन्नीबाई	७५	मां		विधवा	
३—	सर्वश्री चुन्नीलाल बरैया	५०	मुखिया		विधुर	दुकान परचूनी
	" गणेशराम	२६	पुत्र		वि.	
	श्रीमती ताराबाई	२१	पुत्रवधू		वि.	
४—	सर्वश्री गुलाबचन्द बरैया	५५	मुखिया		वि.	सर्विस वन विभाग
	श्रीमती चमेलीबाई	५०	पत्नी		वि.	
	श्री भवनकुमार	३०	पुत्र	एम काम.	वि,	प्र.अ. रामनारायण उ.मा.वि, नयाबाजार
	श्रीमती शीलाबाई	२५	पुत्रवधू		वि.	
	श्रीमती कंचनियाबाई	७०	मां		विधवा	
५—	श्री लक्ष्मीनारायण अग्रवाल	६५	मुखिया		वि.	व्यवसाय
	श्रीमती कौसाबाई	६०	पत्नी		वि.	

परिवार सख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
तिलक नगर :—						
६—	श्री विजयकुमार जैसवाल	२७	मुखिया	एम. काम.	वि.	सर्विस ए.जी. आफिस, जाधव महल
	श्रीमती शीला	२३	पत्नी	मेट्रिक	वि.	
७—	श्री जिनेन्द्रकुमार जैसवाल	३८	मुखिया	बी.एस.सी.	वि.	सर्विस ए.जी. आफिस, जाधव महल
	श्रीमती शारदा	३०	पत्नी		वि.	
	कु० लता	१४	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
	श्री रमेशचन्द	२७	भाई	मेट्रिक	अवि.	सर्विस टेक्समेको, बिरला नगर
	श्रीमती कटोरीदेवी	५०	मा		विधवा	
८—	श्री वीरेन्द्रकुमार जैसवाल	४०	मुखिया	एम. काम.	वि.	एस.जी सी ए.जी. आफिस, मोतीमहल
	श्रीमती मालतीदेवी	३४	पत्नी	इन्टर	वि.	
९—	श्री रमेशचन्द जैसवाल	२६	प्रमुख	बी.काम	अवि.	सर्विस ए जी आफिस
१०—	श्री सरदारमल परवार	२८	मुखिया	इन्टर	वि.	सर्विस एन सी. सी. आफिस
	श्रीमती मनोरमादेवी	२५	पत्नी		वि.	
कम्पूरोड :—						
११—	श्री उत्तमचन्द कटारिया	३०	मुखिया	इन्टर	वि.	सर्विस, कमला राजा हास्पिटल
	श्रीमती प्रेमादेवी	२६	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री अशोक कुमार	१४	पुत्र	नवी	अवि.	
	कु० मीरा	१६	पुत्री	नवीं	अवि.	
१२—	श्री कालूराम परवार	५७	मुखिया		वि.	व्यवसाय जैन सेव भण्डार, कम्पूरोड
	श्रीमती सोमाबाई	५०	पत्नी		वि.	
	श्री सुभाषचन्द	२०	पुत्र		वि.	
	श्रीमती सरोजबाई	१८	पुत्रवधू		वि.	
	श्री सुरेन्द्रकुमार	१५	पुत्र		अवि.	
१३—	श्री प्रभूदयाल बरैया	३८	मुखिया		वि.	व्यवसाय स्कूटर रिपे०, नयाबाजार
	श्रीमती शकुन्तलादेवी	३२	पत्नी		वि.	
	श्री अशोककुमार	१४	पुत्र	नवी	अवि.	
१४—	श्री कश्मीरीलाल प. परवार	३२	मुखिया	मेट्रिक	वि.	व्यवसाय जैन वेल्डिंग वर्क्स
	श्रीमती मगनबाई	३०	पत्नी		वि.	
१५—	श्री देवेन्द्रकुमार परवार	२७	मुखिया	B.A.L.L.B.	वि.	सिविल जज हाईकोर्ट, ग्वालियर
	श्रीमती माला	२२	पत्नी	बी.ए. प्रथम	वि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
१६—	श्री राजेन्द्रकुमार सेठी	२५	मुखिया	इन्टर	वि.	सर्विस ए.जी. आफिस, मोतीमहल
	श्रीमती पुष्पाबाई	२२	पत्नी	मेट्रिक	वि.	
१७—	डॉ. देवचन्द गोलालारे	३१	मुखिया	M.B.B.S	वि.	मेडीकल आफीसर, जे.ए. हास्पीटल
	श्रीमती सवितारानी	२५	पत्नी	M.A.	वि.	
	श्री अशोककुमार	२०	भाई	M.B.B.S. III	अवि.	

सिकन्दर कम्पू :—

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
१८—	श्री सांवलदास बरैया	५८	मुखिया		वि.	दुकान परचूनी
	श्रीमती रत्नादेवी	५०	पत्नी		वि.	
	श्री रामस्वरूप	२०	पुत्र	बी.ए.	वि.	
	श्रीमती विमलादेवी	१६	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
१९—	श्री प्यारेलाल बरैया	४०	मुखिया		अवि.	
२०—	श्री चोखेलाल बरैया	५०	मुखिया		विधुर	व्यवसाय
	श्री अशोककुमार	१८	पुत्र	११ वीं	अवि.	
	श्री सुरेशकुमार	१५	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	

रायसिंह का बाग :—

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
२१—	श्री महेशचन्द्र पाटनी	२७	मुखिया	M.A., B.Com.	अवि.	श्रम निरीक्षक
२२—	श्री आर. के. जैन	२५	मुखिया	M.B.B.S.	वि	सर्विस जे.ए. ग्रुप हास्पीटल, ग्वालियर
	श्रीमती आर. के. जैन	२२	पत्नी		वि.	

आमदार खाना :—

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
२३—	श्री मूलचन्द वैद्य	४४	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस ट्रेजरी, गोरखी
	श्रीमती शान्तीबाई	४०	पत्नी		वि.	
	श्री उत्तमचन्द	१६	पुत्र	ग्यारवी	अवि.	
	श्रीमती तीजाबाई	६०	मां		विधवा	

हेमसिंह की परेड :—

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
२४—	श्री देवीलाल बरैया	४०	मुखिया		वि.	सर्विस
	श्रीमती गुलाबदेवी	३०	पत्नी		वि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री ओमप्रकाश	१५	पुत्र	मिडिल	अवि.	
	श्रीमती पारोबाई	६०	मां		विधवा	
२५—	श्री बाबूलाल जी बरैया	४५	मुखिया	छठवी	वि.	आटे की चक्की
	श्रीमती शान्तीबाई	४०	पत्नी		वि.	
	श्री रमेशचन्द	१५	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	श्री मुन्शीलाल जी	४०	भाई	साहित्यरत्न	वि.	दुकान
	श्रीमती चम्पोबाई	३०	भाईवधू		वि.	
	कु० कमलाबाई	१४	भतीजी	छठवी	अवि.	
	श्रीमती छोटीबाई	६२	मा		विधवा	
२६—	श्री राजनलाल बरैया	४०	मुखिया		वि.	सर्विस
	श्रीमती मालतीदेवी	३५	पत्नी		वि.	
	श्री नरेन्द्रकुमार	१४	पुत्र	मिडिल	अवि.	
	श्री गुलाबचन्द	४५	भाई		अवि.	
२७—	श्री बाबूलाल बरैया	४०	मुखिया		वि.	सर्विस गुड्स शैड, रेल्वे स्टेशन
	श्रीमती राजमनी	३३	पत्नी		वि.	
	श्री दीपचन्द	१८	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	कु० कुसुमबाई	१५	पुत्री		अवि	
२८—	श्री शोभाराम बरैया	५०	मुखिया	मिडिल	विधुर	मकान की दलाली
	श्री इन्द्रकुमार	२३	पुत्र	मिडिल	वि.	सायकल स्टोर्स
	श्रीमती मीनाकुमारी	२०	पुत्रवधू		वि.	
	श्री रूपचन्द	१८	पुत्र	मिडिल	अवि.	
	श्री प्रेमचन्द	६०	भाई		विधुर	ठेकेदारी

मामा का बाजार :—

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
२९—	श्री चांदमल जैसवाल	२४	मुखिया		वि.	व्यवसाय
	श्रीमती अंगूरीबाई	२०	पत्नी		वि.	
३०—	श्री हरविलास बरैया	३०	मुखिया		वि.	सर्विस जे. सी. मिल्स, बिरलानगर
	श्रीमती अंगूरीबाई	२५	पत्नी		वि.	
३१—	श्री किशनस्वरूप बरैया	२५	मुखिया		वि.	सर्विस जे. सी. मिल्स, बिरलानगर
	श्रीमती कंचनबाई	२०	पत्नी		वि.	
	माताजी किशनस्वरूप	५५	मां		विधवा	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
३२—	श्री दीनदयाल बरैया	२४	मुखिया		वि.	व्यवसाय
	श्रीमती लक्ष्मीदेवी	२०	पत्नी		वि.	
	श्री मुन्शीलाल	२०	भाई		वि.	व्यवसाय
	श्रीमती आशादेवी	१६	भाईवधू		वि	
	श्री रामचरनलाल	१६	भाई		अवि.	व्यवसाय
	श्रीमती बतासोबाई	४५	मां		विधवा	
३३—	श्री सन्तोषीलाल बरैया	४२	मुखिया	सातवीं	वि.	व्यवसाय
	श्रीमती इन्द्रादेवी	३०	पत्नी	छठवीं	वि.	•
३४—	श्री रमेशचन्द	३०	मुखिया	मेट्रिक	वि.	टेलर
	श्रीमती गुणमालादेवी	२६	पत्नी		वि.	
३५—	श्री राधेश्याम बरैया	३६	मुखिया		वि.	व्यवसाय स्टेशनरी विक्रेता
	श्रीमती रामकली	३०	पत्नी		वि	
३६—	श्री भगवानलाल बरैया	४०	मुखिया		वि.	सर्विस
	श्रीमती कमलाबाई	२७	पत्नी		वि.	
	श्री हरीशचन्द	२६	भाई	मिडिल	अवि.	सर्विस
	श्रीमती कलावती	५६	मां		विधवा	
३७—	श्री दर्शनलाल बरैया	२८	मुखिया		अवि.	व्यवसाय
	श्री कश्मीरीलाल	२५	भाई		अवि.	सर्विस जे. सी. मिल्स, बिरलानगर
	श्री आनन्दकुमार	२२	भाई	मिडिल	वि.	सर्विस
	श्रीमती शान्तीबाई	१८	भाईवधू		वि.	
३८ -	श्री नेकसीराम बरैया पुजारी	७२	मुखिया		विधुर	रिटायर्ड पुजारी
३९—	श्री भानकुमार बरैया	२२	मुखिया	मेट्रिक	वि.	व्यवसाय जी. ई. बक्सशार
	श्रीमती कमलादेवी	१९	पत्नी		वि.	
	श्री रामस्वरूप	१९	भाई	नवीं	अवि.	
	श्री कृष्णकुमार	१६	भाई		अवि.	
	श्रीमती अजुद्धीबाई	४७	मां		विधवा	
४०—	श्री बत्तोलाल बरैया	४०	मुखिया		विधुर	व्यवसाय
	श्री नन्द कुमार	२४	पुत्र		वि.	सर्विस
	श्रीमती आनन्दीदेवी	२०	पुत्रवधू		वि.	
	श्री प्रेमचन्द	१८	पुत्र		अवि.	
४१—	श्री ज्ञानचन्द बरैया	२२	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस जे सी. मिल्स, बिरलानगर
	श्रीमती मुन्नीबाई	१७	पत्नी		वि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
४२—	श्री ग्याप्रसाद बरैया	३०	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस शा. रीजनल प्रेस, ग्वालियर
	श्रीमती इन्दुमती	२३	पत्नी		वि.	
४३—	श्री गंगाराम बरैया	५०	मुखिया		वि.	व्यवसाय
	श्रीमती केशरबाई	४५	पत्नी		वि.	
	श्री प्यारेलाल	२२	पुत्र	इन्टर	वि.	सर्विस ग्वालियर पॉटरीज
	श्रीमती राजकुमारी	१६	पुत्रवधू		वि.	
	श्री नन्दकिशोर	२०	पुत्र	मिडिल	वि.	
	श्रीमती जमनाबाई	१८	पुत्रवधू		वि.	
	कु० कमलेश	१६	पुत्री	सातवीं	अवि.	
	कु० रामवती	१४	पुत्री		अवि.	
४४—	श्री परमानन्द बरैया	६५	मुखिया		वि	व्यवसाय हलवाई
	श्रीमती चिरोंजीबाई	६०	पत्नी		वि.	
	श्री हुकुमचन्द	३०	पुत्र	मिडिल	अवि.	
४५—	श्री रामसनेहीलाल	२५	मुखिया	बी. ए.	वि.	सर्विस मिडिलस्कूल मोहनपुर, मुरार
	श्रीमती मुन्नीबाई	२०	पत्नी		वि.	
४६—	श्रीरामकिशन बरैया	३५	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस गुडसशैड रे०स्टे०, ग्वालियर
	श्रीमती चमेलीबाई	२८	पत्नी		वि.	
४७—	श्रीमन्नालाल बरैया	५५	मुखिया		वि.	सर्विस जी. वर्कशाप, ग्वालियर
	श्रीमती कासीबाई	४०	पत्नी		वि.	
	श्री छोटेलाल	२५	पुत्र	बी. ए.	अवि.	सर्विस ग्वालियर पॉटरीज
	श्री कैलाशचन्द	१५	पुत्र	मिडिल	अवि.	
४८—	श्रीअमरचन्द बरैया दीवान	४८	मुखिया		वि.	सर्विस
	श्रीमती राजाबेटी	३६	पत्नी		वि.	
	श्री मुन्नालाल	१८	पुत्र	बी. काम II	अवि.	व्य० फ्लोरमिल्स, मामा का बाजार
	श्री कैलाशचन्द	१६	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	कु० गीता	१४	पुत्री	छठी	अवि.	
४९—	श्रीरामचरणलाल बरैया	४५	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस
	श्रीमती कौंनाबाई	४०	पत्नी		वि.	
५०—	श्री स्वरूपचन्द बरैया	४५	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस
	श्रीमती प्रभावती	३०	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री पदमकुमार	२०	पुत्र	ग्यारवीं	वि.	व्य० किराना मर्चेंट, मामा का बाजार

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती मुन्नीबाई	१६	पुत्रवधू	सातवी	वि.	
	श्री उग्रसेन	१७	पुत्र		अवि.	
	कु० उषा	१४	पुत्री		अवि.	
५१—	श्री हरविलास बरैया	५५	मुखिया		वि.	खेती ग्राम रिधोली
	श्री इन्द्रसेन	२८	पुत्र		वि.	सर्विस
	श्रीमती पुष्पलता	२०	पुत्रवधू		वि.	
	श्री पदमसेन	२३	पुत्र	ग्यारवी	वि.	सर्विस ग्वालियर इन्डस्ट्रीज
	श्रीमती नर्मदादेवी	१७	पुत्रवधू	छठी	वि.	
५२—	श्री चेतराम	८०	मुखिया		वि.	रिटायर्ड
	श्रीमती कौशल्याबाई	७०	पत्नी		वि.	
	श्री धन्नालाल	४५	पुत्र	मिडिल	वि.	क्राफ्ट अ.गो.उ मा.वि., ग्वालियर
	श्रीमती जमनाबाई	४०	पुत्रवधू		वि.	
	श्री रमेशचन्द	२०	पौत्र	बी. ए प्रथम	अवि.	
	श्री सुरेशचन्द	१५	पौत्र	ग्यारवी	अवि.	
	श्री मथुराप्रसाद	४२	पुत्र	साहित्यरत्न	वि.	अध्यापक शा.उ.मा.वि., डबरा
	श्रीमती शीलमती	३५	पुत्रवधू		वि;	
	श्री नेमीचन्द	१६	पौत्र	ग्यारवी	अवि.	
	श्री प्रेमनारायण	३८	पुत्र	मिडिल	वि.	अध्यापक शा.उ.मा.वि., भिण्ड
	श्रीमती जैनमती	३५	पुत्रवधू		वि.	
	श्री जगदीशचन्द	१६	पौत्र	डिप्लोमा सिविल	अवि.	
	श्री केशरीमल	१५	पौत्र	मेट्रिक	अवि.	
५३—	श्री प्रकाशचन्द परवार	२२	मुखिया	एम.काम.	वि.	
	श्रीमती मुन्नीबाई	२०	पत्नी	ग्यारवी	वि.	
५४—	श्री देवचन्द बरैया	५५	मुखिया		वि.	एजेन्ट रे सिल. एन्ड फार., ग्वालियर
	श्रीमती सोनाबाई	४५	पत्नी		वि.	
	श्री अमोलकचन्द	२५	पुत्र	एम. काम.	वि.	
	श्रीमती चन्द्रकला	२२	पुत्रवधू		वि.	
	श्री ताराचन्द	१६	पुत्र	बी.एस.सी.	अवि.	
	श्री कीर्तिकुमार	१६	पुत्र	बी. एस.सी. I	अवि.	
५५—	श्री मदनलाल बरैया	२३	मुखिया	बी ए.	वि.	सर्विस ए.जी आफिस, जायवमहल
	श्रीमती मैनाकुमारी	१६	पत्नी		वि.	
	श्री रमेशचन्द	२१	भाई	बी. ए.	अवि.	
	श्रीमती यशोदाबाई	५५	मां		विधवा	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
५६	श्री बालचन्द बरैया	४०	मुखिया		वि.	काश्तकारी अमरोल
	श्रीमती इमरतीबाई	३५	पत्नी		वि.	
	श्री रामस्वरूप	२०	पुत्र	ग्यारवीं होम्य.	अवि.	
	श्री नन्दकुमार	२२	भतीजा	बी. ए.	वि.	
	श्रीमती कुसुमबाई	१८	भतीजवधू		वि	
५७	श्री पतराम बरैया	७०	मुखिया		वि.	
	श्रीमती कासीबाई	६५	पत्नी		वि.	
	श्री बाबूलाल	४२	पुत्र		वि.	व्य. चाट की दुकान, जीवाजी चौक
	श्रीमती महादेवीबाई	३८	पुत्रवधू		वि.	
	कु. विमलाबाई	१४	पौत्री		अवि.	
	श्री लक्ष्मीनारायण	३८	पुत्र		अवि.	व्यवसाय तुलवाई
५८	श्री देवीलाल बरैया	४०	मुखिया		वि.	व्यवसाय कपड़ा
	श्रीमती शान्तीबाई	३५	पत्नी		वि.	
	श्री पदमचन्द	२०	पुत्र	नवीं	अवि.	
	श्रीमती यशोदाबाई	५५	मां		विधवा	
	श्रीमती जमनाबाई	८५	नानी		विधवा	
५९	श्री अशरफीलाल बरैया	३०	मुखिया		वि.	सर्विस जे.सी. मिल्स, बिरला नगर
	श्रीमती शान्तीबाई	२५	पत्नी		वि.	
६०	श्री रामस्वरूप बरैया	२५	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस सिमको, ग्वालियर
	श्रीमती किशोबाई	२०	पत्नी		वि.	
६१	श्री बाबूलाल बरैया	४५	मुखिया		वि.	सर्विस जे. सी. मिल
	श्रीमती कमलाबाई	३२	पत्नी		वि.	
६२	श्री बाबूलाल बरैया	६५	मुखिया		वि.	पी. डब्लू. डी., चौकीदार
	श्रीमती केशरबाई	५५	पत्नी		वि.	
	श्री बुद्धप्रकाश	१४	पुत्र	ग्यारहवीं	अवि.	
६३	श्री मोतीलाल पल्लीवाल	७०	मुखिया		वि.	
	श्रीमती हीरोबाई	६५	पत्नी		वि.	
	श्री हुकुमचन्द	४०	पुत्र		वि.	सर्विस जे. सी. मिल्स, बिरला नगर
	श्रीमती राजबाई	३५	पुत्रवधू		वि.	
	श्री नारायण प्रसाद	३०	पुत्र		वि.	सर्विस नया बाजार
	श्रीमती रामवती	२५	पुत्रवधू		वि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
६२—	श्री देवचन्द बरैया	४५	मुखिया		वि.	चाट की दुकान
	श्रीमती केतकीबाई	४०	पत्नी		वि	
	श्री घनसुन्दरलाल	२२	पुत्र	मेट्रिक	वि.	सर्विस,से. टेली. आफिस,अवेन्द्रगंज
	श्रीमती वैजयन्तीदेवी	१६	पुत्रवधू		वि.	
	कु० लक्ष्मीबाई	१५	पुत्री		अवि.	
	श्री पूरनचन्द जी	४०	भाई	मिडिल	वि.	पोस्टमैन, जी.पी.ओ., ग्वालियर
	श्रीमती विजयकुमारी	३५	भ्रातवधू		वि.	
	कु० लीलाबाई	१५	भतीजी	मिडिल	अवि.	
	श्रीमती विलासोबाई	८५	मां		विधवा	
६३—	श्रीलालचन्द बरैया	५०	मुखिया		वि.	हलवाई की दुकान
	श्रीमती कलावती	३५	पत्नी		वि.	
६४—	श्री मन्नूलाल बरैया	६०	मुखिया		वि.	दलाल (मकान)
	श्रीमती सरस्वतीबाई	५०	पत्नी		वि.	
६५—	श्री कैलाशचन्द बरैया	२२	मुखिया	११वीं	वि.	सर्विस, म. प्र. को. बैंक, मुरार
	श्रीमती कमलाबाई	१६	पत्नी		वि.	
	श्री मुन्नालाल	४८	पिता		विधुर	
	श्री मिश्रीलाल	५५	ताऊ		विधुर	
६६—	श्री प्रेमकुमार बरैया	१७	मुखिया	बी.ए. II	अवि.	
	श्री पवन कुमार बरैया	१६	मुखिया	ग्यारवीं	अवि.	
	डा० यशवन्त कुमार बरैया	२५	मुखिया	M.B.B.S.	वि.	डिमोन्स्टेटर,जी.आर.मेडीकल कॉलेज
माधवगंज:—						
६७—	श्री मुन्शीलाल जैसवाल	५३	मुखिया	नवीं	वि.	फर्म—मे. मुन्शीलाल महेन्द्रकुमार, माधवगंज
	श्रीमती ज्ञानवती	४८	पत्नी		वि.	
	श्री महेन्द्र कुमार	२७	पुत्र	बी.ए. II	वि.	
	श्रीमती कमलादेवी	२४	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
६८—	श्री शीतल प्रसाद बरैया	३५	मुखिया	बी. कॉम.	वि.	आफीसर-इन्चार्ज, ग्वालियर सेन्ट्रल को. आपरेटिव बैंक, डीडवाना ओली
	श्रीमती शान्तीदेवी	३०	पत्नी		वि.	
	कु० ऊषादेवी	१५	पुत्री	ग्यारवीं	अवि.	
६९—	श्री प्रसन्न कुमार परवार	२६	मुखिया	B.A.M.S.	वि.	व्याख्याता, आयुर्वेदिक कॉलेज, ग्वालियर
	श्रीमती राजमती देवी	२०	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री दशरथ चन्द	२१	भाई	बी.एस सी.II	अवि.	
	श्री विनोद कुमार	१४	भाई	मिडिल	अवि.	
७०—	श्री कुन्नालाल बरौआ	५०	मुखिया		विधुर	दुकान, जैन मैनपुरी स्टोर, बाड़ा
	श्री पदम चन्द जैन	३०	पुत्र	बी. कॉम.	वि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती शकुन्तला देवी	२५	पुत्रवधू		वि.	
	श्री निर्मल चन्द	२८	पुत्र	मिडिल	वि.	कूल कार्नर, सराफा बाजार
	श्रीमती अरुणा देवी	२४	पुत्रवधू	मेट्रिक	वि.	
	श्री कपूर चन्द	२६	पुत्र	मिडिल	वि.	बनारसी पान स्टोर, सराफा बाजार
	श्रीमती कमला देवी	२२	पुत्रवधू		वि.	
	श्री मानिक चन्द	२२	पुत्र	बी. कॉम.	वि.	
	श्रीमती सुषमा देवी	१८	पुत्रवधू		वि.	
७१	श्री भगवान दास अग्रवाल	६८	मुखिया		वि.	बर्तनों के व्यापारी
	श्रीमती अयोध्या देवी	५०	पत्नी		वि.	
७२	श्री रामस्वरूप अग्रवाल	५०	मुखिया		वि.	कपड़े की दुकान
	श्रीमती बसन्ती देवी	४०	पत्नी		वि.	
	श्री बाबूलाल	१७	पुत्र		अवि.	
७३	श्री रतन चन्द सेठी	३५	मुखिया	इन्टर	वि.	फुटकर एजेंसीज
	श्रीमती पिस्ता देवी	३२	पत्नी		वि.	
७४	श्री मोहन लाल बरैया	६७	मुखिया		वि.	ठेकेदारी
	श्रीमती कौशिल्या देवी	६२	पत्नी		वि.	
	श्री महावीर प्रसाद	३०	पुत्र	एम. ए	वि.	प्र.अ., श्री महावीर जूनियर कालेज,
	श्रीमती कमला देवी	२५	पुत्रवधू		वि.	फालके बाजार
७५	पं. भगवती प्रसाद बरैया	४२	मुखिया	मेट्रिक	वि.	दलाली बिल्टी रेल्वे
	श्रीमती अंगूरी देवी	४०	पत्नी		वि.	
	श्री राजेन्द्र प्रसाद	१८	पुत्र	मेट्रिक	वि.	सर्विस, मॉडर्न इलेक्ट्रिक स्टोर
	श्रीमती कुसुमलता	१५	पुत्रवधू		वि.	
७६	श्री बाबूलाल बरैया	३८	मुखिया		अवि.	मेस. श्रीचन्द्र बाबूलाल, गांधी मार्केट
	श्रीमती सोना देवी	५५	माँ		विधवा.	
७७	श्री सुगन चन्द पाटनी	६५	मुखिया	मिडिल	विधुर	मेस. कजौड़ीमल मूलचन्द्र सर्राफ
	श्री शिखर चन्द	३०	पुत्र	मेट्रिक	वि.	(होम्यो एण्ड बायो डॉ.
	श्रीमती शान्ती देवी	२५	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	पप्पू टॉयज इन्डस्ट्रीज)
	डॉ० केशरी मल	२५	पुत्र	M.Com., M.D.H.	वि.	(कैशियर, के.बी. बैंक लि., होम्यो.
	श्रीमती उर्मिला	२३	पुत्रवधू	बी. ए.	वि.	एण्ड बायो. डा. र. नं. ४०३३)
	श्री विमल चन्द	२०	पुत्र	बी. कॉम. II	अवि.	रेडियो एण्ड वॉच रिपेयर्स
७८	श्री लखमी चन्द	८५	मुखिया		विधुर	मेस. लखमीचंद्र पन्नालाल, कपड़ा व्यापार
	श्री लाल चन्द	५८	पुत्र		विधुर	सर्विस

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
७९	श्री हुकमचन्द	४५	मुखिया		वि.	वस्त्र व्यापारी
	श्रीमती सोना देवी	४०	पत्नी	छठीं	वि.	
	कुमारी सुशीला	२१	पुत्री	इन्टर	अवि.	
	श्री पदम चन्द	१९	पुत्र	मिडिल	अवि.	
	कुमारी शान्ता	१७	पुत्री	नवीं	अवि.	
८०	श्री कौशल चन्द पाटनी	५१	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस, सोने-चांदी की दुकान, सराफा
	श्रीमती चमेली देवी	४५	पत्नी		वि.	
	कुमारी सरोज	१७	पुत्री	ग्यारवीं	अवि.	
	कुमारी पुष्पा	१४	पुत्री	छठीं	अवि.	
८१	श्री पूनम चन्द बोहरा	५४	मुखिया		वि.	कपड़े की दुकान, सराफा बाजार,
	श्रीमती छोटी बाई	४३	पत्नी		वि.	लश्कर
	श्री हेमचन्द	१९	पुत्र		अवि.	
८२	श्री नानूलाल पाटोदी	६५	मुखिया		वि.	मे. इन्दरचन्द नानूलाल सर्राफ
	श्रीमती कनका देवी	५०	पत्नी		वि.	
	श्री विमल चन्द	३१	पुत्र	इन्टर	वि.	
	श्रीमती लक्ष्मी देवी	२८	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	कुमारी शशि	१६	नातिनी	ग्यारवीं	अवि.	
८३	श्री पन्नालाल बोहरा	३५	मुखिया		वि.	कपड़े के व्यापारी, माधवगंज
	श्रीमती रत्नाबाई	३२	पत्नी		वि.	चौराहा, लश्कर
८४	श्री उत्तम चन्द बरैया	३०	मुखिया	मिडिल	वि.	(सर्विस, दीनदयाल औषधालय,
	श्रीमती मनीबाई	२५	पत्नी		वि.	दौलतगंज)
८५	श्री मांगीलाल बरैया	३५	मुखिया	मेट्रिक	वि.	मे. जैन एण्ड क., न्यूज पेपर्स ऐजेंट,
	श्रीमती राज कुमारी	३०	पत्नी		वि.	सराफा बाजार
८६	श्री लक्ष्मीनारायण जैसवाल	३६	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस, हलवाई होटल संघ
	श्रीमती राजकुमारी	३०	पत्नी		वि.	
८७	श्री नेमीचंद पांडवीय, जैसवाल	३२	मुखिया	B.A., L.L.B.	वि.	सर्विस, स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया
	श्रीमती मुन्नी बाई	२५	पत्नी		वि.	
	श्री रमेश चन्द	२४	भाई	ग्यारवीं	वि.	असि० रजि०, को-आपरेटिव
	श्रीमती कपूरी देवी	१६	भ्रातावधू		वि.	डिपार्टमेंट, शिवपुरी
	श्री मुरारीलाल	२२	भाई	बी. ए. II	अवि.	
	श्री कान्ती प्रसाद	२०	भाई	छठीं	अवि.	
	कुमारी शान्ती देवी	१४	बहिन		अवि.	
	श्रीमती सुन्दर बाई	५५	माँ		विधवा	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती द्रोपदी बाई	६५	बुआ		विधवा	
८८—	श्री मनोहरलाल पल्लीवार	४०	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस, हलवाई होटल मंच
	श्रीमती जय देवी	३८	पत्नी		वि.	
	कुमारी सरला देवी	१७	पुत्री	ग्यारवीं	अवि.	
८९—	श्री केदारनाथ बरैया	३६	मुखिया	ग्यारवी	वि.	सर्विस, कपड़े की दुकान
	श्रीमती शान्ति देवी	३०	पत्नी		वि.	
	श्री सुरेशचन्द	१८	पुत्र	मेट्रिक	वि.	सर्विस, बर्तन की दुकान
	श्रीमती सुशीला देवी	१५	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री महेन्द्र कुमार	१५	पुत्र	मिडिल	अवि.	सर्विस, कपड़े की दुकान
९०—	श्री इन्द्रसेन बरैया	२०	मुखिया	ग्यारवीं	वि.	सर्विस, सब्जी मंडी, छत्री बाजार
	श्रीमती फूलबाई	१६	पत्नी	सातवीं	वि.	
९१—	श्री बाबूलाल बरैया	३०	मुखिया	मेट्रिक	वि.	दलाली, नयाबाजार
	श्रीमती बदामी बाई	२५	पत्नी		वि.	
	श्रीमती बब्बो बाई	४०	माँ		विधवा	
९२—	श्री प्यारेलाल जैन	५०	मुखिया		वि.	मेस. फैन्सी क्लॉथ स्टोर्स, माधवगंज
	श्रीमती निर्मला देवी	४०	पत्नी		वि.	
	श्री किशन चन्द	४५	भाई		वि.	
	श्रीमती रामप्यारी देवी	४०	भ्रातावधू		वि.	
	श्री प्रेमचन्द	२५	पुत्र	बी. ए.	वि.	सम्पादक—दैनिक जवाहर के लाल
	श्रीमती सन्तोष देवी	२३	पुत्रवधू		वि.	
	श्री नेमीचन्द	२१	पुत्र	बी. एस. सी. II	अवि.	
९३—	श्री फूलचन्द पाटनी	८०	मुखिया		वि.	
	श्रीमती केशर बाई	६०	पत्नी		वि.	
	श्री कपूरचन्द	५५	पुत्र		वि.	मे. मोहन शिवणकला भवन, माधवगंज
	श्रीमती कंचनबाई	४८	पुत्र वधू		वि.	
	श्री मोहनलाल	३४	पौत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती शान्तीबाई	२९	पौत्र वधू		वि.	
	श्री उत्तमचन्द	२६	पौत्र	मिडिल	वि.	सर्विस, छेदीलाल फूलचंद, नयाबाजार
	श्रीमती शान्ताबाई	१९	पौत्र वधू		वि.	
	श्री होतीलाल	२४	पौत्र	एम. कॉम.	वि.	सर्विस, ए.जी. आफिस, मोतीमहल
	श्रीमती विमलाबाई	२३	पौत्र वधू	मिडिल	वि.	
	श्री रमेशचन्द	२२	पौत्र	बी. कॉम I	वि.	
	श्रीमती मीना देवी	१८	पौत्र वधू	मिडिल	वि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री धर्मचन्द	१७	पौत्र	मिडिल	अवि.	
	श्री रतनचन्द	५०	पुत्र	छठीं	वि.	सर्विस, ट्रेजरी आफिस
९४—	श्री मक्खनलाल बरैया	५०	मुखिया		वि.	सर्विस, रेशमचन्द गुलाबचंद सर्राफ
	श्रीमती शान्ती देवी	३५	पत्नी	मिडिल	वि.	सराफा बाजार, लश्कर
	श्री सुगनचन्द	२०	भतीजा	मेट्रिक	अवि.	
	श्री सुरेशचन्द	१४	भतीजा		अवि.	
	श्रीमती सरस्वतीबाई	५०	भाभी		विधवा	
९५—	श्री छोटेलाल बरैया	२८	मुखिया	सातवीं	वि.	किराना दुकान
	श्रीमती कस्तूरी देवी	२५	पत्नी		वि.	
	श्री रामदीन	३८	भाई		अवि.	
	श्री प्रभूदयाल	२२	भतीजा	बी० ए०	अवि.	
९६—	श्री मदनलाल पल्लीवाल	४५	मुखिया		वि.	प्रभात आटा चक्की, माधवगंज
	श्रीमती अंगूरीबाई	४०	पत्नी		वि.	
	श्री प्रभातकुमार	१४	पुत्र	नवीं.	अवि.	
	कु० स्नेहलता	१५	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
९७—	श्री चिन्टूलाल काला	४५	मुखिया		अवि.	पान की दुकान
	श्री बच्चूलाल	४०	भाई	मिडिल	वि.	
	श्रीमती लीलाबाई	३०	भाई बधू		वि.	
९८—	श्री पन्नालाल बोहरा	४२	मुखिया		वि.	श्री पन्नालाल सीताराम, कपड़ा व्यवसायी,
	श्रीमती प्रकाशबाई	३५	पत्नी		वि.	माधवगंज, फोन नं. २२१९
	श्री प्रेमचन्द	१७	पुत्र	बी. काम. II	अवि.	
	श्री राजेन्द्रकुमार	१५	पुत्र	मिडिल	अवि.	
९९—	श्री बाबूलाल छावड़ा	३५	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस, सब पोस्ट आफिस, मोतीमहल
	श्रीमती विमलादेवी	२४	पत्नी		वि.	
१००—	श्रीमती रज्जोबाई बरैया	२२	मुखिया		विधवा	
१०१—	श्री बलराम बरैया	४०	मुखिया		वि.	दलाल, नया बाजार
	श्रीमती कमला देवी	३५	पत्नी		वि.	
	श्रीमती पार्वती देवी	६५	मां		विधवा	
१०२—	श्री सुमतिप्रसाद परवार	३५	मुखिया	बी. ए.	वि.	भावना अगरबत्ती प्रोडक्शन, सराफा बाजार
	श्रीमती मैनोदेवी	३०	पत्नी		वि.	
	श्री कैलाशचन्द	२०	भाई		अवि.	
१०३—	श्री राजाराम जैसवाल	२८	मुखिया		वि.	आढ़तिया, सब्जी मण्डी
	श्रीमती कमला देवी	२२	पत्नी		वि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
१०४—	श्री रामचरनलाल जैसवाल	४०	मुखिया		वि.	सर्विस, सब्जी मंडी
	श्रीमती प्रेमदेवी	३५	पत्नी		वि.	
१०५—	श्री मुन्नीलाल बरैया	३५	मुखिया		वि.	टाईपिस्ट, नक्शेनवीस, हाई कोर्ट
१०६—	श्री चुन्नीलाल अग्रवाल	५०	मुखिया	बी. ए.	वि.	स.-रामनारायण ओमप्रकाश, नयाबाजार
	श्रीमती सरोजदेवी	४९	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री वीरेन्द्रकुमार	२८	पुत्र	एम.ए., एम.काम.	वि.	सर्विस, स्टेट बैंक आफ इण्डिया
	श्रीमती कुन्तीरानी	२४	पुत्र वधू	ग्यारवी	वि.	
	श्री राजेन्द्रकुमार	२४	पुत्र	M Sc.	अवि.	सर्विस-सुपर इलेक्ट्रनिक ग्रुप
	श्री अशोककुमार	१६	पुत्र	ग्यारवी	अवि.	मेकेनिको, कम्पू मार्ग, लश्कर
	कु० उषा	१४	पुत्री	मिडिल	अवि.	
१०७—	श्री श्यामलाल पन्ना परवाल	६५	मुखिया		वि.	पान की दूकान
	श्रीमती मुन्नीबाई	५५	पत्नी		वि.	
	कु० उर्मिला	१४	पुत्री		अवि.	
१०८—	श्री मिलापचन्द अजमेरा	४४	मुखिया		वि.	दलाल, नया बाजार
	श्रीमती लक्ष्मीदेवी	४२	पत्नी		वि.	
	श्री सुभाषचन्द्र	२३	पुत्र	बी. ए. I	वि.	सर्विस, स्टेट बैंक आफ इण्डिया
	श्रीमती तारादेवी	२०	पुत्रवधू	नवी	वि.	
	श्री ललित कुमार	१८	पुत्र	ग्यारहवी	वि.	दलाल, नया बाजार
	श्रीमती राजकुमारी	१६	पुत्रवधू	नवी	वि.	
	श्री रतन कुमार	१४	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	कु० शकुन्तला	१५	पुत्री	मिडिल	अवि.	
१०९—	श्री नत्थूलाल बरैया	५५	मुखिया		वि.	हलवाई की दूकान
	श्रीमती कस्तोबाई	५०	पत्नी		वि.	
११०—	श्री फूलचन्द सेठिया, बरैया	६०	मुखिया		वि.	
	श्रीमती मन्तीबाई	५५	पत्नी		वि.	
	श्री बाबूलाल	३०	पुत्र	छठवी	अवि.	
	श्री रमेशचन्द	२५	पुत्र	मेट्रिक	वि.	सर्विस, प्रेस
	श्रीमती मुन्नीबाई	२०	पुत्रवधू		वि.	
	श्री सेमोचन्द	२१	पुत्र	ग्यारहवी	अवि.	दुकानदारी
१११—	श्री बाबूलाल बरैया	५५	मुखिया		वि.	जैन मिष्ठान्न भंडार, लक्ष्कर
	श्रीमती रामप्यारी	५०	पत्नी		वि.	
	श्री मोहनलाल	२५	पुत्र	मिडिल	वि.	सर्विस, सतीशकुमार प्रदीपकुमार, नयाबाजार
	श्रीमती लक्ष्मीबाई	२२	पुत्रवधू		वि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री सोहनलाल	२२	पुत्र	बी. काम.	वि.	जैन मिष्ठान्न भंडार, माधवगंज
	श्रीमती शकुन्तला	१४	पुत्रवधू		वि.	
	श्री किशनलाल	१८	पुत्र	मिडिल	अवि.	
	श्री मदनलाल	१६	पुत्र	नवीं	अवि.	
११२—	श्री छम्मनलाल सिंघई, बरैया	६०	मुखिया		विधुर	किराने की दुकान, माधवगंज
	श्री लालचन्द	२३	पुत्र	इन्टर	वि.	
	श्रीमती शकुन्तला	१८	पुत्रवधू		वि.	
११३—	श्री गुलाबचन्द जैसवाल	४०	मुखिया		वि.	सर्विस सतीशकुमार प्रदीपकुमार, नयाबाजार
	श्रीमती कमलेशदेवी	३७	पत्नी		वि.	
	श्री शिखरचन्द	१६	पुत्र	ग्यारवीं	अवि.	
११४—	श्री चम्पालाल पद्मा. परवाल	६०	मुखिया		विधुर	चम्पालाल दौलतराम, मिष्ठान्न भंडार
	श्री दौलतराम	५५	भाई		वि.	
	श्रीमती कलावती बाई	४५	भ्रातावधू		वि.	
	श्री श्यामकुमार	३०	भतीजा		वि.	
	श्रीमती रत्नाबाई	२५	भतीजवधू		वि.	
	कु० विमला	१५	भतीजी	मिडिल	अवि.	
	श्री मुन्नीलाल	५५	भाई		विधुर	
	श्रीमती केशरबाई	८०	मां		विधवा	
११५—	श्री सम्पतलाल बरैया	५०	मुखिया		वि.	दलाल, नया बाजार
	श्रीमती तुलसीबाई	४५	पत्नी		वि.	
	श्री नेमीचन्द	२०	पुत्र	मेट्रिक	वि.	सर्विस, प्रेस
	श्रीमती कुसुमबाई	१८	पुत्रवधू		वि.	
	श्री प्रेमचन्द	१८	पुत्र		वि.	अखबार-विक्रेता
	श्रीमती राजकुमारी	१६	पुत्रवधू		वि.	
११६—	श्री बादामीलाल	३८	मुखिया		वि.	जैन एण्ड को., न्यूज पेपर्स सोल एजेन्ट, डीडवानाओली
	श्रीमती विमलाबाई	३५	पत्नी		वि.	
११७—	श्री पन्नालाल परवार	६०	मुखिया		विधुर	
	श्री बिहारीलाल	५७	भाई		अवि.	
	श्री बद्रीप्रसाद	५०	भाई		वि.	बद्रीप्रसाद अशोककुमार, मिष्ठान्न भंडार
	श्रीमती नगरावाली	४५	भ्रातावधू		वि.	
	श्री जगदीश प्रसाद	३०	भतीजा	ग्यारवीं	वि.	कम्पाउन्डर, आयुर्वेदिक अस्पताल, जामसी, लश्कर
	श्रीमती शकुन्तला	२५	भतीजवधू		वि.	
	श्री रमेशचन्द	२८	भतीजा	मेट्रिक	वि.	दलाल

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती उर्मिलादेवी	२४	भतीजवधू	मिडिल	वि.	
	श्री मुन्नालाल	२६	भतीजा	इन्टर	वि.	सर्विस, नाप-तौल विभाग
	श्रीमती बिमलादेवी	२२	भतीजवधू		वि.	
	कमाठीपुरा, माधवगंज					
११८—	श्री कपूरचन्द बरैया	४५	मुखिया		अवि.	सर्विस, मे. रामनारायण गोपालदास
	श्री घनश्याम दास	३५	भाई		अवि.	हलवाई
११९—	श्री कल्याणदास परवार	७५	मुखिया		वि.	हलवाई की दुकान
	श्रीमती कल्याण दास	७०	पत्नी		वि.	
	श्री प्रेमचन्द	३१	पुत्र		वि.	नमकीन का ठेला
	श्रीमती शारदादेवी	२७	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री श्रीप्रकाश	२४	पुत्र		वि.	
	श्रीमती श्रीप्रकाश	१६	पुत्र वधू		वि.	
१२०—	श्री कन्हैयालाल परवार	३०	मुखिया	मिडिल	वि.	कन्डक्टर, म. प्र. स्टेट ट्रान्सपोर्ट
	श्रीमती प्रेमवती	२५	पत्नी	मिडिल	वि.	
१२१—	श्री कमल बरैया	४०	मुखिया		वि.	फुटकर दुकान
	श्रीमती कमलाबाई	३५	पत्नी		वि.	
१२२—	श्री धर्मचन्द बरैया	३८	मुखिया	B.A.,L.L.B.	वि.	एकाउन्टेन्ट, कम्बलकेन्द्र, गोन पहाड़िया, लश्कर
	श्रीमती दिनेश्वरी देवी	२५	पत्नी		वि.	
	गाडवे की गोठ					
१२३—	श्री शंकरलाल बरैया	४०	मुखिया		वि.	ठेला ढुलाई
	श्रीमती कमला बाई	२८	पत्नी		वि.	
	श्री ओमप्रकाश	१५	पुत्र	ग्यारवीं	अवि.	
	आपागंज					
१२४—	श्री द्वारकाप्रसाद बरैया	४०	मुखिया		वि.	सर्विस, जे.सी.मिल्स, बुनकर विभाग
	श्रीमती मुन्नीबाई	३०	पत्नी		वि.	
	श्री महावीर प्रसाद	१६	पुत्र	ग्यारवीं	अवि.	
	बापू कम्डी की गोठ, माधवगंज					
१२५—	श्री उत्तमचन्द बरैया	२८	मुखिया		वि.	कम्पाउन्डर, दीनदयाल औषधालय
	श्रीमती मुन्नीबाई	२५	पत्नी		वि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
१२६—	श्री जगन्नाथप्रसाद बरैया	३०	मुखिया		विधुर	चाट ठेला
	श्रीमती काशीबाई	६५	मां		विधवा	
२७—	श्री पन्नालाल बरैया	४५	मुखिया	नवीं	वि.	ककरी व्यापारी
	श्रीमती रूपाबाई	४०	पत्नी		वि.	
	श्री पन्नालाल	२५	पुत्र	ग्यारवीं	वि.	सर्विस, ए.जी. आफिस, मोतीमहल
	श्रीमती प्रभावती	२२	पुत्र वधू		वि.	
१२८—	श्री छोटेलाल बरैया	४०	मुखिया		वि.	चाय का ठेला
	श्रीमती शान्तीबाई	३५	पत्नी		वि.	

पुलिस चौकी, माधवगंज

१२९—	श्री रघुनाथप्रसाद बरैया	४५	मुखिया		विधुर	मे. सीताराम जीवनलाल, किराना
	श्री जीवनलाल	३६	भाई		वि.	व्यापारी, माधवगंज
	श्रीमती कमलाबाई	३०	भाई वधू		वि.	
	श्री नेमीचन्द	३०	भाई		वि.	मे. जीवनलाल अशोककुमार,
	श्रीमती लक्ष्मीदेवी	२०	भ्राता वधू		वि.	किराना व्यापारी
	कु० सितारा	१४	भतीजी		अवि.	

चिटनीश की गोठ (माधवगंज):—

१३०—	श्री सुभाषचन्द अग्रवाल	२०	मुखिया	ग्यारवी	अवि.	सर्विस-नेमीचंद प्यारेलाल,माधवगंज
	श्री अरिन्जयकुमार	१५	भाई	मिडिल	अवि.	सर्विस-जगदीशप्रसाद राजीवकुमार
	श्रीमती अनारोदेवी	३५	मां		विधवा	
१३१—	श्री मिलापचन्द पापड़ीवाल	५५	मुखिया		वि.	सर्विस-रमेशचंद गुलाबचंद सर्राफ
	श्रीमती गुलाबबाई	५०	पत्नी		वि.	
	श्री ताराचन्द	३५	पुत्र	इन्टर	वि.	सर्विस, M. P. S. R. T. C.
	श्रीमती हीरोबाई	३०	पुत्रवधू		विधवा	
	श्री लोकेन्द्रकुमार	२३	पुत्र	मिडिल	अवि.	कशीदाकारी का कार्य
	श्री भूपेन्द्रकुमार	२१	पुत्र	बी. काम.	अवि.	सर्विस,म.प्र. राज्य परिवहन निगम
	कु० चन्द्रकान्ता	१७	पुत्री	ग्यारवी	अवि.	
	कु० मधु	१४	पौत्री	मेट्रिक	अवि.	
१३२—	श्री गुलाबचन्द पापड़ीवाल	७०	मुखिया		अवि.	
१३३—	श्री हरविलास पचा. परवाल	३६	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस,जे.सी. मिल्स,बिरलानगर
	श्रीमती अंगूरीबाई	२५	पत्नी		वि.	
	श्रीमती द्रोपतीबाई	७७	मा		विधवा	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
१३४—	श्री किशन स्वरूप पद्मा. पर.	२८	मुखिया	ग्यारवीं	वि.	सर्विस, जे. सी. मिल्स, बिरलानगर
	श्रीमती कंचनबाई	२४	पत्नी		वि.	
१३५—	श्री कन्हैयालाल गर्ग (अग्र.)	४५	मुखिया		वि.	किराना दुकान, चिटनीस की गोठ
	श्रीमती गुणमाला	४०	पत्नी		वि.	
	श्री लक्ष्मणदास	२४	पुत्र	B.Com., L.L.B (पू.)	वि.	सर्विस, ८ म. प्र. बटालियन
	श्रीमती सरोजकुमारी	२०	पुत्रवधू		वि.	
	श्री रिखबदास	२१	पुत्र	मेट्रिक	वि.	दुकान
	श्रीमती जैनमती	१८	पुत्रवधू	पांचवी	वि.	
१३६—	श्री मूलचन्द बरैया	६०	मुखिया	मिडिल	वि.	मुन्शी (अदालत)
	श्रीमती सोनाबाई	५५	पत्नी		वि.	
	श्री रमेशकुमार	२०	पुत्र	बी. काम.	वि.	टाइपिस्ट हाईकोर्ट
	श्रीमती इन्द्राबाई	१७	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री सुरेशकुमार	१८	पुत्र	बी काम. III	अवि.	
	कु० पुष्पा	१४	पुत्री	मिडिल	अवि.	
१३७—	श्री फतेहचन्द बरैया	३८	मुखिया	B.A., L.L.B.	वि.	सुपरि०, ए. जी. आफिस, जायवमहल
	श्रीमती प्रेमवती	३५	पत्नी		वि.	
१३८—	श्री वृन्दावनलाल गोलालारे	४५	मुखिया		वि.	हलवाई
	श्रीमती छोटीबाई	४०	पत्नी		वि.	
	श्री रामअवतार	२२	पुत्र		अवि.	
	श्री श्रीचन्द	२०	पुत्र		अवि.	
१३९—	श्री नेमीचन्द बंसल (अग्र.)	२७	मुखिया	मेट्रिक	वि.	श्री नेमीचन्द भागचन्द, कपड़े के व्यापारी, बड़ी मण्डी
	श्रीमती गोमतीबाई	२४	पत्नी		वि.	
	श्री भागचन्द	२२	भाई	नवीं	अवि.	
	श्री सुभाषचन्द	२०	भाई	बी. काम. III	अवि.	
	कु० मनोरमा	१६	बहिन	मिडिल	अवि.	
	श्रीमती त्रिवेणीबाई	४०	माँ		विधवा	
	श्रीमती नारायनीबाई	६०	दादी		विधवा	
१४०—	श्री छैलबिहारी परवार	३५	मुखिया	बी. काम.	वि.	सर्विस, लाइफ इन्शोरेन्स कार्पोरेशन
	श्रीमती कमलादेवी	३०	पत्नी	इन्टर	वि.	
१४१—	केशरीचन्द खरौआ	३५	प्रमुख	B.A., L.L.B.	वि.	आडीटर, रजिस्ट्रार आफ को-आपरेटिव सोसाइटीज
	श्री रमेशचन्द	२५	साला	बी. काम.	अवि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण

बालाबाई का बाजार :–

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
१४२	—श्री दयाचन्द परवार	४०	मुखिया	छठी	वि.	हलवाई
	श्रीमती चमेली बाई	३०	पत्नी	छठी	वि.	
१४३	—श्री चिरोंजीलाल बरैया	३५	मुखिया		अवि.	कपड़े के व्यापारी
१४४	—श्री भीकाराम बरैया	४५	मुखिया		वि.	हलवाई
	श्रीमती छोटीबाई	४०	पत्नी		वि.	
	कु० शकुन्तला	१४	पुत्री		अवि.	
१४५	—श्री महेन्द्र कुमार अग्रवाल	४०	मुखिया		वि.	सर्विस, ट्रान्सपोर्ट कं०
	श्रीमती सुरेन्द्रीदेवी	३५	पत्नी		वि.	
	श्री शशीकान्त	२०	पुत्र	बी. ए.	अवि.	सर्विस, विजय एण्ड कं० नयाबाजार
	श्री किशोर कुमार	१६	पुत्र	इन्टर	अवि.	
	कु० शोभा	१४	पुत्री	मिडिल	अवि.	
१४६	—श्री चिरोंजीलाल बरैया	३६	मुखिया		वि.	चिरोंजीलाल बालचंद, कपड़े के व्यवसायी, माधवगंज
	श्रीमती अंगूरीबाई	३०	पत्नी		वि.	
१४७	—श्री मुन्नालाल खरौआ	४७	मुखिया	मेट्रिक	वि.	परिचालक, M. P. S. R. T. C.
	श्रीमती पद्मश्रीदेवी	४६	पत्नी		वि.	
	कु० मिथलेश	१३	पुत्री	नवीं	अवि.	
१४८	—श्री बाबूलाल खरौआ	३७	मुखिया		वि.	बनारसी पान भण्डार, जयाजी चौक
	श्रीमती देवी	३२	पत्नी		वि.	
	कु. इन्द्रा	१४	पुत्री		अवि.	
	श्री शिखरचन्द	६५	पिताजी		विधुर	
१४९	—श्री मिजाजीलाल खरौआ	२०	मुखिया	बी.काम.II	वि.	बनारसी पान भण्डार, जयाजी चौक
	श्रीमती प्रेमलता	२०	पत्नी		वि.	
१५०	—श्री सीताराम अग्रवाल	५०	मुखिया		वि.	मुन्शी (अदालत)
	श्रीमती लच्छोबाई	४५	पत्नी		वि.	
	श्री पुरुषोत्तमदास	१४	पुत्र	मिडिल	अवि.	
१५१	—श्री महेन्द्रकुमार खरौआ	३७	मुखिया		वि.	अशोक पान भण्डार, इन्द्रगंज
	श्रीमती कुसमादेवी	३२	पत्नी		वि.	
	श्री सन्त कुमार	३०	भाई		अवि.	
	श्री मन्नीलाल	२०	भाई		अवि.	
	श्रीमती बेटीबाई	६०	मां		विधवा	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
माधवगंज :—						
१५२—	श्री बाबूलाल खरौआ	५०	मुखिया		वि.	(बाबूलाल शान्तीलाल, कपड़े के
	श्रीमती ज्ञानदेवी	४०	पत्नी		वि.	व्यापारी, माधवगंज)
	श्री शान्तीकुमार	२४	पुत्र	मेट्रिक	वि.	कपड़े की दुकान
	श्रीमती पुष्पादेवी	२०	पुत्रवधू		वि.	
	श्री नरेन्द्र कुमार	२०	पुत्र	बी.काम. I	अवि.	
१५३—	श्री विनोद कुमार खरौआ।	१८	मुखिया	मेट्रिक	अवि.	
	कु० सुषमा	१६	बहिन	नवीं	अवि.	
	कु० सरिता	१४	बहिन	सातवीं	अवि.	
	श्रीमती कैलाशीबाई	४०	मां		विधवा	
१५४—	श्री पदमलाल वरैया	२४	मुखिया		अवि.	सिलाई का व्यवसाय
१५५—	श्री भानुकुमार खरौआ	५२	मुखिया		वि.	
	श्रीमती कान्तादेवी	४७	पत्नी		वि.	
	श्री वीरेन्द्रकुमार	२२	पुत्र	एम.काम.	वि.	
	श्रीमती पुष्पादेवी	१९	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री सतीश कुमार	२५	पुत्र	बी ए एम एस.	वि.	
	श्रीमती जैनश्रीदेवी	२२	पुत्रवधू		वि.	
लाला का बाजार:—						
१५६—	श्री बुद्धामल परवार	२३	मुखिया	ग्यारवीं	वि.	सर्विस, परिचालक, म० प्र० राज्य
	श्रीमती भूरीबाई	१८	पत्नी	छठीं	वि.	परिवहन
	श्रीमती बैकुण्ठीबाई	४५	मा		विधवा	
१५७—	श्री इन्द्रजीत'शास्त्री'(धोलपुर)	२८	मुखिया	एम.ए;बी.एड.	वि.	
	श्रीमती अनारकली	२५	पत्नी		वि.	
	श्री गोकलचन्द'	२०	भाई	D.T.T. II	वि.	
१५८—	श्री राजेन्द्रप्रसाद	२७	मुखिया	एम. एस-सी.	वि.	
खासगी बाजार:—						
१५९—	श्री रमेशचन्द कासलीवाल	२२	मुखिया	एम. काम.	वि.	सर्विस,म.प्र. स्टेट को-आपरेटिव बैंक लि
१६०—	श्री सुनहरीलाल वरैया	४३	मुखिया	पांचवीं	वि.	हार्डवेयर मर्चेन्ट
	श्रीमती विद्याबाई	३८	पत्नी		वि.	
	श्री सुभाषचन्द	२१	पुत्र		वि.	
	श्रीमती राजमती	१६	पुत्रवधू		वि.	
	श्री ज्ञानचन्द	१७	पुत्र		अवि.	
	श्री शिखरचन्द	१४	पुत्र		अवि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	फड़नीस की गोठ, चावड़ी बाजार:—					
१६१—	श्रीभगवानलाल	६०	मुखिया		वि.	सिलाई का काम
	श्रीमती आनंदी बाई	५५	पत्नी		वि.	
	श्री लक्ष्मीनारायण	४०	पुत्र		अवि.	हलवाई की दुकान,
१६२—	श्री पूनमचन्द शर्मा	४८	मुखिया	मिडिल	वि.	कन्ट्रोल की दुकान, ढोलीबुआ का पुल
	श्रीमती सावित्री देवी	४४	पत्नी		वि.	
	श्री प्रेमचन्द	१८	पुत्र	ग्यारवीं	अवि.	
	श्री महेशचन्द	१४	पुत्र	सातवीं	अवि.	
१६३—	श्री कपूरचन्द शर्मा	४२	मुखिया	मिडिल	वि.	नन्होमल प्यारेलाल सर्राफ, सोना चांदी के विक्रेता
	श्रीमती शान्तीदेवी	३५	पत्नी		वि.	
	श्री ज्ञानचन्द	२०	पुत्र	बी. ए.	अवि.	
	कु० प्रभा	१७	पुत्री	बी. ए. II	अवि.	
	कु. मनोरमा,	१४	पुत्री	मिडिल	अवि.	
	श्री रमेशचन्द	३०	भाई	नवीं	वि.	
	श्रीमती भगवती	२५	भ्रातावधू		वि.	
	ढोलीबुआ का पुल (जंकम साहब कम्पू)					
१६४—	श्री बाबूलाल बरैया	४०	मुखिया	मिडिल	वि.	हलवाई
	श्रीमती लच्छोबाई	३०	पत्नी		वि.	
	श्री रामचरण	३०	भाई	छठीं	वि.	हलवाई
	श्रीमती लक्ष्मीबाई	२०	भ्रातावधू		वि.	
	श्रीमती कौंसाबाई	७०	मां		विधवा	
१६५—	श्री सत्येन्द्रनाथ जैसवाल	२७	मुखिया	एम० ए०	वि.	सर्विस, ए. जी. आफिस, मोतीमहल
	श्रीमती राजेश	२३	पत्नी	एम० ए०	वि.	
१६६—	श्री फूलचन्द बरैया	६७	मुखिया		विधुर	किराना व्यापारी
	श्री प्रहलाद दास	३३	पुत्र	मिडिल	वि.	सर्विस, टेक्समेको, बिरला नगर
	श्रीमती शकुन्तला देवी	२८	पुत्रवधू		वि.	छत्रीबाजार
१६७—	श्री रामदयाल बरैया	५५	मुखिया		विधुर.	कपड़े के व्यापारी
१६८—	श्री नेमीचन्द	२२	मुखिया	बी.ए. III	वि.	अध्यापक, राष्ट्रीय शिशु विद्यालय,
	श्रीमती कमलेशकुमारी	१८	पत्नी	बी.ए. I	वि.	छत्री बाजार
१६९—	श्री नेमीचन्द बरैया	४५	मुखिया	मिडिल	वि.	मे. विजयकुमार एण्ड ब्रदर्स, वस्त्र
	श्रीमती पचलो देवी	३८	पत्नी		वि.	व्यापारी, सराफा बाजार
	श्री अजितकुमार	१७	पुत्र	ग्यारवीं	अवि.	
	श्री इन्द्रकुमार	१४	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	

परिवार सख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
१७०	श्री मुरारीलाल बरैया	३५	मुखिया	मेट्रिक	वि.	मे. अरुणकुमार देवेन्द्रकुमार, वस्त्र
	श्रीमती अंगूरी देवी	३०	पत्नी	मिडिल	वि.	व्यापारी, दही मण्डी
१७१	श्री पदमचन्द बरैया	२२	मुखिया	इन्टर	वि.	जैन कटपीस एम्पोरियम,
	श्रीमती कुसुमलता	१७	पत्नी	मिडिल	वि.	२६ बजरग कटरा, दहीमण्डी
	श्रीमती दुर्गाबाई	६०	नानी		विधवा	
१७२	श्री बाबूलाल गोलसिंघारे	५०	मुखिया		वि.	घी के व्यापारी
	श्रीमती रतनबाई	४०	पत्नी		वि.	
	श्री चन्द्रसेन	४०	भाई		वि.	
	श्रीमती बिट्टीबाई	३०	भ्राता वधू		वि.	
	श्री महावीरप्रसाद	१६	भाई		अवि.	
१७३	श्री महावीरप्रसाद बरैया	५५	मुखिया		वि.	पदमचद पवनकुमार,वस्त्र व्यापारी,
	श्रीमती बदामी देवी	४५	पत्नी		वि.	२६ बजरग कटरा दही मण्डी
१७४	श्री प्यारेलाल जैसवाल	५५	मुखिया		वि.	मोतीराम रामचन्द,किराना मर्चेन्ट,
	श्रीमती कलावती	४५	पत्नी		वि.	इन्दर गज
	श्री नेमीचन्द	३०	पुत्र	इन्टर	वि.	सविस, के. बी. बैंक, जयाजी चौक
	श्रीमती कलाबाई	२२	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री प्रकाशचन्द	२८	पुत्र	इन्टर	वि.	किराना मर्चेन्ट
	श्रीमती बादामीबाई	२०	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री विमलचन्द	२६	पुत्र	इन्टर	अवि.	
	श्री महेशचन्द	१८	पुत्र	नवी	अवि.	
	श्रीमती गोराबाई	७०	मां		विधवा	
१७५	श्री सुगनचन्द जैसवाल	३५	मुखिया	मेट्रिक	वि.	मोतीराम रामचद,किराना मर्चेन्ट, इद्रगज
	श्रीमती जैनमती	३०	पत्नी	मिडिल	वि.	
१७६	श्री बाकेलाल गोलसिंगारे	४२	मुखिया		वि.	घी की दुकान
१७७	श्री हजारीलाल गोलसिंगारे	६०	मुखिया		वि.	घी की दुकान, लक्ष्मीगज
	श्रीमती रामबाई	५०	पत्नी		वि.	
	श्री पदमचन्द	१०	पुत्र		अवि.	
१७८	श्री नारायणप्रसाद	३७	मुखिया		वि.	किराने की दुकान
	श्रीमती मुन्नीदेवी	२२	पत्नी		वि.	
१७९	श्री दुर्गाप्रसाद पल्लीवाल	७०	मुखिया		विधुर	हलवाई
१८०	श्री नेमीचन्द परवार	२६	मुखिया	M.Com.,M.M.B.	वि.	प्रबधक, ग्वालियर जिला सहकारी
	श्रीमती कान्तादेवी	२०	पत्नी	इन्टर	वि.	भू-विकास बैंक, ग्वालियर
१८१	श्री चोखेलाल बरैया	३५	मुखिया		वि.	सर्विस, चम्पाबाग मन्दिर
	श्रीमती कमलाबाई	३०	पत्नी		वि.	
	श्री सन्तोषकुमार	१६	पुत्र		अवि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
जनकगंज :—						
१८२—	श्री राजेन्द्रकुमार	३०	मुखिया	बी. काम.	वि.	सर्विस, ए० जी० ऑफिस
	श्रीमती मनोरमाबाई	२५	पत्नी	बी. ए.	वि.	
१८३—	श्री चिरोंजीलाल	७५	मुखिया		विधुर	मे. चिरोंजीलाल कुन्दीलाल हलवाई
	श्री ईश्वरचन्द	२६	पुत्र	मिडिल	वि.	
	श्रीमती कमलाबाई	२५	पुत्रवधू		वि.	
१८४—	श्री चन्द्रसेन बरैया	५०	मुखिया		वि.	हलवाई की दुकान
	श्रीमती रामकुमारी	४६	पत्नी		वि.	
	श्री बाबूलाल	४६	भाई		वि.	
	श्री प्रेमचन्द	३५	पुत्र		वि.	सर्विस, नागौरी एण्ड सन्स
	श्रीमती कपूरीबाई	३०	पुत्रवधू		वि.	
	श्री निर्मलचन्द	३३	पुत्र		वि.	हलवाई की दुकान
	श्रीमती सरलादेवी	२५	पुत्रवधू		वि.	
	श्री प्रकाशचन्द	३०	पुत्र		वि.	
	श्रीमती विमलादेवी	२३	पुत्रवधू		वि.	
१८५—	श्री रतनलाल बरैया	३७	प्रमुख		वि.	पान मर्चेंट, जनकगंज
	श्रीमती अजुद्धीबाई	३०	पत्नी		वि.	
१८६—	श्री श्रीचन्द जैसवाल	६२	प्रमुख	मिडिल	विधुर	घी के व्यापारी
	श्री बादशाह	३०	पुत्र		वि.	
	श्रीमती मुन्नीबाई	२६	पुत्रवधू		वि.	
१८७—	श्री रतनलाल बरैया	५०	प्रमुख		विधुर	किराना व्यापारी, जनकगंज
१८८—	श्री धूपचन्द टोंग्या	४५	प्रमुख		वि.	सर्विस, ग्वा० रेयन-वेयर हाऊस
	श्रीमती कान्ताबाई	३६	पत्नी		वि.	
	श्री शान्ती कुमार	१६	पुत्र	बी. काम. I	अवि.	सर्विस सुवस्त्र भण्डार, नई सड़क
	श्री यशवन्त कुमार	१४	पुत्र	नवी	अवि	
	कु० राजकुमारी	१८	पुत्री	बी.ए .II	अवि.	
१८९—	श्री प्रेमचन्द जैसवाल	२८	प्रमुख	इन्टर	वि.	ओवरसियर, वाटर वर्क्स
	श्रीमती मुन्नीदेवी	२५	पत्नी	मेट्रिक	वि.	
१९०—	श्री उग्रसेन गोलालारे	२८	प्रमुख		वि.	कपड़े के व्यवसायी
	श्रीमती कृष्णादेवी	१८	पत्नी		वि.	
१९१—	श्री नेमीचन्द अग्रवाल	४५	मुखिया	इन्टर	वि.	(प्रधान कैशियर, के० बी० बैंक,
	श्रीमती श्यामादेवी	३९	पत्नी		वि.	इन्दौर शाखा)

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री पदमचन्द	२३	पुत्र	मेट्रिक	वि.	सर्विस, आदर्श क्लोथ मिल्स, ग्वा०
	श्रीमती मालती देवी	२०	पुत्रवधू		वि.	
	श्री धर्मचन्द	२१	पुत्र	मिडिल	अवि.	सर्विस, महावीर गोटा फेक्टी,
	श्री सुमतचन्द	१६	पुत्र	नवीं	अवि.	सराफा बाजार
	श्री पारस कुमार	१५	पुत्र	मिडिल	अवि.	
	कु० मनोरमा	१६	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
१६२—	श्री रिखबचन्द अग्रवाल	४०	मुखिया	मिडिल	वि.	हेंडलूम दरी भण्डार, सराफा बाजार
	श्रीमती अपूरीबाई	३३	पत्नी		वि.	
	कु० सुमनलता	१५	पुत्री	नवीं	अवि.	
१६३—	श्री लक्ष्मीनारायण गोलालारे	३०	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस
	श्रीमती सीताबाई	२८	पत्नी		वि.	
१६४—	श्री शीतलचन्द गोलापूरब	४१	मुखिया	B.A.M.S.	वि.	व्याख्याता, शासकीय आयुर्वेद
	श्रीमती शशीकला	३१	पत्नी	मिडिल	वि.	महाविद्यालय, ग्वालियर
	श्री मन्धर कुमार	१४	पुत्र	नवीं	अवि.	
१६५—	श्री यादव चन्द्र नेगी	३२	मुखिया	बी. ए.	वि.	सर्विस, ए० जी० आफिस
	श्रीमती राजाबाई	२०	पत्नी	एम ए.	वि.	

भाऊ का बाजार :—

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
१६६—	श्री सुरेशकुमार बरैया	१६	मुखिया	हायर सेकड्री	अवि.	सर्विस, यूनाइटेड कर्मशियल बैंक
	श्री सुमेरचन्द	१८	भाई	नवीं	वि.	लि०, सराफा बाजार
	श्रीमती मुन्नीबाई	१६	भाईवधू	मिडिल	वि.	
	श्री अशोककुमार	१६	भाई		अवि.	
	श्रीमती हंसो बाई	४०	मां		विधवा	
	श्रीमती पुनिया बाई	६०	बुआ		विधवा	
१६७—	श्रीमती सोना बाई बरैया	४२	मुखिया		विधवा	किराना व्यापारी, छत्री मन्डी
	श्रीमती चिरोंजी बाई	४५	बहन		विधवा	
	श्रीमती अजुद्धी बाई	७०	मां		विधवा	
१६८—	श्री गुलाबचन्द जी बरैया	५०	मुखिया		विधुर	हलवाई
१६९—	श्री मट्टूलाल जी बरैया	६५	मुखिया		विधुर	हलवाई की दुकान
	श्री भरोसीलाल जी	४०	पुत्र		वि.	
	श्रीमती रामकलीबाई	३०	पुत्र वधू	छठी	वि.	
२००—	श्री मथुरादास जी नरपतिया	६७	मुखिया		विधुर	साहूकारी
	श्री प्रकाश चंद जी	३५	पुत्र		वि.	

कुनाश्रोली.-

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती सरोजबाई	२६	पुत्रवधू		वि.	
२०१—	श्री मांगीलाल जी	६२	मुखिया		वि.	मुनीम दही मण्डी
	श्रीमती रतनबाई	४२	पत्नी		वि	
	श्री विमलचन्द	१७	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	कुनाश्रोली:-
२०२—	श्री हुरेन्द्रकुमार जैन कटेरा	२१	मुखिया	इंटर D.H.B.	अवि.	सर्विस जैन औषधालय
२०३—	श्री जिनेश्वर प्रसाद लम्हेंचू	४५	मुखिया	मेट्रिक	वि.	मिष्ठान भंडार
	श्रीमती कैशाली देवी	३५	पत्नी		वि.	
२०४—	श्री गुलाब चन्द्रजी पांड्या	५०	मुखिया	मिडिल	वि.	किराना
	श्रीमती रतन देवी	४०	पत्नी	हा० से०	वि.	
	श्री मोहन लाल	१९	पुत्र	हा० से०	अवि.	
	कुमारी मुन्नी	१७	पुत्री		अवि.	
	श्रीमती श्यामा देवी	६५	माँ		विधवा	
२०५—	श्री कस्तूर चन्द सोनी	६५	मुखिया		अवि.	बैंकर्स
२०६—	श्री मोतीलाल पाड्या	४८	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस
	श्रीमती राजकुमारी	३६	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री राजेन्द्र कुमार	१९	पुत्र	मिडिल	अवि.	सर्विस
	श्री वीरेन्द्र कुमार	१८	पुत्र	हा० से०	वि.	
२०७—	श्री महेन्द्र कुमार गोधा	५०	मुखिया	आठवी	वि.	महेन्द्र प्रिंटिंग प्रेस
	श्रीमती अशर्फी बाई	४५	पत्नी		वि.	
	श्री बसन्त कुमार	३०	पुत्र	B.Com ,L.L.B.	वि.	सर्विस, जे. सी. मिल्स
	श्रीमती कुन्था देवी	२५	पुत्र वधू	मिडिल	वि.	
	श्री चन्द्र कुमार	२२	पुत्र	हा० से०	अवि.	
	श्री धर्नेन्द्र कुमार	१८	पुत्र	हा० से०	अवि.	
	श्री मनोज कुमार	१४	पुत्र	नवी	अवि.	
	कुमारी सविता	१४	पुत्री	सातवीं	अवि.	
२०८—	श्री नारायणदास	७२	मुखिया	B. A.	वि.	सर्विस
	श्रीमती गणेशी बाई	६५	पत्नी		वि.	
	श्री चेतन कुमार	४०	पुत्र	मेट्रिक	वि.	सर्विस
	श्रीमती बनारसी बाई	३७	पुत्रवधू		वि.	
	श्री भूपेन्द्र कुमार	२०	पोता	B.Com	अवि.	सहयोग वस्त्र भण्डार, दही मण्डी
	श्री सन्तोष कुमार	१७	पोता	मेट्रिक	अवि.	
	कुमारी दमयन्ती	१८	पोती	B A.	अवि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
२०६—	श्री चांदमल पाटनी	५५	मुखिया		वि.	सर्विस मे. चांदमल कामदी,
	श्रीमती चांदमल	४५	पत्नी		वि.	नयाबाजार
२१०—	श्री ताराचन्द्र वरैया	३०	मुखिया		वि.	कपड़े की दुकान, कटपीस कटरा,
	श्रीमती राजमती	२५	पत्नी		वि.	दहीमन्डी, दौलतगंज ग्वालियर
	श्री बाबूलाल	२४	भाई	M. Sc.	वि.	
	श्रीमती सुशीलादेवी	२०	भ्राता वधू	मिडिल	वि.	
	श्री कुन्दन लाल	२१	भाई	बी. ए.	वि.	
	श्रीमती शकुन्तला	१६	भ्राता वधू		वि.	
	श्री सनतकुमार	१५	भाई	मैट्रिक	अवि.	
२११—	श्री जयदेव परवार	२४	मुखिया	बी.ए.	वि.	सर्विस ए. जी. आफिस मोतीमहल
	श्रीमती शान्तीदेवी	२२	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री अश्वनीकुमार	१८	भाई	बी० कॉम	वि.	
	श्रीमती रानी	१५	भ्राता वधू		वि.	
२१२—	श्री देवेन्द्र कुमार गोधा	४५	मुखिया	B. A.	वि	सर्विस, गगवाल फेक्ट्री
	श्रीमती बाबो बाई	४२	पत्नी		वि.	
२१३—	श्री चेतनमल पाड्या	७५	मुखिया		वि.	
	श्रीमती कस्तूरी बाई	६०	पत्नी		वि.	
२१४—	श्रीमती कोकाबाई गोधा	६०	मुखिया		विधवा	
२१५—	श्री राजकुमार जैसवाल	१६	मुखिया	हा० से०	अवि.	सर्विस
	श्रीमती वैजयन्ती बाई	४५	माँ		विधवा	
	श्रीमती गोराबाई	६०	दादी		विधवा	
	कुमारी प्रभाबाई	१४	बहिन		अवि.	
२१६—	श्रीमतीओछीबाईदीवानजैसवाल	६०	मुखिया		विधवा	
२१७—	श्री श्यामलाल जैसवाल	५५	मुखिया		विधुर	चाट का खोमचा
२१८—	श्री नेमीचन्द जैसवाल	२३	मुखिया	दसवीं	वि.	चाट का खौंमचा
	श्रीमती प्रेमवती बाई	२१	पत्नी	पाचवीं	वि.	
	श्री जयकुमार	१७	भाई	नवीं	अवि.	
	श्री विजय कुमार	१५	भाई	आठवीं	अवि.	
	श्रीमती राधा बाई	५५	नानी		विधवा	
२१६—	श्री शिखरचन्द गोधा	२७	मुखिया	मैट्रिक	वि.	व्यवसाय
	श्रीमती सुशीला बाई	२३	पत्नी	छटवीं	वि.	
२२०—	श्री तेज नारायण गोधा	३६	मुखिया	दसवीं	वि.	गोधा केन्टीन, जयाजीचौक, लश्कर
	श्रीमती कंचन बाई	३२	पत्नी	पांचवीं	वि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री मोहन कृष्ण	१६	पुत्र	हा० से०	अवि.	
	कुमारी जयश्री	१५	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
	श्री सुरेश चन्द्र	१४	पुत्र	आठवीं	अवि.	
२२१—	श्री बाबूलाल जैसवाल	३६	मुखिया	M.B.B.S., M.S.	वि.	सर्जन, जे.ए. हास्पीटल; व्याख्याता,
	श्रीमती किरण देवी	३६	पत्नी		वि.	गजराराजा मेडीकल कॉलेज
	श्री विजय कुमार	१५	पुत्र	हा० से०	अवि.	(निवास-फोन नं० २१२०)
	श्री कुन्दनलाल	६५	पिता		विधुर	
२२२—	श्री मनोहरलाल पाण्ड्या	४६	मुखिया		वि	सोने चाँदी का व्यवसाय,
	श्रीमती राजकुमारी बाई	४३	पत्नी		वि.	सराफा बाजार
	श्री देवेन्द्र कुमार	२४	पुत्र	बी० ए०	अवि.	सर्विस, ए० जी० ऑफिस
	कुमारी मधुबाला	१४	पुत्री	मिडिल	अवि.	
२२३—	श्री चन्द्रसेन जी गोलश्रृंगारीय	३२	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस, पी० डब्लू० डी०
	श्रीमती सुशीलादेवी	२४	पत्नी	मिडिल	वि.	
२२४—	श्रीमती राजमनीबाई	७५	मुखिया	जैन शिक्षा	विधवा	
२२५—	श्री महेश कुमार परवार	२०	मुखिया	बी० ए०	अवि.	सर्विस, ए० जी० ऑफिस.
	श्रीमती बाई	४५	माँ		विधवा	
	श्री चकनेश कुमार	१४	भाई	८ वीं	अवि.	
२२६—	श्री फूलचन्द रांवका	४५	मुखिया		विधुर	
	श्री लालचन्द	१६	पुत्र	B. Sc. I	अवि.	जैन घृत भण्डार
२२७—	श्री कन्हैयालाल पाड्या	४८	मुखिया	५ वीं	वि.	सर्विस
	श्रीमती गुणमाला बाई	३६	पत्नी	४ थी	वि.	
	कुमारी कुसुम	१५	पुत्री	८ वीं	अवि.	
२२८—	श्री रामचरन जैसवाल	५७	मुखिया		वि.	सर्विस
	श्रीमती बर्फीबाई	४६	पत्नी		वि.	
	श्री मुन्नालाल	१८	पुत्र	आठवीं	वि.	पान की दुकान
	श्रीमती विमलाबाई	१५	पुत्र वधू		वि.	
	श्री रेशमचन्द	१४	पुत्र	६ ठीं	अवि.	
	कुमारी विद्या बाई	१५	पुत्री	७ वीं	अवि.	
२२९—	श्री मुन्नालाल जैसवाल	२६	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस
	श्रीमती शारदा बाई	२४	पत्नी	६ वीं	वि.	
	श्रीमती चमेली बाई	५०	माँ		विधवा	
२३०—	श्री लक्ष्मीलाल जैसवाल	४४	मुखिया		वि.	जैन मिष्ठान भण्डार
	श्रीमती गेंदा बाई	३७	पत्नी		वि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री पदमचन्द	१६	पुत्र	नवीं	अवि.	
	श्री मूलचन्द	१५	पुत्र	आठवीं	अवि.	
	कुमारी मुन्नी बाई	१४	पुत्री	पांचवी	अवि.	
	श्रीमती लच्छो बाई	६८	माँ		विधवा	
२३१—	श्री मोतीलाल गोधा	३२	मुखिया	प्रा. शि.	वि.	गल्ले का व्यवसाय
	श्रीमती शान्ति देवी	२८	पत्नी	प्रा. शि.	वि.	
	कुमारी शारदा बाई	१४	पुत्री	प्रा. शि.	अवि.	
	श्री कमल चन्द	२४	भतीजा	मिडिल	वि.	सर्विस, ठाठीपुर अस्पताल
	श्रीमती पद्मा बाई	१७	भतीज वधू	११ वीं	वि.	
२३२—	श्री बाबूलाल छाबड़ा	५५	मुखिया	B. A.	विधुर	अध्यापक, वर्द्धमान विद्यालय,
	श्री पदम चन्द	३०	पुत्र	M. A	वि.	सर्विस, सिविल सर्जन आफिस, ग्वा.
	श्रीमती तारादेवी	२६	पुत्र वधू	मिडिल	वि.	
	कुमारी प्रेमलता	१४	पोती	मिडिल	अवि.	
	श्री महेन्द्र कुमार	२१	पुत्र	११ वीं	अवि.	सर्विस, म. प्र. राज्य परिवहन.
२३३—	श्री फूलचन्द जैसवाल	६०	मुखिया		विधुर	हलवाई
२३४—	श्री गोपीलाल बोहरा	४५	मुखिया		विधुर	मुख्य लेखाधिकारी, जयविलास महल
	श्री नेमीचन्द	२२	पुत्र	B. Com	वि.	सर्विस, के.बी. बैंक, जयेन्द्रगंज शाखा
	श्रीमती कंचन बाई	२०	पुत्र वधू	मिडिल	अवि.	
	श्री पारस कुमार	१६	पुत्र	B.Com II	वि.	
	कुमारी पवन	१६	पुत्री	बी. ए. II	अवि.	
	कुमारी इन्द्रा	१४	पुत्री	६ वीं	अवि.	
	कुमार पुष्पा	१५	पुत्री	६ वीं	अवि.	
२३५—	श्री मानकचन्द बोहरा	५०	मुखिया		वि.	सर्विस, ग्वालियर स्टोर्स, सराफा
	श्रीमती ताराबाई	४५	पत्नी		वि.	
	श्री अशोक कुमार	१८	पुत्र	११ वीं	अवि.	किराना व्यापारी
	कुमारी कुसुम	१४	पुत्री	६ वीं	अवि.	
२३६—	श्री मोतीलाल बोहरा	३५	मुखिया		अवि.	सर्विस, गंगवाल फैक्ट्री
	श्रीमती फूली बाई	६०	माँ		विधवा	
३६७—	श्री रामस्वरूप जैसवाल	४४	मुखिया		वि.	अनाज की दुकान
	श्रीमती जैनोबाई	३२	पत्नी		वि.	
	श्री मुन्नालाल	२२	पुत्र	प्रा. शि.	वि.	
	श्रीमती आनन्दी बाई	१६	पुत्र वधू	११ वीं	वि.	
२३८—	श्री महेन्द्रकुमार पारख	४५	मुखिया	१० वीं	वि.	सर्विस, यू० को० बैंक
	श्रीमती प्रेमलता	३५	पत्नी	८ वीं	वि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री देवेन्द्र कुमार	२२	पुत्र	B. A.	वि.	सर्विस
	श्रीमती लीला जैन	१८	पुत्र वधू	B. A. I	वि.	
	कुमारी विमला	२०	पुत्री	B. A.	अवि.	
	कुमारी शशि प्रभा	१६	पुत्री	१० वीं	अवि.	
	कुमारी मनोरमा	१४	पुत्री	मिडिल	अवि.	
२३९—	श्री बद्री प्रसाद जैसवाल	५०	मुखिया	प्रा. शि.	वि.	
	श्रीमती रतन देवी	४५	पत्नी	प्रा० शि०	वि.	
	श्री प्रकाश चन्द्र	२५	पुत्र	मिडिल	वि.	सर्विस,
	श्रीमती प्रभा देवी	१६	पुत्र वधू	प्रा. शि.	वि.	
	श्री नेमीचन्द	२०	पुत्र	प्रा० शि०	वि.	
	श्रीमती सुशीला देवी	१६	पुत्र वधू	३ वीं	वि.	
	श्री पदम चन्द	१५	पुत्र	६ वीं	अवि.	
२४०—	श्री लक्ष्मणदास जी जैसवाल	६०	मुखिया		वि.	खोमचा नमकीन
	श्रीमती लक्ष्मणदास	५५	पत्नी		वि.	
	पुत्र (लक्ष्मणदास जी)	३०	पुत्र		वि.	
	श्रीमती पुत्र वधू	२४	पुत्र वधू		वि.	
२४१—	श्री फूलचन्द जी	४८	मुखिया	प्रा. शि.	वि.	नमकीन
	श्रीमती कुवंरबाई	४०	पत्नी		वि.	
	श्री नेमीचन्द जी	३२	पुत्र	मिडिल	वि.	
	श्रीमती सुलोचना	२४	पुत्र वधू	प्रा० शि०	वि.	
२४२—	श्री सन्तलाल जी बिलाला	६०	मुखिया	मिडिल	वि.	कपड़े की दुकान
	श्रीमती चमेलीबाई	५२	पत्नी	प्रा० शि०	वि.	
	श्री कान्तिकुमार जी	२६	पुत्र	मेट्रिक	वि.	एकाउन्टेंट, मलेरिया विभाग
	श्रीमती कान्ताकुमारी	२५	पुत्र वधू	मेट्रिक	वि.	
	श्री वीरेन्द्रकुमार जी	२१	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	सर्विस, मलेरिया विभाग.
	श्री नरेन्द्र कुमार	१६	पुत्र	११ वीं	अवि.	
	कु० पुष्पा	१६	पुत्री	बी. ए. I	अवि.	
	कु० मन्दर कुमारी	१४	पुत्री	मिडिल	अवि.	
	कु० शशि	१४	पुत्र	मिडिल	अवि.	
२४३—	श्री विजयकुमार परवार	२०	मुखिया	हा० से०	अवि.	व्यापार
	श्री सुरेशचन्द्र	१८	भाई	B. A. I	अवि.	
	श्री महेश कुमार	१६	भाई	१० वीं	अवि.	
	श्रीमती गोरीबाई	३६	माँ		विधवा	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
२४४—	श्री कपूरचन्द परवार	३५	मुखिया	B.A., L.L.B.	वि.	सर्विस, ए० जी० आफिस
	श्रीमती कान्तीदेवी	३१	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री उत्तमचन्द जी	३४	भाई	M.B.B.S.	वि.	सर्विस, जे. सी. मिल्स अस्पताल
	श्रीमती प्रेमलता	२६	भ्राता वधु	M B.B.S	वि.	डा०—सरकारी अस्पताल, डबरा
	श्रीमती मथुरा बाई	६५	माँ		विधवा	
	श्री प्रेमचन्द	४२	भाई		विधुर	
२४५—	श्री रामस्वरूप जैसवाल	३५	मुखिया	B. Sc.	वि.	सर्विस, शासकीय प्रेस
	श्रीमती सरोज बाई	३०	पत्नी	प्रा० शि०	वि.	
	कुमारी गीता	१४	पुत्री		वि.	
२४६—	श्री हुकुमचन्द जैसवाल	३४	मुखिया	मिडिल	वि.	दुकान किराना
	श्रीमती सरस्वती बाई	३०	पत्नी		वि.	
	श्री प्रीतमचन्द	२३	भाई	B.Sc. I	वि.	
	श्रीमती सुमित्रा बाई	१६	भ्रातावधू	मिडिल	वि.	
	कुमारी मुन्नी	१४	पुत्री	७ वी	अवि.	
	श्रीमती मथुरा बाई	५५	माँ		विधवा	
२४७—	श्री जयचन्द बरौआ	४५	मुखिया		वि.	सर्विस
	श्रीमती अनारोबाई	४३	पत्नी		वि.	
	श्री नरेशचन्द	२१	पुत्र	B. Sc.	वि.	
	श्रीमती मोतीरानी	१६	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री मुन्नालाल	१८	पुत्र	बी० ए०	वि.	
	श्रीमती मायादेवी	१४	पुत्रवधु	प्रा० शि०	वि.	
	श्री सुरेशचन्द्र	१५	पुत्र	९ वीं	अवि.	
	श्री अशोक कुमार	१४	पुत्र	६ वी	अवि.	
२४८—	श्री बसन्तलाल बिलाला	४५	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस
	श्रीमती सूरज बाई	४०	पत्नी		वि.	
	श्री अशोक कुमार	१७	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	श्री प्रमोद कुमार	१५	पुत्र	B. com. I	अवि.	
	कु० इन्द्रा	१६	पुत्री		अवि.	
२४९—	श्री मोतीलाल अगरैया	५०	मुखिया		वि.	हलवाई
	श्रीमती मगो बाई	४५	पत्नी		वि.	
	श्री पदमचन्द	२२	पुत्र	११ वीं	वि.	
	श्रीमती कमलाबाई	१६	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री विमलचन्द	१६	पुत्र	१० वी	अवि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री सुरेशचन्द	१७	पुत्र	१० वीं	अवि.	
	श्री सतीशचन्द	१४	पुत्र	मिडिल	अवि.	
२५०—	श्री चांदमल पाड्या	५०	मुखिया	प्रा. शि.	वि.	
	श्री चम्पालाल	२३	पुत्र	B. Com.	वि.	सर्विस, P. W. D., मोतीमहल
	श्रीमती मंजू लता	१६	पुत्रवधू	१० वीं	वि.	
२५१—	श्री मानिकचन्द भोंच	४५	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस, अग्रवाल कैमिकल्स, सराफा
	श्रीमती अंगूरी बाई	३८	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री देवेन्द्र कुमार	३२	पुत्र	मैट्रिक	वि.	सर्विस, फूड आफिस कलैक्ट्रेट, गोरखी
	श्रीमती सरोज बाई	२५	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	कुमारी मधु	१७	पुत्री	B. A. II	अवि.	
२५२—	श्री पूरनचन्द पाण्डया	४५	मुखिया	मिडिल	विधुर	दुकान किराना, दाना ओली
	श्री विमल कुमार	२५	पुत्र	इन्टर	वि.	
	श्रीमती मुन्नी देवी	१६	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
२५३—	श्री सुमेरचन्द्र जी वैद्य	४५	मुखिया	मेट्रिक	विधुर	एकाउन्टेन्ट, वाटर वर्क्स, ग्वालियर
	श्री पारस कुमार	२०	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	श्री हुकम चन्द	१८	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	श्री पदम चन्द्र	१६	पुत्र	नवी	अवि.	
	श्री धर्म चन्द	१५	पुत्र	आठवीं	अवि.	
	श्री प्रकाशचन्द	१४	पुत्र	छटवीं	अवि.	
	श्रीमती फत्तिबाई	६४	माँ		विधवा	
२५४—	श्री श्रीपत जैसवाल	३७	मुखिया	प्रा० शि०	वि.	घी का व्यवसाय
	श्रीमती कलावती	२६	पत्नी	प्रा० शि०	वि.	
	कुमारी कुसुम	१५	पुत्री		अवि.	
	श्री लालाजीराम	५८	पिता		विधुर	
२५५—	श्री रामदयाल जैसवाल	६०	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस, गवर्नमेंन्ट लैण्ड रिकार्ड
	श्रीमती अजुद्धीबाई	४५	पत्नी		वि.	
	श्री हरीशचन्द	२६	पुत्र	B. A. I.	वि.	
	श्रीमती ज्ञानवती	२६	पुत्र वधू	मिडिल	वि.	
	श्री विमलचन्द	१५	पुत्र	मिडिल	अवि.	
२५६—	श्री खेमचन्द जैसवाल	३६	मुखिया		अवि.	हलवाई
२५७—	श्री नेमीचन्द जैसवाल	३८	मुखिया	मेट्रिक	वि.	हलवाई की दुकान, दानाओली
	श्रीमती सुनहरीबाई	३५	पत्नी	प्रा० शि०	वि.	
२५८—	श्री ज्ञानचन्द पाड्या	३२	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस, ग्वालियर रेयन
	श्रीमती सुगनकुमारी	२६	पत्नी	मिडिल	वि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
२५९—	श्री त्रिलोकचन्द बोहरा	५३	मुखिया	मिडिल	वि.	एकाउन्टेन्ट, जे. सी. मि., बिरलानगर
	श्रीमती सूरजबाई	४८	पत्नी		वि.	
	श्री राजेन्द्रकुमार	२२	पुत्र	बी० कॉम	वि.	
	श्रीमती सरोजबाई	१८	पुत्र वधू	मिडिल	वि.	
	श्री महेन्द्रकुमार	१९	पुत्र	हा० से०	अवि.	
	श्री मोतीलाल	५०	भाई	मिडिल	वि.	सर्विस, ग्वालियर स्टोर्स, सराफा
	श्री मानकचन्द	४८	भाई	मेट्रिक	वि.	सर्विस, ग्वालियर रेयन, सेल्स विभाग
	श्रीमती अंगूरीबाई	४०	भ्रातावधू		वि.	
	श्री वीरेन्द्रकुमार	२६	पुत्र	बी० ए०	वि.	सेन्चुरी मिल्स रिटेल शाप, सराफा
	श्रीमती सुधारानी	२०	भतीजवधू	मेट्रिक	वि.	
	कुमारी ललिता	१६	पुत्री	६ वीं	अवि.	
२६०—	श्री सुरेन्द्रकुमार जी पाण्ड्या	३०	मुखिया	इन्टर	वि.	सर्विस-जे. सी. मिल्स
	श्रीमती शान्तीबाई	२८	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्रीमती सूरजबाई	६०	मां		विधवा	
२६१—	श्री मोतीलाल अजमेरा	४०	मुखिया	मिडिल	वि.	
	श्रीमती रतनबाई	३२	पत्नी	प्रा० शि०	वि.	
२६२—	श्री जलधारी जैन	३६	मुखिया	मिडिल	वि.	खोंमचा नमकीन
	श्रीमती इन्द्रारानी	२८	पत्नी		वि.	
२६३—	श्री मोतीलाल पाण्ड्या	५२	मुखिया	मिडिल	वि.	सोने चांदी की दुकान (फोन २०७१)
	श्रीमती कोकिलाबाई	४७	पत्नी	६ वीं	वि.	
	श्री अशोककुमार	२०	पुत्र	बी० कॉम II	अवि.	
२६४—	श्री स्वरूपचन्द जैसवाल	३०	मुखिया	वैद्य	वि	सहायक वैद्य, आयुर्वेदिक औषधालय
२६५—	श्री पूरनचन्द जी बरैया	४२	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस, पोस्ट आफिस, जयेन्द्रगंज
	श्रीमती गुणमालाबाई	३५	पत्नी		वि.	
	कुमारी विद्या	१६	पुत्री	८ वीं	अवि.	
२६६—	श्री गोपीचन्द पाटनी	५०	मुखिया	मिडिल	वि.	प्रमुख खजान्चं, युनाइटेड कं. बैंक,
	श्रीमती रतनबाई	४८	पत्नी	प्रा. शि.	वि.	सराफा बाजार शाखा
	श्री पदम कुमार	२६	पुत्र	बी० कॉम	वि.	सर्विस-यू० को० बैंक, भिण्ड शाखा
	श्रीमती विमलाकुमारी	१८	पुत्र वधू	११ वीं	वि.	
	श्री शान्तिकुमार	२१	पुत्र	D. M. E.	अवि.	
	श्री सुभाषकुमार	१४	पुत्र	१० वीं	अवि.	
	कुमारी पुष्पा	१९	पुत्री	बी.ए.	अवि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
२६७—	श्री विमलकुमार छाबड़ा	३२	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस-मे० गणेशीलाल फूलचंद-
	श्रीमती राजकुमारी	२६	पत्नी	मिडिल	वि.	गंगवाल, नयाबाजार
	श्री कमलकुमार	२८	भ्राता	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती रुक्मणी बाई	२२	भ्राता वधू	मेट्रिक	वि.	
२६८—	श्री सागरचन्द बड़जात्या	५०	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस-सराफा बार्ड, जबलपुर,
	श्रीमती कंचनकुमारी	४०	पत्नी	प्रा० शि०	वि.	
	श्री रिखबचन्द	४५	भ्राता	मैट्रिक	वि.	सर्विस-जीवाजीराव काटन मिल्स,
	श्रीमती शान्तिदेवी	४०	भ्राता वधू	प्रा. शि.	वि.	बिरलानगर
	श्री श्रेयान्सकुमार	२०	भतीजा	B. E.	अवि.	
	कुमारी ऐला	१८	भतीजी	बी. ए.	अवि.	
	श्री उदंककुमार	१७	भतीजा	बी.एस.सी.II	अवि.	
	कुमारी मंजूलता	१४	भतीजी	मिडिल	अवि.	
	श्री शीतलचन्द	३८	भ्राता	मेट्रिक	वि.	शासकीय सेवा
	श्रीमती तारादेवी	३२	भ्राता वधू	प्रा. शि.	वि.	
	श्री कुशलचन्द	३४	भ्राता	इंटर	वि.	शासकीय सेवा
	श्रीमती कंचनकुमारी	२६	भ्राता वधू	मिडिल	वि.	
	श्रीमती मोतीबाई	६८	मां	प्रा० शि०	विधवा	
	श्री बसन्तकुमार	३०	भ्राता	बी० काम०	वि.	सर्विस—कृष्णराम बल्देव बैंक लि०
	श्रीमती शान्तिदेवी	२६	भ्राता वधू	एम.म्यूज.	वि.	
	श्री अजितकुमार	२६	भ्राता	एम० ए०	वि.	सर्विस-ए. जी. आफिस
	श्रीमती सितारादेवी	२४	भ्राता वधू	मिडिल	वि.	
	श्री चन्द्रकुमार	२४	भ्राता	एम. एस. सी.	वि.	सर्विस
२६९—	श्री मानिकचन्द सोनी	५०	मुखिया	मैट्रिक	वि.	जनरल स्टोर्स, जयाजी चौक
	श्रीमती रतनबाई	४५	पत्नी		वि.	
	श्री मोतीलाल	४५	भाई	मिडिल	वि	रेल्वे विभाग झांसी
	श्रीमती हीराबाई	४२	भ्रातावधू		वि.	
	श्री केशरीमल	२२	पुत्र	हा० से०	वि.	
	श्रीमती सरोज	२०	पुत्र वधू	मेट्रिक	वि.	
	श्री धर्मचन्द	१९	पुत्र	बी. काम.	अवि.	
२७०—	श्री गोपीचन्द बरैया	५२	मुखिया		वि.	व्यापार
	श्रीमती कोसाबाई	५०	पत्नी		वि.	
२७१—	श्री लक्ष्मीनारायण जैसवाल	४०	मुखिया	बी० ए०	वि.	ड्राफ्टस-मेन, ट्रान्सपोर्ट आफिस
	श्रीमती शान्तिदेवी	३०	पत्नी	मिडिल	वि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री पुष्पेन्द्रकुमार	१४	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
२७२—	श्री गप्पूलाल जैसवाल	७४	मुखिया		वि.	घी की दुकान
	श्रीमती मनियाबाई	७०	पत्नी		वि.	
	श्री मानिकचन्द	३५	पुत्र	प्रा० शि०	वि.	
	श्रीमती लक्ष्मीबाई	३२	पुत्र वधू	प्रा० शि०	वि.	
	श्री श्रवणलाल	३२	भतीजा	D. E. E.	वि.	सुपरवायजर, म प्र. विद्युत प्रमंडल
	श्रीमती कुसुमकुमारी	१८	भतीजवधू	प्रा. शि.	वि.	
	श्री नेमीचन्द	२०	भतीजा	B.E. II	अवि.	
	श्री पुत्तनलाल	२०	भानजा	B. Com. L. L. B.	वि.	सर्विस-ए. जी. आफिस
	श्रीमती धनवन्ती कुमारी	१६	पुत्रवधू	६ वीं	वि.	
	श्री पदमचन्द	१७	पौत्र	B. Sc. I	अवि.	
२७३—	श्री नेमीचन्द जैन	४०	मुखिया		वि.	दुकान किराना
	श्रीमती वैजयन्तीबाई	३५	पत्नी		वि.	
	श्री लालचन्द	१६	पुत्र	बी० काम	वि.	
	श्रीमती विमलेशकुमारी	१५	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री सुमतचन्द	१५	पुत्र	११ वीं	अवि.	
	कुमारी मुन्नीबाई	१४	पुत्री	७ वीं	अवि.	
२७४—	श्री सरमनलाल जैसवाल	६०	मुखिया		वि.	खेती बाड़ी
	श्रीमती सोनाबाई	५५	पत्नी		वि.	
	श्री कैलाशचन्द्र	२५	पुत्र		अवि.	सर्विस—अमर प्रिंटिंग प्रेस
	श्री निर्मलकुमार	२२	पुत्र		अवि.	
	कुमारी कुसुमबाई	१४	पुत्री		अवि.	
२७५—	श्रीउत्तमचन्द बैनाडा	३६	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस
	श्रीमती विमला देवी	३२	पत्नी	प्रा० शि०	वि.	
२७६—	श्री राधामोहन सिंघई	३७	मुखिया	इन्टर	वि.	मे० विजय इलेक्ट्रिक स्टोर्स, गस्त
	श्रीमती जानकीदेवी	३५	पत्नी	८ वी	वि.	का ताजिया, फोन नं० २२१५
	श्री विजयकुमार	१४	भतीजा	१० वीं	अवि.	
२७७—	श्री उग्रसेन जैन	३८	मुखिया	B. Com L. L. B.	वि.	सर्विस-म० प्र० शा० जीवन बीमा
	श्रीमती सरोजकुमारी	३५	पत्नी	११ वीं	वि.	
	कुमारी मृदुला	१७	पुत्री	११ वीं	अवि.	
२७८—	श्री हीरालाल लुहाड़िया	६१	मुखिया	मिडिल	वि.	मेनेजर-मेसर्स-मन्दराम नारायणदास
	श्रीमती चेतनबाई	५२	पत्नी	५ वीं	वि.	
	श्री नेमीचन्द	३१	पुत्र	१२ वीं	वि.	ठेकेदार (वलिया)

परिवार सख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती चन्दाबाई	२७	पुत्रवधू	८ वीं	वि.	
	श्री बाबूलाल	२३	पुत्र	B. Com. II	अवि.	ठेकेदार
२७९—	श्री चन्द्रमोहन पाटनी	२३	मुखिया	M. B. B. S.	वि.	
	श्रीमती प्रेमलता	१९	पत्नी	११ वीं	वि.	
२८०—	श्री कपूरचन्द छाबड़ा	५३	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस-ग्वालियर इलेक्ट्रिक जनरल
	श्रीमती फूली बाई	५०	पत्नी		वि.	स्टोर्स, सराफा बाजार
	श्री वीरेन्द्रकुमार	३५	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती शकुन्तलाबाई	३०	पुत्रवधू	६ वीं	वि.	
	श्री अशोककुमार	१६	पौत्र	१० वीं	अवि.	
	श्री सूरजकुमार	१७	साले का पुत्र	B. Sc. I	अवि.	
२८१—	श्रीमती रज्जोबाई वैद्य	४०	मुखिया		विधवा	
२८२—	श्री नेमीचन्द बरैया	४०	मुखिया		वि.	इलेक्ट्रिक फिटिंग वर्क्स
	श्रीमती किरणदेवी	३७	पत्नी		वि.	
	श्री पदमचन्द	२१	पुत्र	हा० से०	वि.	
	श्रीमती शीला देवी	१९	पुत्र वधू		वि.	
२८३—	श्री पूरनचन्द जैसवाल	२६	मुखिया	मिडिल	वि.	मिष्ठान विक्रेता, दानाओली
	श्रीमती स्नेहलता	२२	पत्नी	९ वीं	वि.	
२८४—	श्री शीतलप्रसाद बैनाड़ा	२५	मुखिया	नवीं	वि.	पिस्टन मैन्यू-फैक्चरर्स, इन्द्रगंज
	श्रीमती मुन्नीबाई	२१	पुत्री।		वि.	
२८५—	श्री नेमीचन्द गगवाल	४३	मुखिया		विधुर	सर्विस-धर्म-कांटा, सराफा बाजार
	श्री मानिकचन्द	३८	भाई		वि.	सर्विस-मलेरिया विभाग
	श्रीमती शान्तीबाई	३४	भ्राता वधू		वि.	
	श्री विमलचन्द	१८	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	श्री त्रिलोकचन्द	१४	पुत्र		अवि.	
२८६—	श्री गुलाबचन्द चांदवाड़	७२	मुखिया		वि.	साहूकारी
	श्रीमती मैनाबाई	६०	पत्नी		वि.	
२८७—	श्री कौशलकिशोर दीवान	५०	मुखिया	इन्टर	वि.	शासकीय ठेकेदार
	श्रीमती कलावती	४८	पत्नी		वि	
	डा० शान्तिकुमार	३०	पुत्र	M. B. B. S.	वि.	ठाठीपुर डिस्पेन्सरी
	श्रीमती सुधा	२०	पुत्र वधू	बी० ए०	वि.	
	श्री चन्द्रकुमार	२३	पुत्र	एम.बी.बी.एस.	अवि.	सर्विस
	श्री नरेन्द्रकुमार	१८	पुत्र	बी. एस. सी. I	अवि.	
	श्री सुरेन्द्र कुमार	१६	पुत्र	नवीं	अवि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	कुमारी शीला	२०	पुत्री	बी० ए०	अवि.	
२८८—	डा० जुगलकिशोर दीवान	५५	मुखिया	M.B.B.S.	वि.	मेडीकल आफीसर,माधव डिस्पेन्सरी
	श्रीमती राजकुमारी	४०	पत्नी		वि.	
	श्री विजयकुमार	२६	पुत्र	एम.बी.बी.एस.	अवि.	सी. एम. ओ.,माधव डिस्पेंसरी, लश्कर
	कुमारी विमला	२०	पुत्री	M.B.B.S.III	अवि.	
	कुमारी शकुन्तला	१८	पुत्री	बी० ए० I	अवि.	
	श्री महेशचन्द	१४	पुत्र	हा० से०	अवि.	
२८९—	श्री कैलाश बाबू दीवान	४०	मुखिया		वि.	एकाउन्टेन्ट, वैटनरी डिपार्टमेन्ट
	श्रीमती फूलवती	३५	पत्नी		वि.	
२९०—	श्री मानकचन्द पाटोदी	४७	मुखिया	मिडिल	वि.	सदस्य, सेन्ट्रल इन्डिया कमर्शियल एक्सचेंज लि०, ग्वालियर
	श्रीमती मोतीदेवी	४४	पत्नी		वि.	
	श्री नरेन्द्रकुमार	२५	पुत्र		अवि.	
२९१—	श्री नानकराम दीवान	२२	मुखिया	हा० से०	अवि.	
२९२—	श्री कस्तूरचन्द गंगवाल	६१	मुखिया		विधुर	सर्विस,-ग्वालियर गोटा फैक्ट्री
	श्री भागचन्द	३२	पुत्र		वि.	सर्विस,-नगर पालिका निगम
	श्रीमती मैनादेवी	२५	पुत्र वधू		वि.	
	श्री हुकमचन्द	२८	पुत्र		अवि.	सर्विस
	श्री उत्तमचन्द	२०	पुत्र		अवि.	व्यापार
२९३—	श्री लखमीचन्द कासलीवाल	६०	मुखिया		विधुर	व्यापार
२९४—	श्री सौभाग्यमल कासलीवाल	३६	मुखिया	मिडिल	वि	आन्दीमल राजमल सर्राफ, सोने-चांदी का व्यवसाय
	श्रीमती कमला बाई	३२	भ्राता वधू	मिडिल	विधवा	
	श्रीमती शिमलाबाई	३५	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री हुकमचन्द	२४	भाई	बी.एस.सी. I	वि.	
	श्रीमती निर्मलाबाई	१९	भ्राता वधू	मेट्रिक	वि.	
	श्री विजयकुमार	१९	भाई	हा० से०	अवि.	
	श्री विनयकुमार	१६	भतीजा	हा० से०	अवि.	
	श्री अजित कुमार	१६	पुत्र	हा० से०	अवि.	
	कु० चतुररानी	१८	भतीजी	बी० ए०	अवि.	
	कु० ललित रानी	१७	पुत्री	हा० से०	अवि.	
	कु० विनीता	१४	पुत्री	मिडिल	अवि.	
	श्रीमती कस्तूरीबाई	६०	मां		विधवा	
२९५—	श्री केशरीमल मोखा	४५	प्रमुख	मेट्रिक	वि.	ठेकेदार
	श्रीमती गुलाबबाई	७५	मां		विधवा	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती कमलाबाई	३८	पत्नी		वि.	
	श्री जिनेन्द्रकुमार	१६	पुत्र	बी. काम. I	अवि.	मे० चांदमल फूलचन्द,वस्त्र व्यापारी
	कु० इन्द्रा	१७	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	सराफा बाजार
	श्री नरेन्द्रकुमार	१६	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
२६६—	श्री नेमीचन्द बरैया	३६	मुखिया		वि.	मे. नेमीचन्द सुरेशचन्द, कपड़े का
	श्रीमती कंठीबाई	३०	पत्नी		वि.	व्यावसाय, जीवाजी चौक, लश्कर
	श्री सुरेशचन्द	१४	पुत्र	मेट्रिक	अवि	
२६७—	श्री सुगनचन्द पाटनी	६३	मुखिया		वि.	शासकीय ठेकेदार
	श्रीमती कपूरी देवी	५८	पत्नी		वि.	
	श्री बाबूलाल	३५	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती स्नेहलता	२५	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री बसन्तकुमार	१८	पुत्र	बी. कॉम. I	अवि.	
	श्री सुभाषचन्द्र	१४	पौत्र	मिडिल	अवि.	
२६८—	श्री प्रेमचन्द जैसवाल	४८	मुखिया		वि.	मिष्ठान विक्रेता
	श्रीमती गुल्लोबाई	४५	पत्नी		वि.	
	श्री खेमचन्द	३२	पुत्र		अवि.	
	कु. पदमा	१३	पुत्री		अवि.	
२६६—	श्रीबाबूलाल अग्रवाल	४१	मुखिया	B A.,LL.B.	वि.	उप-अधीक्षक, कार्यालय संभागीय
	श्रीमती पूर्णिमा	३०	पत्नी		वि.	आयुक्त ग्वालियर
	श्री माधूलाल	२५	भाई	मिडिल	अवि.	सर्विस-शासकीय आयुर्वेदिक फार्मेसी
३००—	श्री रामदयाल बरैया	३३	मुखिया		वि.	व्यापार
	श्रीमती इमरती बाई	३०	पत्नी		वि.	
	श्रीमती सोनाबाई	७०	मा		विधवा	
३०१—	श्री अमरचन्द बरैया	६५	मुखिया		वि.	मकानों की दलाली
	श्रीमती इमरती बाई	३५	पत्नी		वि.	
	श्री मत्थीलाल	१७	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती सुशीला देवी	१४	पुत्रवधू		वि.	
३०२—	श्रीमती सरस्वती बरैया	७०	मुखिया		विधवा	घी विक्रेता
३०३—	श्री नत्थीलाल	३५	मुखिया	एम.ए.	वि.	प्र. अ., हस्तिनापुर मिडिल स्कूल,
	श्रीमती स्वर्णलता	२१	पत्नी		वि.	ललितपुर (उ. प्र.)
३०४—	श्री प्रकाशचन्द गंगवाल	३०	मुखिया	M.A.,LL.B.	वि.	एडवोकेट, हाईकोर्ट, म० प्र०
	श्रीमती विमला	२४	पत्नी		वि.	
३०५—	श्री विमलचन्द दोषी	४०	मुखिया	इन्टर	वि.	सर्विस-ए. जी. आफिस, मोतीमहल

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती विमला देवी	३०	पत्नी	विद्या-विनोदनी	वि.	
	कुमारी रेखा	१७	पुत्री	बी. ए. II	अवि.	
	कुमारी शशि	१५	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
३०६—	श्री सीताराम जैसवाल	२०	मुखिया		अवि.	
	श्रीमती जमुना देवी	४६	माँ		विधवा	
३०७—	श्रीसौभाग्यमल विलाला	३५	मुखिया		वि.	सर्विस-गगवाल इन्डस्ट्रीज, ग्वा०
	श्रीमती लक्ष्मी देवी	२६	पत्नी		वि.	
३०८—	प्रो. लालचन्द्र जैन	४३	मु०	M.A., M.Com. LL.B M.B.A. (न्यूयार्क)	वि.	प्रो०, महारानी लक्ष्मीबाई कालेज,
	श्रीमती कान्ता बाई	३६	पत्नी	मिडिल	वि.	लश्कर
	कुमारी शकुन्तला	१६	पुत्री	एम. ए.	अवि.	
	कुमारी मधुबाला	१६	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
	श्री ऋषभ कुमार	२२	साला	बी.एस.सी.	अवि.	
३०६—	श्री फूलचन्द सोनी	४५	मुखिया		वि.	मे. लखमीचन्द राजकुमार
	श्रीमती कमला बाई	४०	पत्नी		वि.	थोक वस्त्र विक्रेता, नया बाजार
	श्री देवेन्द्र कुमार	२६	पुत्र		अवि,	
	श्री नरेन्द्र कुमार	२२	पुत्र	B.A.LL.B.	अवि.	
	श्री सुरेन्द्रकुमार	१८	पुत्र	हा० से०	अवि.	
	कुमारी विजय	१४	पुत्री	मिडिल	अवि.	
३१०—	श्री चिरोंजीलाल गोधा	४०	मुखिया		वि.	शासकीय ठेकेदार
	श्रीमती शान्तीदेवी	३५	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री कमल किशोर	१६	पुत्र	D.T.T.	अवि.	
	श्री विमल कुमार	१६	पुत्र	मिडिल	अवि.	
	श्री विजय कुमार	१४	पुत्र	मिडिल	अवि.	
३११—	श्री मोतीलाल बज	२५	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस-ग्वालियर इन्डस्ट्रीयल
	श्रीमती कुसुम	२०	पत्नी	मिडिल	वि.	कारपोरेशन, जयेन्द्रगंज
	श्रीमती तीजा बाई	५०	माँ		विधवा	
३१२—	श्री सोभाग्यमल गोधा	६०	मुखिया		विधुर	सर्विस-बिरला पाईपफिटिंग, दौलतगंज
	श्री रूपचन्द	३०	पुत्र	बी. ए. II	वि.	सर्विस-वाटर वर्क्स, एवं किराना
	श्रीमती पुष्पा देवी	२८	पुत्रवधू		वि.	व्यापारी दाना ओली
३१३—	श्री महावीर प्रसाद बरैया	२५	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस-ग्वालियर रेयन
	श्रीमती कुसुमलता	१६	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्रीमती दक्को बाई	५०	माँ		विधवा	
३१४—	श्री नेमीचन्द भंडारी	२२	मुखिया	एम. ए.	वि.	सर्विस-बैंक ऑफ इण्डिया, दाल-

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती मुन्नीदेवी	१६	पत्नी		वि.	बाजार, लश्कर
३१५—	श्री रमेशचन्द वरैया	३५	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सिमको, बिरलानगर
	श्रीमती माया देवी	३०	पत्नी	मिडिल	वि.	
३१६—	श्री शान्तीलाल	२४	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस-वस्त्रों की दुकान, सुभाष
	श्रीमती पार्वती बाई	२०	पत्नी		वि.	मार्केट
३१७—	श्री मुन्नालाल वरैया	४८	मुखिया	मिडिल	वि.	मुनीम भैरोदान कीसूलाल सर्राफ,
	श्रीमती कपूरी बाई	४२	पत्नी		वि.	सराफा बाजार
	श्री सतीश चन्द	२१	पुत्र	बी कॉम.	वि.	
	श्रीमती मुन्नी देवी	१६	पुत्रवधू		वि.	
	श्री अशोक कुमार	१७	पुत्र	B. Sc. I	अवि.	
	श्री अरुण कुमार	१४	पुत्र	मिडिल	अवि.	
३१८—	श्री बसन्त कुमार वरैया	१५	मुखिया		अवि.	
३१९—	श्री पूरनचन्द वरैया	४५	मुखिया	मेट्रिक	वि.	खजाची, सैन्ट्रल बैंक आफ इन्डिया
	श्रीमती मुन्नीबाई	३५	पत्नी	हाईस्कूल	वि.	
	श्री पदमचन्द	१८	पुत्र	हा० से०	अवि.	
	श्री विमलचन्द	१६	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
३२०—	श्री रामजीत वरैया	४५	मुखिया	B A.,LL.B.	वि.	एडवोकेट, हाईकोर्ट, म० प्र०
	श्रीमती कपूरी देवी	३५	पत्नी		वि.	
	श्री घनश्यामदास	२२	पुत्र	हा० से०	वि	सर्विस
	श्रीमती शशीकला	१६	पत्नी		वि.	
	श्री सुशील कुमार	१८	पुत्र		अवि.	
३२१—	श्री सुरेन्द्र कुमार रावका	३५	मुखिया		वि.	सर्विस, बालकिशन तस्तेवाले,
	श्रीमती शान्तीबाई	३०	पत्नी		वि.	दौलतगंज चौराहा
३२२—	श्री रामूलाल चांदवाड	५०	मुखिया		अवि.	सर्विस, मे. लेखराज जमनादास
३२३—	श्री मोतीलाल जैसवाल	६१	मुखिया		वि.	सर्विस, मे. रामनारायण गोपालराम
	श्रीमती सोना बाई	५८	पत्नी		वि.	नया बाजार
	श्री पुरुषोत्तमदास	२५	पुत्र	B. A.	वि.	टाईपिस्ट हाकोर्ट (म० प्र०)
	श्रीमती कमलावती	२३	पुत्रवधू		वि.	
	श्री महेशचन्द	२२	पुत्र	B. E.	वि.	टेलीफोन ट्रेनिंग सेन्टर, जबलपुर
	श्रीमती सावित्री देवी	२०	पुत्रवधू	B A. I	वि.	
	श्री हरीशचन्द	१८	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	जैन सोप वर्क्स, नया बाजार
३२४—	श्री शिखरचन्द अगरैया	५८	मुखिया		वि.	मिष्ठान विक्रेता
	श्रीमती केशरबाई	५५	पत्नी		वि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री नरेश कुमार	२३	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती सरोज बाई	२०	पुत्रवधू		वि.	
३२५—	श्री गिरधारीलाल जैसवाल	४५	मुखिया	मिडिल	वि.	मे. पन्नालाल गिरधारीलाल,कपड़े के
	श्रीमती महेन्द्री देवी	४०	पत्नी		वि.	थोक व्यापारी, नया बाजार
	श्री अशोक कुमार	१७	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	श्री मोहनी बाई	१६	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
३२६—	श्री बाबूलाल जैसवाल	४०	मुखिया		वि.	मे. बाबूलाल सुरेश चन्द, किराना
	श्रीमती बाबूलाल	३५	पत्नी		वि.	मर्चेन्ट, दानाओली
	श्री सुरेशचन्द	२५	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती शकुन्तला	२०	पुत्रवधू		वि.	
३२७—	श्री पन्नाराम जैसवाल	४०	मुखिया		वि.	दूध की डेयरी, दाना ओली
	श्रीमती अनारो देवी	३५	पत्नी		वि.	
	श्री राजेन्द्र कुमार	२२	पुत्र	B. A. I	वि	क्लर्क. हाईकोर्ट (म० प्र०)
	श्रीमती प्रेमवती	२०	पुत्रवधू		वि.	
	श्री भागचन्द	१६	पुत्र	हा० से०	वि.	मिष्ठान विक्रेता
	श्रीमती शान्ती बाई	१७	पुत्रवधू		वि.	
	कुमारी पुष्पा	१८	पुत्री		अवि.	
	श्री दिनेशकुमार	१६	पुत्र		वि.	
३२८—	श्री राजकुमार जैसवाल	२६	मुखिया	M.Com.	वि.	सर्विस, ए. जी. आफिस, मोतीमहल
	श्रीमती राजकुमारी	१८	पत्नी	इन्टर	वि.	
३२९—	श्री सुगनचन्द गोलसिंघारे	५०	मुखिया	मिडिल	वि.	घी के व्यापारी, मोची ओली
	श्रीमती लालीबाई	४०	पत्नी		वि.	
	श्रीमती भगवानीबाई	८०	माँ		विधवा	
	कुमारी लज्जावती	१६	पुत्री	मिडिल	अवि.	
३३०—	श्री सुगमचन्द बरैया	३२	मुखिया	B. A. I	वि.	सर्विस, मेसर्स पारख एन्ड सन्स, सराफा बाजार
	श्रीमती शीला देवी	२६	पत्नी		वि.	
३३१—	श्री रामबाबू परवार	३२	मुखिया	हा० से०	वि.	सर्विस, ए. जी. ऑफिस, ग्वालियर
	श्रीमती सुशीला	२०	पत्नी	मिडिल	वि.	
३३२—	श्री छोटेलाल जैसवाल	६०	मुखिया		वि.	घी के व्यापारी, दाना ओली
	श्रीमती गेन्दाबाई	५५	पत्नी		वि.	
	श्री प्रेमचन्द	१६	पुत्र		वि.	
	श्रीमती विमला	१७	पुत्रवधू		वि.	
	श्री स्वरूपचन्द्र	१७	पुत्र		अवि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
३३३	श्री ज्ञानचन्द जैसवाल	२२	मुखिया		वि.	व्यापार
	श्रीमती विमला	२०	पत्नी		वि.	
३३४	श्री सुरेशबाबू गंगेरवाल	२८	मुखिया	इन्टर	वि.	सर्विस, कृषि विभाग
	श्रीमती कमला	२३	पत्नी	मेट्रिक	वि.	
३३५	श्री पारस दास बुढ़ेलवाल	२४	मुखिया	B.Com.	वि.	सर्विस-ए. जी. ऑफिस, आयव
	श्रीमती शकुन्तला	२१	पत्नी		वि.	महल, ग्वालियर
३३६	श्री महेशचन्द जैसवाल	२५	मुखिया	M. A.	अवि.	सर्विस, ए. जी. ऑफिस
३३७	श्री किशनलाल बरैया	५०	मुखिया		विधुर	मिष्ठान-विक्रेता
	श्री देवीलाल	४०	भाई		वि.	
	श्रीमती लीलावती	३०	भ्रातावधू		वि.	
	श्री हजारीलाल	३५	भाई		वि.	
	श्रीमती शकुन्तला	२५	भ्रातावधू		वि.	
३३८	श्री जौहरीलाल बरैया	५०	मुखिया		वि.	सर्विस—गोपालदास हरविलास,
	श्रीमती कपूरीबाई	४०	पत्नी		वि.	इन्द्रगंज
	श्री सुषमादेवी	१६	पुत्री	मिडिल	अवि.	
३३९	श्री मुनहरीलाल जैसवाल	३५	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस, छेदीलाल फूलचन्द,
	श्रीमती शान्तिबाई	३०	पत्नी		वि.	नयाबाजार
	श्री प्यारेलाल	६०	पिताजी		विधुर	
३४०	श्री भवरलाल बड़जात्या	५४	मुखिया		अवि.	सलाहकार, विक्रय कर
	श्री कपूरचन्द	४२	भाई		अवि.	मकानों की दलाली
३४१	श्री चौथमल बड़जात्या	३०	मुखिया		वि.	जल-विभाग, गुना
	श्रीमती गुलाबाई	२५	पत्नी		वि.	
३४२	श्री चिरंजीलाल बड़जात्या	४०	मुखिया	बी० ए०	वि.	नगर पालिका निगम।
	श्रीमती चन्द्रकला	२८	पत्नी		वि.	
	कु० ममता	१५	पुत्री	मिडिल	अवि.	
	श्री पवनकुमार	१५	पुत्र	मिडिल	अवि.	
३४३	श्री शान्तिचन्द वैद्य	३५	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस—नगर पालिक निगम ग्वा.
	श्रीमती राजकुमारी	३०	पत्नी		वि.	
	श्री प्रकाशचन्द	१८	साला	मेट्रिक	अवि.	सर्विस
३४४	श्री हजारीलाल बरैया	५०	मुखिया		अवि.	व्यापार
३४५	श्री मोहनलाल बरैया	४८	मुखिया		विधुर	सर्विस-जैन पाठशाला माधवगंज
	श्री कपूरचन्द	२५	पुत्र	इन्टर	वि.	सर्विस-मलेरिया विभाग, जयेन्द्रगंज
	श्रीमती विमलादेवी	२२	पुत्रवधू		वि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
३४६—	श्री मंगलचन्द जैसवाल	५०	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस-ग्वालियर रेयन, बिरलानगर
	श्रीमती प्रेमदेवी	३६	पत्नी		वि.	
	श्री नेमीचन्द	२६	पुत्र	मेट्रिक	वि.	सर्विस-हिंद ट्रेडिंग कम्पनी,
	श्रीमती दुलारीबाई	१८	पुत्रवधू		वि.	नया बाजार
	श्री सुरेशचन्द	१६	पुत्र		अवि.	
३४७—	श्री ताराचन्द बरैया	६०	मुखिया		अवि.	किराने की दुकान
३४८—	श्री बिहारीलाल बरैया	४०	मुखिया		वि.	किराने की दुकान
	श्रीमती कमलाबाई	३५	पत्नी		वि.	
३४९—	श्री कमलकुमार परवार	३५	मुखिया	मेट्रिक	वि.	अध्यापक, जैन पाठशाला नया-
	श्रीमती प्रेमकान्ता	३१	पत्नी	मिडिल	वि.	बाजार
	श्री किशोरीलाल	३३	भाई	हा.से. साहित्यरत्न	वि.	अध्यापक, अनिवार्य प्राथमिक विद्या-
	श्रीमती लक्ष्मीदेवी	२५	भ्रातावधू		वि.	लय, जहाँगीर कटरा, ग्वालियर
३५०—	श्री पूरनचन्द्र जैसवाल	३५	मुखिया		वि.	मिष्ठान्न विक्रेता
	श्रीमती मुन्नीदेवी	२०	पत्नी	हा. से.	वि.	
३५१—	श्री ताराचन्द बरैया	६३	मुखिया	मिडिल	अवि.	किराने की दुकान, साठे की गोठ
३५२—	श्री सुरेश कुमार	१९	मुखिया	B.Sc.II	अवि.	
	श्री अशोककुमार	१६	भाई	मेट्रिक	अवि.	
	श्रीमती गुलाबबाई	६५	दादी		विधवा	
	श्रीमती अंगूरीबाई	३५	मां		विधवा	
३५३—	श्री रामचरणलाल जैसवाल	३२	मुखिया	मिडिल	वि.	मुनीम
	श्रीमती कपूरीबाई	२२	पत्नी		वि.	
३५४—	श्री मांगीलाल	२४	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस
	श्रीमती पद्मावती	१८	पत्नी		वि.	
३५५—	श्री मक्खनलाल बरैया	४०	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस-चिरोंजीलाल रामजीलाल,
	श्रीमती कपूरीबाई	३५	पत्नी		वि.	
	श्रीमती मोनाबाई	७०	मां		विधवा	
३५६—	श्री पारसमल कागदी	४५	मुखिया	बी० ए०	वि.	कागज के व्यापारी, सराफा बाजार
	श्रीमती पुष्पारानी	३५	पत्नी	मिडिल	वि.	लश्कर
	कु० इन्दुरानी	१९	पुत्री	बी० ए०	अवि.	
	कु० रंजना	१६	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
३५७—	श्री लखमीचन्द्र मित्तल	५६	मुखिया		वि.	मे० गोपीलाल लखमीचन्द सर्राफ
	श्रीमती नारायनीदेवी	५२	पत्नी	मिडिल	वि.	फोन न.-निवास ६७१, दुकान २१६१
	श्री बाबूलाल	४०	पुत्र	मेट्रिक	वि.	मे० मोतीलाल बाबूलाल

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती अनारदेवी	३८	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री भगवानदास	३४	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती लक्ष्मीदेवी	३०	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	डा. राधेलाल जैन	३०	पुत्र	एम.बी.बी.एस.	वि.	जैन क्लीनिक, सदर बाजार मुरार
	श्रीमती शीलादेवी	२८	पुत्र वधू		वि.	
	श्री प्रकाशचन्द्र	२४	पुत्र	हाई स्कूल	वि.	खाद्यान्न विक्रेता, दाल बाजार
	श्रीमती कमलादेवी	२२	पुत्रवधू		वि.	
	श्री बालकिशन	२२	पौत्र	B.Sc. II	वि.	
	श्रीमती आशादेवी	२०	पौत्रवधू	B.A.(Pre)	वि.	
	श्री रामकिशन	१८	पौत्र	B.Sc.I	अवि.	
३५८—	श्री गोपीलाल मित्तल	५८	मुखिया	मिडिल	विधुर	खाद्यान्न विक्रेता, दालबाजार १५४७
	श्री मोतीलाल	४२	पुत्र	B. A.	वि.	गोपीलाल लक्ष्मीचन्द, सोने चांदी
	श्रीमती लीलादेवी	३४	पुत्र वधू	मिडिल	वि.	के व्यापारी, सराफा
	श्री रामस्वरूप	३८	पुत्र	मेट्रिक	वि.	मे० हरीदास प्रकाशचन्द्र
	श्रीमती भगवतीदेवी	३४	पुत्र वधू	मिडिल	वि.	
	श्री हरिदास	३४	पुत्र	B. Com	वि.	मे० अशोककुमार मुकेशकुमार
	श्रीमती बर्फीदेवी	२९	पुत्र वधू	मिडिल	वि.	
	डाक्टर छोटेलाल	२९	पुत्र	M. B. B. S.	वि.	जैन क्लीनिक, दानाओली लश्कर
	श्रीमती सरोजकुमारी	२४	पुत्रवधू	हा० से०	वि.	
३५९—	प्रो. घासीराम जैन	७०	मुखिया	M. Sc. 1926	वि.	रिटा० विभागाध्यक्ष, भौतिकी, माधव
	श्रीमती घासीराम जैन	५५	पत्नी		वि.	इजी० कॉलेज, २२३ थापर नगर, मेरठ
३६०—	श्री प्रकाशचन्द्र अग्रवाल	४५	मुखिया	बी० ए०	वि.	रिटेल शाप, देहली क्लाथ मिल्स.
	श्रीमती त्रिवेणीदेवी	४०	पत्नी	मिडिल	वि.	सराफा बाजार लश्कर, शाखा-सदर
	श्री सुरेशचन्द	१५	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	बाजार मुरार
	कु० आशा	२०	पुत्री	एम. ए.	अवि.	
	कु० शशि	१६	पुत्री	बी० ए०	अवि.	
३६१—	श्री ज्ञानचन्द पाटोदी	५१	मुखिया	मेट्रिक	वि.	कमीशन ऐजेन्ट, सेन्ट्रल इंडिया,
	श्रीमती चमेलीबाई	४२	पत्नी		वि.	कर्माशयल एक्सचेन्ज, लश्कर
	श्री नरेन्द्रकुमार	१९	पुत्र	बी. कॉम II	अवि.	
३६२—	श्री कल्याणमल कासलीवाल	५५	मुखिया		वि.	सर्विस, ग्वालियर रेयन
	श्रीमती अनारबाई	५२	पत्नी		वि.	
	श्री चांदमल	३५	पुत्र	मिडिल	वि.	सिलाई का कार्य
	श्रीमती कमलाबाई	२३	पुत्रवधू	हा० से०	वि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री ताराचन्द	२८	पुत्र	मिडिल	वि.	सर्विस—ग्वालियर रेयन
	श्रीमती शान्तीबाई	२५	पुत्र वधू	मिडिल	वि०	
	श्री विमलकुमार	२२	पुत्र	बी. कॉम	अवि.	सर्विस–ए० जी० आफि।
	श्री पदमचन्द	१८	पुत्र	हा० से०	अवि.	
३६३—	श्री नाथूलाल बरैया	५०	मुखिया		वि.	सर्विस—साबुन कारखाना
	श्रीमती रतनबाई	३५	पत्नी		वि.	
३६४—	श्री फूलचन्द बरैया	५०	मुखिया		वि.	मिष्ठान-विक्रेता
	श्रीमती चमेलीबाई	४०	पत्नी		वि.	
	श्री विमलचन्द	१६	पुत्र	मिडिल	अवि.	सर्विस
३६५—	श्री मुरारीलाल बरैया	४०	मुखिया		वि.	मिष्ठान-विक्रेता, सराफा बाजार
	श्रीमती इमरती देवी	२८	पत्नी		वि.	
	श्री ओमप्रकाश	२८	भाई		वि.	
	श्रीमती मनोदेवी	२२	भ्राता वधू		वि.	
	श्रीमती अनारदेवी	६०	मां		विधवा	
३६६—	श्री प्रेमचन्द अग्रवाल	३०	मुखिया	मेट्रिक	वि.	मे. कम्मनलाल शीतलप्रसाद, गल्ले के व्यवसायी, दानाओली
	श्रीमती इलायचीदेवी	२४	पत्नी		वि.	
	श्री प्रकाशचन्द्र	२५	भाई	मिडिल	वि.	रेडीमेड वस्त्र व्यापारी
	श्रीमती सावित्रीबाई	२३	भ्राता वधू		वि.	
	श्री बालकिशन	२१	भाई	मिडिल	अवि.	
	श्री शीतलप्रसाद	१८	भाई	हा० से०	अवि.	
	श्री महावीरप्रसाद	१४	भाई		अवि	

श्री भीकमचंद जैन मार्ग (गस्त का ताजिया)

३६७—	श्री मिश्रीलाल पाटनी	६५	मुखिया	मिडिल	वि.	साहूकारी, व लेनदेन
	श्रीमती अशर्फीबाई	५०	पत्नी		वि	
	श्री सुमेरचन्द	१६	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
३६८—	श्री सूरजमल पांड्या	४०	मुखिया	एम. कॉम.	वि.	ऑफीसर-सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया
	श्रीमती राजुलदेवी	३५	पत्नी	मिडिल	वि.	
३६९—	श्री शान्तीचन्द पाटोदी	३५	मुखिया		वि.	सर्विस मे. गुलाबचन्द रेशमचन्द, सराफा बाजार
	श्रीमती मुन्नीदेवी	३०	पत्नी		वि.	
३७०—	श्री जगन्नाथप्रसाद अग्रवाल	७०	मुखिया		वि.	फर्म-अग्रवाल इलेक्ट्रिक स्टोर्स, गस्त का ताजिया, डीडवाना ओली
	श्रीमती प्यासीबाई	६५	पत्नी		वि.	
	श्री नारायणदास	३५	पुत्र	मेट्रिक	वि.	फर्म-जयपुर ब्यूटी फरनीचर मार्ट
	श्रीमती राधाबाई	३०	पुत्रवधू		वि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री गोवर्धनदास	२५	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती कान्तीबाई	२०	पुत्र वधू	मेट्रिक	वि.	
	कु० शकुन्तला	२२	पुत्री	मिडिल	अवि.	
३७१—	श्री भानुकुमार	६०	मुखिया	मिडिल	विधुर	सर्विस
	श्री ऋषभकुमार	२८	पुत्र	मिडिल	वि.	सर्विस-जे. सी. मिल्स, बिरलानगर
	श्रीमती रत्नेश्वरी	२५	पुत्र वधू	मिडिल	वि.	
३७२—	श्री विनोदकुमार अग्रवाल	४५	मुखिया	B.A.,LL.B.	वि.	सर्विस-वन विभाग
	श्रीमती कमलादेवी	४०	पत्नी		वि.	
	श्रीमती बिस्सोदेवी	७०	मां		विधवा	
३७३—	श्री भगवानदास बरैया	६०	मुखिया	मिडिल	वि.	फर्म-भगवानदास जौहरीलाल,
	श्रीमती कौशल्याबाई	५०	पत्नी		वि.	गुड़ व मूंगफली के थोक व्यापारी
	श्री जोहरीलाल	५२	भाई		विधुर	इन्दरगंज
	श्री सुरेशचन्द	२०	भतीजा	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती सुशीलाबाई	१६	भतीजवधू	मिडिल	वि.	
	श्री नरेशचन्द	१७	पुत्र	मिडिल	अवि.	
३७४—	श्री हीरालाल बरैया	६०	मुखिया		वि.	कृषि-कार्य, (बनवार ग्राम)
	श्रीमती चिरोंजीबाई	५४	पत्नी		वि.	
	श्री कपूरचन्द	४०	पुत्र	मिडिल	वि.	ठेकेदार
	श्रीमती शीलाबाई	३५	पुत्रवधू		वि.	
	श्री नेमीचन्द	२८	पुत्र	मिडिल	वि.	दुकानदारी, (बनवार ग्राम)
	श्रीमती ब्रह्मादेवी	२४	पुत्रवधू		वि.	
	श्री विमलचन्द	२०	पुत्र	मेट्रिक	वि.	सर्विस
	श्रीमती मुन्नीदेवी	१८	पुत्रवधू		वि.	
३७५—	श्री कपूरचन्द सोनी	३०	मुखिया	मेट्रिक	वि.	कम्पाउन्डर, जनकगंज हॉस्पीटल
	श्रीमती इन्द्रादेवी	२५	पत्नी		वि.	
३७६—	श्रीमती चिरोंजीबाई	६०	मुखिया		विधवा	
३७७—	श्री उत्तमचन्द सोनी	४५	मुखिया	मिडिल	अवि.	सर्विस—आर. जे. एण्ड संस, सराफा
३७८—	श्री भरोसीलाल बरैया	४०	मुखिया		वि.	खोंमचा
	श्रीमती कृष्णाबाई	३०	पत्नी		वि.	
३७९—	श्री रामचन्द्र बरैया	४५	मुखिया	मिडिल	वि.	होटल (आंतरी अदालत)
	श्रीमती सीताबाई	४०	पत्नी		वि.	
	श्री राजकुमार	१४	पुत्र	मिडिल	अवि	
	श्रीमती बन्नोबाई	६०	माँ		विधवा	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
३८०	—श्री खच्चूराम बरैया	६५	मुखिया		विधुर	
	श्री सतीशचन्द	२८	पुत्र	हा० से०	वि.	कम्पाउन्डर-डॉ. मिश्रा का दवाखाना
	श्रीमती अंगूरीबाई	२३	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	पाटनकर बाजार
	श्री राजेन्द्र कुमार	१७	पुत्र	मिडिल	अवि.	
३८१	—श्री फूलचन्द बरैया	४५	मुखिया		वि.	सर्विस, विजय रेस्टारेन्ट, नई सड़क
	श्रीमती रामप्यारी बाई	४०	पत्नी		वि.	
	श्री सुगनचन्द	२०	पुत्र	मिडिल	वि.	खोंमचा
	श्रीमती सागरदेवी	१६	पुत्रवधू		वि.	
३८२	—श्रीमती बेटीबाई बरैया	४५	मुखिया		विधवा	कृषिकार्य, (सिरसा ग्राम घाटीगांव)
३८३	—श्री रामसिंह बरैया	४०	मुखिया		विधुर	
	श्रीमती सुमित्रादेवी	७०	मां		विधवा	
	श्री महावीरप्रसाद	२४	पुत्र		वि.	सर्विस
	श्रीमती सुशीलादेवी	१८	पुत्रवधू		वि.	
३८४	—श्री रतनलाल बरैया	५०	मुखिया		वि.	परचूनी की दुकान
	श्रीमती बिसालोबाई	४५	पत्नी		वि.	
	श्री सरदारसिंह	१९	पुत्र	हा० से०	वि.	परचूनी की दुकान
	श्रीमती लक्ष्मीदेवी	१५	पुत्रवधू		वि.	
३८५	—श्री ख्यालीराम बरैया	४५	मुखिया	मेट्रिक	वि.	गायनाचार्य
	श्रीमती बेटीबाई	४०	पत्नी		वि.	
३८६	—श्री बलभद्रप्रसाद जैसवाल	६०	मुखिया		वि.	खोंमचा, गस्त का ताजिया
	श्रीमती इमरतीदेवी	५०	पत्नी		वि.	
	कु० मुन्नीबाई	१५	पुत्री	मिडिल	अवि.	
३८७	—श्री कृष्णकुमार अग्रवाल	१८	मुखिया	इन्टर	अवि.	
३८८	—श्री सौभाग्यमल पाटनी	५०	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस
	श्रीमती कान्तादेवी	४५	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री प्रमोद कुमार	१९	पुत्र	B. Com. I	अवि.	
	श्री प्रदीप कुमार	१४	पुत्र	नवीं	अवि.	
३८९	—श्री कपूरचन्द गोधा	५०	मुखिया	मिडिल	वि.	फर्म-मे० लालचन्द कपूरचन्द जैन,
	श्रीमती कंचनदेवी	४२	पत्नी		वि.	कन्ट्रोल की दुकान, फालके बाजार
	श्रीमती अचरजदेवी	७०	मां		विधवा	
३९०	—श्री बाबूलाल बरैया	४०	मुखिया	मिडिल	वि.	मे० जैन इलेक्ट्रिक वर्क्स,
	श्रीमती मीनाबाई	२६	पत्नी		वि.	डीडवाना ओली

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण

श्री भीकमचंद जैन मार्ग (डीडवाना ओली)

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
३६१—	श्री विमलचन्द बाकलीवाल	४०	मुखिया		वि.	फर्म-चन्दरलाल गप्पूलाल, लोहे
	श्रीमती शान्तीबाई	३५	पत्नी		वि.	एवं पाईप के व्यापारी,
	श्री नेमीचन्द	३५	भाई		वि.	डीडवाना ओली (फो. २२८०)
	श्रीमती विमलाबाई	३२	भ्राता वधू		वि.	
	श्रीमती गुलाबबाई	४०	भ्राता वधू		विधवा	
	श्री धर्मचन्द	२४	भतीजा	B. Com.	वि.	
	श्रीमती स्नेहलता	१९	भतीजावधू	B A.II	वि.	
	श्री अभय कुमार	१७	पुत्र	B. Com	अवि.	
	कु० पुष्पा	१६	पुत्री	हा० से०	अवि.	
	कु० मन्जु	१५	भतीजी	मेट्रिक	अवि.	
	श्रीमती केशरबाई	६५	माँ		विधवा	
३६२—	श्री रघुवीर दयाल अग्रवाल	७०	मुखिया		विधुर	फर्म— नेशनल साईकल स्टोर,
	श्री ताराचन्द	४५	पुत्र	मेट्रिक	वि.	सराफा बाजार, फो. नं.२०३२
	श्रीमती रामकली	४०	पुत्र वधू		वि.	
	श्री सुरेन्द्र कुमार	२४	पौत्र	M. A.	अवि.	फर्म-मे०विजय केमीकल्स, भिन्ड
	श्री वीरेन्द्र कुमार	१९	पौत्र	B.Sc. I	अवि.	
	श्री विजय कुमार	१७	पौत्र	B. Sc. I	अवि.	
	कु० सरोज	१७	भतीजी	M. B. B. S. II	अवि.	
	श्री प्रमोद कुमार	१५	पौत्र		अवि.	
	श्री सुनील कुमार	१४	पौत्र	हा० से०	अवि.	
३६३—	श्री नेमीचन्द अग्रवाल	३५	मुखिया	मिडिल	वि.	फर्म--गुलाबचन्द नेमीचन्द सर्राफ,
	श्रीमती शान्तीबाई	३०	पत्नी		वि.	सराफा बाजार
	श्री सीताराम	३०	भाई	मेट्रिक	वि.	फर्म–गुलाबचन्द सीताराम सर्राफ
	श्रीमती सूरजबाई	२५	भ्राता वधू		वि.	
	श्री श्रीराम	२६	भाई	B. Com.	वि.	फर्म–गुलाबचन्द श्रीराम, वस्त्र
	श्रीमती शान्तीबाई	२२	भ्राता वधू		वि.	व्यापारी, सराफा बाजार
	श्री विमलचन्द	१६	भाई	मेट्रिक	अवि,	
	श्रीमती बसन्तीबाई	४५	माँ		विधवा	
३६४—	श्री मोतीलाल अजमेरा	६०	मुखिया		विधुर	सर्विस—मोदी ब्रदर्स
	श्री देवेन्द्र कुमार	२४	पुत्र	B. Com	अवि.	सर्विस–यू. को. बैंक, डबरा शाखा
३६५—	श्री जय कुमार बड़जात्या	३२	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस
	श्रीमती पुखराजबाई	२७	पत्नी		वि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
३९६—	श्री कन्हैयालाल अग्रवाल	५९	मुखिया		विधुर	फर्म—पुन्नामल कन्हैयालाल सर्राफ
	श्री लक्ष्मण दास	३६	पुत्र		वि.	फर्म-लक्ष्मणदास अशोककुमार सर्राफ
	श्रीमती त्रिवेणीबाई	३४	पुत्र वधू		वि.	
	कु० सरोज	१४	पौत्री	मिडिल	अवि.	
	श्री रामजीदास	३०	पुत्र	B. A. LL. B.	वि.	पेट्रोल पम्प, पाटनकर बाजार
	श्रीमती रामकली	२६	पुत्र वधू		वि.	
३९७—	श्रीहुकमचन्द अग्रवाल	४०	मुखिया		वि.	फर्म—पुन्नामल कन्हैयालाल सर्राफ
	श्रीमती कस्तुरी बाई	३८	पत्नी		वि.	
	श्री रिखबदास	१४	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
३९८—	श्री हीरालाल अग्रवाल	४५	मुखिया		वि.	फर्म—पुन्नामल कन्हैयालाल सर्राफ
	श्रीमती शान्तीबाई	४०	पत्नी		वि.	
३९९—	श्री रामबाबू अग्रवाल	२५	मुखिया	मेट्रिक	वि.	फर्म—मे० श्याम मेटल स्टोर्स
	श्रीमती पुष्पाबाई	२०	पत्नी		वि.	
	श्री राजाराम	२३	भाई	मेट्रिक	अवि.	
	श्री रामरतन	२१	भाई	B. A. II	अवि.	
	श्री भगवानदास	१७	भाई	मेट्रिक	अवि.	
	श्री हरगोविन्द	१४	भाई	मिडिल	अवि.	
	श्रीमती असर्फीबाई	५५	माँ		विधवा	
४००—	श्री छब्बूराम बरैया	६०	मुखिया		वि.	सर्विस, मे. बन्शीधर विमलचन्द जैन
	श्रीमती छोटीबाई	५४	पत्नी		वि.	लोहिया बाजार
४०१—	श्री फुन्दीलाल बरैया	५५	मुखिया		विधुर	दालसेव का खोमचा
	श्री प्रतापचन्द	४०	पुत्र	मिडिल	वि.	फर्मः—जैन इलैक्ट्रिक वर्क्स.
	श्रीमती रामकली	२७	पुत्रवधू		वि.	डीडवाना ओली
४०२—	श्री छोटेलाल अगरैया	७६	मुखिया	इन्टर	विधुर	रिटायर्ड
	श्री अशोक कुमार	२०	नाती	B. A. II	अवि.	
४०३—	श्रीमती बालाबाई	५०	मुखिया		विधवा	
	श्री मोहनलाल	२८	पुत्र	मिडिल	वि.	कम्पाउन्डर, बीमा अस्पताल
	श्रीमती सुशीलाबाई	२५	पुत्रवधू		वि.	
	श्री सुरेन्द्र कुमार	२०	पुत्र	मिडिल	वि.	व्यवसाय
	श्रीमती विमलाबाई	२०	पुत्रवधू		वि.	
	श्री केशरीमल	१९	पुत्र	B. A. II	अवि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	मोची मौली लश्कर					
४०४—	श्री रूपचन्द गोधा	४१	मुखिया	B.A.LL.B.	वि.	सर्विस-बोर्ड आफ रैवेन्यू
	श्रीमती गुणमाला	३८	पत्नी	मेट्रिक	वि.	
	श्री हरिश्चन्द्र	३८	भाई	इन्टर	वि.	अध्यापक, जे. सी. मिल्स स्कूल
	श्रीमती प्रेमदेवी	३२	भ्रातावधू	मिडिल	वि.	
	श्री विजय कुमार	२५	भाई	B. A.	वि.	सर्विस-सांख्यिकीय विभाग, भेलसा
	श्रीमती लक्ष्मीदेवी	२२	भाईवधू	B A. I	वि.	
	श्री नरेश कुमार	१८	पुत्र	B.Sc.II	अवि.	
	श्री अनिल कुमार	१६	पुत्र	B.Com. I	अवि.	
	श्रीमती कमलादेवी	५५	मां		विधवा	
४०५—	श्री प्रेमचन्द पल्लीवाल	३०	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस-बरैया वस्त्र भण्डार,
	श्रीमती रामवती	२५	पत्नी		वि.	सराफा बाजार
४०६—	श्री लक्ष्मीचन्द जैसवाल	५५	मुखिया		वि.	फर्मः-सुनील केमिकल्स कम्पनी
	श्रीमती जमनादेवी	४०	पत्नी		वि.	
	श्री स्वरूपचन्द	३५	पुत्र		वि.	
	श्रीमती सुक्खोबाई	३२	पुत्रवधू		वि.	
	श्री खूबचन्द	२२	पुत्र	हा. से.	वि.	
	श्रीमती अंगूरीदेवी	१८	पुत्रवधू		वि.	
	कु. ज्ञानवती	१५	पौत्री	मिडिल	अवि.	
	कु. पंचवती	१४	पौत्री		अवि.	
	कसेरा ओली					
४०७—	श्री फतेहचन्द गोधा	४५	मुखिया	इन्टर	वि.	फर्म : जैन केमीकल्स कम्पनी,
	श्रीमती पदमाबाई	७५	मां		विधवा	एजेन्ट व स्टॉकिस्ट-हेवी केमीकल्स
	श्रीमती विमलेश	४०	पत्नी	मिडिल	वि.	व मिनिरल एसिडस्,
	श्री धर्मकुमार	२४	पुत्र	M.Sc.(Pre)	अवि.	ठेकेदारी-केमीकल्स व जनरल
	श्री प्रद्युम्न कुमार	२१	पुत्र	B. Com. II	अवि.	सप्लायर्स
	कु. रजनी	१७	पुत्री	B. A. I	अवि.	
	कु. कुमुदनी	१५	पुत्री	हा. से.	अवि.	
४०८—	श्री प्रकाशचन्द पाटनी	४०	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस-ऐयर फोर्स ऑफिस,
	श्रीमती गुणमाला	३३	पत्नी	मिडिल	वि.	महाराजपुरा, ग्वालियर
४०९—	श्रीमती कस्तूरीबाई गोधा	४५	मुखिया		विधवा	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
४१०	श्री कान्तिचन्द गिरधरवाल	६०	मुखिया	B. A.	विधुर	एकाउन्टेन्ट, सुपर मार्केट, भोपाल
	श्री रतनचन्द	३४	पुत्र	B.A.,B.Ed.	वि.	सर्विस–जीवाजी राव जू० कॉलेज
	श्रीमती कमलेशदेवी	२७	पुत्रवधू	B. A.	वि.	
	श्री निर्मलकुमार	२३	पुत्र	B. E.	अवि.	
४११	श्री शांतिचन्द गिरधरवाल	४१	मुखिया	M Com.	वि.	प्रो-गवर्नमेंट डिग्री कालेज, शहडोल
	श्रीमती फूलवती	३३	पत्नी	B. A.	वि.	
	श्री सुरेशचन्द	३६	भाई	इन्टर	वि	मलेरिया इन्सपेक्टर, भोपाल
	श्रीमती गुणमाला	३०	भ्रातावधू	मेट्रिक	वि.	
	श्री विमलचन्द	२५	भाई	M. A.	अवि.	सर्विस–शासकीय विद्यालय, इन्दौर
	श्री प्रमोद कुमार	१४	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
४१२	श्रीमती लीलोबाई बरैया	४०	मुखिया		विधवा	
४१३	श्री छोटेलाल पल्लीवाल	५०	मुखिया		विधुर	
	श्री नेमीचन्द	२६	पुत्र	M.Com C.A.I.I B.	वि.	सर्विस–यू. को. बैंक, नयाबाजार
	श्रीमती विमलादेवी	२२	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री पदमचन्द	२०	पुत्र	D M E.,B.Com. II	अवि.	सर्विस–स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया
	श्री रतनचन्द	१८	पुत्र	B.Com. II	अवि.	
४१४	श्री कपूरचन्द बरैया	४५	मुखिया	M. A.	वि.	आडीटर–ए. जी. ऑफिस
	श्रीमती चन्दनदेवी	४०	पत्नी	हा० से०	वि.	
	श्री नेमीचन्द	३०	भाई	B. A.	वि.	सर्विस–के. बीं. बैंक, जयेन्द्रगंज
	श्रीमती चन्दाबाई	२०	भ्रातावधू		वि.	
४१५	श्री गुलाबचन्द बरैया	४५	मुखिया	मिडिल	वि.	मुनीम, परचूनी की दुकान,
	श्रीमती शान्तिदेवी	३५	पत्नी		वि.	इन्दर गंज
	श्री मटरूमल	१४	पुत्र	मिडिल	अवि.	
४१६	श्रीमती सुमित्रा बरैया	४५	मुखिया		विधवा	
४१७	श्री हंसराज गोलालारे	४५	मुखिया	मिडिल	वि.	पान की दुकान, जीवाजी चौक
	श्रीमती शान्तिदेवी	३५	पत्नी		अवि.	
	श्री अजित कुमार	१७	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	कु० बेटीबाई	१५	पुत्री	मिडिल	अवि.	
४१८	श्री कन्हैयालाल पाटनी	४८	मुखिया	मिडिल	वि.	केशियर-ट्रेजरी, गोरखी
	श्रीमती बिट्टीबाई	४२	पत्नी		विधवा	
	श्रीमती छोटीबाई	७०	मां		वि.	
४१९	श्री इन्दरचन्द छाबड़ा	६७	मुखिया	मेट्रिक	विधुर	पेन्शनर खजांची, स्टेट बैंक
	श्री देवेन्द्र कुमार	३०	पुत्र	B. A.	वि.	केशियर–स्टेट बैंक, ग्वालियर

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती चन्द्रकान्ता	२४	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
४२०—	श्री फूलचन्द काला	७०	मुखिया		अवि.	कवि, साहित्यकार प्रकाशक
४२१—	श्रीमती अंगूरी पहाड्या	३५	मुखिया	मेट्रिक	विधवा	अध्यापिका-कल्याणी कन्या शाला
४२२—	श्री मक्खनलाल बरया	६५	मुखिया		वि.	दुकान (आमोल, शिवपुरी)
	श्रीमती इमरतीबाई	५४	पत्नी		वि.	
	श्री होतीलाल	३८	पुत्र	मिडिल	वि.	मुनीम, मे० छेदीलाल फूलचन्द,
	श्रीमती असरफीबाई	३२	पुत्रवधू		वि.	नयाबाजार
	श्री सुरेशचन्द	२०	पुत्र	हा० से०	वि.	
	श्रीमती पुष्पादेवी	१६	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
४२३—	श्रीमतीकेशरबाईबाकलीवाल	५५	मुखिया		विधवा	साहूकारी, लेन-देन
४२४—	श्री दीपचन्द राजा सोगानी	३५	मुखिया	मिडिल	वि.	मुनीम, सिन्ध महाजन एक्सचेन्ज लि०
	श्रीमती बादामीबाई	३०	पत्नी		वि.	
	कु० शकुन्तला	१५	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
४२५—	श्री अमोलक चन्द सोगानी	३३	मुखिया	मेट्रिक	वि.	होटल—कसेरा ओली
	श्रीमती गुनमालाबाई	३०	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री विजय कुमार	१४	पुत्र	नवीं	अवि.	
	श्रीमती कपूरीबाई	७०	मां		विधवा	
४२६—	श्री कन्हैयालाल कटारिया	५५	मुखिया		वि.	किराने की दुकान, दाना ओली
	श्रीमती मूलीबाई	४०	पत्नी		वि.	
४२७—	श्रीमदनलाल कटारिया	३८	मुखिया		वि.	किराना व्यापारी, कसेरा ओली
	श्रीमती भोलाबाई	३०	पत्नी		वि.	
४२८—	श्री भीषमचन्द कटारिया	३०	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस, विजय इलेक्ट्रिक स्टोर्स,
	श्रीमती कुसुमलता	२५	पत्नी		वि.	डीडवाना ओली
४२९—	श्री प्रेमचन्द बरैया	६०	मुखिया		वि.	सर्विस, प्रहलाददास हजारीलाल,
	श्रीमती त्रिवेणी	५०	पत्नी		वि.	इन्दरगंज
४३०—	श्री कैलाशचन्द जैसवाल	२८	मुखिया	हा० से०	वि.	सर्विस, मे० मुन्शीलाल महेन्द्रकुमार
	श्रीमती विमलादेवी	२५	पत्नी		वि.	माधवगंज
४३१—	श्री लालमन बरैया	३०	मुखिया	मिडिल	वि.	बरैया आभूषण भन्डार,
	श्रीमती सुशीलाबाई	२५	पत्नी		वि.	सराफा बाजार
	श्री शीतल प्रसाद	१५	भाई	मेट्रिक	अवि.	
	मनीराम का बाड़ा					
४३२—	श्री मदनलाल शाह	४५	मुखिया		विधुर	मिष्ठान व्यवसाय,
४३३—	श्री कैलाश चन्द टोंग्या	३५	मुखिया	मेट्रिक	वि.	वस्त्र व्यवसायी
	श्रीमती चमेलीबाई	३०	पत्नी	मिडिल	वि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री महावीरप्रसाद	२५	भाई	हा० से०	अवि.	सर्विस, जीवाजी विश्वविद्यालय,
	कुमारी किरन	१८	बहिन	B.A. II	अवि.	ग्वालियर
	कु० कमल	१५	बहिन	मेट्रिक	अवि.	
४३४—	श्री उम्मेदीलाल छाबड़ा	५५	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस, मे. मोहनलाल हरगोविन्द
	श्रीमती जाविजीबाई	५०	पत्नी		वि.	
	श्री लखमी चन्द	३६	पुत्र	B.A., LL.B.	वि.	सर्विस जे. ए. हास्पीटल
	श्रीमती कंचनदेवी	३५	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री विमल चन्द	३७	पुत्र	B. Com.	वि.	D.A.O. राज्य, परिवहन निगम, महू
	श्रीमती शान्तीदेवी	२६	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री सुमेरचन्द	[illegible]	पुत्र	M. A.	वि.	सु०, ए. जी. आफिस
	श्रीमती विमलादेवी	२८	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री धरमचन्द	३०	पुत्र	B.Com., S.A.S.	वि.	इन्स्पेक्टर
	श्रीमती निर्मला देवी	२६	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री राजेन्द्र कुमार	२५	पुत्र	M. Sc.	अवि.	लेक्चरार, दतिया हा. से. स्कूल
	श्री मानिकचन्द	२१	पुत्र	M.B.B.S. IV	अवि.	
	श्री नरेन्द्र कुमार	१४	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
४३५—	श्री चिरोंजीलाल काला	३०	मुखिया	मिडिल	वि.	मुनीम
	श्रीमती ऊषादेवी	२७	पत्नी		वि.	
४३६—	श्री गेंदालाल	५०	मुखिया	मिडिल	अवि.	सर्विस, दैनिक नवप्रभात प्रेस
४३७—	श्री भागीरथ प्रसाद बरैया	४७	मुखिया		वि.	सर्विस, गुड़ मर्चेन्ट, दाल बाजार
	श्रीमती शकुन्तलाबाई	४३	पत्नी		वि.	
	श्री कपूरचन्द	१६	पुत्र	हा० से०	अवि.	
४३८—	श्री महेशचन्द बरैया	२१	मुखिया	हा० से०	वि.	रेडियो मैकेनिक
	श्रीमती ओमवती	१६	पत्नी	मिडिल	वि.	
४३९—	श्री संतोषीलाल बरैया	३०	मुखिया		वि.	सर्विस-सिमको, बिरलानगर
	श्रीमती विद्यादेवी	२५	पत्नी	हा० से०	वि.	
४४०—	श्री खेरातीलाल बरैया	४८	मुखिया	मिडिल	विधुर	रेडियो सिंगर, आल्हा गायक
४४१—	श्री सुगनचन्द गोलालारे	४०	मुखिया		वि.	बर्तनों का व्यवसाय
	श्रीमती राजोबाई	३२	पत्नी		वि.	
	श्री रमेशचन्द	१५	पुत्र	मिडिल	अवि.	
४४२—	श्री बिहारीलाल गोलालारे	३२	मुखिया		वि.	सिविल सर्जन
	श्रीमती सोमबाई	२८	पत्नी		वि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
४४३—	श्री लक्ष्मीलाल जैसवाल	३०	मुखिया	मेट्रिक	वि.	फर्म–लक्ष्मीलाल अशोक कुमार,
	श्रीमती बैकुण्ठीबाई	२६	पत्नी		वि.	क्लोथ मर्चेन्ट, बड़ीमन्डी
	श्री प्यारेलाल	६०	पिता		विधुर	
४४४—	श्री वीरेन्द्र कुमार जैसवाल	५५	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस, फेन्सी जैन क्लोथ स्टोर,
	श्रीमती फूलदेवी	५०	पत्नी		वि.	माधवगंज
४४५—	श्री मांगीलाल	४५	मुखिया	मेट्रिक	वि.	रिटायर्ड
	श्रीमती गिदोड़ाबाई	४०	पत्नी		वि.	
	श्री मूलचन्द	२०	पुत्र	B. Sc. I	अवि.	
	श्रीमती अम्मा जी	६८	माँ		विधवा	
४४६—	श्री गनेशीलाल काला	५२	मुखिया	मिडिल	अवि.	सर्विस–चंदरलाल गप्पूलाल,
४४७—	श्री ज्ञानचन्द जैसवाल	३६	मुखिया	B. A., LL. B.	वि.	पार्टनर–ग्लोब मोटर्स पार्टस
	श्रीमती प्रमोद कुमारी	३५	पत्नी	मिडिल	वि.	मैन्यू०, जोहिया बाजार
४४८—	पं. लच्छूराम बरैया	५५	मुखिया	ज्यो० मार्तण्ड	वि.	पंडित, आटे की दुकान
४४९—	श्री चन्द्रसेन बरैया	३०	मुखिया	M·Com·LL.B.	वि.	सेक्रेटरी, म्युनिस्पल बोर्ड, ग्वालियर
	श्रीमती सुखियाबाई	२५	पत्नी		वि.	
	श्री प्रकाश चन्द	१४	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	श्रीमती कटोरीबाई	६०	माँ		विधवा	
४५०—	श्री चुक्खोमल	५५	मुखिया		वि.	हलवाई
	श्रीमती सुखियाबाई	५०	पत्नी		वि.	
	श्री नन्दलाल	२५	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती कमलाबाई	२०	पुत्रवधू		वि.	
	श्री मुन्नीलाल	२३	पुत्र		वि.	
	श्रीमती मुन्नीबाई	१६	पुत्रवधू		वि.	
	श्री रमेशचन्द	१६	पुत्र		अवि.	
४५१—	श्री गुलजारीलाल खरौआ	६०	मुखिया		वि.	
	श्रीमती सुशीलादेवी	५०	पत्नी		वि.	
	श्री राजमल	२४	पुत्र		वि.	पान की दुकान
	श्रीमती निर्मला	१८	पुत्रवधू		वि.	
	श्री कस्तूर चन्द	१६	पुत्र		अवि.	
	कु० मुन्नीबाई	१४	पुत्री		अवि.	
४५२—	श्री मुन्नालाल बरैया	२६	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस, एस. ए. एफ. सेन्टर
	श्रीमती चन्द्रकांता	२२	पत्नी		वि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
४५३—	श्री लालचन्द जैसवाल	५६	मुखिया		वि.	फर्म–मे० लालचन्द महेशचन्द,
	श्रीमती केशरबाई	५०	पत्नी		वि.	क्लॉथ मर्चेंट, दहीमन्डी
	श्री कान्तीचन्द	२५	पुत्र	M. Com.	वि.	सर्विस, ए. जी. आफिस
	श्रीमती शान्ति चन्द्र	२०	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री दिनेशचन्द	१६	पुत्र	मिडिल	अवि.	
	श्री महेशचन्द	१६	पुत्र	हा० से०	अवि.	
	घोसी बाड़ा, दाना ओली					
४५४—	श्री रामचरणलाल बरैया	३३	मुखिया		वि.	सर्विस, चिन्तामन, किशनलाल
	श्रीमती कमलादेवी	२८	पत्नी		वि.	बजाज, नया बाजार, लश्कर
	श्री विमल चन्द	१८	पुत्र	B. A. I	अवि.	
	श्री महेश कुमार	१४	पुत्र	मिडिल	वि.	
४५५—	श्री पूरनचन्द सिंघई	२४	मुखिया		वि.	जलजीरे का खोंमचा
	श्रीमती मुन्नीबाई	२०	पत्नी		वि.	
४५६—	श्री मुन्नालाल बरैया	२५	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस, जगदीशप्रसाद रमेशचन्द,
	श्रीमती मुन्नीबाई	२०	पत्नी		वि.	नया बाजार
	श्री प्रभूदयाल	१४	भाई	मेट्रिक	अवि.	
४५७—	श्री देवीलाल बरैया	२५	मुखिया	मेट्रिक	वि.	मुनीम
	श्रीमती मुन्नीबाई	२२	पत्नी		वि.	
४५८—	श्री मगलचन्द बरैया	५४	मुखिया		वि.	खोंमचा
	श्रीमती रामकली	५०	पत्नी		वि.	
	श्री नेमीचन्द	२५	पुत्र	मेट्रिक	वि.	खोंमचा
	श्रीमती मालती	१६	पुत्रवधू		वि.	
	श्री विमलचन्द	२०	पुत्र		वि.	खोंमचा
	श्रीमती विमला	१८	पुत्रवधू		वि.	
४५९—	श्री श्यामलाल जैसवाल	५८	मुखिया	मिडिल	वि.	कृषि-कार्य
	श्रीमती प्यारीबाई	५०	पत्नी		वि.	
४६०—	श्री शंकरलाल जैसवाल	५२	मुखिया		वि.	नमकीन का खोंमचा
	श्रीमती अशर्फी	४५	पत्नी		वि.	
	श्री छम्मनलाल	२२	पुत्र	मिडिल	वि.	
	श्रीमती मुन्नीबाई	१९	पुत्रवधू		वि.	
	कु० गुल्लोबाई	१४	पुत्री	मिडिल	अवि.	
४६१—	श्री फूलचन्द जैसवाल	४५	मुखिया		वि.	नमकीन का खोंमचा
	श्रीमती कलावती	४०	पत्नी		वि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री मायाचन्द	२५	पुत्र	मिडिल	वि.	
	श्रीमती अंगूरी	२१	पुत्रवधू		वि.	
४६२—	श्री छोटेलाल जैसवाल	४८	मुखिया		विधुर	मिष्ठान व्यापारी
	श्री कैलाशचन्द	२२	पुत्र	मिडिल	वि.	सर्विस-मे० मूलचन्द अयोध्या प्रसाद
	श्रीमती किरनदेवी	१७	पुत्रवधू		वि.	इन्दरगंज
४६३—	श्री मानिकलाल जैसवाल	२५	मुखिया		वि.	सर्विस, हलवाई की दुकान
	श्रीमती जमनादेवी	२२	पत्नी		वि.	
	श्री शान्तिलाल	२३	भाई		वि.	सर्विस, साबुन कारखाना
	श्रीमती कमलादेवी	२०	भ्रातावधू		वि.	
४६४—	श्री जयकुमार गोलालारे	४०	मुखिया		वि.	कबाड़े के सामान का व्यवसाय
	श्रीमती मायादेवी	३३	पत्नी		वि.	
४६५—	श्री छोटेलाल गोलालारे	७०	मुखिया		विधुर	
	श्री मागचन्द	५०	पुत्र		वि.	मुनीम
	श्रीमती कमलाबाई	४०	पत्नी		वि.	

पारख जी का बाड़ा

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
४६६—	श्री मानिक चन्द पांड्या	६५	मुखिया	मेट्रिक	अवि.	रिटायर्ड
	श्री विजय कुमार	३५	पुत्र	मेट्रिक	वि.	विजय इलेक्ट्रिक एजेन्सीज
	श्रीमती रमारानी	१८	पुत्रवधू	मेट्रिक	वि.	
४६७—	श्री प्रतापचन्द	४५	मुखिया		वि.	खोये का व्यवसाय
४६८—	श्री हीरालाल बरैया	१८	मुखिया	इन्टर	अवि.	बरैया क्लाथ मर्चेन्ट सराफा बाजार
	श्रीमती सोनाबाई	४५	माँ		विधवा	
४६९—	श्री पन्नालाल बरैया	४०	मुखिया	इन्टर	वि.	सर्विस-पोस्ट आफिस
	श्रीमती बादामीबाई	२८	पत्नी		वि.	
	श्री द्वारका प्रसाद	२५	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	श्री नाथूलाल	२२	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	सर्विस-एअर फोर्स, महाराज पुरा
	श्री सुभाष कुमार	१५	पुत्र	मिडिल	अवि.	
	श्री दिनेश कुमार	१४	पुत्र		अवि.	
	श्रीमती सोनाबाई	६४	माँ		विधवा	

सराफा बाजार

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
४७०—	श्री पवनकुमार सेठी	३०	मुखिया	M. A.	वि.	सर्विस, रजिस्ट्रार ऑफ कम्पनीज,
	श्रीमती तारादेवी	२८	पत्नी		वि.	कार्यालय
४७१—	श्रीमती गुलाबदेवी सेठी	५५	मुखिया	मिडिल	विधवा	अध्यापक

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
४७२—	श्री परशराम पल्लीवाल	५८	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस-गंगवाल इन्डस्ट्रीज
	श्रीमती पांचोबाई	५३	पत्नी		वि.	
	श्री बाबूलाल	२२	पुत्र	M. Com.	वि.	सर्विस, ए. जी. आफिस
	श्रीमती मनोरमा	१८	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
४७३—	श्री अयुध्याप्रसाद अग्रवाल	६५	मुखिया		वि.	फर्म—मे० चम्पालाल अयुध्या प्रसाद सर्राफ, सराफा बाजार
	श्रीमती सूरजबाई	६०	पत्नी		वि.	
	श्री भोगीराम	३८	पुत्र	मिडिल	वि.	
	श्रीमती सोनाबाई	३५	पुत्रवधू		वि.	
	श्री नेमीचन्द	३०	पुत्र	हा. से.	वि.	
	श्रीमती शकुन्तलाबाई	२५	पुत्रवधू		वि.	
४७४—	श्री शंकरलाल अग्रवाल	५७	मुखिया	मिडिल	वि.	मिष्ठान व्यापारी, सराफा बाजार
	श्रीमती चमेलीबाई	५५	पत्नी		वि.	
	श्री बाबूलाल	३७	पुत्र	मिडिल	वि.	
	श्रीमती कमलाबाई	३५	पुत्रवधू		वि.	
	श्री जगदीश प्रसाद	२०	पुत्र	मिडिल	वि.	
	श्रीमती जैनमती	१८	पुत्रवधू		वि.	
	श्री लक्ष्मीनारायण	१८	पुत्र	हा. से.	अवि.	
४७५—	श्री चिरोंजीलाल	७०	मुखिया	मिडिल	वि.	सोने, चांदी के दलाल
	श्रीमती श्यामाबाई	६०	पत्नी		वि.	
	श्रीमती अमृतबाई	३५	पुत्र		विधवा	
	श्री देवेन्द्र कुमार	२०	पौत्र	हा. से.	अवि.	
	कु. उर्मिला	१४	पौत्री	मिडिल	अवि.	
४७६—	श्री गुलाबचन्द अग्रवाल	७२	मुखिया		विधुर	फर्म—अग्रवाल केमिकल्स सराफा फो. नं. २०८९
	श्रीमती अयुध्याबाई	९०	मां		विधवा	
	श्री बाबूलाल	४७	पुत्र		वि.	
	श्रीमती मिन्टोबाई	४५	पुत्रवधू		वि.	
४७७—	श्री विमलचन्द वैद्य	६०	मुखिया	मिडिल	वि.	पेन्शनर
	श्रीमती अयुध्याबाई	५०	पत्नी		वि.	
	श्री जगदीश कुमार	२८	पुत्र	मिडिल	वि.	कढ़ाई कसीदे की दुकान
	श्रीमती कृष्णकुमारी	२३	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
४७८—	श्री प्रकाशचन्द गंगवाल	५५	मुखिया		वि.	हैड कैशियर-कै० बी० बैंक, लश्कर
	श्रीमती सुकमोबाई	५०	पत्नी		वि.	
	श्री कमलचन्द	३०	पुत्र	इन्टर	वि.	हैड कैशियर—यू० को० बैंक,

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती आशादेवी	२६	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	बिरलानगर
	श्री बलवन्तकुमार	२८	पुत्र	मेट्रिक	वि.	जैन यूंड मैन्यू फेक्चरिंग कं०सराफा
	श्रीमती मनोरमादेवी	२४	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री राजेन्द्रकुमार	२५	पुत्र	B.Com.L L.B.	वि.	कर सलाहकार
	श्रीमती रागनीदेवी	२१	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री चन्द्रकुमार	१६	पुत्र	M. B.B. S.II	अवि.	
	कु० प्रेम	१६	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
	श्री महावीरकुमार	१५	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
४७६	श्री मानिकचन्द गंगवाल	४६	मुखिया	M A LL. B.	वि.	शासकीय अभिभाषक, फोन नं० २०६४
	श्रीमती बाई	४०	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री उत्तमचन्द	२८	पुत्र	मेट्रिक	वि.	महावीर धर्म काँटा, चन्द्रवदनी नाका
	श्रीमती प्रमिला	२२	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री कैलाशचन्द	२३	पुत्र	B.Com.,LL.B.	अवि.	अभिभाषक
	श्री अशोककुमार	१६	पुत्र	बी एस. सी I	अवि.	
	कु. सरोज	१६	पुत्री	हा० से०	अवि.	
	श्री वीरेन्द्रकुमार	१४	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
४८०	श्री निरंजनलाल गंगवाल	४०	मुखिया	मेट्रिक	वि.	फर्मः-ग्वालियर गोटा फेक्ट्री
	श्रीमती कान्ताबाई	३०	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री विनोदकुमार	१५	पुत्र	हा० से०	अवि.	
	कु० मन्जु	१४	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
४८१	श्री गुलाबचन्द पापड़ीवाल	४५	मुखिया	मिडिल	वि.	भूमिपति
	श्रीमती चन्द्रमुखी	४०	पत्नी		वि.	
	श्री कैलाशचन्द	२८	पुत्र	एफ० ए०	वि.	सर्विस-सहकारी भण्डार
	श्रीमती चन्द्रकान्ता	२५	पुत्रवधू	मेट्रिक	वि.	
	श्री प्रकाशचन्द	२४	पुत्र	बी०ए० III	अवि.	
	श्री रमेशचन्द	१४	पुत्र	नवीं	अवि.	
४८२	श्रीमती सरस्वतीबाई	६२	मुखिया		विधवा	
४८३	श्री सूरजमल लुहाड़िया	६०	मुखिया		अवि.	भूमिपति
४८४	श्री रामचरनलाल अग्रवाल	५५	मुखिया		वि.	सोने चांदी के दलाल
	श्रीमती तुलसीबाई	४५	पत्नी		वि.	
४८५	श्री भजनलाल लुहाड़िया	५५	मुखिया		विधुर	भूमिपति
	श्रीमती सोनाबाई	६०	भाभी		विधवा	
४८६	श्री बाबूलाल अग्रवाल	५५	मुखिया		वि.	सोने-चांदी की दलाली

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती रामप्यारीबाई	५०	पत्नी		वि.	
	श्री रामकुमार	२८	पुत्र	मेट्रिक	वि.	रोज प्रोडक्सन, रंग व नील के निर्माता
	श्रीमती कमलाबाई	२३	पुत्रवधू		वि.	
	श्री मोहनलाल	२५	पुत्र	मेट्रिक	वि.	सर्विस-जे. सी. मिल्स बिरलानगर
	श्रीमती कस्तूरीबाई	२०	पुत्रवधू		वि.	
	श्री नेमीचन्द	१७	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	कु० शान्तीबाई	१५	पुत्री	मिडिल	अवि.	
४८७—	श्री तोताराम अग्रवाल	५२	मुखिया		वि.	फर्म:-तोताराम गंगाराम, वस्त्र
	श्रीमती बदामीदेवी	४५	पत्नी		वि.	व्यापारी
	श्री गंगाराम	४८	भाई		वि.	न्यू धोती हाऊस, सराफा बाजार
	श्रीमती छुट्टनबाई	४१	भ्रातावधू		वि.	
	श्री रामजीदास	३५	भाई		वि.	ऐजेन्ट-एक्लसियर सिलाई मशीन,
	श्रीमती दक्खोबाई	३०	भ्रातावधू		वि.	डीडवानाओली
	श्री शिखरचन्द	२४	भाई	B. Sc. I	वि.	
	श्रीमती मुन्नीबाई	१८	भाईवधू	मिडिल	वि.	
	श्री ज्ञानचन्द	१८	भतीजापुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	श्री कैलाशचन्द	१४	भतीजापुत्र	मिडिल	अवि.	
४८८—	श्री रमेशचन्द अग्रवाल	३५	मुखिया		वि.	फर्म-विर्धीचन्द रमेशचन्द सर्राफ
	श्रीमती कमलादेवी	३०	पत्नी		वि.	
	श्री सुरेशचन्द	१७	पुत्र	हा. से.	वि.	
	श्रीमती शीलादेवी	१४	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्रीमती बदामीबाई	५०	मां		विधवा	
४८९—	श्री गुलाबचन्द अग्रवाल	४६	मुखिया	मिडिल	वि.	फर्म-लखमीचन्द गुलाबचन्द सर्राफ
	श्रीमती विद्यावती	४०	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री जगदीशचन्द	३८	भाई	मिडिल	वि.	
	श्रीमती उर्मिला	३३	भाईवधू	मेट्रिक	वि.	
	श्री पदमचन्द	१६	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	श्री सतीशचन्द	१४	पुत्र	मिडिल	अवि.	
	श्रीमती सरस्वतीदेवी	५२	मां		विधवा	
	कु० ऊषा	१६	पुत्री	बी. ए. II	अवि.	
	कु. रेखा	१५	पुत्री	मिडिल	अवि.	
४९०—	श्री गनेशाराम अग्रवाल	६४	मुखिया	मिडिल	वि.	
	श्रीमती मालतीदेवी	६०	पत्नी		वि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री किशनलाल	४२	पुत्र	मेट्रिक	वि.	मुनीम
	श्रीमती कान्तादेवी	३८	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री फूलचन्द	३६	पुत्र		वि.	सर्विस, नगर पालिका
	श्रीमती रामकन्नी	३५	पुत्रवधू		वि.	
	श्री बालकिशन	२३	पुत्र	D. E. E.	अवि.	सर्विस-जे० सी० मिल्स
	श्री विमलचन्द	१४	पौत्र	मेट्रिक	अवि.	
	कु० लक्ष्मी	१६	पौत्री	हा०से०	अवि.	
	कु० आशादेवी	१६	पौत्री	मेट्रिक	अवि.	
४६१—	श्री आत्माराम अग्रवाल	४०	मुखिया	मिडिल	वि.	फर्म:-पुन्नामल कन्हैयालाल सर्राफ सराफा बाजार, फोन न० २२२६
	श्रीमती संतोबाई	३५	पत्नी		वि.	
	श्री विमलचन्द	१८	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
४६२—	श्री गुलाबचन्द शाह	७५	मुखिया	मिडिल	वि.	फर्म:-गुलाबचन्द रेशमचन्द,सराफा बाजार, फोन न. २२२६
	श्रीमती नत्थीबाई	७०	पत्नी		वि.	
	श्री रेशमचन्द	३३	भतीजा	मिडिल	वि.	
	श्रीमती ताराबाई	३०	भतीज वधू		वि.	
	श्रीमती फूलबाई	७०	मा		विधवा	
	श्री पवनकुमार	१७	..	हा०.से०	अवि.	

नई-सड़क—

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
४६३—	श्री मूलचन्द जैन परवार	६५	मुखिया		वि.	मूलचन्द कैलाशचन्द, कपड़े के व्यापारी, दुकान नं. २१, दही मण्डी लश्कर
	श्रीमती मैंदाबाई	६०	पत्नी		वि.	
	श्री निर्मलकुमार	३४	पुत्र	डिप्लोमा	वि.	
	श्रीमती शीलाबाई	३०	पुत्रवधू		वि.	
	श्री कैलाशचन्द	२८	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती कमलाबाई	२२	पुत्रवधू		वि.	
	श्री सुरेशचन्द	२०	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	श्री रमेशचन्द	१७	पुत्र	B. Sc. I	अवि.	
४६४—	श्री सुदामीलाल गोलसिंघारे	५०	मुखिया	मेट्रिक	वि.	महावीर जनरल स्टोर्स
	श्रीमती चमेलीबाई	५०	पत्नी		वि.	
	श्री चन्द्रसेन	२५	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	श्री प्रेमचन्द	२०	पुत्र		अवि.	
	श्री ज्ञानचन्द	१८	पुत्र		अवि.	
४६५—	श्रीशान्तीलाल	२२	मुखिया	M. A., LL. B.	अवि.	व्यवसाय

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
४९६—	श्री पी. सी. परवार	३१	मुखिया	B. Sc.	वि.	स्टेटस्टीकल, एन. एस. एस. भारत-
	श्रीमती शशी	२४	पत्नी	मिडिल	वि.	सरकार फोन ७९
४९७—	श्री सुगनचन्द	३५	मुखिया	B. Sc. (Ag)	वि.	सहसंचालक
	श्रीमती पुष्पलता	२८	पत्नी		वि.	
४९८—	श्री श्यामलाल गोयल	६०	मुखिया	B. Com.	वि.	मैनेजिंग डायरेक्टर-बालाजी ग्लास
	श्रीमती गायत्री	४५	पत्नी	मेट्रिक	वि.	वर्क्स
	कु० अन्जना	१४	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
४९९—	श्री निर्मलकुमार प. परवाल	२६	मुखिया	M. E.	वि.	लेक्चरार, माधव इन्जीनियरिंगकालेज
	श्रीमती कमलाबाई	२०	पत्नी	ग्यारवीं	अवि.	
	श्री गणधरकुमार	२०	भाई	B. Sc. I	अवि.	
५००—	श्री आनंदकुमार गोयल	२२	मुखिया	M. Com	अवि.	
५०१—	श्री महावीरप्रसादगोलछिवारे	२०	मुखिया	D.M E., B.A II	अवि.	
	श्री उग्रसेन	१९	भाई	D. E. C	वि.	पान की दुकान
५०२—	श्री मुरारीलाल बुंदेलवाल	५०	मुखिया	मिडिल	वि.	
	श्रीमती रामदेवी	४२	पत्नी		वि.	बिजली के ठेकेदार
	श्री रामकिशन	२६	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती रुकमणी	२०	पुत्रवधू		वि.	
	श्री लक्ष्मीनारायण	२४	पुत्र	नवीं	वि.	
	श्रीमती प्रेमलता	१८	पुत्रवधू		वि.	
	श्री रामसेवक	२०	पुत्र	नवीं	वि.	
	श्रीमती शकुन्तला	१७	पुत्रवधू		वि.	
	श्री विद्यासागर	१६	पुत्र	ग्यारवीं	अवि.	
५०३—	श्री बुधमल गंगवाल	६७	मुखिया		वि.	मे० गणेशीलाल फूलचन्द फोन नं. ५७७
	श्रीमती गुट्टयाबाई	६५	पत्नी		वि.	
	श्री केशरीमल	४५	पुत्र		वि.	मेसर्स श्री केशरीमल गंगवाल
	श्रीमती मनोजकुमारी	४३	पुत्रवधू		वि.	फोन न. २४२१
	डा० वीरेन्द्रकुमार	२४	पुत्र	M. Com., LL. B. Ph. D.	वि.	गंगवाल इन्डस्ट्रीज फोन नं. २२६३
	श्रीमती चन्द्रलेखा	२३	पुत्रवधू	M. A.	वि.	
	श्री पारसकुमार	२६	पौत्र	M. Com.	वि.	
	श्रीमती शकुन्तलादेवी	२३	पौत्रवधू	B. A.	वि.	

गेंडेवाली सड़क—

५०४—	श्री सरदारमल विलाला	४०	मुखिया		वि.	सर्विस, ग्वालियर स्टोर्स,
	श्रीमती गुलाबबाई	३५	पत्नी		वि.	सराफा बाजार

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	कु० तेज	१८	पुत्री	मिडिल	अवि.	
	श्री प्रवेशकुमार	१६	पुत्र	दसवी	अवि.	
५०५—	श्री गुलाबचन्द वैद्य	५०	मुखिया		विधुर	हलवाई
	श्रीमती सुमित्राबाई	६०	भाभी		विधवा	
५०६—	श्री पन्नालाल गोलमारे	७०	मुखिया		वि.	
	श्रीमती धनदेवी	५१	पत्नी		वि.	
	श्री नेमीचन्द	२६	पुत्र	मिडिल	वि.	सर्विस
	श्रीमती मालतीबाई	२५	पुत्रवधू		वि.	
	श्री वीरसेन	२१	पुत्र		अवि.	सर्विस
५०७—	श्री गुलझारीलाल सरोया	६०	मुखिया		वि.	
	श्रीमती श्रीबाई	५०	पत्नी		वि.	
	श्री राजेन्द्रकुमार	२८	पुत्र	नवीं	वि.	सर्विस, बिजलीघर
	श्रीमती इन्द्राणी	२२	पुत्रवधू		वि.	
	श्री वीरेन्द्रकुमार	२६	पुत्र	मिडिल	वि.	व्यवसाय
	श्रीमती रानीदेवी	१६	पुत्रवधू		वि.	
५०८—	श्री सतीशचन्द सरोया	३०	मुखिया		वि.	सर्विस, बिजलीघर
	श्रीमती कमलाबाई	१६	पत्नी		वि.	
५०९—	श्री मन्नीलाल लमेचू	४६	मुखिया		वि.	पान की दुकान
	श्रीमती सुनहरीबाई	४०	पत्नी		वि.	
	श्री स्वरूपचन्द	२५	पुत्र		वि.	
	श्रीमती सुशीलाबाई	२२	पुत्रवधू		वि.	
	श्री मूलचन्द	१६	पुत्र	इन्टर	वि.	
	श्रीमती पदमाबाई	१४	पुत्रवधू		वि.	
५१०—	श्री बाबूलाल गोलसिंघारे	५५	मुखिया		वि.	गल्ले के व्यापारी
	श्रीमती रामवती	४५	पत्नी		वि.	
	श्री बालचन्द	३८	पुत्र		वि.	
ौलतगज:-	श्री इन्द्रादेवी	२६	पुत्रवधू		वि.	
५११—	श्री अशोककुमार बड़जात्या	१८	मुखिया	B. Sc. II	अवि.	जौरा निवासी
५१२—	श्री सुरेन्द्रकुमार जैसवाल	२८	मुखिया	M.Com.	वि.	आडीटर, ए०जी० आफिस, जायवमहल, लश्कर
	श्रीमती कमला जैसवाल	२४	पत्नी	B. A.	वि.	
५१३—	श्री भगवानदास जैसवाल	४०	मुखिया		वि.	मिष्ठान विक्रेता बड़ी मन्डी
	श्रीमती कलावती	३०	पत्नी		वि.	
५१४—	श्री सीताराम जैसवाल	२६	मुखिया		वि.	मिष्ठान विक्रेता, हुजरात पुल

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती कस्तूरीबाई	२५	पत्नी		वि.	
५१५—	श्री आनन्द स्वरूप अग्रवाल	३५	मुखिया	B.A., LL.B.	वि.	अभिभाषक
	श्रीमती क्षमावती	३०	पत्नी		वि.	
५१६—	श्री रामचन्द जैसवाल	६०	मुखिया		विधुर	आटे की दुकान
	श्री रामदास	२८	पुत्र	मेट्रिक	वि.	सर्विस-दैनिक नवप्रभात
	श्रीमती रामकली	२४	पुत्रवधू		वि.	
	श्री सुरेशचन्द	२४	पुत्र	मिडिल	वि.	सर्विस-दैनिक नवप्रभात
	श्रीमती पुष्पाबाई	१८	पुत्रवधू		वि.	
	श्री सुमतचन्द	१७	पुत्र	मिडिल	अवि.	
५१७—	श्री धर्मचन्द बरैया	२१	मुखिया		वि.	सर्विस-लक्ष्मी फैन्सी स्टोर्स
	श्रीमती बैजोबाई	१६	पत्नी		वि.	
	श्री हेमराज	५०	चाचा		अवि.	व्यापार
	श्री बाबूलाल	४०	चाचा		अवि.	सर्विस-बिटोला में
	श्री बद्रीप्रसाद	४६	चाचा		अवि.	सर्विस
	श्रीमती शान्तीबाई	४०	मां		विधवा	
५१८—	श्री दयाप्रकाश पद्मावती परवाल	२२	मुखिया	M.Com.	वि.	आडीटर ए. जी. आफिस ग्वालियर
	श्रीमती सुशीलादेवी	१६	पत्नी		वि.	
५१९—	श्री सत्यप्रकाश पद्मावती परवाल	२४	मुखिया	बी० ए०	वि.	अध्यापक, गोरखी विद्यालय
	श्रीमती सरोजबाला	१६	पत्नी		वि.	
५२०—	श्री सूरजनारायण अग्रवाल	५८	मुखिया		वि.	न्यू जनता ट्रान्सपोर्ट कम्पनी,
	श्रीमती रामादेवी	३५	पत्नी		वि.	लोहिया बाजार, फोन नं. ७११
५२१—	श्री राजेन्द्रकुमार पांड्या	३५	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस-नगर पालिक निगम
	श्रीमती तारादेवी	३०	पत्नी	मिडिल	वि.	
५२२—	श्रीमती तीजाबाई पांड्या	६३	मुखिया		विधवा	
५२३—	श्री धर्मचन्द बाकलीवाल	३६	मुखिया	मेट्रिक	वि.	मे० विनोद फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर्स
	श्रीमती सुमतिबाई	३४	पत्नी		वि.	
	श्री प्रदीपकुमार	१४	पुत्र	नवीं	अवि.	
	श्री विमलचन्द	३०	भाई	मेट्रिक	वि.	व्यापार
	श्रीमती रतनमाला	२६	पत्नी		वि.	
	श्रीमती मन्नीबाई	५८	मां		विधवा	
	श्री चम्पाबाई	५२	बुआ		विधवा	
	श्री भानुकुमार	२६	भान्जा	बी. ए.	अवि.	
	श्री विनोदकुमार	१६	भतीजा	११वीं	अवि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री कमलकुमार	२३	भतीजा	बी. कॉम	वि.	सर्विस-विनोद पिक्चर्स
	श्रीमती सरोजकुमारी	१८	भतीजा वधू		वि.	
५२४—	श्री ताराचन्द सेठी	४३	मुखिया		वि.	मे०सेठी कलर इन्डस्ट्रीज, ग्वालियर
	श्रीमती कस्तूरीबाई	३३	पत्नी		वि.	
	श्री भागचन्द	१६	पुत्र	नवीं	वि.	
५२५—	श्री मुन्नालाल सोनी	३६	मुखिया	मेट्रिक	वि.	शासकीय ठेकेदार
	श्रीमती विद्याबाई	३०	पत्नी		वि.	
	श्री विजयकुमार	१४	पुत्र		अवि.	
	श्री पदमकुमार	२३	भान्जा	बी. एससी.	वि.	सर्विस-ए. जी. आफिस, मोतीमहल
	श्रीमती वीणाबाई	२०	भान्जा वधू		वि.	ग्वालियर
५२६—	श्री राजमल चांदवाड़	४५	मुखिया		वि.	व्यापार
	श्रीमती मुन्नाबाई	३७	पत्नी		वि.	
	कु० चन्दाबाई	१७	पुत्री	B. A.I	अवि.	
	श्री सतीशकुमार	१५	पुत्र	१० वीं	अवि.	
	श्री सुमतचन्द	२२	भाई	M Com.	वि.	सर्विस-यू. को. बैंक, नया बाजार
	श्रीमती किरण	१७	भ्राता वधू	११ वीं	वि.	लश्कर
	श्री सुरेन्द्रकुमार	१८	भाई	१२ वीं	अवि.	
	श्री सन्तोषकुमार	१८	पुत्र	B. Com.	अवि.	
	श्रीमती कमलादेवी	३८	मां		वि.	
५२७—	श्री मदनलाल रांका	३०	मुखिया		वि.	मे० मदनलाल, पन्नालाल कलई
	श्रीमती सरोजबाई	२५	पत्नी		वि.	के व्यापारी फोन नं० २१०१
५२८—	श्री भरोसीलाल	४१	मुखिया		वि.	व्यापार
	श्रीमती भगवतीदेवी	३२	पत्नी		वि.	
	श्रीमती छोटीबाई	५५	मां		विधवा	
५२९—	श्री सालिग्राम बरैया	४०	मुखिया		अवि.	सुपारी के व्यापारी
	श्री स्यादाबाई	७०	मां		विधवा	
	श्री भूरेलाल	३०	भाई		अवि.	
५३०—	श्री जमनादास जैसवाल	३२	मुखिया		वि.	मिष्ठान व्यापारी
	श्री विमलाबाई	२७	पत्नी		वि.	
५३१—	श्री दाताराम जैसवाल	२७	मुखिया	B. A.	वि.	इन्डिया ओटोपिस्टन एन्ड मोटर
	श्रीमती विजयबाई	२६	पत्नी		वि.	पार्टस मैन्यूफैक्चर, फोन नं० ३०
५३२—	श्री मांगीलाल चौधरी	७०	मुखिया		वि.	
	श्रीमती कस्तूरीबाई	६७	पत्नी		वि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री अनूपचन्द	२५	पुत्र	बी. कॉम	वि.	आयकर-विक्रय कर सलाहकार
	श्रीमती कमलाबाई	२१	पुत्रव्		वि.	
५३३—	श्री बाबूलाल चोधरी	४२	मुखिया	B.A., LL.B.	वि.	अभिभाषक, कर सलाहकार, फोन
	श्री शान्तीदेवी	४०	पत्नी		वि.	नं० २६०५
	कु० रजनी	१४	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
५३४—	श्री फूलचन्द पाटोदी	६०	मुखिया		वि.	सोने-चांदी के दलाल
	श्रीमती चिरोंजीबाई	५०	पत्नी		वि.	
	श्री इन्दरचन्द	३०	पुत्र		वि.	जैन होटल, दौलतगंज
	श्रीमती सुशीलाबाई	२६	पुत्रवधू		वि.	
	कु० विजया	१५	पुत्री		अवि.	
५३५—	श्री बाबूलाल पाटनी	५०	मुखिया		वि.	इन्दरचन्द फूलचन्द एण्ड संस, वस्त्र
	श्रीमती किरणबाई	४८	पत्नी		वि.	व्यापारी. फोन न २०८१
	श्री मानकचन्द	४०	भाई		वि.	
	श्रीमती कंचनबाई	३६	भ्राता वधू		वि.	
	श्रीमती फूलबाई	७०	माँ		विधवा	
५३६—	श्री बाबूलाल टोंग्या	४५	मुखिया		वि.	मकानों के दलाल
	श्रीमती रतनबाई	३२	पत्नी		वि.	
	श्री वंशीधर	२५	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	सर्विस-मे० गणेशीलाल फूलचन्द,
	श्री किशनचन्द	१६	पुत्र		अवि.	
	श्री धनकुमार	१४	पुत्र		अवि.	
	श्रीमती सगुनीबाई	७०	मां		विधवा	
५३७—	श्री मक्खनलाल बरैया	३२	मुखिया		वि.	सर्विस, ग्वालियर गोटा फैक्ट्री
	श्रीमती गुनमाला	२८	पत्नी		वि.	
	श्री प्रदीप कुमार	१४	पुत्र	नवीं	अवि.	
५३८—	श्री गनपतलाल अग्रवाल	५५	मुखिया		वि.	टिम्बर मर्चेन्ट, दौलतगंज
	श्रीमती गनेशीदेवी	५२	पत्नी		वि.	
	श्री ओम प्रकाश	२६	पुत्र	B. Com.	वि.	कर सलाहकार
	श्रीमती कृष्णादेवी	२६	पुत्रवधू		वि.	
	श्री धर्म प्रकाश	२७	पुत्र	मेट्रिक	वि.	टिम्बर मर्चेन्ट
	श्रीमती श्यामादेवी	२४	पुत्रवधू		अवि.	
	श्री चन्द प्रकाश	२५	पुत्र	B. A. II	अवि.	
	श्री पदम चन्द	२३	पुत्र	B. A. II	अवि.	
	कु० विद्याबाई	१८	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	कु० पदमाबाई	१५	पुत्री	मेट्रिक	वि.	
५३९—	श्री मदनलाल कटारिया	४७	मुखिया		वि.	जैन ब्रदर्स, टोरी बाजार
	श्रीमती अंगूरीबाई	४०	पत्नी		वि.	
	श्री नरेश कुमार	२२	पुत्र	B. E.	वि.	
	श्रीमती त्रिशला कुमारी	१८	पुत्रवधू		वि.	
५४०—	श्री रोशनलाल जैसवाल	५०	मुखिया		वि.	ऐपको मोटर पार्टस मैन्यू-
	श्रीमती पेशोबाई	४८	पत्नी		वि.	फैक्चरर्स, जयेन्द्रगंज
	श्री किशन चन्द	३२	पुत्र	B. A.	वि.	जैन-ओटोमोबाइल, जयेन्द्रगंज
	श्रीमती प्रभादेवी	२८	पुत्रवधू		वि.	
	श्री निरजनलाल	२८	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती इन्द्रादेवी	२५	पुत्रवधू		वि.	
	श्री सतीशचन्द	३३	काका	B. Com.	वि.	
	श्री योगेशकुमार	१६	पुत्र	९ वीं	अवि.	
	श्री निर्मलकुमार	१४	पुत्र	७ वीं	अवि.	
५४१—	श्री मूलचन्द जैसवाल	४५	मुखिया		वि.	स्टेशन मास्टर, दतिया
	श्रीमती कपूरीदेवी	४०	पत्नी		वि.	
	श्री सतीशचन्द	२०	पुत्र	D. E. E.	अवि.	
	श्री नरेशचन्द	१८	पुत्र	B. Sc.	अवि.	
	कु० प्रमिला	१९	पुत्री	B. Sc. III	अवि.	
५४२ –	श्री श्यामलाल बरैया	३०	मुखिया		वि.	सर्विस, स्टील फाऊन्ड्री
	श्रीमती ताराबाई	२५	पत्नी		वि.	
५४३—	श्री मुरारीलाल	२५	मुखिया	B A.,LL.B.	अवि.	अभिभावक

हुजरात मार्ग—

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
५४४—	डॉ. के. ओ. एस. दीवान	५६	मुखिया	M B.B.S. IM S.(X)	वि.	ईश्वरी प्रसाद सर्जिकल एण्ड
	श्रीमती कलावतीदेवी	७५	माँ		विधवा	मेडिकल होम, हुजरात रोड लश्कर
	श्रीमती रामकलीदेवी	५४	पत्नी		वि.	
	डॉ. अजीतप्रकाश	३०	पुत्र	M B.B.S. T. D. D.	वि.	मेडिकल आफीसर इन्चार्ज सिविल
	श्रीमती आदर्शकुमारी	२१	पत्नी	M.B.B.S. IV	वि.	फोर्ट एण्ड सिंधिया स्कूल
	डॉ. विमलेशकुमार	२८	पुत्र	M.B B.S.	अवि.	रेजिडेन्ट पेथोलिस्ड, जी. आर. मेडिकल कालेज ,एण्ड जे. ए. ग्रुप आफ हा०
	डॉ. नाभिराजा	२६	पुत्र	M.B B.S. D L.O.E. विवरेचिवरस	अवि.	एम. एस. अमृतसर कालेज
	कु० पद्मा	२२	पुत्री	M.B.B.S. IV	अवि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री अजयकुमार	१८	पुत्र	M.B.B.S.III	अवि.	
	कु० मधु	१७	पुत्री	B. Sc. II	अवि.	
५४५—	श्री कम्मनलाल लमेंचू	५८	मुखिया		वि.	काश्तकारी, अटेर (भिण्ड)
	श्रीमती अनारबाई	५५	पत्नी		वि.	
	श्री प्रभाचन्द्र	३८	पुत्र	B.A.,LL.B.	वि.	सर्विस-ए. जी. आफिस, ऐ. सी.
	श्रीमती हृदयवती	३४	पत्नी	मिडिल	वि.	डी. सेक्शन
	कु० सरिता	१५	पुत्री	११ वी	वि.	अध्ययन
५४६—	श्री प्रकाशचन्द्र परवार	२८	मुखिया	M.B.B.S.,M.D.	वि.	जे. ए. हास्पीटल,
	श्रीमती उर्मिला	२४	पत्नी	M. A.	वि.	
	कु० सुलोचना	२०	बहिन	B. A. III	अवि.	अध्ययन
	श्री महेन्द्रकुमार	१७	भाई	B. Sc. II	अवि.	अध्ययन
	श्री विजयकुमार	१७	क. भाई	B. A. I	अवि.	
५४७—	श्री प्रेमचन्द परवार	६०	मुखिया		वि.	भैयालाल प्रेमचन्द, थोक कपड़े के
	श्रीमती मन्नोबाई	५५	पत्नी		वि.	व्यापारी, नया बाजार फो.न. १६४१
	श्री विरधीचन्द	४०	पुत्र		वि.	
	श्रीमती चन्दनबाई	३६	पत्नी		वि.	
	श्री बालचन्द	३८	पुत्र		वि.	
	श्रीमती पार्वतीबाई	३५	पत्नी		वि.	
	श्री ओमप्रकाश	१८	पौत्र	M B B.S. II	अवि.	
	नयाबाजार—					
५४८—	श्री हुकमचन्द बाकलीवाल	४२	मुखिया		वि.	अमोलकचन्द ओहरीलाल नया बाजार
	श्रीमती केशरबाई	६२	माँ		विधवा	कागज व स्टेशनरी विक्रेता
	श्रीमती इमरतीबाई	३८	पत्नी		वि.	
	श्री अशोककुमार	१८	पुत्र	B.Com.	अवि.	
	कु० सन्तोष	१४	पुत्री	सातवी	अवि.	अध्ययन
५४९—	श्री रूपचन्द पाटनी	६२	मुखिया	मेट्रिक	वि.	फोटोग्राफर, होम्योपेथ-चिकित्सक
	श्रीमती माहोरबाई	५०	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री रिद्धिकरन	२८	पुत्र	B A ,LL.B.	वि.	अभिभावक
	श्रीमती मुन्नी	२२	पत्नी	मिडिल	वि.	
५५०—	श्री गोपालदास साहू	३६	मुखिया		वि.	कागज की दुकान, नया बाजार
	श्रीमती गोपालदास	५५	पत्नी		वि.	
	श्री आनन्दकुमार	१४	पुत्र	मिडिल	अवि.	अध्ययन
५५१—	श्री मोतीलाल परवार	६५	मुखिया		वि.	कपड़े की दलाली, नया बाजार

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती चेनाबाई	५१	पत्नी		वि.	
	कु० विमला	१५	पुत्री	दसवी	अवि.	अध्ययन
	श्री हुकमचन्द	३५	पुत्र		वि.	कपड़े की दलाली, नयाबाजार
	श्रीमती कमलाबाई	३०	पत्नी		वि.	
५५२—	श्री मोतीलाल मथवांसोपरवार	५०	मुखिया	B. A.	वि.	असिस्टेन्ट इन्सपेक्टर, शिक्षा, विभाग
	श्रीमती श्रीदेवी	४५	पत्नी		वि.	मंडल ग्वालियर
	श्री सुरेशचन्द	३०	पुत्र	टे. ओ. सियर	वि.	ओवर सियर पब्लिक हेल्थ,
	श्रीमती उषा किरन	२८	पत्नी		वि.	डिपार्टमेंट शिवपुरी
	श्री अरविन्दकुमार	२०	पुत्र	P. T. 4th Semi.	अवि.	अध्ययन, से० टे० इन्सटीट्यूट
	कु० सुनन्दा	१६	पुत्री	B. A. II	अवि.	अध्ययन
५५३—	श्री निर्मलकुमार खरऊआ	४०	मुखिया	B.A., LL B.	वि.	दीवानी-फौजदारी वकालात
	श्रीमती मोहनदेवी	६५	मां		विधवा	
	श्रीमती चमेलीदेवी	३६	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री उदयकिशोर	१९	पुत्र	B. Sc.	अवि.	अध्ययन
५५४—	श्री हुकमचन्द अजमेरा	३७	मुखिया	B.Com.	वि.	सेल्स टे०, इन्कम टे० प्रेक्टिसनर
	श्रीमती कनकदेवी	३२	पत्नी		वि.	
५५५—	श्री जिनेश्वर प्रसाद दीवान	४५	मुखिया	B Sc., LL.B	वि.	दीवानी-फौजदारी वकालात
	श्रीमती कलावती	७०	मा		विधवा	
	श्रीमती श्यामादेवी	४०	पत्नी		वि.	
	श्री ऋषिकुमार	१८	पुत्र	B.Sc. I	अवि.	
	कुमारी ऊषा	१६	पुत्री	B. Sc. I	अवि.	
५५६—	श्री रामचरनलाल वरैया	३५	मुखिया		वि.	प्रोफेसर गवर्नमेन्ट साईन्स कॉलेज,
	श्रीमती कुन्तीबाई	३०	पत्नी		वि.	लश्कर
५५७—	श्री राजकुमार परवार	२०	मुखिया	B. Com. II	अवि.	फर्म:—लखमीचन्द राजकुमार
	श्री प्रकाशचन्द	१८	भाई	B. A. I	अवि.	थोक क्लोथ मर्चेन्ट, नयाबाजार
५५८—	श्री लखमीचन्द परवार	४३	मुखिया		वि.	लखमीचन्द राजकुमार, नयाबाजार
	श्रीमती बैनी बाई	३५	पत्नी		वि.	
	श्री उत्तमचन्द	१६	पुत्र	B. Sc.	अवि.	
५५९—	श्री कुन्दनलाल परवार	३९	मुखिया	मिडिल	अवि.	सोनेलाल कुन्दनलाल, कपड़े के
	श्रीमती गंगाबाई	५०	मां		विधवा	व्यापारी, नयाबाजार
	श्रीमती चन्दोबाई	३२	पत्नी		वि.	
	श्री अनन्त कुमार	१९	पुत्र	B. Sc. II	अवि.	
५६०—	श्री वीरेन्द्रकुमार परवार	२५	मुखिया	मेट्रिक	वि.	जैन क्लोथ स्टोर, नयाबाजार

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती कस्तूरीबाई	३६	मां		विधवा	
	श्रीमती कमलाबाई	२३	पत्नी	हा. से.	वि.	
	श्री राजेन्द्रकुमार	२३	भाई	B.Com. I	अवि.	
	श्री नरेन्द्रकुमार	२१	भाई	B. Sc. II	अवि.	
	श्री विनोदकुमार	१६	भाई	B. E. II	अवि.	माधव इन्जीनियरिंग कॉलेज
	श्री नन्दनकुमार	१७	भाई	मेट्रिक	अवि.	
	श्री अशोककुमार	१५	भाई	मिडिल	अवि.	
५६१—	श्रीसोमबाबूपद्मावती परवाल	३०	मुखिया	इन्टर	वि.	सर्विस, कलेक्ट्रेट, मुरैना
	श्रीमती सरलादेवी	२५	पत्नी	B. A.	वि.	अध्यापिका
५६२—	श्री मक्खनलाल बरैया	२२	मुखिया	Medical II	अवि.	
५६३—	इन्द्रसेन गोलालारे	४०	मुखिया		वि.	सब-रजिस्ट्रार, ग्वालियर
	श्रीमती सोनश्री	३२	पत्नी		वि.	
५६४—	श्री कुशलचन्द गोलालारे	१७	मुखिया	B.Com.	अवि.	कुशलचन्द कैलाशचन्द जैन,
	कैलाशचन्द	१४	भाई	नवी	अवि.	नयाबाजार, कपड़े के व्यापारी
५६५—	श्री चम्पालाल बरैया	४०	मुखिया		वि.	कपड़े की दलाली, नयाबाजार
	श्रीमती भगवतीदेवी	३५	पत्नी		वि.	
	कु० निर्मला	१७	पुत्री	हा. से.	अवि.	
५६६—	श्री बाबूलाल परवार	६०	मुखिया		वि.	अभिनन्दनकुमार सुरेन्द्रकुमार,
	श्रीमती सोनाबाई	५८	पत्नी		वि.	होलसेल क्लॉथ मर्चेन्ट, नयाबाजार
	श्री अभिनन्दनकुमार	३५	पुत्र	मिडिल	वि.	फोन : १२०२
	श्रीमती शान्तिबाई	३२	पत्नी		वि.	
	श्री सुरेन्द्रकुमार	२५	पुत्र	मिडिल	वि.	
	श्रीमती विमलादेवी	२२	पत्नी		वि.	
	श्री राजकुमार	१५	पुत्र	मिडिल	अवि.	
५६७—	श्री देवेन्द्रकुमार गोलालारे	२१	मुखिया	M.A. Final	अवि.	
५६८—	श्री नेमीचन्द	२२	मुखिया	M.A. Final	वि.	सर्विस-ए. जी. ऑफिस, यू. डी. सी.
	श्रीमती नेमीचन्द	२०	पत्नी	इन्टर	वि.	जाधव महल,
५६९—	श्री कपूरचन्द परवार	३५	मुखिया	मिडिल	वि.	कपड़े की दुकान, नयाबाजार
	श्रीमती शान्तिबाई	३०	पत्नी		वि.	
	कुमारी विमलेश	१५	पुत्री	नवीं	अवि.	
५७०—	श्री मानिकचन्द गोलालारे	३७	मुखिया	B.Com.LL.B.	वि.	अभिभाषक, हाई कोर्ट (म० प्र०)
	श्रीमती शोभाकुमारी	३२	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री रविकान्त	१४	पुत्र	हा० से०	अवि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
५७१—	श्री उत्तमचन्द कटारिया	३२	मुखिया	इन्टर	वि.	स्टोर्स इन्चार्ज, कमलाराजा
	श्रीमती प्रेमादेवी	२६	पत्नी	मिडिल	वि.	अस्पताल, लश्कर
	कुमारी मीरा	१५	पुत्री	मिडिल	अवि.	
	श्री अशोककुमार	१४	पुत्र	नवीं	अवि.	
५७२—	श्री नरेन्द्रकुमार जैन	२८	मुखिया	M.Com.LL.B.	वि.	सिंघल एन्ड कं. चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट,
	श्रीमती मोतीरानी	२४	पत्नी		वि.	नयाबाजार, फोन नं. १४१५
	श्री सत्येन्द्रकिशोर	१८	भाई	B. Sc.	अवि.	
५७३—	श्री प्रेमचन्द लमेंचू	४५	मुखिया		वि.	मे. प्रेमचन्द सतीशचन्द, नयाबाजार
	श्रीमती मुन्नीदेवी	२५	पत्नी		वि.	
	श्री सतीशचन्द	१८	पुत्र	बी. एससी. I	अवि.	
	श्री अमरचन्द	१६	पुत्र	बी. कॉम. I	अवि.	
	कुमारी सरिता	१४	पुत्री	मिडिल	अवि.	
५७४—	श्री पवनकुमार जैसवाल	२३	मुखिया	B.Com;LL.B.	अवि.	विद्याध्ययन
५७५—	श्री प्रयागनारायण जैसवाल	२४	मुखिया	बी. ई. IV	अवि.	,,
५७६—	श्री महेशचन्द जैसवाल	२२	प्रमुख	बी. ई. V	अवि.	,,
५७७—	श्री नरेन्द्रकुमार परवार	२३	मुखिया	B. A., LL B.	अवि.	,,
५७८—	श्री चम्पालाल	२३	मुखिया		अवि.	,,
५७९—	डॉ० ज्ञानप्रकाश जैन	३८	मुखिया	M. Sc., Ph.D.	वि.	प्रोफेसर, जीव-विज्ञान,
	श्रीमती प्रेमकान्ता जैन	३१	पत्नी	M. A.	वि.	शा. विज्ञान महाविद्यालय, ग्वा.
	लोहिया बाजार—					
५८०—	श्री रामस्वरूप गोलालारे	५४	मुखिया		वि.	डायमन्ड सेफ इन्डूस्ट्रीज,नयाबाजार
	श्रीमती रामश्री	४५	पत्नी		वि.	
	श्री राजकुमार	३२	पुत्र	B.Com., LL B.	वि.	सेल्स टेक्स व इन्कमटेक्स वकालत
	श्रीमती हंसमुखी	२८	पत्नी		वि.	
	श्री भानुकुमार	२९	पुत्र	M. A.	वि.	शिक्षक, अमायन (भिन्ड)
	श्रीमती रानीदेवी	२५	पत्नी		वि.	
	डॉ० वीरकुमार	२७	पुत्र	M.B,B S;D.T.C D.	वि.	असिस्टेंट सर्जन, मुरार
	श्रीमती महेन्द्रकुमारी	२३	पत्नी	M. A.	वि.	
	श्री आर. कुमार	२५	पुत्र	इन्टर	वि.	कपड़े के व्यापारी व बैंकर्स,
	श्रीमती शशिकुमारी	२२	पत्नी		वि.	अमायन
	श्री प्रकाशचन्द	२२	पुत्र	M. Sc. (Ag)	अवि.	छात्र एग्रीकलचर कालेज, लश्कर
	श्री नरेशचन्द	१६	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	श्री सुरेशचन्द पुत्र मक्खनलाल	२१	पौत्र	B.E. II	अवि.	छात्र, इन्जीनियरिंग कालेज,रायपुर

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	कु० कृष्णा पुत्री मक्खनलाल	१५	पौत्री	बी. ए.	अवि.	
५८१	श्री दे ीराम पल्लीवाल	३४	मुखिया		वि.	जैन आयरन स्टोर्स, लोहिया बाजार
	श्रीमती आनन्दीबाई	५०	माँ		विधवा	
	श्रीमती चन्द्रकला	२८	पत्नी		वि.	
	श्री मिश्रीलाल	३०	भाई		वि.	
	श्रीमती शान्तीबाई	२८	पत्नी		वि.	
५८२	श्री बन्शीधर पल्लीवाल	६०	मुखिया	मिडिल	वि.	मैस० बन्शीधर विमलचन्द जैन, आयरन मर्चेन्ट, लोहिया बाजार, फोन नं० ७२१
	श्रीमती अजुद्दीदेवी	५२	पत्नी		वि.	
	श्री सुरेशचन्द	२१	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती विमलादेवी	१८	पत्नी	मिडिल	वि.	
५८३	श्री दामोदरदास पल्लीवाल	५०	मुखिया	मिडिल	वि.	मे० सुभाषचन्द नरेन्द्रकुमार, लोहिया बाजार, लश्कर
	श्रीमती दुर्गाबाई	४५	पत्नी		वि.	
	श्री रमेशचन्द	३०	पुत्र	नवी	वि.	
	श्रीमती अगूरीबाई	२७	पत्नी		वि.	
५८४	श्री मिश्रीलाल पल्लीवाल	४५	मुखिया		वि.	गल्ला व किराना के दलाल
	श्रीमती गुल्लोबाई	६०	मा		विधवा	
	श्रीमती सुशीलादेवी	३५	पत्नी		वि.	
	श्री राजकुमार	१५	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	श्री स्वरूपचन्द	३५	भाई	B. Com.	वि.	सर्विस-जे. सी. मिल्स, बिरलानगर
	श्रीमती सरोज	३०	पत्नी		वि.	
५८५	श्री कन्हैयालाल पल्लीवाल	४५	मुखिया		वि.	मे. कन्हैयालाल कस्तूरचन्द, आयरन मर्चेन्ट, लोहिया बाजार
	श्रीमती चन्द्रकान्ता	३८	पत्नी		वि.	
	कु० गुणमाला	१४	पुत्री	नवी	अवि.	
	श्री सोहनलाल	२५	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती आशारानी	२२	पत्नी		वि.	
	श्री सन्तोषकुमार	२३	पुत्र	हा० सेकेन्ड्री	वि.	
	श्रीमती गुणमाला	१६	पत्नी		वि.	
	श्री वीरेन्द्र कुमार	२०	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
५८६	श्री गंगाराम पल्लीवाल	६५	मुखिया		वि.	मे० विजय आयरन स्टोर्स लोहिया बाजार, लश्कर
	श्रीमती म्ूराबाई	५५	पत्नी		वि.	
	श्री नेमीचन्द	२२	पुत्र	बी ए	वि.	
	श्रीमती सरोजदेवी	२१	पत्नी		वि.	
	श्री पदमचन्द	१६	पुत्र	हा० से०	अवि.	

लोहिया बाजार, ग्वालियर-१

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
५८७—	श्री लालाराम पल्लीवाल	४७	मुखिया		वि.	परचूनी की दुकान
	श्रीमती केशरबाई	४०	पत्नी		वि.	
	श्री दर्शनलाल	१४	पुत्र		अवि.	
	श्री अशर्फीलाल	२३	पुत्र		वि.	पान की दुकान, नई सड़क
	श्रीमती फूलवती	१८	पत्नी		वि.	
	श्रीमती गौरीबाई	६५	मां		विधवा	
५८८—	श्री कुशलचन्द पल्लीवाल	१८	मुखिया	B. Sc I	अवि.	कुशलचन्द कैलाशचन्द, लोहे के व्यापारी, लोहिया बाजार
	श्रीमती रामप्यारी	३५	मां		विधवा	
	श्री कैलाशचन्द	१४	भाई	मेट्रिक	अवि.	
५८९—	श्री भरोसीलाल पल्लीवाल	३०	मुखिया		वि.	महावीर आयरन स्टोर, फोन नं. ७४३
	श्रीमती राजाबेटी	२५	पत्नी		वि.	
	श्री पदमचन्द	२०	भाई	हा० सेकेन्ड्री	वि.	
	श्रीमती लक्ष्मीदेवी	१८	पत्नी		वि.	
५९०—	श्री हरीबाबू पल्लीवाल	२५	मुखिया	मिडिल	वि.	जैन किराना स्टोर्स, लोहिया बाजार
	श्रीमती रामकली	२५	मुखिया		वि.	
५९१—	श्री राजकुमार पल्लीवाल	२८	मुखिया	एम. कॉम.	वि.	हीरालाल छोटेलाल, दालबाजार
	श्रीमती कमलाबाई	२२	पत्नी		वि.	
५९२—	श्री रतनलाल पल्लीवाल	४६	मुखिया		वि.	प्रकाश आयरन स्टोर्स, लोहिया बाजार
	श्रीमती सोनाबाई	५०	मां		वि.	
	श्रीमती कस्तूरीबाई	३५	पत्नी		वि.	
	श्री पातीराम	४०	भाई	मिडिल	वि.	
	श्रीमती रामश्री	३१	पत्नी		वि.	
	श्री ओमप्रकाश	१८	पुत्र		अवि.	
५९३—	श्री बाबूलाल पल्लीवाल	७२	मुखिया		वि.	भोलानाथ सन्तोषकुमार, लोहिया बाजार, फोन १७३४
	श्रीमती दुर्गादेवी	६५	पत्नी		वि.	
	श्री भोलानाथ	२७	पुत्र		वि.	
	श्रीमती रामबाई	२४	पुत्रवधू		वि.	

डम्बरगंज—

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
५९४—	श्री नेमीचन्द बांकल, परवार	४५	मुखिया		वि.	दलाल, डम्बरगंज
	श्रीमती चिरोंजीदेवी	४०	पत्नी		वि.	
	श्री राजेन्द्रकुमार	३०	पुत्र	बी० ए०	अवि.	
	श्री हरीबाबू	१८	पुत्र	मिडिल	अवि.	दलाल, डम्बरगंज।
	कु० शारदादेवी	१५	पुत्री	नवीं	अवि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
५६५—	श्री चम्पालाल परवार	६०	मुखिया		वि.	मे० चम्पालाल एण्ड कं०, कमीशन
	श्रीमती रतनदेवी	५०	पत्नी		वि.	एजेन्ट, दाल बाजार
	श्री बाबूलाल	२८	पुत्र	बी. कॉम.	वि.	
	श्रीमती शकुन्तलादेवी	२५	पुत्रवधू		वि.	
	श्री रमेशचन्द	२५	पुत्र	बी० ए०	वि.	
	श्रीमती मालतीदेवी	२०	पुत्रवधू		वि.	
	श्री छोटेलाल	५०	भाई		अवि.	
५६६—	श्री हुकमचन्द परवार	४५	मुखिया	B. Sc.	वि.	दलाल—दाल बाजार
	श्रीमती किशनदेवी	४०	पत्नी		वि.	
	श्री देवेन्द्रकुमार	१८	पुत्र	D.C.E. (Fin)	अवि.	
	श्री हेमेन्द्रकुमार	१८	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	कु० पुष्पा	१६	पुत्री	बी० ए०	अवि.	
५६७—	श्री हजारीलाल बरैया	५४	मुखिया		अवि.	
	श्री कुन्दीलाल	५२	भाई		वि.	जैन मिष्ठान भण्डार, इन्द्रगंज
	श्रीमती शान्तीदेवी	४८	भाईवधू		वि.	
	श्री लक्ष्मणप्रसाद	१८	भाईपुत्र	ग्यारवीं	अवि.	
	श्रीमती आशा	१६	भाई पुत्रवधू	मेट्रिक	वि.	
	श्री महेशचन्द	१५	भाईपुत्र	मिडिल	अवि.	
	श्रीमती भग्गोबाई	५०	भाईवधू		विधवा	
५६८—	श्री महाचन्द्र बरैया	७५	मुखिया		विधुर	मिष्ठान विक्रेता, इन्द्रगंज
	श्री शंकरलाल	६५	भाई		विधुर	
	श्री भगवानदास	५०	भाई		विधुर	किराना मर्चेन्ट, चन्द्रबदनी का नाका
	श्री चन्दनलाल	४५	भाई		वि.	इन्द्रगंज
	श्रीमती बसन्तीबाई	४०	भाईवधू		वि,	
	श्री सुरेशकुमार	१५	भाईपुत्र	मिडिल	अवि.	
	कु० निर्मला	१४	भाईपुत्री		अवि.	
५६९—	श्री बाबूलाल बरैया	२५	मुखिया	इन्टर	वि.	सर्विस—कॉपरेटिव बैंक
	श्रीमती नारायणी बाई	२२	पत्नी		वि.	
	श्री विमलचन्द	२२	भाई	मेट्रिक	वि.	पटवारी, भितरवार
	श्रीमती विमलाबाई	२०	भाईवधू		वि.	
	श्री मक्खीलाल	२०	भाई		वि.	हलवाई, रोजनीचर
	श्रीमती मीनाबाई	१८	भाईवधू		वि.	
	श्रीमती चन्दनबाई	४०	माँ		विधवा	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
६००	श्री प्यारेलाल बरैया	६५	मुखिया		वि	धर्म-ध्यान एवं कवि
	श्रीमती इमरतीबाई	५५	पत्नी		वि.	
	श्री इन्द्रचन्द्र	३८	पुत्र	मिडिल	वि.	व्यवसाय—कुटी मशीन
	श्रीमती बसन्तीबाई	३५	पुत्रवधू		वि.	
	श्री ओमप्रकाश	१९	पौत्र	बी० ए० II	वि.	
	श्रीमती देवा	१६	पौत्रवधू		वि.	
	श्री पदमचन्द	१५	पौत्र	मिडिल	अवि.	
	श्री सुगनचन्द	३०	पुत्र	एम० ए०	वि.	सर्विस—वाटरवर्कस
	श्रीमती शीलादेवी	२८	पुत्रवधू		वि.	
	श्री नेमीचन्द	२१	पुत्र	मेट्रिक	वि.	व्यवसाय
	श्रीमती कुसमदेवी	१८	पुत्रवधू		वि.	
६०१	श्री निर्मलकुमार परवार	२७	मुखिया	B. Sc.	वि.	मेडीकल रिपरिजेन्टेटिव, एलेम्बिक
	श्रीमती अरुणादेवी	१९	पत्नी	बी० ए०	वि.	कम्पनी
६०२	श्री नदंन चंदेलिया गोलापूर्व	३७	मुखिया	B. Sc., LL.B.	वि.	सुपरवाइजर, टेलीग्राफ आफिस
	श्रीमती रत्नप्रभा	३२	पत्नी	१० वी	वि.	जयेन्द्रगंज
	कुमारी चन्दना	१४	पुत्री	११ वी	अवि.	
६०३	श्री कन्नोमल जैसवाल	४३	मुखिया	मिडिल	वि.	फर्म-रामचन्द फुन्दीलाल, भोपाल
	श्रीमती भगवानदेवी	३५	पत्नी		वि.	
	कु० निर्मल कान्ता	१८	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
	कु० उर्मिला	१४	पुत्री	मिडिल	अवि.	
	श्री बाबूलाल	३६	भाई	मेट्रिक	वि.	जैन महावीर स्टोर्स,इन्द्रगंज चौराहा
	श्रीमती कुसुमलता	३०	भाईवधू		वि.	
	श्री प्रदीपकुमार	१६	भाईपुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	श्रीमती बासोबाई	६०	मां		विधवा	
६०४	श्री भागचन्द जैसवाल	४०	मुखिया		वि.	सायकल स्टोर्स, इन्द्रगंज
	श्रीमती रामस्वरूपी	३५	पत्नी		वि.	
	कु० गुणमाला	१८	पुत्री	मिडिल	अवि.	
६०५	श्री भोगीराम जैसवाल	५०	मुखिया		विधुर	व्यवसाय
	श्री कैलाशचन्द	३०	पुत्र	बी० ए०	वि.	सेक्रटरी-मण्डी कमेटी, मुरार
	श्रीमती शान्तीबाई	२८	पुत्रवधू		वि.	
	श्री हीराचन्द	१५	पौत्र	मेट्रिक	अवि.	
	कु० सरला	१४	पौत्री	मिडिल	अवि.	
६०६	श्री जवाहरमल जैसवाल	६०	मुखिया		वि.	सर्विस

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती रामदेवी	५५	पत्नी		वि.	
	श्री मुनेन्द्रकुमार	२५	पुत्र	B. A.	अवि.	
६०७—	श्री रामदयाल बरैया	४५	मुखिया		वि.	जनरल मर्चेन्ट, इन्द्रगंज
	श्रीमती शान्तीदेवी	४०	पत्नी		वि.	
६०८—	श्री गट्टूलाल परवार	४०	मुखिया		वि.	सर्विस
	श्रीमती गुणमालादेवी	३६	पत्नी		वि.	
	श्री सुरेशचन्द	२५	भाई	D. C. E.	वि.	ओवैरसियर-टाऊन बिल्डिंग विभाग
	श्रीमती सुधादेवी	२२	भाईवधू		वि.	
	श्री प्रकाशचन्द	२०	भाई	B. A. III	अवि.	
	श्री उमेशचन्द	१८	भाई	ग्यारवी	अवि.	
	श्री अशोककुमार	१५	भाई	मिडिल	अवि.	
६०९—	श्री ज्ञानचन्द चौधरी	४५	मुखिया	मिडिल	वि.	ज्ञानचन्द जयकुमार, अनाज विक्रेता,
	श्रीमती प्रेमाबाई	४०	पत्नी		वि.	इन्द्रगंज
	श्री जयकुमार	२२	पुत्र	ग्यारवी	वि.	
	श्रीमती कमलाबाई	१८	पुत्रवधू		वि.	
	श्री कृष्णकुमार	१८	पुत्र	B. Sc. I	वि.	
	श्रीमती विमलाबाई	१४	पुत्रवधू		वि.	
६१०—	श्री जैनेन्द्रकुमार	१६	मुखिया	D.C.E.II	अवि.	छात्र, केन्द्रीय तकनीकी संस्थान
६११—	श्री कृष्णकुमार	२०	मुखिया	D.E.E.II	अवि.	(पोलीटेकनीकल) कालेज
६१२—	श्री कैलाशचन्द	२०	मुखिया	D.E.E.II	अवि.	,, ,, ,,
६१३—	श्री सुगनचन्द बरैया	४२	मुखिया		वि.	श्यामलाल सुगनचन्द, गल्ले के
	श्रीमती चन्दनश्री	३५	पत्नी		वि.	व्यापारी, इन्द्रगंज
	श्री जयकुमार	१४	पुत्र	नवीं	अवि.	
	श्री नेमीचन्द	३०	भाई	मेट्रिक	वि.	अध्यापक-प्राथमिक विद्यालय, बरेठा
	श्रीमती राजुलमती	२७	भाई वधू		वि.	
६१४—	श्री विधीचन्द बरैया	४५	मुखिया		वि.	दलाल इन्द्रगंज
	श्रीमती कौशल्यादेवी	३९	पत्नी		वि.	
६१५—	श्री सुन्दरलाल	६५	मुखिया		विधुर	होटल
	श्री मरोसीलाल	२८	पुत्र	मिडिल	वि.	
	श्रीमती कमलाबाई	२०	पुत्रवधू		वि.	
६१६—	श्रीभिखारीलाल गोलसिंघारे	६०	मुखिया		विधुर	बाबूलाल भिखारीलाल, इन्द्रगंज
	श्री बाबूलाल	५०	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती चमेलीबाई	४५	पुत्रवधू		वि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री राजकुमार	२०	पौत्र	मेट्रिक	अवि.	
	श्री सुरेशकुमार	१४	पौत्र	मिडिल	अवि.	
	श्री मिश्राजीलाल	४५	पुत्र	आयुर्वेदाचार्य	वि.	
	श्रीमती राजकुमारी	३२	पुत्रवधू	मेट्रिक	वि.	
	श्री रतनलाल	२५	पुत्र	इन्टर	वि.	सर्विस, मन्डी कमेटी, लश्कर
	श्रीमती बसन्तीबाई	३२	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री ताराचन्द्र	२३	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती विमलादेवी	१९	पुत्रवधू		वि.	
६१७—	डॉ. प्रकाशचन्द गोलसिघारे	४३	मुखिया	A. L. M. S.	वि.	प्रकाश क्लीनिक, इन्द्रगंज
	श्रीमती हरखोदेवी	३२	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री शान्तुकुमार	२०	पुत्र	हा० से०	अवि.	
	श्री सुमतचन्द	१५	पुत्र	हा० से०	अवि.	
६१८—	श्री प. जगराम गोलसिघारे	८०	मुखिया	जैन प०	विदुर	महाजन
	श्री महेन्द्रकुमार	३८	पुत्र	मेट्रिक	वि.	सर्विस, ग्वालियर ट्रेजरी
	श्रीमती शान्तीदेवी	३४	पुत्रवधू	मिडिल	वि	
	श्री सनदकुमार	१८	पौत्र	B. Sc. II	अवि.	
६१९—	श्री द्वारकाप्रसाद बरैया	१६	मुखिया	एम. कॉम.	वि.	सर्विस, महिला बुनियादी शिक्षण, संस्था ग्वालियर
	श्रीमती कमलादेवी	२३	पत्नी	विद्याविनोदनी	वि.	
६२०—	श्री दुर्गेसकुमार जैसवाल	३७	मुखिया	एम. ए.	वि.	प्रधानाध्यापक, तिलक नगर
	श्रीमती वनमालादेवी	३३	पत्नी		वि.	
६२१—	श्री शंकरलाल गोयल	३४	मुखिया		वि.	एडवोकेट
	श्रीमती उमादेवी	३०	पत्नी		वि.	
६२२—	श्री गुलाबचन्द बघेरवाल	३६	मुखिया	मिडिल	वि.	हेड, इन्सपेक्टर, सी. टी. आई., स्टेशन रोड
	श्रीमती रामश्रीदेवी	३०	पत्नी		वि.	

ललितपुर कॉलोनी—

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
६२३—	श्री एन० के० जैन	२०	मुखिया	ग्यारवीं	वि.	अध्यापक
	श्रीमती आई. के. जैन	१७	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री एस. के. जैन	१९	भाई	बी. एस-सी.	अवि.	
	श्री बी. के. जैन	२६	भाई	हा० से०	अवि.	

जिन्सी नाला, हाईकोर्ट—

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
६२४—	श्रीमती चम्पाबाई बरैया	४५	मुखिया		विधवा	कुटी, आटे की व दूध की दुकान
६२५—	श्री सूरजमल बरैया	४०	मुखिया		वि.	अत्तार, दुजरात पुल के पास

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती नर्मदा	३५	पत्नी		वि.	
	श्री कुलदीप कुमार	१६	पुत्र	मिडिल	अवि.	
	श्री मानिकचन्द	४५	भाई		वि.	ठेला खोमचा
	श्रीमती लच्छोबाई	४०	भाई बधू		वि.	
	श्री वीरेन्द्रकुमार	१५	भाई पुत्र		अवि.	
	श्री अशोककुमार	२८	भाई		वि.	सर्विस-आटे की चक्की पर,
	श्रीमती चमेलीबाई	२५	भाई बधू		वि.	जिन्सी नाला
६२६—	श्री बाबूलाल बरैया	५०	मुखिया		वि.	
	श्रीमती चमेलीदेवी	४५	पत्नी		वि.	
	श्री हुकमचन्द	३०	पुत्र	मेट्रिक	वि.	मुन्शी (मदनमोहन कौशिक,
	श्रीमती कलावती	२५	पुत्रवधू		वि.	एडवोकेट के यहां)
	श्री हेमचन्द	२०	पुत्र	हा० से०	वि.	कन्डक्टर
	श्रीमती मुन्नीदेवी	१८	पुत्रवधू		वि.	
६२७—	श्री कामताप्रसाद बरैया	४०	मुखिया		विधुर	अत्तार, हुजरात पुल के पास
	श्री नन्नू लाल	२०	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	सर्विस-सनातन धर्म कन्या जूनियर
	श्री चन्द्रशेखर	१६	पुत्र	मिडिल	अवि.	कॉलेज, धर्म मंदिर मार्ग, लश्कर
६२८—	श्री कैलाशचन्द बरैया	४५	मुखिया		वि.	सर्विस, मेसर्स द्वारकादास पुरुषोत्तम
	श्रीमती कुन्ठीबाई	४०	पत्नी		वि.	दास, बिजली वाले, सराफा बाजार
	कुमारी उर्मिला	१४	पुत्री	६ वीं	अवि.	
६२९—	श्री रोशनलाल बरैया	४०	मुखिया		वि.	सर्विस, रामस्वरूप मदनलाल,
	श्रीमती कलावती	३२	पत्नी		वि.	माधवगंज
६३०—	श्री लालचन्द बरैया	२९	मुखिया		वि.	सर्विस, मेसर्स पन्नालाल रोशनलाल,
	श्रीमती शीलाबाई	२५	पत्नी		वि.	दालबाजार
६३१—	श्री मुकन्दीलाल बरैया	४५	मुखिया		वि.	आटे की चक्की, ग्वालियर
	श्रीमती मुकन्दीलाल	४०	पत्नी		वि.	
६३२—	श्री शिवकुमार बरैया	२०	मुखिया		वि.	जैन भोजनालय, जिन्सी नाला,
	श्रीमती रज्जोबाई	४०	माँ		विधवा	लश्कर
६३३—	श्री मोहनलाल बरैया	५३	मुखिया		वि.	जैन रेस्टारेन्ट, जिन्सी नाला
	श्रीमती कलावती	४८	पत्नी		वि.	
	श्री शंकरलाल	३३	पुत्र	मिडिल	वि.	
	श्रीमती शान्तीदेवी	२५	पुत्रवधू		वि.	
	श्री रमेशचन्द	३०	पुत्र	मिडिल	वि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती कमलश्री	२५	पुत्रवधू	६ वीं	वि.	
	श्रीमती लक्ष्मीबाई	५३	भाई वधू		विधवा	
६३४—	प्रो. श्री अमरचन्द जैसवाल	४५	मुखिया	M. A., LL. B.	वि.	प्रोफेसर, राजनीति शास्त्र, गवर्नमेंट,
	श्रीमती बसन्तीदेवी	४२	पत्नी		वि.	कॉलिज, भिण्ड
	श्री अशोककुमार	१६	पुत्र	B. Sc. I	अवि.	
	श्री महेशकुमार	१५	पुत्र	हा० से०	अवि.	
६३५—	श्री रोशनलाल पद्० परवाल	५५	मुखिया		वि.	[illegible]र, कैलाश लॉज, पाटनकर,
	श्रीमती मालादेवी	४०	पत्नी		वि.	बाजार लश्कर
	श्री सतीशचन्द	२३	पुत्र	मिडिल	वि.	चाट का ठेला
	श्रीमती कंचनदेवी	१६	पुत्रवधू		वि.	
	श्री महेशचन्द	१६	पुत्र		वि.	
	शिन्दे की छावनी :—					
६३६—	श्री गुलाबचन्द लमेचू	३६	मुखिया	मिडिल	वि.	दुकान-शुगर कन्ट्रोल
	श्रीमती बसन्तीदेवी	३०	पत्नी		वि.	
	श्री अशोककुमार	१६	पुत्र	ग्यारवीं	अवि.	
६३७—	श्री बाबूलाल जैसवाल	५०	मुखिया		वि.	हलवाई
	श्रीमती अंगूरीदेवी	४५	पत्नी		वि.	
	श्री रामस्वरूप	२१	पुत्र	ग्यारवी	वि.	
	श्रीमती मुन्नीदेवी	१८	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री रमेशचन्द	१५	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
६३८—	श्री बनारसीदास अग्रवाल	६१	मुखिया	हाई स्कूल	वि.	रिटायर्ड-पोस्ट मास्टर
	श्रीमती सरस्वती देवी	५८	पत्नी		वि.	
	श्री रघुवीरप्रसाद	३९	पुत्र	मेट्रिक	वि.	पोस्ट मास्टर, *R.P.O.*, ग्वालियर
	श्रीमती डा० सुशीलादेवी	३८	पुत्रवधू	M.D H. विशारद	वि.	जैन होम्योपैथिक मेडीकल हाल,
	श्री विनोदकुमार	२१	पौत्र	B. Sc.	अवि.	रामदास घाटी, लश्कर
	श्री सन्तोषकुमार	१८	पौत्र	B. A.	अवि.	
	श्री अशोककुमार	१६	पौत्र	ग्यारवीं	अवि.	
	श्रीमती मधु	२३	पौत्री	M.A. अध्ययन	वि.	
	श्री प्रमोदकुमार	२१	पुत्र	मिडिल	अवि.	
६३९—	श्री ग्यासीलाल जैसवाल	३०	मुखिया	आठवीं	वि.	ठेला
	श्रीमती मीनादेवी	२५	पत्नी		वि.	
	श्रीमती आनन्दीदेवी	६०	मां		विधवा	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
६४०—	श्री राजेन्द्रप्रसाद जैसवाल	२५	मुखिया	M.Com.	वि.	सर्विस-ए. जी. आफिस, जायव
	श्रीमती सीमादेवी	२०	पत्नी	हाई स्कूल	वि.	महल
६४१—	श्री गोविंदीलाल जैसवाल	६०	मुखिया		वि.	
	श्रीमती खिम्मोदेवी	५०	पत्नी		वि.	
	श्री विमिचन्द	३०	पुत्र	मेट्रिक	वि.	सर्विस-बीज भंडार, ग्वालियर
	श्रीमती शान्तीदेवी	२६	पुत्र वधू		वि.	
	श्री मागचन्द	२७	पुत्र	मिडिल	वि.	
	श्रीमती फूलोदेवी	२४	पुत्रवधू		वि.	
	श्री पदमचन्द	२३	पुत्र	पाचवी	अवि.	
	श्री प्रीतमचन्द	२०	पुत्र		अवि.	
६४२—	श्री बाबूलाल	५६	मुखिया		वि.	
	श्रीमती पदमादेवी	४०	पत्नी		वि.	
	श्री मुन्नालाल	१८	पुत्र		अवि.	
६४३—	श्री नरेशचन्द	३५	मुखिया	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती नरेशचन्द	३०	पत्नी		वि.	
	कु० मालती	१४	पुत्री		अवि.	
	श्री रमेशचन्द	३२	भाई	मेट्रिक	अवि.	

शिन्दे की छावनी, हनुमान घाटी :—

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
६४४—	श्री बंगालीबाबू जैसवाल	२८	मुखिया	मिडिल	वि.	दुकानदारी
	श्रीमती प्रेमवती	२६	पत्नी		वि.	
	श्री झींगुरीलाल	२५	भाई	मिडिल	वि.	
	श्रीमती मुन्नीदेवी	२२	भाई वधू		वि.	
	श्री रामदयाल	५५	पिता	छटी	वि.	
	श्रीमती मुन्नीबाई	५०	मां		वि.	
	श्री शंकरलाल जैसवाल	५५	मुखिया		वि.	किराना मर्चेन्ट
	श्रीमती चमेलीदेवी	३६	पत्नी		वि.	
	श्री दर्शनलाल	२४	पुत्र	मिडिल	वि.	
	श्रीमती बताशोदेवी	२२	पुत्रवधू		वि.	
	श्री नेमीचन्द	१८	पुत्र	मिडिल	अवि.	
६४५—	श्री छोटेलाल जैसवाल	४०	मुखिया	मिडिल	वि.	खेती
	श्रीमती शकुन्तला	३६	पत्नी		वि.	
	श्री शिखरचन्द	२१	पुत्र	B. A. II	वि.	सर्विस-फेन्डस कोआपरेटिव स्टोर्स,

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती मुन्नीबाई	१८	पुत्रवधू		वि.	
	श्री रमेशचन्द	१८	पुत्र	मिडिल	अवि.	
	श्री सुरेशचन्द	१५	पुत्र		अवि.	
६४६—	श्री वीरेन्द्रकुमार प.परवाल	३५	मुखिया	बी. ए.	वि.	सुपरवाइजर-सेन्ट्रल टेलिग्राफ
	श्रीमती राजकुमारी	३२	पत्नी	मेट्रिक	वि.	आफिस, जयेन्द्रगंज
	श्री विजेन्द्रकुमार	२१	भाई	B. E. IV	अवि.	
६४७—	श्री प्रकाशचन्द पद्मा. परवार	३२	मुखिया	बी.ए.	वि.	केशियर-यूनाइटेड कामर्शियल बैंक,
	श्रीमती प्रकाशदेवी	२८	पत्नी	मेट्रिक	वि.	सराफा बाजार
६४८—	श्री गोपीलाल जैसवाल	५०	मुखिया		वि.	दिनेश की स्टोर्स, शिन्दे की छावनी
	श्रीमती सहुद्राबाई	३५	पत्नी		वि.	
	श्री रमेशचन्द	२२	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती अशरफीबाई	२०	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री राजेन्द्रकुमार	१४	पुत्र	सातवीं	अवि.	
६४९—	श्री चिरोंजीलाल जैसवाल	५५	मुखिया	मिडिल	वि.	जैन रेस्टारेन्ट, शिन्दे की छावनी
	श्रीमती चमेलीबाई	४५	पत्नी		वि.	
	श्री शान्तीलाल	३०	पुत्र	मिडिल	वि.	खेतीबाड़ी
	श्रीमती नारायणीबाई	२५	पुत्रवधू		वि.	
	श्री गुलजारीलाल	२३	पुत्र	बी.ए, बी. एड.	वि.	
	श्रीमती सुशीलादेवी	२१	पुत्रवधू	विद्याविनोदनी	वि.	
	श्री राजेन्द्रकुमार	१६	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
६५०—	श्री पोथीराम जैसवाल	५०	मुखिया		वि.	श्री महावीर फ्लोर मिल, शिन्दे की
	श्रीमती अजुद्धीबाई	४८	पत्नी		वि.	छावनी
६५१—	श्री शंकरलाल चौधरी	४५	मुखिया		वि.	ड्राइवर-चम्बल केनाल विभाग
	श्रीमती कौशल्यावती	३८	पत्नी		वि.	
	श्री अनिलकुमार	२१	पुत्र	ग्यारवीं	वि.	मुन्शी
	श्रीमती चम्पाकिरण	१६	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
६५२—	श्री केशरीमल बरैया	३०	मुखिया	मिडिल	वि.	परिचालक-एम. पी. आर.एस.टी.
	श्रीमती रामकलीबाई	२५	पत्नी		वि.	
	श्री सुगनचन्द	१६	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
६५३—	श्रीमती अंगूरीबाई	३८	मुखिया		विधवा	पान की दुकान
	श्री अशोककुमार	१२	पुत्र		अवि.	

शिंदे की छावनी, हनुमान घाटी, लश्कर

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
६५४—	श्री छोटेलाल परवार	२७	मुखिया	M. Com.	वि.	सर्विस-लेन्ड रिकार्डस्
	श्रीमती सुशीलाबाई	२३	पत्नी	मेट्रिक	वि.	
६५५—	श्री दर्शनलाल बरैया	४०	मुखिया		वि.	हलवाई की दुकान
	श्रीमती अंगूरीबाई	३२	पत्नी		वि.	
	श्री फूलचन्द	५२	भाई		अवि.	
६५६—	श्री बाबूलाल बरैया	४५	मुखिया		अवि.	बाबूलाल ओछेलाल, किराना मर्चेन्ट
	श्री ओछेलाल	४२	भाई		वि.	शिन्दे की छावनी
	श्रीमती सुशीलाबाई	२५	भाई वधू		वि.	
६५७—	श्रीमती जमनाबाई बरैया	५५	मुखिया		विधवा	
६५८—	श्री चिरोंजीलाल बरैया	६०	मुखिया		वि.	हलवाई की दुकान, शिन्दे की
	श्रीमती ग्यासोदेवी	५५	पत्नी		वि.	छावनी
	श्री पूरनचन्द	४०	पुत्र	मिडिल	वि.	
	श्रीमती शकुन्तादेवी	२७	पुत्रवधू		वि.	
	श्री बाबूलाल	३७	पुत्र	इन्टर	वि.	किराना जनरल स्टोर्स, शिन्दे की
	श्रीमती सुखदेवी	२५	पुत्रवधू		वि.	छावनी
	श्री जगदीशचन्द	३४	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती चन्द्रकान्ता	१८	पुत्रवधू		वि.	
६५९—	श्री घनसुन्दरलाल बरैया	४२	मुखिया	मिडिल	वि.	
	श्रीमती सुशीलादेवी	३५	पत्नी		वि.	
	श्री अशोककुमार	१५	पुत्र	छठीं	अवि	
	कु. शकुन्तला	१४	पुत्री	छठीं	अवि.	
६६०—	श्री नवलकिशोर बरैया	२८	मुखिया	मेट्रिक	वि.	नवलकिशोर रामकिशोर, किराना
	श्रीमती दक्खोबाई	२५	पत्नी		वि.	मर्चेन्ट, शिन्दे की छावनी
६६१—	श्री काशीराम बरैया	३६	मुखिया	सातवीं	वि.	हलवाई
	श्रीमती सुशीलादेवी	३५	पत्नी		वि.	
	कु० कमला	१४	पुत्री	सातवीं	अवि.	
६६२—	श्री भागीरथ बरैया	२५	मुखिया		वि.	चाट भन्डार
	श्रीमती बदामीदेवी	२१	पत्नी		वि.	
	श्री बन्नालाल	२२	भाई		अवि.	
	श्रीमतीगोमतीबाई	५०	मां		विधवा	
६६३—	श्री गनपतलाल बरैया	४२	मुखिया		विधुर	स्वास्तिक जनरल स्टोर्स, फालका बाजार
	श्री अनन्त कुमार	२३	पुत्र	एम. एससी.	वि.	सर्विस-ए० जी० आफिस

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती सुशीलादेवी	१९	पुत्रवधू	सातवी	वि.	
	श्री केशरीमल	२१	पुत्र	एफ० ए०	वि.	सर्विस-सी० ओ० डी०, आगरा
	श्रीमती सुशीलादे	१८	पुत्रवधू	सातवी	वि	
	श्री पदमचन्द	१८	पुत्र	बी० एससी० I	अवि	
६६४—	श्री हरलाल बरैया	५६	मुखिया		वि.	
	श्रीमती प्रकाशवती	४०	पत्नी		वि.	
	श्री मदनलाल	१९	पुत्र	एफ० ए०	वि.	सर्विस-कोआपरेटिव बैंक, गोहद
	श्रीमती रामादेवी	१७	पुत्र वधू	छठी	वि.	
६६५—	श्री मुरारीलाल गोलालारे	४३	मुखिया	एफ०ए०	वि.	एकाउन्टेन्ट-यू० को० बैंक, सराफा
	श्रीमती जैनोबाई	३५	पत्नी		वि.	बाजार
	कु० ऊषारानी	१६	पुत्री	ग्यारवीं	अवि.	
६६६—	श्री मुन्नीलाल गोलालारे	३१	मुखिया	मिडिल	वि.	हलवाई
	श्रीमती मायादेवी	२८	पत्नी		वि.	
६६७—	श्री गुलाबचन्द खरौआ	४५	मुखिया		वि.	मैनपुरी तम्बाकू
	श्रीमती पदमश्री	३३	पत्नी		वि.	
	श्री सुभाषचन्द	१८	पुत्र	ग्यारवीं	अवि.	
	श्री प्रभातचन्द	१६	पुत्र		अवि.	
६६८—	श्री राजाराम जैसवाल	६५	मुखिया		विधुर	नमकीन का ठेला
	श्री किशोरीलाल	४०	पौत्र		वि.	
	श्रीमती गोरीबाई	२५	पौत्र वधू		वि.	
६६९—	श्री जगदीशकुमार पाटनी	२९	मुखिया	एम० ए०	विधुर	सर्विस-युनाइटेड कॉमर्सियल बैंक
६७०—	श्री सुमतकुमार पाटनी	३६	मुखिया	सातवीं	वि.	तेल और घी का व्यवसाय
	श्रीमती कुन्थादेवी	३०	पत्नी	सातवीं	वि.	
६७१—	श्री प्रकाशचन्द पाटनी	४०	मुखिया	मेट्रिक	वि.	मुन्नलाल प्रकाशचन्द, किराना
	श्रीमती कन्चनबाई	३५	पत्नी	मिडिल	वि.	स्टोर्स शिन्दे की छावनी
	श्री राजकुमार	१८	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	कु० शोभारानी	१६	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
	कु० सुषमारानी	१४	पुत्री	पांचवीं	अवि.	
६७२—	श्री देवेन्द्रकुमार कासलीवाल	३०	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस-गंगवाल फेक्ट्री
	श्रीमती पुष्पादेवी	२६	पत्नी	नवीं	वि.	
	श्री अनिलकुमार	१४	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	श्रीमती चंदादेवी	६०	मां		विधवा	

शिन्दे की छावनी, लश्कर

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
६७३—	श्री कमलचन्द कासलीवाल	२८	मुखिया	बी० ए०	वि.	सर्विस-यू. को बैंक, नया बाजार
	श्रीमती कुसुम	२२	पत्नी	मेट्रिक	वि.	
६७४—	श्री सुरेन्द्रकुमार	३३	मुखिया	सातवीं	वि.	
	श्रीमती मुन्नीदेवी	२६	पत्नी		वि.	
	श्री सतीशचन्द	१८	भाई	D.M E., B.E. III	अवि.	
	श्रीमती अगूरीबाई	६०	मां		विधवा	
६७५—	श्री करणसिंह जैसवाल	५०	मुखिया		वि.	व्यापार
	श्रीमती धन्तीबाई	४०	पत्नी		वि.	
	श्रीकपूरचन्द	३०	पुत्र		वि.	
	श्रीमती राजवती	२०	पुत्रवधू		वि.	
	श्री भागचन्द	२५	पुत्र		वि.	
	श्रीमती प्रकाशवती	१९	पुत्रवधू		वि.	
	श्री रामभरोसी	२२	पुत्र	मिडिल	वि.	सर्विस-बिस्की फैक्ट्री
	श्रीमती मुन्नीबाई	१८	पुत्र वधू		वि.	
	श्री राजेन्द्रकुमार	१८	पुत्र		अवि.	
६७६—	श्री यतीन्द्रकुमार पल्लीवाल	३२	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस-रेलवे स्टेशन, ग्वालियर
	श्रीमती सरोजकुमारी	३०	पत्नी	मिडिल	वि.	
६७७—	श्री चम्पालाल लमेंचू	५६	मुखिया		वि.	हलवाई
	श्रीमती राजमती	४६	पत्नी		वि.	
	श्री प्रकाशचन्द	३०	पुत्र	मिडिल	वि.	
	श्रीमती कुमुदनी	२५	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री उग्रसेन	२८	पुत्र	मिडिल	वि.	
	श्रीमती सावित्री	२३	पुत्र वधू	मिडिल	वि.	
	श्री वीरेन्द्रकुमार	[illegible]	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती वीरेन्द्रकुमार	१८	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री सुरेन्द्रकुमार	१८	पुत्र	ग्यारवीं	अवि.	
	श्री बिनोदकुमार	१६	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
६७८—	श्री कपूरचन्द लमेंचू	४७	मुखिया	सातवीं	वि.	कपूरचन्द बिनोदकुमार, मिष्ठान्न भन्डार
	श्रीमती कैलाशीबाई	४०	पत्नी		वि.	
	श्री बिनोदकुमार	१८	पुत्र	ग्यारवीं	अवि.	
	श्री प्रमोदकुमार	१६	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	श्रीमती जैनाबाई	७०	मां		विधवा	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
६७९—	श्री घासीलाल जैसवाल	६२	मुखिया		विधुर	जैनग्रन्थ भण्डार, शिन्दे की छावनी
	श्री टीकाराम	४०	पुत्र	मिडिल	वि.	
	श्रीमती बादामीबाई	३६	पुत्रवधू		वि.	
६८०—	श्री कपूरचन्द लमेंचू	४०	मुखिया		वि.	हलवाई
	श्रीमती कुसुमदेवी	३५	पत्नी		वि.	
	श्री गोरेलाल	३५	भाई	नवीं	वि.	
	श्रीमती शीलादेवी	३०	भाई वधू		वि.	
६८१—	श्री श्रीचन्द लमेंचू	४०	मुखिया		वि.	हलवाई
	श्रीमती पुष्पलता	३०	पत्नी		वि.	
	श्री हृदयकुमार	१४	पुत्र	सातवीं	अवि.	
६८२—	श्री स्वदेशीलाल लमेंचू	३०	मुखिया		वि.	व्यवसाय
	श्रीमती बालश्रीदेवी	२५	पत्नी		वि.	
६८३—	श्री रामनाथ तिलवारी जैसवाल	३५	मुखिया	पांचवी	वि.	छोटेलाल रामनाथ हलवाई, शिन्दे
	श्रीमती मालतीदेवी	२५	पत्नी		वि.	की छावनी-चौराहा
	श्री प्रकाश	२०	भतीजा	ग्यारवीं	अवि.	
६८४—	श्री रामप्रसाद कपरिया	४०	मुखिया		विधुर	हलवाई
	श्री बाबूलाल जैन	२२	भाई पुत्र	ग्यारवीं	वि.	भंग व गांजे के ठेकेदार
	श्रीमती पुष्पादेवी	२०	भाई पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्रीमती धनवन्ती	५०	भाभी		विधवा	
६८५—	श्री नेमीचन्द जैसवाल	२५	मुखिया	M.Com., LL.B.	वि.	प्रबन्धक—ग्वालियर जिला सहकारी
	श्रीमती कान्ताबाई	२०	पत्नी	इन्टर	वि.	भू-विकास बैंक

स्टेशनरोड, शिन्दे की छावनी:—

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
६८६—	श्री गनपतलाल जैसवाल	६०	मुखिया	मिडिल	वि.	गनपतलाल पन्नालाल, किराना
	श्रीमती लालोबाई	५५	पत्नी		वि.	मर्चेन्ट, स्टेशनरोड, ग्वालियर
	श्री पन्नालाल	३५	पुत्र	सातवीं	वि.	
	श्रीमती छोटीबाई	३०	पुत्रवधू		वि.	
	श्री मांगीलाल	२५	पुत्र	नवीं	वि.	जैन जनरल स्टोर्स
	श्रीमती उर्मिलादेवी	२२	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री मुन्नालाल	२३	पुत्र	ग्यारवीं	वि.	
	श्रीमती शीलादेवी	१८	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री स्वरूपचन्द	२०	पुत्र	ग्यारवीं	वि.	
	श्रीमती पुष्पादेवी	१४	पुत्रवधू	ग्यारवीं	वि.	

शिंदे की छावनी, स्टेशन रोड, लश्कर

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
६८७—	श्री जवाहरराम	५०	मुखिया		वि.	किराना मर्चेंट, श्रीकृष्ण धर्मशाला
	श्रीमती सरजूदेवी	४५	पत्नी		वि.	स्टेशन रोड, लश्कर
	श्री मानिकलाल	२५	पुत्र	हा० से०	वि.	
	श्रीमती शारदादेवी	२२	पुत्रवधू	मिडिल	वि	
	श्री पन्नालाल	६०	भाई		वि.	
	श्रीमती राजमतीदेवी	४५	भाई वधू		वि.	
चन्द्रबन्दनी नाका:—						
६८८—	श्री रामसहाय	५०	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस-गवर्नमेंट रीजनल प्रेस
	श्रीमती लीलावती	३५	पत्नी		वि.	
	श्री लक्ष्मीबाई	५५	बहिन		विधवा	
	श्री बाबूलाल	४०	भाई		अवि.	
६८९—	श्री भगवानलाल बरैया	५२	मुखिया		वि.	किराना मर्चेन्ट
	श्रीमती आनन्दी	४५	पत्नी		वि.	
	श्री रामप्रसाद	१६	पुत्र	ग्यारवीं	अवि.	
६९०—	श्री ओमचन्द्र	२५	मुखिया	B. A., LL.B.	वि.	सर्विस-ऐ० जी० आफिस
	श्रीमती सुप्रभा	२०	पत्नी		वि.	
पाटनकर बाजार:—						
६९१—	श्री कन्हैयालाल गोयल	३३	मुखिया	एम० ए०	वि.	जैन पुस्तक सदन, पाटनकर बाजार
	श्रीमती निर्मलाकुमारी	३०	पत्नी	मेट्रिक	वि.	
६९२—	श्री ओमप्रकाश अग्रवाल	३४	मुखिया	B. A., LL.B.	वि.	मेस. आर.एल.अग्रवाल एण्ड कम्पनी,
	श्रीमती मायादेवी	३०	पत्नी	मेट्रिक	वि.	वाटर प्रूफ एवं कार्ड पेपर निर्माता
६९३—	श्री हरीशचन्द्र जैसवाल	३२	मुखिया	ग्यारवीं	वि.	हरीशचन्द्र-हार्डवेयर मर्चेन्ट, दौलत
	श्रीमती कमला देवी	२२	पत्नी	मिडिल	वि.	गंज
६९४—	प्रो० बाबूलाल जी पोरवाल	३०	मुखिया	M.Sc (एग्री.)	वि.	व्याख्याता, कृषि महाविद्यालय
	श्रीमती फूलवती	२५	पत्नी	इन्टर	वि.	
६९५—	श्री सूरजमल	२५	मुखिया	B. A., LL.B.	अवि.	
६९६—	श्री प्रकाशचन्द्र बरैया	३८	मुखिया	मेट्रिक	वि.	ब्रजलाल प्रकाशचन्द्र, असार
	श्रीमती कमलादेवी	३५	पत्नी		वि.	
	श्री रमेशचन्द्र	२४	भाई	सातवीं	वि.	
	श्रीमती निर्मलाकुमारी	१९	भाई वधू		वि.	
	श्री सुरेशचन्द्र	२१	भाई	B. A. II	अवि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती सरस्वतीदेवी	५६	मां		विधवा	
६९७—	श्री हजारीलाल बरैया	४५	मुखिया		वि.	नौकरी
	श्रीमती प्रेमाबाई	२६	पत्नी		वि.	
फालके का बाजार:—						
६९८—	प्रो० नरेन्द्रलाल जैन	३५	मुखिया	M Com., साहित्य रत्न	वि.	आनन्दभवन, व्याख्याता-म. ल. बा.
	श्रीमती मालतीदेवी जैन	२६	पत्नी	हायर सेकेन्ड्री	वि.	कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय
	श्री ज्ञानचन्द	२०	भतीजा	B.Sc. II	अवि.	
	श्री रतनचन्द	१४		मिडिल	अवि.	
६९९—	श्री बाबूलाल कागला	५०	मुखिया	मेट्रिक	वि.	मे० मायाचन्द गनेशराम
	श्रीमती मुन्नीबाई	४१	पत्नी		वि.	
	श्री हुकुमचन्द	३०	पुत्र	मेट्रिक	वि.	मे० हुकुमचन्द विनोदकुमार,
	श्रीमती गिरजाकुमारी	२८	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	खाद्यान्न विक्रेता
	श्री विनोदकुमार	१७	पुत्र	ग्यारवी	अवि	
	श्री अशोककुमार	१४	पुत्र	दसवी	अवि.	
	श्रीमती अशर्फीबाई	७०	माँ		विधवा	
७००—	श्री मनीराम लमेंचू	६०	मुखिया		वि.	जैन मिष्ठान्न भण्डार, फालका
	श्रीमती शान्तीबाई	४२	पत्नी		वि.	बाजार
	श्री धनपतलाल जैन	२५	पुत्र	B. Sc., LL.B.	वि.	
	श्रीमती अशोककुमारी	२२	पुत्रवधू		वि.	
७०१—	पं त्रिलोकचन्द्र शास्त्री जैन.	६५	मुखिया	पं० शास्त्री	वि.	साहूकारी, भूमिपति, स्थायी निवास
	श्रीमती राजमती	५८	पत्नी	मिडिल	वि.	छीपीटोला, आगरा
	श्री नवीनचन्द्र	२४	पुत्र	M. Com.	वि.	एकाउन्टेन्ट, अल्यूमीनियम कार-
	श्रीमती सरलारानी	२२	पुत्रवधू	B. A. II	वि.	पोरेशन ऑफ इण्डिया, कलकत्ता
	श्री विपिनचन्द्र	२२	पुत्र	बी. ए.	अवि.	
	श्री सुधीशचन्द्र	२१	पुत्र	बी. ए.	अवि.	
	श्री जिनेशचन्द्र जैन	१८	पुत्र	B, E. I	अवि.	
७०२—	श्रीमती शान्ती प्रेमचन्द्र जैन.	५५	मुखिया	मिडिल	विधवा	मे. ओघाराम प्रेमचन्द जैन,
	श्री रवीन्द्र "मालव"	२०	पुत्र	D.M.E. B.A., विशारद	अवि.	मे० मालव ट्रेडर्स,
	श्रीमती ऊषा	१८	पुत्री	M.A. (Pol. Sc.)	वि.	
७०३—	श्री फूलचन्द, जैसवाल	५८	मुखिया	मिडिल	वि.	किराना व्यापारी, हरलाल मूलच
	श्रीमती शान्तीदेवी	५४	पत्नी		वि.	जैन, फालका बाजार

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री नरेन्द्रकुमार	२६	पुत्र	मेट्रिक	वि.	वस्त्र व्यापारी, मे० फूलचन्द्र नरेन्द्र
	श्रीमती मनोरमादेवी	२४	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	कुमार, फालके बाजार
	श्री ज्ञानचन्द्र जैन	२४	पुत्र	मेट्रिक	वि.	अनाज व्यापारी—मे० फूलचन्द्र
	श्रीमती चन्द्रमुखी	२३	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	ज्ञानचन्द्र
	श्री मानिकचन्द्र	२१	पुत्र	B. Com. III	वि.	सर्विस- सेल्स मैन-लिपटन टी कं०
	कु० लक्ष्मी	१४	पुत्री	नवमीं	अवि.	
७०४—	श्री बुद्धसैन	४०	मुखिया	मेट्रिक	वि.	हुण्डी के दलाल
	श्रीमती सुशीलादेवी	३५	पत्नी		वि.	
	श्री रमेशचन्द्र	२३	पुत्र	B. Com. III	अवि.	
	कु० माया	१६	पुत्री	ग्यारवी	अवि.	
	श्री राजेन्द्रकुमार	१४	पुत्र	नवमी	अवि.	
७०५—	श्री मोहनलाल जैसवाल	७७	मुखिया		विधुर	कास्तकारी
	श्री लक्ष्मीचन्द	६०	दामाद		विधुर	
	श्री कैलाशचन्द	४०	धेवता	मेट्रिक	वि.	दिनेश ओटोमोबाइल्स, पाटनकर,
	श्रीमती सुलोचना	३५	धेवता वधू	मिडिल	वि.	बाजार
	श्री कुशलचन्द	२५	धेवता	B. Sc. I	वि.	
	श्रीमती स्वरूपदेवी	२०	धेवता वधू		वि.	
	कु० चन्द्रलेखा	१६	धेवता पुत्री	ग्यारवीं	अवि.	
	श्री दिनेशचन्द	१५	धेवता पुत्र		अवि.	

जरी पटका, फालका बाजार:—

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
७०६—	श्री बाबूलाल जैसवाल	२८	मुखिया	मिडिल	अवि.	सर्विस—जे० सी० मिल्स, ग्वालियर
	श्री शिवचरणलाल	२६	भाई		वि.	जैन साइकल स्टोर्स, फालके बाजार
	श्रीमती यशोदा देवी	५५	मां		विधवा	
७०७—	श्री ख्यालीराम जैसवाल	५८	मुखिया		वि.	
	श्रीमती पार्वतीबाई	४५	पत्नी		वि.	
	श्री ग्यासीलाल	३५	दामाद		वि.	
	श्रीमती प्रेमबाई	३२	पुत्री		वि.	
	कु० लक्ष्मीबाई	१४	नातिनी		अवि.	

कमलसिंह का बाग, शिन्दे की छावनी:—

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
७०८—	श्री कुन्दीलाल गोलसिंघारे	४५	मुखिया		वि.	कन्ट्रोल की दुकान
	श्रीमती रामवती	३५	पत्नी		वि.	

कमलसिंह का बाग, शिंदे की छावनी, लश्कर

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री रामबाबू	२७	भाई		विधुर	नौकरी
	श्री किशनलाल	२५	पुत्र		विधुर	
	श्रीमती किशनलाल	२२	पुत्रवधू		वि.	किराना व्यापारी —किशनलाल
	श्री जयकुमार	२१	पुत्र		वि.	किराना मर्चेंट, फालके बाजार
	श्रीमती जयकुमार	१८	पुत्रवधू		वि.	
	श्री राजकुमार	१८	पुत्र		वि.	
	श्रीमती राजकुमार	१५	पुत्रवधू		वि.	
७०९—	श्री जवाहरलाल जैन	३५	मुखिया	M.B.,B.S.	वि.	हॉस्पीटल, प्रेमनगर सेडापति
	श्रीमती गुणवती	५४	मां		विधवा	कालोनी
	श्रीमती आशा	२५	पत्नी	बी. ए.	वि.	
	प्रो० चन्द्रकान्त	२५	भाई	M.Sc (Ag.) LL.B	अवि.	व्याख्याता ऐग्रीकलचर कालेज,
	श्री सूर्यकान्त	२३	भाई	B. Sc. (Ag.)	अवि.	
	कु० कमला	३०	बहिन	एम. ए.	अवि.	शासकीय सेवा, भोपाल
	कु० कृष्णा	२४	बहिन	M.A.,(Pol)Sc.	अवि.	
	डा० कस्तूरचन्द	३४	मामा	M. B.B. S.	अवि.	टी. टी. नगर अस्पताल, भोपाल

सराफा बाजार:—

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
७१०—	श्री काशीराम बरैया	४०	मुखिया	मिडिल	वि.	जल व विद्युत. बिल डिपोजीटर
	श्रीमती कस्तूरी	३५	पत्नी		वि.	
	श्री नत्थीलाल	१४	पुत्र		अवि.	
७११—	श्री भंवरलाल साह	४६	मुखिया	M.Com., LL.B. C.A.I.I.B.	वि.	एकाउन्टेन्ट-बैंक ऑफ बड़ौदा
	श्रीमती कमलादेवी	४०	पत्नी	मेट्रिक	वि.	
७१२—	रिखबचन्द्र बड़जात्या	४२	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस-जे० सी० मिल्स
	श्रीमती शान्तीबाई	३७	पत्नी		वि.	विक्रय-विभाग, बिरलानगर
	श्री श्रेयांसकुमार	२०	पुत्र	B. E. Final	अवि.	
	कु० अनिता	१८	पुत्री	B. A. II	अवि.	
	श्री उदककुमार	१७	पुत्र	B. Sc. *II*	अवि.	
	कु० मन्जु	१४	पुत्री	नवीं	अवि.	
७१३—	श्री प्रेमचन्द बरैया	६०	मुखिया	मिडिल	वि.	
७१४—	श्री वीरेन्द्रकुमार जैसवाल	२३	मुखिया	बी. ए.	वि.	सर्विस-ए० जी० ऑफिस
	श्रीमती ऊषा	२०	पत्नी	एफ. ए.	वि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती सुखदेवी	५५	मा		विधवा	
७१५—	श्री तेजकुमार गंगवाल	२६	मुखिया	एम. ए.	वि.	सर्विस–सोशल वेल फेयर डिपॉ०
	श्रीमती ऊषाकुमारी	२५	पत्नी	एफ ए.	वि.	छत्री रोड़, लश्कर
	श्री दुलीचन्द	२८	भाई	मिडिल	अवि.	
	श्री जिनेन्द्रकुमार	२६	भाई	एफ. ए.	अवि.	मरीना जनरल स्टोर्स,
	श्री रूपचन्द	२४	भाई	एफ. ए.	अवि.	सराफा बाजार, फो० नं० २६३५
	श्री हुकमचन्द	२३	भाई	हायर सेकन्ड्री	अवि.	
	श्रीमती कमलाबाई	५०	मा		विधवा	
७१६—	श्री सौभागमल विदायका	४६	मुखिया	एफ. ए.	वि.	सर्विस-बिजली घर
	श्रीमती कमलाबाई	४०	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री प्रमोदकुमार	२५	पुत्र	B. Sc.(Engg)	वि.	व्याख्याता-माधव इन्जीनियरिंग
	श्रीमती हेमलता	१८	पुत्र वधू	मेट्रिक	वि	कालेज, ग्वालियर
	श्री विनोदकुमार	२१	पुत्र	M.B B.S. IV	अवि.	
७१७—	श्री पारसमल अत्रीमोड़ वैश्य	३३	मुखिया	M.Sc.	वि.	व्याख्याता, कृषि महाविद्यालय,
	श्रीमती मनोरमा	२६	पत्नी	मिडिल	वि	नई सड़क, लश्कर
माधव गंज:—						
७१८—	श्री बुद्धामल बरैया	४०	मुखिया		वि.	फुटकर व्यवसाय
	श्रीमती कमलाबाई	३५	पत्नी		वि.	
७१९—	श्री पंचमलाल बरैया	२४	मुखिया		वि.	टेलर-फर्स, माधोगज
	श्रीमती विमलादेवी	२२	पत्नी		वि.	
७२०—	श्री केशरीमल बरैया	२०	मुखिया		वि.	साईकिल रिपेयरिंग, दालबाजार
	श्रीमती केशरीमल	१८	पत्नी		वि.	
	श्री सुपार्श्वचन्द	१७	भाई		वि.	कम्पोजीटर एव टेलर
	श्रीमती सुपार्श्वचन्द	१५	भाई वधू		वि.	
	श्रीमती कलावती	४०	मा		विधवा	सर्विस-मे० बंवरलाल गप्पूलाल
७२१	श्रीमती पुनियाबाई	५५	मुखिया		विधवा	साहूकारी, लेन, देन
दौलतगंज—						
७२२—	श्री सन्तोषकुमार सेठी	१८	मुखिया	B. Com.II	अवि.	स्थाई निवासी कलकत्ता
	श्रीमती कमलादेवी	३८	मा		वि.	
७२३—	श्री सुरेन्द्रकुमार जैसवाल	२५	मुखिया	एम. कॉम.	वि.	सर्विस. ए० जी० ऑफिस
	श्रीमती कमलादेवी	२२	पत्नी	बी० ए०	वि.	

• • •

दिगम्बर जैन-समाज, ग्वालियर

(१४ वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों का विवरण)

मोहल्ला लच्छाराम :—

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
७२४	श्री गोपालचन्द जैसवाल	४३	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस-जे० सी० मिल्स
	श्रीमतीजेनोबाई	३३	पत्नी		वि.	
७२५	श्री नत्थीलाल जैसवाल	४१	मुखिया		वि.	व्यवसाय
	श्रीमती जलदेवी	४२	पत्नी		वि.	
	श्री मुन्नालाल	३०	पुत्र		अवि.	सर्विस
७२६	श्री बलवन्तराम जैसवाल	६३	मुखिया		वि.	व्यवसाय
	श्रीमती लक्ष्मीबाई	५३	पत्नी		वि.	
	श्री रमेशचन्द	२२	पुत्र	मिडिल	वि.	
	श्रीमती सुगनाबाई	२०	पुत्रवधू		वि.	
७२७	श्री रामजीदास अग्रवाल	२८	मुखिया		वि.	व्यवसाय
	श्रीमती रामजीदास	२३	पत्नी		वि.	

लोहामण्डी :—

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
७२८	श्री अरविन्द कुमार	३८	मुखिया		वि.	सर्विस-जे० सी० मिल्स, बिरला नगर
	श्रीमती अरविन्दकुमार	३३	पत्नी		वि.	
	श्री महेशकुमार	१५	पुत्र		अवि.	
	श्री सोहनलाल	३१	भाई		वि.	
	श्रीमती सोहनलाल	२८	भाई वधू		वि.	
	श्री सुनीलकुमार	१८	भाई		अवि.	
७२९	श्री शंकरलाल जैसवाल	३१	मुखिया		वि.	व्यवसाय
	श्रीमती शंकरलाल	१९	पत्नी		वि.	
७३०	श्री लच्छाराम जैसवाल	६१	मुखिया		वि.	व्यवसाय
	श्रीमती रक्खीबाई	४२	पत्नी		वि.	
	श्री शान्तीप्रसाद	३८	पुत्र	मिडिल	वि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती गुणमाला	२५	पुत्रवधू		वि.	
	श्री अशोककुमार	१८	पुत्र		अवि.	
७३१—	श्री ग्यासीराम जैसवाल	८१	मुखिया		वि.	तेल मिल
	श्रीमती रामोबाई	६३	पत्नी		वि.	
	श्री प्रभूदयाल	५८	पुत्र		अवि.	
७३२—	श्री नन्दकिशोर जैसवाल	४८	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस
	श्रीमती रूपकुमारी	३८	पत्नी		वि.	
	श्री पदमचन्द	१८	पुत्री	मिडिल	अवि.	
	श्री आदीशकुमार	१४	पुत्र		अवि.	
७३३—	श्री जीनाराम जैसवाल	३८	मुखिया		वि.	सर्विस-जे० सी० मिल्स
	श्रीमती चमेलीबाई	३३	पत्नी		वि.	
	कु० शकुन्तला	१७	पुत्री	मिडिल	अवि.	
७३४—	श्री श्रीचन्द जैसवाल	३८	मुखिया		वि.	सर्विस-जे० सी० मिल्स
	श्रीमती गुलकन्दी	३५	पत्नी		वि.	
	श्री दुलीचन्द	३०	भाई		वि.	
	श्रीमती सावित्रीबाई	२८	भाई वधू		वि.	
७३५—	श्री प्यारेलाल जैसवाल	६८	मुखिया	सातवी	विधुर	सर्विस-जे० सी० मिल्स
७३६—	श्री नेमीचन्द जैसवाल	४३	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस-जे० सी० मिल्स
	श्रीमती बैकुण्ठीबाई	३८	पत्नी		वि.	
	कु० भगवानदेई	१८	पुत्री		अवि.	
	कु० ओमवती	१४	पुत्री		अवि.	
	श्री जमनाप्रसाद	३५	भाई		अवि.	सर्विस-जे० सी० मिल्स
	श्री रामनिवास	२७	भाई		अवि.	
	श्रीमती बदामीबाई	६८	मा		विधवा	
७३७—	श्री हरीशचन्द जैसवाल	४३	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस-जे० सी० मिल्स
	श्रीमती कान्तीदेवी	३५	पत्नी		वि.	
	श्री अनिलकुमार	२०	पुत्र		अवि.	
	श्री पवनकुमार	१४	पुत्र		अवि.	
	कु० सरिता	११	पुत्री		अवि.	
७३८—	श्री मगलचन्द जैसवाल	५५	मुखिया	मिडिल	वि.	रिटायर्ड-पटवारी
	श्रीमती मथुराबाई	४५	पत्नी		वि.	
	श्री केशवचन्द	२०	पुत्र	इन्टर	अवि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री लक्ष्मीनारायण	१८	पुत्र		अवि.	
७३९—	श्री मूलचन्द जैसवाल	३३	मुखिया		वि.	सर्विस-जे० सी० मिल्स
	श्रीमती बैकुन्ठीबाई	२८	पत्नी		वि.	
	श्री हरप्रसाद	३५	भाई		अवि.	
	श्रीमती राजोदेवी	५८	मां		विधवा	
७४०—	श्री झींगुरीमल जैसवाल	५९	मुखिया		वि.	व्यवसाय
	श्रीमती कपूरीदेवी	४३	पत्नी		वि.	
	श्री बंगालीप्रसाद	१९	पुत्र.		अवि.	
	श्री शिवनारायण	१६	पुत्र		अवि.	
७४१—	श्री सुखलाल जैसवाल	४८	मुखिया	मिडिल	वि.	गल्ला व्यवसायी
	श्रीमती रामश्री	४३	पत्नी		वि.	
	श्री जिनेन्द्रकुमार	१७	पुत्र		अवि.	
	कु० माया	१५	पुत्री		अवि.	
७४२—	श्री नेमीचन्द जैसवाल	३३	मुखिया	मिडिल	वि.	गल्ला व्यवसायी
	श्रीमती शकुन्तला	३१	पत्नी		वि.	
७४३—	श्री हजारीलाल जैसवाल	६८	मुखिया		वि.	किराना व्यवसायी
	श्रीमती रामबाई	५९	पत्नी		वि.	
७४४—	श्री आनन्दीलाल जैसवाल	८०	मुखिया		वि.	व्यवसाय
	श्रीमती रमकोबाई	७३	पत्नी		वि.	
	श्री बाबूलाल	४८	पुत्र		वि.	सर्विस-जे० सी० मिल्स
	श्रीमती भगवतीबाई	४१	पुत्रवधू		वि.	
	श्री ज्ञानचन्द	२०	पौत्र		अवि.	
	श्री हुकमचन्द	१८	पौत्र		अवि.	
	श्री सुरेशचन्द	१५	पौत्र		अवि.	
७४५—	श्री छोटेलाल जैसवाल	४८	मुखिया		अवि.	सर्विस
७४६—	श्री नन्दकिशोर जैसवाल	७३	मुखिया		विधुर	आढ़त
	श्री पूरनचन्द	५३	पुत्र		वि.	
	श्रीमती कलावती	४३	पुत्रवधू		वि.	
	श्री विमलचन्द	२१	पौत्र	ग्यारवीं	अवि.	
	श्री ओमप्रकाश	१४	पौत्र		अवि.	
७४७—	श्री तुलसीराम जैसवाल	५१	मुखिया		वि.	किराना
	श्री महावीरप्रसाद	२१	पुत्र	एम. कॉम.	वि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती महावीरप्रसाद	१६	पुत्रवधू		वि.	
७४८—	श्री मोतीलाल अग्रवाल	७३	मुखिया		वि.	वस्त्र व्यवसायी
	श्रीमती ,,	६८	पत्नी		वि.	
	श्री पदमचन्द	५१	पुत्र	मिडिल	वि.	
	श्रीमती ,,	४७	पुत्रवधू		वि.	
	श्री बंगालीप्रसाद	४३	पुत्र		वि.	
	श्रीमती ,,	३६	पुत्रवधू		वि.	
	श्री चन्द्रकुमार	३६	पुत्र	नवीं	वि.	
	श्रीमती ,,	३४	पुत्रवधू		वि.	
	श्री विजयकुमार	३३	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती ,,	३०	पुत्रवधू		वि.	
	डा० महावीरप्रसाद	२६	पौत्र	M. Sc.	वि.	डिसपेन्सरी-सेनापति कालोनी
	श्रीमती ,,	२४	पौत्रवधू	मेट्रिक	वि.	
	श्री प्ररिहमकुमार	२२	पौत्र	इन्टर	वि.	
	श्रीमती ,,	१६	पौत्रवधू	मेट्रिक	वि	
७४६—	श्री मोतीलाल परवार	४३	मुखिया		वि.	सर्विस-जे० सी० मिल्स
	श्रीमती चन्दनबाई	३३	पत्नी		वि.	
७५०—	श्री कस्तूरचन्द परवार	३८	मुखिया		वि.	सर्विस-जे० सी० मिल्स
	श्रीमती शीलाबाई	२८	पत्नी		वि.	
७५१—	श्री बाबूलाल परवार	५१	मुखिया		वि.	सर्विस-जे० सी० मिल्स
	श्रीमती रामश्रीदेवी	४५	पत्नी		वि.	
	श्री भगवानदास	२६	पुत्र		वि.	हलवाई
	श्रीमती कान्तादेवी	२५	पुत्रवधू		वि.	
	श्री ज्ञानचन्द	१६	पुत्र		अवि.	
	श्री नरेन्द्रकुमार	१५	पुत्र		अवि.	
	श्रीमती गेंदाबाई	७८	मां		विधवा	
७५२—	श्री बेनीराम परवार	४८	मुखिया		वि.	व्यवसाय
	श्रीमती भूरीबाई	४१	पत्नी		वि.	
	श्री सुगनचन्द	२४	पुत्र	बी० कॉम०	वि.	शिक्षक—ग्वालियर
	श्रीमती पुष्पाबाई	२२	पुत्रवधू		वि.	
	श्री जमुनाप्रसाद	२०	पुत्र		अवि.	
	श्री राजेन्द्रकुमार	१७	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री सुरेशचन्द्र	१५	पुत्र		अवि.	
७५३—	श्री भजनलाल जैसवाल	४५	मुखिया		वि.	गल्ला व्यवसाय
	श्रीमती भगवानदेवी	३८	पत्नी		वि.	
	श्री प्रेमचन्द	२३	पुत्र		वि.	
	श्रीमती मालती देवी	२०	पुत्रवधू		वि.	
७५४—	श्री रामचन्द जैसवाल	३८	मुखिया		वि.	किराना व्यवसाय
	श्रीमती अशरफीदेवी	३३	पत्नी		वि.	
	कु. मनोरमा	१४	पुत्री		अवि	
७५५—	श्री हीरालाल जैसवाल	४८	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस-जे० सी० मिल्स
	श्रीमती कस्तूरीबाई	४३	पत्नी		वि.	
	श्री जीवनलाल	२२	पुत्र		वि.	
	श्रीमती उर्मिलादेवी	३१	पुत्रवधू		वि.	
	श्री लक्ष्मीचन्द	१७	पुत्र		अवि.	
	श्री पदमचन्द	१४	पुत्र		अवि.	

कोटा वाला मोहल्ला :—

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
७५६—	श्री बिहारीलाल जैसवाल	४२	मुखिया		वि.	अनाज का व्यवसाय
	श्रीमती अंगूरीबाई	३२	पत्नी		वि.	
	श्री मुन्नालाल	१८	पुत्र		अवि.	
	श्री पदमचन्द	१६	पुत्र		अवि.	
७५७—	श्री फूलचन्द अग्रवाल	५१	मुखिया		वि.	सर्विस-जे० सी० मिल्स
	श्रीमती केशरबाई	४३	पत्नी		वि.	
	श्री मुन्नीलाल	३१	पुत्र		वि.	वस्त्र व्यवसाय
	श्रीमती कस्तूरीबाई	२८	पुत्रवधू		वि.	
	श्री गणेशीलाल	२७	पुत्र	एम. कॉम.	वि.	सर्विस-ए० जी० आफिस
	श्रीमती अजलीदेवी	२३	पुत्रवधू		वि.	
	श्री ओमप्रकाश	१७	पुत्र	ग्यारहवीं	अवि.	
	श्री प्रेमचन्द	४३	भाई		वि.	
	श्रीमती कटोरीबाई	३८	भ्रातावधू		वि.	
	श्रीमती रामश्री	३३				
	कु० मीना	१४	पुत्री		अवि.	
	श्रीमती तुलसीबाई	६३	मां		विधवा.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
७५८—	श्री पन्नालाल जैन "धर्मवीर"	५८	मुखिया		वि.	व्यवसाय-गयामल पन्नालाल सर्राफ,
	श्रीमती रामस्वरूपीदेवी	५३	पत्नी		वि.	सराफा बाजार, लश्कर ।
	श्री ऋषभदास	३३	पुत्र	B.A., LL M.	वि.	व्याख्याता–विधि–विभाग, महारानी
	श्रीमती असरफीदेवी	२८	पुत्रवधू		वि.	लक्ष्मीबाई कालेज, ग्वालियर
	श्री अजितकुमार	२८	पुत्र	इन्टर	वि.	व्यवसाय-सर्राफ
	श्रीमती पुष्पादेवी	२५	पुत्रवधू		वि.	
७५९	श्री मल्हारीलाल जैसवाल	६२	मुखिया		वि.	गल्ले का व्यवसाय
	श्रीमती पतोलाबाई	६०	पत्नी		वि.	

गंज :—

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
७६०—	श्री किशोरीलाल अग्रवाल	४३	मुखिया	बी.ए.	वि.	सर्विस, ए० जी० आफिस
	श्रीमती रामश्रीबाई	३८	पत्नी		वि.	
	श्री भरोसीलाल	३३	भाई		अवि.	
	श्रीमती दुर्गाबाई	८३	मां		विधवा	
७६१—	श्री चोखेलाल जैसवाल	४८	मुखिया	मिडिल	वि.	गल्ले का व्यापार
	श्रीमती रामश्रीबाई	४३	पत्नी		वि.	
	श्री पदमचन्द	२१	पुत्र	ग्यारवीं	अवि.	बिस्कुट व्यवसाय
	कु० सुलोचना	१७	पुत्री		अवि.	
	कु० रामोदेवी	१५	पुत्री		अवि.	
७६२—	श्री भोगीराम जैसवाल	५३	मुखिया	मिडिल	वि.	व्यवसाय कपड़ा
	श्रीमती सरमनीयाबाई	४२	पत्नी		वि.	
	श्री कुशलचन्द	२५	पुत्र	ग्यारवीं	वि.	
	श्रीमती मुन्नीबाई	२२	पुत्रवधू		वि.	
	श्री रमेशचन्द	२३	पुत्र	B.Sc.	वि.	
	चन्द्रकान्ता	१७				
७६३—	श्री फूलचन्द जैसवाल	३१	मुखिया		वि.	होटल व्यवसाय
	श्रीमती कमलादेवी	२१	पत्नी		वि.	
	श्री प्रकाशचन्द	२८	भाई		वि.	
७६४—	श्री चन्दनलाल	४२	मुखिया	मिडिल	वि.	गल्ले के व्यापारी
	श्रीमती सरवतीबाई	४१	पत्नी		वि.	
	श्री फतहचन्द	२९	पुत्र		वि.	
	श्रीमती मुन्नीबाई	२५	पुत्रवधू		वि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
७६५—	श्री ज्ञानचन्द जैसवाल	३५	मुखिया	मिडिल	वि.	कपड़े के व्यापारी
	श्रीमती जैनवती	३१	पत्नी		वि.	
७६६—	श्री फूलचन्द जैसवाल	५८	मुखिया		वि.	किराने के व्यापारी
	श्रीमती शान्तीबाई	५३	पत्नी		वि.	
	कु० उर्मिला	१५	पुत्री		अवि.	
७६७—	श्री अजुद्धीप्रसाद जैसवाल	३८	मुखिया		वि.	हलवाई
	श्रीमती रामश्री	३१	पत्नी		वि.	
	चक्कीपाड़ा :—					
७६८—	श्री राम अवतार सिंहल	३२	मुखिया	इन्टर	वि.	सर्विस, बोर्ड ऑफ सेकेन्ड्री एजूकेशन,
	श्रीमती शकुन्तला	२६	पत्नी	मिडिल	वि.	भोपाल
	श्री कृष्णकुमार	२६	भाई	एम. कॉम.	वि.	असिस्टेन्ट आडीटर, मिलिट्री मुरार
	श्रीमती इन्दिरादेवी	१८	पत्नी	बी. ए.	वि.	
७६९—	श्री प्रभूदयाल जैसवाल	६८	मुखिया		वि.	व्यवसाय
	श्री अमरचन्द	४३	पुत्र	मेट्रिक	वि.	सर्विस, नगरपालिका, ग्वालियर
	श्रीमती सुदर्शन माला	३२	पुत्रवधू		वि.	
	श्री महेन्द्रकुमार	२१	पुत्र	बी.ए.	अवि.	
७७०—	श्रीमती चिम्जोबाई	७३	मुखिया		विधवा	
	फोर्ट रोड :—					
७७१—	श्री हरप्रसाद अग्रवाल	४३	मुखिया	मिडिल	वि.	अनाज के व्यापारी
	श्रीमती अंगूरीदेवी	३२	पत्नी		वि.	
	श्री महेशचन्द	१८	पुत्र		अवि.	
	कु० मनोरमा	१६	पुत्री		अवि.	
७७२—	श्री नोनकरन अग्रवाल	४०	मुखिया		वि.	कपड़े का व्यवसाय
	श्रीमती कलावती	६८	मां		विधवा	
	श्रीमती चमेलीबाई	३६	पत्नी		वि.	
	श्री सीताराम	२४	पुत्र	हा. से.	वि.	तस्वीर की दुकान
	श्रीमती पुष्पादेवी	१७	पुत्रवधू		वि.	
	श्री रामबाबू	२०	पुत्र		वि.	
	श्री जगदीशबाबू	१७	पुत्र		अवि.	
७७३—	श्री नोनकरन अग्रवाल	६८	मुखिया		वि.	व्यवसाय अनाज व सर्राफ
	श्रीमती बत्तोबाई	६३	पत्नी		वि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री वासीलाल	६१	भाई	मिडिल	वि.	
	श्री लक्ष्मनदास	२७	पुत्र		वि.	
	श्री ललितप्रसाद	३०	पुत्र		वि.	
	श्री महावीरप्रसाद	१४	पुत्र		अवि.	
	श्रीमती शान्तीदेवी	२८	पुत्रवधू		वि.	
	श्रीमती अंगूरीदेवी	२४	पुत्रवधू		वि.	
७७४	श्री बिरधीचन्द	३८	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस–जे० सी० मिल
	श्रीमती अंगूरीबाई	३१	पत्नी		वि.	
७७५	श्री बाबूलाल	४८	मुखिया	मिडिल	वि.	व्यवसाय
	श्रीमती जयमती	३३	पत्नी		वि.	
	श्री मुन्नालाल	१६	पुत्र		अवि.	

चौक बाजार :–

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
७७६	श्री पन्नालाल अग्रवाल	५५	मुखिया	मिडिल	वि.	हलवाई
	श्रीमती बैकुण्ठीदेवी	५१	पत्नी		वि.	
	श्री रमेशचन्द	२१	पुत्र		अवि.	
	कु० शकुन्तला	१८	पुत्री		अवि.	
	श्री जवाहरलाल	१६	पुत्र		अवि.	
७७७	श्री नारायणदास अग्रवाल	४५	मुखिया	मेट्रिक	वि.	अत्तार
	श्रीमती भूरीबाई	३८	पत्नी		वि.	
	श्री वेदप्रकाश	२४	पुत्र		वि.	
	श्रीमती सावित्रीदेवी	२१	पुत्रवधू		वि.	
	कु० जीवनलता	१५	पुत्री		अवि.	
७७८	श्री सुन्दरलाल अग्रवाल	६५	मुखिया		वि.	व्यवसाय
	श्रीमती सूरजदेवी	६३	पत्नी		वि.	
	श्री त्रिलोकचन्द	३३	पुत्र	मेट्रिक	वि.	सर्विस–वाटर वर्क्स
	श्रीमती इन्द्रादेवी	३१	पुत्रवधू		वि.	
	श्री ज्ञानचन्द	३०	पुत्र		वि.	सर्विस
	श्रीमती पुष्पादेवी	२८	पुत्रवधू		वि.	
७७९	श्री रामजीदास	४५	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्राफ
	श्रीमती बैकुण्ठीबाई	३८	पत्नी		वि.	
	श्री कैलाशनारायण	३३	भाई		वि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती अशरफीबाई	३०	भ्रातावधू		वि.	
	श्री प्रेमचन्द	२०	पुत्र		वि.	
	श्रीमती किरनदेवी	१८	पुत्रवधू		वि.	
	श्री पदमचन्द	१५	पुत्र		अवि.	
	कु० पुष्पा	१६	पुत्री		अवि.	
	कु० ओमवती	१४	पुत्री		अवि.	

सोड़ा का कुआ :—

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
७८०	श्री हरीशचन्द अग्रवाल	५३	मुखिया	मिडिल	वि.	वैद्य एवं अत्तार
	श्रीमती बादामीदेवी	४५	पत्नी		वि.	
	श्री ओमप्रकाश	२७	पुत्र		वि.	
	श्रीमती शान्तीबाई	१६	पुत्रवधू		वि.	
	श्री विष्णुकुमार	२०	पुत्र		अवि.	
	श्री अनन्तकुमार	१८	पुत्र		अवि.	
	श्री पुरुषोत्तमदास	१४	पुत्र		अवि.	
७८१	श्री राजाराम अग्रवाल	७३	मुखिया		वि.	हलवाई
	श्रीमती बत्तोबाई	६८	पत्नी		वि.	
	श्री सीताराम	४३	पुत्र	मिडिल	वि.	
	श्रीमती आनन्दीबाई	३६	पुत्रवधू		वि.	
	श्री सुरेन्द्रकुमार	१६	पुत्र		अवि.	
	श्री श्यामनारायण	१५	पुत्र		अवि.	
७८२	श्री मोतीलाल बरैया	६३	मुखिया	मेट्रिक	विधुर	सर्विस—जे० सी० मिल्स
७८३	श्री दुर्गाप्रसाद बरैया	३५	मुखिया		वि.	होटल-चौक बाजार
	श्रीमती मिन्दोबाई	४३	पत्नी		वि.	
	श्री भगवानदास	२५	पुत्र		वि.	
	श्री दीनानाथ	२२	पुत्र		अवि.	
	श्री ओमप्रकाश	२०	पुत्र		अवि.	
	कु० रामबाई	१६	पुत्री		अवि.	
	कु० छोटीबाई	१४	पुत्री		अवि.	
	कु० चन्दाबाई	१२	पुत्री		अवि.	
७८४	श्री कैलाशनाथ अग्रवाल	३३	मुखिया	बी० ए०	वि.	अत्तार व वैद्य
	श्रीमती गंगादेवी	२८	पत्नी		वि.	

सोडा का कुआ, ग्वालियर

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
७८५—	श्री बृजलाल परवार	५५	मुखिया	मिडिल	वि.	ठेकेदार
	श्रीमती बृजलाल	५०	पत्नी		वि.	
७८६—	श्री राजाराम अग्रवाल	७१	मुखिया		वि.	
	श्रीमती बसन्तीबाई	६८	पत्नी		वि.	
	श्री रामस्वरूप	२५	पुत्र	मेट्रिक	वि.	बिजली का काम व दवाइयां
	श्रीमती रामस्वरूप	१७	पुत्रवधू		वि.	
	श्री हरप्रसाद	२३	पुत्र		अवि.	
	श्री भगवानदास	१८	पुत्र		अवि.	
	श्री महावीरप्रसाद	१४	पुत्र		अवि.	

लखेरा गली :—

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
७८७—	श्री मनीराम अग्रवाल	३८	मुखिया	मेट्रिक	वि.	बीड़ी का कारखाना
	श्रीमती विमलादेवी	३५	पत्नी		वि.	
	कु० स्नेहलता	१६	पुत्री		अवि.	
	श्रीअनिलकुमार	१६	पुत्र		अवि.	
७८८—	श्री सुन्दरलाल अग्रवाल	५३	मुखिया		वि.	
	श्रीमती नारोदेवी	४३	पत्नी		वि	
	कु० किरनदेवी	१६	पुत्री		अवि.	
	कु० शीला	१७	पुत्री		अवि.	
७८६—	श्री वासुदेव अग्रवाल	३३	मुखिया		वि.	बीड़ी कारखाना, ग्वालियर
	श्रीमती विमलादेवी	२४	पत्नी		वि.	
७६०—	श्री भूपेन्द्रकुमार अग्रवाल	२६	मुखिया	एम० काम.	वि.	सर्विस-जे० सी० मिल्स, बिरलानगर
	श्रीमती कलावती	५८	माँ		विधवा	
	श्रीमती सुशीला	२०	पत्नी		वि.	
७६१—	श्री सुरेन्द्रकुमार जैसवाल	२८	मुखिया	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती सुरेन्द्रकुमार	२६	पत्नी		वि.	
	श्री सुमतिकुमार	१५	पुत्र		अवि.	
७६२—	श्री राजेन्द्रकुमार	४३	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस
	श्रीमती राजेन्द्रकुमार	३८	पत्नी		वि.	
	श्री महेन्द्रकुमार	२०	पुत्र		अवि.	
	श्री सुभाषकुमार	१५	पुत्र		अवि.	
	श्री नीरजकुमार	१४	पुत्र		अवि.	

सखेरा गली, ग्वालियर

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
७९३—	श्री किशनलाल जैसवाल	३३	मुखिया	मेट्रिक	वि.	व्यवसाय
	श्रीमती गोमतीबाई	२८	पत्नी		वि.	
	श्री रामेश्वरदयाल	१८	भाई		अवि.	
७९४—	श्री बल्देवप्रसाद जैसवाल	४८	मुखिया		वि.	सर्विस-जे० सी० मिल्स, बिरलानगर
	श्रीमती बल्देवप्रसाद	४३	पत्नी		वि.	
	श्री प्रेमचन्द	३३	भाई		वि.	
	श्रीमती प्रेमचन्द्र	२१	पत्नी		वि.	
	श्री भागचन्द	१६	पुत्र		अवि.	
	कु० राजमती	१७	पुत्री		अवि.	
७९५—	श्री गेंदालाल जैसवाल	३०	मुखिया	मिडिल	अवि.	सर्विस-जे० सी० मिल्स
७९६—	श्री रामबाबू जैसवाल	३३	मुखिया		वि.	व्यवसाय
	श्रीमती राजकुमारी	२८	पत्नी		वि.	
	श्री अमरचन्द	१४	पुत्र		अवि.	
७९७—	श्री सुनहरीलाल जैसवाल	२८	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस-जे० सी० मिल्स
	श्रीमती अंगूरीबाई	२३	पत्नी		वि.	
	श्री मुन्नालाल	१७	भाई		अवि.	
७९८—	श्री उग्रसेन जैसवाल	३३	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस-जे० सी० मिल्स
	श्रीमती अंगूरीबाई	२८	पत्नी		वि.	
	कु० पदमा	१४	पुत्री		अवि.	
७९९—	श्री छोटेलाल अग्रवाल	५८	मुखिया		वि.	व्यवसाय
	श्रीमती कटोरीबाई	५३	पत्नी		वि.	
	श्री महावीरप्रसाद	२२	पुत्र		वि.	
	श्रीमती लीलावती	१८	पुत्रवधू		वि.	
	श्री उत्तमचन्द	१७	पुत्र		अवि.	
	श्रीमती लौंगश्री	२०	पुत्रवधू		वि.	
	कु० शकुन्तला	१५	पुत्री		अवि.	
८००—	श्री प्रेमचन्द्र अग्रवाल	३३	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस-जे० सी० मिल्स
	श्रीमती कैलाशी	२८	पत्नी		वि.	
८०१—	श्री हुकमचन्द अग्रवाल	३३	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस-जे० सी० मिल्स
	श्रीमती मथुराबाई	२३	पत्नी		वि	
८०२—	श्री लालचन्द अग्रवाल	३३	मुखिया		वि.	सर्विस-जे० सी० मिल्स
	श्रीमती कमलादेवी	२३	पत्नी		वि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
८०३	श्री मोतीलाल अग्रवाल	३९	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस-जे. सी० मिल, बिरलानगर
	श्रीमती चन्दनबाई	३३	पत्नी		वि.	
८०४	श्री नन्हेंलाल जैसवाल	९३	मुखिया		विधुर	
	श्रीमती रम्भाबाई	८३	पत्नी		वि.	
	श्री बाबूलाल	४१	पुत्र		अवि.	
८०५	श्री कंचनलाल जैसवाल	५५	मुखिया	साहित्य-भूषण	वि.	सर्विस-जे० सी० मिल्स
	श्रीमती मालती	४६	पत्नी		वि.	
	श्री राजेन्द्रकुमार	२८	पुत्र	एम० एससी०	वि.	सर्विस
	श्रीमती सुभाषिनी	२५	पुत्रवधू	एम० ए०	वि.	
	श्री रिषभकुमार	१८	भतीजा	मेट्रिक	अवि.	
	श्री सतेन्द्रकुमार	१५	भतीजा	मिडिल	अवि.	
८०६	श्री हरदयाल जैसवाल	६१	मुखिया	मेट्रिक	वि.	शिक्षक—जे०सी० मिल्स स्कूल
	श्रीमती भगवानदेवी	५५	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री सुरेन्द्रबाबू	३१	पुत्र	मेट्रिक	वि.	सर्विस
	श्री धनेन्द्रबाबू	२९	पुत्र		वि.	सर्विस
	श्री राजेन्द्रबाबू	२८	पुत्र	इन्टर	वि.	
	श्री रवीन्द्रबाबू	१६	पुत्र		अवि.	
	श्रीमती विमलदेवी	२५	पुत्रवधू		वि.	
	श्रीमती गुणमाला	२५	पुत्रवधू		वि.	
	श्रीमती सुलोचनादेवी	२७	पुत्रवधू		वि.	
छोटा बाजार :—						
८०७	श्री सीताराम अग्रवाल	४८	मुखिया		वि.	सर्विस-जे. सी० मिल्स
	श्री हरीशंकर	२५	पुत्र	इन्टर	वि.	
	श्री गोपालदास	१९	पुत्र	मिडिल	वि.	
	श्री भगवानदास	१६	पुत्र		अवि.	
	श्रीमती सोनादेवी	२१	पत्नी		वि.	
८०८	श्री बाबूलाल अग्रवाल	३७	मुखिया	मिडिल	वि.	जनरल मर्चेन्ट
	श्रीमती वैजयन्तीदेवी	३३	पत्नी		वि.	
	श्री नारायणदास	१९	पुत्र		अवि.	
	कु० उमा	१५	पुत्री		अवि.	
८०९	श्री किशनलाल कोठीवाले	६१	मुखिया		वि.	नाज, गुड़ व शक्कर विक्रेता
	श्री रमेशचन्द	२७	पुत्र	इन्टर	वि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री लक्ष्मीनारायण	२२	पुत्र	हा० से०	अवि.	
	श्री नेमीचन्द	२०	पुत्र	हा० से०	अवि.	
	श्री वीरेन्द्रकुमार	१८	पुत्र	मिडिल	अवि.	
	श्री सुरेशचन्द	१६	पुत्र	सातवीं	अवि.	
	श्रीमती चमेलीदेवी	५३	पत्नी		वि.	
	श्रीमती रामबाई	२६	पुत्रवधू		वि.	
	श्रीमती सुशीलादेवी	२३	पुत्रवधू		वि.	
	श्रीमती कमलादेवी	१८	पुत्रवधू		वि.	
घास मण्डी :—						
८१०	श्री कन्हैयालाल पंच	७३	मुखिया		वि.	व्यवसाय
	श्री रामेश्वरदयाल	४३	पुत्र	इन्टर	वि.	सर्विस-लाईफ इन्श्योरेन्स कं०
	श्री प्रेमचन्द	२१	पुत्र	इन्टर	वि.	
	श्री नेमीचन्द	१६	पुत्र		वि.	
	श्री विमलकुमार	१७	पुत्र		अवि.	
	श्रीमती कन्हैयालाल	६३	पत्नी		वि.	
	श्रीमती रामेश्वरदयाल	३८	पुत्रवधू		वि.	
८११	श्री तोताराम अग्रवाल	४५	मुखिया		वि.	व्यवसाय-सोना-चांदी
	श्रीमती फूलाबाई	४३	पत्नी		वि.	
	श्री रामकृष्ण	३३	पुत्र		वि.	
	श्रीमती रामबाई	२६	पुत्रवधू		वि.	
८१२	श्री किशोरीलाल अग्रवाल	५३	मुखिया		वि.	व्यवसाय-सोना-चांदी
	श्रीमती सोनाबाई	३७	पत्नी		वि.	
	श्रीमती मुनियाबाई	८०	मां		विधवा	
	श्री लक्ष्मणदास	३३	पुत्र		वि.	
	श्रीमती कमलाबाई	२६	पुत्रवधू		वि.	
	श्री जगदीशप्रसाद	२७	पुत्र		वि.	
	श्रीमती लक्ष्मीदेवी	२५	पुत्रवधू		वि.	
८१३	श्री घासीराम अग्रवाल	४३	मुखिया		वि.	सर्विस-जे. सी० मिल्स, बिरलानगर
	श्री तोताराम	५३	भाई		वि.	
	श्री महावीरप्रसाद	२१	पुत्र		वि.	
	श्रीमती तसोबाई	५३			वि.	
	श्रीमती केतकीबाई	३८	पत्नी		वि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती पुष्पाबाई	१६	पत्नी		वि.	
	कु० लक्ष्मी	११	पुत्री		अवि.	
	कु० शारदा	१६	पुत्री		अवि.	
तानेश्वर महादेव :—						
८१४	श्री रामजीदास अग्रवाल	३६	मुखिया	B.A., LL.B.	वि.	एडवोकेट
	श्रीमती शान्तीदेवी	३७	पत्नी		वि.	
	श्री अशोककुमार	१५	पुत्र		अवि	
	श्री लक्ष्मणदास	३१	भाई	मेट्रिक	वि.	सर्राफ
	श्री श्रीमन्तीदेवी	२६	भाईवधू		वि.	
८१५	श्री दर्शनलाल	५८	मुखिया		वि.	कपड़े के व्यापारी
	श्रीमती कटोरीबाई	५३	पत्नी		वि.	
	श्री ओमप्रकाश	३३	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती शान्तीदेवी	३०	पुत्रवधू		वि.	
	श्री राधेश्याम	३०	पुत्र	B. Com., LL. B.	वि.	सर्विस
	श्रीमती रामरती	२३	पुत्रवधू		वि.	
	श्री जगदीशप्रसाद	२८	पुत्र	बी० ई०	वि.	
	श्री कैलाशचन्द	२३	पुत्र	बी० एस-सी०	वि.	
	श्री नेमीचन्द	२०	पुत्र		वि.	
	श्री पदमचन्द	१७	पुत्र		वि.	
	कु० किरण	१६	पुत्री		अवि.	
बिरलानगर :—						
८१६	श्री नथमल अजमेरा	६०	मुखिया		वि.	
	श्रीमती मूलीबाई	५५	पत्नी		वि.	
	श्री विजयकुमार	३०	पुत्र	B. Com., LL B.	वि.	फेक्ट्री मैनेजर-जे० सी० मिल्स,
	श्रीमती शान्तीदेवी	२७	पुत्रवधू		वि.	सिमको, फोन १३७
८१७	श्री किशनलाल जैसवाल	३२	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस-जे० सी० मिल्स
	श्रीमती गुलाबदेवी	२८	पत्नी	मिडिल	वि.	
८१८	श्री सुरेन्द्रसिंह जैसवाल	३५	मुखिया	बी० ए०	वि.	लेवर आफीसर, सिमको
	श्रीमती विद्यादेवी	३०	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री शैलेन्द्रकुमार	१४	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती लक्ष्मीदेवी	६२	मां		विधवा	

दिगम्बर जैन समाज, मुरार

(१४ वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों का विवरण)

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
ठाठीपुर कॉलोनी :-						
८१९—	श्री जगदीशचन्द्र	३५	मुखिया	बी॰ कॉम॰	वि.	शासकीय-सेवा, लाईन नं॰ ६/२
	श्रीमती मनोरमा	२५	पत्नी	मेट्रिक	वि.	
८२०—	श्रीचन्द्रशेखर जैसवाल	४८	मुखिया	बी॰ कॉम॰	वि.	शासकीय-सेवा, लाईन नं॰ ४/५
	श्रीमती सुशीला	४२	पत्नी	मेट्रिक	वि.	
	श्री राजकुमार	२१	पुत्र	बी॰ ई.	अवि.	
	कुमारी ललिता	१६	पुत्री	बी॰ ए॰ प्रथम	अवि.	
८२१—	श्री बी॰ एस॰ जैन अग्रवाल	४०	मुखिया	मेट्रिक	वि.	शासकीय-सेवा, लाईन नं॰ १२/४
	श्रीमती रामदुलारी	३५	पत्नी	मिडिल	वि.	
	कु॰ आशा	१८	पुत्री	बी॰ए॰	अवि.	
	श्री नवनीत	१५	पुत्र	हा॰ से॰	अवि.	
८२२—	श्री एस॰ एल॰ परवार	४२	मुखिया	B. A., LL.B.	वि	शासकीय-सेवा प्रिंसीपल, लाईन नं॰ ६/११
	श्रीमती कुसुम	४०	पत्नी	हा॰ से॰	वि.	
	कु॰ कुमुद	१६	पुत्री	बी॰ ए॰ प्रथम	अवि.	
	श्री वृषभकुमार	१५	पुत्र	नवीं	अवि.	
८२३—	श्री गणेशप्रसाद परवार	३५	मुखिया	बी॰ ए॰	वि.	शासकीय-सेवा, लाईन नं॰ ५/१६
	श्रीमती लक्ष्मीदेवी	३०	पत्नी	मिडिल	वि.	
८२४—	डा॰ पी॰ सी॰ जैन गोलालारे	३०	मुखिया	बी॰ ए॰	वि.	
	श्रीमती सुशीलाबाई	२५	पत्नी	मिडिल	वि.	चिकित्सक, लाईन नं॰ १२/१०
८२५—	श्री आर॰ एस॰ जैसवाल	३८	मुखिया	एम॰ कॉम॰	वि.	एकाउन्टेन्ट, लाईन न. एच/४६
	श्रीमती राजकुमारी	३०	पत्नी		वि.	
	श्री कृष्णवीर	१७	भतीजा	बी. एससी.	अवि.	
८२६—	श्री नत्थीलाल जैसवाल	४२	मुखिया	मेट्रिक	वि.	शासकीय-सेवा, लाईन नं. एच/२५
	श्रीमती प्रमोदकुमारी	३८	पत्नी	बी॰ ए॰	वि.	शासकीय-सेवा
	श्री सुभाषचन्द	२२	पुत्र	D.M.E., B.A.II	अवि.	
	श्री चन्द्रशेखर	१८	पुत्र	B. Sc. I	अवि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
८२७—	श्री एम० एम० गोयल	३५	मुखिया	मेट्रिक	वि.	शासकीय-सेवा, लाईन नं० बी/१६
	श्रीमती पवनबाई	३३	पत्नी		वि.	
	श्री सुरेशचन्द	१५	पुत्र	हा० से०	अवि.	
	श्री रमेशचन्द	१४	पुत्र	मेट्रिक	अवि०	
सदर बाजार—						
८२८—	श्री गोकलचन्द जैसवाल	४५	मुखिया	हा० से०	विधुर	जनप्रिय फायनेन्स डिस्ट्रीब्यूसन,
	श्री सुरेशचन्द	२२	पुत्र	बी. ई. तृतीय	अवि.	सदर बाजार, फोन नं० १०५६
	कु० सुधा	१५	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
	श्री पुष्पेन्द्र	१४	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
८२९—	श्री कालीचरन जैसवाल	४८	मुखिया	मिडिल	वि.	मुनीम
	श्रीमती भगवती	४२	पत्नी		वि.	
	श्री प्रकाशचन्द	२५	पुत्र	एम.ए.,एम.कॉम.	वि.	सर्विस-नगरपालिका निगम
	श्रीमती मालती	२२	पुत्रवधू	हा.से०	वि.	
	श्री महेन्द्रकुमार	१९	पुत्र	बी० ए० प्रथम	अवि.	
८३०—	श्री बिहारीलाल जैसवाल	६०	मुखिया	मिडिल	वि.	फर्म-ओछेलाल बिहारीलाल, गंज,
	श्रीमती चमेलीबाई	५५	पत्नी	मिडिल	वि.	मुरार, फोन ९७३
	श्री वीरेन्द्रकुमार	२८	पुत्र	इन्टर	वि.	
	श्रीमती उर्मिला	२३	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री पवनकुमार	२१	पुत्र	एम.बी बी०एस०	अवि.	
	कु० कमला	२३	पुत्री	एम.बी.बी.एस.	अवि.	डा० जे. ऐ. हॉस्पीटल, लश्कर
	कु० मधू	१८	पुत्री	B. Sc. III	अवि.	
	कु० अभिलाषा	१५	पुत्री	हा० से०	अवि.	
८३१—	श्री वृन्दावनदास जैसवाल	७५	मुखिया		वि.	फर्म-वृन्दावनदास गोपीचन्द, कोत-
	श्रीमती द्रोपतीबाई	७०	पत्नी		वि.	वाली-संतर, मुरार
	श्री मोहनलाल	४६	पुत्र		वि.	फर्म-गोपीचन्द भागचन्द सदर बाजार
	श्रीमती कटोरीबाई	३८	पुत्रवधू		वि.	
	श्री गोपीचन्द	४२	पुत्र		अवि.	
	श्री नरेन्द्रकुमार	१५	पौत्र	मेट्रिक	अवि.	
८३२—	श्री गुलजारीलाल	५०	मुखिया	मिडिल	वि.	मुनीम
	श्रीमती सुमित्रादेवी	४८	पत्नी		वि.	
	श्री राजेन्द्रकुमार	२२	पुत्र	मेट्रिक	वि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती कटोरीदेवी	२१	पुत्रवधू		वि.	
	श्री वीरेन्द्रकुमार	१८	पुत्र		अवि.	
	श्री महेन्द्रकुमार	१६	पुत्र	हा० से०	अवि.	

चिक सन्तर :—

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
८३३	श्री मीठाराम जैसवाल	६०	मुखिया		वि.	फर्म-कल्याणदास मीठाराम, सदर बाजार, मुरार
	श्रीमती धनवन्तीबाई	८५	मां		विधवा	
	श्रीमती पार्वतीबाई	५५	पत्नी		वि.	
	श्री मोतीलाल	३५	पुत्र		वि.	
	श्री रामबाबू	२६	पुत्र	हा० से०	वि.	
	श्री सुरेशचन्द	२४	पुत्र	हा. से.	अवि.	
	श्री विमलचन्द	१७	पुत्र	हा० से०	अवि.	
	श्रीमती शीलाबाई	३०	पुत्रवधू		वि.	
	श्रीमती गुणमाला	२०	पुत्रवधू	आठवीं	वि.	
	कु० कुसुम	१६	पौत्री	नवमी	अवि.	
	कु० सरोज	१५	पुत्री	मिडिल	अवि.	
	कु० पुष्पा	१४	पौत्री		अवि.	
८३४	श्री टुन्डेराम जैसवाल	७८	मुखिया	पांचवीं	वि.	दुकान-मुरारगंज
	श्रीमती बिट्टोबाई	६६	पत्नी		वि.	
८३५	श्री ज्ञानचन्द भंडारी जैस.	३५	मुखिया	पांचवी	वि.	फर्म-जैन किराना मर्चेन्ट, मुरार
	श्रीमती शान्तीबाई	३०	पत्नी		वि.	
	श्री रमेशचन्द	१७	पुत्र	नवमीं	अवि	
८३६	श्री प्रेमचन्द जैसवाल	४०	मुखिया	आठवीं	वि.	प्राइवेट नौकरी
	श्रीमती अंगूरीबाई	३६	पत्नी		वि.	
८३७	श्री दाताराम नायक जैस.	२५	मुखिया		वि.	दुकान
	श्री अभयचन्द	२१	भाई	आठवीं	वि.	
	श्रीमती चन्द्रकला	१८	पत्नी		अवि.	
	कु० सुशीला	१४	बहिन		अवि.	
	श्री सुनेहरीलाल	१७	भाई	बी० ए० प्रथम	वि.	
८३८	श्री बंसीधर जैसवाल	३२	मुखिया	आठवीं	वि.	फर्म—सदर बाजार मुरार
	श्रीमती कमलादेवी	२५	पत्नी		वि.	
८३९	श्री राजाराम जैसवाल	५२	मुखिया		वि.	दलाली-बिरला नगर स्टेशन

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती जमुनाबाई	४८	पत्नी		वि.	
	श्री जगतप्रसाद जी	२८	पुत्र	दसवीं	वि.	सर्विस-जे० सी० मिल्स
	श्रीमती रामबाई	२४	पुत्रवधू	आठवीं	वि.	
	कु० शशि	१५	पुत्री	दसवीं	अवि.	
८४०	श्री प्यारेलाल जैसवाल	८४	मुखिया		वि.	फर्म-प्यारेलाल विमलचन्द जैन, मुरार
	श्रीमती मन्नोबाई	६३	पत्नी		वि.	
	श्री विमलचन्द	२८	पुत्र	दसवीं	वि.	
	श्रीमती ज्ञानवती	२४	पुत्रवधू	दसवीं	वि.	
	श्री सुरेशचन्द	२१	पुत्र	दसवीं	वि.	
	श्रीमती मुन्नीबाई	१६	पुत्रवधू	आठवीं	वि.	
	श्री उत्तमचन्द	१८	पुत्र	B. Sc. II	अवि.	
८४१	श्री कन्हैयालाल जैसवाल	५७	मुखिया	आठवीं	वि.	फर्म-सदर बाजार, मुरार
	श्रीमती मायादेवी	४३	पत्नी		वि.	
	कु० निर्मला	१५	पुत्री	ग्यारहवीं	अवि.	
८४२	श्री मुरलीधर जैसवाल	७२	मुखिया	आठवीं	विधुर	फर्म-सदर बाजार, मुरार
	श्री कपूरचन्द	३२	पुत्र	बी० ए०	वि.	
	श्रीमती सत्यवती	३०	पुत्रवधू		वि.	
८४३	श्री बालमुकुन्द जैसवाल	५१	मुखिया		वि.	फर्म-मुरारगंज एवं सदर बाजार,
	श्रीमती भूरीदेवी	४०	पत्नी		वि.	मुरार
	श्री डालचन्द	२२	पुत्र	इन्टर	वि.	
	श्रीमती मनोरमादेवी	१९	पुत्रवधू	दसवीं	वि.	
	श्री सुमतकुमार	१९	पुत्र	नवमीं	अवि.	
	श्री लीलाधर	१६	पुत्र	दसवीं	अवि.	
८४४	श्री छब्बूमल जैसवाल	७५	मुखिया		वि.	सदर बाजार, मुरार
	श्रीमती लक्ष्मीबाई	७०	पत्नी		वि.	
	श्री नेमीचन्द	३६	पुत्र	बी० ए०	वि.	फर्म-मुरार गंज, फोन ९९५
	श्रीमती विद्यादेवी	३०	पुत्रवधू		वि.	
	श्री विनोदकुमार	१७	पौत्र	हा० से०	अवि.	
	कु० ऊषा	१५	पौत्री	नवमी	अवि.	
८४५	श्री जगन्नाथप्रसाद जैसवाल	५०	मुखिया		वि.	फर्म-अमरचन्द ओमप्रकाश जैन,
	श्रीमती राजोबाई	४५	पत्नी		वि.	सदर बाजार, मुरार
	श्री कैलाशचन्द	३२	पुत्र		वि.	फर्म-पोखीराम विनोदकुमार जैन

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती विद्यादेवी	२८	पुत्रवधू		वि.	सदर बाजार, मुरार
	श्री पोथीराम	२८	पुत्र	दसवीं	वि.	फर्म-पोथीराम विनोदकुमार जैन
	श्रीमती विमलादेवी	२५	पुत्रवधू		वि.	
	श्री अमरचन्द	२६	पुत्र		वि.	फर्म-पोथीराम विनोदकुमार
	श्रीमती बिमलादेवी	२४	पुत्रवधू		वि.	
	श्री विनोदकुमार	१४	पौत्र	नवमी	अवि.	
८४६—	श्री शोभाराम जैसवाल	४५	मुखिया	आठवीं	वि.	बक्की-सदर बाजार, मुरार
	श्रीमती अंगूरीबाई	४०	पत्नी		वि.	
	श्री महेन्द्रकुमार	१८	पुत्र	दसवीं	अवि.	
	श्री वीरेन्द्रकुमार	१६	पुत्र	नवमी	अवि.	
८४७—	श्री सुमतचन्द जैसवाल	२५	मुखिया	दसवीं	वि.	सर्विस-न्यू स्पिनिंग मिल्स
	श्रीमती पारोबाई	४६	माँ		विधवा	
	श्रीमती जैनोदेवी	२२	पत्नी		वि.	
८४८—	श्री बाबूलाल जैसवाल	३३	मुखिया	आठवीं	वि.	फर्म-ज्वालाप्रसाद बाबूलाल, सदर
	श्रीमती शारदादेवी	२६	पत्नी		वि.	बाजार मुरार
८४९—	श्री किशोरीलाल जैसवाल	५०	मुखिया		वि.	फर्म-सुरेन्द्रसिंह केशवसिंह, मुरार
	श्रीमती बतासीबाई	४५	पत्नी		वि.	गंज
	श्री बाबूलाल	३५	पुत्र		वि.	
	श्री बद्रीप्रसाद	३२	पुत्र	आठवीं	वि.	
	श्रीमती कमलाबाई	२५	पुत्रवधू		वि.	
	श्री सुभाषचन्द	२५	पुत्र		वि.	
	श्रीमती लक्ष्मीबाई	२०	पुत्रवधू		वि.	
	श्री विजयकुमार	१५	पुत्र		अवि.	
८५०—	श्री छीतरमल जैसवाल	४२	मुखिया		वि.	व्यवसाय
	श्रीमती चमेलीबाई	३६	पत्नी		वि.	
	कु० ऊषा	१४	पुत्री	नवमी	अवि.	
८५१—	श्री शकरलाल जैसवाल	५०	मुखिया		वि.	फर्म-रिखबदास महेन्द्रकुमार, सदर
	श्रीमती सरमनियांबाई	४५	पत्नी		वि.	बाजार, मुरार
	श्री रिखबदास	२०	पुत्र		अवि.	
	श्री महेन्द्रकुमार	१५	पुत्र		अवि.	
८५२—	श्री हजारीलाल जैसवाल	४२	मुखिया		वि.	फर्म-अनूपचन्द हजारीलाल
	श्रीमती फूलादेवी	३२	पत्नी		वि.	

चिक सन्तर व सत्यनारायण सन्तर, मुरार

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री दिनेशकुमार	१६	पुत्र	दसवीं	अवि.	
८५३—	श्री खेमचन्द जैसवाल	४२	मुखिया	आठवी	वि.	दलाली, [illegible] लश्कर
	श्रीमती कुन्तीदेवी	४१	पत्नी		वि.	
	श्री संजयकुमार	१७	पुत्र	दसवीं	अवि.	
	श्री संजीवकुमार	१४	पुत्र	नवमीं	अवि.	
	कुमारी कल्पना	१६	पुत्री	बी ए. III	अवि.	
८५४—	श्री मुरलीधर जैसवाल	५३	मुखिया		वि.	फर्मः–मुरलीधर कपूरचन्द जैन,
	श्रीमती अगूरीबाई	४६	पत्नी		वि.	किराना मर्चेन्ट, मुरार
	श्री किशोरीलाल	३३	पुत्र	आठवीं	वि.	
	श्रीमती अंजना	३०	पुत्रवधू		वि.	
	श्री कपूरचन्द	३०	पुत्र		वि.	
	श्रीमती पुष्पादेवी	२७	पुत्रवधू	पाचवीं	वि.	
	श्री प्रेमचन्द	२७	पुत्र	इन्टर	वि.	सर्विस, जे. सी. मिल्स बिरलानगर
	श्रीमती गीनाबाई	२४	पुत्रवधू	आठवीं	वि.	
	श्री कमलचन्द	१८	पुत्र	बी. ए. I	अवि.	
८५५—	श्री केशरीमल बाकलीवाल	६०	मुखिया		वि.	व्यवसाय, दुकान, ठेकेदारी, एजेन्सी
	श्रीमती असरफीबाई	५४	पत्नी		वि.	
	श्री कमलचन्द	३६	पुत्र	बी. ए.	वि.	
	श्रीमती विमला	२८	पुत्रवधू	उत्तमा	वि.	
	श्री मिलापचन्द	३२	पुत्र	एम. कॉम.	वि.	बाकलीवाल एण्ड सन्स, गर्वमेन्ट,
	श्रीमती इन्द्रा	२२	पुत्रवधू	दसवीं	वि.	कान्ट्रेक्टर मुरार (फोन : ८१६)
	श्री भागचन्द	२४	पुत्र	बी. ए.	वि.	
	श्रीमती नन्दा	१६	पुत्रवधू	इन्टर	वि.	
८५६—	श्री मुन्नालाल गोलालारे	३०	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्वि-सेन्ट्रल पी. डब्ल्यू. डी. मुरार
	श्रीमती शकुन्तला	२८	पत्नी		वि.	
८५७—	श्रीमती लाड़ोबाई गोलालारे	४८	मुखिया	मेट्रिक	विधवा	अध्यापिका, घासमन्डी पाठशाला
८५८—	श्री मोतीलाल पल्लीवाल	४५	मुखिया		वि.	दलाल
	श्रीमती कलावती	४०	पत्नी		वि.	
	कुमारी मनोरमा	१६	पुत्री	हा. सै.	अवि.	
	श्री पूरनचन्द	१४	पुत्र	नवीं	अवि.	

सत्यनारायण सन्तर—

८५९—	श्री धनीराम जैसवाल	४५	मुखिया		वि.	फर्म-धनीराम हरिचन्द;

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती लक्ष्मीबाई	४०	पत्नी		वि.	सदर बाजार, मुरार
	श्रीमती यशोबाई	७२	मां		विधवा	
	श्री सुगनचन्द	४०	भाई	मेट्रिक	वि.	फर्म:-सुगनचन्द मुन्नालाल,
	श्रीमती सरवतीबाई	३५	भाईवधू		वि.	सदर बाजार, मुरार
	श्री देवप्रसाद	३५	भाई	मिडिल	वि.	फर्म:-देवप्रसाद सुरेशचन्द,
	श्रीमती मथुराबाई	३४	भाईवधू		वि.	गंज, मुरार
	श्री सुरेशचन्द	१६	भाईपुत्र	नवमी	अवि.	
	श्री भागचन्द्र	१४	भाईपुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	श्री मुन्नालाल (सुगनचन्द)	१६	भाईपुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	कुमारी भगवतीबाई	१४	भाईपुत्री	मिडिल	अवि.	
८६०	श्री गुल्बारीलाल जैसवाल	६५	मुखिया		वि.	फर्म:-जिमीपाल गुल्बारीलाल,
	श्रीमती देवाबाई	४१	पत्नी		वि.	गंज, मुरार (फोन : नं० ६७४)
	श्री कालीचरन	२५	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती विमलादेवी	२५	पुत्रवधू	मिडिल	विधवा	
	श्रीमती विमलादेवी	२०	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री महावीर प्रसाद	२१	पुत्र	इन्टर	वि.	फर्म:-महावीर ब्रदर्स, माल रोड,
	श्रीमती मधुदेवी	१९	पुत्रवधू	इन्टर	वि.	मुरार
	श्री लक्ष्मनप्रसाद	१९	पुत्र	बी. एस. सी.	अवि.	
	कुमारी पुष्पलता	१४	पुत्री	मिडिल	अवि.	
८६१	श्री मनोहरलाल जैसवाल	६०	मुखिया	मेट्रिक	वि.	
	सुश्री पोलमती	५०	पत्नी		वि.	
	श्री प्रकाशचन्द	३२	पुत्र	मिडिल	वि.	फर्म:-प्रकाशचन्द कैलाशचन्द,
	श्रीमती अंगूरीदेवी	३०	पुत्रवधू		वि.	सदर बाजार, मुरार
	श्री नेमीचन्द	२८	पुत्र	बी. कॉम	वि.	
	श्रीमती रतनदेवी	२३	पुत्रवधू		वि.	
	श्री रमेशचन्द	२५	पुत्र	बी. ए.	वि.	
	श्रीमती हेमलता	२०	पुत्रवधू		वि.	
	श्री कैलाशचन्द	१८	पुत्र	बी. ए. I	अवि.	
	श्री गिरनारीलाल	२८	मुखिया		वि.	व्यवसाय
	श्रीमती अंगूरीदेवी	१८	पत्नी		वि.	
८६२	श्री मूलचन्द नायक	५५	मुखिया		वि.	सर्विस
	श्रीमती म्यासोबाई	४८	पत्नी		वि.	

सत्यनारायण व जैन मंदिर सन्तर, मुरार

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री रामचरन	२६	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती विमला	१६	पुत्रवधू		वि.	
	श्री ओमप्रकाश	१८	पुत्र	नवीं	अवि.	
८६३	श्री प्रेमचन्द जैसवाल	३०	मुखिया	M. Sc.	वि.	अध्यापक-शासकीय इन्टर कालेज,
	श्री अखलेशकुमार	१६	भाई	मेट्रिक	अवि.	मुरार
८६४	श्री गिरीशचन्द चीया	३१	मुखिया	B. Sc.	वि.	अध्यापक
	सुश्री राजमती	५२	मां		विधवा	
	श्रीमती सुधारानी	२४	पत्नी	B.A. II	वि.	
	कु० मुक्ता	१६	बहिन	हा० से०	अवि.	
८६५	श्री अमीरचन्द जैसवाल	५०	मुखिया	बी० ए०	वि.	सर्विस-यातायात विभाग
	श्रीमती कुसुमलता	४८	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री अशोककुमार	२२	पुत्र	डिप्लोमा	अवि.	
	श्री हेमेन्द्रकुमार	१५	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	कु० रजनी	१४	पुत्री	मिडिल	अवि.	

जैन मंदिर सन्तर :—

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
८६६	श्री कैलाशचन्द अग्रवाल	५०	मुखिया	इन्टर	वि.	चीफ-म्युनिसपल ऑफीसर,अम्बाह
	श्रीमती कौशल्यादेवी	५१	भाईवधू		विधवा	
	श्रीमती चम्पाबाई	४५	पत्नी		वि.	
	श्री नरेशचन्द	३३	भाई	B. Com., LL.B.	वि.	म्युजियम आफीसर, फूलबाग लश्कर
	श्रीमती मायादेवी	२६	भाईवधू	मिडिल	वि.	
	श्री रामसिंह	२७	पुत्र	बी० एससी०	वि.	सर्विस-व्येरहाऊस कारपोरेशन,
	श्रीमती प्रेमदेवी	२५	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	मुगावली
	श्री श्यामसिंह	२४	पुत्र	बी० एससी०	अवि.	सर्विस-व्येर हाऊस कारपोरेशन, गुना
	श्री गजराजसिंह	२१	पुत्र	बी० एम० ई०	अवि.	सर्विस-सिमको स्टील फाउन्ड्री,
	श्री अशोककुमार	१७	पुत्र	हा० से०	अवि.	बिरलानगर
	श्री मदनमोहन	२३	भतीजा	बी० ई०	वि.	इन्जीनियर
	श्रीमती कृष्णादेवी	२१	भतीजा वधू	मेट्रिक	वि.	
	श्री कृष्णमोहन	१७	भतीजा	हा० से०	अवि.	
	कु० सरोज	१८	पुत्री	हा० से०	अवि.	
	कु० तारा	१४	पुत्री	मिडिल	अवि.	

स्थापित : १६१५ फोन : २०८१

आधुनिक एवं सुरुचिपूर्ण से सुसज्जित साज सज्जा के वस्त्रों का एक मात्र उत्तम स्थान ।



मे. इन्दरचन्द फूलचन्द एण्ड संस

गवर्नमेंन्ट सप्लायर एण्ड क्लॉथ मर्चेन्ट,
दौलतगंज (लश्कर) ग्वालियर-१



ग्वालियर सूटिंग एवं सर्टिंग

विनार, पैरागौन, अलपार,
अलौरा तथा मोदी सूटिंग

धारीवाल, लाल इमली, लेन्ड,
जामनगर, O. C. M., मौडैला

चन्देरी, बनारसी,
औरंगाबादी, बंगलोरी,
कोयम्बटूरी, बौंकटगिरी,
हैन्डलूम एवं अनेक प्रकार की सड़ियाँ



परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
गंगामाई सन्तर :—						
८६७—	श्री बाबूलाल जैसवाल	२७	मुखिया	मेट्रिक	वि.	व्यवसाय
	श्रीमती भाग्यदेवी	५५	मां		विधवा	
	श्रीमती पुष्पादेवी	२३	पत्नी	हा० से०	वि.	
८६८—	श्री बाबूलाल जैसवाल	४०	मुखिया	मिडिल	वि.	फर्म-प्रेमराज एन्ड सन्स, मुरार गंज
	श्रीमती रतनदेवी	३५	पत्नी		वि.	फर्म-प्रेम क्लाथ स्टोर्स, सदर बाजार
	श्री ओमप्रकाश	१६	पुत्र	M. Sc.I	अवि.	
	श्री सुभाषचन्द्र	१७	पुत्र	हा० से०	अवि.	
	कु० निर्मला	१४	पुत्री	मिडिल	अवि.	
८६९—	श्री गप्पूलाल जैसवाल	५०	मुखिया		वि.	व्यवसाय
	श्रीमती दुर्गाबाई	५५	भावी		विधवा	
	श्रीमती धनवती	४८	पत्नी		वि.	
	श्री रामस्वरूप	२६	पुत्र	इन्टर	वि.	सर्विस-कोआपरेटिव बैंक
	श्रीमती प्रेमवती	२२	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री ज्ञानचन्द	२२	पुत्र	इन्टर	वि.	
	श्रीमती शीला	२०	पुत्रवधु	मिडिल	वि.	
	श्री सुमतचन्द	२०	पुत्र	इन्टर	अवि.	
	कु० मनोरमा	१४	पुत्री	नवमीं	अवि.	
८७०—	श्री भगवानदास जैसवाल	३२	मुखिया	बी० ए०	वि.	अध्यापक-तिकोनिया कन्या पाठशाला, मुरार
	श्रीमती शान्तीदेवी	३०	पत्नी		वि.	
	श्री सुभाषचन्द्र	१४	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
८७१—	श्री पुरुषोत्तमदास जैसवाल	३०	मुखिया	मेट्रिक	वि.	दुकान-सदर बाजार, मुरार
	श्रीमती पुष्पादेवी	२८	पत्नी		वि.	
८७२—	श्री ज्वालाप्रसाद जैसवाल	५७	मुखिया		वि.	फर्म-ज्वालाप्रसाद बालमुकन्द जैन, गंज, मुरार
	श्रीमती रामप्यारी	५४	पत्नी		वि.	
	श्री नत्थीलाल	२०	पुत्र		वि.	
	श्रीमती मनोरमा	१७	पुत्रवधू		वि.	
८७३—	श्री मांगीलाल जैसवाल	५२	मुखिया	मिडिल	वि.	दलाली
	श्रीमती द्रौपदीबाई	६५	भाईवधू		विधवा	
८७४—	श्री विनोदचन्द जैसवाल	३२	मुखिया	बी० ए०	वि.	अध्यापक दि० जैन-पाठशाला, मुरार
	श्रीमती कुसुमदेवी	२६	पत्नी		वि.	अध्यापिका-शास०मा० पाठ०, मुरार
८७५—	श्री धनीराम जैसवाल	५८	मुखिया		विधुर	व्यवसाय-गंज मुरार
	श्री उत्तमचन्द	२७	पुत्र	इन्टर	वि.	सर्विसः-एल. आर. ऑफिस, इन्दौर

गंगामाई सन्तर, मुरार

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती मनोरमा	२२	पुत्रवधू	मेट्रिक	वि.	
	श्री महेशचन्द्र	२०	पुत्र	इन्टर	वि.	
	श्रीमती उर्मिला	१६	पुत्रवधू	मेट्रिक	वि.	
	श्री सुरेशचन्द्र	१७	पुत्र	हा. से.	अवि.	
८७६—	श्री हंसराज जैसवाल	६५	मुखिया		विधुर	फर्म-हंसराज देवलाल-मिष्ठान्न-
	श्री देवलाल	५५	भाई		विधुर	भन्डार, सदर बाजार, मुरार
	श्री विजयकुमार	२४	पुत्र	इन्टर	वि.	
	श्रीमती गुणमाला	२१	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
८७७—	श्री बटनलाल जैसवाल	५३	मुखिया	बी. ए.	वि.	
	श्रीमती फूलकुमारी	४३	पत्नी		वि.	
	श्री रमेशचन्द्र	२८	पुत्र	ओवरसियर	वि.	ओवरसियर-पाली (गुजरात)
	श्रीमती शीलादेवी	२४	पत्नी	हा. से.	वि.	
	श्री उमेशकुमार	१८	पुत्र	हा. से.	अवि.	
८७८—	श्री दीनानाथ जैसवाल	५२	मुखिया		वि.	ठेकेदार
	श्रीमती पूनाबाई	४८	पत्नी		वि.	
	श्री भगवानदास	२८	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती सुशीलादेवी	२४	पुत्रवधू		वि.	
८७९—	श्री नरेन्द्रकुमार जैसवाल	३४	मुखिया	मिडिल	वि.	
	श्रीमती नारायनीबाई	५२	मां	मिडिल	विधवा	अध्यापिका-श्री दिगम्बर जैन
	श्रीमती सरस्वती	२८	पत्नी		वि.	पाठशाला, मुरार
	श्री मुकेशकुमार	१५	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
८८०—	श्रीमती प्यासोबाई जैसवाल	७०	मुखिया		विधवा	
८८१—	श्री बारेलाल जैसवाल	२८	मुखिया		वि.	अध्यापिका-श्री दिगम्बर जैन,
	श्रीमती विमलादेवी	२२	पत्नी		वि.	पाठशाला, मुरार
८८२—	श्री गनेशराम जैसवाल	४८	मुखिया		वि.	फर्म:-गनेशराम बाबूलाल जैन,
	श्रीमती केशरबाई	४५	पत्नी		वि.	नदी सन्तर, मुरार
	श्री बाबूलाल	२७	पुत्र		वि.	
	श्रीमती सुशीलाबाई	२१	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री सुगनचन्द	२२	पुत्र	हा. से.	वि.	फर्म:-सुगनचन्द गनेशराम जैन
	श्रीमती मुन्नीबाई	२०	पुत्रवधू		वि.	
	श्री बटनलाल	१७	पुत्र	मिडिल	अवि.	
८८३—	श्री मनोहरलाल जैसवाल	७०	मुखिया		विधुर	व्यवसाय-गंज, मुरार

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री परमानन्द	६५	भाई		विधुर	व्यवसाय-सदर बाजार, मुरार
	श्रीमती प्यारो	५०	पत्नी		वि.	
	श्री कैलाशचन्द	३६	पुत्र	बी. कॉम.	वि.	सर्विस:- आर. टी. ओ. ऑफिस,
	श्रीमती पुष्पादेवी	३२	पुत्रवधू		वि.	इन्दौर
	श्री ज्ञानचन्द	३४	पुत्र	एम कॉम.	वि.	सेलटैक्स ऑफिसर, उज्जैन
	श्रीमती मुन्नीदेवी	३२	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
८८४—	श्री लालपती जैसवाल	६०	मुखिया		वि.	व्यवसाय
	श्रीमती दुर्गाबाई	५८	पत्नी		वि.	
	श्री प्रकाशचन्द	३२	पुत्र	मिडिल	वि.	मुनीम
	श्रीमती शान्तिदेवी	३०	पुत्रवधू		वि.	
	श्री कैलाशचन्द	२०	पुत्र		अवि.	
८८५	श्री भजनलाल जैसवाल	७०	मुखिया		विधुर	व्यवसाय
	श्री शिखरचन्द	४०	पुत्र		वि.	
	श्रीमती कमलादेवी	३८	पुत्रवधू		वि.	
	श्री सुरेन्द्रकुमार	२१	पौत्र	हा. से.	अवि.	सर्विस:-यातायात विभाग, भोपाल
	श्री नरेन्द्रकुमार	१९	पौत्र	ओवरसियर	अवि.	
	श्री अरविन्दकुमार	१७	पौत्र	बी. ए. I	अवि.	
	कुमारी सुनीता	१४	पौत्री	मिडिल	अवि.	
८८६—	श्री गुलाबचन्द जैसवाल	४०	मुखिया		वि.	सर्विस:-कोऑपरेटिव स्टोर, मुरार
	श्रीमती मुन्नीबाई	३५	पत्नी		वि.	
	श्री उमेशकुमार	१६	पुत्र		अवि.	
८८७—	श्री रतनलाल जैसवाल	३२	मुखिया	मेट्रिक	वि.	अध्यापक
	श्रीमती कमलादेवी	२६	पत्नी		वि.	
८८८—	श्री गिरधारीलाल जैसवाल	२६	मुखिया	इन्टर	वि.	प्रधान अध्यापक
	श्रीमती विद्यादेवी	२२	पत्नी	मिडिल	वि.	
८८९—	श्री विमलचन्द जैसवाल	३५	मुखिया	बी. कॉम.	वि.	सर्वि:-कमिश्नर ऑफिस, मोतीमहल
	श्रीमती विमलादेवी	३०	पत्नी	मिडिल	वि.	
८९०—	श्रीलाल जैसवाल	५५	मुखिया	मिडिल	वि.	व्यवसाय
	श्रीमती बत्तोबाई	५०	भाईवधू		विधवा	
	श्रीमती धनोबाई	४७	पत्नी		वि.	
	श्री रामप्रसाद	३०	भतीजा	मिडिल	वि.	
	श्रीमती भगवतीबाई	३२	भतीजावधू		वि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री रतनचन्द	२३	पुत्र	इन्टर	वि.	सर्विस-सी० टी० आई
	श्रीमती गुणमाला	२२	पुत्रवधू	मेट्रिक	वि.	
	श्री रमेशचन्द	२०	पुत्र	मिडिल	वि.	व्यवसाय
	श्रीमती राधादेवी	२०	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री अशोककुमार	१६	भतीजापुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	श्री जीवनलाल	१५	पुत्र	नवीं	अवि.	
८६१—	श्री दीनानाथ जैसवाल	५७	मुखिया		वि.	व्यवसाय
	श्रीमती कौसाबाई	५५	पत्नी		वि.	
	श्री ज्ञानचन्द	२६	पुत्र	इन्टर	वि.	अध्यापक-श्री दि० जैन पाठशाला,
	श्रीमती मायादेवी	१८	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	मुरार
८६२—	श्री शंकरलाल जैसवाल	४२	मुखिया	इन्टर	वि.	व्यवसाय-गंज, मुरार
	श्रीमती कस्तूरीबाई	३८	पत्नी		वि.	
	कु० सरोज	१४	पुत्री	मिडिल	अवि.	
८६३—	श्री विधीचन्द जैसवाल	४५	मुखिया		विधुर	व्यवसाय-सदर बाजार, मुरार
	श्रीमती रमकोबाई	६५	मां		विधवा	
८६४—	श्री सोनपाल जैसवाल	५२	मुखिया		वि.	व्यवसाय-आदि
	श्रीमती सहोद्राबाई	५७	बहिन		विधवा	
	श्रीमती सक्कोबाई	४६	पत्नी		वि.	
	श्री रमेशचन्द	२२	पुत्र	एम० ए०	वि.	सर्विस-ए. जी. आफिस, मोतीमहल
	श्रीमती गुनमाला	२०	पुत्रवधू	मेट्रिक	वि.	
	श्री कैलाशचन्द	१६	पुत्र	इन्टर	अवि.	
	श्री महावीरप्रसाद	१५	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
८६५—	श्री घनश्यामदास जैसवाल	६०	मुखिया		वि.	सर्विस-जे० सी० मिल्स, ग्वा०
	श्रीमती द्रोपदीबाई	५४	पत्नी		वि.	
	श्री गनेशीलाल	३०	पुत्र	ग्यारहवीं	वि.	तिलक फाईनेन्स ट्रेडिंग कारपोरेशन
	श्रीमती विद्यादेवी	२६	पुत्रवधू		वि.	जैन बिल्डिंग गंगामाई सन्तर, मुरार
	श्री सुरेशकुमार	१६	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
८६६—	श्री रामकिशन जैसवाल	५०	मुखिया		वि.	फर्म-जालिमचन्द रामकिशन, गंज
	श्रीमती पांचोबाई	४२	पत्नी		वि.	मुरार
	श्री रमेशचन्द	१८	पुत्र	बी० एससी०	अवि.	
	श्री सुरेशचन्द	१५	पुत्र	नवीं	अवि.	
८६७—	श्री गोपीचन्द जैसवाल	३५	मुखिया	इन्टर	वि.	फर्म-लक्ष्मीराम नन्दराम जैन, गंज

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती अगूरीदेवी	३१	पत्नी	मिडिल	वि.	
८९८—	श्री दुर्गाप्रसाद जैसवाल	३७	मुखिया	मिडिल	वि.	फर्म-घृत स्टोर सदर बाजार, मुरार
	श्रीमती लज्जावती	३२	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री ज्ञानचन्द	१५	पुत्र	हा० से०	अवि.	
८९९—	श्री किशनस्वरूप जैसवाल	२४	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस-यातायात विभाग लश्कर
	श्रीमती इन्द्रादेवी	२१	पत्नी	मिडिल	वि.	
९००—	श्री टिल्लेभगवान जैसवाल	४०	मुखिया		अवि.	व्यवसाय-मिष्ठान्न
	श्रीमती जानकीबाई	८०	मां		विधवा	
९०१—	श्री मुन्शीलाल जैसवाल	५५	मुखिया		विधुर	व्यवसाय
	श्रीमती भोलीबाई	७०	मां		विधवा	
	श्री पदमचन्द	२०	पुत्र	मेट्रिक	वि.	जैन आर्ट स्टूडियो, सदर बाजार
	श्रीमती चन्द्रेश	१९	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	मुरार
९०२—	श्री मुन्शीलाल जैसवाल	४५	मुखिया		वि.	फर्म-मुन्शीलाल महेशचन्द, गंजगेट
	श्रीमती सोनाबाई	३६	पत्नी		वि.	
	श्री महेशचन्द्र	१९	पुत्र	बी० ए० प्रथम	अवि.	
	कु० मनोरमा	१६	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
९०३—	श्री ज्ञानचन्द गोलालारे	३२	मुखिया	बी०कॉम०	वि.	
	श्रीमती ज्ञानकुमारी	२८	पत्नी		वि.	
९०४—	श्री हरगोविन्ददास पल्लीवाल	५०	मुखिया	मिडिल	वि.	व्यवसाय
	श्रीमती विमलादेवी	३५	पत्नी		वि.	
	श्री रामअवतार	२१	पुत्र	नवीं	वि.	
	श्रीमती कमलादेवी	१९	पुत्रवधू		वि.	
	श्री कैलाशचन्द	१९	पुत्र		अवि.	
	श्री महेशचन्द	१७	पुत्र	नवीं	अवि.	
	श्री सुरेशचन्द	१४	पुत्र	मिडिल	अवि.	

शम्भूमल की बगीची :—

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
९०५—	श्री सुरेन्द्रकुमार गर्ग अग्रवाल	३२	मुखिया	बी ए.	वि.	सर्विस:-जे. एण्ड के. सेन्टर, केन्टीन,
	श्रीमती प्रफुल्ललता	२४	पत्नी	मेट्रिक	वि.	मुरार
९०६—	श्रीमती राजाबेटी	३२	मुखिया	मेट्रिक	विधवा	अध्यापिका:-प्राइमरी कन्या स्कूल
९०७—	श्रीमती अनेकाबाई	६०	मुखिया		विधवा	
९०८—	श्री बेतरामजी	५०	मुखिया		विधुर	मुनीम:-हिम्मतराम आसीराम जी

शम्भूमल की बगीची, मुरार

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
१०९	श्री मुन्नीलाल जैसवाल	३५	मुखिया	मिडिल	वि.	फर्म:-तुलाराम चतुर्भुज जैन,
	श्रीमती सहोद्राबाई	५०	मां		विधवा	गंज मुरार
	श्रीमती केलाबाई	३०	पत्नी		वि.	
	श्री वीरेन्द्रकुमार	२८	भाई	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती किरनदेवी	२२	भ्रातावधू	मिडिल	वि.	
	श्री अनिलकुमार	१४	पुत्र	मिडिल	अवि.	
११०	श्री कपूरचन्द जैसवाल	४२	मुखिया		वि.	फर्म:-भोलाराम प्रेमराज जैन,
	श्रीमती राजेश्वरी	४०	पत्नी		वि.	गंज मुरार, फोन नं. ६६४, ८१७
	श्रीमती बालोबाई	६०	मां		विधवा	भोलाराज प्रेमराज जैन, इन्दरगंज
	कुमारी गुणमाला	१५	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	फोन नं. २६५, लश्कर
	कुमारी वनमाला	१४	पुत्री	मिडिल	अवि.	
	श्रीमती सरोजदेवी	३२	भ्रातावधू	मिडिल	विधवा	
१११	श्री हजारीलाल जैसवाल	२१	मुखिया	बी. ए. I	वि.	सर्विस-एल. आर डिपॉर्टमेन्ट
	श्रीमती गंगाबाई	४५	मां		विधवा	
	श्रीमती गुणमाला	१८	पत्नी		वि.	
	श्री विमलकुमार	१८	भाई	बी. ए. II	अवि.	
११२	श्री श्रीलाल जैसवाल	५५	मुखिया		विधुर	फर्म:-मोतीलाल नेमीचन्द,
	श्रीमती धनकोबाई	८२	मां		विधवा	गंज मुरार
	श्रीमती रमकोबाई	६२	बहिन		विधवा	
	श्री नेमीचन्द	३०	पुत्र	मिडिल	वि.	
	श्रीमती कमलादेवी	२४	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री महेशचन्द	१६	पुत्र	बी. एस-सी.	अवि.	
११३	श्री दीपचन्द	१६	मुखिया	मिडिल	विधुर	व्यवसाय गंज, मुरार
११४	श्री ज्ञानचन्द जैसवाल	५०	मुखिया	मिडिल	वि.	फर्म:-ज्ञानचन्द पदमचन्द जैन,
	श्रीमती असर्फीदेवी	४५	पत्नी		वि.	गंज मुरार, फोन. नं. ६१६
	श्री पदमचन्द	२०	पुत्र	बी. ई. III	अवि.	
	श्री केवलचन्द	१८	पुत्र	बी. एस सी. II	अवि.	
	कुमारी सुधा	१४	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
११५	श्री खूबचन्द जैसवाल	५५	मुखिया		वि.	फर्म-खूबचन्द रमेशचन्द, सदरबाजार
	श्रीमती बिट्टोबाई	५०	पत्नी		वि.	
	श्री ताराचन्द	३२	पुत्र		अवि.	
	श्री रमेशचन्द	२६	पुत्र	मिडिल	वि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती कुसुमदेवी	२३	पुत्रवधू		वि.	
	श्री सुमतिचन्द	२१	पुत्र	एम.कॉम.	वि.	सर्विस
	श्रीमती महेन्द्री	१६	पुत्रवधू	मेट्रिक	वि.	
६१६—	श्री ओछेलाल जैसवाल	६५	मुखिया	मिडिल	विधुर	फर्म-घासीलाल ओछेलाल, गंज मुरार
	श्री कपूरचन्द	३५	पुत्र	मिडिल	वि.	
	श्रीमती कपूरचन्द	२८	पुत्रवधू		वि.	
	श्री कमलकुमार	१४	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
६१७—	श्री मातादीन जैसवाल	४५	मुखिया		वि.	व्यवसाय
	श्रीमती धनवन्ती	४०	पत्नी		वि.	
	श्री प्रेमचन्द	२६	पुत्र	मिडिल	वि.	
	श्रीमती अंगूरीबाई	२६	पुत्रवधू		वि.	
	श्री मन्नीलाल	२०	पुत्र	हा० से०	वि.	
	श्रीमती विमला	१८	पुत्रवधू	मेट्रिक	वि.	
	श्री रमेशचन्द	१८	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
६१८—	श्री फूलचन्द जैसवाल	७०	मुखिया		विधुर	फर्म-फूलचन्द जैनेन्द्रकुमार, गंज मुरार
	श्री रामचरन	३७	पुत्र	मेट्रिक	वि.	सर्विस—मन्डी कमेटी मुरार
	श्रीमती किरनदेवी	३५	पुत्रवधू		वि.	
	श्री वीरेन्द्रकुमार	२१	पौत्र	हा० से०	अवि.	
	श्री सुरेशचन्द	१६	पौत्र	बी०एस०सी० I	अवि.	
	श्री नरेशकुमार	१६	पौत्र	इन्टर	अवि.	
	श्री सुभाषचन्द	१४	पौत्र	मिडिल	अवि.	
	श्री जैनेन्द्रकुमार	२६	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	फर्म-फूलचन्द जैनेन्द्रकुमार
	श्रीमती राजमती	२४	पुत्रवधू		वि.	
	श्री देवेन्द्रकुमार	२४	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती हेमलता	२१	पुत्रवधू		वि.	
	श्री राजेन्द्रकुमार	२२	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	दुकान-मुरार
	कु० कमला	१७	पुत्री		अवि.	
६१९—	श्री नत्थीलाल जैसवाल	३५	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस
	श्रीमती अंगूरीदेवी	२८	पत्नी		वि.	
	श्री दिनेशकुमार	१४	पुत्र	मिडिल	अवि.	
	कु० शकुन	१५	पुत्री	नवीं	अवि.	अध्ययन
	श्री चन्द्रसेन	२४	भाई	मेट्रिक	वि.	

शम्भूमल की बगीची व ठण्डी सड़क, मुरार

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती सुमनदेवी	२१	भाईवधू	नवीं	वि.	
६२०—	श्री भजनलाल	६०	मुखिया		वि.	सर्विस
	श्रीमती जनकाबाई	५४	पत्नी		वि.	
	श्री गुलाबचन्द	२८	पुत्र	मिडिल	वि.	सर्विस
	श्रीमती लौंगाबाई	२४	पुत्रवधू		वि.	
	श्री कोमलचन्द	१६	पुत्र	हा० से०	अवि.	
	श्री राकेशकुमार	१४	पुत्र	मिडिल	अवि.	

ठण्डी सड़क :—

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
६२१—	श्री कैलाशचन्द जैसवाल	३६	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस-म्युनिसपैलटी, लश्कर
	श्रीमती स्वरूपीदेवी	३०	पत्नी		वि.	
	श्री नेमीचन्द	३२	भाई	नवीं	वि.	दलाल-गंज, मुरार
	श्रीमती शान्तीदेवी	३०	पत्नी	मिडिल	वि.	
	कु० सुन्दरी	१४	पुत्री	मिडिल	अवि.	
	श्री महेन्द्रकुमार	१३	पुत्र	मिडिल	अवि.	
	श्रीमती भूरीबाई	६०	मां		विधवा	
६२२—	श्री मदनलाल जैसवाल	२५	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस
	श्रीमती विमलादेवी	२२	पत्नी		वि.	
६२३—	श्री गोकुलचन्द नायक	५०	मुखिया	मिडिल	विधुर	व्यवसाय
	श्री हरीशचन्द	२१	पुत्र	बी. एस. सी.	वि.	
	श्रीमती गुनमाला	१६	पुत्रवधू	मेट्रिक	वि.	
६२४—	श्री कैलाशचन्द	३२	मुखिया	एम० ए०	वि.	अध्यापक, गव० हायर० से० स्कूल,
	श्रीमती शान्तीदेवी	२६	पत्नी		वि.	मुरार
६२५—	श्री हरलाल मूंजी	४६	मुखिया		वि.	व्यवसाय
	श्रीमती कलावती	४०	पत्नी		वि.	
	श्री बाबूलाल	३२	पुत्र	मिडिल	वि.	
	श्रीमती सरलादेवी	२८	पुत्रवधू		वि.	
६२६—	श्रीमती रमकोबाई	७०	मुखिया		विधवा	
	श्रीमती बारोली	५०	बहू		विधवा	
६२७—	श्री भागचन्द भोलाभारे	६०	मुखिया		वि.	व्यवसाय-सदर बाजार
	श्रीमती केशरबाई	५०	पत्नी		वि.	
	श्री बाबूलाल	३२	पुत्र		वि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती कमलाबाई	२६	पुत्रवधू		वि.	
	श्री महेन्द्रकुमार	१६	पुत्र	मिडिल	वि.	
	श्रीमती सरलादेवी	१६	पुत्रवधू		वि.	
	श्री वीरेन्द्रकुमार	१५	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
६२८—	श्री श्यामलाल	६२	मुखिया		विधुर	
गर्म सड़क :—						
६२६—	श्री शान्तीलाल कोहिले	३८	मुखिया	बी० ए०	वि.	सर्विस-पंजाब नेशनल बैंक, मुरार
	श्रीमती लीलादेवी	३२	पत्नी		वि.	
	कु० ऊषा	१४	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
घास मण्डी :—						
६३०—	श्री कन्हैयालाल परवार	६५	मुखिया		वि.	व्यवसाय-बजाज खाना, मुरार
	श्रीमती नन्दीबाई	४५	पत्नी		वि.	
	श्री भीकमचन्द	१८	पुत्र	हा० से०	वि.	
	श्रीमती राजकुमारी	१४	पुत्रवधू		वि.	
	श्री रमेशचन्द	१४	पुत्र	मिडिल	अवि.	
६३१—	श्री श्यामलाल जैसवाल	५२	मुखिया		अवि.	
	श्रीमती भग्गोबाई	४७	पत्नी		वि.	
	श्री दीपचन्द	२६	पुत्र		अवि.	सर्विस
	श्री प्रेमचन्द	२४	पुत्र	इन्टर	वि,	सर्विस-जे. सी. मिल्स, बिरलानगर
	श्रीमती प्रेमवती	२१	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री महेशचन्द	१८	पुत्र	बी० ए० /	अवि.	
६३२—	श्री हरीशचन्द जैसवाल	३०	मुखिया	मेट्रिक	वि.	दलाली-इन्दर गंज, लश्कर
	श्रीमती केशरबाई	४८	मां		विधवा	
	श्रीमती प्रेमवती	२५	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री विनोदकुमार	१४	पुत्र	मिडिल	अवि.	
६३३—	श्री बालाराम जैसवाल	४५	मुखिया		अवि.	ठेकेदारी
	श्री राजाराम	४०	भाई		वि.	तेल-मिल
	श्रीमती प्यासोबाई	३२	भाईवधू		वि.	
६३४—	श्री [illegible]लाल परवार	५०	मुखिया		वि.	व्यवसाय-बजाज खाना, मुरार
	श्रीमती रामप्यारी	४०	पत्नी		वि.	
	श्री सुरेशचन्द	१५	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
६३५—	श्री छोटेलाल जैसवाल	५८	मुखिया	मिडिल	वि.	क़िराना मर्चेंट सदर बाजार, मुरार
	श्रीमती आनन्दीबाई	५०	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री महेशचन्द	३२	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती कपूरीदेवी	२५	पुत्रवधू		वि.	
	कु० मधु	१५	पुत्री		अवि.	
गंज :—						
६३६—	श्री गनेशीलाल दोशी	६१	मुखिया		वि.	हजारीमल गुलाबचन्द, ठेकेदार
	श्रीमती गुल्लोबाई	५७	पत्नी		वि.	फोन नं० ११७, २०७
	श्री बाबूलाल	३६	पुत्र	एम० ए०	वि.	एटको टाईल्स-इन्डस्ट्रियल ऐरिया,
	श्रीमती कमलाबाई	३५	पुत्रवधू		वि.	ग्वालियर, फोन १२६५
	श्री महेन्द्रकुमार	३०	पुत्र	इन्टर	वि.	
	श्रीमती कमलाबाई	२८	पुत्रवधू	मैट्रिक	वि.	
	श्री प्रेमकुमार	२८	पुत्र	टे. टा. डिप्लोमा	वि.	सर्विस-ग्वालियर रेयन
	श्रीमती शोभादेवी	२५	पुत्रवधू	मेट्रिक	वि.	
	श्री अशोककुमार	१६	पौत्र	इन्टर	अवि.	
	श्री प्रदीपकुमार	१४	पौत्र	नवी	अवि.	
अनाज मण्डी :—						
६३७—	श्री कालीचरण जैसवाल	४६	मुखिया		वि.	व्यवसाय-गंज मुरार
	श्रीमती रूपादेवी	४०	पत्नी		वि.	
	श्री गेंदालाल	२६	भाई	मिडिल	वि.	
	श्रीमती रतनदेवी	२३	भाईवधू		वि.	
	श्री भीखमचन्द	१६	पुत्र	हा० से०	अवि.	
	श्री हरीशचन्द	१४	पुत्र		अवि.	
सिंहपुर रोड :—						
६३८—	श्री लक्ष्मीराम जैसवाल	७०	मुखिया		वि.	
	श्रीमती रम्मोबाई	६०	पत्नी		वि.	
	श्री प्रेमचन्द	४०	पुत्र		वि.	सर्विस-जे० सी० मिल्स, बिरलानगर
	श्री ज्ञानचन्द	३५	पुत्र		वि.	
	श्री जैनोबाई	३०	पुत्रवधू		वि.	
	श्री श्रीलाल	३०	पुत्र	मिडिल	वि.	पटवारी
	श्रीमती लक्ष्मीबाई	२५	पुत्रवधू		वि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री बाबूलाल	२५	पुत्र	मिडिल	वि.	पटवारी
	श्रीमती फूलाबाई	२१	पुत्रवधू		वि.	
	श्री नेमीचन्द	२३	पुत्र	हा० से०	वि.	व्यवसाय
	श्रीमती रतनदेवी	२०	पुत्रवधू		वि	
१३६—	श्री कन्हैयालाल जैसवाल	५८	मुखिया	इन्टर का.दरन	वि.	सूचना एवं प्रकाशन विभाग
	श्रीमती सुभद्राबाई	४८	पत्नी		वि.	(रिटायर्ड)
	श्री पूरनचन्द	२५	पुत्र	नवीं	अवि.	सैनिक सेवा ३-ग्रेनेडियर्स रेजीमेन्ट
	श्री दिनेशचन्द	१७	पुत्र	नवीं	अवि.	अध्ययन-आई० टी० आई० वैल्डिंग
	श्री टेकचन्द	१५	पुत्र	दसवीं	अवि.	

बजाज खाना :—

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
१४०—	श्री श्यामलाल जैसवाल	७०	मुखिया		वि.	फर्म-श्यामलाल रघुवरदयाल, घास
	श्रीमती केशरबाई	५५	पत्नी		वि.	मन्डी, मुरार
	श्री रघुवरदयाल	३३	पुत्र		वि.	
	श्रीमती विमलादेवी	३०	पुत्रवधू		वि.	
१४१—	श्री रामचरण जैसवाल	५०	मुखिया		विधुर	फर्म-रामचरन बद्रीप्रसाद, घास मंडी
	श्री बद्रीप्रसाद	३४	पुत्र	प्रथमा	वि.	
	श्रीमती कैलादेवी	३०	पुत्रवधू		वि.	
	श्री अशोककुमार	१४	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
१४२—	श्री कैलाशचन्द जैसवाल	२४	मुखिया	एम. कॉम.	वि.	सर्विस
	श्री विजयदेवी	१८	पत्नी	हा० से०	वि.	
१४३—	श्रीमती राधाबाई जैसवाल	४५	मुखिया		विधवा	
	श्री महावीर प्रसाद	११	पुत्र		अवि.	

कोतवाली सन्तर :—

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
१४४—	श्री मोतीलाल जैसवाल	५०	मुखिया		वि.	व्यवसाय
	श्रीमती बदामीबाई	३५	पत्नी		वि.	
	श्री प्रेमचन्द	४५	भाई		अवि.	
	कु० लीलाबाई	१४	पुत्री	नवमी	अवि.	
१४५—	श्री श्यामलाल पाण्डवीय	७०	मुखिया	इन्टर,विशारद	विधुर	सामाजिक कार्यकर्ता, लेखक
	श्री रघुवरदयाल	६५	भाई	एल०एल० बी०	वि.	एडवोकेट, म. प्र. हाईकोर्ट
	श्रीमती लक्ष्मीदेवी	६०	भातावधू	मेट्रिक	वि.	
	श्री महेन्द्रकुमार	३५	भतीजा	बी.एससी.	वि.	सर्विस-जे.सी. मिल्स पावर हाऊस

कोतवाली सन्तर, सौदागर सन्तर व सुदामा पुरी कॉलोनी, मुरार

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती शान्तीदेवी	३०	भतीज बधू		वि.	
	श्री मानवेन्द्रकुमार	२५	भतीजा	बी० ई०	अवि.	इन्जीनियर
	श्री मणीन्दकुमार	२३	भतीजा	M B. B.S.	अवि.	हाउस सर्जन, जे. ए. हास्पीटल
६४६—	श्री कुन्जीलाल जैसवाल	५५	मुखिया		वि.	व्यवसाय
	श्रीमती राजोबाई	४०	भाई		वि.	
	श्री बाबूलाल	३०	भतीजा	इन्टर	वि.	अध्यापक-प्राथमिक पाठशाला
	श्रीमती शान्तीबाई	२५	भतीजाबधू		वि.	गिरवाँव
६४७—	श्री रतनलाल सिंघल	४०	मुखिया	मेट्रिक	वि.	ठेकेदार
	श्रीमती रुकमनी देवी	३८	पत्नी		वि.	
	कु० इन्द्रा	१८	पुत्री	बी.ए० *II*	अवि.	अध्ययन
	कु० गुनमाला	१६	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
	कु० मन्जु	१४	पुत्री	मिडिल	अवि.	
६४७—	श्री मानिकचन्द सिंघल	२३	मुखिया	बी. कॉम.	वि.	
	श्रीमती फूलवती	५१	मां		वि.	
	श्रीमती सुशीलाबाई	२०	पत्नी	मेट्रिक	वि.	
	श्री राजकुमार	१६	भाई	हा० से०	अवि.	

सौदागर सन्तर मुरार—

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
६४८—	श्री किशोरीलाल जैसवाल	४८	मुखिया	मेट्रिक	वि.	फर्म-किशोरीलाल राजकुमार जैन
	श्रीमती शान्तीदेवी	४४	पत्नी		वि.	
	श्री राजकुमार	२३	पुत्र	हा० से०	वि.	
	श्रीमती मुन्नीबाई	२२	पुत्रबधू	मिडिल	वि.	
	श्री चेतराम	१५	पुत्र	मिडिल	अवि.	

सुदामा पुरी कॉलोनी :—

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
६४९—	श्री चतुरीमल जैसवाल	४०	मुखिया		वि.	
	श्रीमती चमेलीबाई	३५	पत्नी		वि.	
६५०—	श्री सियाराम जैसवाल	५०	मुखिया		वि.	
	श्रीमती सुखनीदेवी	४२	पत्नी		वि.	
	श्री छीतरमल	२२	पुत्र	मिडिल	अवि.	सर्विस
	श्रीमती रामकली	१८	पुत्रबधू		वि.	
	श्री लालताप्रसाद	१८	पुत्र		अवि.	सर्विस

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
महारानी लक्ष्मीबाई रोड:—						
६५१—	श्री गणेशराम जैसवाल	३२	मुखिया		विधुर	हलवाई की दुकान
	श्री नेमीचन्द	२६	भाई		वि.	
	श्रीमती मूलीदेवी	१८	भाईवधू		वि.	
माल रोड:—						
	श्री रतनलाल जैसवाल	५६	मुखिया	मिडिल	वि.	क्लाथ मर्चेंट गंजगेट, मुरार
	श्रीमती रम्भोबाई	५५	पत्नी		वि.	
	श्री दिनेशकुमार	२४	पुत्र	इन्टर	वि	
	श्रीमती पुष्पलता	२०	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री विनोदकुमार	२१	पुत्र	इन्जीनियरिंग	अवि.	
	कु० उमा	१४	पुत्री	नवमी	अवि.	
६५२—	श्री जिनेन्द्रकुमार सिंघल	२६	मुखिया	इन्टर	वि.	ए. एस. जैन कं., मालरोड, मुरार
	श्रीमती ओमवती	२३	पत्नी	विद्याविनोदनी	वि.	
	श्री अशोककुमार	२०	भाई	बी०कॉम० II	अवि.	
	कु० स्नेहलता	१६	भानजी	इन्टर	अवि.	
६५३—	श्री प्रेमचन्द शाहजाज	३२	मुखिया		वि.	सर्विस
	श्रीमती प्रेमचन्द	२६	पत्नी		वि.	
नदी संतर:—						
६५४—	श्री गेंदालाल शाह	४५	मुखिया	मिडिल	वि.	पटवारी
	श्रीमती काशीबाई	४०	पत्नी		वि.	
	श्री रामेश्वरदयाल	१५	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
खुला सन्तर मुरार:--						
६५५—	श्री मंगलचन्द ढिलवारिया	५५	मुखिया		वि.	कृषि कार्य
	श्रीमती देवकुंवर	५०	पत्नी		वि	
	श्रीमती मुरलीधर	२५	पुत्र	मिडिल	वि.	सर्विस-कोपरेटिव स्टोर्स, मुरार
	श्रीमती केलादेवी	२२	पुत्रवधू		वि.	
६५६—	श्री बुधचन्द ढिलवारिया	२८	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस-कोपरेटिव बैंक भांडेर
	श्रीमती जमुनीबाई	६०	माँ		विधवा	
	श्रीमती ज्ञानदेवी	२२	पत्नी		वि.	
रिसाला बाजार मुरार:--						
६५७	श्री प्राणनारायण	२४	मुखिया	बी.ई. V	अवि.	विद्यार्थी इन्जीनियरिंग कालेज
६५८—	श्री रिखबचन्द	२२	मुखिया	बी.ई. IV	अवि.	

मन्दिर मार्गी जैन श्वेताम्बर समाज, लश्कर

(१४ वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों का विवरण)

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
सराफा बाजार:—						
१—	श्री भवरलाल मूथा	३८	मुखिया	मिडिल	वि.	फर्म:—आसकरण भवंरलाल, सर्राफ
	श्रीमती राजबाई	३२	पत्नी		वि.	
	श्रीमती बीसीबाई	८०	माँ		विधवा	
२—	श्री बीसूलाल पारख	५६	मुखिया	मिडिल	वि.	फर्म:—भैरोंदान बीसूलाल सर्राफ,
	श्रीमती अमरदेवी	५०	पत्नी		वि.	फोन : नं० २१६८
	श्री पारसमल	२५	पुत्र	बी. कॉम.	वि.	
	श्रीमती ज्योति	२२	पुत्रवधू	बी. कॉम.	वि.	
	श्री वीरचन्द	२२	पुत्र	बी. कॉम II	अवि.	
	श्री राजेन्द्रकुमार	१५	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	कु० पद्मा	१४	पुत्री	हा० से०	अवि.	
३—	श्री मनोहरमल फोफलिया	५०	मुखिया	B.A.,LL.B.	वि.	अभिभावक
	श्रीमती कंचनबाई	४७	पत्नी		वि	
	श्री नरेन्द्रकुमार	२३	पुत्र		अवि.	
	श्री वीरेन्द्रकुमार	१६	पुत्र		अवि.	
	श्री अजयकुमार	१२	पुत्र		अवि.	
	श्री विजय कुमार	१०	पुत्र		अवि.	
	कुमारी सरोज	१८	पुत्री		अवि.	
४—	श्री सुगनराज बारीवाल	३८	मुखिया	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती कमलाबाई	३३	पत्नी	मिडिल	वि.	
	कुमारी विजय	१४	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
	श्रीमती चुन्नीबाई	५०	माँ		विधवा	
५—	श्री सूरजराज बारीवाल	५३	मुखिया	मेट्रिक	वि.	भागीदार-जनसेवक कायने. रजि०,
	श्रीमती सुभद्रा बारीवाल	४७	पत्नी		वि.	सेवक आदि, फोन नं० : २३६४

सराफा बाजार, लश्कर

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
६—	श्री कानमल काठेड़	५५	मुखिया		वि.	व्यवसाय-रेस्टोरेन्ट
	श्रीमती हीरादेवी	४०	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री शीतलकुमार	२६	पुत्र	इन्टर	वि.	सर्विस:—पी० डब्ल्यू० डी०,
	श्रीमती विमला	२२	पुत्रवधू		वि.	नवगांव, म० प्र०
	श्री विजयकुमार	२१	पुत्र	मिडिल	अवि.	व्यवसाय—कपड़ा
	कुमारी ज्ञान	१८	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
	श्री वीरेन्द्रकुमार	१५	पुत्र	नवीं	अवि.	
७—	श्री मुन्नालाल कोठारी	४७	मुखिया		विधुर	कोठारी रेस्टोरेन्ट, सराफा बाजार
	श्री कान्तिकुमार	२१	पुत्र		अवि.	
	श्री शान्तिकुमार	१६	पुत्र	मिडिल	अवि.	
	श्री लक्ष्मीकुमार	१७	पुत्र		अवि.	
	कुमारी सुशीला	१५	पुत्री		अवि.	
८—	श्री हजारीमल भूथा	३५	मुखिया	मेट्रिक	वि.	शासकीय ठेकेदारी
	श्रीमती कमलाबाई	३०	पत्नी		वि.	
	श्रीमती लक्ष्मीबाई	६०	माँ		विधवा	
९—	श्री नेमीचन्द भण्डारी	३३	मुखिया	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती पुष्पा	२८	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री सुमेरचन्द	२५	भाई	मेट्रिक	वि.	सर्विस:—जे. सी. मिल्स, ग्वालियर
	श्रीमती तारादेवी	२०	भाई वधू	हा. से.	वि.	
	श्री शान्तीलाल	२१	भाई	बी. ए.	अवि.	
	कुमारी कंचन	१४	बहिन	मिडिल	अवि.	
	श्रीमती सायरकंवर	६०	माँ		विधवा	
१०—	श्री कानमल बख्तावत	५०	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस—टोडरमल सिफारिशमल
	श्रीमती तारादेवी	४०	पत्नी		वि.	
	श्री कैलाशचन्द्र	२८	पुत्र	इन्टर	वि.	सर्विस—सेशन कोर्ट ग्वालियर
	श्रीमती पुष्पा	२४	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री गोकुलचन्द	२४	पुत्र	बी. ए. II	अवि.	सर्विस—सहकारी बाजार
११—	श्री पन्नालाल ललिंग	४५	मुखिया		वि.	वस्त्र व्यवसायी
	श्रीमती जीवनकंवर	४०	पत्नी		वि.	
	श्री विमलचन्द	१४	पुत्र	मिडिल	अवि.	
१२—	श्रीमानकचन्द ललिंग	३८	मुखिया		वि.	वस्त्र व्यवसायी
	श्रीमती सवंरीबाई	३६	पत्नी		वि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती मिश्रीबाई	७०	माँ		विधवा	
	श्री जवाहरलाल	२६	भाई		अवि.	
१३—	श्री गुमानमल बच्छावत	५५	मुखिया		वि.	सर्विस:—माँ जररल पब्लिकेशन्स
	श्रीमती गुमानबाई	५०	पत्नी		वि.	
	श्री निहालचन्द	२८	पुत्र	मिडिल	अवि.	सर्विस:—भगवती प्रिन्टिंग, प्रेस
	श्री ज्ञानचन्द	२३	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती कश्मीरी देवी	१९	पुत्रवधू		वि.	
	श्री नरेन्द्र	१५	पुत्र		अवि.	
१४—	श्री हीराचन्द मेहता	४५	मुखिया	मिडिल	वि.	वस्त्र व्यवसाय
	श्रीमती जवरीबाई	३८	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री प्रकाशचन्द	२४	पुत्र	बी. ए. I	अवि.	
	श्री रमेशचन्द	२०	पुत्र	बी. ए. II	अवि.	
	श्री अशोककुमार	१८	पुत्र	बी. ए. I	अवि.	
	श्री राजेन्द्रकुमार	१६	पुत्र	बी. ए. I	अवि.	
	श्री हेमकुमार	१४	पुत्र	मिडिल	अवि.	
	श्रीमती इमरतीबाई	६०	माँ		विधवा	
१५—	श्री गुमानमल लोढ़ा	६२	मुखिया	मिडिल	वि.	
	श्रीमती चांदबाई	५५	पत्नी		वि.	
	श्री चन्दनमल	३५	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	सर्विस कलेक्ट्रेट ग्वालियर,
१६—	श्री हंसराज कोठारी	४०	मुखिया	मेट्रिक	वि.	कोठारी सन्स,
	श्रीमती प्रेमकुमारी	३७	पत्नी		वि.	महावीर गोटा फैक्ट्री,
	श्री अभयकुमार	२०	पुत्र	B.S.C. III	अवि.	फोन : नं० २४१२
	श्री अजीतकुमार	१९	पुत्र	बी. कोम. III	अवि.	
	श्रीमती गेंदाबाई	६५	मां		विधवा	
१७—	श्री बागमल कोठारी	६६	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस:—कोठारी सन्स
	श्रीमती गुलाबबाई	६०	पत्नी		वि.	
	श्री दौलतमल	३१	पुत्र	मेट्रिक	वि.	सर्विस:—असिस्टेन्ट हैड केशियर,
	श्रीमती राजेन्द्रकुमारी	३०	पुत्रवधू		वि.	स्टेट बैंक आफ इण्डिया, ग्वालियर
	श्री सरदारमल	२५	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	श्री कपूरचन्द	१९	पुत्र	बी. कॉम II	अवि.	
	कुमारी लीला	१७	पुत्री	नवीं	अवि.	
१८—	श्री नेपालसिंह लूणावत	५०	मुखिया	मेट्रिक	वि.	व्यवसाय-सोना चांदी, नया सराफा

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती चन्द्राबाई	४०	पत्नी		वि.	
	श्री नरेन्द्रकुमार	३०	पुत्र		वि.	सर्विसः—तार निर्माता कारखाना,
	श्रीमती सुशीलाबाई	२५	पुत्रवधू		वि.	फरीदाबाद
	श्री नगेन्द्रकुमार	२५	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	सर्विसः—जे. सी. मिल्स ग्वालियर
	श्री मनोजकुमार	२१	पुत्र	नवीं	अवि.	
	श्री सुरेशकुमार	१९	पुत्र	मिडिल	अवि.	
	श्री वीरेन्द्रकुमार	१६	पुत्र	नवीं	अवि.	
	श्री चैतन्यकुमार	१४	पुत्र		अवि.	
१९	श्री मांगीलाल कोठारी	५२	मुखिया	नवीं	वि.	सर्विस
	श्रीमती फूलबाई	४९	पत्नी		वि.	
	श्री भवरलाल	२६	पुत्र	नवीं	अवि.	
	कुमारी सुशीला	२३	पुत्री	नवीं	अवि.	
	कुमारी इन्द्रा	१६	पुत्री		अवि.	
२०	श्री रतनचन्द दफ्तरी	६५	मुखिया	मिडिल	वि.	शासकीय पुस्तक विक्रेता
	श्री मानिकचन्द दफ्तरी	४७	भ्राता		वि.	
	श्री राजेन्द्रकुमार	२८	भतीजा	मेट्रिक	वि.	सर्विसः—हेड केशियर, रोडवेज ग्वा.
	श्रीमती पुष्पा	२६	भतीजावधू	मिडिल	वि.	
	श्री वीरेन्द्रकुमार	२४	भतीजा	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती शशिप्रभा	२०	भतीजावधू	मिडिल	वि.	
	श्री आजाद कुमार	१९	भतीजा	बी.कॉम.II	अवि.	सर्विसः—केशियर रिटेल शॉप
२१	श्री बस्तीमल नायटा	४९	मुखिया	एम. कॉम.	वि.	ऐजेन्टः—कृष्णराम बल्देव बैंक लि.
	श्रीमती मालकबाई	४४	पत्नी	मिडिल	वि.	कोलारस
	कुमारी आशा	१५	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
२२	श्री देवेन्द्रकुमार लूनियां	१८	मुखिया	इन्टर	अवि.	
	श्रीमती चमेलीबाई	६५	बड़ी माता		विधवा	
	श्रीमती सम्पतबाई	५०	माता	मिडिल	विधवा	
२३	श्री तेजमल हर्षावत	५६	मुखिया	बी. कॉम.	वि.	पार्टनर्सः—फर्म. एजे. फो. नं. २५७७
	श्रीमती सुशीलाबाई	४८	पत्नी	मिडिल	वि.	मर्केन्टाइल एजेन्सीज फो. नं. ७२५
	श्री अरुणकुमार	२२	पुत्र	बी.ई. फायनल	वि.	ग्वा. अमलेला फैक्ट्री, फो. नं. २५५१
	श्री पारसकुमार	२०	पुत्र	M.B., B.S. II	अवि.	रामप्रसाद तेजमल फोन नं २३६५
	श्री अजीतकुमार	१७	पुत्र		अवि.	
२४	श्री लखमीचन्द बांठिया	३६	मुखिया	मेट्रिक	वि.	जैन गुड्स ट्रांसपोर्ट एजेन्सी,

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती रोशनबाई	३०	पत्नी	मिडिल	वि.	दालबाजार
	श्री कमलचन्द	३३	भ्राता	मेट्रिक	वि	
	श्रीमती सुशीला देवी	२८	भ्रातावधू	मिडिल	वि.	
	श्री ताराचन्द	२२	भ्राता	इन्टर	अवि.	नित नूतन, कला मन्दिर, कमर्शियल,
	श्रीमती लक्ष्मीबाई	६०	मा		विधवा	आर्टिस्ट
२५—	श्री छबीलदास गुजराती	४२	मुखिया	मेट्रिक	वि.	व्यवसायी
	श्रीमती रमा बहिन	३६	पत्नी		वि.	
	श्रीमती मणी बहिन	६०	माता		विधवा	
	कुमारी प्रफुल्ला	१६	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
	श्री हरीश	२३	पुत्र	इलेक्ट्रिक मेकनिक	अवि.	इ० मे० जामनगर, गुजरात, सौराष्ट्र
२६—	श्री कमलाबाई दुबेड़िया	४५	मुखिया	विधवा		
२७—	श्री सोहनलाल पूंगलिया	६०	मुखिया		विधुर	जवाहरात व सोना चांदी के व्यापारी
	श्री विजयकुमार	३०	पुत्र	मेट्रिक	वि.	वस्त्र-व्यवसायी बहादुर पुर
	श्रीमती धनवती	२५	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
२८—	श्री चुन्नीलाल पारख	५५	मुखिया	मिडिल	वि.	भागीदार–फर्म भैरोदान चीमूलाल,
	श्रीमती रूपाबाई	५०	पत्नी		वि.	सर्राफ फोन : नं० २११८
	श्री सन्तोषकुमार	३०	पुत्र	बी. कॉम	वि.	गल्ला व्यवसाय
	श्रीमती मानिकबाई	२५	पुत्रवधू		वि.	
	श्री प्रेमचन्द	२६	पुत्र	हा० से०	वि.	फर्म:-प्रेमचन्द मानिकचन्द सर्राफ
	श्रीमती मीनाबाई	२२	पुत्रवधू		वि.	
	श्री खेमचन्द	२४	पुत्र	बी० ई०	वि.	
	श्रीमती कुमुद	२०	पुत्रवधू	.	वि.	
	श्री मानिकचन्द	२१	पुत्र	बी. कॉम.	अवि.	फर्म:-पारख ब्रदर्स क्लॉथ मर्चेन्ट,
	कुमारी शीला	१८	पुत्री	बी. ए. I	अवि.	सोल एजेन्ट मफतलाल ग्रुप
	कुमारी चन्द्रकला	१६	पुत्री	हा० से०	वि.	
	कुमारी शशिकला	१४	पुत्री	मिडिल	अवि.	
२९—	श्री बाबूलाल पारख	४२	मुखिया	मेट्रिक	अवि.	फर्म:-पारख एण्ड सन्स क्लॉथ,
	श्रीमती मैनादेवी	३२	पत्नी		वि.	मर्चेन्ट फोन : नं० २३२१
	श्री रिखबचन्द	१८	पुत्र	बी. ए. I	अवि.	
	कुमारी विमला	१४	पुत्री	हा० से०	अवि.	
३०—	श्री मानिकचन्द सांतेड़	४६	मुखिया	मेट्रिक	वि.	एजेन्ट-शासकीय प्रकाशन
	श्रीमती चन्द्रावती	४१	पत्नी		वि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	कुमारी कुसुम	१८	पुत्री	बी. ए. II	अवि.	
	कुमारी पुष्पा	१६	पुत्री	मेट्रिक	अवि	
३१	श्रीमती ताराबाई	२५	मुखिया	बी. ए. II	विधवा	अध्या. हा. से. स्कूल, रेल्वे कालौनी
दानाओली:—						
३२	श्री बागमल सिंघी	५५	मुखिया	मिडिल	वि.	व्यवसाय, लेन देन, खेती बाड़ी
	श्रीमती श्रेयकंवर	४८	पत्नी		वि.	
	श्री हस्तीमल	२०	पुत्र	बी. एस-सी.	वि.	
	श्रीमती कंचन	१६	पुत्रवधू		वि.	
	कुमारी शकुन्तला	१६	पुत्री	मिडिल	अवि.	
३३	श्री चांदमल सिंघी	७०	मुखिया	मिडिल	वि.	पेन्शनर एवं स्टाम्प विक्रेता
	श्रीमती हुकुम देवी	६५	पत्नी		वि.	
३४	श्री सौभाग्यमल सिंघी	५२	मुखिया	बी. ए.	वि.	सर्विस:-एम. पी. स्टेट कॉ. बैंक
	श्रीमती ताराबाई	४५	पत्नी		वि.	
	श्री जीतमल	२२	पुत्र	बी. ई. IV	अवि.	
	श्री कमलचन्द	१८	पुत्र	बी. एस-सी. I	अवि.	
	श्री सुगनमल	१५	पुत्र	मिडिल	अवि.	
३५	कन्हैयालाल गोठी	६३	मुखिया	मेट्रिक	विधुर	
	श्री दुर्गा प्रसाद	३२	पुत्र	एम. ए.	वि.	सर्विस:-स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया, ग्वा.
	श्रीमती पद्मा	२३	पुत्रवधू		वि.	
	श्री हेमचन्द	२४	पुत्र	हा० से०	अवि.	
३६	श्री कुशलचन्द गुगलिया	५३	मुखिया	७ वीं	वि.	सर्विस:-जे. ए. ग्रुप ऑफ हास्पीटल
	श्रीमती मानकुंवर	५०	पत्नी		वि.	
३७	श्री विजयराज सुनावत	३५	मुखिया	मेट्रिक	अवि.	पत्रकार
३८	श्री दानचन्द सेठिया	३५	मुखिया	इन्टर	वि.	एजेन्ट कारखाना आदि
	श्रीमती बसन्तीबाई	२६	पत्नी		वि.	
३९	श्री भागचन्द बरड़ा	४०	मुखिया	मेट्रिक	अवि.	वस्त्र व्यवसायी
	श्रीमती नानीबाई	४७	भाभी		विधवा	
	श्री निहालचन्द	११	भतीजा	मिडिल	अवि.	
४०	श्रीमती सुगनबाई कुचेरिया	६०	मुखिया		वि.	
४१	श्री मानमल पुराना	६५	मुखिया		वि.	दलाली-सोना चांदी
	श्रीमती पानबाई	५८	पत्नी		वि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
४२—	श्री नथमल सुराना	६०	मुखिया		वि.	दलाली-सोना चांदी
	श्रीमती छोटीबाई	५०	पत्नी		वि.	
	श्री माणचन्द	२१	पुत्र	बी. ए.	वि.	सर्विस
	श्रीमती कमलकान्ता	१८	पुत्रवधू	मेट्रिक	वि.	
	कुमारी आशा	१४	पुत्री	नवीं	अवि.	
४३—	श्रीमती लालबाई सचेती	६५	मुखिया		विधवा	
४४—	श्री पूरनचन्द कोठारी	६५	मुखिया		विधुर	सोने चांदी का व्यवसाय
	श्री प्रेमचन्द	४५	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती सायरदेवी	४०	पुत्रवधू	मेट्रिक	वि.	
	श्री शान्तिकुमार	२०	पौत्र	बी. ए. I	अवि.	
	श्री निर्मलकुमार	१७	पौत्र	B. A. I	अवि.	
	श्री ऋषभकुमार	१५	पौत्र	मेट्रिक	अवि.	
४५—	श्री तेजमल भंसाली	५५	मुखिया	मेट्रिक	विधुर	सर्विस:-पोस्ट मास्टर
४६—	श्री रतीलाल गुजराती सेठ	६७	मुखिया	मेट्रिक	विधुर	फर्म:-रतीलाल बेचरदास-मोटर
	श्री भोगीलाल	४२	पुत्र	नवीं	वि.	पार्टस् डीलर फोन : २००६
	श्रीमती चन्द्रावती	३८	पुत्रवधू		वि.	
	श्री चन्द्रकान्त	३२	पुत्र		वि.	फर्म:-ग्वालियर मोटर हाऊस,
	श्रीमती वसुमती	२८	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	फोन : न० १६८१
	कुमारी वीना	१५	पौत्री	मेट्रिक	अवि.	
४७—	श्री उत्तमचन्द सिंघी	३२	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस:-जे. सी. मिल्स ग्वालियर
	श्रीमती भवरबाई	२७	पत्नी		वि.	
	श्री देवेन्द्रकुमार	२७	भ्राता	मेट्रिक	वि.	सर्विस:-जे० सी० मिल्स
	श्रीमती चन्द्रकान्ता	२२	भ्रातावधू	मिडिल	वि.	
	श्री खेमराज	१४	भ्राता	मेट्रिक	अवि.	
	श्रीमती चम्पाबाई	४८	माता		विधवा	
४८—	श्री सुपार्श्वमल भंसाली	५३	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस:-कमर्शियल एजेन्सीज
	श्रीमती रतनबाई	४७	पत्नी		वि.	
	श्री कमलकुमार	२०	पुत्र	बी. ई. III	अवि.	
	कुमारी पुष्पा	१५	पुत्री		अवि.	
४९—	श्री सौभाग्यमल कोठारी	५०	मुखिया		वि.	किराना व्यवसाय
	श्रीमती राजादेवी	४५	पत्नी		वि.	
	श्री विजयकुमार	२१	पुत्र	मेट्रिक	वि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती लक्ष्मीबाई	२४	पुत्रवधू		वि.	
	श्री नानकचन्द	२३	पुत्र	बी. कॉम. I	अवि.	
	श्री मानिकचन्द	२०	पुत्र	बी. ए. I	अवि.	
	श्री देवेन्द्रकुमार	१४	पुत्र		अवि.	
	कुमारी रतनबाई	१४	पुत्री		अवि.	
नया बाजार:—						
५०	श्री केशरीमल भंसाली	५०	मुखिया	मिडिल	वि.	सोना चांदी व्यवसायी
	श्रीमती कमलादेवी	३८	पत्नी		वि.	
	श्री सतीशकुमार	१७	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
लोहिया बाजार :—						
५१	श्री हीराचन्द कोठारी	५५	मुखिया		वि.	लोहे का व्यवसाय
	श्रीमती सूरजकुमारी	५०	पत्नी		वि.	
	श्री नेमीचन्द	२४	पुत्र	D.H.B., B.A. II	अवि.	मेडीसन व्यवसाय
	श्री निर्मलकुमार	२३	पुत्र	बी. कॉम.	अवि.	
	श्री हेमन्तकुमार	२०	पुत्र	बी. कॉम. I	अवि.	
	कुमारी पद्मा	२०	पुत्री		अवि.	
	कुमारी शशिबाला	१४	पुत्री	मिडिल	अवि,	
५२	श्री देवेन्द्रकुमार कोठारी	३५	मुखिया	B.Sc., LL.B.	वि.	अभिभावक
	श्रीमती कमलादेवी	३०	पत्नी		वि.	
५३	श्री प्रतापचन्द कोठारी	५०	मुखिया		वि,	
	श्रीमती लीलादेवी	४५	पत्नी		वि.	
कम्पू रोड लश्कर :—						
५४	श्री ज्ञानचन्द भंसाली	४७	मुखिया	इन्टर	वि.	पार्टनर.- कर्मशियल एजेन्सी, जयभारत ऑटोमोबाईल्स
	श्रीमती प्रेमलता	४२	पत्नी	मेट्रिक	वि.	
	कुमारी सुधा	२२	पुत्री	M. B. B. S.	अवि.	
	कुमारी मन्जु	२०	पुत्री	बी. ए.	अवि.	
	कुमारी आशा	१८	पुत्री	बी. ए. II	अवि.	
	श्री अनिलकुमार	१६	पुत्र	बी. ई. II	अवि.	
	कुमारी सरोज	१४	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
जवाहर कालोनी :—						
५५—	श्री जीवनमल कोचर	५७	मुखिया	एल.एल.बी.	वि.	रिटायर्ड-आई. एस. ऑफीसर
	श्रीमती रतनदेवी	५४	पत्नी		वि.	फोन : नं० १४६८
	श्री सत्येन्द्रकुमार	३५	पुत्र	केमि. इंजी	वि.	केमिकल्स व्यवसायी, देहली
	श्रीमती दर्शनदेवी	३२	पुत्रवधू	इन्टर	वि.	
	श्री देवेन्द्रकुमार	३३	पुत्र	सिविल इंजी.	वि.	सिविल इन्जीनियर-बम्बई
	श्रीमती सज्जन	२७	पुत्रवधू	मेट्रिक	वि.	
	श्री भूपेन्द्रकुमार	३१	पुत्र	M.B B S., M.B.	वि.	प्राईवेट प्रेक्टिस-कलकत्ता
	श्रीमती कुसुम	२४	पुत्रवधू	इन्टर	वि.	
	कुमारी डॉ० सन्तोष	२६	पुत्री	M. B. B S.	वि.	फीडिओटिक डिपा. क. रा. हास.
	कुमारी पद्मा	२४	पुत्री	M. Sc.	अवि.	टोम्बे ट्रेनिंग स्कूल, बम्बई
	कुमारी सरोज	१७	पुत्री	B. Sc. II	अवि.	
	कुमारी मन्जु	१५	पुत्री	नवीं	अवि.	
५६—	श्री भवरलाल बड्डा	४०	मुखिया	इन्टर	वि.	पार्टनर-मर्कन्टाइल ऐजेन्सीज फोन
	श्रीमती इन्दुरानी	३६	पत्नी		वि.	नं० ७२५
	कु० कुसुमलता	२०	पुत्री	M.BB.S.(F.)	अवि.	
	कु० स्नेहलता	१८	पुत्री	M.B B S. (Pre)	अवि.	
	कु० पूर्णिमा	१६	पुत्री	हा० से०	अवि.	
	कु० मधु	१५	पुत्री	नवीं	अवि.	
५७—	श्री प्रतापसिंह सीपानी	४०	मुखिया	M.A., LL.B.	वि.	असिस्टेन्ट सेल्स मेनेजर, जे० सी०
	श्रीमती चौसीबाई	५५	मां		विधवा	मिल्स
	श्रीमती पदमकुमारी	३५	पत्नी		वि.	
	श्री देवेन्द्रकुमार	३५	भाई	एम. ए.	वि.	व्याख्या-झाबुआ (म० प्र०)
	श्रीमती स्नेहलता	३२	भाई वधू	एम. ए.	वि.	
	श्री शीतलकुमार	२८	भाई	M. Sc. (P.)	वि.	व्याख्याता, भिन्ड (म० प्र०)
	श्रीमती यशवन्तकुमारी	२५	भाई वधू	हा. से.	वि.	
	श्री जीवनसिंह	२२	भाई	हा.से.	अवि.	सर्विस-म० प्र० कौआपरेटिव बैंक
	कु० मदनप्रभा	१९	बहिन	B. Sc. I	अवि.	जबलपुर
	श्री विजयसिंह	१५	भाई	मेट्रिक	अवि.	
५८—	श्री जुगराज बारीवाल	४२	मुखिया	मैट्रिक	वि.	सर्विस-म० प्र० स्टेट कोआपरेटिव
	श्रीमती कमला	३९	पत्नी		वि.	बैंक लि०, ग्वालियर

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	कु० सुशीला	१६	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
	श्री प्रेमराज	१७	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	कु० तारा	१८	पुत्री	हा० से०	अवि.	
माधोगंज :—						
५९—	श्री इन्दरचन्द नायटा	५०	मुखिया	मेट्रिक	वि.	फर्म-नेमीचन्द छोटेलाल सर्राफ
	श्रीमती रतनबाई	४०	पत्नी	हिन्दी	वि.	
	कु० स्नेहलता	१४	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
६०—	श्री बुधराज धारीवाल	४३	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस-जैन कोल डिपो
	श्रीमती जीवनबाई	४०	पत्नी		वि.	
	श्री कुशलराज	२२	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	कु० इन्द्रा	१७	पुत्री	मिडिल	अवि.	
६१—	श्री विजयराज धारीवाल	३१	मुखिया	हा. से.	वि.	सर्विस-जिला सहकारी संघ, मुरेना, म० प्र०
	श्रीमती कमलाबाई	२१	पत्नी	मेट्रिक	वि.	
	श्री अक्षयराज	२०	भ्राता	B. A. M. S. III	अवि.	
	श्रीमती धनकुंवर	६३	माता	मिडिल	विधवा	
६२—	श्री अनूपचन्द दफ्तरी	५५	मुखिया	बी० ए०	वि.	डिपो मैनेजर बैरागढ़, भोपाल
	श्रीमती कमलादेवी	४५	पत्नी	मिडिल	वि.	
	कु. आशाकुमारी	१६	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
लक्ष्मी कॉलोनी:—						
६३—	श्री वर्द्धमान पारख	३५	मुखिया	B. A., LL.B.	वि.	एक्साईज इन्सपेक्टर
	श्रीमती सुशीला	२७	पत्नी	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती केशरबाई	५५	मा		विधवा	
लाला का बाजार :—						
६४—	श्री मंगलचंद श्रीमाल	३५	मुखिया		वि.	सर्विस-सारडा क्लाथ स्टोर्स
	श्रीमती ज्ञानबाई	२५	पत्नी		वि.	
	श्रीमती धन्यकुमारी	७०	मा		विधवा	
	श्री प्रदीपकुमार	१४	पुत्र		अवि.	
६५—	श्री बागमल धारीवाल	६५	मुखिया	मिडिल	वि.	धारीवाल ग्रेड कम्पनी
	श्रीमती धापूबाई	६०	पत्नी		वि.	
	श्री फतेहचन्द	३५	पुत्र	मेट्रिक	वि.	सर्राफी व्यवसाय
	श्रीमती प्रेमलता	३०	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री शेरसिंह	३०	पुत्र	मेट्रिक	वि.	बैंकर्स, हुन्डी परचे की दलाली

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती सुशीला	२७	पुत्रवधू	मैट्रिक	वि.	
	श्री सुल्तानसिंह	२५	पुत्र	बी. कॉम.	वि.	
	श्रीमती राजकुमारी	२२	पुत्रवधू	मेट्रिक	वि.	
	श्री मांगीलाल	२०	पुत्र	बी. कॉम. द्वितीय	अवि.	
	श्री कमलचन्द	१६	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	श्री गुलाबदेवी	८५	मां		विधवा	
६६—	श्री सूरजमल धारीवाल	५४	मुखिया	मिडिल	वि.	हुन्डी पर्चे की दलाली
	श्रीमती शान्तीबाई	४०	पत्नी		वि.	
	श्री ओमप्रकाश	२१	पुत्र	बी. ए. द्वितीय	अवि.	
	श्री विमलचन्द	१६	पुत्र		अवि.	
	श्री ज्ञानचन्द	१७	पुत्र	नवी	अवि.	
जीवाजीगंज :—						
६७—	श्री मानमल सांड	५१	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस-सेन्ट्रल रेल्वे
	श्रीमती कमलाबाई	४६	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री सरदारमल	२८	पुत्र	बी. ए.	वि.	सर्विस-जैन पेट्रोल पम्प
	श्रीमती पुष्पाबाई	२२	पुत्रवधू	मेट्रिक	वि.	
	श्री विजयमल	२४	पुत्र	मिडिल	वि.	ठेकेदारी
	श्रीमती शान्तीबाई	२०	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री अजयमल	२२	पुत्र	मिडिल	अवि.	सर्विस-बस कन्डक्टर
	श्री सुभाषचन्द्र	२०	पुत्र	मिडिल	अवि.	व्यापार
	श्री अशोककुमार	१७	पुत्र	बी०ए० फायनल	अवि.	
	कु० हेमलता	१५	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
६८—	श्री वीरेन्द्रकुमार नायटा	३६	मुखिया	बी. कॉम.	वि.	ट्रैफिक मैनेजर, डी० टी० यू०
	श्रीमती सजनकुमारी	५३	मां	मिडिल	विधवा	
	श्रीमती मीनाकुमारी	३३	पत्नी	मेट्रिक	वि.	
	श्री राजेन्द्रकुमार	३४	भ्राता	बी० ए०	वि.	जैन ब्रदर्स पेट्रोल पम्प, भोपाल
	श्रीमती सौभाग्य सुन्दरी	२८	भ्रातावधू	मेट्रिक	वि.	
	श्री नरेन्द्रकुमार	३२	भ्राता	बी० ए०	वि.	जैन ब्रदर्स पेट्रोल पम्प, लश्कर
	श्रीमती आशारानी	२७	भ्रातावधू	मैट्रिक	वि.	
	श्री महेन्द्रकुमार	३०	भ्राता	B.Sc. Engg.	वि.	व्यवसाय-जैन मोटर्स इन्जीनियर
	श्रीमती मधुरानी	२६	भ्रातावधू	बी०ए०	वि.	विकास लश्कर

परिवार सख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री सुरेन्द्रकुमार	२८	भ्राता	बी० ए०	वि.	जैन मोटर्स-सेल विभाग, लश्कर
	श्रीमती प्रभाकुमारी	२३	भ्रातावधू	मैट्रिक	वि.	
	कु० आशारानी	१६	पुत्री	बी० ए०	अवि.	
	कु० उषारानी	१४	पुत्री	मैट्रिक	अवि.	
जनकगंज लश्कर :—						
६९—	श्री हरसव गुजराती	२८	मुखिया	मैट्रिक	अवि.	ओटोमोबाइल्स डीलर
	श्री धीरेन्द्रकुमार	२१	भतीजा	डी.पी टी.	अवि.	
दौलतगंज लश्कर :—						
७०—	श्री केशरीमल तातेड़	३३	मुखिया		वि.	फर्म-राजस्थान गोटा फेक्टरी
	श्रीमती मनोहरबाई	५५	माँ		विधवा	दौलतगंज फोन नं० २४०१
	श्रीमती समन्दरबाई	२८	पत्नी		वि.	
	श्री प्रकाशचन्द	२५	भाई	बी० ए०	वि.	सर्विस-अजमेर स्टेट कोआपरेटिव
	श्रीमती उगमबाई	२२	भाईवधू		वि.	बैंक, अजमेर
नई सड़क लश्कर :—						
७१—	श्री उत्तमचन्द कांस्टया	५१	मुखिया	मैट्रिक	वि.	सर्विस-सेन्ट्रल बैंक ऑफ इण्डिया,
	श्रीमती केशरबाई	४५	पत्नी	मिडिल	वि.	ग्वालियर
	कु० सुमंगला	१९	पुत्री	बी. ए.	अवि.	
	श्री हेमचन्द	१६	पुत्र	मैट्रिक	अवि.	
ग्वालियर रेयन, बिरला नगर :—						
७२—	श्री हीरालाल श्रीमाल	४३	मुखिया	बी० कॉम०	वि.	मैनेजर, ग्वालियर रेयन
	श्रीमती प्रेमलता	४०	पत्नी		वि.	
	कु० मन्जु	१६	पुत्री	इन्टर	अवि	
	श्री मुकेशकुमार	१४	पुत्र	मिडिल	अवि.	
	श्रीमती दुर्गाबाई	६५	माँ		विधवा	
७३—	श्री भंवरलाल श्रीमाल	३७	मुखिया	मैट्रिक	वि.	वेयर हाउस
	श्रीमती लाड़बाई	३२	पत्नी		वि.	
७४—	श्री छुट्टनलाल श्रीमाल	३५	मुखिया	मैट्रिक	वि.	असिस्टेन्ट टाईम कीपर
	श्रीमती अंगूरीबाई	३२	पत्नी		वि.	
	श्रीमती तीजाबाई	६०	माँ		विधवा	
७५—	श्री जोगेन्द्रकुमार	२७	मुखिया	बी० ए०	वि.	मेन्डिग इन्चार्ज
	श्रीमती सज्जन	२०	पत्नी	मिडिल	वि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
७६—	श्री पदमचन्द गर्ग	३१	मुखिया	B. Tec.	वि.	वीविंग असिस्टेन्ट
	श्रीमती सरोजबाई	२५	पत्नी	मेट्रिक	वि.	
७७—	श्री रमेशचन्द तातेड़	२७	मुखिया	एम० कॉम०	वि.	प्रतिनिधि ग्वालियर रेयन
	श्रीमती चन्द्रकान्ता	२१	पत्नी	मेट्रिक	वि.	

जीवाजीराव कॉटन मिल्स, बिरलानगर :—

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
७८—	श्री पर्वतमल भंडारी	४५	मुखिया	इन्टर	वि.	गोडाउन इन्चार्ज, स्टील फाउन्ड्री
	श्रीमती गुलाबकमल	४०	पत्नी		वि.	
	श्री वीरेन्द्रमल	२४	पुत्र	बी० कॉम०	वि.	सेल्स, टेक्स, इन्कमटेक्स-जे० सी०
	श्री राजेन्द्रमल	२२	पुत्र	टेक्सटाईल डिप्लोमा	अवि.	मिल
	श्री गजेन्द्रमल	२०	पुत्र	इन्टर	अवि.	
७९—	श्री अनिलकुमार सुराना	३२	मुखिया	बी० कॉम०	वि.	फाईबर पर्चेजर
	श्रीमती कैलाशकुमारी	२५	पत्नी	बी० ए०	वि.	
८०—	श्री सरदारसिंह कोठारी	३१	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस—जे० सी० मिल
	श्रीमती सुधा	२८	पत्नी		वि.	
८१—	श्री विमलसिंह मेहता	३०	मुखिया	बी०ई०	वि.	सिविल इन्जीनियर
	श्रीमती श्यामा	२२	पत्नी	बी०ए०	वि.	
	श्री महेशकुमार	१४	भाई	मेट्रिक	वि.	
८२—	श्री अक्षयसिंह राका	६५	मुखिया		विधुर	पेन्शनर-उदयपुर
	श्री भवरलाल राका	३४	पुत्र	मेट्रिक	वि	सर्विस-जे० सी० मिल
	श्रीमती प्रेमलता	२५	पुत्रवधू		वि.	
	श्री भगवतीलाल	२६	पुत्र	बी० ई०	वि.	इन्जीनियर; जे० सी० मिल
	श्रीमती शकुन्तला	२२	पुत्रवधू	मेट्रिक	वि.	
८३—	श्री चन्द्रभानसिंह डावरिया	३०	मुखिया	एम.एस.सी.	वि.	लेखा विभाग, जे० सी० मिल
	श्रीमती सुशीला	२७	पत्नी	मिडिल	वि.	
८४—	श्री त्रिलोकचन्द श्रीमाल	४६	मुखिया	बी.एस.सी.	वि.	जनरल डाइंग असिस्टेन्ट
	श्रीमती स्वरूप	४२	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री भवरलाल	२५	पुत्र	बी० ए०	वि.	मास्टर-जे० सी० मिल स्कूल
	श्रीमती प्रेमलता	२२	पुत्रवधू	मेट्रिक	वि.	
	श्री राजेन्द्रकुमार	२३	पुत्र	बी० ए०	अवि.	सेल्समेन-ग्वालियर रेयन
	श्री वीरेन्द्रकुमार	२१	पुत्र	B. Sc. II	अवि.	
	श्री सुरेन्द्रकुमार	१८	पुत्र	B. Sc. II	अवि.	

जीवाजी राव कॉटन मिल्स बिरला नगर

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री महेन्द्रकुमार	१६	पुत्र	हा० से०	अवि.	
	कु० सरोज	१४	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
८५—	श्री आनन्दमल बड़वत्या	६४	मुखिया		विधुर	पेन्शनर
	श्री शिखरमल	३५	पुत्र	बी० ए०	वि.	सर्विस-जे० सी० मिल
	श्रीमती नवरतनबाई	३०	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
८६—	श्री कजनलाल भंडारी	५४	मुखिया	इन्टर	वि.	डाइंग मास्टर-जे० सी० मिल
	श्रीमती मालतीदेवी	४६	पत्नी		वि.	
	श्री ऋषभचन्द	१८	पुत्र	ड्राईंग डिप्लोमा	अवि.	
८७—	श्री रणवीरसिंह धारीवाल	२१	मुखिया	बी० ए०	अवि.	ट्रेनिंग

साधु मार्गी श्वेताम्बर जैन समाज

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	माधवगंज:—					
८८	श्री ज्ञानचन्द गूगल्या	४७	मुखिया		वि.	जंगलात ठेकेदारी
	श्रीमती कमलादेवी	४०	पत्नी		वि.	
	श्री मूलचन्द	२३	पुत्र	बी० कॉम०	वि.	
	श्रीमती मूलचन्द	१८	पुत्रवधू	इन्टर	वि	
	श्री नवलचन्द	२०	पुत्र	हा० से०	अवि.	
	कु० चन्द्रकान्ता	१५	पुत्री	हा० से०	अवि.	
८९	श्री प्रतापचन्द गूगल्या	४०	मुखिया	मेट्रिक	वि.	फर्म-प्रतापचन्द रिखबचन्द ब्रदर्स,
	श्रीमती कपूरीबाई	५०	माँ		विधवा	पिछाड़ी शितोले, माधवगंज
	श्रीमती हीराबाई	३५	पत्नी		वि.	
	श्री रिखबचन्द	३३	भाई	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती लक्ष्मीबाई	२६	भाई वधू		वि.	
	श्री बालचन्द	२४	भाई	बी एस सी.	वि.	
	श्री यशवन्त	१६	भाई	हा० से०	अवि.	
	कु० मृदुला	१८	पुत्री	हा० से०	अवि.	
	श्री अशोककुमार	१७	पुत्र	हा० से०	अवि.	
	कु० ऊषा	१५	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
९०	श्री छज्जममल नायटा	६०	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस-जे० सी० मिल्स
	श्रीमती तेजकुमारी	४५	पत्नी		वि.	
	श्री हस्तीमल	३२	पुत्र	मिडिल	वि.	
	श्रीमती शांतीबाई	२६	पुत्रवधू		वि:	
	सराफा बाजार लश्कर:—					
९१	श्री दीपचन्द मेहता	५५	मुखिया	मिडिल	वि,	फर्म-हमीरमल छगनमल सराफ,
	श्रीमती इन्द्राबाई	५०	पत्नी		वि.	सराफा बाजार फोन नं० २४१४
	श्री मानिकचन्द	३४	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती कमलाबाई	२९	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री प्रेमचन्द	३३	पुत्र	मेट्रिक	वि.	जैन ब्रदर्स, ५५ मारवाड़ी बाजार,
	श्रीमती तिलक सुन्दरी	२८	पुत्रवधू		वि,	बम्बई फोन नं० ३२४५६८
	श्री पदमचन्द	३१	पुत्र	एम० कॉम०	वि.	सर्विस-जे० सी० मिल्स
	श्रीमती पारसकुमारी	२६	पुत्रवधू	मेट्रिक	वि.	
	श्री हेमचन्द मेहता	२५	पुत्र	बी० कॉम०	वि.	
	श्रीमती युवराज	२२	पुत्रवधू	बी० ए०	वि.	
६२—	श्री उदयचन्द बापना	७४	मुखिया		विधुर	फर्म-उदयचन्द बागमल बापना
	श्री टीकमचन्द	४१	पुत्र	मेट्रिक	वि.	फर्म-बापना क्लोथ स्टोर्स
	श्रीमती चन्द्रकान्ता	३८	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	आर० बापना ब्रदर्स, वस्त्र व्यव-
	कु० वीरकान्ता	२१	प्रपोत्री M.A.		वि.	साय, सराफा बाजार, फोन २४३६
	कु० हेमलता	१७	प्रपोत्री	बी० ए० II	अवि.	
	श्री वीरेन्द्रकुमार	१६	प्रपोत्र	बी० कॉम०	अवि.	
६३—	श्री सुगनचन्द मूथा	५८	मुखिया		वि.	सोने-चांदी के दलाल
	श्रीमती जतनबाई	४८	पत्नी		वि.	
	श्री सुरेन्द्रकुमार	२६	पुत्र	एम० कॉम०	वि.	सर्विस-यू. को० बैंक सराफा बाजार
	श्रीमती विमलेश	२३	पुत्रवधू		वि,	
	श्री देवेन्द्रकुमार	२४	पुत्र	हा० से०	अवि.	सर्विस-ऐयर फोर्स
	कु० ललेश	२०	पुत्री	बी० ए० II	अवि.	
	कु० सुषमा	१७	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
	कु० स्नेहलता	१४	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
	श्रीमती सुगनबाई	७०	मां		विधवा	
६४—	श्री सुगनचन्द मेहता	८१	मुखिया		वि.	
	श्रीमती सुगनबाई	६१	पत्नी		वि.	
	श्री धीरचन्द	४०	पुत्र	मिडिल	वि.	हुण्डी-पर्चे के दलाल
	श्रीमती अंगूरीबाई	३५	पुत्रवधू		वि.	
	श्री नवलचन्द मेहता	३३	पुत्र		अवि.	सर्विस
	श्री नेमीचन्द	३०	पुत्र		अवि.	कृषि कार्य
६५—	श्री स्वरूपचन्द मेहता	५५	मुखिया	मेट्रिक	वि,	फर्म-ग्वालियर अम्ब्रेला फैक्ट्री
	श्रीमती भगवती	५०	पत्नी		वि.	फोन नं० २५५१
	श्री विजयकुमार	३१	पुत्र	मैट्रिक	वि.	फर्म लक्ष्मी ट्रेडर्स
	श्रीमती शकुन्तला	२६	पुत्रवधू		वि.	
	श्री हरीशचन्द्र	२४	पुत्र	एम० ई० टी०	अवि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	कु० विमला	१८	पुत्री	हा० से०	अवि.	
	कु० सरोज	१५	पुत्री	मेट्रिक	अवि	
	श्री सुरेन्द्रकुमार	१४	पुत्र	मिडिल	अवि.	
९६—	श्री मोतीलाल मेहता	५५	मुखिया		वि.	
	श्रीमती भंवरबाई	५०	पत्नी		वि.	
९७—	श्री सूरजमल सचेती	७०	मुखिया		विधुर	फर्म-टोडरमल सिकारिशमल,
	श्री चन्द्रकुमार	४०	पुत्र	मेट्रिक	वि.	जय भारत ओटोमोबाईल्स,
	श्रीमती चन्द्रकुमारी	३६	पुत्रवधू		वि.	घर फोन न० २२८४
	श्री राजेन्द्रकुमार	३४	पुत्र	इन्टर	वि.	दुकान फोन न० २१९७
	श्रीमती शकुन्तला	३०	पुत्रवधू	मेट्रिक	वि.	
	श्री सुभाष	२३	प्रपोत्र	B Sc., L L. B.	अवि.	
	श्री सतीशकुमार	२०	प्रपोत्र	B. Sc. I	अवि.	
	श्री अजीतकुमार	१८	प्रपोत्र	बी०एस सी०	अवि.	
	कु० बीन	१६	प्रपोत्री	नवी	अवि.	
	श्री प्रमोद	१४	प्रपोत्र	मिडिल	अवि.	
९८—	श्री श्रीचन्द रिर्यावाले	२७	मुखिया	मेट्रिक	वि.	काश्तकारी
	श्रीमती बाई जी	५१	दादी		विधवा	
	श्रीमती बुन्नाई साव	४१	मां		विधवा	
	श्रीमती सुशीला	२२	पत्नी		वि.	
	श्री अजीत	२०	भाई	बी. एस सी.	अवि.	
	कु० ऊषा	१९	बहिन	मेट्रिक	अवि.	
	कु० चन्द्रप्रभा	१८	बहिन	मेट्रिक	अवि.	
	कु० विजया	१६	बहिन	मेट्रिक	अवि.	
	कु० मधु	१४	बहिन	मिडिल	अवि.	
९९—	श्री दीपचन्द भडकतिया	४०	मुखिया	मेट्रिक	वि.	फर्म-जैन आभूषण भंडार, सराफा
	श्रीमती जतनबाई	३५	पत्नी		वि.	बाजार
१००—	श्रीमती पन्नालाल कोचेटा	६०	मुखिया		विधवा	
१०१—	श्री सागरमल	६०	मुखिया	मिडिल	विधुर	मुनीम—भेरोंदान चीमूलाल सर्राफ
१०२—	श्री मुन्नालाल भड़कतिया	३२	मुखिया	मेट्रिक	वि.	फर्म-धन्नालाल मुन्नालाल सर्राफ,
	श्रीमती सेवजीबाई	६०	मां		विधवा	सराफा बाजार
	श्रीमती निर्मलाबाई	२४	पत्नी	मेट्रिक	वि.	
	श्री प्रेमचन्द	२४	भाई	मैट्रिक	अवि.	ओसवाल इलेक्ट्रिक स्टोर्स, सराफा

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री हरीशचन्द	२२	भाई	मैट्रिक	अवि.	
	श्री कमलचन्द	२०	भाई	C. A.(Pre.)	अवि.	
१०३	श्री जगदीशचन्द मित्तल	४८	मुखिया	इन्टर	वि.	व्यवसाय
	श्रीमती सरोजलता	४२	पत्नी	इन्टर, विशारद	वि.	
	श्री ऋषभकुमार	२४	पुत्र	बी. ए.	अवि.	सर्विस-स्टेट बैंक आफ इन्दौर
	श्री अरुणकुमार	२१	पुत्र	बी० कॉम०	अवि.	ऐजेन्ट-इन्श्योरेन्स
	कु० शोभारानी	२०	पुत्री	बी० ए० प्रथम	अवि.	
	श्री प्रदीपकुमार	१६	पुत्र	मैट्रिक	अवि.	

जनकगंज, लश्कर :—

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
१०४—	श्री कमलचन्द मेहता	४३	मुखिया	मैट्रिक	वि.	खजान्ची-सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया
	श्रीमती मेनाबाई	६५	मां		विधवा	ग्वालियर
	श्रीमती आशारानी	३७	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री नरेशकुमार	१८	पुत्र	बी. कॉम. प्रथम	अवि.	
	कु० हेमलता	१६	पुत्री	मैट्रिक	अवि	
१०५—	श्री फूलचन्द	६७	मुखिया	मैट्रिक	वि.	मेसर्स-कुशलचन्द जैन, टोपी बाजार
	श्रीमती लक्ष्मीदेवी	६३	पत्नी	मिडिल	वि.	लश्कर फोन नं० २०२२
	श्री मानकचन्द	२७	पुत्र	इन्टर	वि.	
	श्रीमती सुशीला	२४	पुत्रवधू	मैट्रिक	वि.	
	श्री अशोककुमार	१९	पुत्र	बी. एस सी.	अवि.	
	श्री सुभाष	१८	पुत्र	बी० कॉम०	अवि.	
	श्री हेमन्तकुमार	१६	प्रपौत्र	बी.एस सी.I	अवि.	
१०६—	श्रीमती कमलादेवी	६५	मुखिया	मिडिल	विधवा	मेसर्स-कुशलचन्द जैन, घर फोन
	श्री महेन्द्रकुमार	२५	पुत्र	बी०ए०	वि.	नं० २५५०, दुकान २०२२
	श्रीमती पुष्पलता	२४	पुत्रवधू	इन्टर	वि.	
१०७—	श्री विनयचन्द कोचेटा	४६	मुखिया		वि.	ट्रान्सपोर्ट व्यवसाय फो० नं० २०८४
	श्रीमती उमरावदेवी	४४	पत्नी		वि.	
	श्री निहालचन्द	२४	पुत्र	बी० ई० IV	अवि.	
	कु० रतन	२०	पुत्री	बी० ए०	अवि.	
	कु० पवन	१८	पुत्री	बी० ए०	अवि.	
	श्री सुरेश	१५	पुत्र	हा० से०	अवि.	
१०८	श्री पी० एन० जैन	४२	मुखिया	बी० ए०	वि.	सर्विस-ए० जी० आफिस

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती संतोषकुमारी	३७	पत्नी	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती फूल झड़िया	६३	माँ		विधवा	
१०९—	श्री मुन्शीराम जैन	७५	मुखिया	बी० ए०	विधुर	शिन्दे की छावनी
	श्री राजकुमार	५१	पुत्र	बी० ए०	वि.	सर्विस–जे० सी० मिल्स
	श्रीमती रतनप्रभा	४७	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री सुभाषचन्द	२४	प्रपौत्र	हा० से०	अवि.	
११०—	श्री ध्रुवेशचन्द चन्द्रावत	४८	मुखिया	बी० ए०	वि	अध्यापक-डी० ए० वी०, हा० से०
	श्रीमती पुष्पादेवी	४०	पत्नी	मिडिल	वि.	स्कूल लश्कर
१११—	श्री फतेहचन्द बरडा	५१	मुखिया	मैट्रिक	वि.	
	श्रीमती बनकवरी	४७	पत्नी		वि.	
	कु० पुष्पा	१९	पुत्री	बी० ए०	अवि.	
	श्री सुरेन्द्रकुमार	१६	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	कु० प्रेमलता	१४	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	

जीयाजीराव कॉटन मिल्स, बिरलानगर :—

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
११२—	श्री सरदारसिंह नौरडिया	४६	मुखिया		वि.	जनरल मैनेजर फोन नं० ८३३
	श्रीमती मायादेवी	४०	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री बसंतकुमार	१८	पुत्र	B. Sc.	अवि.	
	कु० नीलम	१५	पुत्री	इन्टर	अवि.	
	श्रीमती गेंदाबाई	६०	माँ		विधवा	
११३—	श्री सज्जनसिंह नौरड़िया	३६	मुखिया	इन्टर	वि.	असिस्टेन्ट प्रोडक्सन मैनेजर, न्यू
	श्रीमती चन्द्रा	३२	पत्नी		वि.	स्पिनिंग मिल्स
	कु० ऊषा	१६	पुत्री	हा० से०	अवि.	
	श्री अशोककुमार	१४	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
११४—	श्री श्रीचन्द भंसाली	३१	मुखिया	B. Sc.	वि.	डाय हाऊस सुपरिन्टेन्डेन्ट
	श्रीमती मनोरमा	२८	पत्नी	मेट्रिक	वि.	
११५—	श्री विक्रमसिंह नौरड़िया	३२	मुखिया	बी०ए०	वि.	वेयर हाऊस, जे० सी० मिल्स
	श्रीमती कलादेवी	३०	पत्नी		वि.	
११६—	श्री चन्द्रभानसिंह डाबरिया	३०	मुखिया	M. Sc.	वि.	पड़ता विभाग-जे० सी० मिल्स
	श्रीमती सुशीलाबाई	२७	पत्नी	मिडिल	वि.	

सिमको बिरलानगर :—

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
११७—	श्री सोहनसिंह माक	५०	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस-सिमको स्टोर
	श्रीमती सन्तोष	४८	पत्नी		वि.	

सिमको व ग्वालियर रेयन, बिरलानगर

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री राजेन्द्रसिंह	२०	पुत्र	बी. कॉम.	वि,	एजेन्ट-हिन्द साईकिल बम्बई
	श्रीमती कमला	२८	पुत्रवधू		वि.	
	श्री सुरेन्द्रकुमार	२६	पुत्र	बी० कॉम०	अवि.	
	श्री कुशलसिंह	१८	पुत्र	बी० ए० II	अवि.	
	कु० आशा	१६	पुत्री	बी. ए I	अवि.	
	श्री गजेन्द्रकुमार	१४	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
११८—	श्री रतनसिंह पानगड़िया	३५	मुखिया	बी. कॉम.	वि.	चीफ एकाउन्टेन्ट
	श्रीमती सुशीलाबाई	३०	पत्नी	मिडिल	वि.	
११९—	श्री प्रकाशचन्द कोठारी	४१	मुखिया	बी ए.	वि.	सर्विस-जे० सी० मिल्स
	श्रीमती चन्दन	३६	पत्नी	मेट्रिक	वि.	
	कु० नलिनी	१६	पुत्री।	इन्टर	वि.	
	कु० शालिनी	१४	पुत्री	इन्टर	वि.	
१२०—	श्री आनन्द भंडारी	२४	मुखिया	M. sc.	वि.	सर्विस-सेल्स विभाग
	श्रीमती पुष्पा	२०	पत्नी	B. A. II	वि.	
१२१—	श्री कन्हैयालाल चोरड़िया	४०	मुखिया	मेट्रिक	वि.	मैनेजर सिमको
	श्रीमती सरला	३५	पत्नी		वि.	रेसी० फोन ८३६, आफिस ९७०

ग्वालियर रेयन बिरलानगर :—

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
१२२—	श्री पूनमचन्द सरावगी	२५	मुखिया	बी. कॉम.	वि.	सर्विस-ग्वालियर रेयन
	श्रीमती विद्या.देवी	२०	पत्नी	मिडिल	वि.	

तेरापन्थी साधुमार्गी श्वेताम्बर जैन समाज

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
माधवगंज, लश्कर :—						
१२३—	श्री गंगाधर सरावगी	४२	मुखिया	मिडिल	वि.	फर्म-गंगाधर इन्दरचन्द, माधवगंज
	श्रीमती विद्यादेवी	४०	पत्नी		वि.	थोक वस्त्र व्यवसायी, फोन न०
	श्री जगदीशप्रसाद	१८	पुत्र	बी० कॉम० II	अवि.	२२७६
	कु० विनोद	१४	पुत्री	हा० से०	अवि.	
१२४—	श्री इन्दरचन्द सरावगी	४०	मुखिया	मिडिल	वि.	फर्म-इन्दरचन्द जगदीशप्रसाद थोक
	श्रीमती मणिदेवी	६०	मा		विधवा	वस्त्र व्यवसायी, माधवगंज फोन
	श्रीमती सावित्री	२०	पत्नी		वि.	न० २२७६
	कु० ज्ञानवती	१६	पुत्री	हा० से०	अवि.	
१२५—	श्री गौरीशंकर सरावगी	३५	मुखिया		वि.	फर्म-गौरीशंकर ओमप्रकाश, थोक
	श्रीमती लक्ष्मीदेवी	६५	मां		विधवा	वस्त्र व्यवसायी फो० न० २०६६
	श्रीमती सारदादेवी	३२	पत्नी		वि.	
१२६—	श्री इन्दरचन्द नौलखा	५१	मुखिया		वि.	फर्म-छगनलाल कन्हैयालाल, वस्त्र
	श्री छगनलाल	३६	भाई		वि	व्यवसायी, माधवगंज
	श्रीमती राईबाई	३८	पत्नी		वि.	
	श्री अभयकुमार	१८	पुत्र	हा० से०	अवि.	
	श्री कन्हैयालाल	१७	भाई पुत्र	हा० से०	अवि.	
	कु० कमला	१४	भाई पुत्री	मिडिल	अवि.	
१२७—	श्री खेवरचन्द बैद	२५	मुखिया	मेट्रिक	वि	फर्म-खेवरचन्द पवनकुमार, वस्त्र
	श्रीमती सरोजदेवी	२२	पत्नी		वि.	व्यवसायी, माधवगंज
	श्री माणिकचन्द	१६	भाई	बी० कॉम०	अवि.	
१२८—	श्री चांदमल बैद	४२	मुखिया		वि.	फर्म-चम्पालाल अशोककुमार, वस्त्र
	श्रीमती मोतीदेवी	४०	पत्नी		वि.	व्यवसायी, माधवगंज
	कु० कमला	१६	पुत्री	इन्टर	अवि.	
	श्री चम्पालाल	१४	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
१२९—	श्री सुन्दरमल छाजेड़	४५	मुखिया		वि.	फर्म-जयहिन्द स्टोर्स, वस्त्र व्यव-
	श्रीमती मालतीदेवी	४२	पत्नी		वि.	सायी, माधवगंज
	श्री सन्तोषकुमार	१९	पुत्र	बी० कॉम.	अवि.	
	कु० पुखराज	१४	पुत्री	मिडिल	अवि.	

चिटनीश की गोठ व दही मन्डी, दौलतगंज, लश्कर

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
चिटनीश की गोट :—						
१३०	श्री कमलाप्रसाद सरावगी	५०	मुखिया		वि.	फर्म-कमलाप्रसाद ओमप्रकाश
	श्रीमती सीतादेवी	४८	पत्नी		वि.	थोक वस्त्र व्यवसायी; माधवगंज
	श्री ओमप्रकाश	२६	पुत्र	बी. कॉम.	वि.	फर्म-गौरीशंकर ओमप्रकाश थोक
	श्रीमती लक्ष्मीदेवी	२४	पुत्रवधू	मेट्रिक	वि.	वस्त्र व्यवसायी, माधवगंज
	श्री प्रेमचन्द	२०	पुत्र	बी. ई. III	अवि.	फोन नं० २०६६
	कु० विमला	१५	पुत्री	इन्टर	अवि.	
१३१	श्री नेमीचन्द वैद्य	४८	मुखिया		वि.	फर्म-नेमीचन्द भंवरलाल, वस्त्र
	श्रीमती इमरतीबाई	४२	पत्नी		वि.	व्यवसायी, चिटनीश गोठ
	श्री भंवरलाल	२५	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती सुशीलादेवी	२०	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	कु० कंचन	१४	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
दही मन्डी, दौलतगंज :—						
१३२	श्री सूरजमल छाजेड़	६०	मुखिया		विधुर	फर्म-जयचन्द निहालचन्द, वस्त्र
	श्री जयचन्द	३६	पुत्र		वि.	व्यवसायी, दही मन्डी
	श्रीमती पानाबाई	३०	पुत्रवधू		वि.	
१३३	श्री शुभकरण सेठीया	३०	मुखिया	बी० ए०	वि.	फर्म-एस० के० जैन एण्ड क०, दही
	श्रीमती तारादेवी	२३	पत्नी	मिडिल	वि.	मण्डी
१३४	श्री राजकुमार छाजेड़	१६	मुखिया	मिडिल	अवि.	फर्म-राजकुमार छाजेड़, दहीमण्डी
१३५	श्री लक्ष्मीचन्द छाजेड़	७०	मुखिया		वि.	
	श्रीमती पुष्पादेवी	६०	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री गोपालचन्द	१८	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
१३६	श्री चांदसिंह वैद्य	३०	मुखिया	इन्टर	वि.	
	श्रीमती मानजीबाई	५७	मा		विधवा	
	श्रीमती रूपवती	२८	पत्नी		वि.	
	श्री उम्मेदसिंह	२०	भाई	बी० एस सी०	अवि.	
१३७	श्री रामचन्द्र चोरड़ावत	४४	मुखिया	मिडिल	वि.	फर्म-राजकुमार क्लोथ स्टोर्स, दही
	श्रीमती सरलादेवी	३८	पत्नी		वि.	मण्डी, लश्कर
	श्री राजकुमार	१४	पुत्र	मिडिल	अवि.	
१३८	श्री रावतमल लूणावत	५४	मुखिया		वि.	फर्म-रावतमल, कमलकुमार, वस्त्र
	श्रीमती सुगनीदेवी	४०	पत्नी		वि.	व्यवसायी, दही मण्डी

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री चम्पालाल	२६	पुत्र	हा० से०	वि.	
	श्रीमती कमलाकुमारी	१६	पुत्रवधू	मेट्रिक	वि.	
	श्री भवरलाल	२०	पुत्र	हा० से०	अवि,	
१३९...	श्री ताराचन्द लूणावत	२६	मुखिया	मेट्रिक	वि.	फर्म-ताराचन्द प्रवीणकुमार, वस्त्र
	श्रीमती भंवरीदेवी	२४	पत्नी		वि.	व्यवसायी, दही मन्डी
१४०...	श्री नेमीचन्द सेठीया	५०	मुखिया		वि.	
	श्रीमती केशरबाई	३०	पत्नी		वि.	
	श्री भंवरलाल	१४	पुत्र	मिडिल	अवि.	
माधवगंज :—						
१४१—	श्री दुरगाचन्द सरावगी	८०	मुखिया		विधुर	फर्म-दुरगाचन्द कुन्दनमल, माधवगंज
	श्री कुन्दनमल	४५	पुत्र	इन्टर	वि.	
	श्री बिसवालाल	४०	पुत्र	मेट्रिक	वि.	होजरी वर्क्स
	श्री बाबूलाल	३८	पुत्र		वि.	
	श्री मालचन्द	३२	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
१४२—	श्री गोविन्दप्रसाद	२४	मुखिया	मेट्रिक	अवि.	
	श्री ओमप्रकाश	२०	भाई		अवि.	
दिगम्बर जैन समाज :—						
१४३—	श्री श्यामलाल, माधवगंज	३०	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस-गुलाबचन्द रेशमचन्द
१४४—	श्री रामस्वरूप त्रिपाठी	५०	मुखिया	शास्त्री	विधुर	अध्यापक श्वेताम्बर जैन पाठशाला
डून्डरगंज :—						
१४५—	श्री हरप्रसाद पल्लीवाल	४४	मुखिया		विधुर	व्यापार, जयेन्द्रगंज
	श्रीमती व्यासोदेवी	६५	माँ		विधवा	
	श्री घनश्यामदास	२५	पुत्र	M. Sc (Phy)	वि.	व्याख्याता-शासकीय विज्ञान महा-
	श्रीमती ऊषादेवी	२०	पुत्रवधू		वि.	विद्यालय, ग्वालियर
	श्री राधेश्याम	२५	पुत्र	बी० एस सी०	अवि.	
	श्री रमेशचन्द	२१	भतीजा	इन्टर	अवि.	
	श्री अशोककुमार	१४	पुत्र		अवि.	
	श्री भजनलाल	१४	भतीजा		अवि.	
१४६—	श्री मोतीलाल	४०	मुखिया		वि.	दलाल
	श्रीमती कलावती	३१	पत्नी		वि:	
	श्री पूरनचन्द	१६	पुत्र	मिडिल	अवि.	



जन्म तिथी : माघ सुदी ५ वि०सं० १९६९



विभिन्न छात्रावासों में स्थित जैन छात्र

न०	विद्यार्थी का नाम	उम्र	शिक्षा	वि. अवि.	पिता का नाम	स्थाई पता
श्री जैन वीर नवीन छात्रावास, कटोराताल, लश्कर—						
१	श्री अशोककुमार गोलालारे	१६	B. Com.F.	अवि.	श्री पन्नालाल	सिविल लाईन, ललितपुर
२	श्री कैलाशचन्द गोलालारे	१७	B. Sc. I	अवि.	श्री पूरनचन्द	जैन क्लाथ मर्चेन्ट, कटनी
३	श्री राजेन्द्रकुमार खरौआ	२२	B.A.M.S. (F.)	वि.	श्री बाबूराम	पुराना सराफा, भिन्ड
४	श्री अनिलकुमार गोलसि.	२०	B. A M S-II	अवि.	श्री उल्फतराय	राज कम्पनी गांधी मार्केट, भिन्ड
५	श्री प्रकाशचन्द परवार	१६	बी० कॉम. II	अवि.	श्रीमूलचंद नायक	तांगा स्टेन्ड, ललितपुर
६	श्री शिशुपाल बुखारिया	१६	बी. कॉम. III	अवि.	श्री कपूरचन्द	नजाई बाजार, ललितपुर
७	श्री सुमतचन्द परवार	२१	B.Com LL.B I	अवि.	श्री मानिकचन्द	सराफा बाजार, ललितपुर
८	श्री वीरेन्द्रकुमार गोलालारे	१६	बी. ए. (फा.)	अवि.	श्री जुगलकिशोर	कटरा बाजार, ललितपुर
९	डॉ. वीरेन्द्रकुमार जैसवाल	२३	B Sc., M. B.B.S.IV	अवि.	श्री बालमुकुन्द	जैन मन्दिर रोड, मुरैना
१०	श्री रतनचन्द जैसवाल	२२	M.Sc. (F.)	अवि.	श्री विधिचन्द	पूल कोट, धोलपुर
११	श्री चौधरी सनतकुमार	२१	B. Com. (F.)	अवि.	श्री मानिकचन्द	कटरा बाजार, ललितपुर
१२	श्री अरुणकुमार परवार	२२	बी०कॉम०(F)	अवि.	श्री गुलाबचन्द	डा० निर्मलकुमार जैन, ललितपुर
१३	डा० विमलकुमार एरन	२०	M. B. B.S. III	अवि.	श्री बाबूलाल	पचायती क्लोथ मर्चेंट, कोलारस
१४	डा० विजयकुमार परवार	१६	M.B. B. S. III	अवि.	श्री पूरनचन्द	पी० सी० जैन वकील, गुना
१५	डा० वीरेन्द्रकुमार गोल०	२२	M. B. B. S. III	वि.	श्री झम्मनलाल	४० महावीर गज, भिन्ड
१६	श्री अशोक कुमार खरौआ	१८	I. Sc. (F.)	अवि.	श्री जे के० जैन	मोजाव (मैनपुरी)
१७	श्री आनन्दकुमार लमेचू	२१	M. B. B. S. III	अवि.	श्री रिषभदास	क्लोथ मर्चेंट, भिन्ड
१८	श्री श्रवणकुमार लमेंचू	२३	M. Sc. (F.)	वि.	श्री रिषभदास	क्लोथ मर्चेन्ट, भिन्ड
१९	श्री शिखरचन्द सिंघल	२२	B.A. M. S.	वि.	श्री सुगनचन्द	लुकवासा, जिला शिवपुरी
२०	श्री नवीनचन्द	२१		अवि.	श्री ताराचन्द	७० नर्मदामार्ग, बड़वाहा
२१	श्री सोहनलाल	२३	M. Sc. (P.)	अवि.	श्री कपूरचन्द	जैन साईकल स्टोर्स, श्योपुर
शासकीय विज्ञान महाविद्यालय, ग्वालियर—						
१	श्री विमलचन्द परवाल	२१	B. Sc. Final	अवि.	श्री लखमीचन्द	७७ सरदारपुरा, ललितपुर झांसी
२	श्री विजयकुमार परवार	१६	B. Sc. II	अवि.	,,	,,
३	श्री चन्द्रकुमार गोलालारे	२१	M.Sc (P) Math	अवि.	श्री भैयालाल	महावीर पुरा, ललितपुर झांसी
४	श्री सुरेन्द्रकुमार परवार	२२	B. Sc. Final	अवि.	श्री आनन्दीलाल	ललित पुस्तक भन्डार, ललितपुर
५	श्री राजेन्द्रकुमार परवार	१६	B. Sc. II	अवि.	श्री मानिकचन्द	सराफा बाजार, ललितपुर
६	श्री राजेन्द्रकुमार परवार	१६	B. Sc. II	अवि.	श्री लखमीचन्द	सावरकर चौक, ललितपुर
७	श्री विजयकुमार परवार	२२	B. Sc. Final	अवि.	,, ,,	,, ,,
८	श्री सुरेन्द्रकुमार परवार	१६	B. Sc. II	अवि.	श्री प्यारेलाल	घी मर्चेन्ट, कटरा बाजार, ललितपुर

विभिन्न छात्रावासों व स्थानों पर रहने वाले छात्र—

१	श्री प्रकाशचन्द खण्डेलवाल	२३	M. Com (P.)	अवि.	श्री जानकीलाल	कछवाया, जिला गुना
२	श्री कन्छेदीलाल परवार	२३	M BB.S. Final	अवि.	श्री दयाचन्द्र	क्लाथ मर्चेंट, अशोक नगर
३	श्री वीरेन्द्रकुमार परवार	२०	इन्टर	अवि	श्री रतनलाल	गांधी पार्क, अशोक नगर
४	श्री राजेन्द्रकुमार परवार	१८	इन्टर	अवि.	श्रीबाबूलाल मो.	रामचन्द्र बाबूलाल, कछवाया गुना
५	श्री प्रकाशेन्दुकुमार परवार	१६	B. Sc. I	अवि	श्री कालूराम	छोटी मुहारी, जिला शिवपुरी
६	श्री राजेन्द्रकुमार परवार	१६	B. Sc. I	अवि.	श्री बालचन्द्र	छतियाघाना, शिवपुरी
७	श्री रूपचन्द खरौआ	२२	M. Com.Final	अवि.	श्री राजाराम	कैलाशचन्द्र प्रेमचन्द, जैन भिन्ड
८	श्री बुद्धसेन खरौआ	२४	M.Com LL B.	वि.	श्री गोपीचन्द	नया बाजार, लश्कर
९	श्री जयकुमार खरौआ	२०	B Com Final	अवि.	श्री गुलाबचन्द	क्लाथ मर्चेन्ट, मौ
१०	श्री पदमचन्द	१७	B. Com, I	अवि.	;,	भिण्ड
११	श्री जिनेन्द्रकुमार	१७	B. Com.	अवि.		मौ, (भिण्ड)
१२	श्री राजकुमार काला	२१	D.M E.,B.A.II	अवि	श्री प्रकाशचन्द	नया बाजार, जौरा
१३	श्री पदमकुमार काला	१६	B.A.M.S II	अवि.	श्री प्रकाशचन्द	नया बाजार, जौरा
१४	श्री नरेन्द्रकुमार बरैया	२०	हा० से०	अवि.		शिवपुरी
१५	श्री सूर्यकुमार	२०	B. Com.,LL.B.	अवि.	श्रीमहावीरप्रसाद	शिवपुरी

कृषि महाविद्यालय ग्वालियर—

१	श्री वज्रसेन जैन	२२	B. Sc. Ag (F.)	वि.	श्री नेमीचन्द	ग्राम आमना, पो० भिन्ड
२	श्री दयाचन्द जैन	२१	B. Sc Ag (F.)	वि.	श्री मादीलाल	गोहद (जिला भिन्ड)
३	श्री ताराचन्द जैन	२३	M Sc. Ag. (F.)	अवि.	श्री रामलाल	इटारसी
४	श्री इन्द्रसेन जैन	२१	B.Sc. Ag. (F.)	वि	श्री जयचन्द	गोहद (जिला भिण्ड)

शासकीय आयुर्वेदिक महाविद्यालय ग्वालियर—

१	श्री महेन्द्रकुमार बांझल	२०	B. A. M.S. IV	अवि.	नया छात्रावास, कमरा नं० ४
२	श्री सुरेशचन्द गोयल	२०	B. A. M.S. IV	अवि.	नया छात्रावास, कमरा नं० ४
३	श्री मुन्नालाल जैन	२०	B A. M.S. IV	अवि.	नया छात्रावास, कमरा नं०४

जैन छात्रावास, नई सड़क लश्कर—

१	श्री आनन्दकुमार गोयल	२३	चार्टर्ड एकउन्टेन्सी	अवि.	श्री फूलचन्द	मान्धीगंज, भिण्ड
२	श्री उग्रसेन जैन	२३	C.T.C.I	वि.	श्री गाढेराम	गोंद व रोस्ट फूप, जिला भिन्ड
३	श्री डालचन्द परवार	२३	M. B.B.S. (F.)	अवि.	श्री फूलचन्द	बामोरा (सागर)
४	श्री ताराचन्द खरौआ	२२	M Com. (F)	अवि.	श्री राजाराम	सदर बाजार, भिन्ड
५	श्री सत्यप्रकाश गोयल	२१	M. Sc (P.)	वि.	श्री तोताराम	जीवाजीगंज, मुरैना
६	श्री हरिहरनाथ	२३	M.B. B S.(F.)	वि.	श्री रामेश्वरदयाल	दत्तपुरा, मुरेना
७	श्री वीरेन्द्रनाथ परवार	१८	B. Sc. I	अवि.	श्री रामप्रसाद	मुहारी, जिला शिवपुरी
८	श्री केदारशरण गोयल	२१	B. A. M. S. II	वि.	श्री ख्यालीराम	करैरा
९	श्री राजकुमार परवार	२२	M. Sc. (F.)	अवि.	श्री कन्हैयालाल	कटरा बाजार, ललितपुर
१०	श्री राजेन्द्रकुमार परवार	१८	B. Sc. I	अवि.	श्री बालचन्द	मुहारी (शिवपुरी)
११	श्री राजेन्द्रप्रसाद	२१	M. Sc. (P)	वि.		अम्बाह, मुरेना
१२	श्री रमेशचन्द गोलालारे	१७	इन्टर	अवि.	श्री कुन्दनलाल	लदपुरा जसवन्त नगर, इटावा
१३	श्री प्रकाशचन्द	१७	C. T. T. I	अवि.	श्री ज्ञानचन्द	बंगला बाजार, खन्डा रोड, भिन्ड
१४	श्री पवनकुमार	२३	B. E. Engg	अवि.	श्री राजबहादुर	राजा की मण्डी, आगरा

* * *

जनगणना-विवरण क्रमिका, लश्कर

क्रम	बाजार	पेज नम्बर दिगम्बर	पेज नम्बर श्वेताम्बर	क्रम	बाजार	पेज नम्बर दिगम्बर	पेज नम्बर श्वेताम्बर
१	गुड़ी-गुडा का नाका	१		२६	मस्त का ताजिया	४५	
२	तिलक नगर	२		२७	डीडवाना ओली	४८	
३	कम्पू रोड	२	१४५	२८	मोची ओली	५१	
४	सिकन्दर कम्पू	३		२९	मनीराम का बाड़ा	५३	
५	रायसिंह का बाग	३		३०	घोसी बाड़ा	५६	
६	जामदार खाना	३		३१	पारख जी का बाड़ा	५७	
७	हेमसिंह की परेड़	३		३२	सराफा बाजार	५७, ९५	१३७, १५२
८	मामा का बाजार	४		३३	नई सड़क	६२	
९	माधवगंज	९, २०, ९६	१४७, १५२,	३४	गेंड़े वाली सड़क	६३	
			१५८, १६०	३५	दौलतगंज	६५, ९६	१४९, १५९
१०	कमाठीपुरा	१६		३६	हुजरात मार्ग	६९	
११	गाड़वे की गोठ	१६		३७	नया बाजार	७०	१४५
१२	आपागंज	१६		३८	लोहिया बाजार	७३	१४५
१३	बापू कन्हो की गोठ	१६		३९	इन्दर गंज	७६, १६०	
१४	पुलिस चौकी	१७		४०	ललितपुर कॉलोनी	८०	
१५	चिटनीस की गोठ	१७	१३०	४१	जिन्सी नाला	८०	
१६	बालाबाई का बाजार	१९		४२	सिन्दे की छावनी	८३	
१७	लाला का बाजार	२०	१४७	४३	चन्द्रबदनी नाका	९२	
१८	खासगी बाजार	२०		४४	पाटनकर बाजार	९२	
१९	फडनीस की गोठ	२१		४५	फालके का बाजार	९३	
२०	ढोली बुआ का पुल	२१		४६	जरीपटका	९४	
२१	छत्री बाजार	२१		४७	कमलसिंह का बाग	९४	
२२	जीवाजीगंज	२२	१४८	४८	जवाहर कॉलोनी		१४६
२३	जनकगंज	२३	१४९, १५५	४९	ग्वालियर रेयन, बिरलानगर		१४९, १२२
२४	चाऊ का बाजार	२४		५०	जीवाजीराव कॉटन मिल्स		१५०, १५६
२५	दानाओली	२५	१४३	५१	सिमको, बिरलानगर		१५९

नम्र निवेदन

इस निर्देशिका में यदि:—

* कोई विवरण प्रकाशित होने से छूट गया है,
* प्रकाशित विवरण अधूरा है,
* प्रकाशित विवरण में त्रुटियां हैं,
* प्रकाशित विवरण में कोई परिवर्तन हुआ है—

तो कृपया शीघ्र ही निम्नलिखित पते पर पूरा व सही विवरण भेजने का कष्ट करें। साथ ही भविष्य में होने वाली शासकीय जनगणना में नाम के आगे केवल "जैन" ही लिखवायें, जिससे भारत में जैनों की वास्तविक जनगणना जानी जा सके।

विनीत :

मन्त्री : वर्द्धमान दि० जैन नवयुवक संघ

पाटनी भवन, माधवगंज, ग्वालियर—१

सहयोगी व विज्ञापनदाताओं की सूची

क्रम	फर्म का नाम व पता	पेज नं०
१	इन्डो कॉपीयर, इन्दोर	कवर पर
२	कोठारी सन्स, सराफा बाजार, लश्कर	कवर पर
३	भावना केमीकल एण्ड परफ्यूमरी प्रॉडक्टस्, सराफा बाजार	४२
४	बड़जात्या ट्रेडर्स, विजय नगर, हाथरस	५०
५	दि. बैंक ऑफ बड़ौदा लि. पाटनकर बाजार, लश्कर	५०
६	मे. सूरजलाल सुमेरचन्द, चांदनी चौक, देहली	५८
७	मे. मिट्ठोमल एन्ड संस, चावड़ी बाजार, देहली	६६
८	मे. गुलाबचन्द रेशम चन्द जैन, सराफा बाजार, लश्कर	६६
९	मै सोभाग्यमल जी लुकमान जी, राजादरवाजा, वाराणसी	७४
१०	गगवाल इण्डस्ट्रीज व मे. गणेशीलाल फूलचन्द, लश्कर	८२
११	मे. बन्शीधर विमल चन्द, लोहिया बाजार, लश्कर	८६
१२	मे. रतीलाल बेचरदास, सराफा बाजार, लश्कर	८६
१३	मे. चन्दरलाल गप्पूलाल, डीडवाना ओली, लश्कर	९०
१४	मे. रिखबदास मोतीलाल, सराफा बाजार, लश्कर	९०
१५	मे. गोपीलाल लखमीचन्द सराफा बाजार, लश्कर	९८
१६	ग्वालियर गोटा फेक्ट्री, सराफा बाजार, लश्कर	९८
१७	वूल कार्नर, जैन स्टोर्स, जयाजी चौक, लश्कर	१०६
१८	बापना क्लोथ स्टोर्स, आर बापना ब्रदर्स, सराफा बाजार	१०६
१९	मे. जैन आयरन स्टोर्स, लोहिया बाजार, लश्कर	१०६
२०	मे. कमला प्रसाद ओमप्रकाश, माधवगंज, लश्कर	११४
२१	मे. गंगाधर इन्दर चन्द, माधवगंज, लश्कर	११४
२२	मे. इन्दरचन्द फूलचन्द, दौलतगंज, लश्कर	१२२
२३	जैन मैन्यू० फेक्चरिंग क., सराफा बाजार, लश्कर	१३०
२४	मे. मुन्नीलाल महेन्द्रकुमार, माधवगंज, लश्कर	१३०
२५	प्रकाश आयरन इन्डस्ट्रीज, लोहिया बाजार, लश्कर	१४२
२६	एटको टाईल्स, इन्डस्ट्रियल ऐरिया, ग्वालियर	१४२
२७	मे. गनपतलाल किशन लाल, सराफा बाजार, लश्कर	१५१
२८	मे. वरैया आभूषण भण्डार सराफा बाजार, लश्कर	१५७
२९	देवचन्द जैन रेलवे दलाल व चम्पालाल जैन वस्त्र दलाल	१६१
३०	मे. महावीर जैन स्टोर्स, जयेन्द्र गंज, लश्कर	१६९
३१	ऐपको पिस्टन, भैयालाल प्रेमचन्द व जैन पुस्तक सदन	१७०
३२	जे० बी० मंगाराम, ग्वालियर	१७१
३३	मे. जैन ब्रदर्स टोपी बाजार लश्कर	१७२
३४	ग्वालियर रेयन बिरलानगर	कवर
३५	जे. सी. मिल्स बिरलानगर	कवर

प्रकाशकीय परिचय !

● वर्द्धमान दिगम्बर जैन नवयुवक संघ,
मीझवाना ओली, ग्वालियर-१

प्राचीन काल से ही ग्वालियर भारत का प्रमुख नगर रहा है। यह नगर प्राचीन जैन साहित्य एवं कला का केन्द्र है। ग्वालियर दुर्ग यहाँ की कलाकृतियो एवं सस्कृतियों का जीता-जागता प्रमाण है। ग्वालियर के इतिहास से ज्ञात होता है कि यहाँ राजकीय व समाजिक क्षेत्रों में जैनों का ऊंचा स्थान रहा है। प्राचीन परम्परा को बनाये रखने व सामाजिक कार्यों में गतिशीलता लाने का कार्यभार नवयुवकों के कन्धों पर होता है, उसी उत्तरदायित्व को समझते हुए समाज, धर्म, व राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यो को ध्यान में रखते हुए २ अक्टूबर सन १९६६ को बर्द्धमान दिगम्बर जैन नवयुवक सघ की स्थापना की गई। जिसका प्रथम नेतृत्व अध्यक्ष प्रो० शान्तिलाल जी गिरधरवाल, उपाध्यक्ष श्री उत्तमचन्द्र गगवाल, मन्त्री श्री धर्मचन्द बाकलीवाल कोषाध्यक्ष श्री केशरीमल पाटनी ने किया। इसके अतिरिक्त ४५ उत्साही सदस्यो ने मिलकर सघ का प्रारम्भिक गठन कर, कार्य प्रारम्भ किया। द्वितीय वर्ष मे अध्यक्ष प्रो० लालचन्द जी, मन्त्री श्री केशरीमल पाटनी व कोषाध्यक्ष श्री मोतीलाल जी बज के नेतृत्व मे कार्य किया गया। वर्तमान के पदाधिकारी और सदस्यो की विस्तृत सूची पृष्ठ न० एक पर दी गई है।

समाज के युवको का शारीरिक बौद्धिक, आध्यात्मिक, नैतिक, सांस्कृतिक विकास करना। तन, मन, धन से समाज व धर्म की सेवा करना, कुरीतियों को दूर कर व्यवहारिक उचित प्रवृत्तियो को कार्यान्वित करना, गरीबो की शिक्षा आदि आवश्यक कार्यों में मदद करना, बन्धुत्व, सामाजिक एकता, मानवता आदि गुणो को जागृत करते हुए जैन धर्म का प्रचार-प्रसार करना, सघ के मुख्य उद्देश्य हैं। सबंधित वातावरण उपस्थिति करने के लिये समय-समय पर गोष्ठियां व सभाएं आयोजित की जाती हैं। यथा समय बाहर के प्रसिध्दित वक्ताओ को आमान्त्रित कर समाज व सदस्यों को उनके अनुभवों व ज्ञान से लाभान्वित किया जाता रहा है। वर्तमान में बर्द्धमान पुस्तकालय एव वाचनालय, पुस्त-कोष स्पोर्ट्स् क्लब आदि विधिवत रचनात्मक कार्य सस्था द्वारा किये जा रहे हैं। पृथक-पृथक जातियों व सम्प्रदाओं में बटे हुए जैन समाज को नगर के भिन्न भिन्न भागों मे रहने सहने और उनका ग्वालियर-व्यापी असाम्प्रदायिक संगठन न होने के कारण आपस में जानकारी नही के बराबर है। इस कारण बहुत समय से आवश्यकता अनुभव की जा रही थी कि ग्वालियर के जैनो के बारे मे एक निर्देशिका प्रकाशित की जावे जिससे उनकी सांस्कृतिक सामाजिक, आर्थिक राजनैतिक तथा मन्दिरो धर्मशालाओं, पाठशालाओ संस्थाओं आदि का जनसाधारण को परिज्ञान हो ताकि पारस्परिक जानकारी हो और सम्पर्कों मे वृद्धि हो सके। इसी प्रेरणा ने सघ को ग्वालियर निर्देशिका प्रकाशित करने को प्रेरित किया।

निर्देशिका मे सम्पूर्ण सामग्री के अनुक्रम को नियत करने और विवरण को प्रस्तुत करने मे सम्प्रदायिक भेद को गौण रखा गया है। दिगम्बर, श्वेताम्बर जैसवाल आदि सभी की जानकारी विस्तृत दृष्टिकोण रखते हुये दी गई है। अपने ढग का नया और ग्वालियर जैन समाज के लिये इस तरह का पहिला प्रयास होने से अनेक प्रारम्भिक जटिल समस्याओं का सामना करना पड़ा, बारबार रूप रेखा बदलना पड़ी। कार्य सभी को सुन्दर और उपयोगी लगने पर भी पूरी सामग्री एकत्रित करने मे हर किसी का पर्याप्त सहयोग प्राप्त न हो सका। निर्देशिका को पूर्णतया स्वावलम्बी बनाने हेतु जैन व्यापारियो व उद्योग पतियो से विज्ञापन प्राप्त किये हैं। विज्ञापन दाताओ ने बड़ी उदारता से विज्ञापन देकर हमे आर्थिक सहयोग प्रदान किया है। जिसके कारण हम इस निर्देशिका को समाज मे प्रचारार्थ लागत के एक चौथाई मूल्य पर देने मे सफल हुए है।

इसमे ग्वालियर के जैन के अतीत व वर्तमान की झांकी प्रस्तुत की गई है जिससे समाज को अपनी स्थिति

सामाजिक महत्व व प्रगतियों पर दृष्टिपात करने का अवसर प्राप्त होगा। वैवाहिक सम्बन्धों को तय करने शासकीय और वास्तविक जैन जनगणना की तुलना करने, जैन व्यापारियों डॉक्टरों, वकीलों आदि से सम्पर्क स्थापित करने में यह निर्देशिका सहायक सिद्ध होगी। और अन्त में संघ के रचनात्मक कार्यों के लिये आधार स्तम्भ होगी। यह समाज के सहयोग व सदस्यों के अथक परिश्रम का फल है। संघ उन सभी बन्धुओं का अत्यन्त आभारी है जिनसे परोक्ष या प्रत्यक्ष रूप मे इस कार्य में किसी भी प्रकार की सहायता मिली है। सम्पादक मण्डल सराहना का पात्र है जिसके सुप्रयत्नों से निर्देशिका का प्रस्तुत रूप उपलब्ध हुआ है। सभी ने किसी न किसी रूप में बहुमूल्य योग दिया है। फिर भी कुछ विशिष्ठ साथियों व महानुभावों का उल्लेख करना मैं अपना कर्तव्य समझता हु।

संघ के अध्यक्ष प्रो. लालचन्द जी सम्पूर्ण योजना के पीछे शक्तिस्रोत रहे हैं। श्री मिश्रीलाल जी पाटनी के सार्वजनिक अनुभव व उनके सुलझे हुये विचारो का प्रकाशन में पूर्ण उपयोग किया गया है। वे वयोवृद्ध है किन्तु उनका उत्साह युवको से कही अधिक है। प्रधान सम्पादक प्रो. एन. एल. जैन ने कर्तव्य परायणता का परिचय देते हुये हर समय प्रकाशन की सफलता के लिये प्रत्येक संभव प्रयास किया है। सह सम्पादक श्री कपूरचन्द जी बरैया की आकर्षक शुद्ध शैली ने बिखरी हुई सामग्री को क्रमबद्ध प्रस्तुत कर सम्बन्धित विषयों का रूप ही बदल दिया है। श्री रविन्द्र मालव, श्री नरेन्द्र कुमार सोनी ने यथा समय अकथनीय सम्भव सहयोग प्रदान किया है श्री कैलाशचन्द जैन व श्री धर्मचन्द बाकलीवाल ने विज्ञापन कार्य में अभूतपूर्व योग दिया है। संघ के समस्त सदस्यों द्वारा किये गये सम्बन्धित प्रयास अनुकरणीय हैं जो भविष्य मे प्रेरणा के स्रोत रहेंगें।

इस कार्य में रूप रेखा बनने के समय से पूर्ण होने तक अनेक कठिनाईयाँ उपस्थित हुई हैं किन्तु सबसे बड़ी कठिनाई व्यक्तियों द्वारा सम्बन्धित सामग्री देते समय विलम्ब करना है। मुझे खेद है अब भी ऐसे अनेक व्यक्ति हैं जिन्होंने अनेकों बार मौखिक लिखित और व्यक्तिगत रूप से की गई प्रार्थनाओं पर भी जानकारी देने या भेजने का कष्ट नहीं किया। कठिनायों से सिंचत सामग्री प्रारम्भ से ही प्रेस में नहीं दी जा सकी, अन्तिम स्टेज तक नवीन सामग्री आने पर संशोधन करने पडे। प्रेस के व्यवस्थापक भी जॉब कार्य की अधिकता के कारण यथोचित समय इस ओर न दे सके। इसी कारण निर्देशिका देर से प्रकाशित हो सकी है। इसके लिये मुझे खेद है।

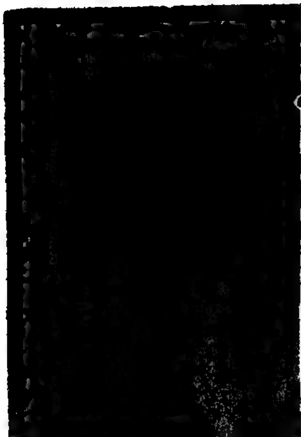
प्राचीन शास्त्रों, लेखों, राज्य पत्रों, वयोवृद्ध व्यक्तियो के अनुभवो व संकलित तथ्यो के आधार पर यत्र तत्र बिखरे मोतियो को अतीत की धूल व वर्तमान की परिस्थिति से जो कुछ भी हम उठा सके हैं आपके समक्ष प्रस्तुत हैं। सुझाव, अशुद्धियां संशोधन आदि के लिये आपके विचार भविष्य मे मार्गदर्शन करावेंगे ऐसी आशा है। यदि समाज व सदस्यगण अतीत के आदर्शों से प्रेरणा और वर्तमान परिस्थिति से शिक्षा लेते हुये विकास शील प्रवृत्ति को अपनावेंगे और भविष्य के निर्माण मे लगेंगे तो संघ अपने इस श्रम को सफल समझेगा।

संघ के भावी-कार्यक्रम—

- मैरिज ब्यूरो, की स्थापना
- जैन कॉलोनी का निर्माण
- गरीब व विधवाओ के लिए लघु उद्योग की स्थापना
- प्रतिष्ठित व्यक्तियों का जीवन परिचय प्रकाशित करना

महामन्त्री
केशरीमल पाटनी

सम्पादक मण्डल



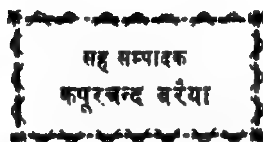
प्रधान सम्पादक व उपाध्यक्ष
प्रो. एन. एल. जैन



अध्यक्ष—
प्रो. लाल चन्द्र जैन



ललित मन्त्री व सम्पादक सदस्य
रविन्द्र 'मालव'



सह सम्पादक
कपूरचन्द बरैया



सम्पादक सदस्य व सहमन्त्री
कैलाशचन्द जैन



प्रधान संपादक व महामन्त्री
केशरीमल पाटनी



सम्पादक सदस्य
नरेन्द्र कुमार सोनी

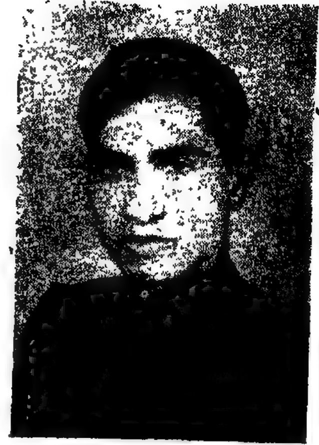
कर्मठ कार्यकर्ता



कमलकिशोर गोधा



होतीलाल जैन



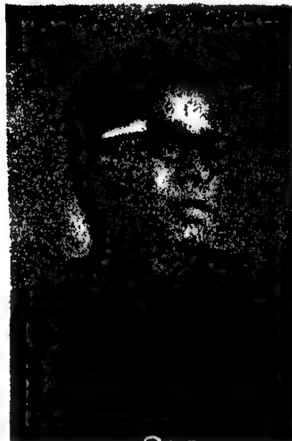
प्रमोदकुमार पाटनी



धर्मचन्द बाकलीवाल



रतनचन्द जैन



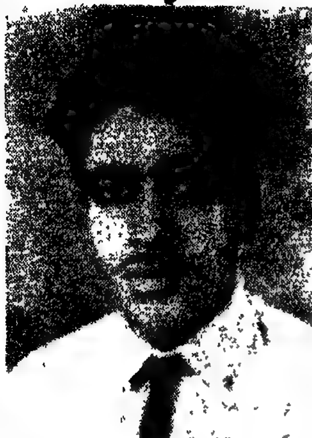
मोतीलाल बज



ऋषभ कुमार



शान्तिकुमार जैन



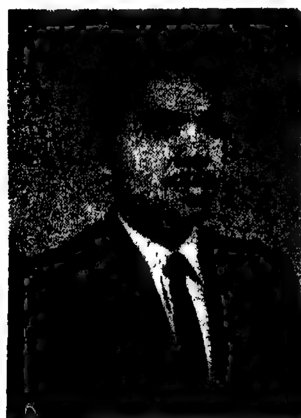
प्रकाशचन्द वरैया



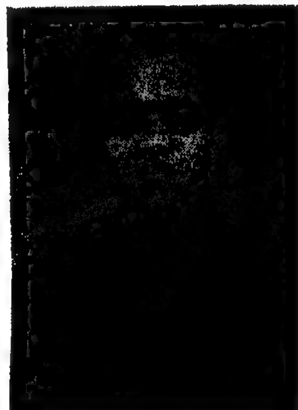
नरेन्द्र कुमार पाटोदी



ताराचन्द बांठिया
कवर डिजाईनर



ओमप्रकाश सरावगी



राजेन्द्र कुमार पांड्या



वीरेन्द्र कुमार बापना



अजीतकुमार रियांवाला

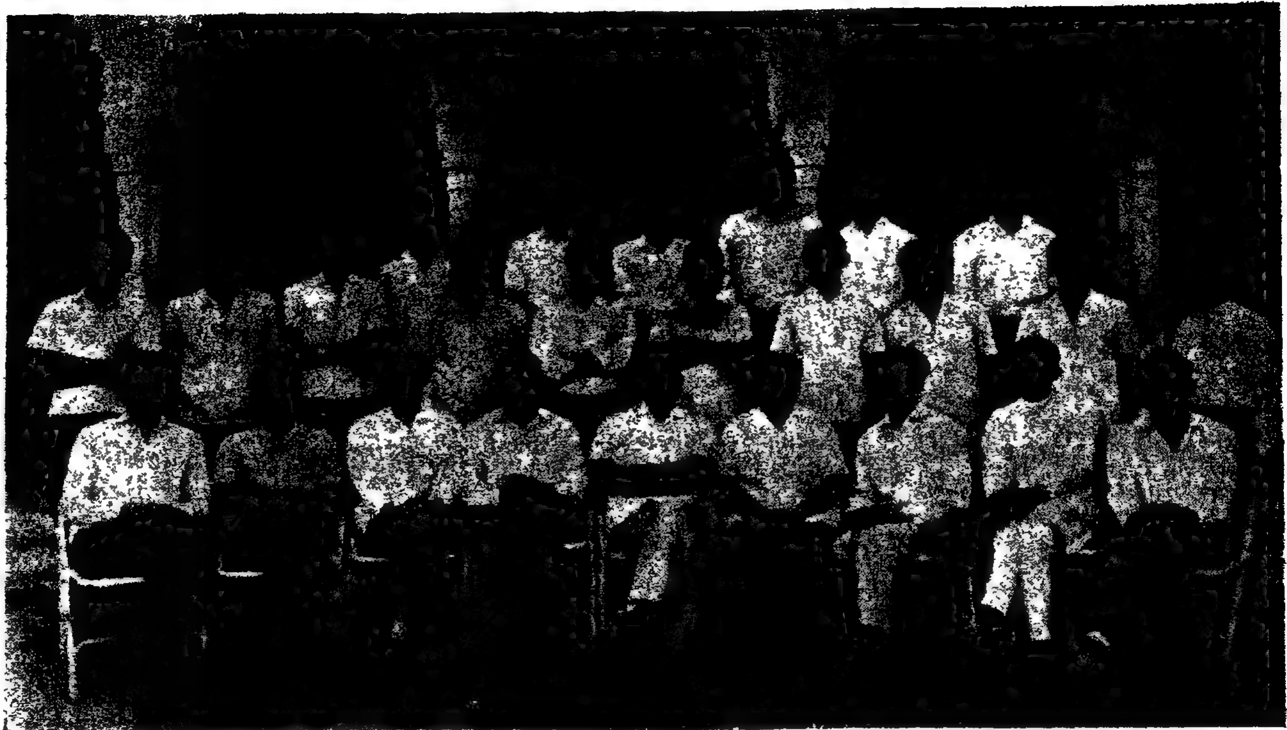


अजीत कुमार बड़जात्या



रमेशचन्द जैन, मुरार

वर्द्धमान दि० जैन नवयुवक संघ, चीरुआना ओली, ग्वालियर—१
साधारण सदस्य १९६८-६९



बैठे हुए सदस्य—सर्वश्री नरेन्द्र कुमार सोनी, प्रो जी. डी. जैन, अजितकुमार बड़जात्या, धर्मचन्द बाकलीवाल, प्रो. लालचन्द, प्रो. एन. एल. जैन, केशरीमल पाटनी, रविन्द्र मालव, प्रमोद कुमार पाटनी।

प्रथम पंक्ति में खड़े हुए सदस्य—सर्वश्री ऋषभ कुमार, कमल किशोर गोधा, सुरेशचन्द, निर्मल कुमार विमलचन्द पाटनी, कपूरचन्द सोनी, विनोद कुमार गंगवाल, अनिल कुमार गोधा, सन्तोष कुमार सेठी, वसन्त कुमार पाटनी।

द्वितीय पंक्ति में खड़े सदस्य—सर्वश्री सुमेरचन्द पाटनी, सुरेशचन्द जैन, सुरेन्द्र कुमार, नरेन्द्र कुमार पाटोदी, नरेन्द्र कुमार जैन, बाबूलाल चौधरी, एवम् अनुपस्थित ४५ सदस्यगण।

निर्देशिका मूल्य : एक रुपया, सजिल्द १)५० पैसे



J. B. MANGHARAM'S

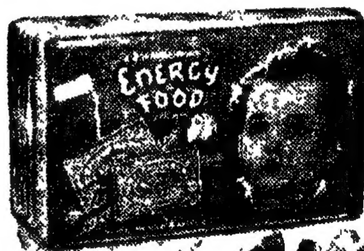
BISCUITS
&
SWEETS

WHEREVER
You go
HOWEVER
You enjoy















Choice of millions!

who is he?









what

what

TING

GW

EWS!